



रिद्वन-मुश्ह्ला

**বিভী**য়ঃ খণ্ডঃ। ( **১** )

्र इ.स.स.च्या च्या <del>विक्ती अर्था अ</del>

পুজনীয়- श्रीशुक्त-इङ्गामान-लाहिएन-अर्थात्। ASCAL- // GOO

Acc No. 168282

হাওড়া-নহরছে

Date

11.3-9

"পুশিবীর ইতিহান" মুদ্রা-মঞ্জে

St: Card

St: Card R-Class;
Cat:

Bk; Card;

ব্ৰীণীরেজনাথ-লাহিড়ী-শৃত্রণ দুদ্দিনা একাশিলাচ।

# অথব্ববেদ-সংহিত্য।

### **बिश्रालनाम्म अर्थः** भ

वात्रीनाचाः स्थमनकः शक्तार्थानाम् छैनकः स्थ । वर मस्यक्षिक्रकृत्वाः स्वायः नमायि गणामनम् ॥ > ॥ भण निर्मानचरः त्वता (वा त्वत्वत्वाधिकः स्वर्थः । निर्मात्व छम् स्वरं वत्त्वाधीर्वत्वस्वत्वम् ॥ २ ॥

## প্রথমং সৃক্তং।

্ৰিভীয়ে কাজে বছু অভুবাকাঃ। তত্ত্ত প্ৰথমেছবাকে পঞ্জুকানি। ভত্ত 'বেনঅং' ইতি প্রথমং পুরেং। তক্ত অভিমত্কল্লিজানিজানকর্মপু বিনিয়োগঃ। তানি চ। গঞ্পর্মবৃত্বেশুদন্তং কাম্পীলবৃক্ষশাবাং বৃদ্ধ বা অভিমন্ত্রা অভিমতকার্যাং লক্ষিত্রা লগে দেশে উर्द्धः बात्रद्वर । यति वश्वामब्राम्ब्राञ्चाकविन मिश्राच्यः छता कार्यानिद्धः जानीवार विश्वाद्य कु चनिद्धिः। छद्दान हेदुः नद्धात्र चरमन शुक्तन चित्रद्धा निश्रालः। निर्मिहेनकान्यानन व्यर्गनिक्तिः। छरेवन छन्कपूर्व कृष्ट्य कमलुरतो ना हुई: खिलिना वाशाहरू। छरमम व्यक्तिक वा व्यक्तिक व्यक्तिकः ॥ छ्रेष्य वर्षक्ष व्यक्ति व्यक्तिका कार्याः विविधिष् খণাখেং। দ্মদংখ্যাধাং, অভিমতনিদ্ধিঃ। এবদ ইশ্বং অভিমন্ত্রা অক্লিপেং। প্রদক্ষিণ-खनातम इहेनिदिः। छटेचव चन्नान् चामन चित्रद्वा अन्तित्वर । हेहेनःव्यानकत्मन कार्युः ণিদ্ধিঃ। এবং হস্তয়োরকৃলিবয়ং অনেন অভিমন্তা চিস্তয়েং। উদ্দিই। জুলিম্পর্শমেন অভি-न्विक्तिद्ध ।: क्रेंबर अक्रिश्मिकित्रशाकाः मर्कता चिम्बा करका शृशेषा विक्तित्। वृद्यात्मनः र्मावववकात्वम अर्वनिद्धः । जन् महेळवाविकामार्वः छेवकुष्ठः वनः भक्षान वा নবব্য্ত্রেণ আবেষ্ট্র দম্পাত্য অভিমন্ত্র অরজোবিত্তে কুমার্থা। হরতং ইতি জ্বরাং। তে চ খেন विশ্ভাপেন হরেভাং ভতো নটং ইভি আদীয়াৎ । ভবৈব বিবাহাৎ প্রাকৃ কুমার্বাঃ দৌভাগা-षिन अभिवक्षान कर्षना नि]चाकु जिलाहेरको करनाहेठ ज्ञानरताहेषानामरनाहेक्र भाग्य करता। मृह्यिका স্নেট্নৰ স্ক্রেন অভিময় আলাং অক্তমাং গুৱাপেতি ছুবারীং জ্বরাং। ভত্ত পাকৃতি-(नाहेरबोक्राहेरहाः नार्माय कनार्गः छवछि । चाक्रिलाहेर क्रिक्र किए पूर्वर छैक्रः । উতুপ্ধলোষ্টশার্থমের মন্ত্রিষ্কৃতীতি স্থানীয়াং ॥ তথা কুষার্থা। অঞ্জাে উদ্কং লাপূর্ব্য লভি-मद्रा श्रीकरणीय कार जवार। विक शाहीर विकार श्रीक मिमरप्र कना कनानर श्रीवार है

জাত্র পরে। 'বেনজন্ ইতি পঞ্চপরের্কুজকমন্তল্ভবদান্দীলশাণমুগের্মাকের পাণ্যোরেক বিশেল্যা শর্করাঃ' ইত্যানি 'উল্লাঞ্জনিং নিনরেন্যার প্রাচীনং জগদিপয়াং কলাণং' ইতার স্তাইনাং (কা • হা১)। জাত্র শি নাং শিল্যা জনিতা' (২০০) ইত্যালা গুচঃ জারিচরনে বোড়শগুনিভান্তরার্দ্ধালোন বৈশ্বকর্পনেরাহে বিনিরেগিঃ। উষ্ণেং বৈজ্ঞানে। 'বে বিশ্বকর্পনিঃ (১০২।২৬) ইত্যাপ্রস্থলা বোড়শগুনীভার্মনা ল নঃ শিল্যা জনিজ (২০০) ইত্যান্তরার্দ্ধালা' ই:ত (বৈ • হা২)।

### ডক্র প্রথমা।

বেনতাৎ পার্সং গুঢ়া যদ্ যত্ত বিশ্বং ভব্ডেড্করপেখু।

देनर पृक्षित्रष्ट्रहण्यात्रमानाः व्यक्तिरमा चार्मन्त्रण खाः । ) ।

### नप-नार्वः ।

ংবনঃ। তথা পৃত্তথা প্রমন্। ক্রা। যথ । যথে। বিশ্বন্য কর্তি। এক্ষ্রপুদ্ধ

। देनन्। पृत्रिः। जङ्गरः। बाह्यानाः। चःश्तिमः। चित्रः। चर्न्यः। द्वाः॥ ५॥

हैजापार कश्रास्था भावसमानः श्रामाः एसिकः। पः पस्प्रिम् भाक्तिस् বোৎপাৰকং বিদন্তি আনজীতি কর্মিনঃ। স্বানিডো ভবতি কু অরণ: স্থ ঈরণ ইতি 🖘 নিরুক্তং (নি॰ ২।১৪)। সভানৃশং আভিষুখোন তং আদিতাং স্কবল্ভি। পু শুণনে । ভিন্দলি লুঙ্লঙ্লিটা ইভি বর্ত্তধানে লুঙ্। বাভাবেন আত্মনেশদং। কুটাদিছেন লিচে: ভিরাদ্ গুণাভাবঃ। 'অনিতাই আগম্পাশনং' ইতি ইড্ডাবঃ। যহা। বেনঃ পর্জ্ঞগুলুষ্ भवाभवारमा (वनः। 'वाहूः वक्रवः' हेकि अक्रमा '(वनः अञ्गीकः' हेकि (मिन् ८४) মধ্যমস্থানবেশপশে পাঠাং। তং আদিতামওলত্বং উদকং গভাতি। তদেব বিশিন্
ই ∤ भावमार छेरकृहेर श्राहातरम व्यामिकामकत्म यम् छेन नर व्यक्ति। सता क छेनत्क निर्मार कार धक्ता रेनिविक्सवात छेनकाक्षकर छन्छ। 'बाला वा हेनर बहुश निवनर भागीर' (देव- गर- १/x e/x) देखि 'बारमा वा हेबर मर्बर विचा छुठाछान:" (देड- चा- ১- २२) हेकि ह आएड:। चन वा यक विश्व नतक विवास विवास क्रिक्स केनबीबारबम अकाकात्रवृद्धमन् ध्वछि। अकारक हि। 'मामायनमः धन् देन नगरकः মানাক্ৰতান্তেপ এবাভি প্ৰনশ্ব ( তৈও লংও ১০০ ) ইতি। তৎ পশ্ৰতীতি প্ৰস্কঃ। देवर : देवक्नादेवस्य । देवका देखा देवका श्रीतः आवित्र : कर्माश्वनमृत्रा ना अवहदः वर्षित । 'बना थन् वा अनावानिष्ठा। सङ् त्रामित्रः भर्मावर्ष्यत्व वर्षि हेलि हे देव । नर-२।६।२०।२ ): 'वाचित्राविकाञ्चनिक अभाविकाचिः भव्यत्वा वर्विक' (टेक व्यान ५०।७०) ইতি তৈভিনীরক্রান্তঃ। কালিত্যকালতে ১টির্টেন্নং ভতঃ প্রকাঃ। ইভি ( ম॰ মৃ॰ ০.१৬ ) মৃতেশ্ব। জায়্মানাঃ পুরেরংপগুসানাঃ ক্রিছঃ প্রায় সন্তরিষীঃ ব্রায় ব্রিঃমাণাঃ দম্ভকাষানাঃ ক্রীক্রিমাণা অপ: সংর্কে জনা অভানুষত অভিট্রন্তিঃ এবং केळनकवः वर्त्तक व्यक्तिनाः ५.७१५-७विकामः क्रानुः देखि विकासकर्यक्षः 明明: | ( 4年 | - 2年 - 27 - 27 ) |

### विक्रीमा ।

আইণি পদানি নিহিত। গুহাজ ক্সানি বেদ স পিতৃতিপ্তাসং। ২ 🔊

भक्- भार्कर I

**४०। स्तरिकः। अमृत्यः।** क्शिया ।

ধ্যে। প্রথম্। প্রেণ।

শম্ভত শবিনাশিনো ব্রহ্মণো বিষাম শানন। "ক্রিয়াপ্রহণং কর্ত্বণং" ইতি কর্মণঃ
শহাদামদাং "চতুর্বার্থে বছলং ছন্দণি" ইতি বস্ত্রী। ম দ্বৰ "কর্ত্বক্রণোঃ কৃতি" ইতি কর্মণি
বন্ধী। "ম লোকাব্য়ানিষ্ঠাত" ইতি ভতাঃ প্রতিবেধবিধানাং। সর্বেশপদাগাহারেশ বা শব্দঃ
শম্ভত সক্রণং বিষান ইতি। ম বিছতে মৃতং বড্ডেতি বছ্রীছে) দদালে "মঞ্জুল্ডাং"
ইত্যুদ্ধরশহাজোদাভতে প্রান্তে "নঞ্জো জরমর্মিক্রমৃতাঃ" ইত্যুদ্ধরশদাভাদাভতং। গদ্ধর্মঃ।
গাবো রক্ষায়ঃ। তান ধারয়ভীতি গদ্ধর্ম আদিভ্যঃ। "স্বর্গো ক্ষর্মন্তত স্বরীচয়োপ্রবাং"
( হৈতসংত্যা স হার্ত্বভাল সাধ্যে বেদলকশাং বাচং বা ধারম্ভীতি সন্ধ্যা। "বস্তিঃ
প্র্যাহ্রে দিবি দেব স্থাতে" ( তৈত লাত ১২২৯ ১ ) ইত্যাদিশ্রুতেঃ। "প্রি পন্ প্র্ক্রের বং"
ইতি গোলকোশপদাদ্ পুঞো বপ্রভাগঃ। গোলকত পন্ আন্দেশঃ। তং উক্তলকণং ব্রহ্ম
প্রবিচেৎ প্রত্রবীভূ। উপাদকেতা ইতি শেষঃ। "ব্যবহিত্যাদে" ইতি অন্ত্র্বাহারীত্রব্যবহিত্তিহারা সম্বর্জা
ক্রেপ্রান্তর্ভিত্তিহারা সম্বর্জা
বিহুত্তিং ধান পুনরার্ভির্ভিতং খ্যানং। উক্তং হি ভগবতা।

ম তদু ভাতরতে হথোঁ। ম শশাছো ম পাবক:। মদু গছা ন নিবর্তত্তে তদু গাম প্রমং ময়। ইতি ( ভ॰ গী॰ ১৫ ৬ )।

ভাষা ভাষাং ক্রজণায়াং ছিতং যৎ তবাং তদ্ বোচেৎ ইতি দখন্তঃ। ক্রদমন্ত নিভ্যাপ-রোক্ষণ পরক্ষণ উপদেশ্রহং পক্ষপায়ঃ ইতাত আব ত্রাণি পদানীতি। আশু পরমাধানদ্রীণি পদানি ভাষা ভাষাং নিহিভা নিহিভানি। যপ্রশি আর নির্পাধিকত ব্রহ্মণো নির্বন্ধবন্ধ পাদকল্পনা নেগপপ্রতে তণাশি ভূতভৌভিক প্রপঞ্জাতাৎ ততুপাদানস্থ আছানো নিরভিশন্ধন্মইত্বং প্রতিপাদরিত্বং ত্রিপদ্ধাং উক্তং ইতি অবিরোধঃ। যথা ছালোপো। "পালোভ দর্মক্ষিভ্রানি ত্রিপাদরিত্বং ত্রিপদ্ধাং উক্তং ইতি অবিরোধঃ। যথা ছালোপো। "পালোভ দর্মকি ভ্রানি ত্রিপাদরিত্বং ক্রেক্ষ উপদেশেকলম্পিস্থাং অভ্যাতি ভাগের্যার্থঃ। নিহিত্তি। নিশ্রমান্ধ থাঞেঃ কর্মণি নির্তা। "বেখাতাইং" ইতি বিরাদেশঃ। "শেক্ষানি বছলং" ইতি শেলোপিঃ। "মন্তিরনভারঃ" ইতি সভ্যোপান্ত ইতি পদশক্ষেন অংশীভূতা বিরাভাচরণান বর্তের্বরী উচালেও। গুরাতি মুমুক্ষ্তিঃ প্রাণান্ত ইতি পদশক্ষেন অংশীভূতা বিরাভাচরণান মত্তের্বরী উচালেও। গুরাতি সংস্থাতাতি পরিচ্ছিন্তি পরমান্ধানং ইতি ভ্রানি দ্বিভানি ও প্রাণ্ডিবর্বান্ধানি করে বার্থির ত্রিপ্রাণ্ডিবরান্ধানি করে পার্বরোধিকানি প্রাণ্ডিবরান্ধানি করে পার্বরোধিকানি প্রাণ্ডিবরান্ধানি করে পার্বরোধিকারী ভানি ভ্রুৎ পার্বরোগ্রাক্ষিক নির্বান্ধ ব্রেক্তিবরান্ধানি নির্বান্ধারী ভানি ভ্রুৎ পার্বরোগ্রালক্ষিক নির্বান্ধার ব্যাব্রিপ্রাণ্ডিবরান্ধারিক করে বার্থির বিরাদ্ধানি করে পার্বরোগ্রান্ধানিক করে বার্থির ব্যাব্রিকারি ব্যাব্রিকানিক ব্যাব্রান্ধানিক করে বার্থির ব্যাব্রিকারিকার ব্যাব্রান্ধারিকার ব্যাব্রান্ধারিকারিকার ব্যাব্রান্ধার করে বার্থিরেরান্ধার ব্যাব্রান্ধারিকার ব্যাব্রান্ধার বিরাদ্ধার ব্যাব্রানিকার ব্যাব্রানিক

পাৰিপরিত্যাগেন দাক্ষাংকরোভি। বেজে: "বিদো লটো না" ইভি ভিলো পল্ আবেশঃ।
"শিভি" ইভি প্রভারাং পুর্বান্ধ উদাভতং। "বৰ্জান্নিভাং" ইভি নিম্বান্ধ ভিনেষ। দ বিষান্
শিজুঃ স্বলনকভাশি শিভা কারণভূতঃ অনং ভবভি। অক্তেনেটি অভাগমঃ। নর্মান্ধ বিশ্বান্ধ ভূতব্র্মীভাবেন স্বন্যাশি দর্মান্ধ গংকারণবোপপভেঃ। তদ্ উক্তং দামব্রাক্ষণে। "শিশুর্বান্ধ আদিরশো মন্ত্রভাং মন্ত্রন্ধ আদীং স শিভুন পুরুকা ইভাসন্তর্মত ইভানি। স্থাতে চ।

> আবাপেরামান পিতৃন শিশুরাজিরনা কবিঃ। পুত্রকা ইতি হোবাচ জ্ঞানেম পরিগৃহ তান ঃ ২০১১ তে কং আর্থ স্পৃত্ত দেবাম আপ্রমন্তবঃ। বেবাশৈচনান নমেতোচুর্নাবাং বং শিশুরুজ্বান ঃ ২০১২২

ইভি (ম॰ খ॰)। অধ বা ভানি বিরাড্তিরণাগর্ভেশ্চরভখানি বেল প্রণবাবরটাই অকারাদিভিঃ ব্যষ্টিরূপাণাং বিশ্বতৈজন প্রাজানাং লম্ভিরূপবিরাডাদিভাদাম্মজানপ্রচলরং ভূরীয়ং বস্তু বো বৈদ্ধ ল পিতৃঃ পিতা অণদ্ ইভি পূর্ববং ঃ (২লা – ১২৮ – ১২৭ – ১২৮ –

তৃতীয়া।
নঃ পিত। জনিতা ল উত বজুর্জান্ধানি বেল ভূবনানি বিশ্বা।
হো দেবানাং নামধ এক এব তং লংপ্রশ্বং
ভূবনা যন্তি সর্ববা। ত।
গল-পাঠঃ।
গা ম:। পিতা। জনিতা। লঃ। উত। বছঃ।
গামানি। বেল। ভূলনানি। বিশ্বা।
বঃ। দেবানাং। নামহ্যঃ। একঃ। এব। তং।

गर्थमन्। प्रमा। त्रिः। गर्माः 🤊 ॥

ল পুর্বাজ্বর পরবাজা নঃ ক্ষাকং পিতা পালয়িতা। ন কেবলং পালকঃ কিছ জনিতা জনবিতা উৎপাৰ্কঃ। 'অনিতা মৃত্রে' ইতি নিপাতনাৎ শিলোপঃ। উত জাশি চ লঃ **छेल अव वक्दा बाजाविकाला वक्दार्गा। श्वाकीमार एकमामार क्याविकालम अवागर** ভভনামতি: ল এবাতিবীরত ইতার্ব:। বন্ধু:। বন্ধ বন্ধনে। শৃতু সিহিত পালিবলিহনি-ক্লিবিশ্বনিভাশ্চ (উ॰ ১া১॰) টুভি উপ্রভাবঃ। খাজে নিং। (উ॰ ১া৯) ইভাভো নিং ইভাছৰুংজঃ 'ঞ্নিভাবিভিত্ত' ইভাজালভবং! ইলানীং তছ প্ৰজ্ঞতাং আৰু। ধানানি কৰ্মকণ্ড বৰ্ণাবিস্থানান। ধামানি এরাবি ভবতি। স্থানানি নামানি কন্মানীত। ইতি हि मिकक्कर (मि॰ अ१४৮)। एक चिलामि विश्वी विश्वीमि नर्वानि कवित मकार मकरक উৎপদ্ম ইাত ক্ষুব্দানি কু ভ্ৰাভানি চ বেদ। স্বাধ্যম্ভং কুৎক্ষপ্ৰপঞ্চ স্বাভিত্ৰং আনাভীভাৰ্যঃ। खबा व फेक्क: भद्रवाचा अक अब दवनानार देखांबीमार चल्रहोमार मानवार। देखांबळात्रीसं साधानि क्यांकि विक्यांकि करवाली कि मामवार । अंत्राट वि । 'मर्कान क्रमान विक्रिका बीटक मानावि द्वाधिवसन यवार्ष ( रेज- चा- कार्रान ) हेकि। वदा हेकामाविद्यवस्त्रकाकृतः भन चक्रतावानि चत्रत्वव वरक केकि नामवाः। कवा ठाव्रावरक। 'करवनातिकम् वाह्यक् ভূৰ্যালয় কলেখাঃ ভাৰেব খাঞ্জ ভড় বালা ভড় আগপড়ং প্ৰালাগিডাং ( ভৈ জাত ১০)১ ছ ) केंडि । 'हेल्लर मिळर' वक्रमः चांशर आहदाया प्रवाह न चनार्व। वक्रमान । अकर नम् 'विद्धा बह्य बक्साबिर यमर माकतियानर चातः' ( स. > >६। ६६ ) देखि । मार्माभनगाद क्यारका 'बार्डा धनिभक्तिव्यनिगम्ह' हैवि हकाउन किह खडाया 'विष्ठवायरकानवसर क्रूर' ( इंडि ) डेख्रनम्ब्यकृत्यित्रकः। ७१ डेक्नम्मनः पाष्ट्रामः क्सानि (जुरमा) जुरमामि जुडवाडामि। डेडब्रब '(मण्डमनि॰' देखि (नह्मानिः। किविद्याप्तर जाणा देखि नकृत कित्रमानः क्षेत्रः मरक्षप्रः। कर विक आशु विका "बरका वारता निवर्षाय" (देन- व्या- ৮,३) वेकाानिक्षता नवक्षक व्यवाचानगात्रवाद करवज्ञभर बिर्म्ह्लर व्यवस्थाः महस्य विकासनः किर व्यवस्थान कामाहिक नकः के बिक्र नः निर्दाष्ट्रतः चनविष्टितः व चनकः कि मिमक्कावनस्मव देख केनाबायकात्रमधीन वेटकावयाविमानसर जानक्ष वेकार्यः। ज्यव सा माध्यसः। क्रिमाविद्यम्बन् वाकर । नक्षकः श्राप्तः न स्थापाः । करणेक्काः क्रमाद्वानारम्बद्धान नक्षमास्थामः विका करेंगकार जक्त हेंकार:। "बरेका मन् बनारमाधि"( देव- चा- शर ) "वचांवर चारधाडि श्वर'' ( देव · चा · ৮।> ) "ब्रम्न (१व ब्रदेश्वर चर्चात्र" हेका।।वस्तिकाह । विश्वर कुरम्बर सम्बर कर्ष कर्षना दाराज वार भवा। विश्वकर्षनासन भवादिया वाह्यक है। ह देवसकर्षना हार्याक अन्ता बहुता विभिन्द्रात्र छेल्लक्षाः। नैरश्य देखा अन्त क्वीव्यात्राः देखात्रार कृष्णु सार 'यक्षत्राह." रेखादिना महः "वाद्य हानक्रकाल" रेकि निवाचनार मध्यनात्रनाचारः। कृद्रचत्रनम्थक्विकरुष्ट्रा स्कोचि । देन् ग्राको। "देला स्नू के कि यम नारमनः। (२का-२म-०ए-०म)।

চতুৰ্থী।

। ।

পরি ভাষাপৃথিবী সত্ত আরম্পাতিঠে থাণ্ডলত ।

বাচনিব বক্তবি ভূবনেঠা খাণ্ডারেশ নাইতবা অরি:। ।

পরি। ভাষাপৃথিবী ইতি। প্রচা আরং। উপ।

আহতিটো প্রথমহজাপ্। বততা।

বাচন্ট্র। বক্তবি ভূবনেহভাগে থালুগো এখন নত্ত।

ভানোন্তরকালং তথ্বিদ্ রেতে। ভানাপুথিনী ভৌলত পৃথিবী চ ভানাপুথিবোঁ "দিনো ভানা" ইতি ভানাপুথিনী ভৌলত। "বা ক্ষণি" ইতি পূর্বাণবণীর্বা। "বেণভাবতে চ" ইতুভেরণদপ্রকৃতিখনবং। ভর্গকিতং কংলং ভগং দলঃ তথানীঃ ভষজানদনকালনের পর্যারং পরিভঃ প্রাপ্রান্ আনি। সাভেদেন অনগতত রাদাং নর্বাত্মকরাত্ ইতি ভানঃ। ভবা চ ক্রাত্তরে। "অহং মহুরভনং প্রাণ্ড" ইতি (বা ০ ৪,২৬,১)। ইণ্ গভৌ। লভি উত্তরৈকন্তনে ভণুরাবেলরোঃ আভাগমঃ। বহুত্ম শতাল্য লভাগে, ব্রহ্মাঃ। লক্ষণানাজে ইটা। প্রাণ্ডমাঃ ভ্ততিক প্রশক্ষণাতাৎ পূর্বাং উংগল্লঃ স্বোল্লা। ক্রায়তে বি। "হির্বাগর্জঃ সমন্ত্রাগ্রে ভূওত আভঃ পতিরেক আলীং" ইতি (বা ০ ১০)২২)১)। উপতিঠেও। ল ববা সমন্ত্রিলেণ কংলং অগন্ ব্যাণ্য অবভিগতে ভবদ অহং আলীভারঃ। প্রথম ভালত ইতি প্রথমজাঃ। অনী প্রাত্তিবি ইত্যাদাং "অন্যন্ধনতন্দেশ্যমা নিট্"। "বিভ্নারন্ধনানিকভাং" ইতি আবং ৷ সন্তঃপ্রাপ্তিং প্রথম্বেন উপণানয়তি বাচ'মনেতি। বজ্ঞার প্রয়োজনি ভ্রাং নাচং মিকটিছিতা নোজারো যণা প্রয়োগ্রমানকাল এব অন্যাহজি তবেভারঃ। বছা আন্না প্রথমত অক্ত স্বাল্মকতাং আহ্ বাচমিবেভি। প্রথমার্কে বিভারং শক্ষত্ম বজার প্রয়োলনা প্রবাল্য ভব্লত স্বাল্যকাল আহ্ বাচমিবেভি। প্রথমার্কে বিভারণ প্রিছিল্লং লন্ম ব্রাণ্ডমার্কিভা। ব্যক্ষরার্বিয়াঃ।

দ বং শ্রুতিসম্প্রি: শস্ত্রপ্রেতি ক্যাতে। দ তু দক্ষত্র দংস্থাতো আতে ভূতাকরে পুনঃ। আবির্ক্রতি দেহের প্রদিনাং অর্থবিস্থৃতঃ। ইতিঃ অবং শরমান্ত্রা ভ্রমেন্টাঃ মারাভংকার্যান্ত্রকে ভ্রমে ভ্রমে ভ্রমাত ভিত্তি উপছিতঃ দন বর্ত্ত ইতি ভ্রমেন্টাঃ। তির্ত্তিকিচি 'ওংপুক্ররে কৃতি ভ্রমেণ্ড বিশেষণং এতং। পোরণাছেন বর্ষণ। এব পরমান্ত্র ধারাঃ পোরণজানান। তেতুগর্ভবিশেষণং এতং। পোরণাছেন ভেতিত্রতার ভ্রেত্ব বর্তত ইতার্বঃ। ভ্রমান্ত্র গারণপোরণয়োঃ ইভান্তাং দর্মাণভূজােং কুন্ (উ ০ ৪০৮৮) ইতি ভাবে অসন্ প্রভারে গাইতি রূপং। য়াঃ গারণং পোরণং অগত ইক্তিউভি ভ্রমনি পরেজারামণি" ইতি কাচ্। "কাাজকানি" ইতি উপ্রভারঃ। যায় ধানিরিভারনাম। ভর্ণলিক্তঃ পোরাজাতং। আরুন ইক্তেটিভ বারাঃ। ধাঞ্র উণান্তিকঃ দিল্লভারঃ। ভতঃ ভাচি অভালোগাল্লকাঃ। নিজ্রিলা নতঃ কবং পোরক্তং ভোজাে বিশ্বভারঃ। ভতঃ ভাচি অভালোগাল্লকাঃ। নিজ্রিলা নতঃ কবং পোরক্তং ভোজাে বিশ্বভারঃ। ততঃ বাচি বিশ্বভারে। এব পরমান্ত্র আর্মিন্দ বৈশ্বমিরান্ত্রনা পোরকাে ভোজাে বনু। শ্রান্তিতি। এব পরমান্ত্রা আ্রমিন্দ বৈশ্বমিরান্ত্রনা পোরকাে ভাজাে বনু। শ্রান্তিতি। ভ্রমান্তর বিশ্বমিরান্তরনা পোরকাে বিশ্বমিরান্তর। ভ্রমান্তরিতি। ভ্রমান্তর্থা ভ্রমিরান্তর্থা ভ্রমান্তরিতি। ভ্রমান্তর্থা ভ্রমান্তর্থা ভ্রমান্তর্থানিক লােম এবারং ভ্রমিরান্তর। ভ্রমান্তর্থানিক বাাম এবারং

জনং বৈশ্বানরে। ভূতা প্রাণিনাং দেহং আশ্রিক্তঃ। প্রাণাপানদ্যাযুক্তঃ প্রায়ারং চতুর্বিধং ইতি । ( ত॰ গী॰ ১৫/১৪ ) । । ।

### পক্ষমী।

পরি। বিখা। ভ্ৰনানি। আরম্বা গুড়য়ন। ভঙ্গা বিহতভগ্য ভূপো কণ্য

विद्याः (वर्षाः। अन्त्रम्। आनिभानाः। समारनः। (पारिनो। अपि। अन्तिगतः। स

বিশ্ব। বিশ্বানি জুণনানি পৃথিবালীন কর্মকলত্তান লোকান পর্যারৰ জ্ঞানেংপ্রে: প্রাকৃ পরিতঃ প্রাপ্তান পরিতো গ্যনত প্রয়েজনং আহা। বতত সভাত ব্রহ্মণঃ ভব্বং পটত ভব্বং জ্ঞারণঃ কর্মানি বিভিন্ন বিভাগ বিষয়ে। পদপুরণাতে নিভাকরেমনবিলঃ ক্নীমিবিভি ইভি (নি০ ১৯)। ব্রাণ বভ্ত প্রাপ্তালক্ষণকর্মণ কারণভূতং ভব্তং ভব্তং ক্রান্তেম্ মূলাভানং বিভন্তং জ্নানিকেন বিভীপি। বিভন্ত ভবং বিভন্তং বিভ্না ইভি (তৈও আন

১০।১.৪) শ্রুতান্তরাদ্ পরাণি ছিবেতাব্যাহারঃ। কং পুথামকং ব্রক্ষা 'কং ব্রন্ধ থং ব্রন্ধ' (ছা॰ উ॰ ৪।১০।৫) ইতি শ্রুতোন দুলে জুইং পর্যায়ং ইতি যোজনা। 'দুলে বিধো চ', ইতি দুলেমধর্প কেপ্রতান্নাক্তো নিপাতিতঃ। জুইবাং ব্রন্ধিব বিলিন্ধি যত্তা দেবা ইত্যাইচেনি। যত্তা বৃদ্ধান্ত ব্যাহান কাম বিলাহ কাম

### ইতি বিতীয়কাণ্ডে প্রথমেশ্বাকে প্রথমং স্কাং

'बिर्गा अञ्चर्तः' ইত্তাতৎ স্থ কং মাজুলামগণে শ্চিত্র। প্রতের ছি। 'बिर्गा গল্পঃ (২।২) ইনং মে অংগ্র (৬:১১১) গৌতে মাত। (৮.৬) ইতি মাতৃনামানি' ইতি (কৌ-১৮)। অসু হস্তক প্রক্রাক্ষ্যাপ্রে।ভূতগ্রহাদিশারায়ে মুতাক্তগকৌধাধ্রোমে চতুপ্রাপ্ গ্ৰহগুনী কশিবঃ। তুত্ৰুমুহক পালালি হোমানে। চ বিনিছে। মাত্নালেঃ স্কাত্রাভচ্বীভত্ব জ্ঞান ত্থা ৰেখেণ প্রালম্পতি চহুপথে চ ৰিরাস দর্ভেতে হৃদারকণালেখন্ডানি হত্যাক্ '(भोदश । ज्ञानित्व वर्षानित्व स्व अवश्वा छ' हे शहर ( को । अव । एका भाव अहे गर । छन्। चुडभारनभधू'२त °) पारचानित्वात १६नाळूट अक्टेबा प्रमानक प्रक्रमाळूट स्मामायूनाभ कमक्ष् বদনা। দ্রু অভু: এরু ( চ ) অংশেন হজেন আলাং জুত্রাৎ। 'লগ ষতিএ গান বর্ষাণ বর্ষান্ধ इति मार्गर मधू ह यं कृतनार' हो क शक्रमा 'मि(ता। शक्तत हो क माकृतामी ७०० व्या প্রাধ '+চ बिः' হ তি ভ এ ক ত্রোণা স্বতং ক্রং (কৌ • ১৩।২) এইবাং। ভণা এহণ জে প্রধান-(श्यांगश्वतः माश्वारं स्तान प्रक्तिन भाषाः खूर्यारः। তদ উক্তः माश्विकाल् গ্রহ্মঞং প্রক্রমঃ ' পার না[জঃ ই ৩)[ব্র 'টবঃ' (২।১১ ; ৪।৪• ; ৪।১৭ ; ৪।১৮ ; ৪ ১৯ ; ৫।১৪ ; ৫.৩১ ; ৮।৫ ; > >) हा बरेनः ( > 1; )।४; २।>४; २ ४ ७ ६; २।२६; ४।२०; ४ ७६; ६।०१; ६।२०; ৮।৩।৪) মাতৃনামাভঃ ( ২.২; ৬।১১) ; ৮.৬ ;) 'বাজোজ্গৈঃ ( এ১২; ৬।৭৩; ৬ ৯৩; ১২।> ) আঞাং সুত্যাং ইতি ( লা ক । ১৬ )। তথা প্রাগ, উদীারতানাং তিংশঞ্জাস্থীনাং তন্ত্র-ভুগায়াং মহাশাত্তো শনেন স্তেশন আজাং হয়। কুন্তে সংগাতান আনংয়ের। উক্তং হি নক্ষত্ত-কল্পে। শৃম্পাতান শানধেৎ কুতে জুক্মিলৈরবেণাডেরিঃ ইত্যারভা চাতনো মাত্নামা চ বাত্তো-সতোৰ পাণুমহা (ন• ক• ২০) ইভি ঃ তথা য**ঞ্যঞ মহাশাস্তালৌ মাজুনামগণণ৷ বিনি**য়োগ্-স্তত্ত্বত্ত হস্তে অষ্টব্যং। তথা কাৰ্যেশে 'লিব্যোগন্ধকাঃ' ইভানয়া আচা ব্ৰহ্মা দংবৎ-সরাঙে রুকামানং অকং অভ্যন্ত্রেত। 'লিব্যোগক্ক ইতে।তলা কৌনিকঃ' ইতি হি বৈতানং ष्याः (रेंव• १।> )∦ (२क!—>च −२४०-०म) ॥

#### श्रीभमा ।

'দিক্যো গদ্ধর্মে। ভূবনক্ত ফপ্তিরেক এব নমক্টো বিক্ষীডা:।

ছং ছা বেলি ব্ৰহ্মণ। দিণ্য দেব নমতে লক্ত দিবি তে সংক্ষ্ম । ১ ।

#### MW-MISE 1

भिषाः। श्रद्धसः। प्रथमका दः। शक्तिः। अकः। अवः। समक्तिः। विक्रू। वेखाः।

चरा का। तोविः अकनाः किनाः देना सकः। ८७।

### का विवि। छा नगर्यम् । ।

वितर चईठीिछ जिता:। इ।चान देखार्ब:। "इम्बन ह" हेडि त:। खाताइचरेदनी অভোগত:। গাঃ রখীন উদকং বা ধারণভীতি গছকঃ প্রাঃ ভুবনত পুথিবাাবিলোকত বহাারিমা প্রি: পোবকঃ। শ্রুরতে হি 'বলা ধলু বা অপাবানিতো। ক্রঙ্ রশ্মিতিঃ পর্যাবর্ততে ধ বৰ্তি" (তৈত দংত ২ ৪ ১০।২ ) ইঙাদি। অধ বা জুবনত প্ৰাণিজাতত প্ৰিচ প্ৰাণৱণেৰ পালকঃ। তথা চ আধর্মবোপমিবলি আয়ায়তে ৷ "লহতারশির শতণা বর্তমানঃ প্রাণঃ প্রজানাং উবরতেয়ব প্র্যাঃ" (প্র• উ• ১৮) ইতি। 'যোলো ভপর বেভি প শর্কেবাং ভুতানাং আগান আগালেলেতি' ইতি হি তৈভিরীরকে (তৈত আত ১/১৪/১)। বিকু প্রজাপু এক এব নমতঃ নমত্বার্থঃ ইড়াঃ খঙাঙ্গ। মমংশক্থে 'ব্যাব্রিবলিড্ডেঙঃ কাচু' हैं वि भूमाक्षर कात्। उपचाम् "नाता वर"। चाकारणाभव्रामारभी। दवा मध्यावाईः। "छम् मईवि" देखि हालाता यर। "विर यतिष्ठः" हेखि यति छपर। विकू। "नात्वकाडः " ইভি বিভক্তেরদায়ধা । ঈভাঃ ৷ ইভ ক্তেই হতামাৎ "ৰচলোণাৎ" ৷ ঈভবন্দ রশংসহহাৎ गुरु:" ইতার্লাভবং। ঈনুশো বো গর্কা তং তা বাং ত্রহ্মণা প্রমাশ্বনা বৌশি লংবোজয়ামি। ভক্রণেণ ভাবনমীভার্বঃ। বরা এক্ষণা অভিলক্ষণেন মত্ত্বেণ ছণিল কিংশন चारक्रम वा रोशि नश्रवाक्रमाम। मू भिळाल "उँटा व्यक्तमूर्वि विन" हे जि वृद्धि। ছে দিবা দিবি ভব ছে দেব ছোভনাদিওপ্ৰিভি। দীবাতে: ইওপ্ৰদক্ষণে কে প্ৰাপ্তে েলে বলেনদেবালয়: প্চালিয় জন্তবাঃ " ইতি অনচ প্রভায়: এ কিং চ তে ভূভাং নমোল ন্মা ক্রির্মাশে। নগকারো ভণতু। ''ন্মঃ ছবিড॰' ইতি গুরণশচতুর্থী। "ভেমরাবেকবচনত"ু

हेि (छनारिनाः । "नयुन्तिः नर्नः जनानारिने" हेठाञ्चाछः । समकारीप्रस्थ छन्लावप्रकि । विवि हात्तारक वन् १० वर नवस् । नव्यक्षिमः । जारान्यासः हेठावः । निति ।

केछित्रम् । विवि हात्तारक वन् १० वर नवस् । नव्यक्षिमः । जारान्यासः हेठावः । निति ।

कोछित्रम् । हेठाविना विठरक्षक्षाछ्या । नव्यक्षिक्षार्यक्षि "वक्षार्यं करियानः याषारालावायद्याद्यक्षानास्याने नाठनः कृष्यदानद्वस्य । 'स्य सावस्यक्षान्यक्षि । वेकि नवस्य नयार्यनः ।

क्षित्रम् । अस्य विवि स्वयः । अस्य ।

क्षित्रमाद्या विवि ।

क्षित्रमाद्या विवि ।

क्षित्रमाद्या । अस्य ।

क्षित्रमाद्या । अस्य ।

क्षित्रमाद्या । अस्य ।

क्षित्रमाद्या ।

क्षित्य ।

क्षित्रमाद्या ।

क्षित्य ।

क्षित्रमाद्या ।

क्षित्य ।

क्षित्य

### विक्रोग ।

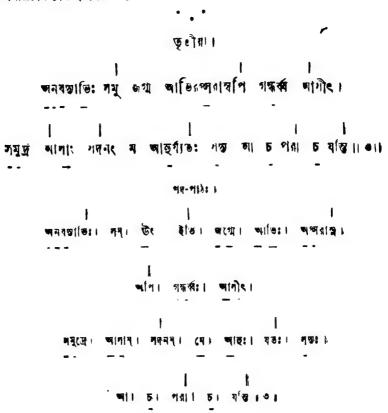
### 四年刊21

फिलि। न्यूटेश सम्बद्धाः प्रदीक्षक् । भगवत्तालाः। क्त्रमाः। देशनामः।

मुख्यार । शक्क स्था ख्रमम् । यह । शिवता खरुर। खरूर। सम्प्राहि । ख्रामसा । स्थ

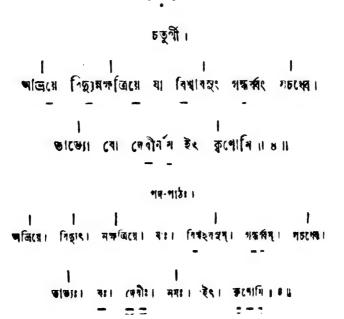
দিবি ছাছানে শ্পুটা শুটা। ডজ দ্বিত ইভার্ছা। শ্পুব সংশার্থনে ইভান্থাং কর্ত্তরিঃ জ্যা। ব্যক্তর বইলাঃ। জুমুল্বির্জিণ ভাষিন দিহনিশোহত (উ॰ অ১১৬) ইতি অত চ্
জ্ঞারঃ। চিমান্ অংজারাজঃ। শুর্মান দিসা ছাস্ম বস্না ল প্র্রাহ্র ক্রান্থানবর্ণ ইভার্য। "রাজস্মপর্যাণ" ইভানিলা শ্বেরেল গরভের্বা ক্রান্ডা নিশাজ্জিঃ। বছরীহেট প্রাণালপ্রকৃতি সম্মান বিশাল কেবসভান্ধনো হরসঃ। ক্রোধনামৈতহ। ক্রোধভা শ্বের্ বঞ্জু। "ক্রেনিভালিলালা লগালালালা। "বেরাল্ বঞ্জুলেলালা ক্রেনিলা ক্রেনিলা নিরার্কঃ অনি জু প্রথপ্রনোলিলালালার ইভার্যার মৃত্যাব মৃত্রার্ মৃত্রার্ মৃত্রার্ মৃত্রার্ স্বান্ধন ইভার্যানি প্রত্রানি প্রত্রার স্বান্ধান বিশ্বাহা বেরং ইভিজ্

স্থনার। খোতনং স্থাং ঘণা শ তথোকেঃ। বাতায়েন বছৰচনং। ইণ্মীত্তাং বন্ (উ॰ ১/১৫॰) ইতি শন্প্তারঃ। "লাতাদাতং বাচ্ছন্দাশ" ইতি কছবাহো উভৱপণাতা-মান্তবং। বর।। এর শের কের দেবনে তালবাদি: শঠাতে। সমাদ্ ভাবে সমুনি (माछनर (मनः (मन गरावि नह्यो(र) "तार्यन्त्री भरगारम्थना" हेकुछत्रभनाकानाकवर । अमाशासन (गरा हेडार्व: । २ ।



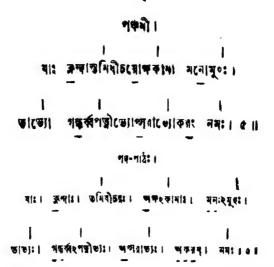
অন্যন্তাভিঃ অগ্রাভিঃ। প্রশাস্তরপাভিরিত। বিশ্বস্থান। বিশ্বস্থান বর্ষ। গ্রাপণিত ব্যানিরোধের্ ইতি গর্তারে অবভাগে বংপ্রভায়ারে। নিণাভিতঃ। বছরীছো 'নঞ্মুভাং' ইতাতর-প্রাধান্তরং। আভিরপ্সরোভি: মরীচিরপাভি:। 'পূর্বো। গন্ধবিত্ত মরীচয়োপারদঃ' (১৪- मः • ৩।৪।১।১) ইতি শ্রে:। ত্র্যিরপো গদ্ধঃ শং অংগ্রে শক্ষতবান্। উপক্র भमभूत्रगार्वः व्यनिद्धार्या या। 'मस्मा भ्रमाह्हः' हेडामिना व्यकर्षकाम् भस्यत्राञ्चरनभनः। 'গ্ৰহন•' ইড়াপথালোপঃ। অঞ্জাই অঞ্জঃইণি গদ্ধনি: সুর্যানামা আণীৎ শলভোভবৎ। গৃদ্ধবিশ্বসাং পরশ্বসাহিত্যপ্রতিপাদনেন ভেবাং অবিনাভাবত দিছ্ভাৎ দহৈব তেয়াং भुषादिश्मामिकर कार्यार हेडि बारमर्यार्थः। अठ धन टेडिस्डिवीयरक । 'अस्तर्वात्र्यतरमा सः একং উন্মানয় য উনায়ভি' ইতি প্রক্রমা 'তকৈ স্বাহা ভাতা: স্বাহেতি কুরেছি

(फरेनरैक्नाम ममर्द्धप्रिके' ( रेड- मार- अधानाध्य) देखि (द्याममाध्याप्य माद्रास्ता । अध्यक्षाविति । व्याप हेकाखांत्रक्षमात्र । উपकर ना । का हत्र हो डाध्यता । वाह्यकाष्ट्र वहा वाह्य है कि क्रान्याम । द्वा भववीं वः के कहता है। न्। अन वा अन्य नहारी का अन्यवान वार् महर्कः अञ्चन्। अञ्चलानपार मा आमारन हेडाआए वा ब्रह्म अञ्चन्। ता मारनः हेकाचाह ११ भद्रम्। ७४१,६ गकाबा(क्षाम्पदः - छटेश्वर वाङ्काराम गकात्रभ भावरः । ७०९ দ্রবং ষাজেনে। জ্বল্পার অংলারিণাণি বা অংস ইভি রেশনাম অংশাতের পানীয়ং ভবতি। व्यादर्भनोधः वार्यनोधः । उद्या च्याउ क्रया ३ अस् वनधातः इंड वा उत् वारेगा वहः हेडि वा जाह ममूख हो छ । जानार अध्यक्षनार भन्नी किन्नु भागर मानवर । नीमखा प्राप्ता अपनार जावान-श्वांनरः। व्यानकत्राण जुःहै। नमूत्व नमुक्तांख व्यवान् व्यान इंडि ता नःशानत्विता তুতানীতি বা শুমুল্প্লন আদিতা উচাতে। ত্র হাত মে মম আছ: কণ্যুত্তি অভিজ্ঞা:। ইতি মন্ত্ৰপ্তৰ্পচনং এতং। তদেৰ উপপাদয়তি। যতঃ ৰখাদ আদিতাৰে দতঃ প্ৰ্যোদয়-সমকাল্যের আনু যাত্ত চ আগজ্ঞ চ পরা বাত চ আরাৎ ভানাৎ তৎ পুনঃ পরাপ্ততি চ। चयमत्रकारक छएवर श्रांतमञ्जा अवः॥ चर रा महस्त्रमञ्चः श्रानिहमहस्त्रमा अवाहराहराः। अमाबः मान्यानि व्यानिकामात्वाका। जन्म क्या हो जनमान्यान्यामात्रामा দাত্মকানাং ভেবাং গভিক্লভা। শুমুল্পকেন অন্তারক্ষলোক উচাতে। ২তঃ বলঃদ্ অন্তারসলো গাদ আয়াত প্রজাপীড়ার্বং আবির্ডণ্ড পুনস্তবৈব পরা যাত। ভিরোভবতা-**छ। इं:। अवर पृत्रवर् (याकार । (२०।--> अ--२४-०५)** ३



হে অনিছে। অনেৰু তথা অনিছা। 'দৰ্লালাছ' ইতি তথাবে ব্যালগায়। বল ইক্
আবেশ। হে বিহাৎ ছোজনখভাবে। হাত বাংঠা ইভাজাব হাত প্ৰথান্ত্ৰণ ক্ষেত্ৰান্ত হৈ

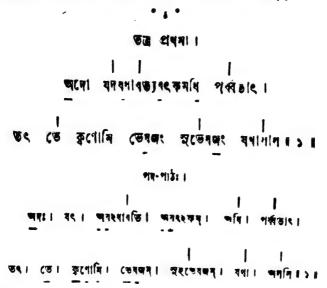
ক্ষেত্ৰেলান্ত বিজ্ঞান ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ ক্ষিত্ৰ ক



ক্লমাঃ ক্লমিরো। মন্ত্রান্ আনিশ্র উপদ্রবকরণেন রোদাররাই। করি ক্রমি আহ্বাইন রোদনে চ ইতার ক্লমেরাজাং পচায়ত, ভাষণীচরঃ। ভনিবীতি বলনাম। ভল্ অঞ্চলি প্রাপ্তবৃদ্ধি চিষতি বেতি ভনিবীচয়ঃ। বলনতঃ ইভার্বঃ। ভবেক্ট্রার্বাং ভনেবিছা (উ০ ১৪৮) ইতি টিবচ্ প্রকায়ঃ। টিহাল্ শ্রীপ্র বর্ণাতায়্মছালবঃ। ভল্ অঞ্চলে-ছিনোভোর্না কিনি পুণোল্রাদিহাল্ রূপনিত্রঃ ভন্ন সানে। ইত্যালাদ্বা বার্লকারং টিবচ প্রভারঃ। ভিনিধীং প্লানিং পরেবাং আনিষ্টানাং উপচিষ্ট্রীতি ভাষিতী চয়ং। আক্ষনায়ঃ
আক্ষানি ইন্সিরানি ভানি নাশরিছেং কাষরমানাঃ। ক্ষেনিচ, 'কর্মাণু-'ইভি আনি প্রাপ্তে
'শীলকামিভক্ষাচরিভাো শং'ইভি পপ্রভারঃ। মনোরুষঃ মনলা মোছরিন্তাঃ। উন্নালকারিণা ইভারঃ। প্রাব্ধে বি তৈভিত্তীয়কে। 'পর্ক্রাপ্তরণো বা এতং উন্নালমন্তি ব উন্নালভিও' (তৈও লংও ৩৪ চাও ইভি। এবাম্বিধা বা অপ্রন্তাভ্যো গ্র্ক্রণভ্রীতাঃ পর্ক্রাঃ প্রব্রা মালাং। 'বিভাষা লপুক্ত' ইভি ভাবুকারে)। অপ্রনাভাঃ অপ্রোভাঃ মমঃ হবেলকিণ্ড আরং মমস্কারং বা অক্রং ক্রোমি। 'ছম্মান সূত্র লভ্নিটাং' ইভি ভ্নাভেন্ড ম্বালে সূভি ক্রম্যুক্রিছিভ)শ্রন্থি' ইভি চ্রেঃ অভ্নালেশঃ। 'ঝ্রুলোভি ভ্নাং হাত ভ্নাভ

केंजि विकोद्य कार्थ अन्यम्बादक विजीवर क्यूनर ।

'কলে। যং' ইতি প্রেক্তন জর। তীলারাতিমুত্রনাড়ীরণের তগণণা তরে মুঞ্ল'লরোনির্পিতরক্ষ্মান্তন কেন্দ্রে ক্রিয়া বা পাধনং সাপলৈ পনং চর্মান্ত ক্র্যুথন অপানালমনাড়ারণমুবানাং শবনং চ কার্যাং। 'বিল্লা পরক' (১।২) আলো বং (২০) ই।ত মুঞ্জিনেরাক্ষ্যা
ব্যাতি ইত্যাহি (কৌ ০৪) প্রেল এইবাং । (২কা—১ অ — ৩ক্— ৫ম)।



পর্বাচাৎ । অন্ত পর্বতশব্দন মুক্সবান্ নাম পর্কতো বিবৃদ্ধিত । 'মুক্সনিবোরজ্জ্বার্ডি' ইতি বিনিমুক্ত মুণামুক্সনা তত্তিবোৰণজ্ঞে । তথাৰ । আবং পঞ্মাবান্ধণানী । 'অদিপত্নী অনর্থকে)' ইতি শারণাৰ । আবং বিপ্রকৃত্তি যব প্রাক্তি অবব্দক বাদিশারত রেণ রক্ষক মুক্সনিবঃ অবশ্যতি অবকুক্ত ভূমো গাব্তি । বাশা বর্ততে ইতার্থঃ । 'পান্ধরাত' ইতাাদিনা সর্ক্রেমিলিভারাং পতের ধাব্ আবেশঃ । 'বছ্ডালিভারং' ইতি নিমাতপ্রাভবেশে 'তিভি চোলান্ত্রস্কিলিভারাং পতের কুলান্তবং ৷ হে মুক্স তে তথা মুলীরং তথা আহা ৷ বনা ৷ ক্র্মিলি ক্রিমিলিভার্থি তথা কর্মানি । বনা অক্সনিবিধান তথাবিধাং তে মাং শেবলং কুণোনি ব্যাধিনিওভার্থ তথাৰ ক্রেমি ৷ বনা

বেদ প্রকারেণ পুতেরকং ব্যাধিনিবর্ত্তনক্ষমং অভিশহিত্রীধার্ক্তং অস্থি। তথা কুণোমীভি শব্দঃ। প্রভেষণা 'বতা পূজায়াং' ইতি প্রাণিশ্যালা অব্যয়পূর্কণক্রাভবরত্বং। অশাসা অতঃ 'বত্তবং ছকাল' ইতি শণো সুগভাবঃ। 'যাবভবাভায়ং' ইভি নিবাতপ্রতিবেদঃ। (২০) - ১০ - ০০ - ১৯) য়

ষি ভাষা |

আদ্বাদ্ধা কুবিদ্ধা শতং ধা ভেবজানি ভে।

। । । ।

ভেধান্য হুমুন্ত্রমন্ত্রাব্যরোগণ্য । ২ ।

শন-পাঠঃ 1

আংং। অল। কুবিং। অল। শহং। যা। ভেবজানি। তে।তেখাণ। অদি।

प्या डिल्डकम्। भनाद्यातम्। भरताश्यम्। २ ॥

জ্ভীয়া।

| | |

নীটিচঃ খনস্তাস্থয়া অক্স্রাণানিদং মহৎ।

| |

ভদাস্তাবজ ভেষজং ৬ছু নোগুননীনশং । ০ ।

ক্ষরাঃ। অক্ প্রাণান লান্তি আনদতে আনহান্তী হা নুরাঃ। 'আতোকুপদর্গে কঃ' ইতি কথা হারং। অক্তর শরীবং কি পাতর জীতি অনুরাঃ বাধেরা রাক্ষণা দা। আলের রশ্ব (উ · ১) ৪২ ) ইতি উরল প্রতায়ঃ। ইদং পরি দুপ্রমানং মহৎ উল্বাং অরু: আনিং আরুরাণ অরুরাঃ। ইদং পরি দুপ্রমানং মহৎ উল্বাং অরু: আনু । নীটেঃ খনজি অন্তর অবদার রন্তি। অভ্যন্তরং বাগ্লু স্তীতারঃ যথা অক্ষরাঃ অলুঃ প্রাণঃ। বো মহর্ণীবা । প্রাণ স্থায় । নুরা স্তীতারঃ যথা অক্ষরাঃ অলুঃ প্রাণঃ। বো মহর্ণীবা । প্রাণ স্থায় । নুরা মহর্ণীবা । প্রাণ স্থায়তি প্রুং ভবতি উপলমনো মুধং ভবতি অনে নিতি অরু: আনং। করণে সুটি। ইদং মহৎ ঔবধং নি টেঃ খনজি পম্বাং উল্বরিত্ব। তৎ উল্পে ঔবধং আলোণ এ উক্তলকণ এ বোগার ভেষকাং নিবর্তাকং। তদ্ তবেব বোগাং অতীশারাদিকং অনীশমৎ সমূলং নালম্বি। আম্বিভাৎ কুটি রূপং। (২কা—১০ — ৬ক্—০২)।

চতুৰী।

তিপজীক। উন্তরম্ভি সমুদ্রাদণি ভেষণম্।

। |
ভালাস্রাবস্থা ভেষজং ভকু রোগমনীশ্মৎ ॥ ৪ ॥

শন-পাঠঃ।

।
উপহলীকাঃ। উহ। ভর্জি। সমুদ্রাহ। অবি। ভেষ্জম্।

উপহলীকাঃ। উহ। ভর্জি। সমুদ্রাহ। অবি। ভেষ্জম্।

।
ভংগ শহিস্রাবস্থা ভেষ্জম্য তহ। উই ইভি। রোগম্য শনীশ্মং ॥ ৪ ॥

উপজীকা ব্যাকনিপাদিকা ব্যাঃ শমুদ্রাৎ পৃথিবা। অংশাবস্থিতাৎ অলবাশেঃ। (অদিঃ)
শক্ষমাণাস্থবাদী। ভেষজং রোগনিবারকং ঔষধং (উন্তর্জান্ত) উদ্ভরন্তি। পৃথিবা।
উর্জং হর্মান্ত। 'ক্রাহোর্ডান্ড্লানি' ইতি ভন্তং। তৎ ব্যাক্ষান্তকারণং ঔষধং
আল্রাহান্তভাদি পৃথিবং। (২কা-১জ্-২স্-৪ম্)।

### शक्षभी।

জ্ঞারত্রাণ্মিদং মহৎ পুণিব্যা জধু।ত,তুম্।

ভদাত্রাবস্থা ভেষকং ভতু রোগমনীনশ্ব।। ৫ II

भक्ष भाठेः।

भक्रःश्वानम्। हेनम्। भहरा पृथिताः। चिं छैरश्ख्यम्।

্তং। আহ্<u>রাবস। ভেবল</u>দ। তং। তং ইতি। রোগ্দ। শানীনশং∄¢।

আক্র:আশং অক্ষো ত্রণত পাচনং পৃথিকাঃ কেলাবাদিকেন্দ্রেরণাবাং লকাশাং। আদিঃ
পঞ্মাবত্বনাদী। উদ্ভেং উদ্ভেং। 'গভিরুমস্তরঃ' ইভি গতেঃ প্রকৃতিবার্থং। যদ্ ইন্থ
মহৎ ঔবদং কেন্দ্রের্ভিকারেশং ভং আআবভেত্যাদি পূর্ববং। আমীনশং ইভি। শুশেশীস্থাই
বৃত্তি হতি রেশং। (২কা-১জ-৩্স্-২ম)।

. मछी।

। শং নো ভক্ষুণ ঔষধয়: শিবা:।

हेरदः পভत्न उक्तमाम्। ।।।

শদ-পাঠ:।

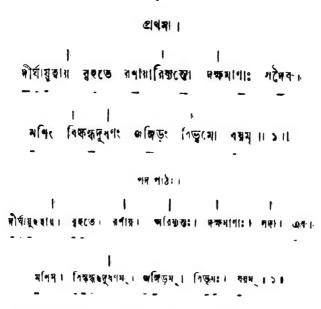
শুমা ন:। ভবস্তা অংশঃ। ও্যণয়ঃ। শিবাঃ।

हेलाका विकास व्याप्त विकास विक

। ইৰসঃ। শতস্তু। ব্ৰহ্মণাধু। ৬ । উবণার্বং প্রবুধানানা আগ: ওবণর চিলা: প্রথহত বং দতা: মা আমাকং শং রোগাণাই শমনার ভবস্ত । রক্ষণ: রাক্ষণান রোগোণানের ক্ষতে: অলি প্রত্যায় । রক্ষে। রক্ষত বৃদ্ধ আমাহ তি 'ভীমানরোগাণানে ইভাগাণানে রক্ষতে: অলি প্রত্যায় । রক্ষে। রক্ষিত বৃদ্ধ আমাহ বিভি যাত্র: (নি ৪০১৮)। প্রত্যায়ারালাভ ২ং। বিস্টা মন্ত্রাণাং পীড়নার প্রমুক্তা রক্ষণাং ইববং রোগানির গা আরাং আম্ভো দ্বে পভক্ত।

### ইতি বিতীয়ে কাওে প্রথমেশ্বনাকে তৃতীয়ং হকং।

'দীব্যয়ুবার' ইতি পজেন কুভাদ্বণার্বং আত্মরকার্বং বিয়নমনার্বং চ অক্লিড়াখারক্ষ্ম বিশেবদাণং শণস্ক্রপ্রোতং কুবা দংপাত্য অভিযন্ত্র বর্গগং৷ 'দীব্যুব্যাগ্রিভ মল্ল্যেড্রং ব্য়াতি' ইতি হত্তং (কৌং ধাঙ)ঃ (২০) – ১০০ – ৩২ – ৬২)ঃ



দীর্ষায়্রবার চিরকালজীবনায়। ছদ্দসীশঃ (উ-১০২) ইতি এতে: উল্প্রভায়ঃ। বৃহ্দ দীর্ষায়্রয়য় 'এতেলিচ্চ (উ-২০১৭) ইতি উদিপ্রভায়ঃ। শকারলোগশছাদ্দাঃ। বহু-ব্রীবের্জাবে অপ্রভায়ঃ। দীর্ঘ্য শালুঃ শালুক মধা জাদ্ হভোবমর্থ বৃহত্তে মৃত্তে রুণায় রুমনীয়ায় প্রশালার কর্মণে। আজ্লাবি ক্যালুকানি দ্বশাল্রয় ইভার্যঃ। বৃহ্মহত্তায়পসংখ্যানং' ইতি বিভত্তের্লাভত্তঃ। 'বলিরণায়ে পূল্লাগগোনং' ইতি রুণতেঃ শকার্থি ক্র্মাণ শুল প্রভায়ঃ। আর্ম্যভায়ঃ শবিনশালঃ। অহিংসনাদ্ধেতোরিভার্যঃ ক্রমবিষ হিংলায়াং। 'লক্ষণ-হেছোঃ ক্রিয়ায়াঃ' হতি হেতো শভ্প্রভায়ঃ। নঞ্স্যালে অবায়পুর্কাশপ্রারভিন্তরম্বং। ক্রেক্রমালাঃ আ্লাকং গালায়নাঃ। রক্ষ পালনে ইভাস্মাদ বাভায়েন আ্লানে-প্রধা হেতে শালচ্য আ্লাক্রক্ষণাছেভোরভার:। বিশ্বর্ম রুপ্রশিশ্য বিশ্বর্ম, রুক্ষণিশাভাঞ্ছি কৃত্পতি প্রতিসন্ধারণ শারীরশোষণর পো বা বিল্ল: তলা নিবারকং। বিপুর্বাৎ স্কল্পে এছ শবং ছাল্পেং। ত্ব বৈক্তো। আলাদ্ শারাৎ করণে লাটা 'লোবো পৌ' ইতি উত্থা আলিডং। আলিড়: বুক্ষবিশেবো বারাণিয়াং প্রসন্ধ:। তেন সাধিতং মণিং বিভ্যো ধাররামঃ। ভূত্ঞ্ধারণপোষণরো:। শ্লৌ 'ভ্ঞাং ইং' ইভাভালিবা ইবং। (২কা - ১আ ৪২৮ – ১০)।

আন্তাং। হিংলকাৎ কুচাাণেঃ যদ্ম অন্ত ইতি দক্তবিশেষক আখা। রাক্ষণদক্তবিশেকক কুতাং খাদনাদ্ ইতার্ব:। বিশ্ববং শরীরাস্প্রকাণ । শৃ বিংলারাং ইতাঝাং 'শ্লোরশ্'। বিশ্বদ্ধাং বিশ্বাং রক্ষঃশিশাচাদিক চাদ্ রোগাদিক পাং ('শভিশোচনাং কুতাাকুতাজ্জোকাং) দহস্রবিশ্বাং শুপরিমিতলামবৌ জ্পিড়ঃ (আক্স্ড) রক্ষবিকারো মাণঃ না আন্ধান বিশ্বতঃ বিশ্বাদ্ উদীরিতাজ্জ্জাদেঃ পরি পাতৃ পরিরক্ষতু। 'উপস্থিদ্ বজ্লাং' (ইতি ) মণোপি শহং। বিশ্বত ইতি। বিশ্বশ্বং 'পঞ্চমাতিশিল্'। 'লিভি' ইতি প্রভারাং পুরাক্ত উদ্যাত্বং। (২কা – ১ আন ৪২০ ১ম) ।

ড় হীয়া।

| | | |

আয়ং কিছকাং সহতেয়াং বাধতে আক্রিনাঃ।

- - 
| | |

আয়াং নো কিশ্বভেদকো। জাকিড়া পাহংহসঃ।। ৩ ।।

भए भाई: ।

আরং অক্সিড়ে। মণি: বিজন্ধং পরক্রতং শৃহতে। অক্তিগতীতার্ব:। আরং উত্তোমণিঃ আন্তি। আক্ ভূন্ ভক্কান কুডাদৌন বাধতে নাশরতি। অদ্ ভক্ষণে ইভাজাদ্ আদেরিনিশ্চ (উ০ ৪/৬৮) ইতি বিশিনপ্রভার:। আরং মণিঃ নঃ আলাকং বিখকেবলঃ বিশেষাং রোগাদীনাং নিবর্তক:। যথা শিখং কুৎস্থ ভেষজং যামিন। শৃক্ষোধধাস্থক ইভার্ব:। 'শহুবীহৌ বিখং শংজারাং' ইতি পূর্বশান্তোদাভ্রং। অকিড়ো মণিঃ আংহন্য শাণাৎ শাতুরক্ষ্যু এ ১

हिष्ट्री।

(प्रेनिक्टलिन मिना के अप्रिंग महाध्याः

(प्रेनिक्टलिन मिना के अप्रिंग महाध्याः

विक्रक्तर गक्या क्रकारिन वाशास्त्र प्रश्नाः ।।

विक्रक्तर गक्या क्रकारिन वाशास्त्र प्रश्नाः ।

विक्रक्तर गक्या क्रकारिन क्रकास्त्र। प्रश्नेष्ट्रवाः

विक्रक्रम । वक्षा । क्रकारिन । विक्रवाशस्त्र । व्यासस्य । व

দেবৈ: মার্যাদিভিদিন্তেন। অনেন আম্বানিগারিং অস্ত্রাক্রং। মরোজ্য। ময় ইতি
মুধনাম। তদ্ ভ্রতামাদ্ ইতি ময়োজ্য। 'কিপ্ চ' ইতি কিপ্। বরা ময়য়য়য়য়য়য়
ভারিরিভা উৎপাদিয়িভা। অন্ধনী তনার্বাদ্ ভরতেঃ কিপ্। তেন অস্কিডেন উত্তেনঃ মদিনা।
করণে তৃতীয়া। বিস্কং বিয়ং ( ১৬। ) তবেভুভ্তান পর্বাণ রক্ষাণে রক্ষাংশি রক্ষাংশিশেশি
লক্ষিতান ভূতপ্রতিশিশাগদীন বাায়াযে লক্ষরণে। নিমিন্তভূতে সভীত্যর্বঃ।
মান্ত শ্রাদ্ মমেভাবে অঞ্। 'নোলাজোপদেশ মান্তর্গ ইতি রক্ষিপ্রতিবেশে ন ভরতি।
আন্ত অমুদাজোপদেশস্থাৎ। যারা। বাায়ভাগ্তি সঞ্রতি অস্মিলিতি। অস্বিকরণে অঞ্
সঞ্রপপ্রদেশে শহামতে অভিভাবমান। ( ২কা — ১য় — ৪য়—৪য়)।

भक्रमी। শণ্ট ম। জলিড×চ বিহ্নসাদভি রক্ষতাম । 1 অরণ্যাদস্ত আভ্তঃ কুষা অধ্যো রশেভ্যঃ ॥ ৫ ॥ भष-भार्ठः । শশঃ। **চ। মা। অলিড়ঃ। চ**। বিংক্ষাং। অভি। রক্ষতা**ন**।

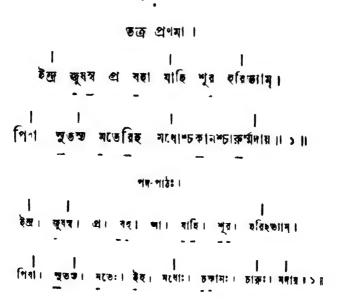
খণ: अनिक: মণিবক্ষনপত্ত প্রকৃতিভ্র:। অভিড্ উক্ত:। চণকৌ পরস্পারসমূচ্যার্থে । ভাবতে) বিশ্ববাৎ উক্তাদ মা মাং অভি চক্ষতাং অভিতঃ পর্বতঃ পালয়ভাং। তাবেক क्वमॅब्रिडि । अन्तः उत्तादिकः । अविष्ठ ठेठार्वः । अत्रशार वनाम् आस्ट्राः आकृष्ठः । 'স্বাচে। উ-ছন্দলি' ইভি ভর্ষ। অলঃ একঃ শ্ব: কুল্পাঃ। কুষিঃ কর্যক্রাপারবিশেবঃ। ভন্মাৎ রদেভা: ওবধিশারভূতকাটেভা:। আভ্ত ইতি দযক্ষ:। এবং আনাক্তে অণকাকডে বিষয়াদ একতাং ইতি দখনঃ। (২কা - ১জ - ৪ছ--৫ম )।

चात्रगादः। चारुक्तः। वारुक्तः। क्याः। तहन्छाः। ४।

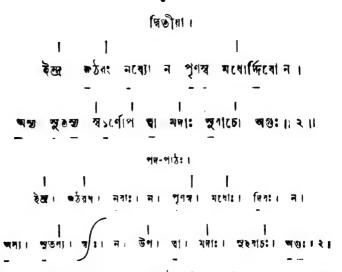
मकी। । । কুত্যাদুধিরয়ং মণিরখে। অরাভিদৃদিঃ। আথে। সহস্বান অলিড্ঃ প্র ণ আয়ুধি ভারিষং।। ৬ ।। शत-शाठेः। ্দ্ধভাগুদ্ধিঃ। অনুষ্ট মণিঃ। অথোইতি। অরাতিহৃদ্ধিঃ। व्यादशा के विदा वदवान्। व्यक्तिकः। वद्या महा व्यक्तिः छ। विवस्ता का মণে: প্রশংগাপুর্বকং অভিলবিভয়লনাগমন্ধং প্রদর্শতে। আরং উল্লোমণি: কুন্তা। দুবি: । পরকুন্তাভিচারক্রিয়ালনা। পীড়াকরী কাচিছন্তি: কন্তা। ততা মিধারকঃ। ইবেণিয়াল অচ ইং (উ॰ ৪া১৩৮) ইতি ইকারপ্রচায়:॥ অধাে অপি চ অরাভিদ্বি:। অরাভরং শতবা। তেবাং দ্বকঃ। অধাে অপি চ নহস্বান্ লহু অভিভ্নমনাগমং বলং অভিভ্নমং বা ত্বান্। 'তােশী মহর্পে' ইতি সকারান্তত্ত তত্বন পদস্বাভাবান্ত ক্ষাভাবঃ। তাবংগুণবিশিধাে অকিড়া না অস্বাকং আইুংবি প্র ভারিবং। প্রপ্রত্বতির্বৃদ্ধার্ণ। প্রবিশ্বত। তার্বিদ্ধি। ভরতেঃ প্রথম্ব প্রতি। 'উপদর্গান্ত বলং' ইতি গ্রুং। ভারিবিদ্ধি। ভরতেঃ পর্যক্রমতু প্র শ ইতি। 'উপদর্গান্ত বলং' ইতি গ্রুং। 'লিক্রেক্রং ছক্ষালি শিল্প বজনাঃ' ইতি লিপাে শিল্পন্তাবান্ত বৃদ্ধিঃ। 'লেটোডাটো' ইত্যভাগমঃ। 'ইত্যুন্চ লোপঃ পরবৈশাদেবু' ইতি ইকারলোপঃ।

### ইতি বিতীয়কাণ্ডে প্রথমেত্ববাকে চতুর্বং স্ক্রং ঃ

'ইক্স জুবব' ইভি হড়েন বলকাম: ইক্সং বজতে উপতিষ্ঠতে বা! বদ্ লাহ কৌ লিক:।
'ইক্সং জুববেতীক্সং বলকাম:' ইভি: কৌ - ৭:১ - )॥ লোমাভিববকালে অভিববহামের চ
আক বিনিয়োগ:। উক্তেং বৈতানে। 'ইক্স জুবস্বে'ত রাজ্ঞাভিব রমাণেভিববণহোমান জুলোডি'
ইতি ( বৈ - ৩।৬ ) তথা বোড়লিগ্রাহে ইক্সপন্থানেলি এতং হস্তেং। ( উক্তেং) বৈতানে।
'বোড়লিগ্রহেষিক্স জুবস্বেতীক্তং' ইভি ( বৈ - ৪।১ )॥ তথা 'ঐক্সীং বিজয়বলপুষ্টিশশুকামক্স পরচক্রাগমে চ' ইভি ( ন - ক - ১৭ ) বিহিতারাং মহালাত্তী এতং স্ক্তেং
যোজ্মেং। উক্তেং নক্ষত্রকরে। 'অধাবাণিকাঃ লাজ্মঃ' ইভি প্রক্রমা 'ইক্স কুম্বেউভাক্রা।ং'
ইতি ( ন - ক - ১৮ )॥ ৬॥



তে উক্ত পর্থেখবাযুক্ত ক্ষম প্রীয়স। জুমী প্রতিশেষনয়োঃ । প্রেম্ব প্রাকৃতিং অভিলবিভং ফলং প্রাণেধা। বে শ্ব শৌর্যুক্ত হরিভাগে এতরামকাভাগে অখাভাগে। তরী ইক্তাস্
ইতি হি যান্তঃ (নিবং ১ ১৫) । ভাভাগে শা যাহি অখানীয়ং যজাং প্রতি আগাজ্য ।
আগাজ্য ইত অখিন্যক্তে প্রতা আভিষ্তলা মতো। কর্মণি কিন্। মননীয়লা। প্রশালাভোগং ইতি শেষা। মভি'রতি গেণানিনাম। তৎশম্বিনি ইতার্যা। মধ্যে মধুরয়ললা লোমলা।
ভাগং ইতি শেষা। মভা'রতি গেণানিনাম। তৎশম্বিনি ইতার্যা। মধ্যে মধুরয়ললা লোমলা।
ভাগং ইতি শেষা। মভা' 'ক্রেরাগ্রহণং কর্ব্যাং' ইতি কর্মণং লহ্জারাং 'চতুর্বার্থে
ব্রুলং ক্ষাণি' ইতি ষ্ঠী। উক্তানিখং লোমং শিষ। 'ঘাচোভভিঙ্গ' ইতি লাংহিভিকো দীর্ঘা।
ক্রেণ পীতঃ লোমং চকানঃ দক তৃরো ইতি গাতোঃ শান্ত। ছান্দলঃ শুণো পুক্।
ভিপিন্নিভার্যা। মধা। কৈ গৈ রৈ শব্দে ইতাখাৎ কর্মণি লিটা কানচ্। জ্বমানং চাকঃ
ক্ষাণিবিত্রেণ লোগিতভানির্মালঃ মনায় মলোৎপভ্রে। ভবতু ইভি শেষঃ। 'মলোভম্পানর্যে'
ইতি ভাবে লাপ্ প্রভায়ঃ। (২কা – ১ অ—হত্ — ১ম)।



হে ইন্দ নবোন ন্তন ইব। 'বস্বণ্বৌককবিক্ষেম্বর্চোনকেবলাকথজনপুর্বনবস্ত্রন
মর্জনিবিকেলো যথ' ইতি নবশল্প স্বাবে যথ প্রতার:। উপমানোভরস্থো নঞ্ উপমার্থে
বর্জতে। কুর্মিপালোন স্বরারাং (শাংচ ২০২২) ইত্যাপমার্থীয় উপরিষ্টাদ্ উপচারস্তদ্য যেমোপমিনীতে
(নিং ১০৪) যাস্কবচনাথ। অনেন আদ্রাতিশয় উজ্ঞঃ। মধ্যে মধুররস্বা দোমলা ভাগেন
ইতি জঠবং স্বোদরকুহরং পুণস্থ পুরয়। পুণ প্রীবনে। তৌলাদিকঃ। অল পুরণকর্মা। তলে
স্কুটাল্কঃ। দিবোন দিবঃ স্বর্গা গদ্ধিনা অমৃতেনের। তভশ্চ স্কুত্রত অভিবৃত্ত অল্য লোমলা স্বর্গাও প্রতিরূপ। মন্ত্রাপ্রকা শেভনা বাচো যেবাং তথাবিধা মদাঃ মদকর। রবাঃ
স্বর্গ ব্যা তথা তথা অল্রাণি ছা হাং উপাত্তঃ উপগছত্ব। এতেশ্ছাল্পণে বৃত্তি 'ইণো গাল্পত্ত' হতি সাধেশঃ। (২০)—১ল ব্যুক্ত স্ব্তান্থ)।

### তৃ গীয়া।

ই-জেন্তামা'থাকো রক্তা যে। কলান য**া**ন্।

বিভেদ বলং ভৃগুন সমহে শত্ৰন মদে পোমঞা। ৩।।

**अम-आर्रः** न

हेल्लः। **पू**राप्ति। मिळाः। इत्यम्। यः क्षपान। यठौः। न।

ા । । વિલ્ભાન રાજ્યા ભ્રુશકા ના જાયલા મહત્વા મહતા (সામજા કળા

ভূরাবাট । তুরং ) তুর্ণি সংশে আগভব ভি শক্রেন ইতি তুরাবাট । "ছেলাল নহঃ" ইতি শংহ' থ প্রাথাটে । তুরং । তুরং লাগার কং নেঘং বা জ্বান হতবান । উক্তং হি ধারেন । তুর কেওা থানানং ছাট্র: অপরং আগার কং নেঘং বা জ্বান হতবান । উক্তং হি ধারেন । তুর কো রক্তে । তুর কুরাজ্বান বিজ্ঞান ইতি । তুর কুরাজ্বান বিচার বুলা: প্রাথান নাম নিয়মন দীলা আলুবাঃ প্রজা: । তা হব । যরা অল যতি শক্ষেন বেলাজার্থ-বিচার বুলা: প্রারেজকা বিবাক্ষ তাঃ । তা নিব । তুরা ৮ কৌ যাতকে । লামান হক্ষ নাক্যং । 'লি শার্ষাণং হাট্রং অহনং অক্ লুখান হতীন লাগার কেলাঃ প্রথায় হিছে । কৌ উত্ত তা ) । তুরা ভূতন ভূতার ব বলং আগর সাং মল্ল আগানানাং যজনাধনভূতা পা অপক্তা ছিতং বলন যান কি অবং বিভেল বিলারি কবান এতং প্রং শার্ম্বাং লোম পান প্রতান বির্দ্ধন ইতি । সোম অধীত অম্বেশ শার্মান উন্নীর ভান, লাক্ষ আভ ভূতবান্ । এহাভাগিলো লাভা হিছে । বিষয়ে প্রতান স্বাধন হত্যাহ সংশে শক্রাণ লোভা বিশ্বাপান । (২কা – ১ল — ২ক্ত তম ) ঃ

চতুর্থী।

খ। বিশল্প হাতাস ইন্দ্র পুণ্য কুকী বিড্টি শক্ত ধিয়েছ। ন:।

্র্রা হবং গিরো মে জুষাস্থার স্বরুগ্ভিশ্বংস্থেই মতে রণায়।। । ।। ।।

### **अम-भात्रः** ।

খা। খা। নিশৱ। হতাশঃ। ইলাপুণৰ। কুকী। ইতি। বিভৃতি।

भव्यका विद्या च्या। इति। च्या घटा

। । "आक्ष्मि। इनमा शितः। स्मा- सूत्रमा थना वेळा प्रयुक्रिकः।

> । मंद्या हेटा महा त्रशंत । 8 ।

ক্ষেত্র প্রভাগ: প্রতা ক্ষিত্রতাঃ লোগাঃ। 'লাজ্জনের ক্র্' ছা বাং আ বিশন্ত প্রিনন্ত ব তৈরানিটোঃ লোমিঃ কুলী দক্ষিণোন্তর কুলিবরং পৃণস্থ প্রয়। বড় চি বর্ষ চ। বছে স্থাপিছ গোটি ছালালঃ লণো লুক। হের্মানেলে চত্ত্র জলাভানি । কে লক্ষ্য লালাকং বিয়া। শীরিতি কর্মানা। কর্মণা আবাহনজ্বানির পেণ এহি আগজ্ঞ। যথা বিয়া অন্তর্যক্রা লঃ আমানু অভিলক্ষ্য আগজ্ঞ। হনং আমানীয়ং আহ্বানং শ্রুণ পূর্। হের্ডেল 'ভাবেল্ল-প্রকৃত্তি অপ্লভানির হল আমানীয়ং আহ্বানং শ্রুণ পূর্। হের্ডেল 'ভাবেল্ল-প্রকৃত্তি অপ্লভানির হল তা আদ্বীয়া। ক্ষ্যালির আল্বাং আলি দুলুটের বিভাগিছিতিকো লিখিঃ। তথা দেনামাল গিরঃ স্কৃত্তির ক্রিনালেলঃ। ''অল্বোং আলি দুলুটের' ইতি লাংছিতিকো লিখিঃ। তথা দেনামাল গিরঃ স্কৃত্তি ক্রিনালিলঃ ক্রিলালিল। বিকরণ ক্রিলালিল। ক্রিনালিল। ক্রিলালিল। বিকরণ ক্রিলালিল। ক্রিনালিল। মহে মহতে রণাল বিকরণ ক্রিলালি। কর্মকল-দিন্ত বিভাগির (২কা—১ অ—৫২—৪ক)।

शक्त भी ।

इस्तमा मू आ त्वादर नीर्याांन यानि हकात अधमानि वक्की।

। অচ্ছাত্নরপম্ভর্দ প্র ক্ষণা অভিনং পর্বভানাম্ । ৫ ॥ भाग-गाठेश ।

्री इक्काचा चा द्वार दाहम् । दोर्था/मि । वा'म । इकाव । उद्यवसानि । वक्को ।

ইক্র গীবালি গীরকর্মণি কু ক্ষিপ্রধা প্রাচ্চ ক্রণীম। ছান্দলো সূত্। 'অন্তি-ক্রিলাডিভাঙে'' ইভি দুেং অঙু আলেখা। বজ্লী গজনান প্রগথানি আলিভ্তানিগ্রালি বা। প্রথ প্রথানে ইভান্ধাং প্রথেরমচ্ (উ০ ১০৮৮) ইভি ক্ষরচ্প্রভার: । যানি বীর্বাণি চকার কুজবান্। "বব্ভালিভাগ" ইভি নিবাভপ্রতিবেদে ''লিভি' ইভিন্প্রভারং পূর্ণম্ব উলাভবং । কানি পুনন্ডানী ভ তথা । আহিং । আলমনাং অভিঃ স্থান্তারা মেবো বা। আঙি প্রিহনিভাগি ভুল্প (উ০ ১০২০) ইভি- ডিং ইণ্প্রভার: তং অতন্ত্রাল্ । ইভেন ভিন্তি প্রণা কুকি 'ভল্ভালিণ'—লোগে রূপং । পালালিভালিবাভালালাল অভাগ্রনা উলাভবং। অন্ধ ভদনন্তর ক্ষণ ভেন বুরেণ নিক্রানি উল্লানি ভল্কঃ জিভিংল বিলারিভ্লান্ । মার্গপ্রেলামেন নিংলাবিভ্লান্ ইভার্থঃ । উভ্লিক্ ভিন্নামনেরছোঃ ইভি লভ্ঃ । অনু ইভি । 'ভিডিলণ' ইভালিনা লল উলাভবং। পরিভানাং নিলোচেরানাং গল্ভানি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভি বক্ষণা নতঃ। ভাং প্রাভিন্থ বিলাধিত সান্ধ (হলা—১০০ এই ক্রানিটাভিন্ন) ।

**लक्ष-ला**र्डः ।

भावतः। अविषः। भक्तरकः। भिक्षितानगः। चडेनः चटेत्रः। व्यवसः। वर्गः। वर्षः। वर्षः। वर्षः।

ক্তিভাল্ অন্তোলাভ্ড কে অবিধ বুজাং গেষ্ড অনুষ্ঠান বা শিশ্রিয়াণং শ্রিভং । শ্রেষ্ঠান করি ।

তিন্তাল্ অন্তোলাভ্ড কে অবিধ বুজাং গেষ্ড অনুষ্ঠান বা শালু অনুষ্ঠান করি । তিন্তু অনুষ্ঠান বা শালু করি । তার্ অনুষ্ঠান বা শালু করি । তার অনুষ্ঠান বা শালু করি ।

তিন্তাল করি বুজার । 'ক্রিয়ার্লোণ পদ্ধ (চ) কর্মাণ ভালিনাং' ইতি কর্মাণ চতুর্থী । বুজাং

হল্প ইভার্জঃ । স্থান ইতি প্রস্কালে লাক্তি আনুষ্ঠান গোলিনাং ইভালাছ বা 'শালুলার্জাইকি

লাংজ্ঞাপুর্বাকো বিধিরনিভাঃ' ইতি বুদ্ধালা । আন এব বুণ্ণভান বাধার লাহ অনুষ্ঠা ।

বাশ্রাঃ শাল্কার্যানা শেনব ইব । বাশুলকে ইভালাছ ক্ষাণ্য হল্পানাবিলা (উ০ ২১২০) রক্ ।

ক্রমানাং প্রবিহ্তাঃ পুল্লু প্রস্কাল । আন্তুলাই আন্তুল নিন্তাঃ সমুদ্ধ লার্ক শিত্তি । অনুষ্ঠার লাক্তির নিক্তাঃ সমুদ্ধ লার্ক শিত্তি । অনুষ্ঠার লাক্তার লাক্তাঃ সমুদ্ধ লার্ক শিত্তি । অনুষ্ঠার লালু আ্রুণাং লাল্ড প্রাপ্তির (বিদ্যানিক্তাঃ সমুদ্ধ লার্ক শিত্তি । অনুষ্ঠার লালু আ্রুণাং লাল্ড প্রাপ্ত । (২না – ১না – ১না – এনা ১ ১ ) ।

ব্রন্ধমাণঃ রুট্থব আচবল্লিঃ সোমং সোমাপুলিং পদসং আলং অবুণীত। বৃঞ্জ সন্তুপ্রের । প্রেলাগতঃ প্রেট্টঃ সকলাও বৃত্তান । বৃধনদাং 'কর্তু- কান্তু- কান

1

আধ্যকাতং এনং বুত্রং কহা হতপান্। এনং ইভি। ক্যাদেশে এনাচদলোল্যাল্ডঃ। আধ্যকাং ইভি। প্রথম কায়ত ইভি প্রথমজাঃ। 'জনসন্ধনক্ষসংঘা নিট্ট' ইভি শিট্ট। 'বিড্নোরকুনালিক্সাং' ইভাবেং। (১ক।—১ম ৫২৮—৭ম)।

इंडि अभागमुनात्क शक्रमह म्युहर

हैकि नात्रगाहार्यानित्रिहरू अभन्तिनश्विकानात्रा विकेशकारक श्रामका करा

ষিতীয়েক গালে পঞ্চ সজানি তার 'ন্যান্তা। প্ল' ইতি প্রশান স্কারণ আন্মেন লংপৎকামঃ অনুষ্ঠাগার উপস্থানহ না কুর্যাথে। 'ন্যান্তা প্ল' (২০১) আক্ষার্চত (৭৮২) ইতারিং লংগংকামঃ' ইতি (কৌ' ৭০০) কৌনিকস্ত্রারণ গুণা ভূতরোগচোরালিজারন লিকের কিন্তা ভূতরাগালে বিল্লান্তা লিকের লাভি ভাতরালয়ে আনেন স্থাক্তন আলাং জ্তরাবে ভণা চ কুন্তার। 'আক্ষার্থিত প্রকারণ জনকি' ইতি প্রকার। 'ন্যান্তার্থি ইতালেন স্থাক্তন জ্তরাবাল ভ্রমার প্রাপ্তির্থি ইতি (কৌন ২০০০)। ভণা আর্বার্থিয়নে প্রাক্তনাব্রে পালিকিন্তা পলে। লিকারোর ভিল্লার্থি বিভাগের লাল্বিকারার আর্বার্থিয়ার আর্বার্থিয়ার কিনিকারার আর্বার্থিয়ার আর্বার্থিয়ার কিনিকারার আর্বার্থিয়ার কিনিকারার আর্বার্থিয়ার কিনিকারার ভার্বির্বার্থিয়ার কিনিকারার কিনিকার কিনিকার

### প্রথমা ।

ा । गमाञ्चाश भारुरा वर्षसञ्ज मञ्चरमदा अमरता यानि मण्या ।

गर जित्तान कोणिक त्त्रांतरान विश्वा जा जिल्ल

खितिमान्छक्रेचा १ ।।

পদ-পাঠঃ।

ল্মাঃ খাঃ খাটো ঝাচবং এইয়েয়া শুশ্চবংস্বাই। খুব্রং। যানি। শুভাই।

म् । विराम । नीविद् । (बाहरूसम् विश्वाः । चाः चाहि । व्यविदाः । हरूसः । ১ ।

(ड चाइस नमा: मरवरमताचा चार नक्षव : च ठनण वार नक्षप्र । पुना नरनरनव्यक्षम লালাইমান'দণলভ্রণাঃ ভরবমুবাল্ট ভাগ বহ্বছ। ববরঃ প্রাণ্ড বলিইপ্রভুতরঃ। যানি अवासि ह नका। नमानि पृथिनातीनि अनि ह को नक्षित । '(अक्तिकि नक्ति नक्ति के ब्लालानः न पर टेडकार्काला वित्यान कारमाकार्हण आश्वीरम्म। 'क्लान क' केलि यह । दाहितम (बाह्यात्मम वर्षा। कृत मीरशी हेलामार 'अप्रवादक्षक वनारमः' वेकि कृत्। अर बोबिबि मधान, बीवा बीनाच ना । बीवाटकः 'वहनर छन्दिन' हेक चनः झं: 1 'खुवाबीनार-" हैं डाक्षानक मोर्चदर। 'लाला लार्काल' है जि लाला। शक्कार वा मोर्सिक क्राम्मला मीक्षिक्षी। छना बोश्रम्क एः निश्वाः नस्राम्क उत्तः श्रीवनः श्रक्रेत्राः श्रीकाश्या महाविनः नः चाठि शकायमा श्रीमणार श्रकाणाम किर श्रमिकिणार देखाद्यामान विमार द्धीकृषित्राच्यः । (२क्षांच्यार व---६००-->म ) ॥

विक्रीश: সং চেদাখায়ে প্র চ বর্দ্ধরেমমূচচ ডিষ্ঠ মহতে দেভিগার। লা ভে বিশ্বপ্রসাহারে। অথে একাণতে যপ্র: শস্ত্র মালে ॥ ২।। ŧ 168282 চ। তিঠা মচতে। মৌ=গার। মা। তে। বিষদ্ । উপহণভারে। আলে বেমাণা। ভে।

रह चार्थ मिन्नाय ह चत्रायर नियाका करा हेको बीरक्षो । कर्चकर्छति यकि •অমিলিজা • • ' ইতি অংলাপঃ। हेम॰ गणमामः (গ্র) বর্ত্তর চ গমুত্রকামং কুরু : 'চবাবেংগ্রে व्यवता देखि देशादां अध्या छिष विधाकर्म निवसाछ । छेखि छेरनावराचे करु ।

'উলোন্ধ্য কর্মণি' ইত্যাস্থানেপদং বাতারেন ন প্রবিত্তে। 'উল ইবারাং' ইতি বচনাৰ আনীহাবিবরো বা দেইবাঃ। বৰা উর্জ্ন উল্লেখ্য তব। তত্ত উর্জ্ন কর্মবাং আস্থানেপদা— ভাবঃ। কিম্বাং। মহতে পৌকগার স্থাকীক্ষার। বলমানশ্রেতি শেবঃ 'বৃচন্মহত্যে— কুপাংখ্যানং' ইতি মহতো বিভক্তেল ভ্রং। উলগাঞ্যাল্য 'শুভগ মহে' ইতি পাঠাই অঞ্জন। 'শুভগঞ্জ মন্ত্র উল্লেখ্য ইতি ভগান্তলক্ষণবৃদ্ধানায়। তে আরে ইবং চাপারা। (তে)। তব উপাল্ডারা উপলদনকর্ত্তারং পরিচারকা ব্যাহ্যালানা মারিবন বা বিনাল্যর সমাক কর্মণি বর্ত্তাং। বিব হিংলায়াং। আশাং বাতাগ্রেন চেলুং অন্ত আলেদাঃ। লদেন্তি রুহন্তরপান প্রতিষ্করণ। আপ চ ব্রহ্মাণং ব্রহ্মণাং তে জ্বারা বাহ্যালালায় হবং পরিচরণে বর্ত্তানা ব্রহ্মণান ব্যাহণ কর্মণান্ত বিভাগ বাহ্যালায় বিলাল ভ্রমণান্ত ব্যাহণানা ব্যাহণ কর্মাণ্ড বিভাগ বাহ্যালায় বিলাল ব্যাহণান্ত বিভাগ বাহ্যালায় বিলাল ব্যাহণান্তল্য কর্মাণ্ড ব্যাহণান্তল বাহ্যালায় বিলাল ব্যাহণান্তল ব্যাহণান্তল বাহ্যালায় বিলাল ব্যাহণান্তল বাহ্যালায় বাহাল কর্মাণ ব্যাহণান্তল বাহ্যালায় বাহাল কর্মাণ ব্যাহণান্তল বাহালায় বাহাল বাহালায় বাহালায়

#### क् जो या

। ছাময়ে রুণতে ভ্রাক্ষণা ইমে শিবে। ছয়ে সংবরণে ভবা নঃ।

া । । সপস্থারে অভিমাভিভিদ্ ভা যে গরে জাগৃহ্পগুছ্ন<sub>। লো</sub> ।।

#### পদ-পাঠঃ।

चारा चारता तुन्दा खाचनार। देव्या निवरा चारता मध्यवत्ता कवा महत्

नगप्रस्था च्या चिमाविश्विरा छन्। त्या ग्राहा चार्ग्हा चथ्रश्युक्त ॥ ७ ॥

হে অরে ইনে ব্রাহ্মণাঃ ঝান্বগ্রজনানান্তাং বৃণতে শন্তকন্তে আরাধন্ত। তানাং নঃ
আনকং শন্তাবামানপ্রনাদানং লেবঃ লাভে। ভূবা শংবরণে তব বিক্রমানভাণি প্রমানভা
শংছাদনে বর্তক। শা তৎপ্রকাশনেন জোধং কার্যারিভার্তঃ। 'বাচোভারতঃ' ইভি
তবশন্ত লাংহিভিকো দার্বঃ। কিং চ হে আরে শণক্রং আনদানাং নজাণাং হরা
আভিনাভিনিক। অভিনাভিঃ পাশানা শ্রাবতে হি। 'পাপান বা আভিনাভিঃ' ইভি
( তৈও সংগ্রুত্ব)। ততা জেতা ভব। বে আলীয়ে (গরে)। গৃহনানৈত্ব। গৃহে
অপ্রবৃদ্ধন্ অন্যান্তন্ন বৃদ্ধ প্রমানে। আগ্রুত্ব প্রবৃদ্ধন্ আদ্বরণা ব্রহ্মন্ত্র

#### চতুৰ্থী।

ক্ষ ত্রণায়ে স্থেন সং রভস্ব মিত্রেণায়ে মিত্রপা যভস্ব।

नकार्कानाः मधारमञ्जा ताष्ठामरश्च विष्टत्तु मौजिशेह। 811

णम-भार्<u>ठः</u>।

ক্ৰেণ। অয়ো সেন। নং। রভস মিক্রেণ। অয়ো শিতাংগা য়ঙ্খা

লহজাতানাং। মধামেচত্ঃ। রাজ্ঞাং। অংগা বিহতবাঃ। দীদিতি। ইত ।৪॥

তে লাগে খেন আগ্রীয়েন করেণ। বলনামৈতং। বলেন লং রক্তর লংবাধ্বা ভব।
লগতো ভবেভার্গান রাজ রাজ প্রেন্ড কিং চ তে অয়ে মিত্রেশা মিত্রাশাং শেষকাঃ।
মিত্রেশকোপণলাং ধাত্রেগ বিচি রুলং। মিত্রেশ মিত্রভাবেন যতম উপকরোমীত্যের
বর্ত্তর মা উলালিট্রা। যতী প্রমান্ত । অলি চ সজাত্রালাং লগতালাং রাহ্রাশানাং।
প্রেক্তাপাত্র্বাং উংগয়্রাং অর্ন্থেরাক্রণানাং চ সজাত্র্যং মণামেট্রা। মণামেব মধামং। স্বার্থ্তি
মন্ধান্ত্রাণ উংগয়্রাং অর্ন্থেরাক্রণানাং চ সজাত্রং মণামেট্রা। মণামেব মধামং। স্বার্থ্তি
মন্ধান্ত্রাণ উত্থান্ত্রা। যবা সজাত্রায়ং মান্দা করে মধামঃ মজসানঃ। তেরাং উপভীনাঃ।
ভত্র সলা স্থাতা। তির্গ্রের্কির্ 'তৎপুক্ষে ক্রতি বতলং' ইত্যালুক। ভ্রামান্ত্রিং
বর্ষাং রাজ্ঞাং ফাত্রিগাণাসাপ বিহলা: বিহুর্বের্ড কর: বিনিধং হুরুত্তে আহুরুত্তে দেবা
আম্বিভি বিহলা যজানে বেং গ্রুসার্নাং চ ক্রালালিবার্ণ ইতি অনু সম্প্রার্ণাং চ।
ভত্তো 'করে ক্রান্ত্রণী ইতি যবং গ্রা বিশিদ্ধান হলানি চক্রপ্রোডালালীনি হলীংবি যক্ত্রা
ল ভণোন্তাং। আম্বান্ত্রির্বার্থানাং। ( হকা হল—৬২—৪ম )।

शक्रभी।

। অভি নিহে। অভি সংখেতাচিতীর্ভি দ্বিদঃ।

বিখ। ছারিছা জর ছম্খাস্মভাঃ শহরীরং রয়িং দাঃ।৫॥

### 

নিহুঃ দিহছু ন্বিষয়জান দোষান্। হজেঃ কিলি টিলোপছান্দলঃ। বহা নিকুটা গতীঃ খুনুকরানিয়োনিঞাজেরপাঃ। ওচাছ্ গতৌ। কিবরাং শনি 'আতো বাজাঃ' ইভাকারলোগঃ। উনাজনিরভিষরো বাভায়েন দ প্রবস্ততে। তান্ শতি। তরেজি লখজঃ। ন চান্তগীভবারা। অভিভারর। তজেত্ত্তপাপলালবিমাশমেন তবলি বিনাশয়েভাবঃ। (প্রথঃ) প্রেণভিঃ শোবণকর্মা ছালগঃ। ততঃ কিণ্। দেহশোবকান্বরোগান অভিভারর। আচন্তারর। আচন্তারর। আচন্তারর। আচন্তারর। কিংবছনা। হে অর্থ ছংবিশা বিখাঞান। ছবিজা চরিলান ক্রিলান করি তর অভিভারর। কিংবছনা। হে অর্থ ছংবিশা বিখাঞান। ছবিজা চরিলান ক্রিলান করি তর অভিভারর। অব অনভারর শাভার স্থাবিশালালিকাহিত রিয়িং ধনং লা দেভা ছালদে লুভি 'গাভেছাত্বাং' ইতি নিচো লুক্। 'বছলং ছলনামাজোগোপ' ইতি অভারঃ। 'তেন ন্তোত তুলাবোগে ইতি ছুলাক্রিয়াযোগে বছরাছে 'বোগগ্রুনঞ্জনপ্ত' ইতি নহজ নভাবো বিক্লিভ্রিমা ম প্রবর্ততে। 'এবমানবীনাং আন্তঃ (ক্রিভা) ইতি শহকলং অর্থান্ডঃ।

#### ( ठांछ ) विजासिश्वनातक खावमः शक्तर ।

'শব্দিষ্টা' ইতি স্কেন নোককনৈকলাকোশযোত্র শ্বিনশাতে ক্রেচক্ষুংপুরুবদৃষ্টিনিপাতে শিশাচ্যক্ষাদিভদ্নে চ যান্থনিং দালাভা অভিমন্ত্রা বন্নাদাং। স্ত্রিতং হি। 'অবাদ্টা ( ২া৭ ) দং নো দেবা ( ২া২৫ ) বরণঃ (৬ ৮৫ )' ইতি প্রক্রমা 'প্রথমেন মন্ত্রোক্তং ব্যুক্তি' ইতি ( কৌ । ৪া২ )। 'ভার্মবাং নক্ষরেরাং স্পৃষ্টভুরাক্তরোগগৃহা লাং' ইভি ( ন । ক । ১৭ ) বিভিত্তারাং ভার্মবাং মহাশাস্তো দহপ্রকাভিয়াংশাশ এতং স্কুরং। উক্তং নক্ষরেকল্পে 'অব্দিষ্টা দেবলাভেতি দহস্তকভ্রে ভার্মবাংশ ইভি ( ন । ক । ১৯ )। ( ২কা—২ক্স—৭ ক্সেন্ম) ।

প্রথম।।

! । । ।

শব্ধিপ্তা দেবলাতা বীক্লচ্ছপথরোপনী।

। ।

শাপো মলমিব প্রাণৈক্ষাৎ সকান্ মচ্ছপথা অধি ঃ ১ ঃ

#### পদ-পাঠঃ।

অধ্বিটা অবস্থ শিশাচরক্ষঃপ্রত্তিজনিত স্থাপাস বেষণী বিনাশরিত্রী। বিব অপ্রীতে ইত্যাপাং কর্ত্তির ক্ষে:। দেবলাতা দেবৈরির্মিতা দেবার্ধং বা উৎপন্না শ্পধ্রোপনী লৌকিক্স বৈদিক্স চ প্রাক্ষণালিক কন্ত শাশস বিমোহনী নিবার্ধিত্রী। মুগ ক্ষণ বিমোহনে। আমাৎ করণে তুটি। এবংবিধা বীক্রং বিরোধনশীলা দুর্বা ববো বা। দর্বান উক্তবিধান (শপধান) শাণান্মং মহ মতঃ। আগিঃ শক্ষণার্থাস্থাপী। 'আধিপন্নী অনর্বকো' ইত্যান্ত্রিকা বা। শাণান্মং মহ মতঃ। আগিঃ শক্ষণার্থাস্থাপী। 'আধিপন্নী অনর্বকো' ইত্যান্ত্রিকা বা। শাণান্মং বিযোজনত্ ইঙার্বা। শিলির্ শৌচপোবণ্রোঃ। অমাজ্যাক্ষণে লুঙি 'ইবিছে। বা' ইত্যান্তভাগে লিচি ক্রপং। 'উশ্বর্গাং অস্মাণোপ গোণ্ডাদের পং প্রক্ষালয়ন্তি। (২ক্। ২ অ – ৭২ – ১ম )।

# হিতীয়া। | | | | হাশচ সাপত্নঃ শপথে।ঃ জনমা;ঃ শপ্নশচ যঃ। বিহ্না যমানুকঃ শপাৎ সর্বাং ভ্রেনা ভাগম্পাদম্ । ২ ॥ পদ-পাঠা। হাল চা দাপত্না শপ্রা: জামা;ে শপ্যা: চা হাল বিশ্বা যথ মন্ত্রতা শ্পাং। দ্বিং। ভংগ না ভাগ্যংশ্বন্ধ । ২ ॥

উজ্ঞান শপথান বিশেষতো দর্শয়তি। সাগজ্ঞ সগজ্ঞো বেষাো বেই। চা 'বাস্তদপত্নে' ইতি প্রেক্রবাদাং। সগজাব সগজ্ঞ ইবার্থে অকারপ্রভায়ারেয়া নিপাভিতঃ। তৎসভ্জী ঘশ্চ আক্রোশাদিরপঃ শপথং। আমাঃ আমিঃ সংহাৎপদ্মা ভগিনী। ম আময়ে ভগিতৈর আমিরপ্রোধ্যাং কময়্মীতি হি যাজঃ(নি৽ ৩,৬)। ওতাশ্চ যঃ শ্পধঃ। আমিশকঃ সহজাতামাং ख्यां कर विश्व करा (२०१०-२४ -१२ २४)।

#### ভূতীয়া।

निर्देश सूलसर्व ७७१ शृथिना अध्यक्त ।

ভেন সহস্রকাণ্ডেন পরি ণঃ পাতি বিশ্বতঃ । ০ n

#### 기대-어(); 1

। । দিবঃ। ফুলম। অবহততম। পুলিবাাঃ। আহবি। উৎছতভম্।

তেন। সংস্থৃহতাতেন। পরি। নঃ। পাহি। বিশ্বভঃ ১০১

দিবং তালোকাৎ অবততং অবাজ্বণ প্রস্তং মৃত্যং মৃত্যং অবস্থিতং। পূদিন্যাঃ। অধিক পর্যার্থা। পৃথিবা উপার উত্ততং উর্জিং উল্লভং বা বিস্তৃতং। লোকহরং ব্যাপ্রার উত্ততং উর্জিং উল্লভং বা বিস্তৃতং। লোকহরং ব্যাপ্রার বর্ত্তমানং ইতার্থা। তেন উত্তলকশেন গহলক। তেন লালাক্ষ্যার লালাং পরি মিক্তব্যক্ষা আনান্য ইবংভাবে ভ্রতীয়া। তেম শেলান্য আনান্য বিশ্বতং কর্মার শালাং পরি পালিক পরিতঃ পর্বতঃ পালায়। ইহু পরিশক্ষা পালানক। স্মর্থাং আহা বিশ্বত ইতি । "ভীত্তার্থানাৎ ভ্রতঃ ইত্তাপাদানকংজ্বারাং পঞ্চয়াত্তিক্য (২ক্য—২ক্স—প্স—০ম)।

#### চতুৰ্গী।

। পরি মাং পরি যে প্রকাং পরি শ: পাছি য়ং ধনমু। —

অ্রাভিনে মা ভারীমা নন্তারিধুরভিমাওধুঃ ॥ ৪, ১

#### পদ-পাঠঃ ।

† । । পরি । মো আহেজান্ । পরি। নঃ। পাছি। বং । ধনন্।

পরি। মান্ । পরি । মো আহেজান্ । পরি। নঃ। পাছি। বং । ধনন্।

পরিভিঃ। নঃ। মা। ভরিং। মা। মঃ। ভারিবুং। অভিহ্নাভরঃ।৪।

হে মধে মাং পরি পাছি। মে মদীয়াং প্রজাং প্রজায়ত ইভি প্রজা তা প্রণৌজাদিরপাং
পরি পাছি। মা সম্পাক্ষ মং ধনং স্বস্থি ওদাণ পার পাছি ব্রাহ্মণাম্মাক্রোশন আ্র্র্মন্ত্রিশনাদিনাশো ভবভীতি ওদ্ধারা প্রাথিতে। শক্রক গ্পীড়াভাবং অভাণা তংক কর্ত্বপাছি শক্তবাং অভাবা ভারতি না অম্বান অরাধিতঃ শক্তবা ভারীং মাভিক্রামতু।
আভিমাতয়া হত্তং অভিমন্তরানাঃ শিশাচয়ক্রাজিরপাং শক্তবে না অমান মা ভাবিষ্টু মাভিক্রামত্তঃ
আহিংসত্ত। তর্তের্মান্তি কৃত্তি "ন মাভোগে" ইভাডভাবঃ॥ (২কা – ২ল – ৭৩ – ৪ম), ৪

#### क्षक्रभी ।

শপ্তারমেতৃ শশ্বে। যঃ স্তার্ত ডেন নঃ স্ক্।

া

চকুর্মিন্ত্রক সুক্রিরিপ ফুলীনান। ৫ ।

গদ-পাঠঃ।

।

গাঞ্জন্ম এড়া শ্পথা যা স্ক্রারি তেনা নঃ। দক্।

চক্ত্রেম্ন্র স্থা স্থানা বা স্ক্রারি ।

চক্ত্রেম্ন্র স্থানা বা স্ক্রারি ।

চক্ত্রেম্ন্র স্থানাল । ৫ ।

আখান্থীনি। অনেন মুর্ক্টে অবরবা উপলক্ষতো তান অপি শৃণীমনি শৃণীয়ঃ বিংশঃ। সমন্ত্রমান্ত্রাবাধ বরং লৌকিক গৈলিকাকোশবাহ্মণশাপক্রচকুদির্শনালিকতান বেনানান বিনাশরাম ইতাবং। শৃহিংলায়াং। খুটনকাথ ব্যাহণ। "ইনজ্ঞা মান্ত্রা

हैं जि विजीवकारक विजीत्तक्षादक विजीवर प्रकर ।। २/२ २ ।।

"উদস্যভাং ভগণত)" ইতি হজেন ক্লাগতকুঠকমগ্রহণাদিরোগণান্তয়ে উদক্ষটিং দৃশ্যাভ্য আহিমন্ত্রা গৃহাৎ বহিন্ধাধিতং অবলিকেং। অন্ত "অলেয়ং" ইাঙ বিভার্মা বাচা উদ্ভেষ্যাধিকাল বুইায়াং মান্ত্রৌ উক্ত প্রকারেশৈ কণ্যেকং কুর্যাথে। "গল্রোঃ" ইতি তৃত্যিরা আর্জুন্দ ক্ষান্ত্রবৃশ্ তিল্পিনিকাং একীকুতা অভিনন্ধা বারীয়াথে। তথা অন্তরণ বাম আরুতিলোর্চ্চ বন্ধা ক্ষাক্রা ক্রান্তর্কার্চ বা জীবণভাচর্মণা আবেটা পূর্বাবং বল্পীয়াথে। তথা অন্তর্মণ বাম আরুতিলোর্চ্চ বন্ধা আবেটা পূর্বাবং বল্পীয়াথে। "নমন্তে লাক্লেডাঃ" ইাজ চতুরা উদক্ষিণ অভিনন্ধা ব্যব্যক্তলা হলাগ অবতাথ বাাাম্বরং অক্ষাণা তেনোকক্ষেম অবসিক্ষেধ্য "নমাং লানিত্রপাক্ষেতাঃ" ইতি গণ্ডমা। খৃত্যগৃহে উদক্ষিণ কলাভা কর্মার্কিং জাতা ক্রান্তর্কার আলাভ্যানিক আভাগি তার নায়াধ্যক আলাল্যান ক্রান্তর বিং আলাভ্যানিক আভাগি তার নায়াধ্যক আলাল্যান্তর বিং আলাভ্যানিক আলাল্যান্তর বিং আলাভ্যান্তর ক্রান্তর বিং আলাভ্যান্তর ক্রান্তর বিং আলাল্যান্তর ক্রান্তর বিং আলাল্যান্তর ক্রান্তর বিং আলাল্যান্তর ক্রান্তর বিং আলাল্যান্তর ক্রান্তর প্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর প্রান্তর ক্রান্তর প্রান্তর ক্রান্তর প্রান্তর বিল্লান্তর প্রান্তর প্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর প্রান্তর বিল্লান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর বিল্লান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর প্রান্তর ক্রান্তর ক্

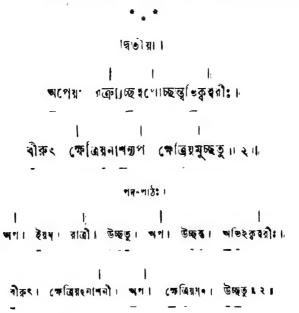
ভত্ত প্রথম।

।
ভিন্ত বিচ্ছে নাম ভারতে ।

বি ক্তেরিক মুক্তামণমং শাশমূভ্যম্যা ।

গ্রুলি ক্তি ভগ্রতী নিহচ্তী নাম। ভারতে ইভি চ্
বি ক্তির্ভ মুক্তাং । ক্রমং । পাশং ভির্ক্তাং । ১ চ্

ভঙ্গতী ভেলবিয়ে নিচ্তত: নিমান্যত: নহা: ইতি নিচ্তো। চ্ডী হিংলাইছেন্
ময়ে: ইত্যাং বিপ্রাং কিল্। কুতুত্বলদপ্রকাভিষ্ণ হ'ব এত নারো) ভারকে শৃল্পিন
মক্ষণ তিলাক নিম্ভলালেক না বিচ্ছে নাম ভারকে। প্রেলায়ত যক্তাং এত হ
বিদ্যান্য ক্রিলা নিচ্ছেক সম্লনক এল্যায়ে হ তথেব আনাত। 'বিচ্ছেন মন্তর্মান লিভারে লেবতায়ান নক বং আলো লেবতা' (তৈত শত লাগাত। ) ইতি। তথাবিষ্ণ নক বে উল্লাভাং উলিভে ভবতঃ। 'ইলো গা কুঙি' ইতি গালেক। তে নক বে ক্রেয়ে ভালেক আলোলক নারা ক্রেয়া ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে আলেল নারা ক্রেয়া ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ে ক্রেয়ের ক্রিয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়ের ক্রেয়াল ক্



ইয়ং উবংকালীনা রাত্রী রাত্রিঃ। 'রাত্রেশ্চাঞ্জে' ইতি দ্রীপ্র। অপোচ্ছতু নিবাসয়ত্র।
উন্নী,বিবাসে। যথা ব্যক্তরী রাত্রিস্থমে। নালয়তি এবং তমোবং আবরকং ক্ষেত্রেয়বারাধিং
আপগ্রময়তু ইতার্ঝঃ। অনেন এএডোগাচাকংশাকর্মণঃ কালঃ স্থচিতঃ। অভিকুল্বরীঃ
আভিকুথ্বাঃ আভতা রোগশান্তিং ক্ষাণাঃ আদিত্যানিদেশতা অপোচ্ছন্ত প্রকৃতং ব্যাধিংঅপগ্রময়ত্ত। আভপুর্বাৎ করোত্তঃ 'আত্রেভ্যোপ দৃশ্যুপ্রেইতি কান্প্। ততপ্তগাগমঃ।
বিনোর চ'ইতি ভীবরেফৌ। 'বা ছফ্লিণ' ইতি জ্বঃ পুর্যমন্ব্রাম্বিং। যয়া অভিকুল্বরী
অর্থিনিশীলাঃ অপ্যার্লিরোগ্রাবিরাংগ্রিয়াঃ বিশাচাঃ প্রেছিছ্ অ্যগচ্ছ্য। কিংছা। ক্ষেত্রিছ্

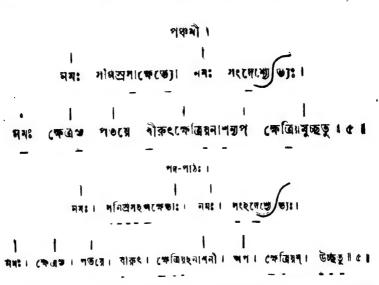
দাশনী ক্ষেত্রেরবাধের্কিনাশরিত্রী বীরুৎ যা তত্তরোগতৈজ্ঞাপ্রস্তাধেল্যা ওয়ধিরস্তি লাশি ক্ষেত্রেরং উক্তং রোগং অপোচ্ছতু অপগণয়তু॥ (২কা—২অ—৮স্—২ম)।

```
তৃতীয়া।
বিজ্ঞারজ্জুনকাশুস্থ যবক তে পলাতা। ছিল্লা তিলপিঞ্জা।
বিক্লং ক্লেব্রিয়নাশন্ত ক্লেব্রিয়মূচ্ছতু।। ।।
পদ-পাঠ:।
বিজ্ঞোহ শক্জুনংকাশুস। যবস তে। পলাতা। তিল্লা তিলহিশিশ্লা।
```

বীরুৎ। কেলি গ্হনাশনী। অপ । কেলিয়েশ। উচ্ছতু॥ ৩ ।

বলোঃ কশিলবর্ণ অর্জুনকাও খ অর্জুনাগারক্ষবিশেষকাঠস। শকলেনেতি শেখঃ। বিশা। যবঃ প্রসিদ্ধা। তলা শলাতা। তুষেণ তিলদা তিলদাবাদ্ধা তিলাণ্ঞা। তিলশহিত্যপ্রধা। চ ক্রতো মাণঃ তে রুগ্ন তে তব রোগং অংশচ্চ্তু। বীকুদিত্যাদি
বাধ্যাতঃ। (২কা – ২০ – ৮০ ৩ম )।

ছৈ ক্ষী ডে বজোগলন্মায় লাজলেকাঃ ব্ৰহণুক্তনীবেছাো নমঃ। ঈৰাছুগেভাঃ ঈৰাশ্ত বুগান চ তেভাল্চ হলাবছবেছো, নগঃ। উভয়ন্তাাপ পূজায়াং বছৰচনং। পীজাকরবৈগি-নিবর্জক্তেন পূজাত্বং লাবোগা নগস্কারঃ কুতঃ। বলা হলাদীনাং আচেতন্ত্রেপি ভল্লিখানি-ক্ষেত্রাভিপ্রারেশ নগস্কারঃ। তৎপস্তাগল্চ ভগবতা বাদবায়েশেন ছিত্রিভঃ। 'আভ্যানিব্যু-সংক্ষেত্র বিশোলুগাভভাাং' ইভি (বাং ২০১৫) । বীকুদিভাাদিগভং । ৪ ৪



দ্নিশ্রণাক্ষেত্যঃ দ্নীশুপ্রমানান অভিশয়েন বিশ্রংশ্যামানি বিশীর্যামাণানি অক্ষাদি প্রকাশিষ্যারাণ যেবাং তে দানপ্রশাক্ষাঃ। শৃঞ্গৃহ। ইতার্জঃ। শ্রংশু গভৌ ইতাক্ষাং যন্তথাৎ যন্তথাৎ বিশ্রে অতোলোপ্রলোপে)। "নামকুলংশু" ইতাভাগিশু নীগ্ আগমঃ। ছান্দণং ব্রথখং। তেভাঃ শৃঞ্গৃহেটেও। নমঃ নমস্কারে। ভবজু । দ্বেশেশেভাঃ শন্দিশুভে তাজাভে তলগতমূদাদানেনাত দন্দেশাঃ অবদগর্ভাঃ। তেশো নমঃ। ক্ষেত্রশা পতয়ে শৃঞ্গৃহাদিরণ্ড ক্ষেত্রভাষিণ্ডয়ে এতলালে দেবার ময়ঃ। "ষ্টাযুক্তশছ্লিদ বা" ইতি পতিশক্ষ বিশ্বজ্ঞায়াং
"বেছিভি" ইতে গুণঃ। মুমুৎপ্রশাদাং রোগ্রাভিত্রকু ইতি মমস্কারাভিপ্রায়ঃ। বীকুৎ
ক্ষেত্রিয়নালনীত্যাদি শিত্রং গতং।

#### ইভি (ৰতীয়কাণ্ডে বিতীয়েশ্বণাকে তৃতীয়ং স্ফুলং । ২।২।৩॥

শ্বশবৃক্ষ" ইতি ক্জেন ব্ৰহ্মগ্ৰহাৰ প্ৰাণে ক্ষরপ্ৰ কালীলানিবু ক্ৰোজেবু ইচ্ছ্যা দশবৃক্ষণকলান গৃহীয়া তৈলাকাহিবশোন বেটিঙং মাণং ক্ষা লম্পাতা আভমব্য ব্যারাং। ভবৈধ এতং ক্জেং দশ ব্রাহ্মণা: ব্ৰহ্মগ্ৰহাতং স্পৃৰস্থো অপেন্তঃ ভ ভং উক্তং লংক্রাবেণা। 'দশবুক্ষোও লাকলো দশ পুক্ষো অপব্যোভি মূলান্ত' ইভি (কৌ: 610)। (২০)—১০—১০ ধন)।

#### ভত্ত প্রথম।

। । । ८ चटला अन्द ४ वन्य्यद्विष्ठ कोतानाः (लाक्जूकम् ॥ ५ ॥ ।

भारत्भा मुक्ता विकास व्यक्तिमा अधित स्था । अपना स्थापित भक्तरूषा

অংশে ইভি। এনম্। ৰনস্তে। জীবানায়। কোকৰ্। উং। নর ১.৪

ছে বশরক পলাপে ব্যাবনিধন প্রকল্প নির্মিত মনে রক্ষা ব্রহ্ম রাজান। প্রান্ত্রা বিদ্যালয় বিদ্যালয়

#### विशेषा।

আগাছ্ণগাদমং জীগানাং ব্রাভ্যপ্যগাং।

**অভ্**ক পুতাণাং বিভা নৃণাং চ ভগৰতমঃ॥ **১॥** 

**ज** भर्क**—६—(२)—२०-२**-७२

#### PY-91511

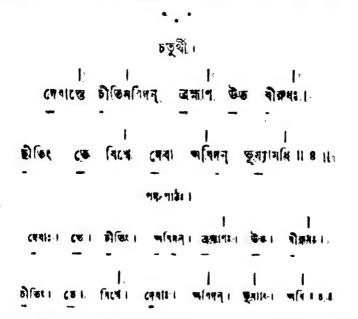
भाग चलारा केरा चलारा भवन्। भीवासान्। आठम्। भनि। भनारः। ---

। फहरा छै: हेडि। भूळानाग्। निष्ठा। नृनागः। छ। अनगररुष्ठमः ॥२॥

শ্বনিপ্রভাবং বজুং মণিসন্ধনন্ধনন্ধনন্ধন অভিনতক্লসিদ্ধি দর্শনিত। তে মণে খং-শ্রানাথং অরং প্রচাদ্ নিম্পুর্ক্তা কল্পনিনা আগাৎ ইমং লোকং আগাধং । উলসাং উলস্থাং। সঞ্চারক্ষমেভ্রিতার্বঃ। ন কেবলং উথামং কাবামাং আবিতাং অনামাং আতং অল্পনা অলাং প্রাপ্তানাং নিতা অনুক্রেনা স্বত্ত আত্মর আত্মনা সভং শিস্ত্তং পুমর্জীবমেন আগতাং ইভার্যঃ। ইছা অনিয়ুমাণানাং প্রচাণ উৎপাবকোভ্রিতার্থঃ। কিং চ মুণাং মন্ত্রাণাং ক্রেণাং ভ্রমাণ্ডার্যঃ। কিং চ মুণাং মন্ত্রাণাং ক্রেণাং ভ্রমাণ্ডার্যঃ। কিং চ মুণাং মন্ত্রাণাং ক্রেণাং ভ্রমাণ্ডার্যঃ। ক্রিং কর্মাণ্ডার্যঃ ক্রেণাঃ। ক্রিং ক্রেণাঃ। ক্রিং ক্রেণাঃ আত্মনার্তার্যানিনাে সূত্তঃ কর্মান্ত প্রচাণ্ডার। বিশ্বাক্র ক্রিনারিং সূত্ত্বাধ্বাত্তি আত্মনার্তার আগতার প্রচাণ্ডার্যঃ। বিশ্বাক্রানার প্রভ্রমাণ বোজাং।। বিশ্বাক্রান্ত্রাক্রাণার আগতার স্ক্রাণার বোজাং।। বিশ্বাক্রান্ত্রাক্রাণার আগতার স্ক্রিতার ক্রিটার বিভ্রমাণি বোজাং।। বিশ্বাক্রাক্রান্ত্রাক্রাণার আগতার স্ক্রিক্রাণার বোজাং।। বিশ্বাক্রান্ত্রাক্রাণার আগতার স্ক্রিক্রাণার বাজাং।।

'আরং অক্ষাত্রাত্র বিষ্ত্রত প্রকার কথাতা আনীয়ক ইতানীভরতে ইছ্ সণ্যয়নে ইক্
অবংশ ইতালাল্বা কর্মাণ জিন্। আগেশ্ লখীতান বেলান্ মর্থগান্ প্রাথনি যা অধ্যাৎ

আত্বানী হৈ পারত্বা। উক্ করণে ইভাতাং কৃতি 'ইর্নক্ ইভি বজনাং' ইভি 'ইনো গা কৃতিই ইভি গালেশং। ইঙ্ছাত্মনাং শালভাদ্ নিতন্ত কাৰানাং পুরং ভোগায়তনানি লারীরাণি আবাসভাদানি প্রাম্থান পালায় লারীরাণি আবাসভাদানি প্রাম্থান প্রম্থান প্রাম্থান প্রমান্থান প্র



ক্ষামান্যপেক কাৰ্ম বাং দেবানি অনিছঃ ইভাছন। কে মণে তে ভব চীভিং প্রছনিকারাজ্ব কোপিল আনানং প্রহাদেং প্রথমণ ছার্মণ আভিজননং বাং দেবাঃ ইপ্রাক্তা আন্দর্মন বিদ্ধিত আনতি। চীয় আনান্যস্থনগরোঃ। আনান্য ভাবে-জিন্ম 'ভিজুতাং' ইতি ইট্প্রভিবেশে বাললোপে চীতে ইতি ক্রণে। বেভেশ্ছাম্পণে পূভি বাভায়েন জ্বভাবঃ। তবা প্রস্লাপঃ প্রাক্ষায়া। উভশস্কঃ অপ্যর্কে। বাক্রগত উর্গানি চন চীতিং আবিষ্ক ক্রতি দর্শকঃ। বিধ্যোজনাত একরামানো বঙ্গুণামগ্রাম্যানা ক্রণমিঞান্তরালয়ে গ্রাম্থান ক্রমান ক্রমান ক্রমান্য ক্রমান্য ক্রমান্য ক্রমান্য ক্রমান্তরালয়ে বিধ্যাক্ষা ক্রমান্য ক্রমান্য ভাবিষ্ক ক্রমান্য ক

ভূমাং অধি ভূলোকে দেবা অবিদন্ লভগত প্রাণগত। বিদ্যু লাভে। আমান্ অন্তৰ্গতিশাৰ্থ ছালনে সূত সুদিগাল অত্। এবং এখাণ ইভাগি যোজাং। ভূনাাং অধীতি শ্বংশেবং॥ (২জা—২জ—১স্–৪ম)।

## গ্ৰুমী। । যশ্চকার স নিজ্বৎ স এব হুভিষক্তসঃ। । । । । । স এব ভূড্যং ভেষ্কানি কুণ্ডস্থ ভিষ্কা শুচিঃ॥৫॥

ষয়। চকার। দংগ নিয়। করেও। দংগ এব। প্রভিষক্তজনং ।

| | | | | | |

দ্যা এক। জুলাং। ভেষজানি। কুশ্বং। ভিষ্কা। ভূচিং॥৫ ।

বঃ পুরুষো বিদান্তঃ অধ্বাংখ্যা মহরিরা চকার এত লাগিবলানং ক্তবান স নিক্রছ বিছ্বান্থ পুরুষকার স্থা শ্রান্থ করেছি । শ্রাণিকনিক্তা বিচিক্ত করে প্রাণ্ডাব্র পুরা লনান্ বৈভাগেন্ড ছোলাভ ভাবা বিকাশ স্থান করে বাবে হা প্রদানকারে বিভাগে করে জাব করেছে লাগিবলার করেছেল লাগিবলার করেছেলে

हां । ब श्रिकारक विकासक में एक हुन्ने अ**कः** ॥

'(किश्रिप्र ष' इडि श्रांकान प्राधिकात्मां कर प्राधिकात्र है कि प्राधिक कार्या कार्या कर्मात्र कर्मा कर्मात्र करिया कर्मात्र कर्म

#### ভক্ত প্রথমা।

ক্তেরাং তা নিখতিয়া জামিশংসাল্ ফ্রেহে। সুফামি বরুপ্ত পাশাং ।

অনাগদং ত্রহ্মণা হা কুণোমি শিহেৰ ডে

ভাৰাপৃথিনী উত্তে স্থাম্। ১॥

भूष भाष्ट्रः

্ চ কেতিয়াং। স্থা নিঃহণতাং। জামিৎশংসাং। জ্বংগ মুকামি। বক্সণ্ড। পালাং 🖁

শ্বনাগদং। ব্ৰহ্মণা। খা। কুণোমি। শিবে ইভি। ভে।

ভাবাপুথিনী ইতি। উ/ভ ইভি। ভাং ▶>।

#### (कि) है।

। । । । শং তে অগ্নিঃ সহান্তিঃন্ত শং সোমঃ সংহীশনীভিঃ।

জনাগদং অহ্মা। তা কুণোমি শিবে জে । । ভাষাপুথিবী উত্তে স্তাম্য ২ ॥

48-4191

सन्। (छ। पश्चिः। नहः परश्चिः। पदः। पन्। (नामः। नहः। ७१शेषिः।

अतः भद्रम्। प्राप्तः (क्लियाकः। निःस्तृष्ठाः। व्यातिस्परनारः।

क्टरा ५कानि। दङ्गनका नामारा

। । অনাগণন। অসংগা। ভা। কুণোমি। নিবে ইভি। তে।

> । ভাৰাপুৰিবী ইভি। উতে ইভি। ভাষ্ণ ২ ঃ

হে রূপূর্ব তে তব করিঃ আরং চতুলাবে হুখনানঃ পৃথিবীস্থানঃ করিঃ অভিমন্তিতোৰকাতিমানিছেবতাতিঃ নহ ব্যস্তবাধাবাবনন্দন্দ্র (বং) পুধকরো তবতু। বোদঃ ওবণীনাং রাজ্য
প্রব্যাতিঃ ওবধুবিলাকতিঃ কাল্যালাভিরোধনগলৈ বহু বং পুধকরো তবতু। 'ওবংশর বিভ্যাবিশ্ববিদ্যালাগীয়ে বিভাল বিশ্ববিদ্যালাভিরোধনগলৈ এব এবং করং প্রব্যাক্তা দ্বাদা। ক্লেক্সিয়ান ক্রিয়াকি পুরবদ্বোধ্যঃ (ব্লা-২জ—১০২—২৭)ঃ

#### ভূতীয়া।

শং তে বাতো শন্তনিকে বয়ো বাচহং তে ভবস্ত প্রদিশ্দচংশ্রঃ।

এবাবং খাং কেতিয়ামিখত্যা দামিশংগাদ্ ক্রেছো

যুঞ্চারি বক্লণশু পাশা**ং।** 

অনাগদং জন্মণা ছা কুণোদি শিৰে ভে

खाराश्विरी छटल छात्र।। •।।

भय- गार्डः ।

এব। আহম্য ভাষ্য কেলিয়াং। নিঃধ্ৰুত্যাঃ। আনিহ্লংগালাং। জুট্ঃ।

স্ঞামি। বরুণভা। পাশাং । আনমাগণম। আমাণা। ছা। ক্রণোমি। শিবে ইভিঃ

তে। ভাৰাপুশিৰী ইভি। উভে ইভি। ভূৰ্। ও।

ৰে ক্লপ্ৰ তে তব অন্তরিক্ষে লতঃ, ক্লান্তে গ্রাণ্পৃথিব্যার্থণো বর্ত্তগানে বা। অন্তর্গ্তান্তর তবভান্তরেম ইতি বা ইতালে নিক্তলে (নি০২-১০)। ডামান সন্থানে বন্ধোধাঃ ম্বনাং পক্ষিণাং থাতা বার্ণাতা ব্যুগাং অলোন শোষারতা বা বাতঃ অন্তরিকাধিশতিক্সীয়ুই বিং স্থকরো তবজু। তবা চতপ্রাং প্রাণাল প্রকৃতী দিশঃ প্রাচাল্যে মহাদশঃ তে তব্ ক্ষেত্র প্রকৃতী দিশঃ প্রাচাল্য মহাদশঃ তে তব্ ক্ষেত্র প্রকৃতী দিশঃ প্রাচাল্য মহাদশঃ তি তব্

### , प्रश्नित्वन-गर्हिका-।

**ठ**ष्ट्री।

ইনা যা দেটা: প্রদিশদ্ভ তো বাঙ্পতী হতি সুর্ব্যো বিচরেট। ।

व्यवादः चार त्कवियानिक जा क्विन्श्माम् कृत्रा

गुकामि कंक्ष्यमा शानीर

অনাগদং ত্রহ্মণা ছা কুণোমি শিবে তে

া। ভাৰাপুথিৰী উচ্ছে স্তাম্॥ ৪ ॥

, शम-भाउँ। 💛 🏅

; , আৰে। অহন্। আৰ্। কেজিয়াং। নিঃহ্ৰতায়। আলিছ্ৰংবাং। 🗥

্ফুৰং। মুঞ্জি। বরুণুভা পাৰাং। ----

অন্যান্দ্। ব্ৰহণা। তা। কংগানি। শিবেইতি। তেও ভাৰাপুৰিবী

। ইভি। উড়ে ইভি। ভাষ। ৪ য়

ইমাঃ পরিদুপ্রমানা দেনীঃ জোত্যানাং বাতপত্নীং বাতং পতিয়ালাং। "বিভাষা লপুর্বত"
ইতি তীৰু কারে। চিজু বাংখাং লকাবাং ভংগতিছোপচারঃ তেবজুতা, যাণ্ড্তরা প্রদিশং ক্র্যায় কুর্বায় কেন্দ্রিত কুর্বায়ান্থ কিন্দ্রিয়া কুর্বায় কিন্দ্রিয়ান কুর্বায় কুর্বায়ান কুর্ব

शक्षशी। ভাক্ত ভাত্তভার্ম্যা দণানি থা যক্ষা এতু নিশাভি: পরাচৈঃ। এবাহং খাং কের্নান্নিশভ্যা জামিশংশাদ্ ক্রেছে। मुकामि बक्रगमा शानार। जनागगर खन्मगा हा हुटगामि निर्द छ। १। श्विने ७८ छ। ग्। १। भय- भार्ठः 1 জর্মি। জা। দৃধ্মি। তা। যক্ষা এতু। নিংংখভিঃ। প্রাতৈঃ। এব। चर्प। पाम्। (क्विप्रार। निःस्पठाः। वामिर्नरनार। छन्दः। ग्र्कामि।

বঞ্গৰ্য পাশাং। অনাগণ্য ব্ৰহ্মণা। স্থা। কুণোমি। শিংৰ ইভি।

-----
| | | |
তে। ভাগাপুশিৰী ইভি। উতে ইভি। স্থাম্য ৫।

ষাঃ পূর্ক্মন্ত্রান্তন দিশ: তাত্ব পত্ত মধ্যে হে রগ্ণ আ বাং জর্দি জরায়াং আ কথামি। আরাপ্রান্তং বেগিলেপরিহারেণ জীব্যন ল গ্রুষং করেমীতার্বঃ। 'অরায়া জরুস্ অন্তন্তরলাং' ইাত জরুস্ আবেশঃ। যক্ষঃ ড্গীয়ো রাজ্যক্ষাদঃ ক্লেক্সিয়া ট্রান্ত প্রাক্তির বিষ্ণুত্ব নিশ্বির জ্বাত্বির জ্বাত্বির জ্বাক্ষ্তা ক্রিং পাক্ষ্তা দ্রং গত্তু ইত্রির জ্বাবং (ছেল্লাক্স্তা দ্রং গত্তু ইত্রিং। এবারং (ছেল্লাক্স্তা দ্রং গত্তু ইত্রিং। এবারং (ছেল্লাক্স্তা দ্রং গত্তু ইত্রিং।

#### मछी।

'ব্ৰুক্থা ফকান্ত ছবিভাগৰত'দ্ ক্ৰেঃ পাশাদ্ আহাংশচাপৰুক্থা:।

এবাৰং স্বাং কেতিয়ালিখত্য। জামিশংগাদ্ ক্রেছো

া মুকামি বরুণভা পাশাং।

অনাগদং প্রহ্মণা দ্বা কুণোমি শিশে তে ছানাপৃথিণী উতে স্তাম্।। ।।।

भन-भाठेः ।

শেসুক্থাঃ। মুসাং। জুঃংই চাং। অবভাং। জুহঃ। গালাং। প্রভাং। চ। উং ৷ অসুক্থাঃ।

এব। আহম্। আব্। কেলিয়াং। নিঃহণতাঃ। জামিংশংলাং। ক্রঃ।

মুঞ্চামি । ব্রুণক্ত। পাশাং।

। । আনাগস্থ। ব্ৰহ্মণা। ছা। কুণোমি। শিবেউভি। তে।

। । ।

ভাবাপ্থিবী ইতি। উভে ইতি। তাগ্। ৬।

তে কুপ্ৰ বং সন্ধাৎ কে জিল্লবাধে: অমুক্থা: মুজেনি। মা লংগরং কার্মীরিভ্যর্থ:। মুচ্লু আোকণে। অবাধ কর্মাণ লুভি মধানৈক বচনে 'কলো কালি' ইভি নিচো লোণঃ। তবা জ্বিভাং ভূর্বতাং ভূর্বতাং রোপানদানভূতাং পাণাং অবভাং জামান্তভিশংশনর পাল্ নিকানাং। 'অবভাগার্ধা। প্র্ণোত্বানিবাধেরু ঠাত মংপ্রভাগ্রেলা নিপাতিতঃ। ক্রাহা দেবভাবি-জ্যোতাং। পালাং গালিবাদি গ্রহকাল্ বক্রণানাং প্রাহাঃ অম্যাক্র জালির গালাঃ পিশাচাক্রিপ্রকৃথাঃ উন্প্রেলা ভবলি। এবাহং ইত্যালি প্রবিং। (২কা—২কা—১০ক্—৬ম)।

मलुभो।

uniet पार टक्काबिशावित्रां काशिमारमाम् एछ दर्।

गुकाि वक्रमा शानार।

भागगर ख्र्यांना हा कुरामि निर्देश छात्राशृथियो উত্তে छात्रा। १ ।३:

। । । । অবংঃ অরাতিশ্য জবিদঃ। জোনস্। অপিন জভুক।

পদ-পাঠঃ।

ত্র। সুংক্রম। লোকে।

্রব। অত্যু জাগ। কেবিয়াং। নিঃহঝতাং। স্থানিহশংলাং।

्रा इक्ष्यः। मूक्ष्मिः सङ्ग्रनकः। भागादः।

জনাগদ্ম প্রক্ষণা হা। কুণোমি নিশে ইতি: জেনা)

। ভাগাপুথিবী ইভিঃ উচেড ইভিঃ আগম**াম**।

বে ব্যাধিত অব।তিং শক্তব্যাদকং বোগং শক্তবেশ বা অভাঃ অভাসীঃ আভাসিঃ। ওবাক্।

যাবে। সু'ঙ'গান্ত অধ্বেবণশব্দভাদ্ত' ইতি সুৰ্ক্। সোনং। অথনামৈতং: অধ্বং
বিষঃ লব্বনান্ অলি। বিদুল্ লাভে ইতাঝাৎ পু.ঙ. লুগিয়াদ্ আঙ্.। ছান্ত শক্তনাক্ত

লিয়াণে সুক্তত সুস্ঠু কুতত পুণ্ড ছাল্ড্ডেখ্সিন্ ভূলোকে লাণ্ড্ৰ। গৈশিঃ পদ্ধি

শভাবমাশ্বনদর্গ• ইতি কছচিং পদভার্থে অধিশক্ষণ কর্মপ্রবহনীয়সংজ্ঞাধিদান'দ্ আজ অংহবজুং যোগো জীবননিবাসাধিপথার্থে গণিশক্ষো বর্ততে। ভূগোকে ভিরকালানবাদো। দীর্মবাবমং বাতব শভুদ্ ইতার্থ:। এবাহং ইত্যাদি গতং । (২কা—২ল—>৽হ—९য়) ॥

শৃষ্ঠ ।

। । । । ।

সূৰ্ব্যযুক্তং ভনগো প্ৰাহা কৰি পেৰা মুক্তেন্তা অক্তানি হোণগঃ।

এনাহং হাং ক্লেন্তিয়ানি শৃত্যা জানিশং গাদ্ ক্ৰেছে।

যুকানি বয়গণ্যা পাশং ।

অনাগদং ব্রহাণ। হা কুণোমি শিবে তে জাবাপুনিবী উত্তে স্তাম্।। ৮।।

এক। আহম। ভাষ। কেতিয়াং। নিঃহগচ্যাঃ। আনহিহশংসাং।

ক্রং। মুঞ্চামি। মরণসা পাশাং। ----

মুবাপুৰিনী ইতি। উতে ইতি। ভান। ৮ ॥

শতং লকাভূতং স্থাৎ তদলং স্থ ক্রমণাল প্রাহাং প্রহাৎ। ক্ষাং পক্ষার্থাস্থাদী।
মুক্তঃ মোচমন্তে দেবাঃ ইলোলয়ং এনসং তেছে চুত্ত বাণাল নিরস্কান নিরস্কান।
ফুল বিলর্মে। "পুর্বভাগরাপ্রঃ ক্ষাং ভ্যাধাবিশাব ভূত্ম দেবাঃ প্রায়শিচ্ভিং ঐক্নেন"
(১০০ লং ২১:২২) ইত্যালি তৈ ত্রীয়কং। যথা দেবাঃ স্থাং রাজ্প্রাল্ প্রায়েশ্য
অব্যু, ক্রমণি স্থাং মন্ত্রপ্রাবিন ক্রের্রোগাং ভ্রেরাণভূত্পাথানিভাশ্ত মোচমানীভার্থঃ। ৮৪

इंडि विशेष्ट्रभूगांक शक्ष्यर ऋक्षरा.

#### ( ইভি ) হিন্তীয়োমুণাকঃ.

ভূতীয়েছুবাকে দপ্ত হতানি। ততা "দ্বা। দূৰর্গি" ইতি প্রথমণ হতে। আশুলরাজ-<u>জ্বাহ্মণকাণালিকান্তাঞ্চলাকিতা।দক্ততা ভটারে প্রায়নকার্থ ক্রভা। প্রতিকরণার্থ চ অনেসং</u> সংক্রেন ভিল্কমণিং দল্পাত্য আদ্ধন্তা ব্যাধান ভ্রা চ স্ক্রেং। 'দৃক্তা দ্বিরদীক্তি আন্তাং বধাতে' ইাত (কৌ• ৫০০), আক্রান্তক্রক্রক: ( আক্র)ব্রিক ইাত ভাক্তবারঃ ৮ ভবা অভ স্তাত রুতা। প্রতিবরণগণে পাঠাং কুত্রা। ইরণার্বে শাস্তাদকেশি এডৎ স্তাত্ত ভাবিগনীরং। যদ্ ভাত কৌশিক:। 'দৃষ্যা দৃধিরগি (২০১১) যে পুরস্তা**ং** (৪।৪०)-ঈশানাং ছা (৪।১৭) গমং জো। ভঃ' (৪০০৮) উতে; কাজগল্পুরুৎ (৪।১৯) **জ্বপর্বছা** ( ৫)১৪ ) যাং তে চক্রু: ( ৫।১১ ) পনং প্রতিশর: (৮।৫ ) নাং কল্পপ্রি (১০।১ ) ইন্ডি-মহাশাখিং আনবিপতে ইটি (१৫) এ ৫০) শ্রামের রুলাগ্রাভতরগুল্যা তথা নক্ষ-করে 'কুতা।দূশণ এব চ। চাত্নো শ ত্লানা চ' ( নি॰ ক॰ ২০ ) ইতাত্র শাস্তিকরে 'আৰু मादिशः कुडाल्यिरेगणाञ्चरः' ( मान कर :५) १०। ४०। ०० एक्टम ग्राह्मपुरस्का निमस्मारमान বসন্তব্যঃ । এবং 'বাইম্পাভাবে রাখান্ত্রির 🕆 চেটি কামস্তা ৬চরভোভিচরীমাণ্ড চ' ইভি ( ন - ক - ১৭ ) বিহিতায়াং বাই শাতাখালাং মহাশারে। আ লামশিবস্ধনৌগ এতৎ স্কোং। ৬৫ উক্তং নক্ষত্রকার বাহ পিতায়াং দ্যা দৃষ্যস্থীত আক্তাং অভিচরভোভচ্যামাণ্ড চ ইতি (মি• ক•১৯)। সুভাগ্রে।তহরণকম্মণোর আগ্রমন্তা ক্লভাগ্না গুল্ফং হলে।জন্তং রোক পারবিক্ষের। পুরের চ। 'দুখা দুবিরস্কান দক্ষা। কিঃ শারুপরবনোনাপোদক্ষেন মাঝিজেন। धन्यान् गात्रांगकाठ' ठाउ ( १ को॰ बाठ )।

প্রা। দ্ধিরণি হেন্ডা। হেতিরণি মেক্সা মেনিরণি।।

া

া

া

া

া

া

া

া

বিষয়ি

বিষয

#### পদ-পাঠঃ ৷

ं बृज्ञाः । पृथितः। चनि । ८० छाः । ८० छिः । चनि । ८० छाः । ८० छिः । चनि । আপুছি। শ্রেয়ংলক। অতি। লম্মা ক্রেমা।>। ---

 (হ ভিলকমণে বং দৃত্যাঃ। দৃবয়ভি বিনালয়তীতি দৃবিঃ ক্রত্যা। দৃবের্ণান্তাল্ ঔণালিক ই-श्रिकातः। ७७: भत्रकुलाताः पृथित्रनि पृथकः गिरात्रकाशिः (रलाः। भाव्यनारेथछर। হাতি অনরেতি প্রবীয়তে প্রাক্ষণাত ইতি বা খেতিঃ আয়ুণং। 'টাভেযুভিজুভিগাতিতেতি-কীর্ত্তমণ্ড' ইতি হত্তেহিনোতের। জিন্পা চায়াটো নিশাতিত: । তখা: শরপ্রোরভারাস্থং হৈতি: প্রতিহনন্দাণনং অশি। মেন্তা:। গ্রুলংমেত্র। মীনাতি হিন্তীতি গেনি: মক্সভেদি মন্ত্রাক্রণ বায়ঞ্রং। তত পরোচ্চারিত্র মেনিরাপ নিবারক: প্রতিবায়জ্ঞালি। মীঞ্ विश्वाद्यार हे आचार अवावित्का निक्षात्राहा यद्यान हिल्लामी त्व चान चायुननामनी ভগালি আৰু শুমন্ত্ৰকামন্ত্ৰকান্ত্ৰপত্ৰভেদেন ভয়োভেনোবগন্তবাঃ ৷ যভন্তং শক্ৰকভাভিচারাদ্দি জনিতলকারিষ্টনিবারকোলি অভঃ শ্রেয়াংলং প্রলগ্রতমং আধক্ষলং অস্পীয়ং শক্রং আগ্রহি হয়তে ব)। প্রতি। নিরুষ্টের জহীত। বঃ । স্মং স্মণসং শতকে অতি ক্রাম আনত ক্রমা গছে। অপ্রবল্পেন নিবারম্বেভার্থন। নূনিবলম্ব মন্ত্রপ্রভাবং অন্তরেণ স্বেটনব জিড ইভি ভঞ আইণকালঃ। তথা চ তৈভিনীয়কে লখায়াতং। ''প্র শ্রেয়াংলং ভ্রত্যাং কুলভোত সন্ত্র कार्यां उत्तर भाशीतान् चात्थां ( टेड॰ मः॰ २.८। २।८ ) होता कार्याता कम् नामविद्यारमः। अप्रार लाहि भाग 'क्रमः गत्ररेयमलायु हेलि नोर्पः । > ।

> বিভীয়া। অক্টোর্ন অভিনরেন্ত্রিন প্রভাভিচরণোনি। । । । আবুহি ভোরাংসমতি সমং ক্রাম॥২॥ —— वकाः। भागः। প্রতিহ্ণরং। খনি। প্রতিহ্লতিচরণং। খুনি। আধুহি। শ্লেয়াংসম্। অতি। প্ৰশ্ন ক্ৰোম্ম ২ ।

হে মণে অক্যাঃ। অজিভিলকরুকঃ তত্ত্ব ভবং অক্তাঃ। 'ভবে ছন্দনি' ইতি বং 🛊 ভিলকরক্লিছিভোলি। প্রতিসর:। হল্ত অভিমুখা কুত্যাবয় প্রভিলার্থান্তে প্রতিমুখ্ মিবর্তান্তে অনেন টাত প্রাক্তনর:। অভিনান্ত র রক্ষাপ্তরং অদি। প্রতিপূর্বাৎ দাররতেঃ ''পুংলি শংক্রারাং হ:•'। উপণাত্র শত্পাম:। অভ এব সলাভিত্ মণিবন্ধনভাবে প্রতি-শ্রংস্কনং উক্তং নক্ষরেকাল্প। 'প্রাত্সরং বা গ্র্কার্ম' ইতি ('ন- ক - ১৯)।। প্রভাভিচর্বঃ প্রভাভিচ্যাতে নিবার্থাতে পরক্রভাভিচার্ভনিতা করতা আমেন ইভি প্রভাভিচরণঃ। ভণাবিশোসি। चाधुशैकानि नासाकः।। (२०१० चन >>१ र-२म)।।

ভূতীলা। প্রতি তমভি চর যোল্সান্ ছেপ্টি যং বরং ছিলঃ। । । - । ভাগুহি ভোগাংসমতি সমং জান । ৩॥ **श्रम-शा**र्रेश । অংকি। তম্। জভি। চর। যঃ। **জনান্। বেটি। যন্। বয়ন্। বিছ:।** । । ভাগুহি। শ্লোংশশং ক্তি। সৰ্শা জ্ঞাৰ ॥ ৩ ॥

হঃ শক্তঃ অন্মান সপুত্রপঞ্চাত্র ছেটি জিলাংলতি বয়ং চ বং শক্তং বিদ্ধা নালগ্লিভুই ইচ্ছামঃ। বিষ জ্ঞাতি। অদ'দিবাৎ শণো সুকৃ। তৎ উভয়বিশং বেটারং বেয়াং চ শক্তং হে মণে প্রত্যক্তি চর শক্রকৃতাং কুত্যাং প্রতিনিষ্ধ্য ভম্পি নাশ্রেত্যধঃ। .चाधु हो छ। नि शहर ।। (२का-०च - ১১ ए-०म )।।

> **ह**रू भें । ু বিরুদি বর্জোধা অদি ভনুপানোদি। ণ । । আপুহি শেয়াংগমতি শমং ক্রাম ॥ ৪॥

#### **अम-शर्कः ।**

প্রিঃ। অবি। বর্চঃহধাঃ। অবি। তন্ংগানঃ। আবি।

া

আপুরিঃ (শুরাংস্মৃ। অবি। সম্মৃ। ক্রাম্টঃ

ছে মণে প্রিঃ অজিজোনি। শক্তক চাভিচারনিবস্ত নজানবান অধীত্যপঃ। বর্চেশিঃ
বর্চেশঃ তেলস্যে ধাতা বিধাতা অদি ধার্গ্যিত্থাং। তথা তনুগানোসি তনুনাং আমংসম্প ক্ষিনাং শরীরাণাং প্রক্তাভিচারাং পাল্গ্রিতাশি। আগ্রুহীত্যাদি, পুশাবং ॥ ৪ ।

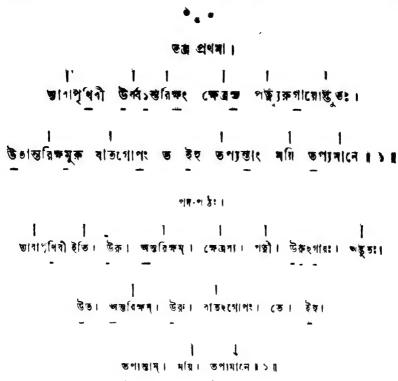
# পঞ্চনী। ভক্তেদি ভাকেদি হ্রান জ্যোতিরসি। া া মাপ্পুহি ভাগাংসমতি সমং ভাম। ৫। গদ-পাঠান

ছে মণে শুক্রং শোচকং শক্রণাং শোচ'যভাসি। আজোগি দীণামানঃ তেজমী ভবিদি।
শঃ জ্বালবোগোৎপাদনেন ভাগকোগি। শু শব্দোপাভাগয়োঃ। অগ্নাৎ ছান্দ্রো বিচ্না
ছলা খঃ। দিবশ্চ আলিভাক চলাগারণং নানৈতং। আলিভাগি আলিভাগং কুডালীনাং
আভভবিতা আস ভবলে। তথা জ্যোভিং অগ্নালজ্যোভিবিব অসংস্পৃংখ্যাদি। শক্রেক্তাশ্ ভিচারান্তিং অনাংখ্নীংগোটভবিঃ। আগুড়াভালি বাব্যাতং।

( ইভি ) দ্বিনাতে তু গানের একে সাম্মং স্কাং ॥

''জাবাপুথিনী উক'' ইভি সজেন অভিচারকথান দীক্ষার্থ গেবুসগুং বৃশ্চতি।
(স্ত্রেভং ছি। ''ভর্মাজ প্রাক্ষেনা জনগং দুলং বৃশ্চতি'' ইভি কেই০ চাঠ ভত্ত 'জাগাপুনিনী
ইক্সালুবিক্ষাং' ইভি স্তেখ ভর্মাজ প্রক্ষেত্র ডি ভাব ভ্রানিষ্ দনকর্মাণ

ছকিণাভিষ্ধং ধাৰতঃ শত্ৰোঃ পদেৰু রক্ষণজাদি প্রক্ষিণ্য পরশুনা ছিলা দ্পাংখ্য প্রজ্ঞান ব্যক্ষাত্রে প্রক্ষিণ্য জানীর লাষ্ট্রে ভক্ষরেং। (কৌ-৬১)র (২ডা-৬ল-১২৮-৫৪)র



প্রেণাণ্ড পূথিবী চ স্থানাপুথিনে । '( বিবা ) প্রাবা' ইতি স্থানাবেশঃ । 'বা ছুন্দানি' ইন্তি
পূর্বন্থপির্বার্থ। 'পেবতাৰ দ্ব চ' ইতি উত্তরণদ প্রকৃতিবর্ধং । উক্ত বিজীপি অন্ধরিক্ত
তর্মার্পণে বর্জমানোন্তরিক্ষলোকঃ । কেজনা । কিন্তবি মিবদন্তি অনিন্তি কেজং উত্তর
লোকজরং । তন্য পদ্ধী অবিপতিঃ দেশতা ক্রেমেশ অলিবায়ুপ্র্য্যাত্মিকা । ছান্দানো
ভীন্ন চারৌ । অন্তর্জ ব্রিক্রিমর্পত্বন সর্বাক্রানার গোকানান্দ্ আফ্রের্যাত্মকা । ছান্দানা
ভীন্ন চারৌ । অন্তর্জ ব্রিক্রিমর্পত্বন সর্বাক্রানার গোকানাং পালকো বিষ্ণুঃ তব্দ অন্তর্জান্তর । অন্তর্জ বির্দ্ধান্তর গোকানাং পালকো বিষ্ণুঃ তথা চ অন্তর্জ আরাভং । 'জেবা বিষ্ণুক্রক্রপারে বিচক্রমে' ( তৈও ব্রাও আসাহও ) ইতি । কৈ বৈ বি
আলোভাং । 'কোমা বিষ্ণুক্রক্রপারে বিচক্রমে' ( তৈও ব্রাও আসাহও ) ইতি । কৈ বৈ বি
আলোভাং কর্মানি বঞ্জ গোলাং গোলারিতা বলা বহা বাজেন গোলামানং ধার্যানাণং
বাজনোপং । তথা চ বাজনমেরকং । বাস্কুর্বের গোচন তং ক্রেং বাস্থুনা বৈ গৌতন
ক্রেমেলার স্থানা ক্রিক্রের মহাকালং । এবং বে লোকাজকবিশত্মন্ত করি তে কর্মের্
ইহ অনিন্ অভিচারকর্মনি মন্নি অভিচারকে স্থামানে নীক্রানির্যান উপবালানিনা
অপর্যান্ধ ক্রানি

ক্লিক্সমানে দক্তি তপাক্তাং দক্তপ্তা ভবস্ত ৷ অতং যথা তেয়ে নাশয়িতৃং উতাজে কি এবং ভবকোপি শ্ৰোঃ স্থানাক প্ৰদানেন হিংদকা ভবস্ত ইতাৰ্থ:॥ (২ক - ৩ক — ১২২ — ১ম ) ॥

দিভীয়া।

| | | | | | | |

ইলং দেবাঃ শৃণুত বে যদিওয়া হ ভরম্বাজ্ঞা. মহ্যুক্থানি শংস্তি।

গাশে স বদ্ধো জুরিতে নি যুক্তাং যো

আজ্মাকং মন ইলং তিনজি। ২ ॥

পদ-পাঠ:।

| | | |

পদ-পাঠ:।

| | | |

পাশো ল:। বদ্ধা জুইতে। নি। যুক্তান্। মংগ্রিঃ

আ্মাকং। মনঃ। ইল্ম্। তিন্তি। ২ ॥

্ষেন্ত বিশ্বাং ইলং বক্ষানালং ম্বাকাং শৃণুত। যে সৃষ্ধ যজিয়াঃ সজাহাঁঃ স্থ জনপ্।

শ্বেলিকং লালে হবিলিকিলং জন্নং যদ্য লোধং ভববালঃ নদ্দিবেশ দেশানা হবিল প্রশাল

কেলামকো মন্ত্রি মহাং মদলং মদজিলাবিচালের উক্পানি দ্রাণি শংকাল পঠিছ। যদ্ধা
উক্পাকাঃ ভাশকণন্ত্রাকোলকাশপারঃ। অভিচারকার্যাচিতদেশভাস্তভিগ্রান্মস্ত্রান হয়েও কে

ইলার্যা। যাং শক্রং অন্যাকং ইদং পূর্বাং স্মার্গপ্রিভং মনং মানসং হিনাস্ত বাগতে। হিদি
ভিলায়াং। ইলিক্দ্ হং। ক্লাদিবাং মাং। 'শ্লান্তালাং' ইতি নকারলোগং। 'যদুভালিভাং' ইতি নিঘাভপ্রতিদেশঃ। জনভিম্ভকার্যাকরণেন ইট্রাক্তিনে চ যো বিক্রিপ্তঃ

ক্রেণকলে নি মুজালাং নিষ্ক্রো ভবতু। অনেন কর্মণা মৃতিং প্রাপ্রোভু ইভোভং শৃণুভেত্তি
পুর্বাণ সম্বন্ধঃ। (ব্যা—তম্প্নতি ভবতু। আনেন কর্মণা মৃতিং প্রাপ্রোভু ইভোভং শৃণুভেত্তি
পুর্বাণ সম্বন্ধঃ। (ব্যা—তম্পন্ত সংস্কৃত্য হ্যা দ্রা

#### ভূতীল।

। । । ইন্মিক্ত শ্বুহ গোমপ যং ছা হালা শোচ্ছা কোহবীমি।

রুশ্চামি তং কুলিশেনের রুক্থ যে। অস্মাকং

। মণ ইণং হিনাস্ত ॥ ০॥

**गम गा**र्वः ।

हेनरा हेर्स्तः मृतूहा (नाग्रहना घरा खा। छता। (माठ्डा। (आह्रोसि)

বুল্চামি। তম্। কুল্লেন্থ্য বুল্কম্। যঃ। আমাক্ষ্। -

> । মন:। ইদম্। হিন**তি** । ৩ ॥

( পূর্বং ) দেবাঃ শামান্তেন প্রাধিতাঃ। ইদানীং তৎপ্রধানত্ত ইক্সঃ প্রার্থাতে। ছে শোমণা। পোমং পিবতীতি গোগণঃ। 'আতোমুণদর্গে কঃ'। তম সমুদ্ধঃ। শোমণানেন দর্বন দন্তইনান্স হে হক্স ইবং বক্ষামাণং মদীয়ং বাকাঃ শুবু'র শুবু। 'উভ"চ প্রভাগা-ছিন্দান বা বচনং' হাত হেলুগভাবঃ। তদেব দর্শয়িত যদ্ হতি। লোচতা বেশ্বকুভাপকারৈঃ লোচাতিক হল। মন্সা হা ছাং জোহবামি পুনঃপুনরাহ্বয়ম। আর্ত্তিস স্থানতাতক স্থ মন বচনং মা উপোক্ষতা হাত ক্রিয়াস্মভিভাবেশ স্থানত। আহ্বাতিক স্থানতাত কম্প মন বচনং মা উপোক্ষতা হাত ক্রিয়াস্মভিভাবেশ স্থানত। আহ্বাতিক স্থানতাত করে সম্প্রার্থাং 'অভান্তস্ত চ' হাত দম্পার্থা। আহ্বাতিক স্থানতাত করে সম্প্রার্থা। ভিন্দা হিন্দা। ওবেশ্ব ছেদনে। ভুলাল্বাং শঃ। 'গ্রাহজাা।' ইত্যাদিনা সম্প্রার্থা। গালালিকাদ্ আন্লাভঃ। ক্রিম্ব কুলিশেন বজ্ঞাদ্দেন পর ক্রার্থাই ক্রেয়ায় হেলাইব। স্থানকং হত্যাদি ব্যাস্থাতা ( হেলা তল ন স্থানতিকানে চ বিনিয়োগ উপ্পল্ন। যো আ্যাকং হত্যাদি ব্যাস্থাতা । ( হলা তল – ১২প – ৩ম )।

#### **ठ** इबी ।

্বা । অশীতিভি'ন্তস্থ ভিঃ সামগোজিরাদিতে ভিকাহ ভিকাহি বে। ভিঃ।

। । । ইঠাপুর্ভনবজু নঃ পিতুণাধামু দলে ত্রদা দৈব্যেন ॥ ৪ ॥

#### 44-4132 h

্ব । বিজ্ঞান ক্ষিত্র । বারংগেডিঃ। আদিতোভিঃ। বসুহতিঃ। অক্তিরংভিঃ।

रेडेश প्र्रिनः। व्यवज्ञासः। निजृताया व्याग्याः नतमः। देनरवासः। ८००

তিহ'ভঃ তিশংখ্যাকাভিঃ অশীতিভিঃ তৃচাশী ভভিঃ। ভাশ্চ অশীতয় ঐতরেয়দে মহাব্রুক্ত কে ব্রুক্তে শ্যায়ায়তে। 'গায়নী তৃচাশীভিঃ ঔ৾য়ঠী তৃচাশীভিঃ বাইতী তৃচাশীভিঃ'
(ঐ আ০১০০০) ভাভিত্ত শংখ্যাক্রাইছতৃটিঃ তৎপ্রতিশাল্পের্দেশতয়া বা লামগেভিঃ
লামগৈরুক্সালোদিভিঃ তৎপ্রইজঃ ভোটিয়কা আদিতে)ভিঃ আদিটি চার্যালশভিঃ বন্ধভিঃ
লামগৈরুক্সালোদিভিঃ তৎপ্রইজঃ ভোটিয়কা আদিতে)ভিঃ আদিটি চার্যালশভিঃ বন্ধভিঃ
লামগৈরুক্সালাদিভা প্রেল্ডের প্রতিরাধি ভিঃ। বন্ধাদিভালমভিন্যাহারাদ্ অসনাদ্
ব্যাশনাদ্ রুদ্ধা বা অলিবঃশক্ষেন প্রতিরুচ্নাল। তৈঃ লহা লহাযোগে তৃতীয়া। শিত্লাং
আমংপ্রিলুক্সালাং ইরাপুরিং। চইং প্রভাবিহিতং যাগাদি। পুরিং স্কৃত্তি ক্ণারামত্রীয়া। ভত্তিমুক্তরিভার স্কুতা ন আমান আবদ্ধ আরোগ ললাদিত লিভুলার তিলি
ভিলিন্ন তর্ভ্যক্তরিল সক্রাপিলার লাভিঃ লবনদেশ লাভিশ্ব নিজ্যাদিত লিভুলার ইরাপুরিং
আমান আবদ্ধ ইভি। রক্ষাপ্রার্থনায়াঃ আয়োজনং আব্ মুক্ নাক্রান্য অব্রুক্তার শ্বেবভারত নে হাকুত্বনে হার্কিভারে। আর্থনা
মানং অকং দৈবোল দেশসভারনা। মৎকু হাভিচার লাখত ক্রার্কানে বিরুক্তান্তরে নে হার্কিভার প্রেল্ড বিরুক্তি। ক্রিল্ডিং লিভ্ লিভিং নিজ্যালির বিরুক্তির ভার্মিনে প্রিল্ডিং। বিরুক্তানির প্রতির ভার্মিন স্ক্রান্তরিভ্রতির প্রক্রান্তরে নে হার্কিভারি লিভারিকার করে বিরুক্তানির লিভারিকার নিজানির ভারিকার নিজানির লিভারিকার নিজ্যালির স্বিল্ড বিরুক্তানির লিল্ডিং। বিরুক্তানির লিভারিকার করে বিরুক্তানির লিভারিকার নিজানির লিভারিকার নিজানির লিভারিকার লিভারিকার নিজানির নিজানির লিভারিকার নিজানির নিজানির লিভারিকার নিজানির নিজানির নিজানির লিভারিকার নিজানির লিভার নিজানির নিজানি

#### मक्त्री |

ভাগাপুৰিবী অনুষা দীগাৰাং বিখে দেখানো অনুষা রভগ্রন্থ । । । । । । । অভিরদঃ পিত্রঃ দোন্যাদঃ পাপ্যার্ছ্রপকাশত কর্জা। ও ॥ \*MR MIZ: 1

काराणुबनी देखि। लक्षा माँ। का नीमेबान । निर्देश

(प्रवानः) चल्ला भाग चना ब्रह्मस्या

আহিবদঃ। শিত্রঃ। শেষোদঃ। পাণ্ধ। আন। আছেরু। অংশহক্ষভা কর্তা। করি। ১৯

छावाशृतिको दर छावाशृतिदको या चळकिक्तमार्क कोछः यार अस बुनायनि अस कोनीवार मानीरक्ष छन्छ। मक्क्यभार्वर मञ्जूनार क्रूक्रडर हेडार्वः। "भ्यून मत्न' हेडि महमाद्दे কর্ম প্রবচনারসংজ্ঞারাং 'কর্ম প্রবচনার্যুক্তে (২০)য়।' ইতি অংশচ্ছেক, দ্ (২০) রা। দীণীঙ্দীপ্তি-त्ववनरक्षाः वे अञ्चाद (नाष्टि अवानि वाद नर्मा मूक् । वित्य (ववानः (व वित्य (वनाः अख्याभारमाः গণদেবাং মা শক্রেণয়াবং উহাতকং মাং অব্যু (আন রভগ্রং শক্রং নিক্সকাভু উহাতকা ভণত ৷ ছবাহে লোমাান: লোমার্হ। অফিরলঃ হে তথাবিখাঃ পিডরঃ এতল্লামানো দেবাঃ।) যুর্মণি ગાંડ⊎ધ્વર **ટાં**૭ পૂલ્સાળ મથસ:। ⊘ાર્થનાદ્રા: ⊘ાદ્રાથકનર વર્ષાં છા અંગલામજીક মনভিমতত কাৰ্যাত জোহত কন্তা শক্তঃ পাপং মৃতিলক্ষণং আছে তু প্ৰাপ্নোতু। । अहर গ্ৰেটা । উगनर्गातृ क्षां व वात्वा" हो छ छवा गवादमा श्राह्म. । (२वा - २व - ३२४ ०४) ॥

4 1

७ भूः वि ७ देश इ बिनानि गन्न उक्क विनर क्योतिक मः छ शास्ति। ७।।

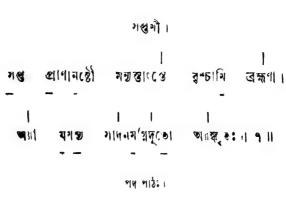
역무-위 등: 1.

च.चि ६ हे १ । । अक्र ७३। यद्य छ । सः । उत्या

स्ता यः। त्रिन्तवरा विक्रमगानम्।

कपृथि। ष्टरेष द्विनानि। मुद्दा त्यादिन्त्। त्योदा व्यक्तिकशासिक

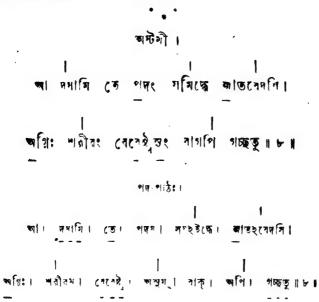
্কুতঃ একোনপঞ্শিৎশংখ্যাকা গণ্দেশঃ যঃ শক্তঃ নঃ অসান্ অভীব অভিক্ৰান্ত ইব মক্তকে আল্লানং আলাজি। মন জন্নে। 'দিবাদিতাং প্রন'। 'যধুতালিতাং' ইতি নিম্বাভপ্রতিষেধ্য। মশ্চ শক্তঃ। বালকঃ চার্বে। ক্রিয়মাণং কমাভিবসুষ্ঠীয়মানং ব্রহ্ম मञ्जनाधाः कर्षा विकिथ विरुव । विवि कूरमाधाः । देनियात् १। '(मार्ट छ। छो' इकाछात्रधः । 'শিক্ষজ্লং' ইতি দিশ্। তথ্যৈ উভয়বিধায় শত্তবে অপুংখি তাপকানি ভেজাংদি আয়ুধানি যা র্কিনানি বর্জকানি বাধকানি শস্তু। তথা সন্তাপে ইতাখাদ্ অনেঞাসঃ। (উ-২১১৪) ইতামুর্তৌ অতিপুনাপর্নিতানধনিত পিতাপিডেয়া নিং (উ॰ ২১১৬) ইত্যুসিপ্রভার:। নিভাৰ্ আনাজ্যৰাভঃ। রঞ্জী কর্নো। (রুজেঃ) কিচচ (উ০ ২।৮৭) ইতি ইনচ্প্রতায়:। কিস্থানু জ্বাভাবং। চিত্তাল্ অস্তোলান্তঃ। তৌ: আলিহাঃ, ছাস্থান্তাং। ব্ৰহ্মবিশং ্মদীয়ং কর্ম হিষয়ং শক্রং অভিসন্তগাতি অভিডঃ গঞ্পতু। ভগতেঃ প্রুগণকারে ্লেটে।ডাটে) ইভ্যাডাগ্যঃ। (২কা ৩ন -১২ছ ৬ম)।



ল্ভা প্রাণানা অংটা মভঃ। ভান। ভো রুচামি। বর্জনা। 

পথ পথাৰ্মা কাৰ প্ৰাণান্ মীৰ্ণান্ চক্ষু । দীক্ষিয়াণি। ছিডাপেকরা পথসংখ্যা 'শপ্ত বৈ শীৰ্ষণাঃ আংগাং' ইভি (তৈত বাত সহাত্ত) জং.ভঃ। ক(টা মঞাং ধ।কুঃ কৡগতা নাড়ৌ বিশেষাঃ। ভান ্ অটো অইসংখাকেনে, প্রধানভূতাংশচ র=চামী তাইয়ঃ তে তৰ প্যস্কনভান্ অপ্ৰিলিয়ন অনুৰ্ভিবিয়বান অক্ষা ময়েছণ তৎসাধ্যাভিচারকক্ষণ ৰা বৃশ্চায়ি ছিন্দ্রি এবং মন্ত্রপ্তানেন ছিন্নক্রিপ্তং ব্যাস অন্তর্গু স্থান পূর্ আন্থাঃ যাতি গছভ । যাতে ছ দিশে লুঙি 'মত্তে খণ•' ইতি চেুপুক্। সমন-প্ৰকারণ আছে। অলিপুতঃ অথিজু ০: অঞ্চলো যখ স তাথাক্ত: দাধার্থে ভবৈষণ আনীধুনালছাৎ बुद्बीरो श्रुमनम् अङ्गिवन वर्ष শরস্বতঃ শলস্কতঃ শ্বালভারেণ বিভূ:ৰভি:

त सम्बलभ्यवम् कृतीनां १० वेडि तादनिक छः। 'ख्नात्मवाः' वेडि ( गढि ) नश्कादां १ पंडितन खत्र हे कि গভেঃ প্রকৃতি স্বর্ম্বং । (২ক – ০ ল – ১২কু – ৭ম ) ॥.



দ্মিদ্ধে ন্যঃদ্যাপ্ত জ্বলিতে ভাতবেদনি অয়ো। ভাতানি জনিমন্তি ভূতানি কেন্তি ৈ কিবিলাৰে আহায়তে টাভি বা আগতেষু সংকাষ ভূতেষু বৈখানবরণেশ নিআতে সন্তাং লভভ ই ভি বা জাতবেলাঃ। সদ্ উল্লেখ যাস্কেল। আত্রেদাঃ ক্সাং। জাতানি বেল জাতানি বৈনং বিজুজ্ঞাতেজাতে বিজ্ঞত ইতি নে" (নি॰ ৭১৯) ইত্যাদি। ত্ৰিয়াগৌ হে শ্ৰোতে ভব পদং ভিন্নপ্রিতং পদপাংশ্বং আ দ্যালি প্রক্রিপালি। আন্ত্রীংলিদ্ভপ্রে ভর্জলানীত্যুর্গ:। অর্থিঃ শরীবং বদীয়ং নেনেই পদপাংশ্বছার। পাদং প্রিক্স ফুৎইং অকং নাাল্লাভু । মউ জু ठेखार्थः। বিষ্লু বাাপ্তো। জুলেডাদিভাৎ লগং শ্লঃ। 'सिकाং ख्राणाং खुनः (শ্লৌ' ইতাভাগত অণঃ। সাগুণি বাগুলিয়ং চ অহং প্রাণং গচ্ছতু প্রায়োতু। উপলক্ষণং ७ ७९ । नर्त्तं खातात्र नरमा का क्रिकार्थः ।

#### ইভি বিতীয়কান্তে তৃ গীয়েমুগাকে বিতীয়ং স্তাং।

'আযুদ্ধঃ' ইতি প্রতঃ গোদানাথো শস্তার গর্মণি শাস্তাদকে শতুষোঞ্চরং। ভবৈব कर्षां व चरारेनन कराखान चाचार एवा अधारातिर्या मूर्धि मञ्लाखान चानरत्र । "बाह्मी ই!ত গোদানাং কার'যশুন্' ইতি প্রত্থা প্রতং। শাস্তাদকং করেতি ভারেতং স্তং অন্যালয়তি ইতি (কেণি ৭৪) ভাষুদি ইছেচডেন ক্তেন আকাং জুহবন মুরি সম্পাত্ন আনমূতি ইতি চ (কো· গাও)। তকৈৰ কৰ্মণি "পরি গভ"(২০০) ইভি খালাং নবং বাসঃ প্রযাছেত। এত্থানেং (৪) ইতানরা দক্তিশেন পালেন অত্থানিং আছে।পরেং। 'য়ত তে বাদ:" (c) ইতালরা পুরিণরিছিতং বাদ: কর্তা গৃহীরাধ্

অধৈনং অহতেস বস্তান পরিণাপরতি পরিণতেতি যাতাং ত্রহুপানং ইন্ডার্লি (কেনি) দ্বা প্রাক্তি স্বাদ্ধি তি পরিণতেতি যাতাং ত্রহুপানং ইন্ডার্লি (কেনি) দ্বা প্রাক্তি কর্মার ক্রিয়ার তালে ক্রাহার ক্রিয়ার পরি পরে প্রাহিতকর্মার পরি প্রের্ছিত কর্মার পরি প্রের্ছিত কর্মার পরি প্রের্ছিত কর্মার পরি পরে ক্রিয়ার পরি পরি পরি প্রাহিত কর্মার ক্রিয়ার পরি পরি পরি ক্রিয়ার ক্রায়ার ক্রিয়ার ক্

#### ভৱে প্রথম।

ৰায়ুৰ্জন মল্লে জয়গং রণানে। স্বভপ্রতীকো স্বভপ্তের মলো।

খুতং পীতা মধু চাকে গ্ৰাং পিতেৰ পুৱানটি বক্ষতালিমম্।।১।।

#### भन नार्हे: ।

च्यात्र्रमारः। चरक्षः। चत्रनः। युग्रस्थात्रे चरक्षः। चरक्षः।

। । । । अक्रमा नीवा। मद्राहाकः। नशन्। निडाश्हेनः प्रवानः। चित्रः तक्तादः। हेमन्॥ ३॥

#### चि शैया।

। পরি শত্ত শভ্ত নো বর্চদেশং করামৃত্যুং কুণুত দীর্ঘায়ুং।

র্ঃস্পৃতিঃ প্রায়চ্ছ দ্ বাস এতৎ সোমার রাচ্ছে

ণ পরিগাভনা উ।। ২।।

लम-लार्डः ।

। পরি। পভা ধতা নঃ। বর্চপা। ইমষ্। করাংযুত্মো কুবুল। দীর্ঘ্। আরুঃ।

> । রুহস্পরি:। প্রো কামচর্ৎ। বাসঃ। এর্ডং। শোগায়া।

> > । । রাজ্যে। পারহণাতবৈ। উংক্তি।২॥

বাসল: লক্ষেণভাষাৎ ভঞ্জিমালিলেনানামের লক্ষেণাছং। ভগাত্ত বাস্দৃঃ তৈ বিবিষয়েক সমায়াখতে 'অংগজ্পাণানং' ইতি প্রক্রমা 'কদ্বা এতং লকাদেবভাং বশ্ শালঃ' ( তৈত সংক ৬ ১৮১০ ) কজি। কে কেশাঃ পরি শস্ত। অক্তর্জাবিভগার্বঃ। ইম্ং মাণবকা বাদঃ পবিশাপরত। মা অক্ষানীয়ং ইমং বর্চিশা তেঞ্চলা গল্প পোবরত। তেজাবিনং কুকাভ লাবং। চিংচ। উম্যেব মাণ্ডলং অবামৃত্যং। অবেরিণ মৃত্যুক্তিয়ায় স্ তপোকাং। তপাবিধং (কুগুড়) কুকভ। আকালমৃভিন্ম ভূদ্ ইতাৰঃ। একদেৰ আহ দীর্ঘাইতি। অংক মাণবকত দীর্ঘা শঙ্পরিগিতং আয়ুকস্ক। তদেদ বাদঃ প্রাশংক্তি। রুচল্প 🖭 রুহতাং ইন্দ্রনীনাং পতিঃ এতলামা দেনঃ ৷ 'ত্রু লভোঃ করুপভোঃ •' ইভি সুট্র-লোপৌ। 'পত্যাবৈদ্যর্থ' ইভি পৃশ্বিদরশক্তিম্বন্ত প্রান্তে উচ্ছে বনস্পত্যাদিবু বুগুণং উড়াম্যপদপ্রকৃতিষর হং। এডরাগা দেন: একং প্রকৃতং দাস: দোমায় রাজ্ঞে দ্রামাণানাই খামিদে। 'লোমোদাকং ব্রাহ্মণানাং রাজা' (১৪০ বং ১।৮/১০।২) ইভি শ্রুতেঃ। পরিশান্তবৈ পরিশান্ত্র। 'তৃমর্থে সেপেন্ত' ইতি তবৈ প্রস্তায়ঃ। 'তবৈ চাস্ত'ত যুগপর' ইতি উভয়ণকপ্রভিসররং। প্রায়চ্ছং অললাং। (লাণ) লানে ইভামাং কাও 'লাড্রাণু ইভাগিনা বজালেশ:। উ ইতি পদপুরণ:। অনেন বস্থাপাং লোমদেবভাকজং স্চিভং। ছণা চ আপ্ৰায়রং। 'লোমাং বৈ বালঃ। স্ববৈংৰেনদ্দেবভলা আভিগ্রুছি' (তৈ আৰা∙ धारादर) केलि॥ (२का -- ७०१ - २ग)।

#### ज्छोश।

পরীবং বাদো অধিথা: সন্তরেভূগৃঁ স্তীনাম ভিশন্তিপা উ।

শভং চ জীব শরদ: পুরেচী রায়শচ পোষমুপদংব্যরম্ব।। ০।।

শদ-পাঠঃ।

শিবি টলম্। বাদঃ। অধিথাঃ। স্বভরে। অভ্যা

গৃহীনাম্। অভিসন্তিহ্পাঃ। উংইতি।

भाजरा हा क्षीना भारतका भूकतिका नावका हा त्याचना उत्तरकात्रच । ७ ॥

তে মাণবক উলং উল্লেং বাদ: বল্লং অক্তয়ে কেমার পর্যাধিখা: পরিভিত্তবানদি। (পরি) শুর্মান্ গাংঞা বুঙি 'ছাপোরিচ্চ' ইভি ইছকিছে। 'ছুবাদ্ অলংং' ইভি নিজ্লোপঃ। ভেন পরিধানেম গৃহীনাং গবাং অভিশত্তিশাঃ। অভিশত্তিঃ অভিতেঃ বিশসনং বিংলা। ভল্লিমিন্তাল্ ভয়াৎ পালকে।ভূঃ। পুরা পলু দেশ মহারাণাং দুঢ়তরাং বচং ছিলা কীরপ্রদানকে এক ইণ্-জারোবহুমাদিবক্বিশোপকারক।রিষ্ণোবুজলধুঃ। ে ৩ চ তরা হচা নংবীতগাতোঃ শীতবাতা-ভপাদিনসমনীলা শভ্ৰুঃ৷ অভ এব কারণাল্ল লংগ পুক্ৰণ দুট্টা স্কীয়াং ভচং অসা্স্ স্থিভাই স্থান গ্রহীতুং স্থাসজ্ঞ চীতি বিভাতি। জন্মান্থোনমীশং বিবস্থান সংক্ষেত্ইতি। জনাত শত পণর। আবংশ তৃতীয়কাতে গীকাপ্রকরণে সুধায়ায়তে। 'অব বাদঃ পরিণতে। পর্যন্তিব ছাখেনাজিলেডৎ ছঙং লগাতি। 'যা চ বা উরং গোত্তক্ পুরুবে তৈবাপ্র জাল। তে দেবা অক্রেনন। গৌর্বা ইলং শ্রেং বিজ্ঞিতি তক্ত বেলং পুরুবে অকু গ্রেভাং দৃধ্যান। ভেটেৰৰা বৰ্ষজ্ঞ ভ্ৰা ভিমং ভ্ৰা ভূণিং ভিডিক্লিকাড ইভি। ভেৰচছায় পুরুৰং গাংশাভাং ৰচং আলনু:। ভরিব। >ইতঃ হয়। ভিনং ভয়া সুশিং ভিভিক্তে অব্যক্তিতা হ বৈ পুরুবঃ। ভাষাল্ অঞ্চ ব্লৈৰ ক চ কুশো শঞ্জু বা বিকৃত্তি ভাত এই লোভিতং উৎপদ্মতে তদ্ এভাং ফ্লিংজচং আদধুকাল এব। ত'লালায়ঃ পুরুবাদ গালে বিভঞ্জি। ভাষাও প্ৰাধা এণ বৃভূবেং। মো হাজে গোনুৱঃ ভাং। বেদ জি গৌরক আন্ম ৰচং নিভৰ্মীতি। সা 'বিভাতী এসতি ৰচং ম আলাখতে' ইতি ( শ॰ এং॰ ডা১ ২০১০ ) এইবৰ ৰুগাণানভীতিঃ পত্ৰ অভিশ্বিশংস্থৰ নিংক্ষিতা। তভা অভিশ্বেন্ধানঃ শ্লিধানে

(का) निवर्षद्वका कि आग्नः। किर ठ पूक्र ठोः वहका गरं चाक्ष छोः वहविषान् पूक्र (भोवाभोने चा वाश्च नहिं। पूक्र प्रवाह चाक्ष क्र क्र हिं। पूक्र प्रवाह चाक्ष क्र चाक्ष है। प्रवाह चाक्ष क्र चाक्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्र चाक्ष क्र चाक्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्ष क्र चाक्र चाक्र चाक्र चाक्र चाक्र चाक्र चाक्ष क्र चाक्र चाक

চতুর্থী।

এছশানিমা ভিষ্ঠাশা ভবতুডে **ভনুঃ।** 

কুণস্ত ৰিখে দেবা আয়ুঞ্জে শরণ: শভম্॥ ৪॥

শদ-পাঠঃ।

আনু ইহি। অংখানং। আনু। ভিঠ। অংখা। ভবভূ। তে। তনুং।

া । কুমজা বিখে। দেবাঃ। আয়ুং। জে। শরদংঃ শতস। ৪ ৮

হে মানবক এবি আগজে। আমানং আ ভিঠ দিফিলেন পাদেন আক্রম। তে ভক ভন্ লরীরং অমা ভবড়। আমানদ্ বোগালাবনিক্স্তান দৃদ্ধ ভবড়। বিশ্বে দেবাদ্চ ভে ভব লভদখংশরণরিমিতং আয়ু রুগ্র ক্রেছ। 'যুম্ভততক্ত্তাশাদং' ইভি লকারছ বৰং। (২কা—৩ল--১৩ছ—৪ম)।

शक्रमी ।

यक (क नाम: প্রথমণাক্তং) एतामक्षर का निर्देशक (क्ताः।

ভং বা আভর: সুর্ধা বর্ত্তমানমসু কার্মন্তাং বংবঃ প্রকাতমু।। বা

भष-भाकेः k

য় । তেই বাদ:। প্রথমহবাক্তম। করামঃ। তম্য হা। বিহো। অবস্তু। দেবাঃ।

ভিমা আনা ভাতরন। অহরধা। বর্ষনান্ধ। আহম জার প্রাং। বহুবন। অহজাত্ম র ৫ র

ক্ষোণ ক যক্ত পারাহত গল্পত তে তব প্রথম বাজেং পুনাং পরি। চতং বালঃ বল্ধং হরামঃ

শীক্ষা। বল আছোদনে ইতা আং "ঝংগোণাং" ইতি কর্মণ গাং। 'তিং স্থরিতঃ'
ইতি স্থারিত থং। তং তাদৃশং থা হাং বিস্থে গনের দেবা অবস্তু রক্ষন্ত। তং উল্ফুলং

স্থাবা শোভন্মা র্ক্ষা অর্জ্মনানং গ্রুপুঞ্ননালাভক্রপচীর্মানং প্রভাহং শংস্ক্রবাব শেবেশ
শোভনজন্ম্পুক্তং (খা) হাং অনুধ্বংবো ভাতরো জার্থাং উৎশক্ত জাং।

হাত।ধতীয়কাণ্ডে ভূতীধ্মেপুবাকে ভূতারং সঞ্জং।

(निःशालाः है। ७ १८ छ । मृश्वाणां । १८ । भागां । १८ । भाग

ভবে প্রথমা।

सिश्मालार श्रुकः विश्वनात्मकवाम्गार क्रियरश्रम्।

म्काम्हरू न(स्रा) नागरामः मनामाः॥ ३॥

914-9112: 1

নিঃহুসালাম্। গুফুষ্। বিষণ্য এক হবাভাষ্। ভেবং হৰু।

। । । স্ক্রি। চপ্রধা ন্রান্থান্য স্পাহা, ১৪

। ।शिंटमा

নিবের। গোষ্ঠানজামনি নিরক্ষালিরুপান্সাহ।

નિલ્લા મહત્યા જ્રસ્ટિલા ગુલ્ટ્રા\*દાહ્યામહ્યા રા

१५-१13: 1

নিঃ। বঃ। গোহস্তাং। অভাষণি। নিঃ। আকাং। নিঃ। উপত্তানপাং।

વિરા વરા મહત્ત્વાદા દ્વારહતા: જુલ્લાકા કાહગ્રામદ્વારા,

ছে ম গুল্লা ছুহিড রঃ মণ্ডলা নাম কাচনা পিশাচী তন্তাঃ পুরাঃ বঃ যুন্নান পোঠাং।
পাবভিঠ স্থানি ছিছি গোঠং পোশালা। 'বঞ্জে কিবিধানং' ইতি কঃ। 'অভাষপোড়ানিক'
ইত্যাধিনা বস্থং। তথা অকাং অকলোড়ান্থানাদ দৃত্তশালায়াঃ সকাশাদ নির্বামঃ। অব গভিকে প্রপাঃ।
ইবজা মনিং'। তথা অকাং অকলোড়ান্থানাদ দৃত্তশালায়াঃ সকাশাদ নির্বামঃ। এবং
ইপানসাং। অনগং স্মীণং উপানসংখাঞ্জ্ত । তথাক্ নির্বামঃ। 'অবারী নাবে শরং পড়াতিভাঃ'
ইতি শরং প্রভৃতিযু অনংশক্ষ পঠোৎ টিচ্ স্থাসান্তঃ। যথা উপগতং চ তদ্ অনশ্চ উপানসং
খালাপুর্বং শকটং। 'অন্নান্ধায়ঃল্রসাং আভিসংক্রায়াং' ইতি তংপুক্ষে টিচ্ শুমালায়া। তথা
গ্রেভাঃ আবানসন্দিরেভাো বঃ বুন্ধান নিশ্চাকরামকে নিংলার্য। নিংশেবেশ বা বিমাশান্ধানঃ।
ভাতরভিক্তিবাশনে ইতি যান্ধারে (নিত্ত ১)। (২কা—১৪ত্ত — ২৪ত্ত — ২৪) ছ

ভূতীয়া।

আনুসা বো অধরাদ্ গৃহস্তত্ত সন্ত্রায়য়ঃ।

বি অধরাদ্ গৃহস্তত্ত সন্ত্রায়য়ঃ।

বি অধরাদ্ গৃহস্তত বাত্ধারা:

বি অধরাদ্ গৃহ্য ততা স্কুল অরায়া:।

অবসী যা অনুসাং । গৃহ্য ততা স্কুল অরায়া:।

অব্দেশি বি উচাত্ । স্কুলি চা যাত্ত্পার্গ । ৩ ।

আলো বিপ্রকৃত্তী বং প্রানিদ্ধ অধরং অধারে বাদ্ধ অধরত্তঃ অধন্তাদ্ধে বাদ্ধর্থানা গৃহঃ গৃহবিদ্ধাস্ত পাতাললোকোন্তি। 'উন্তরাধরদক্ষিণাল্ আভিঃ' ইন্ডি আভিপ্রভারঃ। তক্র লোকে অরায়ঃ অনাদ্ধিনাঃ নানোপলাক ভানিখনলোনাকি লালার গৃহত্তা প্রত্যাস্থিক। কিন্তা কিন্তা প্রত্যাপ্ত প্রত্যাস্থিক। কিন্তা কিন্তা কিন্তা কিন্তা কিন্তা বিদ্ধানা কর্মা বিদ্ধানাকি কিন্তা কিন্তা বিদ্ধানাকি কিন্তা কি

লিড সন্তাবাদ্ বিশ্বস্তমে এখাভাবেলাপো । গাণি ভত্ত পাতালে ফাচাতু । নীচীনা সন্দৈতু। ইনং পোকং বিহার পূর্ব্বোজ্ঞাজিং সহ নিস্পত্ত ভতাবং। উচ সম্বাহে দিবাদিঃ। কিং চ স্প্রাং নিখিল। বাত্পাল্য গাভবো যাজ্ঞাঃ পীড়াল্ডাঃ প্রাণিভো৷ শীগ্রহে ক্রিণ্ড আভিরিভি যাড়্ধাল্য উদ্ধোভোলাঃ শিখাচাঃ। করেণ বুটি। ভক্ত স্থাচান্ত ইভি ব্রুমবিপরিণাবেশ স্থাকঃ। (২কা—৩ল –১৪ত্ - ৩ম) ॥

চতুৰী।

| | | |

তুজপতিনিরল জিলে শেচজঃ সদ। ছাঃ।

বৃধ্ব আসীনাস্তা ইলেলা বজেণাধি ভিঠিতু ॥ ॥ ॥ ॥

পদ-পাঠঃ।

| | | |

ত্তহণতিঃ। মিঃ। অজতু। ইবাং। চা ইভঃ। সদাখাঃ।

| | | |

গ্তহণ বুলো আসীনাং। ভাঃ। ইবাং। বজেশ। অধি। ভিঠতু ॥ ॥ ॥

ভূচণভিঃ ভূতানাং পালকো কলঃ সদাখা সদা মোন্নমান। আক্রোশকারিণীঃ পিশাচীঃ
ইভঃ আমাল মলীয়াং স্থানাং নিরজতু নিংগারহতু। ইশ্রণ্ড তা নিরজতু গৃহত মনীয়স্য
বুধে মূলে অনঃপ্রেলেশ ব্যক্ষেত্রিণবুণী চ (উ০০া৫) ইভি নক্ প্রতায়ঃ। আলীনাভাঃ
পিশাচীঃ ইলাঃ ইরাগ্র ভূমেজারকো দেবং। ইলা ইরাং দৃণাতীতি বা ইয়ং দারয়ভীতি বা
ইভি হি নিরুজেং (নি০১০৮)। বজেণ আয়ুণেন আগ ডিইতু। যণা পুনর্মোভিইভি ভথা
আক্রমা ডিইতু ইভার্বং। (২কা –০ল –১৪ত্ – ৪ক)।

পঞ্নী।

! । |

যদি আহ আছিত্তিয়াণাং যদি বা পুরুদ্দেবিভাঃ।

— — — —

! | |

যদি আহু দহা্ভা কাভা নশ্যাতেতঃ সদায়াঃ॥৫॥

তে সদাখাঃ। শিশাচা ইজি শেষঃ। যুগ কেলিয়াণাং ক্লেছে প্রক্লেছে মাতাপিত্
শানীবাদ্ শাগতানাং ক্রাণাখাবগ্রহণা। দ্রোগাণাং নিদানত তা যদি ত তালণ যদি বা পুরু বেবিতাঃ প্রক্লিং শক্রাভিঃ প্রেণিতা তলন তাল গতি ইতাখাৎ কর্মনি নিঠা। 'তীব্দতল্ভক্রম্বরং' ইভালে ইরু ইচ্ডায়াং ইতালৈর গ্রহণাৎ 'যুগ শিশাবা' ইতি তলৈ নিঠায়াং ইট্
প্রতিবেশে। ন তু ইন গ্রেট ইভাজ ইভি নিঠায়াং ইট্ ভবতি। 'তৃতীয়া কর্মনি' ইভি পুর্বশদপ্রক্রিক্রমণ্ড। দ্রাভাঃ উপক্ষেলাবিক্যাণেচাবানিক্যাং। দেল উপক্ষে। যঞ্জিনিক্রিদ্দিভানিক্যো বুচ্ (উ০ ৩২০) ইতি যুচ্ প্রভায়ঃ। ভেলাঃ দ্রাণাৎ যাদ কাতাঃ প্রায়্ভ্রা ভবব।
এবং বছ্বিদং আগতা যুয়ং ইভঃ কামাৎ ছানাৎ নিগ্রাঃ দ্রো নপ্রত বিন্তা ভবত । ৫ ॥

শন্তী।

।

গরি ধামান্তাশাসাগুর্গান্তামিবাদরন্।

গরি ধামান্তাশাসাগুর্গান্তামিবাদরন্।

।

গদ-পাঠ: ॥

।

পদ-পাঠ: ॥

।

পরি। পামানি। আসাগা আশু:। গান্তাম্থইব। অসরন্।

শিক্ষিকং। শর্কান্। আজীন্ বং। মশুতা ইতং। স্বাহাঃ ৬ ॥

আলাম শিশাচীনাং ধামানে নিবালস্থানানি পর্যালরং পরিতঃ লব্বত জাক্রমিষং। তন্ত্র দুইাখ্যা আন্তঃ অপনাটেনতং। শীল্রনামী অপা প্রাটাবিব। পরিধাবনেন প্রানালন বন্ধানালন বন্ধানিক লাভতি ত সাপ্রাটা গল্পাবাধা আজাল্প: কার্ছাপর প্রায়ায়: তামব। অপরং ইতি। সংস্পৃত্তী ইভালাং লুভ 'সন্তিশাস্তান্তিভাল্ড' ইতি চুে: অন্ত, 'ঋলুশোও গুণাং'। বে লগায়া বঃ মুমাকং লব্বান্ আলান্ লংগ্রামান অবৈধাং জিতবান আলা। ইতঃ আমাৎ করিশাৎ ভবদী স্থানি বিভাল বাল্যানিক অম্যাত্রাক্রাজাল খবাদ্ নিরাশ্র্যান হতে।। যুধ্বন্ত্রা

ইতি । মৃত্যার কাথে তৃত্যির গাকে চতুর্বং স্থানং ।

'বৰা প্রেঃ' ইতি স্জেন আয়ুডান: স্থানীপাকং ওদনং শাস্তাদকেন সংপ্রোক্ষ অভিমন্ত্র প্রাল্লীরাং। ক্রিডং বি। 'বণা প্রো: (২।১৫) সমলে চেডলে গিরে (১৪১) ইতি মতাব্ৰীলীশাং স্থালীপাকং প্ৰপদ্ধিৰা শাস্তাদকেন উপদিচ্য অভিমন্ত্ৰা প্ৰাৰম্ভত ইঞি ( (को॰ १८)। (२का--अज - >८ए-६४)।

ভত্ত প্রথম।

। - এবা যে প্রাণ মা বিভেঃ॥১:॥

পদ-পাঠঃ।

ষ্থা। জৌঃ। চ। পৃথিবী। চ। ন। বিজীতঃ। ন। রিষ্যকঃ।

এব। মে। প্রাণা মা। বিভেন্ন।

ছোঃ গ্রালোকো দেবালালারভূতঃ পৃথিবী ভূলোকো মহুক্তাদিভিরালিভঃ। পরস্পার্শ মুচ্চয়াৰে) চকারো। ভাবুভো লোকো ধলা যেন প্রকারেণ দেশমকুজ্ঞাদিভি: লবৈর্দ্ধপশীব্য-খাদ্ উপজীব্যাব্বাতক্ত ক্তাচিদ্দি অবস্তাবাদ্ন বিভীতঃ ভয়শ্বাং ন প্রাপ্নতঃ। ঞিভী ভয়ে। বধা চ ন রিয়ত: ন বিদশ্তত: রিব হিংশায়াং। দৈবাদিক:। 'বাবদ্রধাভাাং' ইতি আবাতিক নিবাত প্রতিবেশ:। এব এবং। 'নিপাতত চ' ইতি লাংবিভিকো দীর্ঘঃ মে মদীর তে প্রাণ বং মা বিভে: শত্রুপ্রহরোগাদিছে। ভর্শল্পাং মরণশল্পাং 5 মা কার্যীঃ। খনেন মন্ত্রণামর্থোন জাবাপুলিবীবং চিরক।লাবস্থানমুক্তো ভবেভার্থ:। বিভেরিভি। মাঙ্কি সুঙি প্রাপ্তে ছান্সলো লঙ্গ (২কা - ৩অ-->৫খ--১৸)।

> দ্বিভীয়া। ষ্পাহ"চ রাজী চ ন বিভীতো ন রিয়ত:। । এবা মে প্রাণ মা বিভে:॥২॥

-->• ( ७ )-- २२-२-७**२** 

भए-भार्तः।

। । । यक्षा भरुः। हा द्राद्धी। हा नः विकीखः। नः दिश्चकः।

ध्यमा (सा ध्योगा या। विर्व्हः । २ ।

'আছ' ক্রাত্রী চ আছোরাত্রো করাজহারিখাল যথা ন বিভীতঃ ন রিক্সতঃ। এবা ম উত্যালি পূর্ববং। এবং দর্শেষণি পর্যায়ের যোজাং। রাজীতি। 'রাজেশ্চাললৌ, 'ইভি ভীণ্। (২কা-৩ল-১৫-৮ - ২ম)।

তৃতীয়া।

যথ। সৃধ্যুশত চত্ত্বশত ন বিভীতো ন গিয়তঃ।

धारा त्य लाग या वित्वः॥ ०॥

পদ-পাঠঃ।

ो । घणा पूर्वाः। हा ठळाः। हा ना विकीखः। ना विकादः≉

এব। যে। প্রাণ। মা। বিভেঃ। ও।

भ्लाहोर्दः । (२का-७**ल-**३१७-७म)।

**চঙু**গাঁ।

। যুখা অক্লে চ ক্লেংচ ন বিভীজো ন রিয়াভঃ।

। अन्तारम उद्योगमा विरुक्तः ॥ ७ ॥ পদ-পাঠ: 1

। यथा खम्बा हा क्रम्बरा हा ना विक्री-छः। ना दिक्रकः।

खना (मा श्रीना मा। विरक्ष: 18 I

ব্ৰু ব্ৰাক্ষণৰাতিঃ ক্ষত্ৰং ক্ষত্ৰিয়লাতিঃ। ৰাতেনিচ্যৰাভূমুণগমাৎ ভীত্যাৰভাবঃ॥ 🗟 🐰 :

शक्त्रों।

া । যথা পভাং চানুভং চ ন বিভীভো ন রিয়ভঃ।

खरा (म প्रांग मा बिस्टः।। १।।

नप-भार्तः।

া বধা পকাম। চা অনুচ্যা চা না বিভীতঃ। না রিয়াভঃনা

এব। মে। প্রাণা মা। বিভেঃ।৫।

শতাং বপার্বভাবণং। অনুভং মিধাভোবণং। লোকবাবভারত প্রাবহনিভাত্বং শতান-বুজরোরণি ভীভাতভাবঃ। তদভিমানিদেবতাপেকরা বা ঃ (২কা – ৩ল-–১২ল – ২ম ) ॥ ১

मछी।

। যথা ভূতং চ ভণ্যং চ ন বিভীভো ন রিয়া<del>ত</del>ঃ।

(बरा (म क्यान, मा विस्थान कार.

**भम-भार्धः** ।

| वधा। फूडशा हा चरामा हा सा विकोडः। सा तिश्रुखः।

এব। যোগা মা। বিভেঃ॥৬॥

ভূতং দন্তাং প্রাপ্তং দল্পভাবং। ভ্রাং ভ্রিল্লং উৎপ্রস্থানং বস্তজাতং। পূর্বংদ্ জনস্মোরণি প্রবাহনিভাদ্দেশ ভীক্যাপ্সভাবং। 'ভ্রাগেরু•' ইভ্যাদিনা ভর্তেঃ কর্ত্তরি বং• প্রভারাত্তা নিপাভিতঃ।

के जि विक्रीरम कारण कुकीरमञ्जारक नक्षमर रूकर म

শ্ব্রণাপানে) ইভি হত্তের আজাস্মিংপুরোডালপথ্যক্রোদনণাগদণশুরী নিয়বভিলধানালক জলক্ষুণ্যাধানি এয়োদল দ্রণাণি নায়্ত্রাগো ক্ত্যাং। স্থান্তং হি। প্রাণাপানে (২২১)
ভব্লেদি (২০১৭) ইত্যাপদধার ইভি (কৌ০ গার)। উপদনীতে কাল 'উত্তৈক্ত দ্রোদলভিন্ন গৈছোঁ ইভি জানীপাং ইভি গৈতিনালগরিকাম ব্রিষ্ঠীপথক এণোদাক।। আন
ভারাপ্রিবী উপক্রেলা (২) ইভি মন্ত্রেন আর্থণোলী ব্রুলা আন্যাপ্রিবাং হবির্জ্বমন্ত্রেরে ভব্ উক্তেশ্বৈভানে। 'ওখনীর্ শক্রারাগ্রণেন্তিং' ইত্যাপক্রেমা 'বল বিভাগে (৬০১১৫) আন্যাপ্রিবী উপক্রেল্ডা (২০১৬২) পোনো বীক্রধাং (ব্যান্তর্গ ইভি বৈশ্বেব্র্যান্ত্রিকার্যাণ্যান্ত্রিকার (বিশ্বর্থান আপ্রিবাংকার্যান্ত্রিকার)। (২০৮২)

জন প্রাণমা।

প্রাধাপানে মুভোরা পাত্র স্থা**লা ১ ৯** 

পদ পাঠঃ।

। অধাধানটো মুজোটো মচা পাতৰু। কাহা।১৮

ছে প্রাণাপানে। প্রাক উপর্মুখ: শনিতি চেইত ইতি প্রাণ:। শপ শনিতি
আবার্মুণ্ডশ্চইত ইতাপান:। ওবাভমানিনে। তে দেবৌ মৃত্যোঃ শকাশাং মা মাং পাতং
মুক্তিং। বাহা মুক্তাভাং ইবং ছবি: খাছতং অভা। মরণভ প্রাণাশনবিয়োগরপভাজ্
আবিঃ। বাহা হতি বেংনা্নিরেলিচরকালাবভাবেন শতং দীর্ষামুস্থাবং ইতি প্রার্থাভিনি
আবিঃ। বাহা হতি বেংনাং হিছিনে। 'খাহাফার্ণে বা ব্যক্তিবিশ বা বিশ্বেভারিং

শ্রমীয়তে ইতি শ্রতঃ। কৌনিকেনাপুলেং। 'বাহাকারবর্ট্কারপ্রদানা দেবাঃ স্থাকারমনস্কারপ্রদানাঃ পিতরঃ' ইতি (কৌ-১০)। ক্ষমরার্থিত বাস্কেনাক্তঃ। বাহেতাতৎ ক্ষ্
লাহেতি বা সা বাগাহেতি বা সং প্রাহেতিত বা সাহতং হাব্র্জুহোতীয়ত বা (নি-৮৮২০)
ইতি গ করে স্বা বাগাহেত্যরং কর্ব তৈতির বাসকে ক্ষ্মী। তেও বাহ বাহাহাত। 'সৈক তে বাগিতাব্রবিং। শোকুহোৎ সাহোত। তৎ স্বাহাকারপ্র ক্ষ্মী। বৈত বাহ বাহাহাত) ইতি । ১ ৪

## বিভায়।

পদ-পাঠঃ।

। । । ভাৰাাপৃথিকী ইভি । উপহঞ্জা । মা । পাতং । ভাৰা ॥ ২॥

# 

ু । স্থা। চকুবা। মা। পাহি । আহা। ৩.১

শুর্ব্যস্ত ক্ষুর্ভিমানী দেবঃ। 'সাবি ০ স্কুর্ত্বাক্ষিণী প্রাবিশ্ব' (এ ৫ ৬ ৯ ৯ ৯) ইছি ইছিছে। (হে পুর্বা) স্বং চকুরা চকুরিক্রেরণ রুণদর্শনশুলা। গ্রং ভ্রাং এ এ

## हरूर्थी।

খংগ নৈখানর নিষ্ঠেশ্বন দেবৈঃ পাহি স্বাহা ॥ ৪ ॥

어무-어15: 1

। अद्धः देशकान्ता विदेशः। मा। प्रदेशः। शाका श्राहा ॥

তে বৈশ্বানর বিশ্বান নরান্ এহিকামৃশ্বিকলকণং তত্তৎ কর্মাফলং নরতীতি বা বিশ্বনিব্রিক্তিরাগাদিকর্মনিদ্ধের নীয়তে প্রবীষ্ঠত ইতি বা বৈশ্বানং। বিশ্বনরশন্ধারেত্ত্বন নীয়মান-ভেম বা স্থন্ধীতি 'তত্তেলং' ইতি অণ্। 'অল্যোগাং আণি দৃশ্রতে' ইতি পূর্বণদক্ষ দীর্ঘঃ। বছা বিশ্বান্ অন্তন্ত অবিষ্ঠ ইতি বিশ্বানরঃ। লাগর্বাৎ প্রাণাধ্যো বায়ুঃ। ব্রু ক্তি ইতালাদ্ ভূতে ছাল্লণং পটাল্লচ। উপপদ্বিভত্তেশ্চ অলুক্। তেন অসমানীষ্বাদ্ অন্তঃ ইতালাদ্ ভূতে ছাল্লণং পটাল্লচ। উপপদ্বিভত্তেশ্চ অলুক্। তেন অসমানীষ্বাদ্ অন্তঃ বিশ্বানরঃ। পূর্বেশ্ব শ্বান (ব্রু ) বিশ্বানরঃ। লাগিলানঃ বৈদ্ধানরঃ। পূর্বেশ্ব শ্বানরঃ। (তথা চ সাস্ত। অন্তম্ব দিইবিশ্বানরঃ) ইতি প্রবিশ্বানরঃ বিশ্বানরাবণাতে উত্তরে জ্যোত্বী বিশ্বানরায়ং যথ ভাচ্চাং জায়তে (নিধ্বান ক্তি তি চা ভ্রানেশ্ব ক্রিলান ক্রেলান ক্রিলান ক্রিলান ক্রিলান ক্রেলান ক্রিলান ক্রেলান ক্রিলান ক্রিলান

श्रक्षा ।

া । । শিশ্বস্তার শিশেন মা ভরণা পাতি স্বাহা। ৫ ॥

भग भार्तः।

। । বিশ্বস্থভর । পিথেন । মা। ভরসা। পালি। খাহাঃ৫.ঃ

হে বিশ্বস্তর বিশ্বং লর্শ্বং প্রাণিজাতং বিভত্তি অমুধাবিশ্র অশিতপীতাদিপচনেন শোষদা জীতি বিশ্বস্তরে। জাইরা হাঃ। 'লংজারাং ভ্ৰুর্গল ও' ইত্যাদিনা গচ্। 'আরুছি বিদল্পক্ত সুং' ইভি মুং। তাদুলবং বিশ্বেন কুংলেন তরলা গোধণশক্তা। ভৃত্ঞ খারণপোষণরোঃ ইভালেং 'ল্লাগাতুত্যোদুন' (উ০ ৪০৮৮) ইতি অপুন্। বিশ্বস্থাসন্ত আমিবাহক্ত

খুঁছজারণাকে শমায়াতং। 'যথা ক্লুর: ক্লুরণানেব্হিত: শু।ল্ বিখন্তরো বা বিখন্তর কুলারে?, (বু. আ.০ ১ ৪।৭) ইতি। বাতং অন্তংঃ

ইতি বিভীয়কাণ্ডে তৃতীয়েকুবাকে বৰ্ষণ স্ফেশ ।

'ওজোসি' ইভানেন আযুদ্ধানঃ পৃথিং উক্তব্যকারেণ অন্নোদণ জ্বাণি জ্বরাং। স্তাং ছু ভবৈবোলাজ্তং। (২কা—০অ –১৬স্—৫ম)।

#### তত্ত্ব প্ৰথমা।

। अंदकारकारका (स माः श्राहा । ১ ॥ —

भष-भार्तः।

े । अविः। अवः। त्या नाः। वाहा॥ ১॥

করে হতে দেবভাবিশেবক অপ্রবণাং হোমাণারভূতোরিঃ শশোধাঃ হুরমানদ্রবাং বা । ছৈ করে হুরমানদ্রবা বা বং ওবঃ আত্মনঃ। ওবঃ শরীরদ্বিভিকারণং করিয়া ধাতুঃ । ভত্ব উক্তং কাচাইর্যঃ।

**७ त्या** नामाद्रेगी मना।

(ক্ৰেজত ভদ্ ওজন্ত কেবলাশ্র ইয়তে।

যধা স্বেহঃ প্রদীপক্ত যথা ১ ত্রম্ অশ্নিবিরঃ ইভি।

তথাবিধং ওবাং খং খাদি। তত্তেতৃহাং তাক্তস্যং। 'ব্যুকৈ মৃতং' (তৈ সংভ ২।৩১১।৪) ইতি বং। আতো মে মহাং ওবাং উক্তলকণং দাং দেছি। স্বাহা স্বাহত হ ইবং অভা ওবা ইতি। উক্ত আৰ্ফ্রিং। উক্তে কিলে বলোণচ ইতি উ০ ৪।১৯৭ অহন বলোণচ )। (২কা—৩ব—১৭ফ্—১ম)।

দ্বিভীয়া।

। । नदशिन गरहा (स नाः खाला। रा।

भम- भा**ठ**ः।

| नहः,। व्यक्ति। नदः। स्मा साः। चारा॥२॥

নহঃ শত্ৰণাং অভিভবনন্মৰ্থ তেখোনি। নহতেরভিভবার্থার অস্থা। অভৎ পূর্ববং ৪২৪

```
च शर्वात्वर नगरहिन्छ। [ १का – ०वा
Fi
                         তৃতীয়া।
              ী বল্ধনি বলং মে লাঃ স্থাহা।। ।।
—
            ী ।
বলম্ অবি। বলম। যে। লাঃ। বাহা॥৩॥
 न्नारहेर्निः ॥ (२का-७च-) १ए-७म) ॥
                । । ।
আয়ুরস্থায়ুর্মে দা: সাহা॥৪॥
-
            ।
चाहुः। चनिः। चाहुः। (सः। नाः। पारा। हा
  আরু তিরকাল জীবনং অবি। অতঃ শত দৰংশরণরিমিতং আরুর্গে দেহি। ।।
                          পঞ্চমী।
         ।
· শ্রোত্তমদি শ্রোত্তং মে দাঃ স্থাহা । ৫ ॥
—
                         भष-भार्धः ।
          (आख्रम्। व्यक्ति। (आख्रम्। दम्। नाः। वाहा॥ स्त
                        . मछी।
              ।
চকুর্দি চকুরেম দাঃ বাহ।। ৬।।
                        পদ-পাঠঃ।
            ঁ প্ৰদাৰভোঁী নিগৰ্গছে। (২কা—৩০ -১৭ছ—৬ম)।
```

#### मख्यो।

। প্রিপাণ্যদি প্রিপাণ্থ মে দাঃ স্বহিঃ॥৭॥

পদ-পাঠঃ ৷

পরিপাবং পরিতঃ পালনং। ভাষ্ক্রভাৎ তাচ্ছকাং। পরিপালক ইভার্বঃ। অতঃ পরিপাণং পরিতঃ সর্বতঃ ঋায়ুর্ভক্সিমিক্তভূতেভাঃ পালনং দেছি। পরিপুর্বাৎ পাডেউাবে शाहे। 'कुछाहः' ইভি নম্ম শত্ব।। (২কা-তথ-১৭৮ - ৭ম)।

ইভি বিভাগে কাণ্ডে তৃতীয়েম্বাকে সপ্তথং ইজং 🖡

( ইভি ) ভূভীয়োক্ৰাকঃ শুমাধঃ 🕽

চতুর্বের্বাকে ন ফ্রুনি। ভত্র ভ্রাতৃ গক্ষাণং ইতি প্রথমস্থাক্তন অভিচারকর্মণ শরশ্মিদাধানং কুষ্ণব্রীভিয়ণতিলাপ্তাণ লনং চ কুর্য।। । (কৌ • ७।২)।

ষ্ট্ৰ অৱাঘ্ কৰণ (৩—৫) ইভাগ্যান্তিন্ত: চাভনগণে (৫কা - ১৮৮) পঠিভা:। ষ্ঠেন্ত্র প্ৰপত্ন সত্ত্ৰসত্ত্ৰ বিনিয়োগস্তত্ত্বত আৰা বিনিয়োগো প্ৰষ্টবাঃ॥ (২কা—১৯আ,—১৯আ,—৭ম)।

#### एक अंगगा।

ভাতৃণাক্ষরণমণি ভাতৃণাচাভনং মে দাঃ খাহা॥ ১॥

পদ-পাঠঃ।

ত্রাত্রাংকরণ্য। অদি। ত্রাত্রাঙচাতন্য। যে। দাঃ। স্বাহা॥ ১॥

অতাপি হোমাধারোधিঃ শ্বোধাঃ হোমন্ত্রবাং বা। বে অথে ছং ভ্রাক্তবাক্ষরণং অধি। ভ্ৰাত্ৰাঃ শক্ষঃ। ভ্ৰাত্শব্দ 'ৰাজ্পপত্তে' ইতি বান প্ৰচায়ঃ। ভক্ত কয়ণং বিনাশনং অশি। কি করে ইভাপাল ভাবে করণে বা গুটি। অভো যে মহুং ল্রাজ্বাচাভনং ল্রাজ্বামাশনং। চাভরতিম শিমকর্ম। ইত্যুক্তং। দাঃ খেতি। স্বাচেতি পূর্বাণ বোজাং॥ ১॥ 🛝

## विष्या।

সপত্রকরণমণি সপত্রচার্ডনং মে দাঃ স্বাৰ্।। ২ ॥

अन्म - >> ( ७ )-२७-२.७२

#### भष-भार्टः।

া দণতুহকরণম্য অবলি দণতুহতাতমম্য মে। বাং। কাছানা ২ ম

লণত্বকা শক্তপর্যায়ঃ। 'ব্যস্কলপত্নে' ইতি স্ত্রে লণত্বকা লণত্নইতি ইবাধে 'অকার প্রভাষাত্তে। ন্যাধ্যাতঃ। যন্ত্রিল ভ্রাত্নালগত্বকো পর্যারো তলাপাত্র উভয়োরণি পৃথস্ক-পালানাদ্ আস্থানামান্দ্রীরন্ত্রণে ভেলে। ড্রইবাঃ। গতং অন্তংশ (২কা – ৪কা—১৮ছ – ২ন) ।

## पृथ्ते॥ ।

শব্যায়ক্ষপুৰভাগান্ত। বিশ্বায়ক্ষপুৰভাগান্ত। বিশ্বায়ক্ষপুৰভাগান্ত।

अम-भार्ठः ।

অরাঃহ্জগুণ্ম। অবি । অরাগ্রহাতন্ম্। মে। লাং । আহা । ৩ ।

জারারকরণং অরাষাঃ অদায়িনঃ দানোণলক্ষিতমিধিলাশ্রেরোনিম্বকারিণঃ। তেবাং ক্ষরণং। ব্লোকানে ইত্যাপু বঞ্জন্তা নঞা শহরোহিঃ। অন্তং পূর্ববং॥ (২কা—৪ব—১৮৮—৩ম)॥

ফভূর্ণী।

। পিশাচক্ষয়পুষ্ধি পিশাচচাভন্ মে দাঃ স্বাহা॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃৰ

'নিশাচহকরণ্য আদি। শিশাচহচাতন্য্য থে। দাং। আছা। ৪1

'শিলাভাঃ শিশিতাশিনো ভূতবিশেষাঃ । পিশিতং মাংসং অল্প ত্রীভ 'কর্মণ্যপূ পুৰোধরাবি! পাঠাৎ শিশিতাশশক্ষেঃ থিশাটো আংদশৌ। সতং অন্তৎ ঃ

नक्षेत्री।

क्रमाचाकार्यम् कर्मचाठाकनर त्य मोः चाद्या। टा

#### পদ-পাঠ।।

লদামাংকরণম্। আলি প্লামাংচাতনম্। যে। বাঃ। আহা।৫৪

नवाचाकव्रवर नवा (नामृत्रयामा चार्टकाणकाद्रियाः निमा5ाः। नवाचाः हेणि भिश्नान-१८७०-(२) । वाशांकर ॥

हेकि-विकीयकारण हजूर्वकृतारक श्रवंश रख्य ।

'বাষে যং তে' ইভ্যাদি।ভঃ গঞ্জিঃ কুত্তৈক্রভিচারকর্মণি পুরস্তাক্রেমানু আব্রোন **प्**रवाद। ((को॰ ७।> ) । (२का—8व -- >४४० - ४४)।

#### **60** 2911

(बष्टि यर क्यर विश्वः॥ >॥

পদ-পাঠঃ।

(पष्टिः। यम्। वस्या विश्वाः॥ ১॥-

হে ঋগে পৃথিবীল্পান তে গ্লায়ং যথ তপঃ সঞাপনশক্তিঃ তেন তপণা তং শক্তং প্রতি-সক্ষীকৃত্য তপ প্রজ্ঞান্ত। তব। 'লক্পেপ্ত্তাধানে ' ইত্যাদিনা প্রভেচ ক্রপ্রস্বচনীয়-সংখ্যা। 'ক্ৰাপ্তাৰচনীগ্ৰুজেক •' ইভি । বৃতীয়া। যথা। ক্ৰাণাৰ কায়া। তং শক্তং প্ৰতি ভ-শ । অপ্রতিকুশং প্রতিমুখং প্রতি। মধং বা তথেতাবঃ। বং শক্তরখান্ বেষ্টি বেষং করে।তি মং চ ण्यक्तः रहार विद्याः व्याध्यक्षर कूर्याः। ७१ इति शृत्कार शक्षकः। व्यागिन राजिकातानार्यकृत्यान শতিচার প্রত্যাভিচার য়োক্রতমূজাণি শুক্ত গল্পত শাস্থার দার্শতর ভবতি 🛊 ১ 🕸

## 140ीमा । . .

भक्षि वर ७ इत्रास्त्रन ७१ थाँक इत्र

त्मार्क्यान् त्वष्टि यः नगर विश्वः॥ २.॥

नष-नाठेः ।

भक्षा यदा एक। इतः। एकन। छन्। व्यक्ति। इतः।

**বঃ। অংখান্। ছেটি**। যশ্। বয়শ্। বিয়ঃ⊪২ ∦

इत्रकीख इतः नरवतनामवीर। (ज्ञाधनामञ्च भाष्ठार (ज्ञाद्या ता। इत्राखत्रभून्। (छम् হরণাভং শতাং প্রতিতর শংহর। গুড়ং অতং। (২কা-৪ল – ১৯খ – ২ম )।

क्रिंगाः।

**ण**रञ्ज यर टाकिट्डिन ७: প्रकार्क स्था०आन्

(इष्टिं यः नाः इष्यः॥०॥

भक् भार्ठः ।

আংখা মধা ভো আর্ফিঃ। ভেনা ভন্। এবিড। আর্ফিং যঃ। অবাদা।

বেষ্টি বশ। কয়শ। বিশ্ব. । ৩ ।

আর্চ্চান্তর পাতৃনাং অনেকার্বভাদ্ দীপ্তার্বঃ। ভেন আর্চনা ড॰ প্রার্ক্ত প্রতিপঞ্জ शे(क्ष छन। উद्धर अग्रर। (२का-४४ ५०१-७४)।

চতুর্থী।

। অংশে য়হ ডে শোচিজেন ডং প্রতি শোচ যোভক্ষান্

चिक्कि यः नग्नर विकास। 8 ।। च्या

, খদ-পাঠঃ ।

च्या विका (चा (चाहिका (चना छका ध्यांका (चाहा या चापान्)

(पष्टि। यम्। यसम्। विद्याः ॥ ॥ ॥

খোচিঃ খোকজনম্বামর্বাং। শুচ শোকে হভাসাং আঠকোচ্ছস্প্লান্তাদ্ধিভা ইশিং (উ-২।১-৭) ইতি করণে হাসপ্রতারঃ। তেন শের্চিধা ওং প্রতি শোচ শেক্ষুক্তং कूर्रा (२का- अस >२४ - ४४)।

1 14416

भारता यर (७ (७०१रहन ७२१००४) हुनू (४।०७४)न्

(किष्ठि यर वज्रः विश्वः।। १।।

अब अधिः।

আংলে। যং । তেলা। তেনা তন্য অতেজগণা কুণু, যঃ। অংগান্।

(पष्ठि। यम्। वस्मा । घन्न ६। ८॥

ভেলঃ ভাক্ষুং পরাভিভবন্দান্ধাং। তিল নিশানে হতাপাদ্ কপুন্। ভেন ভেল্পা ত ৰজিং অতেজনং নিষ্কেধং কুণু কুরে। গতং করাং। য়গুপাঞ সুত্তে ক্মেণ ।নাদ্ধাঞ্জালে।-करतार्किः त्नााक. शिकानकाः शक्तांश याद्यन ष्वणक्षामञ्च गठि ठाउदिवाणि गटकायाः व्यद्धांशामानास् **७७ व्यन्।(त्रव वाष्ट्रवास् (७८६। ११७ वर्गः।** 

হাত চতুৰেহ্বাকে বিভামং স্কুম্ ∎

हेड উ खेबाण 'વાલા યર' ( રા ર- ) 'જુશા ચર' ( રાર> ) 'દ્રક્ષ ઘર' ( ર રર ) 'જાલાળા ষৎ' (২০২০) ইতি চ্থার প্রণান 'লয়ে যং' (২০৯) ইতি প্রস্তেবদ্ব্যাখ্যোন। < अयु वायु । लिएवर्डाम्टलायनरभव । वटनयः। 'आर्टा यह् वः' इठा व आणार निठा १६ १६६ में ब्रह्मान(क्ष्माः । (२०१<u>—६० — २</u>२४ - ८५), ।

बाह्बाहेकि वरा (का इतः। (कना छन्। अधि । इतः। यः अध्यक्।

40

(क्षेत्र) वस्त वस्त्र। (क्ष्माः । २॥.

জুভীয়া।

বাছো বং ভোচ্চত্তেন ৬ং প্রভাচ্চ বো•শ্বান্

(वष्टि यः वाः विश्वः।। ।।.

```
ৰ্ব্দ- ঃ-ংব।] বিভীর কাণ্ডে বিংশং সৃক্তং।
                           পদ-পাঠঃ 🛙
|
বালোইভিচ বংট ভেট অভিনে ভেন। ভন্ন অভিন আইন বংচ সমান্।
                , |
(वटि। थम्। यहम्। विद्यः १००
                          हर्जुर्गे ।
         ৰায়ো যং ভে শোচন্তেন ভং প্ৰভি শোচ
            र्याञ्चान् एवष्टि यः नग्नः विद्यः॥॥॥
                     भव-भाभे: ।
     ।
বারোইভিঃ বং। ভে। শেচিঃ। ভেন। ভদ্। আজি। শোচ।
          यः। भाषान्। (पष्टि। यभ्। यज्ञभ्। विकाः ॥ ७ ॥
                          शक्तमी ।
         বালে ঘং তে তেজস্তেন ভদভেল্পং কুণু
— — — —
           (वां न्यान् (वष्ठि यः वद्रः विद्यः । १॥
                         পদ-পাঠঃ।
    ৰারোইভি। বং। ভো ভেলঃ। ভেল। ভদ্। অভেলবদ্। কুৰুঃ
           यः। चान्। (पष्टि। तन्। तत्रन्। पिषः । € ॥
                ( ইফি চতুৰ্বেশ্বাদে তৃত্তীয়ং স্কং।)
```

#### তত্ত্ব প্রথম।

সুর্য্য যৎ তে ভপজেন তং প্রতি তপ (यां ज्यान् (वहि गः नशः विदाः । ) ॥ শন্ত-পাঠ: দ । । । । । ছিন্তু কৰা তেন্তু প্ৰতি। তৰ্

সং। স্পান। বেটি। সম। কল্ম। বিলঃ ॥১॥ —

দ্বিভীয়া।

সৃগ্য যৎ তে হরজেন জং প্রভি হর - - - -

(मा क्यान् (अष्टि यः तमः विद्याः॥ ३॥

नम-लाप्रेः।

1 1 ভর্মা যং। তে। হুরঃ। তেন। ভগ্। প্রতি। হর।

भड़ा चाचाना (घष्टि। तरा नशम्। विद्याः॥२॥ —

ক্তীয়া।

भृगा यर (शिर्फाएकन जः शासा (माञ्जान (पष्टि यः नगः विजाः ॥ ७ ॥

## **भ**ष-भार्ठः । ী দুর্ঘা বং । জেন অর্চিঃ। জেন। জম। প্রভি । স্পর্ক । যং। অংখান। বেটি। যদা বয়স্। বিয়ং।৩ ॥ **इ**ज्जी সুষ্। যং তে শোচিন্তেন ডং প্রাক্ত শোচ (पाञ्चान् (फिछि गर कार जिज्ञः॥ ८॥ পদ পাঠ: । হুৰীয়া যুহ তে। শো<sup>6</sup>চঃ। তেন। তেমা আছি। শোচ। যঃ। ক্ষান্। কেটি। যুগ্। বয়ুম্। **বিয়ঃ॥৪**॥ राक्ष्मी। । । . সূর্যা যং ভে ভেজভেন ভমভেলসং কুরু যেতিয়ান্ ছেষ্টি যং বয়ং দিয়া। ৫॥ भव भार्तः। হিনা। যথা ভো ভেলঃ। ভেনা, ভণা আংচজনম্। কুধু। यः। भाषान्। ८५ष्टिः संगा तस्यः। विश्वः॥ १॥

( ইভি চতুৰেকানাকে চতুৰ্ণ স্কুলঃ ) • •

#### एक श्रेष्म ।

চক্র খং ডে ভগতেন ডং প্রতি ভগ ्रवाब्यान् (द्वष्ठि वर तशः विद्याः । ১ ॥

পদ- পঠিঃ ।

ী । । । ভিজনে বংগ ভো ভৰ্গনে ভেলন ভল্ন আছিন ভূপণ

ंपटा च्याना (प**ट**ि समः पश्चन्। विश्वरः ॥ ১॥

ছিভীয়া।

দেল বং ডে হরজেন ড: প্রতি হয়

ৰো শ্বান্ ৰেষ্টি বং বলং প্ৰিয়ঃ। ২ ।।

MA 418: 1

यः। च्याचा (धिष्ठा तथा नतथा विद्यागरः।

कृ ोत्रा।

क्ष पर किछिएयन कर अवार्क

(ग'ञ्जान् (वष्टि पर पत्तर विश्वः। ●।।

```
পদ পাঠঃ
     इन्छः। यदा (का भक्तिः। (इन। क्यां श्रक्तिः। <del>भक्तिः।</del>
         बः। चाप्रांत्। (पक्षिः) तम्। नक्षमः। विद्यः॥७॥.
                      চতুৰ্পী ।
 চক্র বং ভে শোচত্তেন ভং প্রভি শোচ বোলকান্।
              (बहि या बता विश्वा । छ ।
             नम-भाकेः ।
চলা যথা ভেন শেচিং তেন। তম। এভি। শোচা মা সংখ্যা
              ८वष्टिः यथा नश्चमा विद्यास्त करता
                      পথ 🗱 ।
  हिला वर ८७ (७६६४म समाउनमा क्रियू (वा•व्यान्)
               Cप्रष्टि यह नशर विश्वास ए. ।.
                      अस- भारत
```

বেটি। বৃদ। বর্মা:। विम: । e 1 हैकि क्ष्यूर्वक्रवाटक शक्या रखन हा

(बही यर नतः विश्वः॥ ।।।

२०१- १-६म । । विश्वीत कात्य जातावित्मर मृत्यः। পদ পাঠঃ। । আনুপ্র। য়ং বঃ। আর্তিয়ে ৫৩ ন। ডং। এই'ড রু অর্তিয়ে যা। অংখীন্। (७१८। यर। रम्भा विश्व:। ७ क **६३**थीं। ষাচপা ফদ বঃ শোচিত্তেন ডং প্রতি শোচত যোল্ফান্ (भष्टि यः नशः विश्वः। **४॥** ∙ পদ প√ঠ±। আৰুপান যথ। বলে শোটিলে ভেনা হস্ত প্ৰিচিত পোচত। যথে আৰুস্কুন্ ্ৰেটি য়শু৷ বয়ণ৷ গিয়াংগ৪∗॥ ব্বি বিদ্বত্তেল তেল তেলগং ক্লুত ধাে ক্লান্

(क्छि यः वत्रः क्यः । e u

**अम-भा**ठेः ।

भागः। यरः वः (जलः। (छमः छम्। चार्डकरम्। इत्युकः। यः। चन्यास् ।

्षष्टिः यम्। तस्य । विश्वः ॥ ६०॥

াইকি বিজীপকাতে চতুর্বেশুনাকে তৃতীয়চতুর্বণক্ষমবর্চহক্তানি।

'শেরভক' ইভি নপ্তমস্জেন কলন্মীনিমালকর্মণি নমুন্নমধ্যে লাপেটছেরে ইয়া চরুং সম্পাত্য অক্সিন্তা প্রান্তীয়াং। তথা তামিলেন কর্মণি 'শেরভক' ইভানেনৈৰ স্জেদ অভিভন্নবামাং লক্ত্যু রক্তবর্ণায়া অজ্ঞায়া দ্বাগকে কিপ্তা আক্ষাম হয়া সম্পাত্য অভিমন্ত্র। অল্লিয়া অজ্ঞায়া দ্বাগকে কিপ্তা আক্ষাম হয়া সম্পাত্য অভিমন্ত্র। অল্লিয়া কর্মা উদপাত্তে প্রস্তাহিত বিশ্বত ভেনাদকেন আপ্লাবমং মুব্যাজ্ঞানং চ কুর্যাং। উক্তং বি তুলে। 'শেবভকেভি লামুন্তং অক্যু কর্মা ব্যাগাতেং অপ্রত্থানা লোহিতাআয়া ক্রপ্লেন ন্মীয়ের্যাতি' ইত্যাকি (কৌ) এই.)। (ক্রা—৪জ - ২০স্ -৫ন) চ

ভত্ত প্ৰথম।।

শেরতক শেরভ পুনর্কো যদ্ধ যাতবং পুনরেভিঃ কিমীদিনঃ।

ৰক্ত আৰু ক্তমত যোৰ: প্ৰাঠিৎ ভমত আ নাংশালুক । ১ k

**भक्ष-भाक्ष**ा

শেরভক। শেরভ। প্রঃ। বং। সন্তঃ বাতবং। প্রঃ। হেবিঃ। কিনীদিনং।,

्र यक्ता हा कन्। जला यः। यः। ध्यक्तिहरा कन्।

> । অভা খা। সংগ্ৰি। অভয়-১।

(र (भूतकक पालिकानार प्रवण शानक। भूतकतर मार्खवार विश्माका वा (भूतका ষাতৃধানাধিপতিঃ। খাদী প্রামণীঃ প্রশানভূতে। বস্ত অংশচিবারেঃ ল পেরভ্কঃ। "ল এবাং প্রাথবী।" ইতি কন প্রতার:। তে শেরভ বাতুগানাগিপতে তে শেরভক **ভৎবামিক** 'ল্ডিবালে বঃ গুমুলীয়া অলক্ষ্যকিও। গুমুজিঃ অম্প্তিমুখং প্রেরিতা যাতবঃ রা**ম্লাঃ পুন্রীয়** আছতঃ প্রতিনিগর্জ্যার। তথা তেতিঃ হনন্দাধনর মুম্মনীয়ং আয়ুধলাতর প্রতিনিবর্জ্তার। किमीक्न: किर हेनानीर ( কিং ইনানীং ) বর্ত্ত কিং ইনং কিং ইন্স ইভি যা পৈওঞাৰে हत्रश्लीख किथेनिन(म्हाता:। चाह ह राष्ट्रः। किथीन्य किर हेनानीर हेकि हत्र्छ किर ইলং কিং উল্ম ইতি বা শিশুনায় চরতে ( নি॰ ৬/১১ ) ইতি। যুম্বদীয়াস্ত্রণাবিধা অফুচরাস্ট 🛊 পুনর্বস্ত টাত শক্ষ:। প্রতিনির্জানাং তেখাং করেবাং আহ। তে শেরভাগরঃ লপরিকর। রাক্ষণাঃ মুদ্ধ মঞ্জ মঞ্জ আনবিরোধিনঃ দ্মীপে ভবর তং অন্ত ভক্ষত। যঃ প্রেরাঞ্জা বঃ মুমান ( প্রাটেছৰ) প্রাটেছনীৰ ক্ষমধন লাশং প্রেষিতবান্ তং অন্ত ভ্রমণি ক্ষমন্ত। হি গতে। পুতি লিচি বুরো 'বছলং ছম্প'ন' ইতি অপুক্র গত।রু ইডভাবে 'রোঃ नश्रमात्राह्याः व के क महामानः । अवत्व क्रांतः छेरलावश्रक (मक्षाविमा । ना । 'सुनार সুৰ্ক.' ইতি বঠা: মুঃ। লিস্বাভার:। তত শ্বো: মাংলাজন্ত। বৰা লা হেভিঃ ব্রুং চ শব্রোর্থাংগানি ভক্ষরত। প্রেরকজীবনে প্রতিনির্ভানামণি রক্ষণাং পুন:পুনংপ্রেম্প্ मछनार छरा श्रवक्रमाण गण्यामा एकवार श्रवतात्रभगर निवेखर के कि छातः ॥ ১ ॥

খিতীয়া।

(শার্ণক শের্থ পুনর্কো হস্ত যাতবঃ পুনার্কভিঃ কিমীলিনঃ।

বস্ত ম ভমত যো বঃ প্রাতিং ভমত্ত স্থা মাংগালুক।। হা

প্রথক। শের্থ। পুনঃ। বঃ। হস্ত। বাতবঃ। পুনঃ। ছেছিঃ। কিমীদিলঃ।

বস্তা হা ভম্য অকা হঃ। বঃ। প্রহলবৈধ্য ভন্।

অক্ত। স্থা মাংলানি। স্ক্তা ২ ট্

ছে পেরণক সাঞ্জিতানাং প্রধান বর্ত্তক । বুধেরজ্বপীতশ্যর্থাদ্ ইপ্রশানসক্ষণঃ কঃ। বের্থো আমশীর্থাভ নচিবালে: ন বের্থকঃ। অন্তৎ পূর্বং। (২কা - ৪৯ – ২৪৩ – ২৪৩ – **ए**टीया ।

। । । আেকামুত্রেক পুনর্শের যস্ত সাভবঃ পুনর্হেভিঃ কিমীদিনঃ।

্। শেখা হা ভিমত্ত শো বং প্র'টেং ভমত্ত সা মাংবায়াত ॥ ১॥

শল-প।ঠ I • .

্ৰী । । অবিক। শতহ শ্ৰাক। পুনং। বং । যক্ত গাভবং। পুনং। তেতিং। কিনীদিনং।

। : যভাভাভন অভা সং। শংগ পহলতৈং। ভন্। --

্ষ অংক যা। মহেদানি। আংক ।৩।

হৈ মোক টোচতি ধনাদিকং অপথতা ছন্ন: সন্সজ্জীতি মোকা। টোকং অভুস্ত সচত গতি অক্ষোক:। মৃচু মৃচু গভৌ। 'পুংদি সংজ্ঞানাং বা পোমোণ'ইতি ন্যুভায়ে ক্ৰীয়েবং। 'চলো: কুব্ধাতো' ইতি কুবং। ('২কা—৪০—২৪২—০ম)।

। । । সপ্তুণপ পুনকে: যন্ত য: গুন্হেডি: কিনীদিন:।

ঘতা হ ভমত হো ব: প্রাঠিং ভগত সা মাংদাপত ॥ ৪ ॥

भाग गाठेश |

লপ্ লভ্ছণৰ্ম পুনং। বং। যল্প যাতবং। পুনং। হেডিঃ। কিনীল্নঃ। — -- - - - - - - - - ---

য**়ে ছ**ে তমা অংক গ**ে 1** প্রহ্মটেগ্**। ভষ্।** -- - — |

শন্ত। খা। শংপানি। শন্ত॥এ।

হে নৰ্প । নৰ্পতি কুটিনং গছতীতি নৰ্প: এতংনংজো যাতৃগানাধিপডিঃ। ডং অসুস্ত্য সক্তীতি অসুসৰ্পঃ। স্প্লৃ গতে ইভঃমাং পচান্তচ্।ু গভং অসং ॥ ৪ ॥

श्वभी।

जुर्गि भूगद्या यस थालनः भूगाई किः किभोनिनेः।

प्राप्ति प्राप्ति यस थालनः भूगाई कि या कामामुक्त ॥ १

प्राप्ति प्राप्ता यस थालनः। भूगा किमोनिनेः।

प्राप्ति भूगः। यः। यस थालनः। भूगः। किमोनिनेः।

प्राप्ति भूगः। यः। यस थालनः। भूगः। किमोनिनेः।

प्राप्ति भूगः। यः। यस थालनः। भूगः। किमोनिनेः।

प्राप्ति । भूगः। यः। यस थालनः। किमोनिनेः।

प्राप्ति । भूगः। यः। अस्मोनिने। भूगः। विभाविने।।

प्राप्ति । भूगः। यः। यस्मोनि। भूगः। व

জীবাতি জীবং তবতি প্রাণিশরীরং লনরেতি জুবিং এতংশংক্তা রাজনী ওতাঃ নখুছিঃ ।
জু শরোবানে) ইতাঝাং করণে ভিন্ন 'বছলং ছন্দান' ইতি জংলাঠ্যপুর্বাতালি উবং ।
'য়লারজানতাঃ জিল্ নির্চান্দ অবতীতি বক্তব্যং' ইতি নির্চানভাবাদ্ নদং। বদা অরভি
জনরোত করণে জিল্। 'অরবর-' ইত্যাদিনা বকারোপধয়োর্কু। ছাল্লনং নদং লমুদ্ধিগুণাভাবলত। যথা 'বীল্যাজারভ্যো নিঃ' ইতি (উ॰ ৪.৪৮) উণাদিকো নিপ্রভারঃ ।
পূর্বাক্ উঠ্। 'রাজকারাত্ লাজনঃ' ইতি ভাব 'অলার্জনার্ত্রা ইতি ছববং। জুবেঁ
ছীম্ছ বাতবোলে যাজুগালঃ। কিং ইলানীং কিং ইলানীং ইতি ছববং। জুবেঁ
ছীম্ছ বাতবোলে যাজুগালঃ। কিং ইলানীং কিং ইলানীং ইতি ছবল্যো রাজভঃ কিমীদ্দাঃ ।
জনি 'বা ছন্দান' ইতি পুর্বান্বর্ণার্থা। অন্তং ল্যানং । (২কা—৪ল—২ন্ত্রা—৫ন) ঃ

मछी।

। ।

छ गरक भूमर्स्स यक बाजवः भूमर्हाछः किमीमिनीः।

बच्च व्य छ नक द्या वः श्रादेवर छ भक्ष वा मार्गाञ्च ॥ ७ ॥

मधक- २० (६)-२६-२-१६

'भाम - भाठेः । উপকো পুনঃ। বঃ। যন্ত। যাতবঃ। পুনঃ। হেতিঃ। কিমীদিনীঃ।

। यक्षाचा छम्। व्यक्तायः। यः। श्रीक्ष्यदेवरः। छम्।

অত। খা। মাংগানি। অভ ॥ ७ ॥

प्रक छिनश्य क्तृत्रम्य कांत्रिति । छन्न भूका ए तम्हार अस्तावीर ने प्रत्यका तम् देश देश मास् च। हेन् मर्श्वगाञ्चाः (উ॰ ৪১১৭) ইতি ইন্। প্ৰোদরালেধান রশাদিছিঃ। গতং व्यक्त (२१।-8म-२8म्-७म ) i

> मक्षभौ।

যভ হ তমত যো বা প্রাহৈৎ তমত হা মাংসাভত॥ १॥

পুদ-পাঠঃ ।

শহর্মি। পুনা। বং। যস্ত। যাতবং। পুনা। হেভিং। কিমীদিনীঃ।

অভ। খা। মাংশান। অভ। ৭॥

(र कार्क्त कार्क्न मीत कार्क्न नर्स या। (२०१ - १०५ - १०४)।

व्यक्षेत्रो । ভর্জি পুনংবি। यস্ত যাত্রঃ পুনংহিভিঃ কিনীদিনীঃ।

য় আছে ভ্ৰমত বিশ্বঃ প্ৰাহিৎ ভ্ৰমত বা সাংসাৱত॥ ৮॥

পদ-পাঠঃ।

। । खद्गिवा भूगः। यः। यञ्च। याङ्गः। भूगः। (दक्तिः। किभीमिनीःः।

यशा हा उना अरुं। सः। तः। श्रीकृतिरं। उन्।

|. জ্বন্ত । খা । মাংশ্লি। অভ । ৮ ৮

বে ভর্কি নিমতে শোস্ত ইতি ভরু: শরীরং। তদ্ শণহর্তুং শঞ্চি গছতীতি ভর্কী। তুল্প্র ধারণপোষণঝো: ইতাশাৎ ভ্যূমী। (উ০ ১।৭) ইত্যাদিনা উপ্রতায়ে ভরু:। তিশিস্থান্দ 'ঝির্ক্-' ইত্যাদিনা অঞ্জে কিন। 'অঞ্জেশ্চেশেদংখ্যানং' ইতি ভাপ্। 'অচঃ'
ইত্যকারলোণে 'চৌ' ইতি দীর্ঘ:। উজেং অন্তং। (২কা—৪শ—২৪শ্—৮ম)।

#### ইভি বিভীয়ে কাণ্ডে চতুর্বেপুবাকে সপ্তমং প্রভাং ।

'শং নো দেবী পৃশ্লিপর্নী' ইতি শক্তান্ত, চাতনগণে পাঠাৎ শাস্ত্যদকালো বাজ বিনিরোগোব-গন্তবাঃ। তথা কুঠানিদর্বরোগতৈবব্যকর্মণি অনেন হড়েন শৃশ্লিপর্নীং পেবরিষা লেপরেছ। শ্বিতং হি। 'অব্বিঃ, (২া৭) শং নো দেবী (২া২৫) বরণা (৬া৮৫) পিপ্লৌ (৬া১০৯), ইতি প্রক্রমা 'বিতীরেন মন্ত্রোক্তর সম্পাত্রভাগিঞ্চগুর্লিম্পতি' ইতি (কৌণ ৪া২),॥

ভত্র প্রথমা।

। । শং নো দেবী পৃশ্লিপর্ব্যাং নিশ্রভা অকঃ।

উগ্ৰাহি ক্ৰছেন্ত । ১ । তথ্য হি ক্ৰছেন্ত । মভিকি সহস্থীমূ॥ ১ ॥

**नन-** लार्ठः ।

। । ঋষা নঃ। দেবী। পুঞ্চিত্পৰী। অংশম্। নিঃহ্গতৈয়া অংকঃ।

। উত্তা হি। ক্থ-ছেন্ডা ভাষ্য **ভাজ**া **দহস্কী**গ্ৰস।

বেবী ছোত্যানা পুরিণণী চিত্রপণী ওয়ণি: নং অস্মাকং শং কুষ্ঠানিরোপন্যমেন ক্লক্ষ্ ক্লকঃ অকার্যাও করেছে । 'ছন্দানি লুই লেউ লিউঃ' ইতি লোডবেলি লুছুঃ 'ময়ে ব্লুক্ ইত্যাদিনা চুকুক্। গুণে 'হল্ভাব্ভাং' ইতি ভিবোপঃ। নিশ্বিটা বহাঁটেই চতুৰী।
নিশ্বিটাঃ রোগনিবানভ্তারাঃ অনং ভংগং লকঃ করোতু। কি যত্মাই উগ্রা উন্পূৰ্ণকা
পতী কথকত্তনী কথত পাপত নান্ধিনী। অভঃ নহস্বতীং রোগাভিভ্যনদাম্পার্ক্তাং ভাং
পৃত্তিপূৰ্ণিই অভাক্ষ অবং ভক্ষে অনুনেপানিনা শেকে। ভক্ষেপুতি আত্মনেপনেত্তি।ক্
ক্রেনে রূপং। নহস্বতীং ইতি। 'ভগৌ নহব্বে' ইভি ভত্তেন অপদন্যভ্কান্তাবং ১ ৯

षि शेषा। । । সহমানেশং প্রাথম পৃশ্ধি।প্র জায়ত।

ভরাহং পুর্বাং শিরে। রুডানি শকুনেরির । ২ ॥

अम-गार्ठः। "

সহ্যানা। ইয়ুখ্। প্রথমা। প্রেলিংপ্শী। আনায়ত।

प्रधाः व्यवस् इःश्लाझान्। निकाः। बण्ठासिः। लक्ट्रानःश्हेन । ३ ⊪

শহমানা রোগান অভিভবজি ইয়ং পৃথিপানী প্রথমা প্রাথতা ওধনীনাং মুখ্যা আলিভুজা বা অধারত উৎপক্ষা। জনী প্রাভিটোবে। 'জাজনোজানি ইতি জালেশং। তরা উজ্জনজালগর প্রিপথ্যা হুর্নায়াং দক্ষবিদর্পকার্তালিকুইরোগবিশেষালা লিরা লিরোবংপ্রাণানভূতং রোগনিদানং অহং রশ্চানি ছিনাক্ম নালয়াম। তত্ত্ব দৃষ্টাস্তঃ। শকুনেরিদ বলা পাক্ষবং লিরা বলালপ্রহ্রবনাগর অনাশান্ত জনায়াবেম ছিলতে এবং পৃথিনাগীলেশন্যাত্তির দ্রুল্য উন্মুল্যামীতাবং। (২কা-৪০ ২৫৫—২ম) ॥

তৃতীয়া।

আনায়নস্কৃপাব্নং যশ্চ স্ফাভিং জিল্ফিভি।

গ্ৰহাজং কথং নাশ্য পৃষ্ণিৰ্শিত্য চ। ৩।

#### गम-गाउँ: Þ

অরার্ধ। অস্তবৃহপাধানধ্। যা চ। ক্ষাতিশ্। কিহীবঁতি। श्रुक्त व्यवस्था व्यवस्था वृश्चिर पर्विः वरुष्टा हरु छ।

অন্তব্পাবানং শরীরগভরতক্ত পাভারং অরায়ং অরাভিং কুঠ।দিরোগায়কং। নাশগ্রেছি मचसः। कूर्कादिरतारान भत्रीतरभाव क्षत्र क्षत्र क्षानग्रभार। नानना गर्मना । 'আতে। খানন্কনিক্নিপ'চ' ইতি ব্নিপ্পার্গঃ। কিং র যাংরাগ্যে গ্রেণাদিরপুঃ च्याजिर नतीतश्राहर निशेर्वां वर्षु रेम्हिं नानावजूर छे नक्षमत्त्र। छर नानावि नचकः। জ্ঞামী বৃদ্ধো। জিন্দ 'ভিতুত্ত-' ইতি ইট্প্রতিবেধে বলি লোপঃ। হরতেঃ দ্নি 'অছ-यनग्नार नाम' देखि नीर्ष 'चड देखाराडाः' देखि देखर । यह छ छ। । सम् छ छ। নিবাৰ আন্তাৰভিত্ত। তথা হে পৃত্তিপৰি গৰ্ভাবং গৰ্ভত ভক্তকং কথং রোগনিধানপাপত নাশর শহর চ গর্ভধাংশকান্ শতকে "চ অভিজন। গ্রাভাগং ইতি। অন ভক্ষণে। আমাজ্ शर्दानगणाम् 'नामानात्त' हे जि विष्टे छा ।। (२का - ८० - २०६ - ७।)।।

## **Б**ठूर्शे ।

वितिरमगाँ व्या त्वभन्न कथान् कोविकत्माननान्।

णा खर प्वि भृ भागनाशितिनाञ्चकश्मिदि ॥ ॥ ॥

#### गम- **भा**ठे ।

भिक्ति। धनान। चा। स्वमन। कथन। बोविडश्राशनान्।

ভান্। মৃদ্য দেবি। পৃশ্লিংপশি। অভিনেট্ৰা অভুংল্লন্। ইছি। ১ ।

हर पृथ्विपनि कोविकदश्यमाम् श्थानक त्यारकान्। यूगं क्रण कृत वित्याहरमः। 'क्रकः স্থানী ব্ললং ইভি কর্তি । এনান্ উত্তর্গান্ক হান্ কুর্ছালিরোগনিলান স্কুলান্। পাণ্যুনঃ পিরিং পর্বভং খনঞাররহিতং জা বেশস এবেশস। 'গতিবৃদ্ধিএভ্যবসানার্ব-है दिन তেওঁ हार्नाम् अनि कर्तृः भागानः कर्षहर । হে प्रिन ছোভনানে হে পৃত্তি। ষং ছোন্ গিরৌ আবেশিতান্ কথানু, অসুদহন্ অধিরির অরণছিতান্ লপ্রিগাদীন্
অসুগম্ দহন্ দাবায়িরিক অসুদহতী ইহি গছে। অসুদহরিতি। অসুদহনতক্ষণস্
লাধারণহর্ম্প উপনানোপনেরনির্ভিষ্ক্ উপনানাপেক্যা পুলিক্তা। ইহীভি। ইণ, গতৌধ লোটি অয়াদিয়াৎ অপো লুক্। (২কা – ৪ম – ২৫ম – ৪ম) ৪

# পক্ষী।

। ভ্নাংসি ষত্র গচহন্তি তৎ ক্রন্যালে। অভীগ্নম্। ৫ ॥

#### পদ-পাঠঃ।

। পরাজঃ। এনান। প্র। ফুল। ক্যান্। আইবিভংয়োপনান্। -- -- --

া; । । । ভমাংশি। বতা: গছভিড। ভং। ক্রেব্যুহকাদঃ। ক্লীগমম্। ১,

তে পৃশ্লিপণি জীবিত্রগোশনান্ এনান্ অ্যাদিষ্টান্ কথান্ প্রাচঃ প্র পুদ প্রায়্ধান্
প্রেরগ্ন জ্পলারগ্ন। পরপূর্বাদ্ অঞ্জে কিনি শাল অকারলোপে 'অনগড়োঞ্চতাবপ্রতারে'
ইতি পূর্বাণ প্রকৃতিস্বর হং । ত্যাদে প্রতিষ্ঠান গ্রান্থ ক্র হ্যারশ্বিণ ক্র হিতং যং প্রদেশং
প্রজ্ঞিত তৎ তথাবিধং নিঃস্থাং স্থানং ক্রেরাদঃ পিশিতাদিশাতৃভক্ষকান কুঠাদিরোগান্
আজীগমং স্ক্রেপনেন ক্রমণি প্রাপ্রাম। ক্রেনাশ্বোপপ্রাদ্ অন্তে: ক্রেনো চ'ইতি বিট্
প্রতায়ঃ। গ্রেপ্রিহে পুষ্ট চিত্তি রূপং॥ (২কা ৪ল—২৫স্—৫ম)।

# इंडि हजूर्वसूनारकश्रेषः १ करा

'এছ যন্ত পদবং' ইতি স্কেন গোপুটিকামং অভিনবং পরং বংগলালামিপ্রিতং লম্পারা
অভিমন্ত্র অগ্নীরাহ। তথা অনেন স্থকেন গাং অভিমন্ত্র। তবৈব অনেন উপপ'এং
অভিমন্ত্র গোর্ত্তমধ্যে নিনয়েছ। এবং লার্কণবংগৌদনে গুগ্গুলুলবণশকুহণিগুন প্রাক্তপ পশ্চাহ অরোজ্ঞানে নিশায় চতুর্বেকনি উদ্ধৃত্য অনেন লম্পারা অভিমন্ত্র। অন্ত্রীরহি। অন্ত্রোজং কৌশক্ষেন। 'এই যন্ত্র পদবঃ (২০২৬) লং গোরেনি (১০১৪)' ইতি প্রক্রায়, 'গুরুঃ কিন্তুদং ক্ষেক্সিঞ্জা অস্ত্রাতি গাং দ্বাত্রাদণান্ত্রং নিনরাত' ইত্যাদি (কৌণ এছ)।

#### ভত্ত প্ৰথম।।

अर यस भारत (य भरत्र यूर्वायुर्वायार मरहातर स्ट्रांना ।

ছক্টা যেশাং রূপধেয়ানি বেদাস্মিন্ ভান্ গোঠে

় গাবত। নি যচহতু॥১॥

#### णव-गाठे: ।

আৰ ইছ। যন্ত, পৰবঃ। যে। পৰাহঈছুঃ। বায়ুঃ। বেৰাণ্।

# পহহচার**দ্। জুকো**ধ।

। । ভটা বেৰাশ্। রূপ্হধেয়াল। বেগা অপিন্। তান্**। গোৎছে।** 

# শবিতা। দি। ফছড়ু।১।

যে পশবঃ শরেয়ঃ পরাগতাঃ পরায়্বাঃ প্নয়ায়্তরহিতা অগমন্ তে লক্ষে ইছ অভিন্
গোটে আ যক্ত পুনরাগদ্ভন্ত। ইণ গভো। ''ইণে। যণ্" ইতি যণ্ আদেশঃ। ঈয়ুরিতি।
অসাদেব নাতোলেটি উাদ পুনবদ্ যাণ ক্তে 'বিকাচনেচি' ইতি স্থানিবভাবাদ্ বিকাচনা
শীর্ষ ইণঃ কিতি' ইতাভ্যাস স্থাবিঃ। যেষাং শশ্নাং বায়ুঃ লহচারং সহসক্ষরণং কুলোম্ব
শোবতে তল্পকণাবিং লহ বর্ততে। জুবেক্রাত্যয়েন পরইম্পদং। গোষ্ঠাদ্ বিনির্গতানা
ং গবাং বায়ুরেব রক্ষক ইতায়ং ইতায়ং অবঁকেতিরীয়কৈ লণ্টং আয়ায়তে। 'বায়বঃ ছেত্যাহ'।
বায়ুরে অভারিক স্থাধ্যকাঃ। অভারিকদেবত্যাঃ বলু বৈ পশবঃ। বায়ব 'এনেমান্ পরিদদাতি'
ইতি (বৈত ব্রাণ তাংলার)। যেবাং পশ্নাং স্থা এতয়ামকো দেবঃ ক্লপধেয়ামি।
ভাগরপনামভ্যো বেয়ঃ' ইতি স্থাপে বেয়প্রতিরীয়ঃ। গর্ভগতবংলক্লণাণি বেদ কর্তুং জানাতি।
ফ্রোভীত্যবিঃ। 'বাবছো বৈ রেভারি নিজক্ত স্থা ক্লপাণি বিকরোতি ভাবজো বৈ তথ্
প্রস্থান্ত (বৈত লংক চাহলাত) 'স্থা বৈ শশ্নাং মিলুনামাং ক্লপক্তং (বৈক ব্যাদি হাল্ব) বি বার বার বিধাত্যাদি বেদ বিধাত্যাদি বিদ্

ষাঞ্চ কর্মণি বং। 'ঈস্ততি' ইতি ঈরং। ভান্ উজ্ঞান গ্র্মান্ পশ্য অসিন্ গোর্চের সাবতি ভাষিরিতি গোঠং। তসিন্। পবিতা স্ক্তিগ্রেরেকা দেবো নি বছকু নির্বয়ন্তু। বৰা পুনর্ম গছেভি তথা স্থাপরতু ইতাবং। নিপৃশাস্ বনেঃ শ্পি 'ইবুপ্নির্বাং ছং' ইতি হবং । (২কা--৪অ--২৬ফ্-১৮)।

# বিভীয়াশ

ইনং গোঠং পশবঃ সং শ্রুবন্ত ব্রহস্পতির। নমুতু প্রজানদ্।

। । । পিনীবালী নয়ভাতাৰেশামাজমাুমে। অসুমতে মি যচছ।২॥

#### भग भाकेः।

। ইমষ্। গোহত্ব শ্বৰঃ। ব্যাহার বৃহস্তিঃ। আং। নয়তু। আহিআনন্।

> | দিনীবালী। নয়জু। আন। অনুধা এখাষ্। আংহলগুৰঃ।

# অসুহ্যতে; দি। বছে।২.৪

শানর প্রবালা ইংং অনাদীরং পোঠং সং প্রবান্ত নৃত্যাপ্রবান্ত । বুহস্পতির্দেশঃ প্রজানন লানর প্রান্ত পোঠং প্রাণর হল। তথা বিনীবালী এতরামিকা দেবপদ্মী চুটেন্দুক লাভাবান্তাবে বা । এবাং । কর্মণি বল্লী। ইমান্ পশ্ন, অগ্রং প্রোধেশং আ মরজু। বিনীবালী-বিনা হাকেন বছ্যা ব্যাখ্যাতঃ । বিনীবালী কুতুরিত্তি দেবপদ্মাবিতি নৈক করে। আমাবাতে ইতি যাজিকাঃ । (বা পূর্বানাবাতা লা বিনীবালী । বোজরা লা কুতুরিতি বিজ্ঞায়তে) । বিনীবালী । বিলং অরং ভ্রাত । বিনাতি ভূতানি । বালং পর্ম রুণোতে ভ্রমির রবতী বালিনী বা বালেনৈবাতামং অরুষ্ট্রের । বালং পর্ম রুণোতে ভ্রমির রবতী বালিনী বা বালেনৈবাতামং অরুষ্ট্রের । তবতীতি বা (বি০১১।১১) ইতি । আলামুবঃ আগতান্ত পশ্ন অন্তর্গতে হে অনুগ্রমনকারিণি তে বেবলাত্ব পূর্বণেশিকভিমানিকেবতে বা দ্বং মি বন্ধ গোঠে নিরমর । আলম্মুব ইতি । আল্পুর্বাদ্ গ্রেষ করে । শণি বলাঃ ক্র্যারবংং ইতি ক্রমারণং য় (২কা—৪অ—২৬ত্—২ম) য়

তৃথীয়া।

গং সং অবস্তু পাশা: সম্প্রেবাঃ।

সং ধারাতি বা ফ্রোভি: সংআবোণ হবিষা জুহোমি॥।।

গন পাঠ:।

গন পাঠ:।

গন শাত ।

গম্য সম্য অব্যা সম্য অখা:। সম্য উং ইভি। পুরুবাঃ।

সম্য শাত ত। বা। ক্রোভি:। সম্হল্লোপি। হবিষা। জুহোমি।ত।

পশনং প্রাছাং সং সং অনস্ত শ্মাস্ আস্তিত্ত। 'পদ্মুপোদং পাদপুরণে' ইতি সমো ধিকতিনং। তথা অখাং। সং ইত্যুগ্দর্শন্তাং দক্তি অবস্তু ইতি দৃষ্ত্বং। তথা পুক্ষাশ্চ পেবকাছাং। গাল্প ঐতিহয়নাদেব্য ক্ষাতিং অভিনৃদ্ধিং সাপি (সং) অবসু। অহমশি তংবিদ্ধায়ে সংআনোগ শংআন্পার্হেণ আজেন হবিষা কুরোমি। (২কা – ৪আ – ২৮ফ্ – ১ম)।

চতুনী।

সং নিঞ্চামি গ্ৰাং ক্ষীরং ন্মাজ্যেন বলং রগম্।

সংনিজ্ঞা ক্ষুমানং বীরা প্রবা গাবো মরি পোপ্তে ॥ ৪ ॥

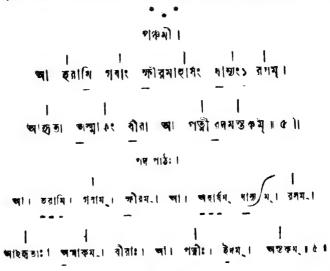
পদ-পাঠঃ।

।

সম্। পিঞ্মি। গ্রাম্। ক্ষীরম্। সম্। আক্ষান। বলম্। রগম্।

শম্থিকিলা। অ্যাক্ম্। বীরাং। প্রবাং। গাবং। মরি। পোশ্ডৌ॥ ৪ ॥

গবাং। অত্র পোশক্ষেন গৃষ্টয়ো বিবক্ষিতাঃ। গৃষ্টীনাং ক্ষীরং অভিনবং পদ্ম আব্দোন লং শিক্ষামি গবাং ক্ষীরং লং আজ্যেন দম্পাতয়ামি। প্রাং ইভি। '(ন) পোশস্ত্রগাব্বর্ণ-', অধ্বন্ধ – ১৪ (৪) ২৬-২-৩২ ইতি বিভস্তা বিষয়ে প্রিকাশ করা আনুষ্ঠান কর



গানাং ক্ষারং উন্তর্জারেশে আ হয়ামি আনয়ামি। গোসম্প্রাা বছতরং ক্ষীরসম্প্রোভ ভবামীত্যর্থঃ। তথা ধাক্তং রসং চ আহার্বং আহ্রতনান অস্মি। তথা আমাকং বীরাঃ-প্রোভা আহ্রতঃ আনীতঃ প্রান্তঃ পরাভা পত্নাক। আ ইত্যাপার্গপ্রবাহ হাত স্থান্তঃ উন্তর্গনাং সর্বেয়াং কিং প্রতি আহরণং ইতি তৎ আহে। ইনং দার্গতিং আক্ষংমধ্যি অন্তর্কং। অন্তং ইতি পৃহনাম। ঝার্বে কঃ। গৃহং৷ গোধাক্যপুঞাদিভির্মাৎগৃহং দ্বাভ সূব্য ভবতু ইতি ভাবঃ।

# ই।ত বিতীয়ে কাটেও চতুর্বেমুবাকে নধমং ইক্তং। শুমাপ্রশচ্ভুর্বেমুবাকঃ।

পঞ্চেষ্ঠ্যাকে পঞ্চ স্কোমি। ভতা 'নেজ্জ্র:' হাত প্রথমন স্থাক্তেন বিবাদকরকর্মণি পাঠামূলং অভিমন্ত্রা ধাদন অপরাক্ষিতাং দেশাং শহাস্থানং প্রবিশেষ। তথা অনে অভিমন্ত্রিতাং পাঠাং ধাদন প্রতিশাদিনং জ্রেরাং। এবং পাঠামূলং দম্পাত্তা অনেনাভিমন্ত্র বর্ষায়াং। এবংসব অনেমাভিমন্ত্রিতাং পাঠামালাং দহাছিঃ পাত্রিক্তিরিচিতাং শির্দি ধার্থেং স্থাত্রতং হি। 'নেজ্জ্রেরিতি পাঠামূলং প্রতিপ্রাশিতং অঘাহ ব্যাতি মালাং দপ্রপ্রাশী ধার্মতি' ইতি (কৌ ৫২)। তথা 'অপরাজিতাং শিক্ষকামশ্র' ইতি (ন ক ০ ১৭ বিহিতাম্থা অপরাজিতাখারাং মহাশান্তের পাঠ,মূল্মাপ্রদ্ধনোপ একং স্কেং। উক্তং নক্ষর

'নেচ্ছক্ৰেৰিভি পাঠামূলং অপ্রাকিভায়াং' ইভি ( ন ॰ ক · ১৯ )। ৫।

#### ख्य अवमा।

त्मक्रकः शामः कत्रावि : गृहमानाविष्ट्रताना

क्षामः अध्यातमा अध्यामान् कृत्यावत्म ॥ > ॥

२ • भग-भार्ठः ः

জয়াতি। শহণানা। অভিচ্ছুব। অপি। स्ता हेर मद्भाः। श्रीमम्

व्यानम्। व्यक्तिशानः। व्यक्ति। वृत्यान्। कृत्। अवस्य। ১॥

८इ माठीट्या खत्रारा माळ: शहितानो श्रायत शहीतर ता'प्रयाद घरत्मवन्तर मार दार अग्री िट्र। ইবিতি অবশারণে। নৈৰ অয়তু। এবাশং ইতি। প্রছত ক্ষীক্ষয়েছে ইভায়োহ 'কিনুকাচি০<sup>৯৮</sup> ইত্যাদিনা কুণ্তংশাল্লোগেন দীর্ঘ সম্প্রণারণাভাবসচঃ 'ভেচুাঃ শুভকুনাদিকে চ্' ইতি শুঙ্কার ছ হার জ শাহার:। অবয়া হাতি। অবং হেল টি আ ডাগ্ম:। যতমং শহমান্ শক্রসহনরভাগা অতঃ অভিজ্রাণ প্রতিগালিনঃ শ্রোরভিভাবতী ভবণি। এবং অভিশ্রিজ-বীধাণুক্তালান্তৰ শেবরা মাং শত্রুন জালু ইতার্ব:। প্রাঃ শৃহন্শীল বং আইতান্তরে শিক্ষাৎ আয়াতং। 'উল্লানপর্ণে স্তত্যে সহ্যানে সংস্থৃতি'। 'উপ ভেষাং সহ্যানাং' ইতি চ৹ ( খ॰ ১ । ১৪৫ ৬ )। প্রাশং প্রার্থ বালিনং গাং উদ্দশু প্রতিপ্রাশঃ প্রতিকৃপ প্রশ্ন প্রতিকৃপ क्षां डवामिरमा कवि ग्रामि डाग् कूका 'द्राक्ष्य' देवि कारमा:। 'अगिस्तर अला छाए' ইতি ভক্তাগিত্বাং বেলুগুভাব:। যথ।। প্রতিপ্রাশ ইতি ষষ্ঠী,। প্রতিবাদিন: প্রাশং-क्षा कार् । वि । वि न नि । वि कः भूति । श्रीकृषा । भूतिकष्र श्रीकृषा । (इ ७वर्ष अधिनामिया राज्यां न कका गाक्षा । ७वः भारकाकार धौधक के कि "कर्म्य गांविकन्दरण 5" ইতি দশতেরশিকরণে কিপ্রতায়:। যথা ওবে দাহকে অবাদৌ এনাং পাঠাদিরপাং-বৈল্ফোণ্নেশপ্রকারেণ ধর্মান্ত শিবন্তি আভুরা ইভি ওর্দিঃ। অশি না দেবিং বাঙ্গিন্তা-দিকং ধ্য়তি শিবতি বিনাশয়তাতি ওম শঃ.। পুষোধরাদিত্ব আদিবর্ণলোপঃ। পক্ষত্রপি (पहे: अमूननार्श अनस्मात देननाम नाकारम कि.श्राह्म । अत् याका । अवनम्, ওবদ্ধসন্ত্রীতে বা ওম্ভোনা শগস্থীতে বা লোদং শগস্তীতে বা ইতি ( নি • মাং । )। 🚓 खवानिरवीयरव व्यञ्जानितः अञ्चलायः गौन्नानं खकः श्रीन् वस्तुः अन्तर्वाम् कृत् कूछः । ম্মা অর্ণান, রুণর হিত্রাক।। ব্যাক্ত প্রাণিনঃ কুরু ইতাব্ছ। ১

# দিভীয়া।

ত্বপর্বস্থার বিন্দ্র সূক্রস্থাখনর দা।

প্রাশং প্রভিপ্রাশো অহ্যাদান কুরে'মধে ॥ ২॥

भव-भाष्ठः ।

মুখ্পর্বঃ। আবৃ। অধিকাং। পুকরঃ। জা। অখনং। নশা।

। প্রাশ্ব। প্রতিষ্পাশ:। জহি। অরদান্। রুণু। ওবংশ । ২ ।

স্থপর্থ খোভনপক্ষো নৈনতেরত। তাং অবনিদ্ধং নিষারাপহরণায় অবিয়া অন্তত। বিদ্লুলাতে। 'শে মুচাদীনাং' ইতি মুং। ক্ষরঃ আদিবরাইতা তাং নদা নাদিকয়া তৎসহিতয়া দ'ষ্ট্রা অথনং বিদারিতবান। ভূমাা অন্তর্বস্থিতাং তাং লোকোপকারার্থং উদহার্থীং ইতার্থঃ। অনেন অন্তা অযোলবীর্যাহং। উক্তং। প্রাশং প্রতিশাদং ইত্যাদি গতংঃ (বক — ৫ অ ২৭০ — ২ম)।

তৃভীয়া।

हैटला र हत्क था वारावञ्चतका छतोज्ञतन।

প্রাশং প্রতিপ্রাশে জহরণান্ কুরেবিশে।। ৩।।

শদ-শাঠঃ। | | | টক্রঃ। হা চক্রেন। আনা বাংখী। আবসুংরভ)ঃ। অংরীতংব ।

প্রাশন্। প্রতিক্পালঃ। জাতি। আব্রসান্। কুবু। ওবণে । ৩ ।

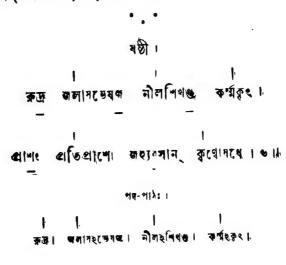
ছে পাঠে ছাং ইক্সজিলোকীপতিঃ ক্ষরেক্যা ক্ষরান্ত্রীভবে স্থরীতৃং। হিংগিতৃং ইক্সর্কা। বাবৌ দকিণভূকে চক্রে ক্রতবান্ধ্তবান্। তথা ক্ষমণি প্রতিবাদিবিলয়ার্কং

```
২৭ছ - ৪-৫ম। ] বিভীয় কাণ্ডে গপ্তবিংশং সূক্তং।
খাং। পতং অন্তং। অসুরেভা ইতি। 'ক্রিরাগ্রহণং কর্ত্তনাং' ইতি কর্মণ: নতাদানছাৎ
চতুৰী। 'তুমৰে লেনেনৰে॰' ইভ্যাদিনা ভবে প্ৰচায়:। 'কু ভোবা' ইভি ইটো দীৰ্ঘঃ ৹০ ১
                             চতুর্গী।
              পাটামিজে। বাৰ্গ্নাণস্থের ৮) স্তরীভবে।
         थामर शिष्यात्मा करातमान् कृत्याग्रम। ।।।
                             পদ-পাঠ ।
        পাট্।যু। ইয়ো: বি। আগ্রং। অপুরেভা:। তরীচবে।
       আংশন্। এতিহপ্রশিঃ। ছহি। অর্গান্। রুণু। ওবংধ॥৪॥
   পাঠাং উক্ত প্ৰভাৱাং ওৰ্ধিং অস্থ্যাংস্তরীতুং ইলো ব্যাশ্নাং। অভক্ষাং। অশ ভোজনে:
ক্র্যাদিরাৎ লাগভার:। গভং অন্তং । (২ক. – ৫খ---২৭ত ৪ম )॥
                             ્ શસ્ત્રમો ।
        ॰ ওয়াহং শত্রন্ত্র ইন্দ্র: নালাব্রক। ইব।
        প্রাশং প্রতিপ্রাশা জহারগান্ কুরোদণে a it.
                             পদ-পাঠঃ।
                      শক্তান্। শক্তি।
```

**अ**हि। **अ**द्रशाग्।

গ্ৰভিহ প্ৰাশঃ ।

ষা উনীরিত প্রভাষা পাঠা ভয়াহং ধারণভক্ষণাদিনা শক্রন্ প্রতিবাদিনঃ লাকে অভিভ্যামি ।
নিরুপ্তরান্ অবংশ্রামান্ক বোমীভার্তঃ লহতেরভিভ্যার্থিং লোটি উন্তমে শিক্ষকলং লোটি দ্বি লিপ্ন। শিক্ষকলং ক্ষুদ্রলি লিপ্ন গুলি লোগিংছাবাং বৃদ্ধি:। ভক্ত দৃষ্টাপ্তঃ।
ইল্লো দেবঃ । পালাকুকান্ । অরণাখানঃ লালাকুকাঃ। ভক্রপান্ অসুরান্ যথা
বিশীর্থান্ । অর্থেবার্থো দাশভ্যা। স্পর্ধং আরাভঃ 'ভ্যক্তি লালাবুকাছ্বভ্সাং শ্রেন্ত্রি প্রান্
ছবিবেশ্টিভা। (ব্সংগ্রুণ)। (হকাল্ডেক্স্তুণ্ড ন্ম)।



ী। । প্রাথম। এতিহপ্রাৰঃ। অতি। অর্মান্। কুবু। ওবংগাড।⊪

রৌতি শক্ষারতে ভারকং এক উপদিশভীতি কৃদ্র:। তথা চ আবালঞ্জিঃ। 'অন্ধে ভি লভাঃ প্রাণেশুংক্রমমাণেশ্ব কৃদ্রভারকং একা নাচটেও' ইভি ( জান উন ১ )। শক্ষরকাত্মনা রোক্রমমাণো জনতি লক্ষ প্রাণিজ্বদরে বস্তও ইভি বা অন্তেণ ছিল্লালিরলং শোচন্তং প্রজাত্মনা কাম অন্তর্গাল ইভি বা কৃদ্রে। তৎ উপ্রেখ যান্তেন। কৃদ্রে। রৌত্রীত লভো রোক্রয়মাণো ক্রমাণ ক্রমের ক্রমের ইভি কাঠকং যথ অক্রমণ ওৎ কৃদ্রও কৃদ্রবং ইভি বিজ্ঞারতে। বৎ অক্রমণ ভৎ কৃদ্রও কৃদ্রবং ইভি কাঠকং যথ অরোধীং তৎ কৃদ্রও কৃদ্রবং ইভি বিজ্ঞারতে। বং অক্রমণ ভৎ কৃদ্রও কৃদ্রবং ইভি কাঠকং যথ অরোধীং তৎ কৃদ্রও কৃদ্রবং ইভি হারিদ্রাক্ষণ ( নিন্দ্রকালারত বিভাগ ক্রমণ করি। 'ভগু ধ্যানাক্ষণ্ড ললাটাং আকঃ শ্রমণাণা স্কুদ্রবালারত বিভাগ ভ্রমণ ক্রমণ ইভি (মহোপন ১)। অবর্কালিরগুলি,। 'লংবুগ্যান্তকালে লংক্রা বিভা ভ্রমণ ক্রমণ কিলারকং ক্রমণ ভর্তিত একো ক্রমণ ইভি ( অন শিন উ-৪)। অধ্বা কৃৎ রোক্রমণ রাণীরকং ক্রমণ ভর্তিত একো ক্রমণ ইভি ( অন শিন উ-৪)। কৃদ্রে ইত্রিটিভ ক্রমণ শিরণ প্রম্কারণং । ইভি। (ই উক্রমিংনোণ্ডে কৃদ্র জলাব্দেশ্রু। জনাবং ইতি জুখনাম। আছত ইতি আঃ জনাঃ। 'ডোক্সনালি ভুগতে' ইতি জামেই কেবলাগলি ডঃ। তৈল ক্সতে নাছাত ইতি জনাবং অধাং। , জদান্ধ উপলালে লাবঃ কান্ধীৰ বঞা। জলাবং প্ৰথম ভেবজা বজা হাল হাল উনক নামৈতং। জলাবং উদক্ষান্তং বজা শাবণেন ভেবজা ভবতি স তলাক্তঃ। তাজ গোনং আকানং দাৰ্মীয়তি। মীলালিখন্ত মীলান্বণ ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰিল আনন নিতাভাক্ত লাং উক্তং। তে কৰ্মান্তং খোলালকানাং ক্ষেত্ৰিলি ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰিল কান্ধানা ক্ষেত্ৰিল কান্ধানা ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰিল কান্ধানি ক্ষেত্ৰিল ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ মন্ত্ৰা লেবামানাং ইমাং পাঠালাং ওৰ্ণিং প্ৰতিনাদিভিন্ন ক্ষেত্ৰণ ক্ষেত্ৰ ক্

সপ্তমী।

। ।

ভক্ত প্রাণং ছং জাত বো ন ইন্দ্রাভিনাসভি।

গদি নো জাহি শাক্তিভি: প্রাণি মামুক্তরং কৃষি । ৭ ।

গদ-পাঠ:।

। ।

ভক্ত। প্রাণম। ছম। জাই। য:। ম:। ইন্দ্রা আজিহলাণভি।

। ।

আদি। ন:। জাতি। শক্তিহভি:। প্রাণি। মাম্। উৎহত্রম। জানি । গ্র

ছে ইন্দ্র থাঃ প্রতিবাদী ন: শক্ষান্ অভিদানতি উপক্ষণয়তি বুজিংভিজিবজ্ব হোতি। শক্ষ্ উপক্ষে ইতামাধ পাল্ডাং পরক্ত শশং 'ছিন্দ্রাভরণা' ইতি আর্দ্ধাতুক হাং 'পেরনিটি' ইতি শিলোপঃ। তত্ত উপক্ষপন্নিতঃ প্রাণ্ড প্রতিক্লপ্রস্থার পং বাকাং ছং অহি নাশর। তথা শক্তিভিঃ গদীলৈঃ দামবাবিলেবৈঃ না আমান অধি ক্রেছি অধিক সচনবুক্তান প্রাণ্ডবাচঃ কুকা। ক্ষান্ড আহা প্রাণ্ডবাচঃ কুকা। ক্ষান্ড আহা প্রাণ্ডবাচঃ কুকা। ক্ষান্ডবাদং প্রাণ্ডবাচঃ ক্রিকা বিলেধ বিলেধ প্রাণ্ডবাচঃ বিলেধ বিলেধ

#### ইতি পঞ্মেলুবাকে প্রথমং শৃক্তং ।

'ভূভাষেদ অরিমন' ইতি ভূজেন গোদানটোলকর্মশোর্মাভাশিতকৌ পরম্পারং পুরেং বিঃ অত্যপ্রতঃ। ভ্রধাতবৈর কর্মণি অনেন স্জেন তান্ম্বত্পিভান্ সম্পাত্য অভিময় পুরিং অধাণয়তঃ। স্ক্রিতং হি⊨ 'জুভাগেণ জরিখল্লিতি কুমারং মাতাশিতরে) ক্রিঃ এইবচ্ছেতে জুভশিভান্আংশখডঃ'ইতি (কৌ∙৭৫)। (২কা--৫অ –২৭হ—৭ম)।

## তত্ত্ব প্রথম।।

ভুভ্যমেব জরিমন্ বর্জভামরং মেমসভ্যে মৃত্যাে হিংশিরু: শভং বে।

পদ-পাঠ: ।

তুভাগ। এব। জঠিমনু। বর্জিনা আরম। মা। ইনন্। আরে।

মূভাব:। হিংশিবু:। শতম। যে।

। । মাভাহইব। পুরুষ। প্রহমনাঃ। উপহছে। মিলেঃ। এনশু।

> । মিত্রিয়াং। পাতু। অংহণঃ । ১ ॥

অরিমন্ সর্বভিঃ অভিকর্মা। অরা অভিজ্বতে স্বভিকর্মণ ইতি যাসঃ (নি ১০৮)। তথাৎ কর্মাণ উণাদিক ইমনিচ। তে ভ্রমান অয়ে তৃভামের অংপরিচরণার্থমের আরং কুমারো কর্মভাং রোগাদিরহিভঃ সন্ আভর্দ্ধো ভণ্ডু। যথা জরিমন্। জারৈণ অনিমা। কে করে তৃভাং হর্পথ অণাগমনপর্যা এং চিরকালং লয়ং বর্দ্ধাং। কিং চ। শতং শতসংব্যোপলক্ষিতা অপরিমিতা অতে স্বাভিরিজনা যে মূভাবঃ হিংসকা রক্ষণোচাদিরোগাড়াঃ লজি তে সর্বোণি ভ্রমং বালকং মা হিংসির্যুমা বিংসজ্ঞ। তথা প্রমন্য প্রমুদ্ধিতমনা মিত্রঃ এতল্নামা দেবঃ মাতের পুত্রং মাভা পুত্রমণ এনং গালকং উপত্তে উৎপত্তে নিক্টপ্রদেশে কুষা মিত্রিয়াৎ বিত্রস্থিক্রিয় অংহ্যঃ জোহ্মনিত্র পাথাৎ পাড়ুর কর্মু । (২কা – হল – ২৮ছ – ১ন) ।

# विशेषा।

মিত্র এনং বরুংণো বা রিশালা জরায়ত্যুং কুণুতাং সংবিদানৌ।

#### পদ-পাঠঃ ।

# • ভৃতীয়া।

হুমালিটের পাশুনাং পার্থিবানাং যে জাত। উত বা যে জনিতাঃ।

মেশং প্রাণে। হাণীশ্যো খপানে। খেশং শিক্তা বধিষুর্প্মে। ভাষক্রাঃ॥ ও ॥

পদ-পাঠঃ |

ছৰ। ইশিবে। শশুনাৰ্। পাৰিবানাৰ্। যে। আনতাঃ। উত। বা। বে। আনিতাঃ।

মা। ইমৰ্। প্ৰাশঃ। ভাদীং। মোইতি। অপানঃ। মা। ইমৰ্।

মিত্রাঃ। বণিষুঃ। মোইভি। অমিত্রাঃ। ৩।

न्तर्भ -- २६ ( 8 ) २१-२.७२

হে অংশ্ব হং পার্থিবানাং পৃথিবাং উৎপল্লানাং। 'পৃথিবা ্ঞাঞে' ইতাঞ প্রভায়ঃ ।

ক্রিয়াল্ আহ্নালভ্বং। পশ্নাং দিপাচতু প্রজেশালাং প্রাণিনাং। 'অবীগর্বদরেশাং কর্মণি'
ইতি বস্তী। ঈশবে অবিপতির্লি। ঈশ ঐহর্যে। 'বালঃ পে'। অবালিবাং শপো
লুক্। 'ঈলং দে' ইতি ইভাগমং। ভাদেন পশ্ন বিশিন্তি। যে জাতাঃ পূর্বাং উৎপল্লাঃ
উত্ত বা। উভলকঃ অপার্থে। অপি বা যে জান্তাঃ অমিক্সাগাং। তেবাং ইতি সম্বরঃ।

অনেবৌপালিক ইত্রপ্রভায়ঃ। অভম্বংপ্রদালাং ইমং মাণ্যকং প্রাণঃ উদ্ধিকারছো গায়ুঃ মা
হাণীং মা ভ্যাকীং। অপানঃ অধ্যকারছো বায়ুঃ যে। মৈন হাণীং। ওহাক্ ভ্যাগে।

'ম্মরমন্মাভাং, দক্ চ' ইতি লাগটো। তথা মিত্রাঃ। বিজ্বাভায়ঃ। মিত্রভূতা জনাঃ ইমং
ক্র্মারং মা বিশ্বঃ মা হিংলিমুঃ। অনিক্রাং শত্রণক্র বিদ্বাভাবাং বিচ ইট্।

অ্লোপ্স স্থানিব্রাং পতে। হ্লাদেল বাং' ইতি র্মেরপ্রপ্রালঃ। (২লা - এল - ২৮ম্ব-১)।

**ठ**ष्ट्रशे ।

स्थिति । शिंश पृष्टि माछा कताम्र्यू त्र त्र्वाः मः विभातन ।

যথা জীবা অদিতেরুপত্তে প্রাণাপানাভ্যাং গুপিতঃ শতং হিমাঃ।। ৪।।

**भ**ष-भाष्ठः ।

জোঃ। ভা। পিতা। পৃথিবী। মাতা। জরাংমৃত্যুণ। রুবুতাম্।

मर्शविषादम इंडि मम्रश्विषादम ।

যথ। জীবা:। আংবিজে:। উপংছে। আংগণপানভাষ্ ভাপতঃ। শতম্। হিয়াংগঙা

হে মাণ্যক সা সাং পিতা শিতৃভ্তো প্রৌ: ক্যুলোক: মাতা মাতৃভ্তা পৃথিবী চ শংবিদানে ,
ক্ষোধ্য ঐক্মতাং লাপলে স্বায়্ত্য দীর্ষ্য কুবুতাং ক্রুতাং। লায়্য: পার্মাণং দর্শগতি ।
আদতেঃ অধ্তনীয়ায়াঃ পৃথিবা৷ উপস্থে উৎশক্ষে প্রাণাপানাভাাং উজ্ঞালপভাাং তাপিতঃ
রাক্ষতঃ। তাপুরক্ষণে ইত্যমাৎ নিটায়াং 'ষ্ড বিভাষা' ইতি হট প্রাত্যেশে ব্যত্ত্যেন (ন)
প্রতিতে। লতং হিমাঃ লতগ্বোকান হেম্ভান্। স্মংল্রান্ইত্রিং। 'কাণাম্যনের হার্ড-

ৰংবোগে ইভি বিতীয়া। হিমশস্থ বেমজ্পর হৈ তিতিরীয়কে শ্মাস্থায়তে। শতং হিমান ইত্যাহ। শতং তা হেমজ্ঞান্ ইস্থিবিয়তি বাবৈত্ত আহে ইতি ( হৈত শংত চালাচাল)। মধা যেন প্রকারেণ হাজাবাঃ জাবেঃ। জাব প্রাধারণে ইত্যাহ লেটি আডাগ্নঃ। তথা জারামৃত্যুং কুবুতাং ইতি পুরুষ শহরঃ। (২কা—হল—২৮স্—৪ন)।

#### P'8 1

#### পদ পাঠ:

। । ইমশা অবয়া আরুবে বর্চ:শা নয়া প্রিয়ণা রেওনে বরুণা মিতাহর।জন্।

| ।
মাতাংইব। অংকো অধিতে। শর্মা যচহা বিধাে দেবা:।

चत्रदर्क्ष्टिः। यश्रीः। व्याप्तारका

ছে অংগ ইনং মাণবকং আয়ুধে লভসংনংসরজীননাথ সচচিবে ভেজবে। 'ক্রিয়াগ্রহণ্ডের কর্ত্রনাং' ইভি কর্মনং সম্প্রানানহান উভয়জ চতুর্যী। তদ্ উভয়ং নয় প্রাণয়। তে বরুণ মিত্র রাজনান। উভয়োবিশেশগং এতং। অত এব দলভয়াং আয়ায়তে। 'রাজানা নিজাবরুলা কুপানী' ইভি (ঝং সংগ্রাস্থালিকর কঃ' ঠাত কঃ। যন্ত্রাপিকর ক্ষেত্রক অভিমতং। প্রান্ত্র ক্রিয়ালিকর ক্ষেত্রক প্রত্যাধিকার কঃ' ঠাত কঃ। যন্ত্রাপি রুত্তে ইত্তপধজ্ঞান ইন্ড। তথাভূতং রেতঃ ইমং মাণ্নকংকারতঃ প্রান্তরের প্রত্যাদিন। ইন্ড। তথাভূতং রেতঃ ইমং মাণ্নকংকারতঃ। পুরানিজনানসমর্বং কুরুতং ইতার্বঃ। বে আলতে বেসাহাল্য কর্মান কর্মে মাণ্যক্ষার ক্ষেত্র ভারতঃ। তে বিকে দেশার যুয়গপি অয়ং মাণ্যকো কর্মানি প্রত্যাম্পার্মির প্রত্যানিকার ক্ষেত্র ক্ষিত্রাণ ক্ষি মাণ্যক্ষার ক্ষেত্র জানিকার ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষি মাণ্যক্ষার ক্ষেত্র ক্ষি নিমান্তর্তন লাব কর্মান ক্ষান্তর ক্ষি ক্ষেত্র ক্ষি ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষেত্র ক্ষানার্মির সাম্বিশ্বী তালি ব্যাহার ক্ষান্তরি ক্ষানার্মির ক্ষান্তরি ক্ষানান্ত্রি ক্ষানার্মির ক্ষান্তরি ক্ষানান্ত্রি ক্ষানান্ত্রিকার ক্ষান্তরি ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্তরি ক্ষানান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্তরি ক্ষানাল্য ক্ষান্তরিক ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্ত্রিক ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্রিকার ক্ষান্ত্র ক্যান্

है जि । वजी प्रकार खा शक्र राज्यात कि विशेष्ट्र राज्य राज्य

'পার্থিনা' ইতি হজেন ড্বার্ডভৈষ্ক্যকর্মণি হর্যোন্নকালে প্রোক্তপ্রকারেণ ব্যাধিতং
ভিগ্নে ম্বিভং সক্তৃদ্ধ অভিমন্ত্র পার্মের । অনেটন ব্যাপের স্থান ব্যাপির ভিল্ন আলিব লিব স্থান বিল্লা প্রাপ্তির প্রাপ্তির স্থান কর্মান ক্রেমান কর্মা

শ প্র প্রথম।

ব্যাথিব জ রংশ দেব। ভগতা ভথোত বলে।

আয়ুস্থানিয়া আগ্রিঃ সুথোঁয়া বছ্ট আ ধাদ্ রংস্পাভঃ। ১ ॥

শণ-শাঠঃ।

ব্যাথিব জ । রংশ দেবঃ। ভগতা ভগুঃ। বলে।

चाह्याम्। चंदेपा चात्रः। एयाः। वर्षः। चा। धारा द्वरूलाञः।১॥

পাৰিবক পুৰিবাদ ধ্যাজনঃ। পুৰবং পুনা। কঞ্। মধামানপজ্বাদিকক একে আরক্তি মহোগাকে ভ্যাহোগাইপুরুহেশ পাতে গাত পেবাঃ হলোতা ভগত ভলনাম আনত্ত্বাল্লে বেবল তথা শ্রীর আধ্বাদ্ধান বলে বাব্যে। যোজমুক্ত হাত লেখঃ। ভগগলুআবল্পুক্ত কুৰেল্ল ইত্যুবঃ। ভগণেবতালা অতিশান্ধতবলহত তৈ জ্যাধ্যে স্নাল্লাতং।

বেও। (ৰণানাং ওগ্ৰে ভগ্যান

७९ वा निष्ठः कञ्चलाञ्च । विद्याद।

भ्यकार ऋजर भवतर सूरीयार

গোমৰ পশ্বনৰ উপসমূলেই (তিও এ। ৩০১৮)। ইছি। ভগতেতি। তল পুৰাবাং ইভালাং 'পুৰি শংকালা বং মাধেন' হাত বং। 'ছলোঃ কুবিলাভো;' ইতি কুম্বং। ষ্যা বেবাঃ ইস্রাক্তাঃ পার্থিক ঐতিষ্থানিসকণক রসে শারাংশে উজ্তলকণে বলে চ ইমং
পুরুবং। বোজয়ন্ত ইতি বাক্যশেষ:। আগ চ কলৈ পুরুষায় কায়ি: কায়ুয়ং শতসংবংগরনক্ষণং আ যাৎ আন্ধাতু করোতু। তবা হ্যাঃ সর্বাক্ত প্রেরক আনিজাঃ রহস্পতিঃ রহভাং
মন্ত্রাণাং পালকো দেশত অলৈ বর্চঃ অনীরকাত্তিং প্রত্তাধায়নজ্ঞাং তেজশ্চ যথেরিভঙ্গ
আন্ধাতু ৪ (২কা—৫অ—২নস্—১ম) ৪

#### দ্বিভীয়া।

া । । । রায়ফোনং দ্বিভরা সুবাবৈত্ব শভং জীবাজি শরণস্তবালম্ ॥ ২ ॥

#### পদ-পাঠঃ ।

्ष ्रचाह्न्। चटेचा स्मृह्णि चाळक्टवनः। श्रद्धकाम्। चडेः। च्यत्मिक्ष्मिरस्हि। चटेचाः —

রায়ঃ। পোষম্। স্বিভঃ। আবা। ক্ক। অংলে। শতশ্। আধীবাভি।

# ं भ<u>तसः। छ</u>ा भग्नार २ ६

হে (আহনেদ:) আন্তানাং বেদিতররে অলৈ আয়ু: শতদংবংদরদ্যিতং ধেহি প্রযক্ষা।
আন্তারুবো দাত্বং 'আয়ুর্দা। অয়ে' (২০০০) ইত্যাদিয়ন্ত্রং। তলা হে ছইঃ অলৈ
প্রজারুবো দাত্বং 'আয়ুর্দা। অয়ে' (২০০০) ইত্যাদিয়রিদয়ং। তলা হে ছইঃ অলৈ
প্রজান প্রকরোতি ভাবছো নৈ তৎ প্রজানতে'(তৈ৽ সং৽ ১৮৫৯০ ইত্যাদিয়েছে) ছইঃ
প্রজানাং বহুণোৎশাদকভাং প্রসিদ্ধ। তলা হে দবিতঃ দর্বান্ত প্রেরক দেব অলৈ
স্বাধিলক্ষণত পোবং পুষ্টিং সমৃদ্ধিং আ ক্রম অভিমুশং প্রেরয়। বৃ প্রেরপ। তৌলাদিজঃ।
য়ায়ঃ। 'ভাতদশ্ভ' ইত্যাদিনা বিভাজেরদাভারং। 'য়য়াঃ পতিপুরুল্রলারপদপরশোবেরু'
ইতি বিদ্রজানীয়ত প্রং। দবিভুর্জারদাভারং। হে অয়ানি দাভাবে অ্বাতি দবিভা ভগঃ
(গাও ৫৮২৩) ইত্যাদিয়াতিয়নিয়া। হে অয়ানিদেবাঃ তব। প্রভোকাশেকয়া
একবচনং। ব্রদ্মকুর্হাতঃ দন্ (অয়ং) শতং লরদঃ জাবাতি জীবভু। জীব প্রাণ্ণারদ্ধে।
বিদ্বিদ্বালায়ায়ার (২কা—২ল ২৯ত—২৭)।

, Est

### क्रिक्ट्रियाः ।

জয়ং ক্লেত্রাণি শহনায়নিজ্ঞ কুথানো অভানধনাত গণতান্ত ৷

भक्ष-भार्तः।

। भारनीहः सहा छेळ्ल्या छेठ्। त्नीशकाध्यक्त्या एकम्।

> । ধক্ষম । জাংগ্যু। সংচেত্রে।

ा । व्यक्षम्। इक्क्काला महना। अन्नग्ना हेटरा कृषानः।

> । অকান্। অধ্রান্। সহপজ্ননুঃ৩॥

. চতুৰ্থী।

। । । ইচ্ছেণ দভো বরুণেন শিক্টো মকু ছক্তক্তা: প্রহিতো ম শাগন্।

্ৰাৰ বাং ভাষাপৃথিকী উপক্তে মা ক্ষুণ্মা ভ্ৰহ ॥ ॥

পদ-পাঠঃ ঃ

हेर्स्यन । क्छः । नक्ष्रनम । चिष्टेः । मङ्ग्रह्णिः । छेथः । छ्येर्श्टा मः । च्याः च्यान् ।

্তৃষ্ণাগৃহীত: পুরুষ: হস্তেশ বেশেদ দত: লক্ষণানা:। 'দো দং বো: ইতি দত্তাবা:।
বরুণেন আরম্ভনিবারকেশ বেশেন শিটা অনুজ্ঞাত: 'শাল হলত্হলোঃ' ইত্যপধারা
ইবং। 'শালিধালঘণীনাং চ' ইতি ঘলং। মক্রান্ত: মক্রণাণৈ: উল্লঃ উদ্পূর্ণ কর্মাল লক্ষাল নিউ। (নঃ) অসাল আগন আগনং। গ্যেশ্র্ত
'মন্ত্রে ঘণণ' ইতি চেলুক্ল। 'মো নো ধাতোঃ' ইতি শং। এবং আগত এবা ভাগাল্পাথবা হৈ ভাগাপ্যিবো বাং মুনরোক্রশন্তে উৎলক্ষে বর্জনানো মা ক্র্যং ক্র্পীড়াং মা
আপাং। মা ত্বং ত্বাবিং মা গমং। ক্র্য বৃত্কারাং ক্রিত্ব শিশালারাং। উত্রোশ্রাতি ক্রি পুরালিবাং অভ্ন (২কা- ক্রে- ২৯ স্ক্রম)।

**मक्ष**भौ।

উৰ্জ্ঞনসা উৰ্জ্জস্বতী গতং পৰে। শংসা পায়স্বতী গতম্।

উर्জ्जभटेख कावाशृथिकी व्यथालार निर्देश तिवा मक्क छर्ज्जभाभः॥ । ।

শদ শাঠঃ।

উर्व्यरः। चटेचा উर्व्यक्षको हाउ । यस्था शहरा नटेचा शहरको होउटा सस्य।

উर्ज्यम्। भटेमः। प्रावाण्यित्। इति । भ्याकारः। विष्यः। प्रकारः। यक्नकः উर्ज्यम्। भागः॥ ८॥

উর্জ্বতী হৈ উর্জ্বতা বলগতো আবাপ্থিবো। উর্জ্ব বলপ্রাণনপ্নোঃ ইতাসাং আপুন্। 'তলো মন্বর্থে' ইতি ভন্নং ক্রমভাবঃ। অসৈ তৃবিভার উর্জ্জং বলং বলকরং আরং বা বজং প্রস্কৃত্য। তথা পরস্বতা হৈ পরস্বতো আমৈ পরা উদ্ধৃতং বজং। প্রাণিতং ক্ষণং লাজং ইভি দল্লা রোগনিয়ন্তরে লিঙ্কাং আরুবলান্ত উর্জ্জং ইভার্কচেন। আবাপ্থিবী উক্তলক্ষণে তে আবাপ্থিবো) অসৈ উর্জ্জং প্রার্থিতং অরং বলং বা অধাভাং দত্তবতো।।
তথা বিশ্বে দেশাং সক্ষতঃ আবাং অক্রোতান্চ উর্জ্জং। অধুঃ ইতি ব্রম্বিপরিণানের সম্বর্ধঃ। (২০। - ব্যা – ২২০ – ২২০ – ১)।

তে ত্বার্জ তে তন জনরং নীরণং শিবাভিঃ সুথকরী ভিরন্তি প্রথিম। 'যুম্বন্ত তকু: আরণং'
ইতি ভিলো বিশ্বন্ধনীয় প্রবং। অনন্তরং বং আনমীন। ত্বারোগ্রহিতঃ স্থার্চাঃ শোভনতেআর্জ্রং শন মোদিখার্চাঃ মোলস্থা। মূদ হর্ষে ইতা সাল্। আশিবি লিঙ্। অনমীর ইতি।
বছরীকৌ 'নক্র্মন্তাং' ইতি উত্তরপদান্তোলাতবং। সুমর্কা ইতি। বছরীকৌ 'লোর্মনী
অলোমোম্বনী' ইত্যান্তরপদান্তালাতবং। শবালিনো শমানং একং নন্তং বলানো লমানং একত্র
মৃদ্রো বা। বল আহ্বান্থনে ইত্যান্থিবল নিবানে ইত্যান্থ বা শমানশ্বোপপদান্থ তৈতে
ইতি গিনিপ্রভারঃ। তত্র স্বত্রে ব্রভশক্ষেন শান্তীয়ো নির্ম উল্জঃ। 'লমানক ছল্পনিং'
ইত্যানিনা সমানশ্বক শভাবঃ। ব্যাবিভাব্যানিকৌ তৌ অধিমোঃ দেশভিবলো রূপং মান্তাং
মাধ্যমন্ত্রং পরিধান্ধ প্রথা এবং মহুং পিরতাং পীতং কুকুভাং। মন্তাপ শক্ত্রুকং বিশলাক্ষা
প্রাম্বা মাধ্যমে মহু উচ্চতে তথালি অন্ত স্বত্রে বিশেষবিধানান্থ বৈত্রেশ চমলে বৈত্রসং
শল্পাক্ষাভায়ং মাধ্যং গুরু সংখ্যাক্ষা বিধান্ধর । (২কাল-শল্প-২ন্স্ল-৬ম) ম

## मुख्यो।

ইন্দ্র এতাং সমূলে বিদ্ধো স্বান্ত জ্ঞাং স্থানজয়াং সা ত এয়া।

ত্যা হং জীব শরদঃ হৃৰচ্চ। মা ত আ হংস্রোদ্ভিষ্ণত্তে অক্রন্। १॥

**भष-भार्ठः** ।

্,। ইন্তঃ। এতাম্। কফ্জো বিদ্ধঃ। জগ্ঞে। উৰ্জন্ম, স্বৰ্ণং। অংজরাম্। লা। তে। এবা।

ভয়া খণা জীব। শর্দঃ। হছেবর্চাঃ। মা। ভো জা।

পুলোং। ভিষ্দা। তে। অক্রন্। १।

শথে পুরা বিদ্ধা ব্রালি মুরেলাড়িত ইক্সা ভ্যার্ডা লন্ ভরিবৃত্তরে উর্জ্বং বলকরীং মধাং। অর্নানৈতং। অর্বংপৃষ্টিকরীং অলবাং জ্রায়া নিবর্ত্তরিই এতাং মন্তলক্ষণাং উর্জ্বং লস্পে স্টবান্। হে ব্যাধিত তে ভ্জাং (লা) এবা দীয়মানা। লেবক্বলক্র্যান্তল-ভ্লার্ডালেনার ভ্জালাল্যালালেনা। বিদ্ধু ইতি। ব্যাধ তাজুনে ইত্যাল্ নির্দ্ধাং 'গ্রাহলা। 'ইত্যালিনা লম্প্রারণালেনা। হিল্পি ইতি। উর্জ্ব বলপ্রাণনয়োঃ। অম্বাল্ লির্চারাং 'গ্রাহলা। 'ইত্যালিনা লম্প্রারণ। উর্জ্বং ইতি। উর্জ্ব বলপ্রাণনয়োঃ। অম্বাল্ ভাবে কিণ্। উর্ল্ব বলং ভ্রন্থ করেলাভীতি লিচি 'বিন্তোর্ত্র'। ভতঃ কর্ত্তরি কিণ্। যুঘা উর্জ্ঞাতে প্রাণ্ডে অনুয়োত অনুয়োত অনুয়োত লগুলালের বা করণে কিণ্। স্বংধিত। স্বেভ্যা বীয়তে মাজুন্ব বা বীয়ত ইতি স্বা। 'বঞ্ধে ক্রিধানং' ইতি কঃ। সং আল্পানং ভোক্ত্লারীরং দগতি প্রভাতীতি বা স্বা। 'আতেল্পেলগে কঃ'। ভ্রা উর্জ্জা মুবর্চাং লন্মং লর্মান শতনংখাকা জীব। গীতো মন্ত্রে তব শরীরাং মা আ স্ব্রোৎ প্রচ্যাতো মা ভ্রা দ্বালিকং করোভূ ইত্যুর্থঃ। ভিষ্ণঃ আলিবৈল্যান্তে তব অক্রন্ ইন্থ ভৈষ্ণাং আকার্। ক্রোভ্রানালকং করোভূ ইত্যুর্থঃ। ভিষ্ণঃ আলিবিল্যান্তে তব অক্রন্ ইন্থ ভিষ্ণাং আকার্। ক্রোভ্রানালকং করোভূ ইত্যুর্থঃ। ভ্রান্দাং শণঃ মুঃ। অক্রন্। ক্রোভেঃ নিম্নে হ্লান ইতি চ্রুর্ক্ন।

# ইভি পঞ্মেমুবাকে ভৃতীয়ং স্কুং।

'যথেলং ভূম্যাং' ইতি স্জেন জাবনী করণকর্মণি রুক্ষক্শরণগুতগরাঞ্জনকুষ্ঠা দিজবার্ণি পেষ্ট্রিরা আজ্যান আলোড়া জিল্লা আলং অন্থলিন্দেশং। 'যথেলং ভূম্যাং আদি (২৩০) যথা বক্ষং (৬৮)' ইতি প্রক্রমা শ্বিতেং। 'লংস্পৃইরোক্স্লিপুর্রোল শক্লাবন্তরেরুতগরা-স্পন্ত (মত্বরেল্মধিত)ভূলং আজ্যান সনীয় সংস্পৃতি' ইতি (কৌ ৪.১১) । १॥

#### ভত্ত প্রথমা।

যথেদং ভূম্যা ভাধি তৃণং বাতো মথায়ভি।

ভাবা নখুমি তে মনোযথা মাং কামিলুদো যথা মলাপগা অসঃ॥ ১ ॥

ভ্যাং পুলিবাং। অদি: উপর্যার্জঃ। ভ্যা উপরি ইবং পরিবৃত্তামানং ত্বং বাতঃ বাতালেজণো বায়ু যথা যেন প্রভাবেশ মণায়তি মণ্যতি অনুসন্তিং করা ভাষরতি। 'ছম্পদি শার্জণি' ইতার 'শার্চ, ছম্পদি ইবির' ইতি বচনাদ্ অহুবণি শার্জাদেশঃ। শার্চদির্যাদ্ অন্তোপতরং। 'যান্ত্রণাভ্যাং' ইতি নিঘাতপ্রতিষ্কে:। হে ব্লি এব এবং তে মনঃ মণ্যাম আলোড্যামি। যানা যেন প্রকারেশ মাং কাম্মানং কাম্মিনী কাজ্জিক্সন্তী অসঃ ভবে:। যাণা যেন প্রকারেশ মং মতঃ সকাশাদ্ অশুগাং অশুস্তা অক্সরা নাসঃ ন ভবে:। যাণা যেন প্রকারেশ মং মতঃ সকাশাদ্ অশুগাং অশুস্তা অক্সরা নাসঃ ন ভবে:। তথা মথ্যমীতি পুর্বর সম্বন্ধঃ। কাম্মিনীতি। কমেণিড্ডাদ্ ঔণাদিক ইনিপ্রভারঃ। তথা ভবিত্তি স্মাদ্রঃ' ইতি ভবিত্তদর্বহং। ততে। ভীপ্। 'আক্রেনার্ডাগিয়াধ্যমণিয়াঃ' ইতি কর্মণি যন্তীপ্রতিষ্কাঃ। তত্মাদ্ মাং ইতি বিতীয়া। অশুগা ইতি। 'অনুদ্রাক্রমণ্যাে বিট্' ইতি গ্যেক্সিট্ প্রভারঃ। 'বিভ্নোর্ম্বণ নাণিক্সাং' ইতি জারং॥ (২কা—৫অ—০০ক্স—১ম)॥

বিভীগা।

সং চেল্লখাণো ভাশ্বিনা কামিনা সং চ ৰক্ষথ:।
- - -

। সং বাং ভগানো ভাষাত সং চিভানি সমু ব্ৰভা॥ ২ ॥

#### भप-भा**र्ड**ः ।

শ্বিনা হে অখিনো কামনাগিদগুড়ুহং প্রিরং। ইং ইতারধারণে। দং ন্মাথং মং-দ্রীপং প্রাণয়ন্তং। নয়তেলে টি আডাগমং। 'চবায়োগে প্রথম।' ইতি প্রথমা তিঙ্বিভজিন্দি নিহন্ততে। আনীর চ কামিনা মায়া দং বক্ষরং সংযোজয়তং। বহেলেটি অডাগমং। 'গিকাছলং' ইতি পিশ্। পরস্পারসমূচরার্থে চকারে। বাং যুবরোর্ভসাসং ভগাং ভাগানি। 'আজ্ঞাসেনস্থক্'। সং লগ্যত সঙ্গছে যাং ৷ ময়েতি শেষং। 'দমো গম্ছিন্ধি ইত্যাত্মনেপদং। ছাল্পে কুঙি চেলুক্। 'গ্যহন 'ইত্যাপ্রাণালাণঃ। তথা চিত্তানি জ্ঞানানি। দমগতেত্য-স্বলং। এবং এতা প্রতানি। কর্মান্থিতং। উল্কং অণ্যর্থে। বিবিধানি কর্মাণাণিশ্বস্থগ্তেতি স্বদ্ধঃ। (২কা—ত্ত্—২০ত্—২০)।

তৃতীয়া।

যং স্পর্গা বিবক্সবা অনুমীবা বিবক্ষবা।

যং স্পর্গা বিবক্ষবা অনুমীবা বিবক্ষবা।

ভব্র মে গচছত দ্বিং শালা ইব কুল্মলং মুগা॥ ৩০॥

পদ-পাঠা।

যং। স্কুগ্রীয়ে বিক্ষবা। অনুমীবাং। বিক্ষবা।

ভব্র। মে। গছতাং। হ্রশ্। শ্রাহেইব। কুল্মল্য। যুগা। ৩০॥

স্পূৰ্ণা: শোভনপকাঃ পারাবভাদয়ঃ পকিণঃ যৎ জীবিবয়ং বাকাং বিকাশ বস্তুক্ত ইচ্ছবো ভবান্ত ভাননীবাঃ লবোগিলে। দৃপ্তাঃ কামিজনাশ্চ যৎ বিবক্ষবো ভবন্তি ভক্ত বিবরে। ক্রিমাণং মে মম স্থান্ধনং হবং আহ্বানং কুল্লাং যথা কুৎনিভমলোপেভং মুকুলং শনীরা-ব্রুবিশেষ্মিণ দা কামিনী শলাঃ বাণ ইব গছতাং প্রপ্রোভূ । মন্বান্ধঃ শ্রুবা মৎপরবর্শাঃ ভব্তু ইতার্থঃ। বিক্রবঃ ক্রিঃ বুলি উপ্লারঃ। 'দ্ধ

লোকাবায়নিষ্ঠা॰' ইতি ষঠাপ্রতিষেধে যৎ ইতি বিতীয়া। স্থাণাঃ অননীবা ইত্যুত্রত শন্ত্রুভাগে ইত্যুত্রণদাক্তোবাত্ত্বং। যথেতি পাদাক্তে (ফি॰ ৪,১৭) ইতি যথাশক্ষো নিহস্তে ॥ (২কা-৫অ,-৩০ফ্-৩ম)॥

চতুৰী।

বদস্তবং তং বাহ্যং যদ বাহাং তদস্তবমু।

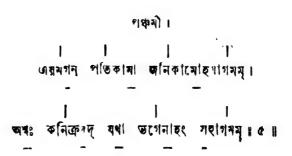
কাক্যানিং বিশ্বরূপাণাং মনে। গৃভায়ৌদংশা ৪ ॥

পদ-পাঠ:।

বং৷ অত্বেম্। তং৷ বাহ্য্য যং! বাহ্ম্য তং৷ অত্বেম্।

ক্ষ্মানিম্য বিশ্বরূপাণাম্য মন্যা গৃভায়। ওমণে ৪ ॥

যং আর্থনিতং অন্তরং অভ্যন্তরং মনঃ বিষয়ীকরে।তি তাদেব বাহাং বৃতিষ্ঠং বাংথিববো ভবতি। সং বাহাং উজেলকাণং চাতং এব অন্তরং মানদং ভবতি। অনেন বাজ্যনদ্ধাঃ পরস্পরং নিদংবাদো নিরন্তঃ। বাহাং ইতি। 'বহিষ্টিলোণো যঞ্ চ' ইতি যঞ্ প্রভার লোপ-চ। এবং নির্দ্ধ বৈশিরপাণাং অন্যত্সস্পূর্ণাবয়বানাং কঞানাং অভ্তপুর্বাণাং মনঃ হে ওবংধ তৃণাদিরপে গুভার গুহাণ। অদম্বোণনেন তাং মদমুরক্ত চিতাং কুর্বিহার্গঃ। ক্যানাং ইতি। তিলাদিকামের্টাকার্ম্বাধাসকলারাজস্মমুম্বাণাং অন্য (ফি ৪৮) ইতি অভ্যারিভন্ত। গুভার। গ্রেগেলি 'ছল্লি শার্জাণ' ইতি গাং শার্জাদেশঃ। বৈত্তে ভিন্তি 'ছল্লি শার্জাণ' ইতি গাং শার্জাদেশঃ।



#### 어무-어(장: 1

। আনা ইয়ন্। অগন্। পঠিংকামা। জনিংকামঃ। জুহ্ম্। আন্। অগমস্।

ইরং কামামানা ত্রী পতিকামা পতিং ভর্তারং অভিনয়ন্ত্রী আগন্মংল্মীপং আগমং। গমেলুঙি তিলি চেলুকি 'মো নো ধাতোঃ' ইতি নন্ধ। পতিকামেতি। 'মীলিকামি-ভক্ষাচিরিভো৷ ণঃ' ইতি পপ্রতায়ান্তনাং ভীপ্ন ভবতি। অহমপি জনিকামঃ অনির্জায়া তাং কামন্মানঃ সন্ আগমং ভাং প্রাপ্তবান অস্মি। কিং চ কনিক্রেণং ভূপং ছেবাশক্ষং কুর্মন্ অবঃ যথা রড়বয়া সক্ষত্তে তথা অবং তগেন সহ আগমং। কমিক্রেণং ইতি। ক্রেক্রোইনানার্থাং 'দাণ্ডি•' ইত্যাদিস্ত্রে ইতিশক্স প্রকার্বাচিমাং কনিক্রেণছেনোপি শত্তে। নিশ্তিতা জুইবাঃ । (২কা – ৫অ – ৩০ স্ – ০০ ম্

#### हेकि भक्षरमञ्जातक हजूर्वर श्वार

'ইক্সন্থ যা মহী' ইতি ক্জেন শ্বীবগ্রনিবিধক্রিমিরোগেবু তচ্ছান্তরে মুত্রিশ্রান্
কুল্ডাবান জুল্যাং। তথা গোবালগেন্টিতং শরকাণ্ডং লাজত শ্রো প্রতাণা আদ্ধাং।
এবমেব রখ্যাপাংকং ল্বাহতেনাদার দক্ষিণহন্তেন লংমূজ্য দক্ষিণামুখঃ এতং ক্জেং
জ্পন্ ব্যাধিতভোগেরি কিরতি। তবৈধ এতং ক্জেং জ্পন্ ব্যাধিতো হন্তাভ্যাং পাংকুং
মর্দ্রেং। তথা অনেন ক্জেন পলাশোত্সবাত্তাঃ দমিধ আদ্ধাং। তং উজেং কৌশিকেন।
'ইক্সে যা মহীতি খ্রাজান, অন্তুহননান্ ঘ্রমিশ্রান জ্লোতি। বালান্ অনিতকান্ডে
লব্যং পরিবেন্তা দ্জিনাত প্রতণ্তাদ্ধাতি দ্বোন দ্কিশামুখঃ পাংকুং উপমণ্ড পরিকির্ভি
লংমূক্রাত্যাদ্ধাতি' ইতি (কে) ৪০০)।

ভক্ত প্রথমা।

। । ইপ্রক্রে যা মহী দৃদং ক্রিমেবিশিশু ভর্হণী।

। । ' ভয়। পিনিমি সং ক্রিণীন্ দৃষদ। খরুঁ। ইব ॥১॥ —

#### পদ-পাঠঃ।

। । । ভয়া। পিনয়ি। লম্। ক্রিমীন্। দুবৰা। খআন্হইব । ১॥ ————

ইপ্রক্ত দেশত প্রত্মনী যা মহী মহতী। অভ্নেলোপ-ছানদাং। দ্বং শিলান্তি। ভাষে বিশিন্তি। বিশ্বত পর্যক্ত ক্রিমেন্তর্গী হল্লী। ত্রেরিংনার্গাং করণে লাট্। ভীপ্। ভলা উক্ত প্রভাবদা ক্রিমীন্ শরীরাত্তর্গতান দর্জান ক্রেমজ্ব লং পিনলি সঞ্পরামি। পিব্লু লঞ্পনে। ক্রণালিভাং গ্রং। তত্ত দৃষ্টান্তঃ। দ্বলা পেবণ্যা থ্যান্ চণ্কানিব॥ (২কা-৩০-১ম)।

# দিতীয়া। । । । ভৃত্তমদৃশীমত্তম্থো কুরাক্সমত্ত্য্। - - - - - - - - ।

।

• সর্ভূন্ত শ্ব্যান্ছলুনান্ ক্রিণীন্ বচণা জন্তয়ামিদি। ২ ।।

- - - - -

# পদ-পাঠঃ।

। । দুটব্। অফুটম্। অভ্যম্। অধো ইতি। কুরক্ষ্। অভ্যম্। - ----

। । । । । আংক্ষা শ্কান্। অপুনান্। কিমীন্। বচণা। জভরাষসি।২। -

দৃষ্টং চক্ষুর্গোচরং শেল্প্টং তনগোচরং অন্তরবিহাতং ক্রিমিজাতং অত্বং তৃণেক্সি ছিলিনা ছিলিনা ছিলিনা ক্রিমিকালা ক্রিমিকালার ক্রিমিকালা

# े जुकीश।।

জন্ধ শেণিত মাংস্থকান জন্ম মহতা প্রত্তেন বংশন হননদাধনেন মন্ত্রেষধাদিনা ছিনা। বংশনেতি। 'হনশ্চ বধা' ইতি করণে অশু বধানেশণ্চ। অলোপে উনাত নিব্তিবরেশ আন্তর্যালাত হব। তে চ দুনাং মহকুতৌবদাদিনা পরিতপ্তাং অদুনাং অপরিতপ্তাশ্চ বে দক্তি তে দক্ষে অরলাং শুফা নিজ্যান অভুবন। দুনা ইতি। টুত্ উপতাপে। তুলানিঠা। 'হয়োদীর্ঘণ্ড' ইতি দীর্ঘোনিঠানতং চ। দুঙ্ পরিতাপে ইতামাদেব বা। 'বাদম ওদিতং' ইতি ওদিবাতি দেশাদ্ 'ওদিত শুই তি নিঠানহব। তথা শিহান। কান। অশিহান প্রাণ্ড অহতান ক্রিমিবিশেষান বাচা মন্ত্রেণ নি তিরামি নিহন্মি। নিপ্রতিরতি বিংলনে। যথা যেন প্রকারেণ ক্রিমীণাং নানাবিদানাং সধাে কশ্চিদিন নিকঃ উল্ডিবাতৈ নৈবাজিকাং। তথা নি তিরামীতি দমন্ধা। নিক্রেরিত নিবাজিকাং। তথা নি তিরামীতি দমনাং। নিক্রেরিত নিবাজিকাং। তথা নি তিরামীতি শ্বামীত শ্বামান বিভাগে । তিরেবে ক্রেড 'বৈতোজ্বাং উৎপ্রাণ্ড লেটি আডাগ্যাং। বাতারেন আল্বনেপদং। টেরেবে ক্রেড 'বৈতোজ্বাং' ইতি ঐশ্বং। ছান্দাণো বিক্রণ্ড লুকুও (২কা–৫অ–৩১্স–৩ম)।

চতুৰী।
। । ।

অবান্তাং শীৰ্ষণ্য সংখা পাঙে গ্ৰং কিনীন।
।

অবক্ষৰং ব্যধ্বনং ক্ৰিমীন্ বচনা অভ্যামিনি । ও ॥



#### পদ-পাঠ:। ँ

ं | আংকংবন্ বিহ্অংধবরশু। ক্রিমীন্। বচণা। অভেয়ামসি।ॐ।।

শারীর সরণাচে' ইতি হার । 'যে চ তদ্ধিতে' ইতি শিরণেক্ত শীর্ষন্ আলেশঃ। 'যে চাভাসকর্মণাঃ' ইতি প্রকৃতিভাবঃ। 'তিৎ স্বরিতঃ' ইতুাভরত্রঃ স্বরিত্তাং। অধা অপি চ পাকেগারং পাকি তবং ক্রিমিং। শরীবাসরস্বাচিনঃ পাকি লকাং বাতারেন চঞ্ছা এতান্ উজ্ঞান ক্রিমীন্। স্বজ্বামণী হাস্তরক সম্বর্ধঃ। অস্বরং অবাগ্র্মমন্তাবং। অস্কর্ম প্রিয়েশ বর্ধানং ইতার্ধঃ। স্কু আপ্রবণে। অস্বাং অবস্থিং পচালাচ। বাধ্বরং বিবিদ্যার্গেশিতং। নানাধারাণি ক্রমা তত্ত্ব সক্ষরং ইতার্ধঃ। বিবিধোধবা বাধবং। 'উপদর্গাৎ অধ্বনঃ' ইতাচ্ প্রভাবঃ সমালান্তঃ। বো স্বর্গিয়ঃ। যথা ধ্বরো হিংলা। বিবিশ্রেরিধালিভির্শি ন বিস্তুতে ধ্বরো য়ন্ত ল তথোজেঃ। এবং নানাজাতীয়ান্ দর্বান্ ক্রিমীন্ ব্রুগা মন্ত্রেণ ভ্রমানি অস্তর্মান্ (২কা—২জ—৩২ — ৩২ — ৩২ — ৩২ ।

#### शक्षमी।

'। । । যে ক্রিয়ঃ পর্বতের বনেয়োদধীর পশুষ্প্স১ন্তঃ।

্ব অস্মাকং ভয়নি।বিবিশুঃ সর্কাং ভদ্ধমি জনিম জিনীণাম্॥ ১।।

পদ-পাঠঃ।

। । । । যে। ক্রিগয়:। পশতেরু। বনেগু। ওপণীরু। পশুরু। অংপ**্র**হ**। অভঃ।** 

্ষে। আলোক্ষ্। ত্রুপ্ আংহবিবিশ্বঃ। স্ক্রি। তং চিল্ল।

। জনিম। ক্রিমীণাস্থ ৫।

डेलि विशेषकारिक शक्करमञ्जाहक शक्कमा शक्कर । डेलि शक्कामांकृतांक: ब

বৈঠে প্রবাদে পশা সন্তানি। তার 'উল্লানিডাঃ' উতি প্রথম সজেন পোরি মিলৈ বিশানি কর্মানি লক্ষাব্রে ধ্রেনি কিনিয় বর্ষ মং দেই জ্ঞাড় বেই। তাগা অনেন স্জেন সালাক ছাত্ৰ লক লোগানিকং প্রতিভাতি প্রকারে কর্মানি ক্র্যানি স্ক্রিল ভি দুর্ভানি বিশান্ত আনানিত। স্কর্মানি ক্রাতি দুর্ভানি স্ক্রিল ছাত্র স্থানি চি প্রতিভানি ক্রাতি দুর্ভানি স্ক্রিল ছাত্র মধ্যনিত চি প্রতিভানি ক্রাতি স্ক্রিল ছাত্র মধ্যনিত প্রতিভানি ক্রাতি বিশ্বাক বিশ্বাক কর্মানি ক্রাতি বিশ্বাক বিশ্বা

জ্ঞ প্রথম:।

।

।

উদ্ধালিতা: ক্রিমীন্ হস্ত নিম্রে'চন্ হস্ত রশ্মিকিঃ।

ং

যে সাক্ষঃ ক্রিমায়ে গ্রিমার

পদ-পা

ইংচরন্। আদিকা:। ক্রিমান। হস্ত। নিংয়োচন্। হস্তা রশিহিকিঃ।

যে আস্তঃ। ক্রিমান। স্বানিংয়াচন্। হস্তা রশিহিকিঃ।

যে অস্তঃ। ক্রিমান। স্বানিংয়াচন্। স্বানিংকিঃ।

আদি তাঃ উল্লেখ প্রাপ্তান বশিভিস্থাপিনশীলৈঃ স্থালির দৈঃ ক্রিমীন তন্তু বিষয়।
নিয়েচন স্থান্ত গল্পেন্ত বংশালিং ক্রিমীন তন্তু। বেশিভিরিভি। স্থান রশাচ (উ-৪।৪৬)
ইভি মিপ্রভায়ে রশাদেশক। ক্রেডান ক্রিমীন উভি ভ্রেড। বে ক্রেময়ং পণি ।
ক্রেডান্ ক্রেডান্ ক্রেমীন ইভি প্রাপ্তানেক বর্চন। গোলবীরের স্থাং মধ্যে লবি। ভান ক্রিমীন ইভি প্রাপ্তান ক্রেমীন ইভি প্রাপ্তান ক্রেমীন ইভি প্রাপ্তান

পদ-পাঠ: ।

। । ।
বিশ্বহরূপণ। চতুঃহত্মক্ষণ। ক্রিমিণ। লারজন্য অর্জুনৰ।
- - - ।
শ্লিমি। অভা পৃষ্টাঃ। অপি। বুণ্চামি। যথা শিরঃ ইং

বিশ্বর পং নানাকারং চতুরক্ষং চতুনে ত্রং। 'বছত্রীছো দক্ষাকোঃ আজাৎ বচ্' ইতি বৃচ্ দ্যালান্তঃ। সাংসং শ্বলবর্ণ অর্জ্নং গুলু বর্ণং এবং অনেকালারং ক্রিমিং স্থামি হরি। শু বিংলারাং। 'প্রাণীনাং হুলঃ'। অত্য উক্তেলকণ্ড ক্রিমেং সৃষ্ঠীঃ পার্থবিশ্ববান্ধি বচ্ছিরঃ শিরীরান্ত্র্যতিমাংলাদিভক্ষকং প্রাণানং অসং তদ্ধি রুশ্চামি ছিন্ত্রি॥

তভীয়া।

অলিক্ব: জিময়ে। হিন্ম কথ্ৰজ্জগদিয়িৰ্থ।

ি অগ্যস্ত ভ্ৰেক্ষণ। দং পিনস্মাহং ক্ৰিমীন্। ৩।

পদ-পাঠঃ।

चित्रहरू । यः। किमसः। इस्ति। कस्टरः। चन्नपतिहरूरः।

আগভাত একণা সম্। পিনছি। অভম্। ক্রিমীন্।৩॥

তে ক্রিময়ঃ বঃ গৃত্মান্ অ ত্রিবং কর বং অমন রিবং। স্ক্রিক প্রথমার্থে বিভঃ । তে যথী
মত্মসামধী থে ক্রিমীন নিত্রতি এবং অহং অপি হান্ম। তথা অগভ্যাত মহর্বের ক্রিণা মত্তেশ
অংশ ক্রিমীন স্ক্রিন্দং শিন্তি পুনক ভবো বধা ভবতি তথা নাশলামি। এতে বাং ক্রিমিন্
নিবারক অং শ্রুতাত প্রেলিকং। 'আ এণা ভা ক্রিমে হিন্দিক্রেন্ড অমন রিবাব লোর্জ ক্রিশী
বৃত্যু ইতি। (২ ক্রা — শ্রু — ১২ ত – ১ম)।

**ठडू**थीं ।

काला जाला कियोगामूरेटनाः ऋशिक्ष्ठः।

ি । । ২তে। হত্যাতা ক্রিহিং-আভা হভস্পান্ত ॥.

भन-भार्ठः ।

। হভঃ। রাজা। ক্রিমীণাম্। উত্তা এবামা ত্থতিঃ। হতঃ।

হভঃ। হভংমাতা। ক্ৰিমিঃ। হভংকাতা। হতংকা। ৪॥

ক্রিমীণাং রাজা চতঃ আদং প্রযুক্তমন্ত্রৌবণালিনা নই:। উত আপু চ এবাং ক্রিমীণাংস্থণতিঃ লচিবো (চড়ঃ)। এবং চতুমাতা নইনাড্কঃ চতুজান্তা চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ চতুজান্তাঃ নরবণেবং
নইং ইতার্গঃ। চতুমাতে ভ্যাদির্ 'নলাভণ্ড' ইতি নিতাং গ্রাপ্তণা কপঃ 'ঝতশহন্দেশি' ইতিঃ
প্রতিবেশঃ । (২কা—৬ল – ৩২স্—৪ম)।

नक्षेत्री।

ছঙাবো অবজ্ঞ বেশ্লেষ হতায়ঃ প্রিবেশ্যঃ।

মধে। বে ক্ষুক্লক। ইণ সংবৰ্ধ ডে ক্রিমধ্যে। হড়াঃ। ৫।।

পদ-পাঠঃ 🛭

হতাবং। অবস্থা বেশবং। হতাবং। পরিহবেশবং। ॰

শুলাইন্ড। বে। কুইকাইর্ণ। গর্মেন। তেন ক্রিমরঃ। বভাগেরেন

আছে ক্রিমিকুশন্ত বেশনঃ নিবেশনস্থানানি মুখাগৃহা হতাশঃ হতাঃ। এবং পরিবেশনঃ পরিতঃ ছিতাং দমীগগৃহানত হতালঃ হতাঃ। বেশনঃ। বিশতেধিকরণে ঔশানিকঃ আনি-ক্রেভারং। পাথে অশি চ যে ক্ষুল্লকা ইব বীভাবস্থাঃ শুক্তরণা ত্লাক্ষ্যাঃ ক্রিময়ঃ দত্তি ক্রেদ্যাগালিকাঃ॥ (২০৮-৮৭ - ৩২পু - ৫২)।

স্তী।

বি তে শ্বামি শ্লে যাভ্যাং তিত্নায়াব।

ভিনালা তে কুষ্স্ত গল্পে বিষধানঃ । ৩ ॥

গান-গাঠঃ।

আনা তে। শ্বামি । শ্লে ইতি । যাত্যাম । বিহতুলাবসি।

ভিনালি । তে। বৃধিতা । বাং তে বিসংধানঃ । ৬ ।

খে জিনে তে খদীরে শুলে বিষাণে প্র শৃণামি প্রশিনাল যাজাং শৃলাভাং বিভ্লাবুদি খিলেখেণ জুল'ল বাধালে। তে উবি সমস্ত:। তুল বাধানে হত্যাথে পারপ্র শভাংশ নাডায়েন আন্ধলালেল:। তে তেব বুক্তাং অব্যাববিলেখা ভিনাল বিশার্থাম। তমেবাব্যুবং বিশিন্তি। তে তেব স্থন্ধী যা অব্যাব বিষ্ণানঃ। বিষণ শীয়ভোমে লাভ বিষ্ণানঃ বিষ্ণানঃ বিষ্ণানঃ। তেং ইতি পুরু বিশ্বান কর্ণাধিকর্ণযোগি চিল্লাকর্ণ শুউ।

#### कांक भटकेंकेवाटक आशमर ऋक्षम ॥ ·

'আফ্রীভাগে' ইতি হাজেন আফনাসান গালবোজিহা গাবাদিসকাব্যবহার বালা দিনলা কর্মণি বাছ্রাদিশকাহ্য বহুং বাধিতং সম্পাতিতোলকেন সক্ষপ্রছান বিষ্ঠা অবাসকেং। হাজিহং হি। ক্ষেক্ষাভাগে ভ ইতি বিবাহিং উদপাজেশ সম্পাতবহাবাদ্ধাত' ইতি (কৌ হ ০০) তথা আন্তর্কুতা আগুরালিক্সণে পামাৎ ৩০০ সাগত ব্যবহার সক্ষেত্র গাই হাজানে বুলিনা গোলগাছে হাল হাজার ক্ষিত্র ক্ষেত্র আন্তর্কালিক্সণে পামাৎ ৩০০ সাগত হাজার সক্ষেত্র সক্ষেত্র আন্তর্কালিক্সণে পামাৎ তিল ক্ষাভাগিত হি। 'ওস্বিবিদ্যালয় বুলিনা না হাজার আভিন্দির্বানি বৈধ্যানাল অংহালিক্সাভিঃ' ইতি (কৌ ৪৮) আন অক্ষাভাগি তে (২০০) মুক্রামি খা (০০০) উত্ত বেবাং (৪০০) আবিভালে (৫০০) মীর্বান্তর (৯৯৮) ইতি বুলুমারি বিবাহিন স্থানা বিক্তিত । ভবিগ অক্ষাভাগিয়া বুলুমান তিল্লাব্যবহার বিবাহিন স্থানা বিক্তিত । ভবিগ অক্ষাভাগিয়া বুলুমানত বৈধ্যানি

কর্মণ এতং প্রকাশ নিনিব্রকং বৈভানে। 'লগ ভৈনজার বজনানং লক্ষ্যভাগেতে মুক্রাক খা' ইতি (বৈণ ১৩)। (২০। – ৬ল – ৩২ছ - ৬১):

ৰে যক্ষ্যত্তীত তে তৰ অকীকাণ চক্ষ্তাণ যক্ষ্য রোগং কি বলমি উন্ধরামি। বিশ্লেষ্যাথ মীতার্বাঃ। কৈ চ বিকানে ইতি অকিলক্ষ্য কৈবায়োকেলা ল চোলান্তা। তথা নাসিকান্তাণ আণে জ্বাপিষ্ঠানান্তাণ কর্মানান্তাণ শোলান্তা। ক্ষ্যিকাণ ক্ষেত্রাকাণ শোলান্তা ক্ষ্যিকাণ শালান্তা ক্ষ্যিকাণ শিক্ষা শার্কিন আলেশঃ। ক্ষ্যিকাণ শার্কিন আলেশঃ। 'বে চাভাককর্মানাে' ইতি ( প্রকৃতি )ভাবঃ। ক্ষিত্রা ক্ষ্যান্ত তে তব মন্তিকাথ । শিক্ষানান্ত্রেরা মান্ত্রানাল্ডান্ত লক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষ্যান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ষয়া বিশ্বান্ত ক্ষয়া বিশ্বান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ষয়া বিশ্বান্ত ক্ষয়ান্ত ক্যয়ান্ত ক্ষয়ান্ত ক্ম

জি শ্রাম।

। ।

এীবাভ্যস্ত উফিল্ডাভ্যঃ কীক্যাভ্যো অনুক্রাহি।

।

।

থক্কাং লোষণ্ড মংসাভাং ৰাছ্ভ্যাং বি রহামি তে॥ ২ ॥

#### পদ-পাঠ:।

প্রীবাভা:। তে। উক্ষিহাভা:। কীকণাভা:। সন্সা

্ । । বিশ্বশাসম্। অংলাভ্যান্। বাতহভাান্। বি। বৃহামি। ভে ॥ ২ ॥

হে ব্যাদিগুৰীক তে তব গ্ৰীণাভাঃ। অত প্ৰীণাশক্ষেন ভদবরণভূতানি চতুৰ্দিশ শক্ষাণাস্থীনি 🕏 চাতে বছ-চননিক্ষোং। তদ্উতকং শতপণে বাজপে। 'গ্ৰীবাং পঞ্চদশঃ। চতুৰ্দশ বা এভাদাং করকরাশি নীর্যাং পঞ্চলশং। ডকাদ্ এভাজির্মীভিঃ দতীভিগুরুং ভারং হরতি' ( 🖦 ন্ধে•১২।২-৪১•) ইভি। ভাভো৷ যক্ষং বি বুহামীতি উত্তরত্ত শ্ববং। ভণা উক্ষিহাভাঃ উৎবং ক্লিয়াভাঃ রক্তাদিনা উৎস্নভাভো বা নাডীভাঃ। তদ্ উক্তং যাঙ্কেন। উঞ্জিপ উৎস্থাতা ভবতি স্থিত্তের্বাভাং কাজিণ্মণ:ইতি (নি॰ ৭১২)। উফিংগেণ উকিহা। 'টালং চালি চলকানাং' ইতি টাপ: "রবাং। তথা চালি অন্তত জালতে। 'উফিছা ছন্দ:' ইভি ( তৈ॰ লং॰ ৪।৩ ৫।১ )। 'সর্থোফিচ্ছা সবিতা 'সং সভূন' ( ঝ॰ ১০:১৩০ ৪ ) ইভি চ। আলে প্রকরণাদ্ বুংণভিদাখায়েন উফিচাশকো ধননীবাচকঃ। ভথা কীকদাভাঃ ৠক্রক কাগতাত্ত্বিতঃ। অনুকাং অকুক্রমেণ উচাতি দ্যবয়ত্তি অস্থীন অবিরিতি অনুকাং ছেংপদ্ধিঃ। ভত্মাৎ। তথা চ বাজসনেষকং। 'অনুকং এয়ন্তিংশং। বাত্রিংশলুবা এতত করক-রাণ্যনুকং অমুদ্রিশং ইতি (শ॰ বা॰ ১২/২৪১৪)। অতপুর্বাদ্ উচ শমবায়ে ইতাসাৎ 'কুভানুটো বছলং' ইতি অণিকরণে গাৎ। 'তিৎ প্রতিঃ' ইতি প্রিতত্তং বি বৃহামীতি **कर्जात मणकः। छवा** (नावनार (नरकार्छनर। পूर्वत्रतम् यक्ति 'भक्षत्रः" हेडाानिमा (कावन् আন্দেশ:। ভণাবিধং তে জলীয়ং মক্ষণ রোগং শংশাশ্যাং বাত্শিরোভ্যাং বাত্তাং হস্তাভাাং 🍕 রুহামি উন্লয়ামি॥ (২কা-৬ল-৩০ক—২ম)।

# ভূ ভীয়া।

ক্ত্ৰেয়াৎ তে পৰি ক্লোয়া হলফ্লাৎ পাৰ্যাভ্যাম্।

। युक्क्युः ग्र⊚ञ्चाङाः, क्षो≀ङः यङ्गटस्त्रः वि दुरागनि। उट्हाः পদ-পাঠ:।

| | | | |
হদরাং। তে ! পরি। ক্লোম:। হলীকাং পিখিছাম ুা

। |
বিশ্বমন্। মতজ্বভাগেন্। প্লীকং। বহা বি । বহামদি ॥ ৩ ॥

তে কুণ্ণ তে তব ক্ষরাৎ ক্ষরপু ধরীকাল্ যক্ষাং বি রহামনীতি উত্তর্ত্রশক্ষঃ। তথা পরি ক্লোয়ঃ। ক্ষরসমীপস্থো মাংনপিগুরিশেষঃ ক্লোমা। তথাং। হলীক্ষাং এতংশংক্ষক হ তংশক্ষাল্ মাংশিশিগুরিশোর পার্যাভাগে দক্ষিণোত্তরাভাগং মতজাভাগং উভয়পার্যাশিষ্কাভাগে ক্লোভাগে তংশমীপস্থিতি। পার্যাভাগে বা প্লীত্রঃ উল্বলার্যাশি মাংশিশিগুরি ফ্লোমাণারাশি এতংশংজ্কর কলে কলেখনাং। 'পদ্ধাঃ ' ইত্যাদিমা বক্তক্ষত্র বক্রাদেশঃ। উলাত্তির্ভিস্বরেণ শীত্রং মক্রঃ ইত্যাভয়ত্র বিভক্তবৃাদান্তবং। ক্রেপ্ তে ক্লীরং মক্লং তেভাবির্বিভিস্বরেণ বিরহাম। ইল্যো মনিঃ । ১।

তে যক্ষ্ণতীত তে তব আল্লেখ্য পুরী হস্তাঃ গুলাভাঃ এতংশংজকাড্যঃ আল্লেমীপছেতো
মলমূলপ্রবহণমার্পেভাঃ বনির্চ্চো স্থানির উদরা এতংশব্দাণার ভূ হাজ্ঞার । আদিঃ
আনর্ধকঃ। যক্ষা বি বহামীতি স্বস্ধা। তপা কুকিভাগে দকিংগান্তর ভাগে উদরভাগাভাগে
প্লালেং বহুজিলেং মলপান্তাং মাভাঃ মাভিমগুলাচে তে অদীরং যক্ষা বি বুভামি নাল্রামা।
এতক্মন্তব্দপ্রতিপাদিভামাং অব্যানাগাং বিভাগো মাধ্যদিন আক্ষণে পৌন্তামলাং যজালৈঃ
প্রোডাশাদিভিঃ লংকাগান্তেন স্পত্তং আল্লাভঃ। ব্লুং
লাবিক্রঃ ক্লোমা ব্রুণঃ। মতক্ষে এবাজাখ্যাহ পানেং উচ্ছরং চ। পিতাং নৈর্গ্রোধং।
আল্লাপি স্থালাঃ। গুলা উপ্লল্লানি। শ্রেনপ্রে প্রী হাস্কী। নাভিঃ কুন্তঃ। ব্যিক্ট্য প্লালিঃ

শতাত্রা তদ্বৎ লা ণ্ডণা বিভূষা ভগতি ভজাৎ প্লাশির্হণা বিজ্ঞা ইতি (শ॰ বাঙ্ ১২১১১) ঃ (২কা—৬অ—২০জ্-৪ম) ৪

शक्षी।

। छेक्रमाः (इ पश्चितस्तार शास्त्रमार क्षणमामायः।

যক্ষা: ভগত্নং১ জ্যোনিভাং ভাসদং ভংশগো বি রহানি ভে॥ ৫।

भव भाकेः।

া । । । যক্ষম। জনজুনি। শ্রোণিহজ্যাশ। জাসলম্। জংসদঃ। সিং বুলায়ি। ভেরাইর

তে বোগার্ম তে তদ উরুদ্ধাণ ক্ষ্তিশন্তাণ আক্রমাণ আক্রমাণ। 'আদ্মীনদ্ ক্ষ্তিশংক' ইডালিমা অন্তিপক্ষ মতুলি ক্ষ্তিভাবে। নিশানিক:। পাক্ষি লাগে পাদরোরশরকাগান্তাণ প্রপদান্তাণ পাদার্গ্রাভাগি সক্ষা। দি বৃত্তামীতি দর্কার সহক্ষা। তপা ক্ষরতাং ক্রমান তর ভবং সক্ষাং রোগং শ্রোপিক্যাণ কটোবেদর্শাল্যাণ বি বৃত্তামি। এবণ তে অদীরং ভাসনং গুরুপ্রেশেশ শক্তাং রোপং ক্রমান ক্ষেত্রভানাদ্ধি বৃত্তামি। (২কা — ৬৩ — ৫০ )।

मछी ।

। । কাক্ষাস্থে মজ্জ্বা: স্নাবভো়ো প্রনিভা:।

যক্ষাং পাণিগামসুলিলো নাগাভা। বি বহাৰি ভে। ৬।

পদ-পাঠঃ।

ৰিছিছভাঃ। তে। মজভংভাঃ। আবিহ্ভাঃ। ধ্যনিহ্ভাঃ।

ষশাৰ। পাণিহভাষ্। অসুসিহভাঃ। নধেকাঃ। বি। বহাৰি ভোঙা

অন্থিমজ্ঞৰকোঁ সৰ্বাধাত্পলককো। ক্লাঃ নিরাঃ সাংগ্রেম উচাতে। ধ্যনিশ্ধেদ ভুলাঃ। শিষ্টং নিগদনিছং॥ (২কা-৮৬-২০২৮-৬২)।

শিশুমী।

আক্সেলকে লোমিলোমি যাল্য পর্বাশিপর্বাণ।

বিষয়েং হচপ্রাং কল্যপন্স বীবার্ছণ বিষয়েং বি বুহামিনি । ব ।

পদ পাঠা।

আসংলকে। লোমিংলোমি। যা। তে। পর্বাশিষ্ণার্থী।

যাস্মণ। মচস্থি। তে। বর্ষা কল্যপন্স। বিচৰহেশ। বিচ্ছাম্পি। ব

ইখং প্রনিষ্ধবেভা। বোগসাপনোদনং ( প্রতিপান্ধ অপ্রনিষ্ধাবয়বেভােণি অপনোদনং) প্রতিপান্ধতে। হৈ ক্লগ্ তে তব অংশ অলে অম্বান্ধব্বরবেষ্ লােরিলােরি শর্পের্ বেরামকুপেরু পর্বানশন্দি লাকেরু দক্ষিত্ব বে যাক্ষা। আতঃ। 'নিতাবীপারােঃ' ইতি লর্প্রান্ধক্তনং। তং যক্ষাং বিরহামদীতাুতরত্র শহরঃ। তথা তে তব হচতাং হতি তবং বক্ষাঃ। বিচ লংবরণে ইত্যামাল্ অসুন। পুরবিশ্ যথ। 'যাচ ভং' ইতি ভ্রেম পদস্বাভাবাল্ ক্লছা-ভাবঃ। বরং বি বৃহামঃ। স্ক্রোর্থং উপলংহরতি। বিষ্পুণং চক্ষুরালিদর্পাবয়ববাাপ্রং রোগজাতং কল্পপত্র মহর্বেপ্রবিশ্বরেশ। বিরহতামেনেতি বিবহুং স্কেং। ভেন বরং বি বৃহামঃ। মন্ত্রের্থুর্মহর্বাং দক্ষীর্তনেন ইলানীং প্রযুজামানতাণি মন্ত্রভ্রমোলাবীগুরং স্কিতেং তবতি । (২কা ভ্রেম্ব তথ্য—৭ম) ।

#### इंडि बर्डेड्रनाटक विक्रीयर एक्टर ।

'য ইশে শশুপতিঃ' ইতি ক্জেন বলাশখনকর্মণি আজাং জুল্মাং। তল্ উজেং ক্ষেত্র 'ব ইশে শশুপতিঃ শশুনাং ইভি ছবা বলাং অনজি' ইতি (কৌ । ১৮)। তবা সর্বলোকাধিশতাকামঃ অনেন ক্জেন ইক্সাল্লোর্যাসং উপস্থানং বা কুর্যাং। তবৈব অনেন ক্জেন
ইং আরং অভিমন্ত্রা ব্রাহ্মণেভ্যো দ্রাহাং। ক্ষুত্রিভং হি। 'ব ইশে (২০০৪)। বে ভক্সজ্ঞঃ
(২০০১)। ইতি ইক্সাল্লী লোককামোংরাং বলাতি' ইতি (কৌ । ১০০)। তবৈব অনেন

## ভার প্রথমা ।

িক্রী∌ঃ স অভিলয়ং ভাগমেতু রায়কেপাণা যক্ষানং সচতাম্ । ১ N

### भष-भार्<u>ठः</u> ।

| 'নিঃ১০কীতঃ। কাঃ। যভিয়েং। ভাগং'। এত । রায়ঃ। 'শেষাঃ।

# ্ৰজ্মানং। 'শৃচ্ছাং । ১ ।

'ষঃ পশুপভিঃ পশ্নাং পাল্যিত। ক্লাত চতুজানাং গলাদীনাং গশ্নাং কলে লৈটে নিয়ন্তা
ভবভি । উত জানি চ যং পশুপতি ছিপ্লাং মন্ত্র্যাদীনাং চ কটে । কল ঐথায়ে । 'লোগত
আলুনেলদেবু' ইভি ভলোপঃ'। অমনানেভাং লদার্ক্যাত্ত্রাস্থানিত বাতুজার । 'জনীগর্ধদিমেলাং কর্মাণ ইভি কর্মান স্ত্রী । চতুজানং বিপানং ইত্যভাল প্রাত্ত্রাপ্র গণংখাত্রপূর্বক্র' ইভি পালআলত বং ৷ ক্লাং লভাংত্তি কর্মান স্কলান্ত ৷ 'বিক্রিভাং পাল্যন্ত হ' ইভি বিপানং ইত্যভ উত্তরপদান্তোভ
আজবং ৷ ক্লাং লভাংতি স্কলান্ত ৷ 'বিক্রিভাং পাল্যন্ত হ' বিভালি বিশ্বের বিশ্বের বিশ্বের বিশ্বের বিশ্বের বিশ্বের বিশ্বের বিভালি বিশ্বের বিভালি বিশ্বের বিশ্বের

# **कि**शियाः ।

প্রমুক্তভো জুবনভা বেভো সাজু খন্ত যক্ষানার কোনা। এমুক্তভো জুবনভা বেভো সাজু খন্ত যক্ষানার কোনা।

। । । উপাক্তং ললমানং যদস্থাং প্রিয়ং দেবানামণ্যেতৃ পাধ: ॥ ২ ॥

পদ-পাঠ:।

প্রহিণ্ডা ভ্রমভা রেডাে পাত্থা গড়া ব্লচানার। (দেসঃ।

উপহক্ষাকৃতং । শশমানং । য**ং ক্ষন্তাং । প্রিয়ং । কে**লানাং । অংশু । প∤ৰ⊱ংহ- ы

প্রমুক্ত ইমং চল্লামানং পশুণ ভাকে, গছেছে। তে দেবাং চক্র্রালাঃ প্রাণা মুধং। কীলুনং বিশ্ব ত্রিক কর্মান্ত করের কারণং মাগদারের উৎপান্ত হৈ প্রালামান্ত করিছে। করিছে মন্ত প্রালামান্ত করিছে। করিছে মন্ত প্রালামান্ত করিছে। করিছে মন্ত প্রালামান্ত ভালামানং করিছে নিজ্ঞান করিছে নিজ্ঞান করিছে নিজ্ঞান করিছে করিছে নিজ্ঞান করিছে করিছ

कृ औषा ।

्यः वस्यानमञ्जू कोनामा अटिस्काख सन्त्रा हसूना हः।

প্রপ্তানতো প্র মুখোকে দেবে বিশ্বকর্মা প্রকার পর্যাক্ত 🖫

পদ-পাঠঃ।

বে। বধামানং। অকু"। দীপামাঃ। অভংগ্রিকস্তা মনলা। চকুবা।চ।

অবিঃ। ভাষ্। অংগ্রা এই। মুযোজনু। কেবঃ।

বিশ্বত কর্মা। প্রহ্মরা। সৃষ্ধর্রাণঃ। ৩।

বে সম্পাঃ পশবং বধাগানং উমং পঞ্ অভুদীগানাঃ অনুদীপানানা অনুভপ্তাঃ সংজ্ঞা 
মনদা চকুবা চ সেংবশাল্ অবৈক্ষত অনুপঞ্জি ন ক্ষণতি সেতাং কারণাদ্বা। ইক্
মূর্মি ছাক্ষণো লঙ্ । 'বৰ্ডান্নিতাং' ইজি নিছাত প্রতিবেশঃ। ভান দর্মান স্থুপান
পশ্ন অপ্তিমিশঃ অত্যে প্রথমং পা মুমোন্তে স্কেলপাশং প্রমোচনত্। নিষ্কর্ম বিশ্বং কর্ম
কর্মেণঃ হত্ত লঃ প্রভাৱ সম্প্রধা সংবেলগং লচ শক্ষাম্মানঃ। দানার্থ- ঐদ্মন্তাং প্রাপ্ত ইতার্থঃ।
লোপি প্র মুমোন্তে । মুক্তেপ্তাল্পসং শপং গ্রাঃ। বৈ শক্ষে ইতামাং লিটা কানচ্।
ব্রম্ভন্তক্ষ্মবংপালংশ ইজি অপ্রিটান ইভাল বহুং। (২ক - ১৯ ৩চন্ত্—৩ম) 

ব্রম্ভন্তক্ষ্মবংপালংশ ইজি অপ্রিটান ইভাল বহুং। (২ক - ১৯ ৩চন্ত্—৩ম) 

স্ব্রম্ভন্তক্ষ্মবংপালংশ ইজি অপ্রিটান ইভাল বহুং।

**Б**ठूर्शे ।

যে প্রাসাঃ পশবো বিশ্বরুলা বিরূপাঃ সভ্তো বহুবৈকরপাঃ।

ৰায়ুষ্টানত্ত্র প্রেন্ড দেবঃ প্রকাপতিঃ প্রকার সংবর্গাণঃ ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

যে। প্রম্যোধ্য প্রসংগ্র বিশ্বরূপান। বিহরপান। বস্তান বস্তুৎগান একহরপান।

चाहुः। स्त्रान्। चरश्च १ क्षे. युरमास्त्रानः। स्त्राः। स्राक्षाः गानः स्त्रानः॥ ।

আম্যাং প্রায়ে ক্ষা গণান্তা কৈ পশবো বিশ্বরূপাঃ দর্বার্করপাহিতা নিরূপাঃ নিকিধরূপা এবং
বছধা নভোগি একরূপাঃ নংজ্ঞপামানন পশুং প্রতি একস্বভাগঃ দন্তি ভান কর্মান করি
(ক্ষাঞ্চিপ্র মুখ্যেক)। প্রাণমং প্রয়োচয়তু। প্রজাপতিশ্চ স্থাপীয়রা প্রক্ষা ঐকসভাং গ্রেই
ক্ষান্তি প্রয়োচয়ত্ত্ব (২কা—এক -০৪ক্—৪ম)।

### नक्षेत्री।

প্রজানন্ত: প্রতি গৃহজ্ঞ পূর্বে প্রাণমক্তেডাঃ পর্য্যাচরস্তম।

। । । । । । ।

দিবং গচ্ছ প্রতি ডিঠা শরীরে: স্বর্গং যাছি প্রতিক্রেব্যানেঃ । ৫ ॥

### नक नार्हः।

প্রথানতঃ ইর যাগে উপযুক্তত তক মাহাত্মং প্রকর্ষণ জামতঃ ( পুর্কে ) পূর্বনেবাত্মবিক্ষে হিতা দেবাঃ নব আলেভাঃ শরীরাবয়ণেভাঃ পর্যাচরতং পরিভঃ দর্বতো নিক্রণা আভিমুখোক আগজ্ঞতঃ ভব প্রাণং ভংকভিতং আত্মানং প্রতি গৃহুত্ব॥ ভতত্বং দেবৈঃ পরিগৃহীতে। বিবং আত্মবিক্ষং গছে। ভত্ত চ শরীরৈঃ দিবাভোগাইছঃ ( প্রতি তিষ্ঠ ) প্রতিষ্ঠিতে। ভব । 'বাচোভভিতঃ' ইতি দীর্ঘাং। ভতো দেব্যাবৈঃ দেবা বৈর্যাতি তৈঃ প্রতিভিতঃ আবৈং আভিসন্মাণস্থাপত্তোগছানং যাহি গছে ॥

### চতি বিতীয়কাওে বঠেছবাকে বিভীয়ং হকুম্ ⊪

### ভৱে প্রথম।।

ষে ভক্ষরন্তো ন বসূতা।নৃধুণ্যানগায়ে। অন্ত পাক্ত ভিষ্কা।: ।

যা ভেষামবন্ধা ছনিন্তিঃ সিতি নন্তাং কুণবদ্ বিশ্বকর্মা॥ > ॥

### পদ-পাঠঃ ঃ

বৈ। ভাকরভঃ। মা বহুনি। আনুধুঃ। যানা আর্রঃ। অত্যুক্ত অভানা দিহ্লাঃ। - - -

যা। তেখান। অবহরাঃ। জুংইটিং। আছেইটিন। নঃ। ভাস্। কুল্বং। বিশ্বহৃত্যা ৮১ এ

যে বরং ভর্মনজ্যে ম ভরুণতা ইন অলপ্ ইন নপুনি গনানি আনুগৃং। পুরুদ্বাভায়ঃ।
করিন্দ্রের (মঃ। মন্ধা ম ভরুদ্ধার মানস্ত্রুণ) আদি তু পরিশাণ গনানি নির্দ্ধিপ্রাঃ। মন্ধা
কর্মনি ভর্মন্তর অরাগার্থেন নারেন নাপ্যক্রং নানুগৃং নম্রুণ নাভূদ। পরু র'দ্ধা। অপাথ
ক্রিনিজ্ঞে 'অত আর্থে' ইতাভালিনীইছে 'ভর্মন্ত ছিললং' ইতাতা পানানৈক্ষণেপ্র ভ্রেক্ত স্কৃত্রিভ্রেন্স প্রভাগে দিচলু হন সূড্যাগাং। (শিক্ষাঃ) দিংগালু স্থানের ছিলা অর্থনঃ
আভবনীয়ালাঃ বান উদ্দিশ্র অন্তর্গাহ অব্রহ্ণনার অর্থনিবাং অন্তর্গাণ পুনন্তর:। যাগানে নির্দ্ধান্তর
আভবনীয়ালাঃ বান উদ্দিশ্র অন্তর্গায় অব্রহ্ণনার অন্তর্গানণ পুনন্তর:। যাগানে নির্দ্ধান্তর
আহানেম বাস্ট্রিকল্যাং ভেনাং গন্তরাং অন্তর্গান্তরং সামান কর্মান বার্থনার ক্রিন্তরাং ভিনা ক্রিনার দিনারাং অন্তর্গান্তর স্থানিক্রানার স্থানিক্রানার ভিনা ভূমিন ক্রিনার স্থানিক্রান্তর স্থানিক্রান্তর ক্রিনার স্থানিক্রান্তর নির্দ্ধান্তর নির্দ্ধান্তর নির্দ্ধান্তর দেবং। অনিষ্টির্ন্তর নির্দ্ধান্তর নির্দ্ধান্তর ক্রিনার স্থানিক্রান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার স্থানিক্রান্তর ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর ক্রিনার ক্রিলান্তর বিলান্তর ক্রিলান্তর ক্রিলান

विशेश।

যজ্ঞপৃতিমুখ্য এনসাত্রির্গ্রভিক্তং প্রকা অফুলপঃমানম্।

भवता। खरखाकामण याम् बनाथ गः नरहे किः स्क्रह्र विकेश्याः । २ ॥

### भव-भाठेर ।

वक्करणिवा स्वतः कार्याः चाकः। निःश्रेष्टकार्याः अक्षर्यम्।

মধ্যানি। জোকান্। আংশ। ধান্। স্বরাধা পদ্ধ নঃ।

## । তেজিঃ। স্লড়া বিশহকশী।২।

নাগাল আজা বিশ্বনি বিশ্বন যজ্ঞানিত যজ্ঞানং এনলা। ইথাকোণে ড্ডারা। (বৃদ্ধেং)
এনখিনং আজা। কণড়েজং। নিউজং নিউলং নিউলং বেগরিল্ড বেলাঃ আছা যাগলৈকলা।
নিমিছেন এনলা পরিভপানানাঃ প্রকা অছু খন তলামানং এগজুলং বজ্ঞান এনলা যুক্তং
আজা। কিং চ মদ্যানা। মধ্যবদাং লোমো মধুল। ত্তিকারভূতান যাম জ্ঞোকান বিন্দৃন্
আপ রবাধ অপ্রান্ত্রনান্। আজারিতান কল্যান ইভার্থা। তেতিভা ভোলে মাং আমদীরং
যক্ষপতিং দং স্কত্ সংযোজয়ভূ (নিখকার্মা) বিশ্বং কর্ম কর্মীরং যাল ল প্রজাপিতিঃ।
যক্ষপতিং ৷ শিত্যাবৈশ্ব্যি ইভি পূর্বাণদ প্রকৃতিভারতং। মধ্যান্ ইভি ৷ সামে চি শামে চি শামে হিছি । শামে চি শামে ছিভি শিক্ষারা
ইতি শিক্ষারে যপ্রভারঃঃ (ংকা—৬ল—৩৫স্—২ম) ।

# **७७ोगा**।

### 지무-이 :

चनास्त्रान्। त्नागरुनान्। भक्तमानः। घळकाः। विद्यान्। ननरच्यदत्र। सः। थोतः।

परा अन्हा हकूरुरान्। विषदः। अनः। कमा विषर्कणीन। आसा मूका प्रशासाणः।

ৰজ্ঞত বৈদিকত ক্রিয়াকলাণত। 'ক্রিয়াগ্রন্থ কর্ত্ত কর্মাঃ সম্প্রদানম্বাধ চতুর্বোবে বৃদ্ধী। বজ্ঞত বিধান জানন্ত ব্যাবিধান বজ্ঞত ব্যাবিধান ক্রিয়াবদন থোকিতঃ নোমপান্। 'গাপোইক্' ইতি টুক্। অব্যতিরিজ্ঞান ক্রেগোমন্যাগান্ পণ্ডিতানাপ ক্রেগ্রুম্ব ক্রেগ্রেপে স্থানান্থ্যানুমস্ক্রমানঃ। 'ছম্পান হ' ইক্তি

ষাঃ তক দুইপ্তিঃ। সমরে ম ধারঃ সময়তি সক্ষত্তে বোর্ডারাক্তি সমরঃ সংগ্রামঃ
ভক্র দীন ইণ স স্থা সভ্তানাশিমানেন প্রতিভটান তিরস্কার্থান মস্তে এবং
ক্ষত্তাবেল বন্ধ এবং যদ্ এনশ্চকুবান তিরস্কারলক্ষণং যৎ পাশং কুতবান । করোতেলি টঃ
ক্রাঃ (হ বিস্কর্মন্বেণ ভং এনোযুক্তং স্তরে ক্বিনাশার প্র মুক্ত ক্ষাৎ পাশাৎ
ক্রানেটয় । (হকা ভক্ত এক্—তম্) ।

# हरूनी ।

प्याता शमरता नत्था चारख्न जामहक्त्र्यीरमधीर भनगमह मुख्युम्।

ह्य इंडिंग्ज शहर द्वामन्नरम। विश्वकर्मन् नगरण शाहर न्यान् ॥ ।।

### भक्ष-भाठेश ।

# তে। পাহি। ঋষান্। ৪।

বে বোরাঃ ক্রা ঝবরঃ প্রাণাশ্চক্রাভাঃ। শ্রেরতে হি। 'কে তে ঝবর ইতি। প্রাণা
ঝা শবরঃ' ইতি। এভাঃ প্রাণেশ্যে নমান্ত। এবাং প্রাণানাং মনদং অন্তঃকরণ ছ চ মধ্যে বং
শভাং ঘণার্থদি চিচ্ছুঃ তথা অপি নমান্ত। অত প্রমিশক্ষেন নামান্তেন উপান্তভাশি চচ্ছুবঃ
পুণগু উপবেশঃ প্রাণান্তভোতনায়। অত এব মুটিলোবনিবারণকর্মণি অভ বিনিরোগ উপপরঃ।
ভবা বুচল্পতরে বুচভাং দেবানং পত্যে দেবায় মহি মহৎ প্রভূতং দং শোভনং ভামং
দীপ্রিমং। অনেন বিশেবগ্রেরেণ করপত্ররভাশি তদেকভানত্বং উক্তং। উক্তল্জণং
নমোন্ত। ভবা হে বিশাক্র্মন্তে তুভাং মন্যান্ত। ক্রুচ্ছুর্জ্জলাবাদিপরিহারেণ আখান্ত
পাতি পালয়। য্যা নম ইভারনাম। ভূজানানং ভারং ইন্তিয়াধিঠাত্দেবেভাগ্যা। বুহভাং
উক্তানাং ইন্তিয়াবাং পতিং পালকে। নিয়ন্ত। অন্তর্মান্তাভিত্বেবংভাগ্যা। বুহভাং
বিশিষ্টং নমোন্ত। তথা (হে বিশাক্র্মন্) বিশং কর্ম কর্মীয়ং বন্তুল ভাতুর্গুপ প্রমান্ত্রণ
তে নমোন্ত। অনেন বহুজনত্বগুপেত্রভাশি অরুগ উক্তপ্রকারেণ দেবভার্যাণ্ ভোকু ভাতুনি
অননিধিভত্বিগোবাদিকং ন ভবভীত্যর্যঃ । (২ক। ভল—০ংক্ ম )।

### गक्षमी।

। । । । যজক চক্ষু: প্রভৃতিমু্খিং চ ধাচ। শ্রোজেণ মনসা জুহোনি।

। । । । । ইনং যজ্ঞং ৰিভতং বিশ্বকৰ্মণ। দেশ যন্ত ক্ষমনক্ষমানাঃ॥ ৫ ॥

### শন-পাঠঃ Í

য়কলো চকুলে এইভ্ডিলে মুধং। চাবাচা তোকেশ। মনলা ভ্ৰেণি।

বজ্ঞ যাগতা চক্ষু: চকুরিজিয়বং প্রদর্শক:। ভলবীমভাদ্যতাদিছো:। বলা বজাবি-দেবভায়াশচকুবি অনুষ্থার আরু অরিঃ। তপাচ মন্তবর্ণ:। 'অরিনা যক্সশচকুরান্' ইতি। তথা প্রভৃতি: সজ্জ আদিভূত:। অগ্নিছাপনপূর্বকভাৎ দর্ববজ্ঞানাং। মুধং চ আভ্রমপি অগ্নিরের। তথা চ দাশতবাণে আয়ানতে। বামর আদিতাদে আছেং চাং কিহ্রাং ভাচযশ্চাক্রেরে কবে ইতি (বা ২।১।১০)। যব। মুখং মুখ্যিৰ মুখাঃ শ্বনিদৰভানাং প্রদানাদিব প্রণম্মইস্ভাং। 'অগ্নির্মুলং প্রণমো দেবতানাং' (ঐ• প্রা• ১া৪) ইত্যাদি-अर्जः। यत्रा चालाः উठाटक ्यलाच ठक्ः। ठक्शान्यजाकाणार्थनिक्षावरुषाः। প্রভৃতি: আদিভূতং প্রথম হুগমানত্বাং। মুধং চ সুধবং প্রধানভূতং মুণাজবাং। 'তং দেবা অক্রেণন। এব বাব মঞো যৎ আজামপোৰ মোটোস্ক' (১ছ০ লং ২৬।০)১) ইভাদিশ্রতঃ। এবংলকণং আৰু বাচা মন্ত্রেণ শ্রোত্রণ শ্রোত্রবভা। মহর্থীরঃ অকারঃ। উপলক্ষণং এতৎ সংক্ষিরাণাং। অনজগাপারশ্রোনাদিযুক্তেন মনলা অভাকরণেন যইবা-দেশতাং খাল্লন জুলোমি আলো প্রিকিপানি। 'ষ্ঠেড দেবতালৈ হবিগ্ৰীতং ভাৎ ভাং গালেৎ বষ্ট্কারস্থান্ ' (এ॰ ব্রা॰ ৩৮) ইতি শ্রুতেঃ। আয়িণকে উদ্দেশ্যণবিশিরং অয়িং উদ্দিশ্র জুলোমি। আঞাং ইভি দামৰ্থাৎ লভাতে। ভতঃ বিশ্ব দৰ্মণা দেবেন বিভতং বিস্তৃতং উৎপাদিত है सर अञ्चीत्रमांनर यखार (प्रताः हेखान्या यहेनात्मन्त्राः प्रमन अमानाः प्रमनन हेन আচরবাং অকুগ্রহবৃদ্ধ।শেতাঃ লবঃ আ যত্ত আগততত্ত্ত অমনঃশ্রাৎ কর্তুঃ কাওঁ ্ললোপশ্চ' ইতি কাও্। তত্ত বাপ্রহণত ৰজুবুকত শলোপেন অভিনম্কাৎ তত্ত চ বাবস্থিত বিভাষাৰাৎ मख गरनाभाषायः ।

> ইতি বঠেলুবাকে চতুৰ্বং স্কোৰ্ । অধ্ৰ—১৯ (৫) ০০-২-৩২

ভা নো ভাষে ইতি হল্জেন পতিলাভকর্মনি আগমকুসরং সম্পাতা কুমারীং আপরেং।
তথা তমিরের কর্মনি ততা এন আলঙ্কারগুগগুর্বাক্ষাণাং সম্পাতিতানাং ক্রমেণ বন্ধনং ধৃশাই
প্রালেশনং চ কুর্যাং। ঔক্ষণক্ষ অত্যে ব্যাখ্যাত্মতে তথৈব অনেন হল্জেন রাজৌ দ্রীহীন্
ভিয়া কুমারীং দক্ষিণেন প্রক্রাময়েং। এবং অনেনৈব হল্জেন সম্পাত্রতীং নাবং কত্যকাং
আরোগ্য ভগত নাবং ইতি পঞ্চ্যাচ্চা ভাং উভারয়েং। তথা পতিলাভবিজ্ঞানকর্মনি
পপ্তপায়সন্ত্রাং দক্ষাত্রবত্যা দপ্ত বংলান বন্ধরিখা কুমার্য্যা মোচয়েং। সা যদি প্রকৃষ্ণিং মৃক্তেও
ভর্ছি পতিলাভং জানীরাং। তথা অনেনৈব হল্জেন অহতবল্লেণ বেষ্টিতং ব্যবহং
দক্ষ্পাত্য বিদর্জ্জান দক্ষাত্রবহু ইতাদি (কৌ গা১০) ইতাং ক্রম্বাং। তথা অনেনিব
হল্জেন বিবাতকর্মনি আগমকুদরং দক্ষাত্র অভিমন্ত্রা কঞ্চাং প্রাশরেং। তথ উল্জং
ফাকুভা। 'অধ বিবাতঃ' ইতি প্রক্রমা 'পুর্বাশরং (বাচ্ছ) ইত্যুগদনীত। পতিবেদনং
'(২৩৬) চ' ইতি (কৌ ১০া১)। অত্র পতিবেদনশক্ষেন পতিলাভসাধনত্বাং ইনমেব

### ভত্ত প্রথমা।

ভা নে। ভাগে ভ্ৰতিং সভ্তলে। গমেদিশাং কুসংবীং সহ নে। ভাগেন।

क्षे बत्त्रवृ गमत्त्रवृ बह्यत्वावः পछा। त्रीजगमञ्जूरेखा। ১॥

পদ-পাঠ: ।

च्या। तः । च्यार्था प्रश्निक्षम् । नम्श्लनः । शस्यरः। देशाम् । क्रमाद्रीयाः

সহ। নঃ। ভগেন

। । । জুইা। ববেৰু। সমনেহুঃ বজ্ঞাে ওবং। পভাাং

र्गाष्ट्रग्या असा अर्था ।

ছে অলে দম্ভলঃ সন্তাৰতঃ লগালাভা বা কঞাৰ্থী পুরুবং মঃ অস্থাকং কঞাবভাং ভ্রমভিং-শোভনাং বৃদ্ধিং লা গমেৎ লাগকত্তু লামবৃদ্ধানুদারেণ দর্মলকণসম্পূর্ণ: লভিলবিতে। ধরঃ প্রাপ্তে। বহু সন্তব্য ভিংসকঃ পুর্বং অভিলাববিধাতী ক্রাং আনজ্ঞ, পুরুষ: মুখান্তং-এত হকামনামুক্তাংকল। নীং বুদ্ধি প্রাপানঃ আম্মান্ আল গ্রেছ। কঞাং বর্লিছুং ইভি শেষ:। ভল ভল্ল পরিভাষণহিংলাদানের্। আত্বাং লম্পুরাং পচান্তর্। গমেদিভি। গলঙাাালরঙ্ ইতি অঙ্পতার:। আগতা চ ভগেন ভাগে।ন লত ম: অস্থারীং ট্রাণ কুমারীং। আ গ্রেৎ ইতাত্বক:। কুমারশকাদ্ 'বছনি প্রথমে' ইতি জীপ্। ততঃ নমনেষু সমানমনস্পেষ্ট ললোপশহান্দৰ:। यथा नशानः भक्तशास्त्र प्रकारस्यू। মঞ্জে: পচাঞ্চ্। সরের বারস্তৃষ্ কঞাবরণার্বং আগতেষু বরণকীরেরু। উক্তং চি বরপ্রেবণং আপশুছেন। 'শুদ্ধাঃ দ্যবৈতান মন্ত্রণতো বরান প্রতিব্ধাং' ইতি ( আপে গৃত ১।৪)। তেমুজুই। প্রী রা বর্ষিজ্পুক্ষদক্ষতা লভী গ্ৰাফেচিরা প্রিভিজননী ভাও। 'জুটার্পিডে চ ছক্ষান' 'নিডাং মছে' চাত জুন্দক্ আরু। দাত্তঃ। উন উবতি রুম্বতি অপকুলাত জ্বেলাতং ইতি উবং অপকরং। উর রুঞারাং ইতি শাভোরচ্। यथा বদ নিশাদে ইত। খাদ্ 'বঞার্ কবিধানং' ইতি করণে ক প্রভায়ঃ। বজালিতাং শহাসারণে 'কুঞানীনাং কে বে জনতঃ' ঠাত বিশ্বচনে সমর্বনীর্কে লাগিমান্ত্রীনাং • ইতিব্যুহ্ন রূপং। প্রাাস্থ্নিবাদশাগনং শৌভগং দৌভাগাং ঋতৈ অভাঃ কুয়ার্য। ( কুমার্যাঃ ) অবল জনতু। বটার্থে চতুর্থী। দৌভগশস্ত অঞ্প্রভার: উল্লেখনুদ্ধভাবশচন প্রাণ উল্লেখ ( ২কা – ৬ব্ল – ৩৬ হ্ল – ১ম ) ।

। । । । । । খাডুঃ। দেবত। সভেঃম। রুংগামি। পভিছবেদমন্ত ২০১১

(সামহজুট্রম·। ব্রহ্মহজুট্রম। অধাস্ণা। সমহজ্তম। ভগ্না।

লোমজুইং শোমলেবেন লেনিভ: ব্ৰহ্মজুইং ব্ৰহণা পরিস্তুচ্নে গদ্ধকোন চ জুইং। অর্থাম্পা।
আন অর্থামশবেন বিষাহায়িকচাতে। 'অর্থামণা ফু দেনং কল্পা আহিং অরক্ষণ্ড' ইতি
(আখি পু ১:১০০ সন্তুবর্ণাং। তেন চ সন্তুভা স্বীকৃতং ভগং ফল্লাক্রণং ভাগদেরং
আতুঃ 'ধাতা গর্ভং দণাতু তে' ইতি (ঝ০ ১০০৮৪০১) প্রবিদ্ধতা দেবকা সচোন অক্সার্কাণে
ব্রধার্বিচনেন পভিবেদনং দেবভাবাতিরিক্ষতা মন্তুল্যকাপতা পত্নাক্তিকং কুলোমি করেমি।
লোমানিদেবভানেরোপভোগানভারং কল্পায়া মান্তুপগতিদ্ধার্কা শ্রুভান্তরে সমান্ত্রাক্ত । 'লোফং
প্রথমো বিবিদে গৃদ্ধক্তো বিশিল উত্তর:। তৃতীয়ো অলিটে পভিত্তরীর্ভে নমুক্তপার্গ
(ঝ০ ১০ ৮৫।৪০) ইতি ॥ (২ফা ৬ল ৩৬ছ—২ম)।

হৈ আৰা ইয়ং আমণীয়া নারী কুমাণী পতিং বিষেট বিজ্ঞাং বছতাং। বিদ্লু লাজে ইন্ডাআল্ আলিনি লিভি 'লিভাালিয়াভ,'। 'ভল এাত রখা' ইতি লিভঃ দাকাধাতুকতাং দীম্টঃ বলোপঃ। 'ছট্ ভিখো' ইতি প্রভাগমঃ। হি ক্লাং লোমো রাজা প্রভগাং দৌ ভাগাযুক্তাং কুণোত করে। পূত্যাং ইভি। 'আলুলান্তং বাচু হৃদ্দি' ইত্যুদ্ধ পদান্তালান্ত্বং। শক্তি

লাভানতবং পুরাণ ক্থানা অনয়তী। গৃত্ প্রাণিগর্ভবিষোচনে। আ্থারিকঃ। যহিনী মহনীয়া শ্রেষ্ঠা ভার্যা ভ্যাতি ভ্যতা থহিনীতি। মং প্রায়াং। অনিম্হোটিগ্র (উ-১া৪৫)। টিম্বান্তীশ্। ইবং পরিং গ্রা লক্ষ্ ভ্রগা প্রতিগ্রাম্কা লভী বিরাজ্জ্ বিশেবেশ ভ্রেম্বিনী ভ্রমুট (২ক – ১৯ – ১৯ প্রম্) ট

# हर्जु भी ।

चक्र-भावेह ।

এব। ভগভা। জুটা। ইরং। অভা নারী। প্রথিরা। প্রা। অবিহরাধরজী । ৪।

মহবান মংস্কারভোগাংশদার্থবৃদ্ধঃ চাক্রং শোজনং মুগাণাং আগবঃ নিজ্ঞানাল প্রদেশং। থকু অবলারণে ইত্যাখাং আন্তর্গুরাং 'ডরো বন্ধনাং' ইতি ডরং। ইলোপাং। ল প্রদেশং প্রিরঃ সন বণা বেন প্রকারেণ ক্ষরণাং প্রথেন ক্ষাত্রং যোগো। বন্ধনান্ত চাক্ষণো লিট্। ক্ষুপুরাং লবেরজান ক্রণাং। এব এবং ইয়ং নারী ভগত ভাগোন জ্বীভা কিং কুর্বভী। পজ্যা ভলা দহ লাপ্তারা লপ্তিয়াণি লমাক্ শ্রীভিক্রাণি ভোগানি বস্তুনি আভবাধবন্তী অভিবর্দ্ধান্তী। যথা পভা লহু লপ্তারা লপ্তারা লপ্তারাশালিকঃ বৃদ্ধান্তি হাল ভবজীয় (২কা—ডল—৩৬৮—৪ম)।

म् क्रमी

া । ছয়োপপ্রভারয় যো বর: প্রভিকাম্য: ॥ ৫ ॥

नम नार्जः ।

क्तका सानरा का। त्तात्रा प्रनीरा अञ्चलक्तकारीयाः

ভয়। উপহপ্রভারয়। য:। বর:। প্রভিহকাম। : । ।

ভপত ভাগ্যত প্রাপ্তিশাগন স্তা পূর্ণাং অভিমত্তলৈঃ পরিপ্রিতাং অফুপদস্তীং ক্ষরতিভাং নাবং হে করে ছং কা রোচ। তরা উফেলকণয়। নাপা উপ অভিগর্গাণ-পভিদ্যীপং প্রতাকর আত্মানং প্র'প্র। প্রতিকামাঃ অব্যেব মে জর্জা সাৎ ইতি প্রতিনিয়তং কামামানো যে। বরং পতিভাগে দমীলং ইতি পূর্বেত, লছকং। 

मश्री।

ण। ক্রেন্টা ধনপতে বরমামনশং কুণু।

। সংশ্বং প্রদক্ষিণং কুণু যো বরঃ প্রভিকাশ্য । ৬ ॥

পদ-পাঠঃ।

্ আন্ধা আক্রমর । ধন ১ পতে। বরং । আহিমনদং । কুণু। ——— —— —— —— স্বং। প্রাক্ষণং। কুলু। যঃ। বরঃ। প্র<sup>া</sup>তহক।গা;। ৬।

হে ধনপতে বৈশ্ৰবণ বরং বর্ষিভারং পতিং আন ক্রেন্য় এবা ক্রামে আহা ভ্যাদ্টিভি দশুভং উদ্বোৰয়। অভিধাশয়েতাৰঃ। 'আঙঃ ক্রেন্দ শততো' ইতি শিচ্। বহা বরং আ ক্রেমার এতংকঞাভিত্রণং আহবর। ক্রে'র আহবানে। তথা আমনদং অভিমুখমনসং কুণু কুল । কিং চ শর্কাং আংশিকাভং অদক্ষিণ অদক্ষিণাচারং বিবাচার কুলব্যাণারং রুগু কুরু। বোৰরঃ প্রতিকাষ্যঃ। উত্তোর্বঃ। তবৈ দক্ষণ প্রাকৃতি কুরু টতি সৃথক্ষ। ৮ ॥

# मखगै।

ইলং ছিরণাং তির্গায়ালভারে গুগ্গুলু ধৃণনদ্রনাবিশেষং প্রসিদ্ধা । আরং ঔক্ষঃ প্রালেশনদ্রনাং। তৎস্বরূপং চ কৌলিকস্তে জালাকারৈ দিশিবং। আবশেৎ স্বরতীন গ্রাম ক্ষীরং
দর্শিরিংধাদকে। এতদ্ আহন্দ ইত্যাহরৌকং মধুনা দহ। ইতি (কে ৪ ৪৯ ০ ৪ ১০ ০ ১০ ৫)। আর্থে
আদি চ তেলাং আলভাষালীনাং আদিহাঁতা (ভগঃ) এতদ্রামা দেবং এতে দর্বে ধারণধৃদনলেশনৈঃ
হে কুমারি স্বাং শতিভাঃ লোমগন্ধর্বাায়িশ্রীঃ প্রতিকানায় প্রতিনিয়ভং এনাং ক্সাং কামস্থানং
বাক্ষং পতিং বেস্তবে বেতৃং লক্ষ্য অক্র দন্তবন্ধ:। দাক্রো লুভি 'গাভিস্থাত' ইতি দিছো
কুন্। প্রতিকানার। 'ক্রিরাগ্রবণং কর্ত্তনাং' ইতি কর্মণঃ দ্প্রেলানশ্বং চতুর্বী। বেস্তব্বে
ইতি। 'ভূমর্থে লেদেন্দ্রত' ইত্যাদিনা বিদেশ লিখবিং ত্বেপ্রভায়ঃ। ৭ ॥

वर्शेगो।

। আন তে নয়তু ধৰিভা ীনয়তু পৃতিৰ্য্যঃ প্ৰতিকা**ন্যঃ**।

> । স্বন্ধতি ধেছোন্ধে ॥ ৮ ॥

नप-नार्वः ।

খা। তে। নরভূ। সবিভা। নরভূ। পঠিং। যং। আহতিহকাষা( । — --- -- ---

करा करेका (पश्चि। अवस्य । छ ।

তে করে তে ছা॰ অভিলক্ষ্য দ্বিতা বর্মজ প্রের কো দেবং আ ময়ত বরং আগময়তু।
হা প্রতিকাধাঃ। উত্তেবং । পতিং বোলি নয়তু উপৰমা ছাং বগৃহং প্রাণয়তু। তথা
তে ওবণে প্রীহালকে হং অতৈ কুমার্বো ধেতি পতিং বিধেতি। প্রায়ক্তে।র্থা। 'ধ্বলোরে॰
ছাবভাগিলোপেড' ইতি এয়াভাগিলোপেটা ॥ ( ২কা – ৬অ – ৩৬ ক্ – ৮ম ) ॥

বিতীরে কাণ্ডে বর্তমূবাকে পঞ্চমং প্রতং ।

नमाक्षण वर्काञ्चाकः ।

বেলাৰ্বক প্ৰকাশেন তামা ভাৰ্কং নিধাররন্। পুন্ধাংশচতুরে। দেরাদ্ বিভাতীর্বনহেশরঃ ।

ইতি ব্রীমন্তালাধিরাজরাজপরমেশবব্রী নিরপ্রতাশতরিহরমতারাজপাত্রাজাধ্রক্ষরেশ লামণাচার্যোগ বিরচিতে মাধবীয়ে অধকাবেদার্বপ্রকাশকে বিতীয়ে ভাতে বর্তোজ্বাকঃ। সমাপ্তা বিতীয়ং কাশুং ।

# অথর্ববেদ-সংহিতা।

----ׇ\*‡×-----

# তৃতীয়ং কাণ্ডং।

জীগণাধিণভয়ে নমঃ।

যক্ত নিখসিজং কেলা যে। বেলেজোলিলং জগং। নির্মানে তং অভং বদে বিস্তাতীর্ণমহেমরং । ১ ॥

# প্রথমং সূক্তং।

তৃতীয়কাতে মত্ত্বাকা:। ভত্ত প্রথমেত্বাকে পঞ্চ স্থানি। ভত্ত 'শয়ির্ণ শত্রান্থি ইতি প্রথম স্তরং। তপ্ত পরসেনামে।হনকরাণ ফলীকরণমিশ্রিভণ্ড শা কণিকিফামিশ্রিভন্ত বা ওকনিপিত্র পাংগ্রামিকার্যে উল্পলেন তোমে বিনিহোগঃ। ভবা আলিরের কর্মণি ক্রামেশতিং লক্ষাং মৃর্প করে। পরলেনাং প্রতি নিজ্বায়ার। ভবৈ আশ্যারে বেশভাবৈ আনেন স্কেন চকাং জ্ভ্রাং। তৎ উত্তরং কৌশকেন। 'আর্মিন শত্রেন (৩০১) অ্রিনের্য দূভঃ (৩০২) 'ইতি মোহনাজোদনেনাপয়ভা ক্লাকরণান্ উল্পলেন জ্লোভোবমণ্ন একবিংশভা৷ শক্রাভিঃ প্রতিনিপ্রাভ্রণাং য্লভেই ইভি (কৌং ২০৫) ম

## ভত্ত প্রথম।।

খাগ্নন: শক্তন প্রত্যেতু বিদ্বান প্রতিদলমভিশস্তিমর।ভিম্।

। । । । শ দেনাং যোত্মতু পারেখাং নির্হস্তাংশ্চ কুণণজ্জাভবেদাঃ ॥ ১ ॥

**मर्गत्-२**० ( १ ) ५-७-७२

이유-**위(ঠ:** 1

া । সং। সেনাং। যোলয়জু। পরেবাষ্। নিংহওভান্।

। कृणनदा काङ्क्रिसाः॥ ১ ∦

মলতি গছতি শবং বাংপ্রাতীতি খারিঃ। খাগিবতার্থঃ। খামাৎ ক্ষেন্লোপশ্চ ( উ • ৪ ৫ • ) ইভি নিপ্রভায়:। 'নেডুলি কুভি' ইাত স্ট্প্রভিবেশ:। ,নৈক্জান্ত অগ্নিলসং অংকরণামোন বছণা বাংপাদয়কি। তথা হি। অগ্রিরতানী সর্বদেবতানাং প্রধানভূতঃ 'অগ্নিরতাে প্রথমে। দেণভানাং' ( কৈও ব্রা॰ ২।৪০০০) হাত আরতঃ। দেবাপ্রসংগ্রামে (भन्तमाया अर्थ नयमाम् ना अश्नीवाधः। (मनागीतिकार्यः। 'अविध्कितानाः (मनागीः' ইতিছি ব্ৰাহ্মণং। যথা অংগং পণ্মং যজেও বুক্তিবাৰু তাদৰোন প্ৰণীয়ত ইতাগিঃ। সৰ্বতা শগ্রবকোপণদার্গতে: 'দংক্বিব॰' ইত্যাদিনা কর্তিরি কথাণ বা কিণ্। পুষোদরাদি হাৎ ক্সপশিক্ষি:। যথা অসং শক্রেসেনারপং নয়তি লাহেন আত্মদাৎ করে।তি (ইতি) বা অগ্নি:। অঙ্গণেশ পদার্মতে ন মতের্বা রূপনি জি:। অথ বা ন কো ধয়তি স্বস্থন্ধ পদার্বলাতং অনাদ্রতি করোতীতি বা অবিঃ। রুয়া শকে উলে চ। অমায়ঞ্পুকাৎ রূপং। অপি বা অয়নেন আহবনীধাদিত্বানগণনেন অভিবাক্তঃ প্রজ্ঞতি হ নম্ভি হবীংবি দেবান্ প্রাণয়তীতি। অন্নেন ছবিব: আগুথা। প্রমাতেশ ভদ্ধাব্দিরং কুঠন ু দেবান্নয় এ তিবা অগি:। অবিন্পকে এতেঃ **অংশেদহতে বা** নয়তে শচ যথাক্র মং অবকারাদী স্তান্বর্ণান্ডিফ্ল ভা আরঃ শক্ষো বুৰে পালঃ:। এ ৪৭ পর্বাং যাঙ্কেনোক্তং। অধিঃ কমাণ। অপ্রাণীর্ভাতি। অপরাং মঙ্কেরু প্রণীয়তে। অকং নয়তি **দর্মধানঃ। অধ্রাণনো ভবতীতি ছোলাষ্ঠী**নিঃ। ন কোণগ্রতি ন স্বেত্য়তি। **তি**ছো আখাতেভো আমত ইতি শাকপৃথি: ইতাৎ লক্ত দু ধয়ার। নীতাং। দ ধরেতেঃ भकातर भागत्क भकातर अमास्क्रिया परत्क्या मीः भत्रः हेडि (नि १ ১৪ )। म ह 'ইন্ডো মস্থ্ ু' (কৌ॰ ২০৭)। ইত্যাদিহকোজন্তাকারেণ মস্থনাদিসংস্থারসংস্কৃতঃ শেনা।প্রেএ বিবাক্ষতঃ। সেতাং অগ্নিং বিধান ওয়োগান্নং জাননং নঃ অত্যাক্তং শত্রান্ শাতরিত্ন বেয়ান প্রতোজ প্রতিম্বং গছতু। প্রতিম্বো ভবত ইতার:। কিং কুর্বন। অভিশান্তং আভিসুখোন অভিতো বাহিংসকং। শসু হিংসায়াং। আন্ধাৎ কর্ত্ত'র জিন্ত ছান্দাং পৃথাপদপ্রকৃতিখনত। জিলুম্মেন বা বছরীছিঃ। অরাতিং য়াভিদানং তেন্ত শ্রেয়ে।মাঝং উপলক্ষাতে। অম্ফুয়াবিঘাতিনং শ্রেণ প্রতিদ্ধন্ আছাতিকুলোন প্রতাকং প্রতিপুরুষং বা ভ্রমণাৎ কুর্মন্। যথা। প্রতিদ্হন ইতি 'লক্ষণতেছোঃ ক্রিমামাঃ' ইতি বেভে) শভ্প এর:। প্রভিদ্বনাজে ছো: শ্রুন্ প্রত্যেত্ ইতি দ্বসঃ। পশি

চ লঃ অ্থাঃ পরেষাং অজ্ঞাং দেনাং ইনেন অধিপতিনা সহ বর্তমানং অক্রহননায় লৃজ্ফান্নন্তাং বা। যথাতঃ। দেনা পেখরা লমানগতির্বা (নি॰ ২১১) ইতি। তাং চড়ুরলবলরাপনীং মোহছড় বাকুলচিতাং করেছে। যুর্বিষয়কার্থাকার্যদিভাগজ্ঞানশ্রাং করেছে ইতার্বঃ। মূহ বৈচিতাে। কিং চ আন্তবেলাঃ আভানাং প্রাণিনাং বোলভালরতারং অগ্লিং। মূহ বৈচিতাে। কিং চ আন্তবেলাঃ আভানাং প্রাণিনাং বোলভালরতারং অগ্লিং। মূহ বৈচিতাে। কিং চ আন্তবেলাঃ আয়ুগগ্রহণাসমর্থান কুণবৎ কুর্যাং। কুবি হিংলাকর্থানাদে। অসাং লিউর্বে লেটি এডাগ্রঃ। 'ধিবিকুর্বাের চ' ইতি, উপ্রভায়ঃ। তৎসন্ত্রিয়োগেন অকারোজালেশঃ। তলা স্থানিসভাবাৎ লঘ্ণগঞ্গাভাবঃ। আভবেলা ইতি। গতিকারক্রোরাণ প্রশালপ্রকৃতিস্বর্থং চইতিঃ(উ০ ৪২০৮) আমুক্র্প্রিপার প্রকৃতিস্বর্থং চইতিঃ(উ০ ৪২০৮) আমুক্র্প্রিপার প্রকৃতিস্বর্থং চইতিঃ(উ০ ৪২০৮) আমুক্র্

দিনীয়া।

যুগমুগা মকত সৈনুলো স্থাতি প্রেত মুগত সহধ্যম।

আনমীমুগন বগুণো নাগিত। ইনে অগ্লিচিগেনাং

দুণ: প্রত্যতু বিদ্যান্থ হ ছ

গদ-পাঠা।

যুগণ উগ্লো মকতো সিরুশো স্থা অভি গুল ইড মুগত। শহ্মধানা

যুগণ বিদ্যান্থ হ ছ আৰ্গি হ ছ আ্বাং আ্বাং

 ' তৃতীয়া;।

|

মমিত্রপেনাং মহণস্নস্থান্ চক্রয়তীমান্ত।

--
!

তানিস্ত্র ব্রহ্মার্শ্চ দহতং প্রাত । ত

- -

অমিএহসেনাং। খঘহবন্। অমান্। শঞ্হয়তীং: কভি।

পদ-পাঠঃ 🛭

যুবং। ভাব্। ইক্রণ র্য়েচ্ছন। পরিঃ। চ। রচভং। প্রভি।৩॥

हर्जुर्थो ।

। । । জহি প্রভীচো অনুচঃ পণাচে। ণিমুক্ শভাঃং । — — — —

> । কুণুতি চিক্ত্নেধা্য ॥ ॥ ॥ —

> > भम- भार्ठः ।

অহিস্ত:। ইন্দা আহ্নতা। হরিহভাগে প্রা তে।বজ্ঞা প্রহ্মণন। এত্। শ্রেন্ন -

হে ইন্ধ্র তে তন বলং প্রবল্ধ প্রবল্ধতা মার্গেণ। ইন্ধ্রন্থা শক্তনে প্রবল্ধ প্রবল্ধ। অনেন অধ্বান বলক গতিপ্রতিবন্ধান্দান উল্পেন। 'উপস্থান্তন্দির ধান্ধর্ণে ইন্তি বিভিন্ন। আনেন অধ্বান বলক গতিপ্রতিবন্ধান্দান উল্পেন। ইন্ডিলাং এইন্মান্দাভান্ধি আবাজাং যুক্তঃ দন স্থ স্থান্ধ প্রত্যাপ অন্যান্ধর্ণ। তিত্তে দ্বীয়ো বন্ধান্ধ প্রকর্মেণ প্রকর্মেণ হিংদ্রন শক্রন অন্যান্ধনি প্রত্যান্ধর প্রান্ধান্ধ প্রত্যান্ধর ক্রেন্ড ক্রেন্ড ইন্ডি স্ব্রান্ধর ক্রেন্ড ক্রে

# शक्ष्यी।

केस रगनार सारहाकिर्जागायु।

আবের বিভিন্ত প্রাক্ষা তান্বিষ্চো বি নাশয়। ৫ ।

পদ-পাঠঃ ৷

ं । डेख्यः (मनार। (માદ્યા અમિહા) !!

আনুহোঃ। বাতভা প্রাক্ষা। ভান। বিসূচঃ। বি। নাশর।৫॥

ছে ইক্স অনিজোণাং শক্রণাং শেলাং শক্রীয়য়া যায়য়া মোহয় মূঢ়া বিচিতাং (বিগত) দ কর্ম্বাভা(চেতলং) কুরু। ইক্সত মায়াশ্যম: শ্রুতান্তরে প্রাস্কর:। 'মায়াভিরিক্স মায়িলং' (ঝ০ ১০১১ ৭) ইতি। ততঃ অরোঃ বাতও বায়োশ্চ মিলিভয়েয়াভলোঃ (এবজ্যা) এবিছঃ কহন-বিষয়ে হা বেগিতা গভিত্তবাবিষয়া বেগগতা তরোরের বা গতা তান্ সেনাগতান শক্রন বিষ্চঃ দর্মভঃ প্লায়মানান কুলা বি নাশয়। এবজাতি। এক গতৌ ইভালাং বলিবপিয়্লি-ইজিব্রিক্সভাবিনা (উ০ ৪/১২৪) ঔণাদিক ইঞ্ প্রভায়ঃ। (৩কা – ১য় – ১ছ – ২য় – ১ছ – ৫ম).

यष्ठी।

ইন্দ্র: শেনাং মোহয়তু মরুতো দ্বন্থোকদ।।

। । । চ্কৃংখারের। দত্তাং পুনরেতু প্রাজিত। ॥ ৬ ॥

পদ-পাঠ:।

। । । । ইআ:। শেনাং। মোহরজু। মরুডঃ। ছার। ওজনা।

ছুলুগ্র। জয়িং। জা। দভাস্। পুনং। এজু। প্রাংকিভার ছুছ

ইক্রঃ দেবানাং অধিপতিঃ বেনাং পুত্রণক্ষিনীং মোহয়তু। তথা তংগধিতৃতা মক্রতণ্ট তাং শেনাং ওজনা বলৈন মন্ত। হতেশেটি 'গমতন-' ইত্যুগণালোপে 'ধো হত্তেঃ-' ইত্তি ঘরং। অগ্রিক্রেঃ চক্ষুংবি শক্তনাং অকানি আ গভাং ঘরং থাকরোতু। অপ্রহতু ইভার্বঃ। এবং মোহনাদিনা পরাজিতা পরাভূতা পুনরেতু প্রতিনিবর্ত্তাং॥ (৩কা -- ১ অ-- ১ ফ্ -- ৬ম)॥
ইতি তৃতীয়কাতে প্রথমেশ্বাকে প্রথমং স্কুং।

'অগ্নিণো দৃতঃ' ইতি বিতীয়স্কোন পর্পেনাখোহনকর্মণি পূর্বক্জোজানি কর্মাণি কুখাং। হঞং তুতকৈবোদাজভং।

# ত এ প্রথম।।

স চিত্তানি মোহয়তু পরেনাং নিইস্তাংশ্চ ক্লণ্ডজ্ঞাজবেলাঃ । ১।

어দ- 어15: 1

া । শং। চিজ্ঞানি। মোহয়জু। পরেবাস্। নিঃহহন্তান্। চু। কুণবং। আবিভাহবেলাঃ । ১ ।

শরিঃ অঙ্গনাদিপ্তণ্যক্তো দৃতঃ দেবানাং দৃত্বদ্ অগ্রেশরঃ বিধান্মঃ আমাকং। শ্রেদ তি শেবঃ। অশ্বং পূর্বংক্তে ব্যাখ্যাতং। দেনাপদস্থানে চিন্তানীতি বিশেবঃ ॥১॥

त्रि और।।

কার্মগ্রিম্মুভদ্ যানি চিজ্ঞানি বো হালি।

। । । বি বোধনছোকৃদঃ প্র বোধনতু দর্বজঃ । ২ ॥

भ**न-**भार्ठः ।

व्यवस्। व्यक्षिः। कृष्ण्वरः। यानि। ठिखानि। यः। वृति।

বি ৷ বং৷ ধমতু৷ ওকণঃ৷ এছা বং৷ ধমতু৷ শ্ৰহিঃ হ ঃ

া বি শারেশঃ শঃ যুদ্মাকং ক্রদি জ্ববে মানি চিন্তানি অপ্রদাক্রমণবিসর্জানানি লব্বি তানি লব্বি লি আরং ছুর্মানোগ্রিং অঙ্গনালগুণ্যুক্তং অমুমূহৎ মোহরত্। মুহেশীঝাল সুভি চঙি রূপং। ভিন্তেই বঃ যুদ্মান্ ও কলঃ অথনিসালস্থানাল বি ধনত্ বিশেবেণ নিঃক্ষুবুরত্। স্থানভ্তান্কংছিত্ই তার্থঃ। আপে চলবেতঃ সক্রাণ্যিপি স্থান্দি সংয্যান্ প্রাণ্যত প্রকর্মেণ স্থান্ত প্রকর্মেণ স্থান্ত প্রকর্মেণ স্থান্ত প্রকর্মেণ স্থান্ত প্রকর্মিণ স্থান্ত করেছে ইতার্থঃ। শ্রা শক্ষারিসংযোগরোঃ। আমাৎ লোটি শবি 'পাতাগ্রাণ'ইভাদিনা ধনাবেশঃ। (তকান্ত অক্নান্ত অক্নান্ত করেছে ইভাদিনা ধনাবেশঃ।

कृषी**या** ।

ইক্স চিতানি মোহয়ল×বিভি'ক্•া়া চর I

भ ३ हे है। प

। । ইঞা। চিন্তানি। মোহযন্। অর্বাঙ্। আংক্রা। চর।

শংরো:। বাতজাঃ প্রাকাচ। তান্। বিষ্চঃ। বি। নাশয়॥৩॥

তে টকা চিজানি শক্রণাং মনাংগি মোহয়ন, আকৃতাা আমছকুৰণংহরণবৃদ্ধা। শতিতঃ **লম**্ অকাড্ শক্রসেনাভম্ণশতর গড়ে। অলস্ সাংখাতং । (০ফা—১অ—২২—৩ম্)।

**ह**जुर्गे ।

ঝাকুভয় এধানিভাথে চিতানি মুহত।

পদ-পাঠঃ।

বি। আংহকুকরঃ । এবাখ । ইত । অংগা ইতি। চিতানি। মুহত ।

শপো ট'চ। যং। অভা এবাম। জ্লি। তং।

এবান্। পরি। নিঃ। **জ**হি।৪।

তে শাক্ৰয়: শিক্ষা: শক্ষা: শক্ষা: শ্যা এবাং শক্তাণং মনাংগি উত্ত প্ৰাপ্ত । অথা অপি

চ তে চিন্তান শক্ষায়স্থীনি মনাংগি মুখ্য গৈ মুহত মৌ চাং প্ৰাপ্ত । স্থা হে দেশা: যুরং
এমাং শক্তাণাং বাক্ত্য়: বিশিষক্তৃ। পাদকা: লথা উত্ত তান গছতে। অথা অপি ছ
চদীয়ানি চিন্তানি মুহত মোচন্ত্য । মহতিরক্ত অন্তর্গীতপার্থ: অথা অপি চ হে

চক্ত এমাং লংগ্রামার্থং প্রবিতালাং শক্তাণাং হু দিক্তা ইলানীং য়ং চিকীর্বিতং
চার্যাজাতং অক্তি এমাং সদ্ধ তং শ্রহং পরি নিজ্জাতি পরিতঃ শ্রাজ্য ।

# প্রধা।

শ্বীসাং চিত্তানি প্র'ডমে। চমন্ত্রী গৃহাণাঙ্গাল্যপে, পরেছি। -- -

অভি প্রেহি নির্দিহ হৃৎস্থ শোকৈপ্রতিয়ামিকাং--- - -

স্তমণা বিধা শক্রব্॥ ৮ ॥

ু । । । অংশীবাস্। চিত্তানি । আহতিহমোহরগী । গৃহাণ । আহলনি । আপে । পরা। ইছি। -

**भ५-**गार्ठः ।

অভি। প্রা ইহি। নিঃ। দহ। কংংকু। শেকৈঃ। আহা। অমিতান্।

ভয়পা: বিধা। শত্ৰান্*। ৫* গ

वर्शन—३> (७) ३-० ७२

MARIA

তি অংশ্ অপবারয়তি অপগময়তি শ্বং পাণাংশতিত অণ্য পাণাংদবত।। অপপূর্বাস্থিত ক্রিক্রেরা 'ডোক্সআশি দুর্ভাতে' ইতি উপ্রতায়ে উপলর্গজালোলভাষেলা। বালজালা দুর্ভাতে ইতি উপ্রতায়ে উপলর্গজালোলভাষেলা। বালজালা অপায়ল্ এনয়া নিছেছেশনীয়তে ল্যাণির্বা ভবং বা (নিক্তাচ্ছ) ইতি। তে তিনিক্রের্গাং চিন্তানি মনাংশি প্রেণ্ডমোহয়য় প্রতাজাকং মৌচাং গ্যান্তা। কেতে অভ্যান আজি আলি ক্রেন্তা। প্রাক্তিয়া প্রাপ্তালা করি। কে অপ্রতাজালা (অলানি গ্রাণ্)। গ্রাণেতি। প্রাপ্তালা করি পরেতি আজি পরাম্বালি বিশ্ব করিছে অলভ পরাম্বালি বিশ্ব করিছে। তাল ভবং করের ক্রিলা তালার প্রাপ্তালা করিছে। তালা করের করিছে। তালার করের প্রান্তালা বিশ্ব তাল্যা প্রান্তালা করিব করিব করিব তালা করিব করিব করিব তালার করিব

তাৰ। বিধাত। ভম্বা। অংশংব্ৰেল। যথা। এবাশু।

**થ**જી:। અજીમા ગા \$વંગરિક**ે**ક

তে মক্ততঃ আনো প্রিদুশ্রমানা প্রেবাং দ্রেণাং যা সেনা ওল্পণা স্বকীরেন বলাতিশরের
লপ্র্ন্ধানা অস্থাকিঃ সহ সংগ্র্বং বৃদ্ধোন্তমং কুর্বাণা সতী আসান অভি এতি আস্থাকির্দ্ধ আগদ্ধুতি। লপ্রাস্থাবিধ সাটং শান্ত। 'ভাস্থুলাতেং 'ইতি স্পার্থাতুকাতুদাভূবে শ্লা শিক্ষাল অমুদাভূবে শাত্ররঃ' তাং তথানিধাং শ্রুসেনাং অপ্রতেম। ব্রহংইগ্ কর্মনাম । অপগতকর্মণ পর্মবনাপারবিবাতকেন তমলা তবজ্ঞ প্রেরিজেন সামাম্যেন অন্ধনাম । অপগতকর্মণ পর্মবালাম কর্মিন তবা আনাং দর্জন মনো অক্তঃ ক্ষিত্ত পুরুষঃ অক্তঃ স্থাতিরিজেং পুরুষঃ বলা দেন প্রকারেশ ন জানাং ম জানায়াং। তলা বিধাতোক্ত লক্ষ্মঃ পরস্পরণার্থনিজ্জান কৃষ্ণ বিনালয়তে শর্মি । জানাং ইতি । জ্ঞা অনুবোদমে । লেটি ইতশ্চ লোগং ইতি ক্যাবলোগঃ। জালামন্ত্রী ইতি জাদেনঃ

ইতি তৃতীয়ে কাণ্ডে প্রণমেশ্রনাকে বিতীয়ং পুরুং ॥

'অচিক্রেনং' ইতি ক্ষেত্রন শক্রংশকি ৯ জা কাজে: পুন: স্বাষ্ট্র প্রেণার্থং শক্রেশেনা শারং প্রোডাশং উদক্রে দর্ভান, সংভাই। ভার নিন্যেং ভাতে। নিন্তর্নার্থং ডং পুরোডাশং গোঁইন পুরয়েং। জলা অনেন ক্ষেত্রন স্বাষ্ট্রপ্রবেশার্থং ক্ষাবৌদনং সম্পাতা শক্তিয়ান রাজানং আশ্বেং। অন্ত পরেং। 'অচিক্রেনং (৩৩) আ ছা গন্ (৩০৪) ইতি ষশান্ধ্রিণ অবক্রত্ত প্রশাধাং সেনানিশং পুরোডাশং নর্ভেণ্ নিন্যুতি' ইত্যাল (ক্রিন্তানি হাণ )। শত্রেজার্থং ক্রিন্ত্রালি ক্রিন্ত্রালি ইয়াং প্রধানবান পাত্রমন্ত্রালি ক্রিন্ত্রালি হাণ তার্মেশ ক্রিন্ত্রালি ক্রিন্ত্রালিক ক্রেন্ত্রালিক ক্রিন্ত্রালিক ক্রিন্ত্রা

### ভক্ত প্রথম।

। व्यक्तिकन्द अला हेड जुल्लास नात्य त्तानमी छेताती।

যুঞ্জু আ মরুতে। বিশ্ববেদশ পামু নয় নমণা বাভ্ছবাম্॥ ১ n

## भप्त-भा**र्ठः** ।

া । । যুঞ্জা ছা। মকুতঃ। বিভাচবেদসঃ। আনু আমুণা নয়-। নথসং। রাভচ্ছবয়শ্য ১ ৪

তে লয়ে অন্যে সরাষ্ট্রীৎ প্রচ্যাতো রাজা শতিক্রমণ পুনং ধন ট্রপ্রেশার তাং আহ্বর্যতি। প্রার্থিরত ইতার্বঃ কাদ ক্রাদ ক্রাদ ক্রাণ আহ্বানে রোগনে চ। অসাদ্ গাধাৎ সুতি চাঁও ক্রাণ। 'অনিতাং আগ্রমশাসনং' ইতি কুমভাবঃ। ল ওদস্তগ্রতাৎ ইত স্বরাষ্ট্রেসণাঃ স্বকীয়ানাং-প্রেম্বানিং প্রাস্তঃ স্কর্মা বিধ ভূবৎ ভবতু। ভাতেকেটি সভাসধ্যান ছাল্পঃ শ্রেষ্ঠ শুক্। 'ভুলুবোন্ডিটি' ইতি জ্বাপ্রাভবেদে উণ্ড। তজ্ঞলার্ক জং চ উদ্ধানী উর্কালে। ইর্কালিটির্কালিটির জিলার বালিটির লিলিটির জিলার করে। ইর্কালিটির জিলার করে। ইর্কালিটির জিলার করে। করি করে। করি করে জালার করে। করি করে জিলার করে। করি করে জালার জিলার করে। করে জালার জালার জিলার করে। করে জালার জালার করে। করে জালার জালার করে ইর্কালিটির করে। বিশ্ববিদ্ধানি করে করি করে জালার জালার করে। বিশ্ববিদ্ধানি করে বিশ্ববিদ্ধানি করে। করে করে জালার জালার করে করে জালার করে করে করে জালার জালার করে। করে করে করে জালার জালার করে করে জালার করে জালার করে করে জালার জালার করে করে জালার করে করে জালার করে জালার করে করে জালার করে করে জালার জালার করে জালার করে জালার জালার জালার করে জালার জালা

### विकोशां।

দূরে চিৎ সম্ভসক্ষণণ উদ্দ্রনা চ্যাব্যস্ত সংগায় বিপ্রম্।

।
।
।
।

যদ্ গায়তীং বৃহতীমক নিম্মে সোলামণ্যা দধ্যন্ত দেবাঃ॥২॥

### शङ्ग- পार्ठः ।

যং। গায়ত্রীম্। বৃত্তীম্। অর্ক্ন। অবৈ। সৌরোগণাং। দল্পস্থা দেবাং চুহা:

আকুবালঃ আবোচমানাঃ দীলামানাঃ। অক্স আবোচনাদ্ উ'ত যান্তঃ (নি০ ১২.৭)।
আবিকঃ দ্বে চিৎ লক্ষঃ। চিৎ লক্ষঃ অপার্কে। সুগে নদান্য নিজ্ঞানম্প বিপ্রথ
মেলাবিনানৈতিও। মেদাবিনাং উদ্ধাং স্বাধা আন্দ বাজ্ঞাঃ স্পিকর্মাণ লাগ্যাচরপায়। 'ল্প্বার্থাঃ'
ইতি যঃ। আ চ্যান্যক্ত আগ্যমন্ত । আনেত্রগাপ্তের আদিকাও দুর্লাত। যথ দক্ষাও কাবিশাদ্
দেবাঃ প্রশিক্ষঃ আন্দ উল্লায় গায়ানীং গোমাত্রপাদিনা প্রথাতি গাঁধজ্ঞাপা। হলঃ ওত নীং
আন্মানাধিকাক্ষরাণাং অল্পেশাং ছল্পাং প্রশানভৃত্তাং। বৃত্ত লাগ প্রধানাং চ অক্সার জ্ঞানত।
'বানি চ ছুন্দাং অন্তর্মার চাল্ড যানি চ প্রেলাং লাল্ড বিল্লান্য ক্রিনাল মন্তর্মান্য লাল্ড বিল্লান্য প্রামান্য ইল্লা মাং উপসংশ্রমণ্ড (বৈত ব্রাণ সংগ্রমণ্ড আন্তর্মণ প্রামান্য ইল্লা। আর্ক্ষান্য ক্রিনাল স্বাধান্য বিল্লান্য ক্রিনাল ক্রিনাল মন্তর্মান্য বিল্লান্য ক্রিনাল ক্রিনাল মন্তর্মান্য ক্রেনাল ক্রিনাল ক্রিনাল মন্তর্মান্য ক্রিনাল ক্রিনাল মন্তর্মান্য ক্রান্য ক্রিনাল ক্র

আভিশয়িত্বীর্থাং অকুক্রিভার্থঃ। যথা গায়নো। দিকং অত্যা ইন্দ্রায় । প্রায়চ্ছন ইভি শেশঃ। তথা পৌরামণা! এতল্লামকেন কবির্থান্তেল দেবা দপ্তবন্ধা। পূবং বিজ্ঞান্তব্যক্ষর ইন্তর্পন পূনঃ দক্রিবয়বোশেতং অঞ্করিভার্থঃ ক্রায়ন্তে চি । 'ইর্লেঞ্জ সুমুনাশঞ্চ দশুদিন্তিয়াং নীর্বাহ পরাশৃত্তব্য তদ্ দেবাঃ পৌরামণা। শমন্তবন্ধা (তৈ সংক্রেভার্থঃ তত্মাদ্ অভিশ্রিতবীর্থাযোগাহ ত্থেব আ চ্যাবিদ্ধান্ত ইভি দক্ষরঃ। বিজ্ঞা ক্রেন্ড হড়ি । তামাদ্

# 

হে পরৈর বরজ জরাষ্ট্র রাজন আ আহ বরুণো রাজা অন্তা: সমন্ধর্মনীভা: দকাশাদ্ কর্মজু আকার থকু। শত্র বিভা । 'অণো তি কৈ তি তকার:। তথা শোম: সভার পেশাবিছ ভঃ পরিবিজ্য: সানিবাসভানেভা: তা অণ হর্মজু। ইশুন্চ বিট্ণভি:। 'সভিলা বিশাদ্ পত্রির কি! বিম্ধাে বনী। রুবেন্তং' (অন ১০০২ ই) ইতি শ্রেরতে। আভাঃ যাক্স প্রজ্ঞাক্ত ইলানীং নিবলনি আভাঃ বিজ্ঞা: প্রজ্ঞাভা: দকাশাং আ আহ কর্মজু। রাজাভ্রমজ্ঞার রাজ্ঞানীবি নিবাসভানানি দজাবিভানি স্মুদ্রমণাং পরিবাং দেশান্তরং বা। তেলাং দর্বেভাঃ অকীথেন্দো বরুণাদ্বভাং আহ্বাজ্ঞান বিজ্ঞাং অবিজ্ঞাং আহ্বাজ্ঞানেশানেভার্থ:। এবং ভৈক্টেবরাছ্ ভক্তং ইমাং স্বকীয়াং প্রহং পালিভা বিশঃ প্রজাঃ (জানো জ্বা। শেনাং পাক্ষিবিশেষঃ। দ ইব

(জানো হবাং নাহা পরস্মাদ্যাদেয়) ফেরে শ্পরুদ্ধ: চরুম্ভন্।

আল্ডিনা প্রস্থাং কুগুনাং জ্বগং জ উনং সঞ্চাত। অভিসংবিশধ্যে ॥ ৪ ॥

শ্ল-পাঠঃ

(খানঃ। ছবঃসং। নগড়া ভা। পরখাং। ভারাংলে ভারাংলে ভারাংলা ভারাংলা

ভিশ্বিনা। পস্থাম্। রুপুতাম্। হৃ৹গ্য়। তে। উমম্। সহজগতাঃ। অভি২লংবিশধ্বেশ্য ৪৾৳

খোনঃ লংগনীয়গভিঃ দ্যান্তানো ধেবঃ অন্যাঞ্চলত প্ৰবাস্ট্রে অন্তর্জ্বং শক্রভিনিকজং Bange বর্ত্তমানং অভ এব চবাং হ্রান্তবা। 'বছল চন্দার্গ' ইতি হব: সম্প্রাবারণং। উল্লেখ তাং রাঝানং পরত্বাৎ পররাষ্ট্রাল্ ন। ময়ত সলেশং প্রতি প্রাণ্যতু তণা তে রাজন তে ভব অবিনা অবিনে) দোৰী। 'সুণাং কুলুক্ত' উভ্যাকাবঃ। পস্থা প্ৰহানং। চালাসং আরিং মলোপোব।। আপমন্ধার্গং ওলং ভংগন লখং যোগাং নিরেণক শক্রশ্রণ কবুতাং কুকুভাং। পুগং টভি। 'রজবোরণিকরণে' ইভি ড॰ তে সলাভাঃ সমানক্ষ্মানমান আছেনঃ ষ্টঃ টমং পুনঃ অংবাষ্ট্রং প্রানিইং রাজগনং অভিনণবিশংবং অভিতঃ সর্বাচঃ প্রবিশ্র

**षरिवमध्यर উপनिश्व (সবধ্यर।** निर्मिक्स कारासन आचारिन भनः। ( ওক।— ১ ল--- ৩ ছ. । ১ । ।

शक्षभी । হ্বরাল্য দা প্রভিজনাঃ প্রভি মিক্তা ভারুষভা। (बर्च (नवाट्ड विलि (क्रममनोपद्ग्॥ o. ॥ वत नार्यः ।

হবখন্ত। স্থা প্রতিহলনাঃ। প্রতি। সিরোঃ। স্বণ্ড।

উজ্ঞানী টাত ৳ বিশ্বে। বেবাঃ। তে। বিশি। কেন্দ্ৰ। অনীধরন্। ৫০ ঋ

প্রতিজনা: হে রাজন ্তা হাং বয়স্ত সাহতোন বেবস্তাং বেঞা ভস্তপন্তামে ইভালাৎ ধেলাট্। কর্তার দশ্। ভণা প্রতিমিন্তা: প্রভিক্লানি মিন্তালি অব্যত বিরোধং পরিভালাঃ দল্ভলাবং। বৃদ্ধ সন্তক্তে ইণ্ডামাং ছাফাসে লুভি 'লিঙ্'সচোরাত্মনেপদেবু' ইভি পক্ষে ইডভাবং। 'উশ্চ' ইভি দিচ: কিহাং গুলাভাবং। ইন্দ্রী বিধে দেবাশ্চ বিদি। আভাবেক্ষর্কার:। বিক্ষু প্রকার তে ভব্ ক্ষেয়ং রক্ষণং নদীধ্রন শার্যন্ত কৃশস্ত। ধার্যতেশিভাই কৃতি হাও রুপানা ( একান ১ নালাভাবেক্ষ্তি হাও রুপানা ( একান ১ নালাভাবিক্ষার রুপানা বিশ্বর রুপ

ষষ্ঠী।

| | | | |

যক্তে হবং বিবদৰ গকাডে য\*চ নিন্ট্যঃ।

| | | |

আপাক্ষম্ম ডং কুণাথেম্মিহাৰ গ্ৰ্মা। গু।।

পদ-শ্যঃ।

য়:। (ভ। হৰণু। বিহৰণৰ। সহজ্ঞাতঃ। বংগ হা নিটাঃ।

भानाक्षम्। हेळाः छर। कुचाः चनः हेमरः हेटः चनः शमदः।**७**॥

ছে রাজন তে তা হনং স্বাষ্ট্রপ্রেশনিষয়ং পুনবাহবানং বাং লজাতঃ স্থানজন্মা। শ্বন্ধ ইত্যবং। যণ্ড নিষ্ঠাং নাচঃ। নিক্ষণে ইত্যবং। 'লগায়াং ভাণ্' ইতারে 'নিশো গতে' ইতি বচনাং ভাণ্। 'হুপাং ভাগে তি ভিনুতে' ইতি দকারত সুদ্ধিতঃ। জনগার্প্তরঃ কশিচল নিবলং নিশ্নে নাজুমপ্তেভ। বিপুর্বাদ্ বলেগেটি অভাগ্যঃ। তে ইস্তাভং উভয়বিশং শফেং অপাঞ্চং আপান্তং বৃত্তিই কুমা অপ অন্যারং ইমং প্রকৃতং রাজান্ং ইহ অক্সিন্ রাষ্ট্রেশ্ব গ্যায় বোদয়। অসা রাষ্ট্রেশ অধ্যাত প্রাণাণয়েভার্গঃ।

# ইভি প্রণমেকুবাকে ভূঙীয়ং সভ্তৰণ ।

'আ আ গণ' ইতি হত্তেন সর। ট্রপ্রবেশকর্মণোগ পৃথাহত্তেতালে কর্মণি কুর্যাৎ। ত্রং তৃ ভবৈবেশালাহ্বন। আন্ত 'গণা। রেগ্রাং' (৭) উভেবা প্রায়ণীয়েইটাং পথাস্বভিন্নাগাহ্বন্দ্রেণ বিশিষ্ট্রন। 'নীক্ষাত্তে প্রায়ণীয়ায়াং' ইতি পাক্ষমা 'প্রা রেগ্রীঃ (৭) বেলঃ স্বভিঃ' (৭২৯) ইতি হি বৈভানং হ্রং (৩৩)। (৩ক। ১ ল ০ছ ৬৭) ॥

### ৬ ক্র প্রথমা।

আ। ছ। গন্ রাষ্ট্রং প্র বচ্চণোদিছি প্রাও্

বিশাং পাতিরেকবাট্ হং বি রাজ।

বিশাং পাতিরেকবাট্ হং বি রাজ।

বিশাং পাতিরেকবাট্ হং বি রাজ।

শদ-পাঠঃ।

चा। ডা। গৰু। রাষ্ট্রণ। শহা বর্চনা। উৎ। ইচি। প্রাঙ্গ বিশাস্।

পতি:। একহরাটা অ্যা বি। রাজা।

ो | नर्नाः। फो। ताव्यना अधिकिम्भः। इत्यग्रहः। উপহস্তঃ। নম্মু । ख्या डेह्॥ ১॥

তে রাজন ৠ খাং রাষ্ট্র শক্রন্তি জাজাত শকীয়ং রাজাং আ গন্ পুনবাগমং। গয়েলু নি

'ধল্লে ঘণ' ইতি নেলুক্। 'মো নো শাতোং' ই'ত নছন। তত্তং বর্চলা বলেন লই

উলিই উলিই: প্রাাতো জন ইনো লোট্ আনন্তর প্রাক পূর্বং বিশাং প্রজানাং

ক্রিলাং পাজঃ পালকং দন একরাট্ নিঃলপজো মুলো রাজা ভ্রা হং বি রাজ বিশেষেণ

দীপাখ। একরাডিতি। একশক্ষোপণলাল্ রাজাহে: 'সংস্থিদ ও' ইতি কিণ্। 'ব্রুচ্চ'
ইজাদিনা বছং। জল্বচর্ত্তে। তে রাজন খা হাং দর্শাঃ প্রাক্তি। ইহু ক্রিন্ স্বান্তির

ভলজিমানিলো দেবজা তরিছা জনা বা হ্রান্ত খামিছেন অকুজানস্তা। ইহু ক্রিন্ স্বান্তির

রাষ্ট্রে উপদক্ষং লবৈরুপগদনীয় লেনাঃ। বাভায়েল মংলি মুলা নমস্কার্থান্ত ভব।

'ন্যোব্রিবান্টিরেড: কাচ্' ইতি কাচ্। তল্পাদ্ 'ক্রেটা মং' ইতি কর্মণি হং।

আ্কোলোপয়লোণে)। 'তিং স্বিকং'। যথা নমস্কারাছং। 'ছন্দ্রি চ' ইতি যাঃ।

ছালানং অস্কার্ডয়ং। ( গুলা— ১ আ— ৪ মু ১ মা ॥

দ্বিভীয়া।

খাং বিশো রণভাং রাজ্যায়ি ছামিমাঃ প্রদিশঃ পঞ্চ দেবীঃ।
।
।
বিখান্ রাষ্ট্রক কক্দি গ্রাম ভভো ন

। উত্তোধি ভলা বসুনি।। যা

भव-भार्ठः ।

ी धाम्। तिमः। द्वन्छाम्। द्वाकाग्रिः। धाम्। हेगाः। धारुभिमः। शक्यः। (सरीः।

়া । । । । বখন্। রাষ্ট্রখা ককুদি। শুরখা ততঃ। নং৷ উএং। বি৷ ভজা বহুনি।২॥

ধি বোজন খাং বিশঃ প্রজা রাজাায়। রাজ্ঞো ভাবং কর্ম বা রাজাং। 'পভ্যস্থপুরোহিতা' দিছো৷ যক্ ইতাত্র পুরোহিতানির্ 'রাজাংলে' ইতি পাঠান্ যক্। রাজভাবায় রাজকর্মণে বা বুণতাং গজজতাং। তথা ইমাং পার্দুভূমানাঃ প্রদিশঃ প্রাচ্যাল্যাঃ পরু মধ্যদিশা লচ পঞ্চনংখ্যাকা দেবীঃ দেবায় জোতমানাঃ। বুণতাং ইতি সৃদ্ধঃ। ততঃ রাষ্ট্রশু বর্মন ব্যাণি শরীরে। স্প্রমা লুক্। 'ন ভিস্ফুজাোঃ' ইতি নলোপপ্রতিবেধঃ। অপালনীয়ভূপরীর ইতার্ধঃ। তত্রাপি কর্দি কর্কীবোলতে স্থানে প্রশাস্থ বা নিংহালনে শ্রম্ম আস্থা। ততঃ উপবেশানস্থরং উত্রঃ উদ্যুণ্বলঃ শক্তিরনভিভাবাঃ লন্ বস্থনি ধ্যানি নঃ স্ব্যাকং দেবকানাং বি ভ্রম্ম ব্যাহাগ্যং প্রয়ক্ত। 'ব্যচেহেতভিভঃ' ইতি লাংহিতিকো দীর্ষঃ॥ (৩৯৷ ১ল – ৪স্ – ২ম্যা

ভূভীয়া।

জায়াঃ পুরাঃ জ্মনগো ভবস্ত ত্তং বলিং প্রতি পদ্যাদা উত্তঃ।। ।।

. भूष-भार्वः।

প্ৰজ্ঞা খা। যক্ত হৰিনা। প্ৰভাৱা। অগ্নিঃ। সূতঃ। অভিরঃ। পৃষ্। চরাতৈ।

জায়াঃ। প্রোঃ। পুহ্মনদঃ। ভবস্তা বছৰ্। বলিষ্। আঠি। প্রাটেন। উঞ্:। 🗷

**७१५ – २२ ( ७ ) ५.७.७२** 

হে রাজন হা হাং শ্লাভা: শ্মানজনানঃ অন্তেরাজানো হবিনঃ। হবং আ্থানিং আজারূপং এবাং অন্তি হবিনঃ ভাদৃশাঃ শন্তঃ। অচ্ছ ইভ্যাভিমুখ্যে। (যন্ত্র) অভিসচ্চন্তু। শর্মে রাজনভাবজাবশবর্তিনো ভবল্প ইভ্যাভি৷ (তথা) অজিরঃ হ্যা প্রেরিভঃ প্রনশীলো বা দৃভত্তবীয়া ভটঃ অমিঃ। লুপ্রোপানং এতং। অমিরিব অপ্রস্থায় সংচরাতৈ
শক্ষরত্। শম্পুর্নাচ্রেভেলে টি আডাগ্যঃ। 'বৈভোক্তর' ইতি ঐকারঃ। অজির ইতি। অজ
সভিক্ষেপণয়োঃ ইভ্যাহাং অজিরশিশিবশিশিল। (উ০ ১০০০) ইভ্যাদিনা কির্মত্ত্যে
নিপাভিতঃ। অশি চ জারাঃ ভার্যাঃ পুরাশ্চ ভ্রুণলক্ষিতাঃ সর্কে বাহ্বাঃ স্থনলং পুনঃম্বাষ্ট্রপাস্তা। শেমনস্থাক্তা ভবল্ব। 'লোম্নিলী অলোমোবনী' ইভ্যাত্রণলাত্বাং। উথাঃ
উদ্যুগ্বলভ্যং বছং অধিকং বছবিশং বা বলিং উপায়নং করং বা প্রভি পশ্চানৈ প্রভিমুখং
শাগতং পশ্চ। প্রভিপুর্বান্থ লুশেলেটি ব্যকায়েন আল্বনেপদং। অভৈত্বে পূর্ববং। ৩ ৪

# **ह**्रथीं।

### शन-भार्ठः I

হে রাজন তা তাং করে প্রথমং ক্ষিনা ক্ষিনে দেনে উভা উভে মিতাবরুণা মিতাবরুণা মিতাবরুণা চ। হরয়ত ইতি দ্যকঃ। তথা তা তা বিখেদেনাঃ মরুত্ত হরয়ত রাজ্যপ্রবেশং কারয়ত্ত। ক্ষে কথা কথা বাজ্যপ্রবেশনভ্রমঃ। 'নিপারত চ' ইতি সাংহিতিকো দীর্ঘঃ। তে ছাজন মনঃ ত্থীয়ং বহুদেয়ায় কথিছো৷ দ্যালানায় কুণ্ড কুরু। কুবি হিংলাকরপ্রোল্ড। বাজ্যরেন ক্ষাজ্যনেশনং। বহুদেয়ায়েতি। 'ক্ডা যং' ইতি ভাবে মং। 'ঈ্ফুডি' ইতি ক্ষারাজ্যনেশঃ। 'যতোহনাবঃ' ইত্যাক্।লাতবং। স্মানে ক্রুতরপ্ন প্রকৃতিস্রেম্বং। তেওা স্ক্রাণি ব্যাণ্যাতং। (ওক্—১ ক্—৪ হ্ – ৪ম্ )।

# शक्ती।

্। ভা প্র জব পর্মকা: পরাবভ: শিবে তে

> । ভাগপৃথিবী উভে ভাষ্।

छमग्रः त्राका वतः १७ थाह म चात्रभन्दर म खेरणमरमहि ॥ द h

### गम-शाठेः ।

তং। অৱশ্। রাজা। বরুণ:। তথা। আহে। न:। আন। अवज्ञम्।

ভাহবং। গঃ। উপ। ইলম্। আং। ইহি।৫।

হৈ দ্রদেশস্থিত রাজন পরাবতঃ। দ্রনাটোতং। পরম্ঞাঃ পরাবতঃ অত্যাদ্রদেশকা আ প্রাপ্ত অব অরাষ্ট্র ভিম্বং শীল্রং আগজ্ঞ। পরম্ঞাইতি । ব্যতায়েন অনুজাগনঃ। (পরাবজ্ঞ ইতি।) 'উপদ্রাজ্ঞন্ধে ধার্বে' ইতি বৃতিঃ। অল অবগ্রহণদাম্ব্যাং লিক্সজ্ঞাবোগঃ শ্রাব্তঃ। অরাষ্ট্রং প্রবিশতঃ তে তব উত্তে ল্লাপ্যাণ্য লাগাপাণ্যা লিবে মঙ্গলারালাঃ। তাং ভাগে ভবতাং। অন্তেলোটি তসভাং। আলোরলোগঃ ইতি অকারলোগঃ। তং তামিন্ বিদাস্যানবিষ্ট্রে আরাং বরুলো রাজ, তথা যালারলোগঃ ইতি অকারলোগঃ। তং তামিন্ বিশ্বে আরাং বরুলো রাজ, তথা যালারলোগঃ ত্বাহিন্ত ক্রিতে। শেরাং উল্লোব্যা ব্যাব্যা বাং আহ্বং উপ্তিতি আহ্বাহিত বিশ্বিক আহ্বং আহ

# मश्री।

। । । । । ইন্দ্রেক্তর মতুষ্যাতঃ প্রেধি সং হাজান্ত। বরুণেঃ সংবিদানঃ।

স স্বায়মহব্ৰ স্বে সধক্ষে স দেশানু যক্ষৎ স উ কল্লগাদ্ বিশঃ॥ ৩ ।।

পদ পাঠঃ।

ইবাহইবা। মহুয়া:। পরা। ইভি। স্থ। হি। অভগস্থা:। বরুবৈ:। লম্হণিদানঃ। ---

प्रकारः। माः। फिरहेडिं। कञ्चर्यारः। निमः। ७॥ --

ইল্লেক্স। আনরার্বং পুনর্মচনং। তে ইন্দ্র পরিষ্থাগার্ক মন্ত্রাণ অব্দান্। আন মনোরপ্রাভ্তাং প্রজাং প্রতিপরিতি আগজন। বি যক্ষাৎ আর্বাৎ হে ইক্লে ছং কর্তবিং কর্নেন লংকিদানং ঐক্মন্তাং প্রাপ্তঃ। প্রজাধাং ক্রেচনং। লং আরুবাং এতদাহ্বাননিবরে ল্যানজানকান্ অনি। তামাদ্ আগজেতি লহম্বঃ। জ্যা আব্বোদনে। আমাৎ লুভি 'স্প্রতিভাগে অনাধ্যানে' ইন্মান্ত্রনপদং। পোয়ং কর্ণেন ঐক্মন্তাং প্রাপ্ত ইন্ধেং তে রাজন্ হা ছাং অহবং আহ্বাভি। ততং হারাট্রং প্রবিশেতি শেখঃ। প্রবিশ্র চ বে অক্টায়ে স্পাত্র স্বস্থানে স্বরাষ্ট্রে। ল্যান্ত্রাণ্ডি তার্দিকর্ণেকঃ। 'ল্যান্ড্রাণ্ডিলের দিকর্ণেকঃ। 'ল্যান্ড্রাণ্ডিলের ম্বাল্ডিনা্র্রুক্র বিশ্বাধান ক্রেরাং অব্যাণ্ডিরের ক্রেরাড্রা ক্রিরাং ক্রেরাং অব্যাণ্ডিলের। বিবান্ ক্রেরাবিশঃ প্রজাং ক্রেরাং অব্যাণারের ক্রেরাড্রান্ডিলেং। ক্রেরাডেনিটি আডাগ্যঃ। ৩ এব

সপ্তনী।

| | | |

পথ্য

(রেবাতীক্ষিত্ধা বিরূপা: সর্বা: সংগ্রু বরীয়প্তে অক্রন্।

- - - |

ভাস্থা সর্বা: সংবিধানা হবগ্নন্ত দশনীমুগ্র: স্থননা বশেহ ॥ ৭ ॥

भक्त भार्तः ।

শ্বার্থি বিহরপাণ করিং। শশ্বস্থা বহীয়া তে। অক্রেন্। - - - -

खाः। दाः नर्याः। नगश्विमागाः। स्वत्रद्धाः मन्धीः।

। উগ্রঃ। ऋহমনাঃ। तमा **हर**। १।

ইতি তৃতী।কাতে প্রথমেরবাকে চতুর্থ স্ক্রং।

'আয়মগন্পর্গণিঃ' ইত্যানন স্তেজন তেপোনলাযুদ্ধনালিপুটয়ে প্রাপর্ক্ষণিং বালিতং কুছা কুলাতা আভিমন্ত্রা বরীয়াং। ভলাত স্ত্রং। 'আয়মগন' (তার) আয়ং প্রতিসরঃ (৮।৫) আয়ং মে বরুণঃ (১০।৩) অরাতীয়োঃ (১০।৬) ইতি মল্লোজনন্ বালিতান্ বরাতি' ইতি. (কৌ তার)। উল্জো বালিতশন্ধার:। তলা 'আলারনীং লম্পেক্ষেম্য' ইতি (ন০ ক০ ১৭). বিহিতায়াং মহালাত্যে প্লাশম্লিব্দ্ধনেশি এতং স্কেং। উক্তং নক্ষ্ত্রক্রে ! 'আয়মগ্রিজি মেরোজেং আলির্ক্রেং' ইতি (ন০ ক০ ১৯)॥

## তত্র প্রথম।

পদ-পাঠ:।

णाः व्यवस्था व्यवस्थाः । বলী। বলেন। প্রহম্পন্। সহপদ্ধান্।

ওজঃ। দেবানাং। প্রংগীনাং। বর্চিনা। মা। জিল্ছু। আন্থাবন্য ১ র

শ্বারং শব্দে পর্ণ: পোমপর্ণাদ্ধ আত: ( তৈ ত আ০ ১ ২০১৬ ) ইতি শ্রুক্ত:। আগন আগজতু। কিংবিশঃ। বলী অভিশন্তিবলবান্। অভিমতকলং দাতুং দমর্ক ইতার্ব:। অত এব বলেন ফলীয়েন দামব্যাতিশয়েন দপতান্ শক্রন প্রমুগন প্রকর্পা হিংদন্। আগজতু ইতি দমস্ক:। পুনন্তমেব বিশিন্তি। দেবানাং ইন্তালীনাং ওলঃ বলক্রপা তথা ওস্ধীনাং সন্ধানাং পদ্মঃ দার্ক্তঃ। ওবিধনার দোমজ্জত্বাং। এবংলক্ষণঃ পর্গণি অপ্রয়াবন অপ্রয়াবা মাং বিহায় অনপ্রস্তঃ। ওবিধনার দোমজ্জত্বাং। এবংলক্ষণঃ পর্গণি অপ্রয়াবন অপ্রয়াবা মাং বিহায় অনপ্রস্তঃ। ওবিধনার দোমজ্জত্বাং। ইদিব দিবি বিবি ( কিবি ). প্রশার্থাঃ। ইদিব দ্বং। অপ্রয়াবন্তি। অতের্কান শ্। শুপাং অ্রুক্ত ইতি শোকুক্। নলোগাভাব ভালকাঃ। যথা হে অপ্রয়াবন্ অপ্রয়াতঃ সর্কাণ ধার্যানাণ্। 'ন ভিস্কুদ্ধাং' ইতি নলোগাভাবঃ। হে মণে মা মাং তেল্পা কিব্ছু। পুরুব্যভায়ঃ। কিয়েভার্যঃ। ( তক্ন—১অ—৫্স্—১ম)॥

দিভীয়া।

ি । ময়ি করেং পর্বিণে নয়ি ধারয়ভাদ্রয়িষ্।

। আহং রাষ্ট্রকাভীবর্গে নিজো ভূয়াপমুভমং॥২ৄ॥ পদ-পাঠঃ।

| শুরুত্বং। পর্ণহ্মণে। ময়ি। ধার্যতাং। ইয়িং।

---
।

আন্তং। কভিছ্বর্গে। নিহ্লঃ। ভূয়াদং। উৎহত্তমঃ। হ্য

খে পর্ণমণে প্রশাসনির্মিত্র মণে ক্ষরেং। বলনাগৈত ও। বলং ক্ষরির আতিং বা মন্থি
মণিধারকে ধাররতাও ধারর স্থাপর। তথা রিরিং ধনং চ (মরি) ধাররতাও।
ধাররতেতে স্থাত ছ আাদেশঃ। অহং চ ছদ্ধারণাদ্ রাষ্ট্রপ্র রাজ্যপ্র অভীবর্গে আবির্জনে
বাণীনকরণে নিজঃ অন্তাসভারঃ উত্তযঃ উৎক্রইত্যো ভ্যাসং। স্ববাহণলেনৈর সর্পাং রাষ্ট্রং
বশীক্তা স্ক্রিশ্রে ভ্রানীত।বাং। অভীবর্গে ইতি। অজিপুর্কাদ্ রুজের্ডাবে প্রঞ্
উপস্বিপ্ অ্ঞামক্রে বছলং'ইতি দীর্ঘা। উত্তয় ইতি। 'উত্তয়শপ্রত্যে) স্ক্রেই ই্ডি
উঞ্ছাদিধু পাঠাদ্ অস্থাদেতঃ। (৩কা – ১ অ — ৫ক্ – ২ম)।

তৃথীয়া।

।

যং নিদপুর্বনস্পাতে গুড্জ: দেবাঃ প্রিয়ং মণিম্।

।

।

।

গল-পাঠ:।

যং। নিহনধু:। বনস্পতে । গুজ্ং। দেবাঃ। প্রিয়ং। মণিং।

।

তং। অম্ভাং। দুহ। আয়ুনা। দেবাঃ। দুদু ভর্তিরে। ৩॥

তং। অম্ভাং। দুহ। আয়ুনা। দেবাঃ। দুদু ভর্তিরে। ৩॥

দেশাঃ ইংদান্তা যং অভীইফলনত্বন প্রাসিদ্ধং জত এব প্রিরং প্রিরংকরং গৃহং গোপনীরং

াণিং বনস্পতৌ পলাশর্কে নিমধু: নিহিত্যপ্তঃ। বনানাং প্রাতিধানস্পতিঃ। পারস্করানিশাং

ইট্। 'উভে বনস্পুত্যানিষু যুগপং' ইত্ভিরপনপ্রকৃতিসরহং। গৃহংইতি। শুহু সংবরণে

তোমাং 'শংলিগুহিছ্ছিভাো বেভি বক্তব্যং'ইতি কাপ্। তং তথানিধং মণিং অসভাং ভর্তবে

স্বণার। তুমর্বে তবেন প্রত্যাং। আর্বা নত দেবাঃ দদতু প্রয়েছ্ন্ত। তুলাঞ্ ্ণানে ইভামাৎ

সন্ভান্তাং ইত্তিক্তি অন্তিশঃ॥ (০কা – ১অ – ৫ম্ – ৩ম্ )।

. ह्यू शैं।

। । । । পোনভা পর্ণ: সহ উগ্রমাগরিক্ষেণ দভো বরুণেন শিটঃ।

ছং প্রিয়ানং হত রোচ্যানো দীর্ঘায়ুবায় শতশারদায়। ৪।।

পদ-পাঠঃ ।

। मखः। वक्ररणमः। विक्रैः।

ডিং। প্রিয়াৰং। বছা রোচমানঃ। দীর্ঘায়ুহ্মায়। শৃতহণারদায় । ৪।

লোমস্ত দ্বালোকস্থায়া: শোমলভায়া: পর্ণ আহ্বণসময়ে ভূমৌ পভিতণ্ণন্ উন্তঃ।

ইন্ধান্তে ছি 'ড্ভীরস্থাং ইভো নিবি সোম আসীং। ডং গায়ত্রাাহরং। ততা পর্ণং অভিনত ।

তৎ পর্বোভ্রং। তৎ পর্ণন্ত পর্ণরুপানলার এবং আর্বাহরং। ততা পর্ণ অভিনত ।

তৎ পর্বোভ্রং। তৎ পর্ণন্ত পর্ণবিদ্ধানলার এবং লাজনো মণিং আগন্মাং আগছত্য।

কণভূচঃ। ইক্রেণ দেবেন দন্তঃ বক্রণেন শিষ্টা অন্তলিইঃ অন্তল্ঞাতঃ। তং উক্রেলক্ষণং পর্ণমিণিং

ক্রেলিং বোচমানঃ বোচমানং। হিতীয়ায়াঃ 'ক্রপাং অলুক্' ইভি জ্বঃ। মণিং

প্রিয়াণং ভ্রিয়াণং গার্বেয়ং। কিম্বৃং। শভ্রশারেশা ক্রেলের পরিমিভায় দীর্ঘায়্রায়

চিরকালজীবনায়। দীর্ঘায়েভি পদং 'দীর্ঘায়্রায় বৃহতে রণায়' (২০৪০) ইভাত্র

ব্যাগাভিং। শর্মের শারেদং। প্রভাবেরাকৃতিগণভাং স্বার্থিকঃ অণ্। যথা শ্রমঃ

• • •

शक्षभी।

পুর্বিপদপ্রস্থাতিবরষং। (৩ক:—১ল—৫স – ६ম)।

খতো: नक्की भारतः সকংসর:। 'তভেদং' ইতি অণ্। উভয়ত্ত বছত্রীহো

। । আ। মারুক্সং পর্ণমণির্মহ। অরিফউডাডয়ে।

। ঘথাহমুভবোধালুব্যেষ্ণ উভ সংবিদঃ।। ৫ 🚒 भव-भारेर ।

· आ। भा। आक्रकरा পर्वश्यिमा गरेखा आविष्टेरखाडरणा

। विश्वा कहर । केला क्षेत्र । कष्त्र । कष

গমানজানাং। প্রবলাদ্ ইতার্ব:। তথা দ্বধা বেন প্রকারেণ অবং মণিধারক: উত্তরঃ উৎকুইতর: অধানি ভ্রানি। ভ্রা আরুক্সং ইতি গছরঃ। অভোগাটি 'আড্রমত শিক্ত'

ইতি আড়াগমঃ। অর্থান্থা ইতি। 'অলোপোংনঃ' ইত্যকারলোণে উদাভমিৰ্ভিবহেশ বিভজেক্লগান্তবং । (কলা—১অ – ৫স্—৫ম)।

*A* 

्व शिवारना तथकाताः कर्याता (व भनीविनः।

। উপস্তীন পূৰ্ব মহং দং সৰ্কান্ কুণ্ডিতো জনান্। ৬।।

- -

উপহতীন্। পূৰ্। মহং। খং। শৃৰ্মান্। কুৰু। অভিতঃ। জনান্। জ।

যে বীবালঃ বীবরাঃ মাৎদিকাঃ। দ্বাতে: কমিপি 'গুমাছা॰' ইতাদিনা ঈবং। বে ৪
ইবকারাঃ রথমির্রাজারো আজিবিশেবাঃ। উক্তং হি। রবকারত মাহিত্যাৎ করণ্যাং যণ্ড
শক্তবং ইতি ( অমরঃ)। বৈশুলাং ক্ষত্রিয়াল্ উৎপারা মাহিত্য। পুলারাং বৈশুলাল্ উৎপারা
করবী।বে কর্মারুঞ্জারপ্রত্তরঃ যে চ মনীবিশং মনল কলি তারো রৃদ্ধিবিশোধাশকীবিনঃ।
বে প্রতিশ্বার মণে বং। বিকারে প্রাকৃতিশ্বা। স্বান্ উজ্কোপ্লাক্তান্ অমান

चरः। বর্তার্থে চতুর্থী। মন অভিডঃ সৃধিতঃ উপন্তীন্দেবার্থং সমীপে বিভয়নান্ উপানীনান্বা কুরুকুর । উপপূর্বাদ্ অভেঃ ক্তরি জিচ্। 'ছলক্মভয়ণা' ইতি শার্কি। বাতুক্রাদ্ ভূতাবাভাবঃ। অলোপচ্চ আনের্ধা। আদিলোপদ্যান্দাঃ। ৩ ।

# সপ্তমী। বৈ রাজানো রাজকৃতঃ সূতা প্রামণা ৮৮ বে। তিপন্তীন্ পর্ণ মহাং তং সকাস্ক্র ভিডো জনান্॥ ৭॥ গদ-পাঠঃ। বে। রাজানঃ। রাজহক্তঃ। হতাঃ। গ্রামণা । চ। যে। উপহতীন্। পর্ণ। মহাং। তাং। স্কান্। কুণু অভিতঃ জনান্॥ ৭॥

হে রাজান: অক্সদেশাদিশা রাজকুতঃ রাজানং কুর্মন্তি রাজো অভিনিদন্তীতি রাজকুতঃ
দিচিনাঃ স্তাঃ। ব্রাহ্মাণাং ক্ষরিয়াদ্ উৎশল্লঃ স্তঃ। তজ্জাতীয়াঃ সারপোপজীবিনো বা।
বে (চ)। গ্রামণাঃ গ্রামণ্ড নেতারঃ। 'নৎস্থিষ•' ইতি কিণ্। 'এরনেকাচঃ•' ইতি বণ্।
উপতীন্ ইত্যাদি পূর্মান্ যোজাঃ॥ (৩কা—১আ—৫স্ – ৭ম)॥

প্রক্রি।

পর্বে তনুশান: সরোনিক্রীরো বীরেণ মরা।

সম্বংগরক্ত তেজগা তেন ব্রামি তা মরো ৮॥

পদ-পাঠ:।

পর্ব:। অদি। তনুহশান:। সংযোনি:। বীরা বীরেণ। মরা।

সংহ্রংস্রত। তেজণা। তেন। ব্রামি। খা। মণে। দুর্ম

হে মণে ছং পণোঁৰি অন্তময়ত লোমত পণীৰিকারোদি। অত এব তনুপানঃ তবাধ অধীরত পাতা রক্ষিতাদি। বীঃ: বীগলং বীরেণ বীগ্যতা ময়া লয়োনিঃ বীগ্যক্ষালনে ন্ ল্যানজন্মাদি। তেন উক্তেন কারণেন লহুংসরত এতত্পলক্ষিতকাল্ভেদ্নির্বাহক্ত আদিতাত তেলেনা বুক্তং আ ভাংম্যামি ধার্যামি অনীয়তে জোবাপ্তয়ে ধার্যামি । ৮ ।

हेि इ श्रेषकात्व ध्रायमाञ्चात्क शक्षमर प्रक्तर ।

# ইতি প্রাণ্মানুবাক: 🛊

ষিতীয়েয়্বাকে পঞ্চ স্কোনি। 'ভত্র পুমান্ পুংলঃ' ইতি প্রথমং স্কোং। তেন অভিচারকর্মণি থনিরোথাবথমণং শলাতা অভিমন্তা বরীয়াং। তথা অনেন স্কেম পাশাক্
ইলিড।লক্তান্ শল্পাতা অভিমন্তা শক্তমর্মণি নিখনেং। তথৈব অনেন স্কেন্দ পূর্ববিৎ পাশান্ অভিমন্তা 'তেগরাঞ্চা (৭,' ইতাচা নদীপ্রবাহে প্রক্ষিণেং। এবমেক পূর্ববিদ্ অভিমন্তিতান পাশান্ প্রৈণামুদে (৮) ইতি থাচা অথকশাধ্যা প্রপুদেং। স্বিত্ত হি। 'পুমান পুংল ইতি মন্ত্রেক্তং অভিত্তালক্তাত বলাত বাবতঃ পপত্রভাবতঃ পাশান ইলিডালক্তান্ শল্পাতবতোন্কান্ শক্তাগেক্তা মর্ম্মণি নিখনতি নাবি 'প্রেণান্ন' 'ক্রম্ম কাম' ৯.২৪ ইতি মন্ত্রেক্তং শাধ্যা প্রবৃদ্ধি 'ভেধরাঞ্চাং ব ইতি প্রপ্লাব্যতি' ইতি। কৌণ্ড ২) তথা 'অভিচরতঃ অভিচর্যামণ্ড চ' ইতি (নি ক ১২) বিহিতারাণ মহালাক্তিয়া মণিবন্ধনেপি এতং স্কোং। তল্ উক্তাং নক্ষত্রক্ত্রে। 'আলির্ডাং পুমান্ পুংল ইতি

ভত্ত প্রথম।

| | | | |
পুনান্ পুংগঃ পারজাতে।শ্বতঃ থদিরাদ্ধি।

| ।

স হস্ত শক্তান্ মানকান্ যানহং দেখি ধে চ কাম্। ১ ৯

পদ-পাঠঃ। । । । পুমান্। পুংসঃ। পরিহলাতঃ। অব্যংগ ধদিরাং। অধি।

नः। তথ্য শক্রন্। মানকান্। যান্। অবং। ছোগা হোচামাং:১৮

পুষান পুংজোপেতো বীর্যাতিলগুরুজে। কৃষ্ণ পুংলা তাদুশাদ কৃষ্ণাং পরি**লাভঃ প্রান্ত্** তচ। প এতদেব বিশিনষ্টি। অখথা অখর গালন অরিভিউত্যঞ্জে অখথা। জারতে হিন। জিরিক জিবেত্যো নিরায়ক্ষ্য অখো রূপং কুরা লোখথে শহংসরং লভিক্র। তদ্পথ্য খ্রুপ্র (তৈও ব্রা০ ২'১।০।৯)। ইতি। জন্মদেব অধিগ্রহাণ্ অথথক্ত শক্তবননসমর্কক্ষের পৃংস্কবাগদেশং। খনিরাদ্ অধি। অধিং পঞ্মার্বাস্থানী। থদিরবুক্ষাদ্ উত্তঃ। ইতরবৃক্ষেতাঃ
খদিরক্ত অভিশন্নিভলারবদ্ধেন পৃংস্থনির্দ্ধেশং। তথাবং চ গান্নতীপারজ্বাং। আরুরতে হি।
বিষ্টুকারো বৈ গান্নতা শিরোজ্বনং। তক্তৈ রগং পরাণতং। গ পৃথিবীং আরিশং। ল
খদিরোভবং (তৈও গংও ও এ এ) ) ইতি। খদিরোং পরােশ্বো মণিরপেণ বীর্বান্ধাং
মামকান্ মদীয়ান্ শক্তন্ খাত্রিভূন্ হক হিনন্ত। তানেব শক্তন্ বিশিন্তি। আহং
মান্দক্রে, দেক্সি অপকারকারিকাে বেলি যে চ শক্তবা মাং। বিষ্টুতি বিপদ্বিশ্বন্
ক্রম্যান্ত্রিক্রিয়ান্ত্র ইতি গম্কঃ। (ওকা—২ শ—৬২—১ম), ।

দ্বিতীয়া।

। ভানখৰ নিঃ স্ণীতি শতান বৈৰাধন্দাগতঃ।

। ইচ্ছেৰ বুজন্ন মেণী খিজেণ ব্যহণেন চ॥ ২॥

어마-이ঠ: 1

ভান্। অংশখা নিঃ। শুলীভি। শতনন্। বৈবাধহদোণভঃ।

| | | इत्याना त्रव्यवद्या (भनी। मिरवाना त्रक्रत्ना हारा

ক্তে বৈষ্টা। বিবিধা বাধ্যত কটিকরিতি বিবাধ্য থাদির:। তলেংশলো বৈশাধ্য। কিলা আন্তঃ ইতাণ্। ভালুশ অধ্য তিহিলারমণে। বিকারে প্রকৃতিশব্দ। শোণতঃ তৃণ কল্পারিত্ব। প্রেলা বঙ্লুগন্তাও শতরি অভ্যালাগন্তানলা। 'অভ্যালাগ আলিঃ' ইত্যাভালাভার। প্রাধিষার প্রকং। মণেঃ শক্তর্ননলামর্থাং দর্শরতি ইল্লেণ্ড্যাদিনা। র্রেছা
ব্রোধাং অপুরং হত্বতা। হত্তে 'ব্লক্রার্রের কিণ্ ইতি ভূতে কালে কিণ্। কুত্তর্বগলপ্রকৃতিশ্বত্বে আলোণে 'অভ্যাত্য চ যন্তোলভালাণঃ' ইতি বিভাজেক্রণাভ্রং। ভালুশেন
ইল্লেণ্ মির্লেণ্ড ব্লেণ্ডা ক্রিনা ক্রেণে। প্রাধিষ্টা বিনার লারং আপানিতারং
আলাখ্যে মণিরিভার্জ। ক্রিমিনা স্বেং। প্রাধিষ্টা বিনার। শুনাভাল্ বা সম্বর্গির
ইলিং । (হল্লা—হল্লাভ্রাক্তান ইন্সা

# ভূতীয়া।

। যথাখখ নিরভনোন্তর্মাহত্য প্রে।

এবা ভাস্ত স্বামিভঙ্গি থানহং দেখি যে চ মানু। এ॥

भव-भार्ठः ।

। বধা। অধ্যা নিংহজভনঃ। অন্তঃ। মহতি। অৰ্থকে।

এক। তান্। পর্কান্। নিঃ। ভঙ্গি। যান্। অভ্যা বেগিনা বেন চ। মাণ্।৩-১

হে অখথ মণাপানানভূত বৃক্ষ মণ্ডি বিত্তীপে অর্থনে অন্তরিকে। 'অস্থিম মহতার্থ-বেছরিকে' ( তৈও লংও ৪০৫/১১০১ ) ইতি লিলান্ মহার্ণরঃ অন্তরিকং। ভন্ত অন্তরঃ মধ্যে অন্তঃধনিরকোটরে বধা যেন প্রকারেণ নিরভিন:। নির্ভিত্ত উৎপক্ষেদি। ভিনিন্ বিদারণে। আমাৎ লঙি হল্ডানিনা লিপো লোপে 'দক্ষ' ইতি ক্লছং। এব এবং তান্ ক্লামাণান্ উভর্বিধান্ ল্কান্ শক্রন্ নির্ভিণ্ডি নিঃশেবেশ বিদারক। ভিনেতোটি ভ্রত্তাংও' ইতি হৈছিরানেশং। 'শ্লনোরলোপঃ' ইতাকারলোশঃ। 'ক্রো করি ল্বর্থে' ইতি ক্লার্লোণঃ। বান্ আহং ইত্যাকি গতংয় ( ৩কা – ২০০ - ৬ছ – ৩ম ). ৪

**ह**जूरी ।

ৰঃ প্ৰানশ্চলদি সামহান ইৰ ঋষ্ভঃ।

ভেনাখথ খয়। বয়ং সপজাত ্সহিনীমহি। ১ ॥

পদ-পাঠঃ।

यक्षा नव्यानः। छत्रकि। नन्यानः ध्रेयः। अवस्यः।

ৰং অৰ্থ কংমান: পরানু অভিভবন্ চরতি বর্তি। কিমিব। দাদ্হান: ককীরেন মর্পেদ প্রাতীধান্ অন্যান, অভ্যবং অভিভবন্ ব্বহ ইব। সহেবীঙ্লুগল্পে স্টঃ শানচ্। ত্র অৰ্থ ডেন উক্তব্যবেন তয়া বয়ং ছবিকারস্ভ্যাবিধারকাঃ লপ্যান্ শক্রন্ সহিনীমহি ম্বামটিং। নাশ্রাম ইত্যবং। সহেরাশীলিঙি রুণং॥ (৩কা—২অ—৬.৮ – ৪ম).॥

# शक्षमी।

নিনাবেনান্ নিখ ভিন্ম্জ্যাঃ পালৈরনোকৈ<u>ট</u>া

শেখ শক্রন্মানকান্ যানহং দেখি যে চ মাম্ « »

পদ-পাঠ: 1

দিনাতু। এনান্। নিঃহপতিঃ। মৃত্যাঃ। পালৈঃ। আমোলৈয়ঃ।

আমাধা। শক্ৰন। মান্চাল্য বান্। অবস্থ বেলি। বে! চ। মাৰ্।৫॥ ---

নিশ্বভিঃ পাপদেবত। অন্যোকোঃ দৰ্কাণা থোজ ৄং অশকৈয়া। 'কুত্যাশ্চ' 'শকি লিঙ্ু'
চ' ইতি শক্ষাৰ্থে মুচেৰ্গং প্ৰভাষঃ। 'চজোঃ কু ঘিষাতোঃ' ইতি কুমং। তথা নিশ্বৈভাষঃ.
পালৈঃ প্ৰাণাশহৰ্জ শিক্ষামতিঃ (এনান্ উজ্জান শক্ষন্) দিনাতু বধ্বাতু। চিঞ্ছ বন্ধানে।
ক্ষাৰিঃ। অসম্প্ৰজন্ত ইত্যাদি ব্যাখ্যাতং। (এলা – ২খ – ৬২ – ২ম)।

षष्ठी।

।

स्थायक বানস্পত্যানারোহন কুণুবেধরান্।

এব। যে শত্রোগুর্দানং বিষ্ণ্ ভিন্দ্ধি সহস্ত চ। ৬॥

পদ-পাঠঃ।

ষ্ঠা। আৰ্থ। বানস্পতানি । আংহরেছিন্। রুপুৰে। আধ্রান্।

এক। বেষ। শ্রেষ্য় বৃদ্ধান্ধ। বিষক্। ভিন্তির প্রব্য চ। ১৯

হে অথথ (যণা) থং বানস্প্তান্। অত্ত বনস্ভিপ্রোগর্হো দেখো বনস্ভি-দক্ষেনাচাতে। তত্ত ভবা বানস্প্রাঃ। 'দিভাদিভাদিভান' ইতি ভবাবে গাঃ। যথা লম্হার্থে গাঃ। ভান্ বক্ষান্ আরোগন্ অধ্রান নীচান্ কুবুধে করোহি। এব এবং যে মদীয়ল্য শত্তোর্থ্নিং শিরো বিষ্কৃ করিতো ভিন্দ্র বিদাবয়। তথা স্হস্ত অভিভ্র । বিদাশব্তার্থঃঃ '(তকা—হল—৬ফ্—৬ম)॥

# मध्यो ।

তে প্রাকঃ প্রাপ্ত হিলা নোরিব বন্ধনাং।

| | | | | |

ন বৈশাধপ্রানাং পুনরস্তি নিবর্ত্তনমৃ। ৭।

পদ-পাঠঃ ঃ

। ন। বৈৰণহ প্ৰজ্ঞানাখ। পুনঃ। অভি। নিহৰত নিম্যত নি

তে পূর্বোজন বিবিধা: শত্রণ: অধ্যাঞ্জ: অপেনুশং অক্ষতো সছল্ল: প্র প্রশ্বীধ্ দদীপ্রবাহন্ত উপর্যোগ সভ্তা। ন কলাচিং পারং প্রাপ্তান্ত ইতার্থ:। অধ্যান্ত বিশ্বান কলাচিং পারং প্রাপ্তান্ত তত্ত্বা । অধ্যান্ত বিশ্বান কলাচিং পারং প্রাপ্তান্ত জিন্। তত্ত্বা বিশ্বান কলাচিং কর্মান লক্ষ্যান্ত বিশ্বান কলাচিং কর্মান লক্ষ্যান্ত কলাচিন কলাচিন কলাচিন কলাচিন কলাচিন কলাচিন কলাচিন কলাচিন প্রাপ্তানাং বিব্যাণ: অদ্বোধন কলাচিন কলাচিন প্রাপ্তানাং লগান্ত লাভি। বিশ্বানাক্রাভাবান লাভিনিক্তিনং প্রাপ্তানাত কল্পান্ত বিশ্বানাক্রাভাবান লাভিনিক্তিনং প্রাপ্তানাক্রাভাবানিক কলিছিল লাভিনিক্তিন কলিছিল কল্পান্ত বিশ্বানাক্রাভাবানিক কলিছিল কল

मरुगी,।

প্রৈণান্ কুলে মনদা প্র চিতেনোত ব্রহ্মণা।

।
।
প্রক্ত শাধ্যাধ্যত কুদান্তে ৮ ।

## MR. 915: 1

আটা এমনি। ফুটো সমগা প্রা চিডেন। উত। একগা।

| | |
আহা অনান্য কুকুলা শাগরা। কাধ্বিভা ফুগ্নিহে ॥৮॥

গ্রাম প্রাপ্তকান্ শক্রন্মনগা শক্রিরগনবিষ্প্তানবতা শক্তকরণেন প্র বুগে ছানাট্ উটোটরামি। চিতেন মন্ত্রিভিন্নপরেণ মনোরভিবিশেবেণ প্র বুগে। উত শুণি চ বেশা মন্ত্রেণ শভিমন্তিভয় অপথান বৃক্ত শক্রেন্চনসাধ্যত শাধ্যা এনান্ শক্রন্ প্র বুগার্ছে। স্থা প্রেরণে। তুগারিঃ। স্বরিভেত্বাল্ শাল্নেপরং। (৩কা—২অ—৬ফ্—৮ন)।

# है कि कुछी त्रकारक विकीरप्रकृतात्क व्यनमार क्राफ्टर।

'হরিণ্ড' ইতি স্জেন ক্ষেত্রির্বাণিতিবলো হরিণশৃর্র্মণের্বর্জনং ভাজ্বৃল্পবিভালক-পারনং হরিণচর্মণঃ শকুজিরভাগং প্রজ্ঞালা উদকে প্রক্ষিণ্য তেনোরকেন উবংলালে ব্যাধিতভাবলেচনং যবহোমং অভিমন্ত্রিভভজ্ঞজ্ঞলণং চ কুর্যাং। তদ্ উদ্ভেৎ লংচিভানিথে। ' ভিরিণভোজি বন্ধন্দশায়নাচমনানি শকুণানজালোনাপনক্ষত্রেবলিঞ্চিভি' ইজাদি (কৌ ৪ ৪০)। অপনক্ষত্ত্বে উবংকালে ইভার্বঃ। 'কৌমারীং বাাধিভক্ত বালভা' ইভি (ম ০ ক০ ১৭) বিহিত্তারাং কৌমার্যাগারাং মহাশাজ্যে হরিণবিষাণাত্তে মণিব্রুমেলি এতং প্রজ্ঞং। (ভিদ্ উক্তং) দক্ষত্রক্ষে। 'হরিণভৈডি বিবাণাগ্রং কৌমার্যাং' ইভি (ম ০ ক০ ১৯)র

ভত্ত প্রথমা।

। হরিণ্ডা রড়ুহভলং। অধি। শীইণি। ভের্জন্।

णः। त्कत्विष्ठम्। विश्तृत्मन्ना। विष्ठीमम्। जनीमण्रा ১।

ষ্ট্রণঃ রঘু লঘু শীরং জন্দভে গৃক্ত উভি রঘুরুৎ। তান্দা কিপ্। 'আনিদিতাং•' ইতি লগোপঃ। 'বালবুল»' ইত্যাদিনা রবোল ক্ষিক্সঃ। তথাবিধত হরিণত ক্রফান্গত অধি শীর্ষি শির্দি। অধিঃ স্থান্ধিভাবানী। 'শীর্ষান্ধিদানি উভি স্থানাং শীর্ষাদ্রণাঃ। তেবলং

বোগনিবর্ত্ত কং শৃক্ষর পং ঔষধং অভি। দ: হরিণ: বিষাণয়। স্বশৃক্ষেণ ক্লেরিয়ং পরক্ষেত্রে চিকিৎ ছং মাতাপিত্দরীরাদ্ আগতং ক্ষরকুঠাপআরোদিকং বিষ্টীনং বিশ্বক্ দর্মতঃ আনীনশং নাশয়তু। বিষ্ণুস্থাদ্ অঞ্জে: কিন্। 'অনিদিতাং •' ইতি নলোপ:। 'বিভাষাঞ্চেরদিক্ লিয়াং' ইতি সার্ধির খা। 'আচঃ' ইত্যকারলোপে 'চৌ' ইতি দীর্মঃ । ১ ॥

```
দিভীয়া।

। ।

। ।

। ।

। ।

বিধাণে বিষ্য গুলিসভং যদতা ক্লেক্সিং হদি ॥ ২ ॥

পদ-পাঠ:।

। ।

অস্থ হা। হরিণ:। রুবা। পংহভি:। চতৃ:হভিঃ। অক্রমীং।

।

বিহলানে। বি। ভা ভিলিচং। যং। অভা ক্লেক্সিং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং। ক্লিক্সং।
```

হৈ নিষাণে ক্ষেত্রিয়রোগবিনাশনায় মণিক্রণেণ পুতাং হা হাং অফু বুবা লেচনদমর্থো যুবা হারিণঃ মৃগঃ চজুর্জি: পান্তঃ পানেঃ অক্রমীং আক্রান্তবান্। ক্ষেত্রিয়রোগং পালপ্রহারৈর পীড়িতবান্ইত্যর্থঃ। তংচ অঞ্চ ক্রপণত হালি ক্ষণয়ে গুল্ফিতং গুল্ফবল্ প্রণিতং হং ক্ষেত্রিয়ং রোগজাতং অন্তি তল্ বিয়া বিনাশয়। বো অস্কেক্ষণি। অম্মাৎ লোটি 'ওতঃ' শুনি'ইতি ওকারলোপঃ। (একা – ২অ – ৭মূ – ২ম)।

444-18 ( a ) a.a.

আদঃ চল্লেমগুলছং বিপ্রকৃত্তীং যং হরিণরপং বল্প আবরোচতে আবভাগতে। যথা আদঃ
পরিদুৠমানং যদ্ ভূগো আভ্ হং হারিণং চর্ম আবরোচতে। কি থিব। চতুপাকং চতুজোণং
ছদিরিব। ছান্ততে আনেন গৃহং ইভি ছদিভূণকটা দ ইব। ছদ অপবারণে ইতামাদ্ ণারাৎ
আঠিভিচিভ্যুণিছাদিছদিভা ইণিঃ (উ০ ২০০৭) ইভি ইণিপ্রতায়ঃ। 'ইমান্ত্রম্বির্কৃতি
ইত্যুপধার্ক্রং। তেন চল্লমগুলছহরিণাজকেন পুরোবর্তিনা বা চর্মণা হে রুগুণ তে তব
স্বিং ক্রেকুঠাদিরদেশ বছবিধং ক্লেফিয়ং রোগং আক্রেডাঃ কুৎস্নাব্র্রেডা। নাশ্রাম্দি
নাশ্রামঃ। (ওকা - ২অ — ৭২ — ৩২ )।

```
চতুৰ্থী।

| | |

আমূ যে দিবি স্কলেগ বিচ্ছো নাম ভারকে।

| | |

বি ক্ষেত্রিয়ক্ত মুক্ষভাষণমং পাশমুত্রমম্ ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

| | | |

আমুইতি। যে ইভি। দিবি। স্কলেগ ইভি স্ক্তগে।

| | | |

বিহচ্ভো। নাম। ভারকে ইভি।

বিহচ্ভো। মুক্চাৰ্। অধ্যন্। পাশন্। উৎহ্ডমন্। ঃ।
```

দিবি ত্বালোকে অমু পরিদ্রামানে স্মৃত্যে শোভনভাগাযুক্তে যে প্রদিছে। বিচুতৌ নাম ভারকে ইত্যাদি শিষ্টং 'উদ্গাতাং ভগবতী' ইভাতে (২৮:১) বিভারেণ ব্যাধ্যাভং ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

चानः। विचेशः (७४वोः। छाः। चाः मूक्कः। (क्रातिप्राद ॥ e ॥

আপ ইবৈ ইনিতাবধারণে। উঃ পূরণঃ। আপ এব খনু ভেবলী: ভেবলভ্তা: অভিষেকপানাদিনা রোগাণনোদনেন সুখহেত নঃ। 'কে কলমানক ' ইত্যাদিনা ভেবলস্কাদ্ উাপ্।
উদান্তনির্ভিন্তরেণ দ্বীণ উদান্তরং। 'বা ছন্দদি' ইভি অদি পূর্বিদর্শনির্ভিঃ। তথা আপ
এব ওবিরেশেণ পরিণতাঃ অমীবচাতনীঃ অমীবচাতন্তঃ রোগাণাং নাশার্ক্তঃ। চাতদ্বিলাশনে ইত্যক্তং। আগ এব বিশ্বস্থ সর্ব্বেস ভেবলীঃ উবধান্তরবদ্ ন ক্সচিদেব
রোগন্ত ভেবলং কিং তু দর্বেধানপীতার্ঝঃ। অপাং ভেবলার পদং অক্সক্র ক্পাইং আয়াতং।
'অস্পু মে পোমো অব্রবীদ্ অক্সবিশানি ভেবলা' ( ৪০ মাহতং) ইতি। তাঃ এবং উক্তেদামর্বোপেতা আগণ হে ব্যাধগৃহীত বা স্থাং ক্ষেক্তিয়াৎ রোগান্ধুক্ত বিয়োজ্যন্ত । এ

ষষ্ঠী।
। বালিকানাবারাঃ কেতিয়ং তা বালিশে।
। । |
বেদাহং ভক্ত ভেষজং কেতিয়ং নাশয়ামি ছং ॥ ৬ ॥
পদ-শামঃ।

বং । আহস্তেঃ । ক্রিয়মাগায়াঃ কেতিয়ম । তা। বিহ্লানশে।

ि (तम् । चहम् । उन्न ' (च्चकम् । ८क्क जिन्नम् । मानक्षाम् । उप । ७ ॥

ৈ ছে কুণ্ ডা ডাং ক্রিয়নাণায়াঃ খীক্রিয়নাণায়া আনতঃ। আত্মতে আদিচাতে ইত্যান্তি দুবীত্তং অনং। (তথাৎ অন্যধ্নে প্রধাননাদ্ অন্নাদ্ যথ ক্লেকিয়ং ক্রিটিক শং ব্যানশে ব্যান্থা। অনু ব্যাপ্তে। আটি 'লংগ্লাতে চেট জি দীবীত্তাদ্ অভ্যানাদ্ উত্তর্জ ছট। তথা উক্তলক শুনা রোগগ্য তেবজং নিবউকং ঔষণং য্বাদির শং অহং চিকিৎদক্ষেঃ বেদ আনামি। 'বিদো লটে বা' ইতি উত্ত্যে শলি রূপং। অতঃ ছং ছতঃ দকাশাৎ ক্লেকিয়ং নাশগ্রি। তুদ্ ইতি। 'শঞ্চ্যা অং' ('এক ব্যুল্ট বুল্ট যুম্ভ্ ব্রুক্ট উপের্বাদ্রেশ্য (এক। - হল্ - শ্রুন্ট্য)।

# मक्षमी।

জ্ঞপাস্মং দ<del>র্বাং</del> তুভূভিনপ কেবিয়নুচছতু। १ ॥

পদ-পাঠঃ।

भ প र नारमः। सम्भ जानीरः। भ श र नारमः। छ ह।

। । অপ। আংবং। সর্কাম্। ডঃ২ভ্তম। অংপ। জেলিলম। উচ্ছতু।৭।

নক্ষরাশাং ভারকাশাং। নক্ষরাপ নক্ষতের্গতিকর্মণঃ ইতি হি যাস্কঃ (নি০ থা২০)।
আমিনক্ষিক (উ০৩)১০৫) ইত্যাদিন নক্ষ গগে ইত্যামাদ্ অনুন প্রতারঃ। তেবাং
অপবাদে অপগমনকালে উবদঃ প্রারন্তে। উ০শক্ষা বিকল্লার্বে। অব বা উবদাং।
প্রতিদিবসং আর্ত্যাপেক্ষরা উবদাং ইতি বত্তবচননির্দেশঃ। ভাসাং অপবাসে অপগমনে।
প্রভাতকালে ইত্যবিঃ। ভন্মিন্তির ক্ষিপ্রাণেন অভিষেক্যাদিনা দর্বাং নিখিলং গুভূতিং
রোগনিদানভূতং গুদ্ধ হা আমং অন্তরঃ অপ উক্ত্রিত স্মৃদ্ধঃ। অপগদ্ধত্ ইত্যবিঃ। ভতঃ
ক্ষেত্রিয়ং কৃষ্ঠাপন্রাদির্দ্ধে অপ উচ্ছের্ অন্তরঃ অপগদ্ধত্ । সকারণং রোগজাতং নির্বিভাং
ইত্যবিঃ। উদ্বী বিবাপে। (৩০া - ২অ—৭০—৭ম)।

(ইতি) তৃতীয়কাণ্ডে বিতীখেলুনাকে বিতীয়ং স্কুলং।

'আ ষাতু মিত্রঃ' ইন্তি স্ত্রেন উপনয়নকর্মণ লাগনকং নাজিদেশে সংস্পৃত্য অনুমন্ত্রেণ্ড । স্থারেছং হি। 'দক্ষিণেন শালিনাং (নাডিদেশে) 'দংগুড়া জণাত 'আন্মন বন্ধ বনবো ধারমন্ত্র' (১৯) 'বিশ্বে দেবা বনবাং' (১০০) 'আ যাড় মিত্রং' (১৮) 'অমুত্র ভ্রাং' (গবে)' ইন্ত্যাদি (কৌ০ গা৬)। অত্য স্কুত্র আরুত্যাপণ পঠিং 'মেদাজননার্ট্যুর্জ্জ ভ্রাং' (কৌ০ গা৮) ইন্ত্যাদিশ্বে বিনিয়োগা এইনাং। এবনের নক্ষত্রকল্পে 'আয়ুন্ত্যাং শাল্পিঃ শান্তিগণ বিনিয়োগা এইনাং। এবনের নক্ষত্রকল্পে 'আয়ুন্তাং শাল্পিঃ শান্তিগণ বিনিয়োগা প্রার্থানি কিন্ত্রেল। আয়ুন্তাল ভ্রাংশিক্ষেপ অত্য বিনিয়োগা। গার্লিন্ত্রেণ। আয়ুন্তাল ভ্রাংশিক্ষেণ অত্য বিনিয়োগা। গার্লিন্ত্রেণ। আয়ুন্তাল ভ্রাংশিক্ষেণ অত্য বিনিয়োগা। গার্লিন্ত্রেণ। আয়ুন্তাল ভ্রাংশিক্ষেণ অত্য বিনিয়োগা। গার্লিন্ত্রেণ আয়ুন্তাল ক্রাণ্ডাল ক্রাণ

ছত্তং। 'লং বো মনাংলি (৫) লংজ্ঞানং নং (৭।৫৪) 'ইভি লাংমনভায়াদকুলিজাং দম্পাতবস্তং গ্রামং পরিস্কৃত্য মধ্যে নিনয়তোবং শ্বরাকুলিজাং তিহায়ণ্যা বংশত্যাঃ শুক্লানি প্লিতাফ্রালয়তি ভক্তং শ্বরাং প্রণাং সম্পাতবং করোতি' ইভি (কৌ•২.৩) ঃ

# ভত্ত প্রথম। । বাতু মিত্র শাতৃভি: কল্লমানঃ সংবেশগন্ পৃথিনীমুক্তিরাভিঃ। অথাস্মভ্যং বরুণো বায়ুনগ্রিব হৃদ্ রাষ্ট্রং সংবেশাং দিশাতু । > । শল-নাঠঃ। । । । । । । শল-নাঠঃ। । । । । । । । শল-নাঠঃ। । । । । । । । । । শল-নাঠঃ। । । । । । । । । । । শল-নাঠঃ। শল-নাঠঃ। শল-নাঠঃ। শল-নাঠঃ। শল-নাঠঃ। শল-নাঠঃ। শল্তা মিত্রঃ। শুলিবাম্ন উল্লিগ্রাভিঃ। শল্তা মাত্রা মাতৃ। মাত্রা মাত্রা মাত্রা মাতৃ। ১ ॥ শল্তা মাত্রা মাত্

মিত্রঃ। মীতের্মারণাৎ তাগতে ইতি গিত্রঃ এইরামকো দেবঃ। মিত্রঃ প্রেমীতেরায়তে ইতি হি নিরুজং (নি > > । ২০)। যথা দর্মেবাং মিত্রং দু উপকারকঃ। 'মিত্রং দেবাং' ইতি প্রক্রমা আয়াতং। 'দর্মজ বা লবং মিত্রং লাম' (কৈ লং ৬।৪৮'১) ইতি। দ মিত্রঃ আ যাতু অন্মলগর্মে পাগছতু। কীদৃশঃ। শতুভিঃ বদস্তাত্রৈঃ কর্মানঃ। অতুদান্তভানা দীর্ঘং আয়ুং কর্ত্বং দমর্থো ভবারতার্থঃ। রুপু সামর্থো। লটঃ শানচ্। শণি 'রুণো রো লঃ' ইতি লহং। 'অরুণদোল্লসার্মাণ্ডক ক' (ইতি) অকুদান্তহে শণঃ শিবাদ্ অনুদান্তহে চ্ ধাড়ম্বরেণ আলুলান্তহে। কিং কুর্নন। উল্রিয়াভিঃ গোভিঃ। কির্ণৈরিতার্থঃ। পৃথিবীং বিত্তীর্থাং জ্বিং দংবেশার্ন ব্যাপ্লুবন। অথ মিত্রাগ্রমানভারং বরুণঃ বায়ুং অগ্রিশ্র অক্লান্তহে মহৎ রাষ্ট্রং রাজ্যং সংবেশাং লংবেশার্হং অব্লান্ত্রাণ লগতে বিদ্যাত্র প্রক্রিয়া এক্লবচনং। লগত্রিবাদ্ বিশেং অর্থ্বির্থ প্রাত্রাহাং ১ ঃ

विक्रीमा

থাতা রাতিঃ সবিতেদং অনুষ্তামিজুকুটা প্রতি হের্যুস্ত মে বচঃ।

ছবে দেবীনদিভিং শ্রপুতাং সলাভানাং মধ্যমেষ্ঠ। यথাসানি । ২ ॥

भष-भार्ठः ।

भोठा। द्रांजिः। निरिष्ठा। देनरा छूपछारा देखाः। इद्वी। श्रीर्छ। द्रशास्त्रा (स्राप्ताः),

। । इंटकः (मर्वौरा चनिष्ठिम्। मृत्रहलूबारा महचालानार।

> । মণামেহভাঃ বিধা। অসানি॥২॥-

শবা শব্দ শব্দ

ভূতীয়া।

ছবে শোমং সবিভারং নমোভিদিরখানাদিত্য। অভ্যুত্তরত্থ।

অনমগ্রিদ্ দীর্ঘনের সজাতৈরিক্রেভিক্রেভিক্রে । ০ ৯

### **लप- लार्टः** ।

ছবে। লোমণ। পৰিভাৱণ। মমংহতিঃ। বিখান্। আদিতান্। আছং। উপ্তরহমে।

অরুষ্। অধিঃ। नीनप्ररः। नीर्षम्। এবः। সংজাতৈঃ। ইদ্ধঃ। অঞ্জিক্রুবংছভিঃ। এ

শোমং শবিভারং বিখান্ শর্মান্ আদিত্যান্ অদিতে: পুত্রান্ অক্সংশ্চ নমোভিঃ
নমস্বাবোপলাকিতৈ: ভাবতৈ প্রিল্ল: অহং প্রথান্তা উত্তর্গে হলমানত লৈচ্চি । নিমিন্তলপ্তমোবা। শ্রৈষ্ঠার্থিং হলে আহ্মামি। তথা অলং আহ্নাথারভূত: অলিকীদরৎ দীপাতাং।
দীদেতি শ্চান্সলো দীপ্তিকর্মা। অন্ধাৎ লেটি অভাগ্য:। অপ্রতিক্রণিয়ং অপ্রতিক্লবাদিতিঃ
অফুকুলং বদন্তি: ললাতৈ: লমানজন্মতি: পুক্তবং দীর্ঘ্যের চিরকাল্যের ইন্ধ: লমিন্ধ: তৈর্ভিবিদ্ধিত:। যথাহং অলানি ইতি বাকাশেষ:। তথা দীপাতাং ইতি শহর:। ইন্ধ ইতি।
থিটেন্দ্রী দীপ্তো। অন্ধান্ নিষ্ঠান্ধাং ইন্ধ্ প্রতিবেশ:। 'অনিদ্ভিবং ' ইভি নলোশঃ। ৩।

# हरू भी ।

। । । । । ইহেদশাথ ন পরে। গমাথের্য্যো গোপা: পুষ্টপতির্ব আলং !

। । । অংক্রৈ কামায়োপ কামিনীর্ব্বিস্থে (বা দেবা উপসংযন্ত। ৪।

পদ-পাঠঃ।

देश हेरा चात्रावा ना भद्रा श्रमाया हेर्याः। (शांभाः।

পুটহণতিঃ। বঃ। আবা। আবাং।

। । । । অংকা। কামায়। উপ। কামিনীঃ। বিখো বঃ। দেবাঃ। উপহসংযন্ত । 8 ।

হে কামিল্ল: যুদ্ধ ইছেৎ। ইৎ ইভাবণারণে। ইতৈব কলান্মীণদেশ এব সুদাধ ভবত বর্তধবং। অভেলেটি আড়োগ্য:। পুর: পুরস্তাদ্ ন গ্যাধ। আনেত্কা: লড়ো দ গফ্ত। পুর ইতি। 'পুর্বাণরাবরাণাং আদি পুরণবলৈচ্বাং' ইতি অদিপ্রতায়ঃ তৎদারিরোগেদ পুর্বাদ্ধশক্ত পুরাদেশশ্চ। গ্যাধ। গ্যেকেটি আড়োগ্যঃ। ছান্দাঃ শণো লুক্। ঈর্বাঃ į

মার্যবেরকো গোণাঃ গোণারিতা পালরিতা পুইপতিঃ। পুইং পোরঃ। তল পতিঃ পোরিতা। পুরা দেব ইভার্বঃ। 'প্রাণোবরং' (তৈ বা চাঙ্বিঃ) ইতি হি আনতিঃ। উদ্ধানা পরা দেব ইভার্বঃ। 'প্রাণোবরং' (তৈ বা চাঙ্বিঃ) ইতি হি আনতিঃ। উদ্ধানা কালং প্রেরয়সূ। অল গতিকে পণয়োঃ। উর্যু ইতি। উর গতে)। অলাল্ পালাল্ 'লচো যং' ইতি বাত্যরেন কর্তরি বং। গোণাঃ। তপ্রকাশে। 'গুপুধ্পবিজিক' ইতি আরপ্রত্যয়ঃ। তলজাং কিপ্। অভা লোণে 'বেরস্তুলগোল্ বলিলোপে। বলীয়ান্' ইতি যলোপঃ। তথা কালায় কাল্যনালায়। কাল্যতেঃ পচাল্তা। অলি বরার। বলা কালঃ কাল্যা। তাবে বক্র । অলৈ ইতি বর্তারে চতুর্বী। অলি বরার। বলা কালঃ কাল্যা। তাবে বক্র । অলি ইতি বর্তারে গ্রের । মহালি বলা উপদংঘন্ত উপ্রথম্ব। ইণ্ গতে।। অলাং লোটি 'ইণো খব' ইতি ঘণ্। (তলা—২লা—হল্—৪ম্)।

## शक्त्रो।

দং বে। মনাংশি সং ব্রত। দ্যাকৃতীর্নামণি।

খণী যে বিব্ৰত। শ্বন তান্বঃ সং নময়ামণি॥ ১।।

**अप-भार्ठः** ।

লং। বঃ। মনাংলি। লম্। জ্তা। লম্। আংহক্তীঃ। মনামলি।

আনীইভি। যে। বিহত্র গাং। ছন। তান। বং। লম। নময়মণি।৫॥

ে বিখনতা জনাং বং যুত্মাকং মনাংশি পরস্পারবিক্ত্মানি সং ন্যামণি। লং ইতি একীভালে একবিষয়প্রহ্বাণি ভাবদংবাদীনি কুর্মাঃ। তথা ব্রভাবি। কর্মনাইনতং।
ইবচনামানাদিকর্মাণি সং ন্যামায়। এবং আকৃতীং লক্ষ্মান্ লং ন্যামায়। ন্যেপান্তাং
লটি পশং 'ছন্দ্মাভ্যুণা' ইত্যার্দ্ধাত্কভাং শিলোগাঃ। 'ইদভো মদিঃ'। যে জমী যুয়ং
পূর্বাং বিব্রতাং বিক্তৃত্কক্র্মাণাং ভান ভবধ। অভেলোটি তশক্ষ 'তপ্তানপ্তানখনান্চ' ইতি
ভানাদেশাঃ। 'গ্রাণোরল্পোণাং ইত্যকারলোণাং। তান বিমনস্থান্ বং যুম্মান লং ন্যামানি
ক্ষ্মনর্মির। ন্যেপান্তাং লটি 'অলহলেক্সন্মাং অমুপলগাদ্ বা' ইতি মিল্বিক্ল্ম জন্পলগবিষয়বাং শোণন্পত তু অম্ভবেন প্রাপ্তাং মিল্বং নিতাং ইতি 'মিতাং হবং' ইতি
ক্ষুপুধাহ্ববং। (ত্রা – ২জ – ৮ক্ছ – ৫ম)।

मछी।

আহং গৃভ্ণাসি মন্দা মনাংদি ম্ম চিত্ত্যকু চিছেভিরেত।

मन वरणवृ क्तानि वः कुर्णामि त्रम शास्त्रमञ्ज्ञान अस्त ॥ ।।

भम-भार्<del>ठः</del> ।

জাহমুঃ গৃভূপামি। মনগা। মনাংশিঃ মম। চিতাম্। — - -

> | অনুন চিতেকিঃ। আনা ইড। -

। । মুম্। বৰেষু। হুলয়ান। বং। কুণোমি। মুখ। যাতশ্।

অবস্থ স্থানঃ। আগা ইড**া**৬।

হে বিমনস্থা: যুদ্ধনীয়ানি শিপ্রতিপন্নানি মনাংশি মনশা মণীরেল অবং গৃহামি আধীনীও করেমি। তথা যুগ্ধপি মম চিত্তং অনুচিত্তেভি: অনুদারিভির্থানীয়ৈশিচতৈও এত আগজ্তে। মম বশেষু বশে ইচ্ছামাতো। বাঙায়েদ বছবচনং। যথা বশেষু বশীকৃতে শুস্থানি দেশুর্ব্ব বশ্বনা ইত্যাস্থা বিশিব্ধায়ে পণংখ্যানং' ইতি ভাবে কর্মণি বা অপ্। বা যুদ্ধনীয়ানি হাদ্যানি কুণোড় ভবতঃ কুর্বস্ত । প্রত্যেক্বিক্ষা একবচনং। প্রথম যাভিং গ্ননং যুদ্ধিনা অনুষ্থানিঃ অনুস্ত্রাগাঃ শৃষ্ণ প্রত্ত আগজ্তে । ৬।

ইভি তৃতীয়কান্তে দ্বিতীয়েছগাকৈ তৃতীয়ং হস্তদং।

'কর্মফণ্ড' ইতি অক্তেন বিল্লখনকথান স্পদ্ধারণবিল্পনালার্থ **অরল্যণিবন্ধনং** দর্পশৃস্পিনংট্রাাদবিল্লখননালং সম্পাত্যক্ষবেশুনগুণারণং লংগ্রামে শক্তক্তমান্ত্রালিকপ্রিশ্বনিবারণার্থং সম্পাত্যক্রায়েশবারণং স্বাবিল্লখনার্থং কলীকরণৈর্দ্ধ্বিত কুর্যাং। অক্তিং হি। কর্শক্ষেত্তি পিশক্ষকেং অরল্পশুং যদ্ লামুশং ফলীকরণৈর্দ্ধৃত্তি বৈতি কৌণ শার্

ভব্ৰ প্ৰথম। ।

भाष्य-२६ (१) 00.02

পদ-পাঠঃ।

। ।

जिम्मिक जा निश्मिक जा। (खोः। শিভা। পৃথিবী। মাজা।

— -- 
। | |
বৰা। অংশিংহচকো। দেবাং। ভগা। অংশ। কুবুর। পুনং॥ ১॥

কর্মক ক্রাক ক্রাক ক্রাক ক্রাক্তর বা খালদক বাছাদে বিশক্ত বিগতণক্ত পর্দ্ধানশুক্র কালদর্পীদে বিশ্লেইনক ক্রাক্র ব্যাদ্ধান্ত ত উভদাব্যক বছবিধনি ছুকারিল জৌঃ
ছালোক পিতা বুইাাদিবার উৎপাদক । পৃথিবী মাতা খাবলবাবইজেন আধারত্বেন চ
মাতৃ বজ্জনরিত্রী। অনেন বিশ্লেহত্নাং এতেবাং দৃত্যুল বাং ভালবারণং অল্পপ্রাদ্ধান্ত ন
ভব কীজি শুনিতং। অব বা পিত্যাত্ত্তলাবাপ্লিবীদংকীর্তনেন বিল্লেংশাদনাভাবার তেবাং
শুক্তি কৃতা। এবং বিশ্লুকারিশাং জাতঃ আন্তাজনেশি দুলাতে। 'লোকা শিতা পুথিবী মাতা
শোমো ক্রাজানিতিঃ খনা' ইতি ( ঝ০ ১০০১) । 'ন্যো অল্প স্পেল্যো যে কে চ পুণিবীং
ক্রম্প ( তৈ কং চাং চাত) ইতি চ। তেবাং বিশ্লেহত্নাং অপনোদনার তৎশেরকা দেবাঃ
প্রার্থাতে ব্যেক্যাদিনা। তে দেবাঃ যুগং যথা যেন প্রকারেণ অভিচক্র উভ্নান বিশ্লহেত্ন
শুক্ষ আন্দিভিন্ন ক্রবন্ধঃ স্থা। করোতেঃ প্রোক্রে লিটি মধান্ত্রচনে ক্রপং 'যাবল্পশিক্ষ্যাংই ইতি নিখাত প্রতিবেশঃ। তুপা তেনৈব প্রকারেণ পুনঃ অপ ক্রব্ত অল্ডঃ অপ্রতান্
ক্রক্ত। নিক্রিয়তেভার্জঃ। ক্রি হিংলাকরণ্রোল্ড। 'গিছকুর্বোর চ' হাত উপ্রভারঃ। ১ ॥

দ্বিভীয়া।

শংশ্রেমাণো ক্রমণ তথা তম্মুনা কৃত্য।

কুশোনি বাপ্ত বিজ্ঞাং মুফানুহো গ্রামিব। হা।

পদ-পাঠঃ।

।

আপ্রেমাণঃ। ক্রম্মান তথা। তং মহুনা। কৃত্য।

কুণোনি। বাপ্ত। বিহস্তমণ মুক্হজাবহুঃ। গ্রাম্ভ্রে। হা।

ু আল্লেখাণঃ অলিটাঃ বিছৈর ভিষতক গাঁল আগি শুলা জনাঃ। শ্লিণ আলিসনে ইত্যামাৎ ব শ্লেষণে ইত্যামাৎ চৌরাদিকাদ্বা ঔণাদিকো ধনিন্। যথা শ্লেগোপলকি ভিৰেদোৰণ পিশক্ষে স্কুরে পৃথলং ওলা বস্থান্তি বেশলঃ।

লাবস্থা: শুড়াং কবিবং কথিং কথান্ত বস্তুরঃ। ও।

পদ-পাঠঃ।

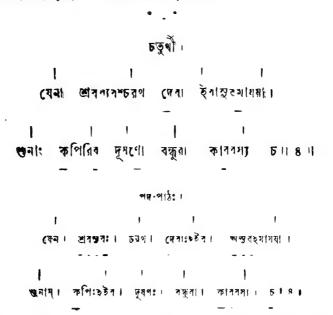
।

পিশক্ষে। স্থান গ্ৰাল্যন ওছে। আন বস্থান্তি। বেশলঃ।

লাবস্থান শুড়ান্য কাব্যন্ন ব্যিন্ন কথান্ত ব্যুবং। ও।

कृशीय। ।

বিশ্বভাতং বঙ্জিং নিক্সিণিং বধাং বা কুণ্ড করোতু। বাজায়েন বস্তবচনং । বধা বস্কুলঃ ৸
জনং হানে 'ফ্লাং প্রসূক্∘' ইতি হ: । বস্কুলাং আমাভিদ্ধাণীয়ে।ণাঃ মণিদঙাদয়ঃ শ্রবভাহাতক-কাকাণং বিশ্বং কুণ্ডঃ। ( ৩কা – ২জা—১ত্—৩ম )।



ভে জনাঃ শ্রেকজবঃ। শ্রেরং জন্ন মশো সা। তৎ শক্তজ্যেন আলুন ইচ্চেমঃ।
ক্রিচ্চেম্বনি ইতি উপ্রতার:। তাদুশাষ্য যেন প্রক্রমায়াকগনিলেন মোহিতা দেশ ইব।
ক্রিচামে স্ত্রিধ্ব। তত্ত্ব দৃষ্টিয়:। অস্ত্রমায়া অস্ত্রস্ক্রিলা মায়ন্ন মোহিতা দেশ ইব।
ক্রেবানিশানাং ভবতাং স্ক্রিনো মায়ার প্রিল্লা কাণ্ড্রা প্রাঞ্জিল্লকণ্ডা নিল্লিশেসলা চ
ক্রেবানম্বাধি ধুতা ধ্রাদিরশা হেতিঃ দ্বানিনী জনতু। কিমিস্স জ্বাং কণিগালা দ্ববং।
ক্রিমানাশেক্রা পুংলিস্ক্রা। তুনাং ইতি। বিষ্কার্থানাং অন্ত্রিক্রেণা ইতালাং ক্রেলাটো
ক্রেকং ইতি ক্রিবিজ্ঞানিত্র প্রতিবেশঃ দ্বশং। বৈক্রো। ইতালাং ক্রেলাটো
ক্রেকং ইতি ক্রিবিজ্ঞানি (পোসো প্রি) ইতি উবং। (৩ক। ২জ - মস্ত্রা)।

পঞ্মী।

। ।

ছবৈটা **হি হা** ভংগামি দৃশ্যিমান কাৰ্ক্ন।

- - 
।

ভবাশ্ৰো রথা ইক শ্পুণ্ডিং স্বিয়ুণ্। ৫ ॥

পদ-পাঠঃ ।

উद! चार्यदः। त्रशाः ३३०.। मण्डा मात्रिशाचा । त

হৈ মণে স্বা স্থাং হি যামাং তুটো প্রকৃতি নিমুদ্ধণার ভৎস্থাম ন্ধাম। বংস্কৃতি 'একাই'
উপবেশেক্ষ্ণাভাও' হাত ইট্প্রতিধেশ: নলোপ-ছান্ধগ:। যথা বিমুগ্তীত: শংসাণাঃ।
হে বিমুগ্তীত শকারজাবমানবার স্বাং ভংস্থাম দীপ্রাম। ফলাকরণৈর্ণিধ্নামীতারা: দ
কল ভংশ নিশীপ্রায়:। ছাল্লগ হডভাব:। 'ল্ডাক্ষ্ণাত্কে' হাত তবং। তক্মাং কাববং উজ্জন্ধণাই বিমুধিশের দ্বায়্যাম নালায়্য্যাম। একলতং বিক্রানে' ইভি বক্ষাভ। তেরু
প্রেধান হাৎ কবেও পুন:পুনক্রণাদানং। তত্শত উদ্ধান্ম:। আভ্রম্য:। গ্র্মনোম্বিক্রেন্
প্রাত্তঃ লথ হাত শেষা। ব্যামারের আন্তর্জনত্ম: চার্য্য ব্যেহং স্করত। ল্পার্ডিক্রেন্
বিষ্কৃত্তাঃ লথ হাত শেষা। ব্যামারের আন্তর্জনত্ম: চার্য্য ব্যেহং স্করত। ল্পার্ডিক্রেন্
বিষ্কৃত্তাঃ ব্যাহ্রামেন ব্যামারের আন্তর্জনত্ম: চার্য্য ব্যেহং স্করত। ল্পার্ডিক্রি

य छी।

विकाशिक विकाशिक विकाशिक ।

Co ধাং থানতা উজ্জ্বক কান । বিকর্দ্দণাম্। । ॥

११९- 411**2**% ।

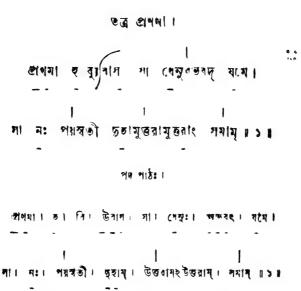
। ভেষামা আংম্। অন্তো, উৎ। অংহরঃঃ। মাণপ্। বিভয়ত্বণ্ণা। ৬ ॥

একশতং একং চ শতং চ একশতং। 'শংখা' ইাত হজেণ পুৰণণ প্ৰকৃতিস্বস্থা। একশব্দোপ কন্প্ৰভায়ান্তখনে আহানান্তঃ। একোন্তব্দতসংখ্যান বিক্ষরান বিদ্নাং পালবাং শহু পাৰব্যাং বিষ্কৃতি বিষ্ঠিভানি বিবেধং আবাস্থভানি। বিপুৰাং তিওঁতেঃ কন্তার নিষ্ঠা। ভিতিক্তিমাস্থাং ইং তি কৃতি' (ইভি) ইস্থা। 'উপশ্যাং হ্নোভি' হ্ঞানিনা বৃদ্ধঃ। শেলে। 'অন্ধ্ৰণ কৰে।' কৰ্মপ্ৰচনীয়হাৎ 'কৰ্মপ্ৰচনীয়যুক্তে কিটীয়া' ইভি
পূৰিবাং ইতি বিতীয়া। তেখাং বিদ্ধানাং নিবৃত্যে হে মণে ছাং অত্যে পূৰ্বাং উজ্জন্ত, দেশ উদ্ধৃতগন্তঃ। অতঃ বিদ্ধৃত্বণং মণিং উমং অৱস্বৃক্ষবিকারং মণিং। অন্ধৃপি ধার্মামীকিঃ
বাক্তবেষঃ ৪ (ক্ষা—২০ – ৯০ ৬ম) ১০

हेडि जुडीस कार्ल विजीस्मानारक हजूर्व प्रक्रशा

'প্রথমা হ ব্রাবাদ' ইভি প্রেন নর্কেণ প্টার্থে অইকাকর্মণ আলামাংলক্ষালীপাকান্ প্রান্তে। কং ক্রিপ্রিপ্রেক্তি। নবকুর: স্ক্রারণির:। সাধ্রক্ষাইনী অষ্টকেত্যচাতে। বাধাতঃ l 'বা মাধ্যাঃ পৌর্বমাঞ্চা উপরিষ্টাদ্ বাষ্ট্রক। ৩৯/২ অধ্যা জ্যেষ্ঠিয়া সম্পান্ততে তাং একাইকেতা-চক্ষতে' ইভি ( আপ • গৃ• ২১ )। ও ভাং তৎ কর্মা কার্যাং। তত্ত্ব ধানাকরন্ত শক্ষীপুরে।ডা• . ब्यारिशोषनक्योरद्रोपनिखित्नोवनान् व्यविश्वश्वराधिशिक इत्यादिक्षः अश्कुला व्यारिकानः अशिक्षा বিংশতিদংখ্যাকান শিশুন কুত্বা প্লোফিজিণং বাজং নিলেমিস্চর্মপুরং প্রকাল্য নিধায় স্কর্নক পুষ্টের দর্বন। প্রাকৃতি ছবা অত্যে পদক্ষি একবিংশীং আছতিং জুরুরাং । আরং অত্য ক্রমঃ ট <sup>6</sup>ঞালফাছ বুববাল<sup>2</sup> (>-৫) ইতাাভা: পঞ্। 'আরমগঞ্নসংসরঃ' (৮।৯) ইভি (**ছ**। 'ইণ্ডরা ছুবেছে। বয়ং' (১১/১২ ) ইতি বে। ইভি নবজির্ন পিশুন হ'র 'পতুজাই।' (১٠) ইতাঙ্গাং আচি অতৃভাষ্টা যন্তে আছে। আর্ত্তনেভান্ডা যজে আচা ইত্যোনং দাকুষকৈরটনা নিভত্তৈর্শ্বলৈঃ আটো শিশুন হয় 'ইন্দপুত্তে লোগপুত্ত' (১০) ইতাভিময়া শক্তাধনী জুত্বাং 'অভোৱাত্তাভাাং ¶। য**জে খাহা' (কে)•** ১৪.২ ) ইতি সৌত্রমধ্যেণ একোনবিংশীং **ত্ত**া 'ইড়ায়াম্পদং' ( • ) ইতেকে। 'আ মা পুষ্টে চ' (৭) ইতে।কাবদানা বিতীয়া। এতাভাগে খাগ্ভাগে পশোৰ্ফ কিণং ৰাছং বিংশীং জুছরাৎ ভদলাতে আঞ্বাং জুত্যাং। 'পূর্ণা দ'র্মা' ( ৭ ) ইতি অসলানম্বয়েন সম্মীং পিণ্ডী - একবিংশীং জুহোতি। জ্তঃ ধানাকরস্তামীন ভবিক্চিক্তামি আজামিশ্রাপ কুষা 'এবনা হ বাখান' ইতি দৰ্বেন স্ফোন 'তত্ত্ব মান্তই উৰ্গাতি। ইতি প্টাৰ্থে আইকাকর্মণারং ক্রমঃ। ভদ্ উক্তং লংতিগানিদৌ। 'প্রথমা ত বুলোদ লেডাইকাাধা (বপাং) দর্কেণ প্রকেন ভিত্র আন্ত্রীর্জুহোভি। দমণস্তানাং ভালীপাকক দহত্তান আজামিশ্রান হয়। পদ্চাদ্ অংগ্রারাগতে: সংবিদত্তি। মহাভূতানাং কীর্ত্তন দংকিতীতে? ইতি ( ১৯) তাহ ) নিভোহত কাক আনি আলে জায়োর জং পত্ত তোমং বিভায় গগ ভিক্ক জাঞাবেণ একবিংশভিং আছতীর্জ্ভয়াং। তদ্ উক্তঃ কৌশিকেন 'অইকায়াং অইকাছোমান্ জুহুরাং। ভতা হ্বনীংবি গানাঃ কবস্তঃ শক্ষুণাঃ পুরোডাশঃ উলৌদনঃ ক্ষীরৌদনন্ডিলৌদনো ষ্ৰোপপাদে পশুঃ। শক্ষেষাং হবিষাং গমৃদ্ধতা দক্ষা জুজয়াং প্রথমাহ বাবান শেতি পঞ্চিঃ ইভ্যাদি (কৌ•১৪।২)। খত দৰ্বিংগেমত্বাৎ গন্ত্রিকল্পে প্রাপ্তে নিভামের ভ্রাং ইভি ইবৃহ্মলিষা/রশ্বের্থতং। (তণাচ কৌশিক:) 'ন দ'ক্রতোগেন বস্তলোমেন পুর্ণহোমে মলং ক্রিষেভেভে।কে অক্টকারাং ক্রিয়ে ভভাষুফালিয়াঠরে। উত্ত (কেট-১৪-২)। রেশ-মানে নেমকর্পীননবোনামুমন্ত্রণ 'ইড়াখাম্পানং' ( ৬ ) ইভোষা বিনিম্কা। (ভদ্) উজ্লং **ेशकान कृत्य । 'লোমকে** মণীং প্রাণাক্রণানাং' ইতি প্রক্রমা 'পদাভিতোমং ইড়ায়াম্পদ**ং' ইতি**-(देव १०) । अञ्चालकु नाकरभरत पूर्वप्रतिहरास 'भूषा निर्दि' (१) हेर्ल्याचा उन्हें

্উক্রং বৈতামে। 'কার্ত্তিকাং লাক্ষেণাঃ' ইতি প্রক্রমা 'খো ভ্রতে পূর্ব্রক্রাণ পূর্বা দর্ক্রেই ইতি (বৈ হ হ )। রাজো রারে) আরাক্রিকাগানে 'যাং বেলাঃ প্রতিমদন্তি' (২) ইতোবা রাজিবেলবভাবালনে বিনিযুক্তা। 'লখংসবজ প্রতিবাং' (৩) ইতোবা চ লিষ্ট্রব্রা রাজিপ্রতিক্রতের প্রেলালনে বিনিযুক্তা। তল্ উক্রং পরিলিট্রে। 'কালাজ লিষ্ট্রব্রায়া কর্মা বালাজামঃ' ইতি প্রক্রমা 'যাং দেশঃ প্রক্রিকারীত রাজিং আলাজ্যেই। লখংসরক্র প্রাভাশ ইতি লিইম্মীং প্রতিক্রতিং ক্রছে।এইম্বাণ উপ্যালম্যুক্রাঃ। তল্ উক্তং ভরৈষ্যা ভরেব রাজ্যাপস্থানে 'আ মা পূর্বে চ পোষে চ' ইভ্যেতা বিনিযুক্তাঃ। তল্ উক্তং ভরেষ্যা 'আ মা পূর্বে চ পোবেতোভাভিক্রপন্থায়' ইতি (শ০ ৬১)।



প্রথম হ স্ট্রাদের উৎপন্না থবের। এ চাইকাসঘদ্ধিনী আলা উদাং ব্রাল ভয়োব্রাল্লমং ফ চবতী। বিপূর্বের বালব্রজ্বনে বর্ততে। স্টেও প্রাক্ অভারাজনিভাগশৃত্যং কালং ভত্তাজ্বং শকরোল্ ইভার্যঃ। তথা চ ক্রাভারতে। 'ন বা ইলং দিবা ন নজং আনীল্ অবার্ত্তং। তে দেবা এতা বৃটীরণশুন্। তা উপাদধত। ততো বা ইলং 'বোলংং' (তৈও লংও এত। ইভি। যদ্ধ হলকং ক্রাভারত্রপ্রসিদ্ধেরী। তথা হি। 'ইল্নেব লা যা প্রথমা ব্যাজ্তং' (তৈও লংও এত। ইভি। যদ্ধ হলকং ক্রাভারত্রপ্রসিদ্ধেরী। তথা হি। 'ইল্নেব লা যা প্রথমা ব্যাজ্বং' (তৈও লংও এত। ইভি। মন্ত্রাক্রণালিরাপার শক্ষকবিধানেন 'প্রত্যুগ প্রক্রা প্রার্থী' (তৈও লংও এত। ১) ইভি মন্ত্রোজ্বলাগার শক্ষকবিধানেন 'প্রত্যুগ গর্ভঃ প্রথমা ব্যাব্রী' (তৈও লংও এত। ইভি মন্ত্রোজ্বলাগার পক্ষকভেদেন বা পক্ষ বৃত্তীর জ শক্ষ দোহাঃ' (তৈও লংও এত। ১) হিভ মন্ত্রোজ্বলাগারিদিন্ত নন্দা'দ্বিগাণেক্রা বা পক্ষোব্রালাগার প্রত্যালিকার ভ্রতি প্রবিষ্ঠা' (৪) ইভার্যে স্থানাস্থাত। তালাং মধ্যে প্রত্যাল্বাক্রিয়ার প্রথমা লক্ষিল্রাক্র্য্যমান্ত প্রধানভূতা লা ব্রাল্লিভি। লা ভাল্পব্রাক্রিয়া

শ্বান্ত বিষয়ে শিতৃণাং অনিপতে বিষয়ে দেয়ঃ প্রীণয়িত্রী অভবং। অত্ত একাইকাভিখে।

শিত্রাকর্মণি অক্ষর্রুকলদাধনত্বেন ধেকুৰব্যাপদেশঃ। অভ এব অক্সন্তারায়তে। 'একাইকাং পশ্বত 
ক্রেছিমানাং অরং মাংসবদ্ গুলবং অধাবং' ইভি। দা একাইকা দেকুঃ মঃ অআকং পর্যতী

শর্ভিণলক্ষিত্তভোগাবভ্যুকা দতী উন্তর্মিতরাং দমাং। অত্যন্তবংহালে বিভীয়া। উপর্বান্তবাহিরু দর্শেষু বংগবেষু ভুলাং অভিনত্তকাং হ্রাং। উন্তরাম্ভরাং ইভি। 'নিতাবীজ্বানাং' ইভি বিব্রুচনং। 'অকুদান্ত' চ' ইভি আন্তেভিভাপ্রদান্তবং। ছুলাং ইভি।

য়হ প্রপ্রবেশ। অরিভেলাদ আল্লনেশনং। 'লোটি লোণত্ত আল্লনেশনেমু'
ইভি ভ্রোলাং। (৩কা—২অ—১০ফ্—১ম)।

विशेषा ।

নাং দেশ: প্রতিনন্দ্তি রাজিং দেকুমুপায়তীং।

সংবংসরত যা গড়ী সা নো অস্ত স্তমঞ্চলী।২ **॥** 

भष-भार्ठः ।

যাম্। দেবাঃ। প্রতিহনকতি। রাত্রিম। দেহুম। উপ**ংখায়তী**ম্।

। भगरुतरमत्त्रा रा। शक्तीः भागनः। व्यक्षा स्थरमङ्गी॥२॥

বাং একাইকাসন্ধনিনাং রাজিং। 'রাজেশ্চাক্রাণ' ইতি ভীবভাবক্রান্দাং। দেশুং উন্ধে প্রকারেণ দেশুরপাং উপায়তীং দ্যাপং আগচ্চতীং দৃষ্টা দেবাঃ হবিভূকঃ প্রতিনাদন্তি প্রশং দৃষ্টি। উপায়তীং ইতি। উপাঙ্পুরাদ্ এতেল টঃ শ্রাদেশঃ। 'ইণো যণ্' ইতি যণ্ 'উপিতশ্চ' ইতি ভীপ্। 'শত্বকুমো নল্লাণী' ইতি নলা উপান্তরং। যা একাইকা দ্বং দ্রুপ্ত পাল্লক্স কালত পত্নী লায়া। তথা চ শ্রুণ্ডান্তরং। 'এবা বৈ দংবংদ্রুম্ম পত্নী বহ একাইকা। এতখাং বা এব এভাং রাজিং বদ্ভি' (তৈও দংব প্রাভাচ) ইতি। দ একাইকা নঃ আখান্ উদ্যিশ্র শুষ্কলী শোভন্যক্ষলমূক্তা অন্ত ভবতু। শোভনং মঙ্গলং যথা ইতি বছরীতো 'নঞ্সভাং' ইত্যন্তরপ্রান্তেং। 'প্রমঙ্গলভেষ্ণান্ত' ইতি বিহিত্য ভীপ: উলান্তনিব্ভিত্তের উল্লেখ্য হা। (৩কা—২ অ ১০ই—২ম)।

# তৃতীয়া।

শংবংশকভ প্রভিমাং যাং হা রাজ্যুপাস্মহে।

ण न काब्र्याटीर श्राकार द्वासरञ्जाहरून कर क्**क**ा छ।।

পদ-পাঠঃ।

। সমহবংশরণা। প্রতিহ্মাণ যাম। খা। রাজি। উপ্রশাসহে।

সা। ন:। আয়ুল্ল চীপ্। প্রহলাস । রায়:। পোবেশ । সৃষ্। স্ভাষ্থ ॥

তে রাজি শংবংদরত প্রতিমাং প্রতিকৃতির শাং প্রতিনিধিখন নির্মীয়ত ইতি প্রতিমা। "লাতশ্চোপদর্গে ইতান্ত। বাং দ্বা দ্বাং উপামহে দেবামহে। আদা উপবেশনে। আদা দিবাং শপো লুক্। দা দ্বান আদাকং প্রজাং প্রশোজাদির শাং আরুশ্বতীং চিয়কাল- জীবনবতীং কুরিতী দতী রালং ধন্ত গ্রাদিলক্ষণত শোবেণ পুট্যা দং ক্ল দংবে আরু। 'বটাঃ শতিপুত্র ' ইতি রায়ে। বস্জ্নীয়ধ্য দহং। (৩কা—২ ল নিক্স –৩ম)।

# **५ जू**थीं।

। । । । ইয়মেব শা যা প্রণমা ব্যৌচছদান্তিগ্রাস্থ চরতি প্রাবস্টা।

**लप-** वार्ठः ।

हेन्नम्। এवाना। या। व्यथमा। विश्वेष्ट्ररः। चान्नः। हेळ्वाच्नः। हन्निः। व्यव्यविद्याः।

। মহারঃ। অব্যাম্। মহিমানঃ। অংবঃ। বহুঃ। ভিগায়। ন্বহগং। অনিতী॥৪॥

ইয়মেৰ অভ্যতনী একাইকাণক্ষণা লা প্ৰথমং উৎপন্না উবাঃ। আনেন ভাগাআয় প্ৰতিশালনেন আন্তা আভিশন্নিভমহন্তং উত্তংং ভবভি। ভচ্ছল।বং আহা যা উবাঃ প্ৰথমা প্ৰাঞ্জনপ্ৰকাৰেণ সৃষ্টাালে। উৎপন্না লঙা বেয়াচ্ছৎ তমোনিরণনং কুতবতী। উহা বিবাৰে।

**मध्य - २७ (१) ४-७-७३** 

নেমং একাইকা উবা: আতু পরিদুর্গনাত্ম (ইতরাত্ম) অক্রাসু উবাস্থ প্রনিষ্টা অত্যাতা শতী চরতি বর্ততে উদেতি। আর্মতে হি। 'একা শতী সভ্গোবো বুচ্ছেদি' (তৈ শংক ৪।৩।১১/৫) ইতি। প্রপুর্বাদ বিশে: কর্ত্তরি নিষ্ঠা। বাভায়েন অনারপুর্বাপদপ্রকৃতি-স্বরন্ধ। বন্ধা প্রনিষ্টা কুর্যোণালুপ্রনিষ্টা। কর্মণি জেঃ। 'পভিরমন্তরঃ' ইভি গতেঃ প্রাকৃতিশ্বরহা শুখাং উক্তলক্ষণায়াং উবলি অন্ত: মধ্যে মচান্ত: শুণরিমিতাঃ মহিমানঃ মালাক্ষাবিশেবাঃ। বর্ত্তর ইতি শেষ:। বলা মতিমান: মহক্ষোপেতাঃ মহাতঃ মুগাঃ স্থ্য-শোষাধরঃ অপাং অভ্তর্মার্থান প্রাাদর এতদদীনাং প্রকাশক ইত্যর্ব:। 'এর এনাং মৃতিযাম: পচতে (ৈতে লং ৪ ০)১১।১ ) ইতি ঐতে:। বধু: স্বাক্ত জারা উবা:। 'স্থাপত্নী বিচরতঃ প্রজাবতী' ইতি (তৈন সংন ৪।৩।১১) প্রভান্তরাং। নণগং মবং অভিনৰং প্ৰতি'দৰণং উল্লন্ত সুৰ্যাং ভদ**িনাভাবেন গুল্কতীতি নৰং অভিনৰং উৎপ**ল্<mark>বমানং</mark> প্রাণিকাতং গছতি বাপ্পোতীতি বা নবগং। যথা প্রতিদিনং উৎপক্তমানমাণ নবং অভিনবং উৎকৃষ্টং একবিধং ক্লপং গছতাতি নাগ্ধ। তথা চমন্ত্রার্থ:। পুনঃপুনর্জ্জালমানা পুরাণী नमानः वर्गः चक्ति खुस्रमाना' (स. ১ x २ : ১०) हेलि । चलवा नवश विक्रकान अहर्खानान প্রাতরাদীন গছেতীতি নুবগং তে চ ভাগাঃ প্রাত্নক্রমণাাফাপরাতুশায়াফাখাঃ পঞ ভদম্রালকালাত চ্যার:। আন্তে হি তৈতিরীয়কে প্রাত্রাদীন প্রস্তত্য 'শ্মান্লাফ্: পঞ্ পুণ্যানি নক্ষঞাৰি। চ্ছাৰ্যাল্পীলানি। ভানি নৰ' ( হৈত আত ১ ৫।৩।৪ ) ইভি। প্ৰবাতে চ। প্রাতরতঃ প্রাত কুপ্রো মধ্যক্ষত্ত্বে। অপরাহুং ধনিঃ বাদং নব্ধা ভিন্ততে বৃহঃ। উভি। মণপুর্মাদ্ গমে: কিণু 'গম: কৌ' ইতাকুনালিকলোপ:। 'হুগুলা পিতি কুতি∘' ইতি তুক্। কুত্তুরপদপ্রক্লাতবর্ত্ব। এবভুতা উবাঃ জনিত্রী জনানাং প্রকাশপ্রদানেন পারু অন্ধ্রিতী সভী কিলাধ অধৃতি সংবিংকর্ষণ বর্ততে। অন্তেলিটি 'দ্দুলিটোক্রে: ইতাভাগাদ উত্তরণা কুরং। আনজীত। অনেশাঞাং শাধুকারিশি ভূন্। 'বছলং चक्रवाि १ है हि शिर्माभः । (०का - २च-->०ए---४म )।

পথ্যা।
বানস্প্রা প্রাণাণে। ঘোষ্যক্ত হাবজ্বন্ত: পরিবংসরীগম্।
ক্রেন্টকে স্থ্রন্ত: স্বীরা ব্যাং স্যান প্রমো রয়ীপাম্।।৫।।
পদ-পাঠা।
বানস্প্রাণ প্রাণাণা ঘোষ্য অক্ত হবিল কুর্ত্তল পরিহ্রংস্রীগন্।
বানস্ভালে প্রাণাণা ঘোষ্য অক্ত হবিল কুর্ত্তল পরিহ্রংস্রীগন্।
বানস্ভালে প্রধ্নালয় মহনারাল ব্যাম্। স্বান্য ব্যাম্। স্ত্রাল র্যাশাম্য বে

मष्ठी।

हैफ़ाज्ञाञ्लातः शुक्रवर मनीञ्लार काखरवनः প্রতি हन्। গৃভায়।

যে গ্রাম্যাঃ পশবের বিশ্বরূপাজেদাং সপ্তানাং মরি রস্তিরস্ত 🛚 🖜 🗈

भम भार्ठः ।

্ব। আমাঃ পশবঃ। বিশহরপাঃ। ভেষাশ। দপ্তানাম। মরি রভিঃ। আভা । ৬ ।

ইলায়াঃ। গেংনামৈতং। 'তলা পেকুং সতবংশা ন আগাং' ইভালিজ্ঞতেঃ। 'তলায়া বা'
ইতি নিশ্বজ্ঞনীরলা প্রং। তলাঃ পদং পাদঃ বুনবং ব্রুডোপেডং। 'না ব্রুফ্র ক্রাঞ্জিতেঃ। তলায়া বাং
ভততা বৃতং অপীডারে (ৈত্ত লংভ ২০৬৭)১) টাত শ্রুণরাঃ। লরীস্থাং অভাবং লর্পং ৯
ক্রেণার্লুগস্ত ২ প্রাক্তর । 'ন ধাতুলোপ আর্মাতুকে' ইতি লম্পাঞ্গঞ্জিবেদঃ।
ইড়াপদাক্ষনা ভাবিতং প্লোক্ষিকণং পাদং তলাঃ ক্রামি গানাক্রন্তালীমি হ্নীংফি চ ৮
শেলোপং। বে অভেব্নেঃ আভানাং বেশ্বরুল্লে প্রাত সৃষ্টার প্রতিস্তাপ। 'হলঃ প্রঃ
শানজ্ঞো' ('ছন্দদি শার্জাপি') ইতি শ্রং শার্জাদেশঃ। 'ক্রেলেডিংভ' ইতি ভ । গুলীভছ্বিব্রুক্তর্পাল্ল্ প্রান্তাঃ গ্রেমি ভনা গোলাবিশুক্রবর্গক্তিছেন্ত্রীগা৷ বিশ্বক্রপাঃ নালাকারা যে প্রক্র

**দভি তে**খাং উজোমাং শধানাং পশ্নাং রভিঃ ঐতিঃ মরি চাভ । ভডঃ শম্ভিভিবজু ইভা€ঃ। রুমেঃ জিনি ভছনাশিকলোশাভাবশহালবঃ॥ (৩কা – ২ভা—১০স্ ৬ম) রু

```
সপ্তমী।

। । । । । । । ।

মা মা পু: ইচ পোষে চ রাজি দেবানা: হ্মতে সাম।

পূর্বা দর্কে পরা পত হপুর্বা পুনরা পত।

। । । ।

স্কান্ মুজ্ঞান্ত স: ভুঞ্জ তী শভূর্জ্জ ন আ ভর ॥ ৭ ॥

গদ-পাঠ:।

। । । । ।

প্রা ম্বেরা পরা পতা হাজি। দেবানাম। তুংমতী। শাম।

পূর্বা দর্কো পরা পতা হুংপ্রা পুনং। আ। পতা

। ।

শ্র্বান ম্বেরা শম্ম ভুঞ্জী। ইবং। উজ্জেন না আ। ভর ॥ ৭ ॥

শ্র্বান ম্বেরা শম্ম ভুঞ্জী। ইবং। উজ্জেন না আ। ভর ॥ ৭ ॥
```

হে রাত্রি মা মাং পুটে লয়ত্বে গনে পোবে পুরগৌতালিসমূদ্ধে। পরলারসমূচ্চার কি
কারে) আন (ইভি) উপলগঞ্জেরোগ্যাক্রিয়াগ্যালার: আন স্থাপম। বংগ্রালান্দ্
আরং চ কেবানাং ইন্দ্রালীনাং হ্রমতৌ কল্যাপাং বুদ্রৌ স্থাম ভবেষ। তে দক্ষি হোমলাগন্তুতে
আং পূর্বা ক্রিভিঃ পুরিভা লভী পরা পত পরাগছে। যইনান দেবান প্রভি গছে। ভত:
অপুর্বা অভিমন্তকলৈ পরিপূর্ব পতী পুনরা এত আমান আগত্ত পংলু গভৌ। পুর্বিভ।
পুলাননপুরব্বায়েঃ ইভাআং গাস্তাং গা লাক্তলাক্রপ্রিপ্রতাগ ইভি লভং। অপুর্বিভ।
পিত্রনজ্বরা ইভি গভেঃ প্রকৃতিবর্ত্তং। দক্রান মজান যইবান। 'যজয়াচন' ইভাগিন্দ্র প্রভিননজ্বরা ইভি গভেঃ প্রকৃতিবর্ত্তং। দক্রান মজান যইবান। 'যজয়াচন' ইভাগিন্দ্র প্রভাবে ক্রেভায়া। ক্রেভায়াং লাভ্রত্ত হিলি কলাভ্রেণ। উল্লী লভী দেবেভাঃ লকালাদ্ ইবং আইং উর্জিং বলং চ নঃ অল্পায়াং বিনিয়োগ্রিব্রে প্রাম। পুর্টে চ' ইভাকাবদানা অকৃ।
ক্রেপাইলিকারাং পুলাবদানা এবৈর ব্রগ্ ইড্যুক্তং। (কলা ২ আ ১০ছা ৭য়)। भरेगी।

भाग्रमण्ड्मः वर्गतः अख्रितकाद्वरकं छन्।

শা ন আয়ুত্মতী: প্রজাং নায়তেনাবেণ সং স্কাচ চ

পদ-পাঠ:।

। আং। আরম্ আগন্দম্চনংগর:। প্রি:। এক্চল্টকে। ভব।

লা। মঃ। আর্ম্নতীম্। এইজাব। রায়ঃ। পোবেশ। লব্। ক্লাচ।

হে একাইকে তব পতিঃ অরং দংবংশরঃ আগন আগতঃ। দংবংশরণা পতিখং প্রাপ্ উল্লেং। সাখং পত্যা দহিতা নঃ পত্মাকং প্রজাং পুত্রপৌত্রাদিলফণাং আগ্রুছাচাং কুর্বরতী রায়ঃ মনস্ত পোবেশ দং ক্তর সংযোজয়। (৩কা – ২ক্ত – ১০ক্ত – ৮ম )॥

व्यवशै ।

। । ঋতুন্ যদে ঋতুপতীনাৰ্ত্তণান্ত কামনান্।

মুমাঃ সংবৎপরান্ মাণান্ ভূতকা প্রয়ে মলে। ৯ ৯

भष-भाष्टः।

ৰজুন। কলে। ৰতুহণতীন। আর্তিনন। উত। হায়নান্।

সমা:। সমহবংশরাব। মানাব। ভূতভা পতরে। বজে । ১।

ৰজ্ম বসন্তানীন যথে হবিষা প্ৰীনধামি। অতৃণতীন চেবাং কজুনাং আৰ্থচাজুন আয়ানীন দেবাংশত। যথে ইভি দকতে সম্প্ৰ:। আউনান অভবয়বান অঞ্জান অপ্ৰতান কলাকাটাদীন কালবিশেবান্। 'অভোৱন' ইভি অনুপ্ৰতায়:। উত অণি চ হায়নান শ্মাঃ সংবংসবান্। ইভি তালু প্ৰতায়:। উত অণি চ হায়নান শ্মাঃ সংবংসবান্। ইভি তালু প্ৰতায়:। উত অণি চ হায়নান শ্মাঃ সংবংসবান্। ইভি তালু প্ৰতায় । উত অণি চ হায়নান শ্মাঃ সংবংসবান্। ইভি তালু প্ৰতায় । বিশ্ব কালবাৰা ক্ৰিন্ত বিশ্ব বিশ্ব

সমগ্রিজ্জান্ত্রিংৰভিদংখ্যাকা অর্থানাঃ। তান নংবংনরান্ত্রেশ্বালাস্কান্মানান্ হৈনোলান্ত্রেশ্বাকান্ত্রেল্ডার্ডল ইভি নত্রঃ। ভূতত সন্তাবং পাপ্তন্য চরাচরাত্মকা কগতঃ প্রস্থেপান্ত্রেশ্বানী অন্বজ্য়িকাল্যকঃ তবৈ। গিক্রাগ্রহণ কর্ত্রাং ইভি কর্মণঃ স্থানাত্রিভ্রা। তং ভূতপতি ই দ্যকে ত্রিকা প্রাণ্ডামি। যথা। ভূতনা পত্র ইভি ভাবর্ষ্যি ভূত্যা। ভূতপতিপ্রীণনায় বছাদীন্যক ইভি নথকঃ॥ ( : কা—২অ—১০ত্—১ন্)॥

হে একাইকে ছা খাং শতুকার বনস্তানিজ্য: তংগ্রীতার্বং। যথে ইত্যুথকঃ। এবং আর্থিকেটা ওতুপথাছলা অহোরাআনিলা। তা যথে ইতি দক্ষমন্তের অনুবকঃ। মান্তাঃ আর্থেকা: শত্রোমাস্ত ইত্যাদনা মাদশব্দ মাস্ ইত্যাদেশ:। 'অবস্থতবআহ্রণা চ ত ইন্তরে জ্লাল' ইতি ককারণ্য ভবং। সংবদজ্ঞানিছিল সংবংগর। শত্রাধানি বংশরোগাদিকঃ লর প্রভারা। 'দল্যার্থাপুদেশ হাত ভবং। ভেডাঃ (ধাত্রে) ধাতা ধারায়তা একরামকো খেবং তলৈ বিধাত্রে দক্ষায় মিলাত্রে দেবার শন্ধে দমার্থাত্র এতরায়ে দেবার। ব্যুর্ভ্রো। দল্পুরাত্ত আলাং কিশ্। ভূতলা প্রভার উক্তলকণার দেবার। 'বল্লিকাজ্লাল বা' ইত্তি প্রভার হিন্দের বিধা প্রীণ্ডান্ত ক্লিল বা' ইত্তি প্রভার বিধার প্রীণ্ডান্ত ক্লিল বাং হাত

্ ।

ইড়য়া অ্বডো বয়ং দেশন্ স্বভা মঞে।

।

।

ইছানস্ভাভো বয়ং সং বিশেষোপ গোমভং ॥ ১১ ৪

## পদ-পাঠঃ।

ইড়রা! গোনানৈতং। ততুণলাকিতেন মাংলাদিরণেণ হবিবা মুত্রতা উপন্তরণাতিং বারণাবস্বত্যকেন জুকাতঃ হোমং কুর্কান্তঃ লারা হবিঃ প্রক্ষিপার। 'ভূচীরা চ হোক্ষ্ লি ইতি কর্মণি ভূচীরা। তথাবিধা বরং দেশন বজে। ব্যভারেন একন্চনং। যজাবতে প্রিক্ষামা। ভূকতে ইতি জুহোতেল টিঃ শ্রোণেশে 'নাভান্তাক্ত্যু' ইতি ফুল্ডিবেবঃ। 'শভান্তানাং আলং' ইভ্যার্লিভেবং। তেবাং দেবানাং অনুবাহাত্বরং অনুভাতঃ পার্বাই শক্ষাণাঃ লম্পুর্ণাঃ সন্তঃ। লুভ সংক্ষা। লিবালিভাং আন । 'লমিতাং আগমনালনং' ইতি স্মভাবঃ বরা গৃহবিশেবণং। অনুভাতঃ সাধ্রিভিতান। কামামানদক্তবন্ধানভান ইভাবঃ। গোমতঃ। ভূরি মতুশ্। বত্তিগোভিবুজনে (গৃহান) উপ। ক্রিয়াগাহারঃ। উপেত্য লং বিশেষ প্রেম নিবনেম। (৩কা - ২ল --১০ক্ - ১১৯)।

## का लगी

এক। ইকা মাবকুফাইমাত্যকং। দা দেবতাবেন ভূমতে। তপান তপানানা। ব্যতাবেদ কম্মিন তৃতীয়া। 'তপজনংক্ষিক্তৈব' ইতি কম্মিতাবাদ্ ব্যাহ্মনেশদে। '• অছ্পদেশালশাক্ষাত্ক•' (ইতি) অভ্নান্তবেন যক উদান্তবে আত্তে ব্যতাবেদ ধাত্ময়। যথা। তপ্
শ্বিমিন। দিবাদিঃ আম্মেন্দ্রী। শ্বনো নিবাদ্ আগ্রান্তবং। ক্ষাক্ত দিশানা একাইকঃ

ভ নদা সম্ভাগক বেল পুত্রার্থেন কর্মণ। গর্ভং গর্ভ ভূতং মহিষানং মহকোণেতং ইন্তং আঞান আন্মানাল। যথা গর্ভং গর্মীয়ং গুঙাং বন্ধনীয়ং। গু আকো। অপ্রিগুভাগত অন (উঙ্ তা>হে) ইতি ভন্ প্রভাগ: বি গর্ভত্বং অনুভাগ বা। গু নিগরণে। অন্যান্বা ভন্থ এবজুবং ইন্তাং ইন্তাই আনিবাং আনিবাং অন্যান অন্যামাল প্রকালয়ং। তেন উক্তাক পেন ইন্তেশ দেবাঃ আকোন্ আভিয়িত্ব অসুবান্ বাসহস্ত বিশেষণ অস্ভবন্। ল চ ইন্তাং আভীপতি: অভা। দেবাঃ পাতঃ। যক লভীও কর্মানা। আভীনাং কর্মণা পতিঃ আমী দ্মানাং উপক্ষপিয়িত্বাং হয়া অভবং ঘাতকো ভবতু। অভীপতিরিতি। বন্সাভানিন ক্রান্ উভয়পদ প্রত্তি স্বরং। (একা ২৬—১০ শ্—১২৭)।

ত্রোদশী।

। । । ।

ইন্দ্রপুত্র দোমপুত্র সুইতাদ প্রকাপভেঃ।

। ।

কামানস্মাকং পূর্য প্রতি গুইনাই নো হবিঃ। ১০॥

স্ব-পাঠ:।

। ।

ইন্দ্রপুত্র। পোমংপুরে। ছহিতা। প্রতি। প্রতি। বিলাধপতে:।

। ।

কামান্। প্রকা প্রতা প্রতি গ্রাহ। না। হবিঃ। ১০॥

হে ইশ্বপুত্রে উন্তরী ভা ইবঃ পুরো যন্তান্তালু লি হে পোমপুত্রে শোমপুত্র যন্তান্ত্রী বিশে। 'বাং দেবাঃ প্রাভিনন্ধ রাজে।' (২) হতি রাজ্যেকাইক ধোরতে দব্যবহারাল্ রাজে চন্দ্রণা প্রকাশনা উপলব্ধেন্চ পুত্রে পালার। যা গ্রামধনাথো লংবংল রগজ্যে একাইকারা লোমলা ক্রেরাল পুত্রে পালার। শ্রেরাল বালার। শ্রেরাল বালার। শ্রেরাল বালার। ক্রেরাল বালার। শ্রেরাল বালার। ক্রেরাল বালার। শ্রেরাল পুত্রি ভবাল। তথাবিধা দং আলাকং ক্রেরাল, ক্রেরালান, প্রকাশনান ক্রেরাল বালার। ক্রেরাল পালার। ক্রেরাল ক্রেরাল বালার। ক্রেরাল বালার শ্রেরাল বালার ক্রেরাল বালার ব

है। ७ विकोरमञ्जारक शक्ष्मार श्रुक्तम् ।

विकोश्मिय्याकः मुमार्थः।

ভিত্তিক্ষর্থাকে পঞ্চ স্কোনি। তত্ত্ব 'মুকামি ছা' ইতি প্রথমপুর্ক্তেম বালগ্রহরোগে বিশ্বপ্তর্মানি তথা জনেন ক্ষেত্রন পরণাতিলৈণআলিভোন পাত্রেন উবংকালে বাাবিতং আনিছে। তথা জনেন ক্ষেত্রন পরণাতিলৈণআলিভোনগাত্রেন উবংকালে (জরণো) পূর্বে বা বাাধিতং আননিক্ষেই মার্জ্যারেই আলিভোনালকেন উবংকালে নাাবিত্রলা অবলেক্ষার্জ্যানিকারিকারিকার প্রজ্যানিকার্ত্রাকার প্রজ্যালিভিনালকেন উবংকালে নাাবিত্রলা অবলেক্ষার্জ্যানিকারিকার প্রজ্যানিকার্ত্রাকার প্রজ্যানিকার্ত্রাকার প্রজ্যানিকার্ত্রাকার ক্ষানিকার্ত্রাকার ক্ষানিকার্ত্রাকার ক্ষানিকার্ত্রাকার ক্ষানিকার্ত্রাকার ক্ষানিকার্ত্রাকার ক্ষার্ল্যানিকার ক্ষার্লাকার ক্ষার্ল্যানিকার ক্ষার্ল্যান

## ७व श्रा।

মুকালি ছা হৰিষা জীবনায় কমজাভ্যক্ষমাতৃত রাজ্যক্ষাং।

| | | | |

আহিজ্জিগ্রাহ যজেতাদেনং ভদ্যা ইন্দায়ী প্র মুমুক্তমেনম্॥ >॥

**शक-भा**ठेः ।

মুঞামি। আন। ছবিবা। জীবনায়। কম। অজ্ঞাতহৰক্ষাৎ। উত্ত। রাজহৰক্ষাৎ।

া। । । গ্লাহিঃ। কথোহ। যদি। এতং এনৰ্ ভভাঃ। ইজায়ী ইভিঃ

অহা সুমুক্তম। এনখা ১।

ে বি বাধিপ্রায় বা দাং হবিবা আরেন অক্তাত্যক্ষাং। আরং এতংশংজক ইতি আপ্রয়োত্য শরীরণতো রোগঃ অক্তাত্যক্ষণ হবা রাজ্যক্ষণাতিরিক্তঃ শর্কোণি রোগঃ অক্তাত্যক্ষণ বাচ্যং। তালুশাল রোগাল মুঞ্চা'ন বিশ্লেষয়ামি। যজ পূজাগ্লং ইত্যাখাং অভিতথ্যসূত্র অধ্যক্ষক ক্ষিক্ষ্তার্থাপদিছকি নীতো মন্ (উ০ ১/১০৭) ইতি মন্প্রতার্থা বল্পদাঃ। উত্ত আশি চ রাজ্যলাং বল্পাণ রোগাণাং রাজা কররোগো রাজ্যলাঃ। রাজ্যলাছিছ উপন্তলাক পর্নিপাতঃ। বহা রাজা নোমাতং প্রামাং বো বল্লো গৃহীতবান ল রাজ্যলাঃ । বিজ্ঞানাং বল্ল লার্ছ ইতি ভল্ল রাজ্যলাক জন্মা (১০০ লং০ ২/৫ আ৫) ইতি প্রতারে । কর্মানার জীবনার্থ। ইহু লোকে চিরকালাবল্থানার্থং ইতার্থা। কং ইতি পূরণা। তথা গ্রাভিঃ গ্রহণনীলা শিশাচী (বলি) এতং ইলানীং আনং ভালকং জগ্রাভ গৃহীতবতী ভল্পাং লকাশাং হে ইক্রামী বুবাং অনং প্র মুমুক্তং প্রামানার্থা। মুচ্চান্থালোল নিকরণক লাঃ । (০কা—৩ল - ১০ন্ত ১ম) ।

ভৰ্। আ। হরামি। নিঃংবভেঃ। উপচ্ছাং: আস্পার্গন্। এনন্। শতংশার্লার । ২ 🛭

মনি আরং ব্যাণিপ্রক্তঃ কিভার্ঃ রোগেণ কণিভার্তবেং। কি করে ইভারথ কর্মণি
নির্চা। 'নির্চারণ পণান্ধি' ইভি পর্যানভরাং দীর্ঘাভাবঃ। যদি বা পরেভঃ জন্মালাকার
পরাপভা ভবেং। যদি চ সুভাঃে বৈর্বভক্ত ভবিকং নীতঃ নিভরাং প্রাপ্ত এব ভবিত।
উপায়াভবেশ ভবাংনরছং এবকারেশ ছোতাভো । পরেভো নীভ ইভাভর্জ এভেঃ কর্মণি
নির্চা। 'গভির্মন্তরঃ' ইভি গভেঃ প্রকাভবরং। মীত ইভি। 'ভারতো বাছ্লাভে প্রাবেণি
ইভ্রেভাবেশঃ বর্ষাভে। এবজ্তমণি তং পুরুষং নির্বভঃ মৃত্যাঃ উপস্থাৎ উপস্থামাৎ
দ্মীণাৎ আ হ্রামি ইমং লোকং ভানমানি। ভাল্লা চ এনং শভ্নারনার শভ্নাবেশ
নির্জীবনার্বং অল্পার্বং প্রবলং করোমি। শুলীভিবল্যারোঃ। ছাল্মনো ল্ড্ন্। পাহাদিবাৎ
'ভিঙ্কভিডিঙা' ইভি নিব্লোভাবার ( একা—তল্প ১ স্—২ম ) ঃ

# क्षोम।

সহস্রাকেণ শতবার্য্যে শতায়ুবা হবিবাহার্যেনম্ ৷

≹ক্রো যথৈনং শরংলা নয়।ভাতি বিশ্বভ ছারভভ পারম্। ৩॥

भष-भार्ठः ।

সহতহং আকেণা শতহ্বীযোগা শতহ্বায়ুৰা। হণিবা। আনাং আহার্ণা এনক।

ইক্রঃ। বধা। এনদ্। শরদঃ। নরাতি। অতি। বিরুচ্চ কুঃধ্ইতভঃ পারদ্যতঃ

শহবাকেণ। শহলং ইতি বহুনাম। শহলং অফীণি চকুংবি দর্শনিধন্তারো যান্য ছবিবঃ কলাখেন বিভান্তে তৎ শহলাকং। 'বছুবাহো শক্লাকো: ' ইতি বচু শমানাজ্ঞঃ। জেন্দ শতবীবোণ। শতপক্ষা অপারামতবাচী। শতসংখ্যাকানি শ্রোত্রাদীলেরপক্ষীনি শ্রীকাণি শ্রবণদিশক্তারা কলাখেন বলা দান্ত তাল্পেন শতার্থা শতস্থ্যরিমভং আর্জীবনং কল্ট্রং যাল্ডালেন হবিবা অরাদিনা ক্রনং ব্যাধ্যুতীতং (মৃত্যোঃ স্কাশান্ত্ আহার্থং আনেবং। যথা ইল্রা এনং পুরুষং) শরণা শতশংখাকান সম্প্রান্থ। ' শত্রাজ্ঞপ্রোণে' বিতীরা। তাবৎকালপর্যান্ত বিষ্কৃত্য ত্রিতত্ত আয়ুর্জিক্ষমিন্তত্ত পাশত পারং অবশান্ত অতি নরাত্তি অতিন্ধেৎ অতিক্রামরেং। তথা তং ইল্রং হবিষা প্রীণ্রামি ইতি শেবঃ চি নরাভীত্তি। নরতেলেন্টি আডাগ্যান (ওকা—ওল —১১ফ্—ওম)।

ह्यू भी।

भावर को क अंतरमा वर्द्धगानः भावर (क्यस्यान्त्रक्रकर्म् वशस्यान् b

শতং ত ইল্লে: অগ্নি: সবিতা বুক্সপৃথিঃ

णाश्वा स्विवारावस्यन्म् । & s

### 어마-어(): 1

শতক্। জীক। শরণাং। বর্জনানঃ। শতক্। কেমভান্। শতক্। উং ইভি। বণস্তান্।

। শুভুস্য কো ইক্সং। অবিং। শবিভা। বুহস্পভিঃ। শুভুহুসায়ুধা।

> • হবিষা। আনা। আবে স্থ্যা এনশু। ৪ ।

তে রোগাদ্ বিষ্ত্র বং বর্দ্ধনান অহরত ছেবুদ্ধিং প্রাপ্তব্য শতং শরদ্ধ শতশংখাকান্
শর্ভুত্ন, জীব প্রাণান ধার্ম। তথা শতং তেমবান (২মস্তর্ভ্ন। উপকং শম্ক্রেরণ শতং
মল্ভাংশ্চ বর্দ্ধনানঃ। জীব উত্যাভয়ন অফুবলঃ। লক্ষ্র '৽অভান্তলংযোগে' বিতীয়া।
মন্ত্রণি শতং শর্ক ইত্যানেনৈদ শতশ্বস্বানিবিতং আয়ুল্কিং তথালি হেমস্তব্যস্তাহাঃ
পৃথপ্রপাদানং শীভোক্ষবর্ধকেন লম্বংলর ছ তৈর্বিধাপ্রদর্শনার্বিং। অনেন আজীবনং তত্তৃত্ব
প্রযুক্তন্দীতোক্ষাদিকত ক্ষেণ্ডাতাহা মা তৃৎ ইত্যাক্তং ভবতি। অন্ত এব বর্দ্ধনান ইতি বিশেষিতং।
ভবা ইক্রঃ জারিং লবিতা লক্ষ্ম্ভ প্রেরকঃ ব্রহ্মাভিশ্চ তে তব শতং শতদংবংশ্রপ্রিমিতং।
ভাষুত্বক্সিউতি শেষঃ। শভায়ুবেভাবি পৃথিবং॥ (ওকা ওজ ১৯৮ ৪ম) ঃ

# शक्त्रहै।

প্রাধিশতং প্রাণাপানাবনত্বাহাবিব **ভ্রত্য** ।

্ব) ১০ বিভান ক্তাবে। যান।জ্রিত্রান্ছত্ন ্ । ৫ ।

পদ- পাঠঃ।

et: বিশতস্। পাণাপানেই। অনত বাহে) ছবৰ । ব্ৰহ

বি। অকে । যতা। মৃত্যালা । বাকু। আহং। ইতরান। প্তম্ । ৫ ।

তে প্রাণাপানৌ শরীরধারকৌ মুবাং প্র বিশতং। বন্ধগৃহীতত শরীরং ইতি শেবং। নক্ষশামর্থান নির্গতিরোরপি পুনঃপ্রশোভিধানেন অনিগতরোভারোঃ কৈমৃতিভ্তারেন দৈর্থাং
প্রাধিতং ভবতি। তল দুরারঃ। অনত্বাহো অনগং শক্টায় বেচারের ব্লীবর্জি

শ্বনিবাসন্থানং গোর্ডবিব। 'জনলি বহুঃ কিবন্ধে ডল্চ' ইভি কিব। 'চতুরসভুহোরাং উলাল্ডা' ইভ্যাপন্থ শান উল্ভেন্থ। ব্রন্ধ ইভি। ব্রন্ধ পড়ে ইভালিনা 'হলাচ' ইভি প্রাপ্তেশ্ব ব্রেন্থেল ক্ষরতারাক্ষা (ব্রন্থেল) নিপাভিতঃ। আজিব্রেলাণ্ডাইভি প্রাপ্তেশ্ব ব্রেন্থেল ক্ষরতারাক্ষা (ব্রন্থেল) নিপাভিতঃ। আজিবরোগ্ডাই ইভি ক্রাভাবঃ। অল্পে রাজ্যস্থানিবিলে মৃত্যবঃ মৃতিভেত্বো রোগালরঃ বি বস্থা পজর। ভাষেবাহ। যান ইভরান অল্পান মৃত্যান, শভং শভলংগাকাক আছেঃ ক্ষরতারা অভিলাঃ। শভং ইভি অপরিন্তিনাম। তবৈব প্রাপ্ত আর্লিছা (ব্রন্থ পভেত্বা ব্রেন্থিল ক্ষরতারা হিংলিব্রু শভং বে' (হাহ৮১) ইভি। শ্বান্তরেপি 'বে ভে ল্বন্থেল পাঞ্চ মৃত্যো মর্জার হস্তবে' (তৈও ব্রা ৩১ চাহ) ইভি। ব্যক্তে ইভি । লংহিভারাং 'উল্ভেক্স্বিরিভ্রেণিণ্ডা স্বির্ভান্ধান্ত ইভি অল্পনক্ষ ক্ষরতাঃ স্ব্যিতে । ১ ১

হৈ প্রাণাপানে যুবাং ইহৈব আমিলেন শরীরে (জং) তবতং। অত্তেলোটি তদজং। 'মলোরল্লোণঃ' ইত্যকারলোপঃ। ইতঃ আমাজেরীরাং কবং শীল্লং অকালে মাপ পাতং মাপগছতং। এতের্মান্তি লু'ও 'ইংশা গা লু'ও' ইতি গালেশঃ। প্নঃশব্দঃ তর্বে। কিং তুল্ল ব্যাধিতক শরীরং অকানি হত্তপালানীনি চ অর্বে অর্থিং। অর্ণাধ্যক্তং ইত্যবঃ। বৃহতং ধার্মতং। অর্শ ইতি। 'অর্মান্তি কর্ম অক্তর্ল্যাং' ইতি অর্শান্তিশঃ। ১।

সপ্তমা।

জনারৈ ছা পরি দদামি জনারৈ নি ধুবামি ছা।

।

জনা ছা ভটো নেপ্ত ব্য>ক্তে বস্তু মুখ্যাক্র

### नम-भार्ठः ।

। । अन्तादेव। चा। निर्दाक्षणिः। अन्तादेवः सिः। धूनचिः चा।

লরা। ছা। ভরা। নেট। বি। অতে। বড়া মৃতাকঃ। বানু।

আরঃ। ইডরান্। শতম । ৭॥

দে ব্যাধিবিনিপ্তি হা খাং অরাইর পার ললাম। রক্ষণার্ধং লামং পরিলামং। জরা অবদানপর্বাধং খাং বধা রক্ষতি তথা লগামীতার্ধঃ। জীর্জি জলানি অভাং অবস্থারাং ইতি জরা। জুব্ বরোহানো। 'বিভিলাদিতোঙ্' ইতি জন্ত প্রভারঃ। তথা খা খাং জরাই নি ধুবামি জরাপর্যন্তং নিতরাং প্রেরয়াম। ভাবং গ্রান্তং রোপাদিতাঃ পাল্যামি ইভার্বঃ। পু বিশ্ননে। তুলাদিবাং লঃ। তভা ভিত্তাক গুণাভারঃ। লা জরা খা খাং জনা ভন্দাসামানি কল্যাপানি। খেলেপিঃ। নেই নয়তু প্রাপরতু। ছান্দ্রে। বিহুলং ছন্দ্রস্থাবিহ্বাংপি ইভাতভারঃ। বাজুইভালি ব্যধাতিং চার্ক চ

। । আভি। খা। অৱিষা। অহিত। গান্। উক্লণণ্ট্ৰ। রজয়।।

दश्या मृङ्का अविश्वयक्तः साप्तमानमः प्रश्नामा क्रमः (क

न्याका रुक्षकाम्। खरा चत्रकरा तुरुल्यक्ति। ৮३

ধে ব্যাধিবিনির্মুক্ত জরিমা জরা দা দাং জভাইত নহং করেছে। অভিশৃংক্তা
দ্বাভিক্তিনে বর্ততে। 'অখাভিশানীং আদতে' (তৈও লংও হাচাহাচ) ইভিবং।
দ্বাভেপুত্র। 'ছাধ্যেতিক' ইভি ইবুকিছে। কিমিব। উক্লণং উজ্লাবং। 'বা
বপুর্বাস্ত নিপ্রে' ইভি বার্থাভাবং। দেচনদমর্বং গাং রচ্ছেব। বো মৃত্যুঃ দা দাং
ভারমানং উৎপত্তবামনের অকালে অপান্যা শোভনঃ পানো বজাঃ লা। পাননকা
প্রস্থিবনেবাপেতবল্লাকার বছত্ত্রে প্রানহঃ। বদ্ লাভ আগভভ্তঃ। বৌঞ্জেন দায়ান্যতরতঃ পালেন' (আপত স্ও হাহাত্ত) ইভি। তথাবিদরা হল্লা অভাবভ অবরাৎ তে জ্ব
নথান্তন্ত্র (তবা—তল—১১স্—৮ম)।

### है कि इंडोब्रकारक छंडोरब्रह्मवारक व्यवमः प्रकार ।

'ইবৈব প্রণাং' ইভি প্রথমং স্কেং বাজ্যেপাতাগণে পঠিতং। স্তিতং হি। 'ইবৈধ্
প্রণাং (৩)২) এই বাড় (৬)৭০) বংগা মৃত্যু (৬)৯০) সতাং বৃহৎ (১২।১) ইভান্ধবাকা
বাজ্যেপাতীয়ানি' ইভি (কৌ॰ ১০৮)। তেন গণেন নবশাগাবাদ্ধনংস্কারার্বং শালাভূমিং
ইলেন কর্বেং। তবা যত্ত্বেত চতুর্গনী মহাশান্তি: শাস্তাদকাদৌ প্রযুক্তাতে তত্ত্বে সন্ধার শ্বন্ধ
বিনিম্নোগং। তথামের নবশালারাং গত্তের্ ডক্ত্রীর্মাণস্থা। শনেন স্ত্তেনে আভ্মন্তবেং।
তবা ওতিএর কর্মাণ 'ইহৈব প্রবাং' (১)২) হাত বাভ্যাং গগ্নাং শালাভূমিং মূলাং বৃত্তিরং র
'বভেন সুবাং' (৬) ইভানধা বচা উচ্ছিভান্ম সুবাপ্র স্থতাকাং বংশং আরোপরেং। নবর্গ্রপ্রত্বেশকালে 'পূর্ণং নারি' (৮) ইভি এচা উপকুত্তাহিতা পত্নীং গৃহং প্রবেশরেশ।
তদ্ উল্লেখ লংক্তিনিধা। 'বাজ্যেপাতীরৈঃ কুলিজকুটে দক্ষিণভোগ্নেঃ 'সন্তারং আহম্নতি।
ব্যক্তিপাতাাদীনি মহালাবিং পারপতে ইভি প্রক্রমা 'ইহৈব প্রবাং ইভি নীর্মানাং
উদ্ধাধনাণ্ড পর্যাপ্রতা। ক্রম্ভার্টা বতেনেতি মান্ত্রেকেং। পূর্ণং নার্যাত্যুদকুজ্বং অবিধ্
ক্রাধনাণ্ড পর্যাপ্রতা। ক্র্যেভার্টা বতেনেতি মান্ত্রেকেং। পূর্ণং নার্যাত্যুদকুজ্বং অবিধ

### छा अथगा।

रेटेरव अवार नि मिटनामि णामार (कर्म किछ। कि मुक्रमूकमाना।

। । ভাং **ছা** শালে ধর্কবীরা: স্থবীরা পরিকটবীরা

> । छेत्र मः हत्त्रम् ॥ ১॥

어박-이 :

। ইহ এব ৷ এক শান ৷ মি ৷ মিলেমি ৷ পালান্ ৷ কেনো ভিঠাতি ৷ ভুতন্ ৷ উক্ষাণা ৷

खायुः पाः भारतः न¢सरुवीबाः। ≾रुवीबाः। व्यदिक्रेरवीबाः।

ড়প। পন্। চংরম ॥ ১॥

ইহৈব অন্মিরের প্রবেশে গৃহে (ভালাং) ফ্রাং দ্রিং নি মিনামি প্রক্ষিণাদি।
ছুপানিধননাদিনা করেমীতার্থ:। ভূমিঞ্ প্রকেশণে। দা নিমিতা লালা ভূতং এতত্পল্কিতং অভিমত্দলং উক্ষমাণা দিঞ্জী প্রযক্ষী কেমে কেমেণ। তৃতীয়ার্থে দপ্রমী।
অন্নালিবাদরাহিত্যেন তিওঁতি তিওঁত্যে । তেটি আডাগমং। তেলালে তাং ডাম্পুনীং দ্বা
ছাং দর্কনীরাং অনেকপুরান্তাপেতাং প্রবারাং লোভনগুণপুরান্তাপেতাং আরম্ভীরাং ন রিষ্টা
আন্তিট্টা রোগাদিরহিতাং ভাদ্বপুরাদিস্থেতাং। অন্ন বাহলালোভনগুণছাহেলার্হিত্যালক্ষণগুণবিলেশনম্বাধ বীরশ্বান কিরার্থিং। এণ্ড্তাং দক্ষো বন্ধং উপ দং চরেম্
বাবচরেম। দক্ষণীরা ইতি। 'নহ্বীতে) প্রকৃত্যাং ইতি পৃক্ষণদপ্রকৃতিম্বরহণ। 'প্রতাম্বলক্ষণেনাপারং দ্বর ইক্সতে' ইতি বচনাৎ দক্ষণক্ষং 'দর্ক্ষণ স্থণি' ইত্যান্তালাভং। স্থবীরা
ইতি। 'বীরবীর্যো চ' ইত্যুত্তরপদান্তালাভবং। অরিষ্টণীরা ইতি। 'বহুবীহে) প্রকৃত্যাং
ইতি প্রক্ষণদপ্রকৃতিম্বরহে অরিষ্টণক্ষং 'অর্যরে নঞ্জক্'নণাভানাংং ইতি অব্যয়পুর্ক্পদ্ব

দ্বিভীয়া।

ইলৈ এক। প্ৰতি তিও শালেখাৰতা গোমতা সুন্তাৰতী।

ি উর্জ্জন্ত সিত্ত স্থান স্থান

नव-नार्वेह ।

ইহা এব। গ্ৰা। আহাত। ভিঙা শালে। ৰখহবভী গোহমতী। পন্তাহবভী।

। উৰ্ব্ৰতী। সুত্হণতী। পশ্বতী। উহ। শ্ৰয়ৰ। মহতে। দৌতগায়।২। বে শালে ইবৈব শশিন দেশে জ্বা দ্বা সভী প্রতি তির্চ বর্ত্তর। কণ্ড্রা। আধাবতী
বহুভির বৈদ্ধণেতা। 'মার্ণধায়ান' ইতি মতুণো বহুং। 'মায়ে লোমাখোলিয়েন'
ইতাা(দিনা ক্ষমনদা দার্ব:। সোমতী বহুভির্গোলির্ব্ জ্বা সূত্রাবতী বহুভিঃ প্রির্গহ্বাস্তিন কালাদীনাং বালীভির্ব্ জ্বা উজ্বরতী প্রত্তাল্লবতী। উজ্জ্বতীতি। উজ্জ্ব বলপ্রাণন)(মাঃ
ইত্যখাশ্ লক্ষন। ভদত্ত শ্মতুণ্। 'ভণৌ মছবে' হতি ভহেন পদ্ধাভাবাদ্ ক্রাক্সভাবঃ ই মত্বতী বহুভ্রুজা প্রভা বহুখার। দ্বির 'ভ্রমিনন্দাপ্রশংসাক্ষণ' ইতি ভূলি মতুশ্। বাং বহুজ্বা হং ক্ষাকং মহতে প্রভ্রাল লোভগাল প্রভাবাদ্র উল্লেখ্য (উল্লেভা) ভব। উৎক্রা ভবেতার্ব:। 'সুভ্ল মাথ্র' ইতি উদ্যান্তাদির পাঠাদ্ ক্রেণ্ড্র 'শ্বের্থ বিধ্যশ্রেক্সিল বিক্লারেও ইতি উত্রণপর্ক্রাভাবঃ। (ত্তা—ত্ব—ত্ব—ত্ব—হ্ম)।

তৃথীয়া।

ধরুণাদি শালে রুগচ্চকাঃ পূ!ভদারা।

--
। । । । | | |

আ ভা বংদা গ্রেদ। কুমার আ ধেনণঃ শায়ম:স্প্রক্ষানাঃ॥ ৩ ।

পদ-পাঠঃ।

- -- -|

षाना माला द्वर्ष्ट्याः। भूष्ट्रिशशा

यदमः। भूष्यर। च्याः क्रमातः। च्याः। त्यन्यः।

শার্ষ। আহম্পান্মানা:। ৩।

হে শালে হং ধক্ৰী ভোগজাতত ধারায়ত্রী আন ভবলি। 'ধারেণিসুক্ চ' ইভি উনন্
লাভায়:। তভো ভাপ.। যথা ধরুণা ধারকাঃ গুন্তাঃ। প্রশক্তঃ গুতিপ্রকাপেতা। 'ছালনাবনিপো•' ইাত মহর্থীয় ঈকরে:। ছান্দাঃ শোলুক্। তথা রহছেনাঃ প্রভাজালনা
মণ্ডিশ্ছন্দোভিকৈদৈরপোতা বা পুতিধালা পুতিস্কোপেতজানধাল্লমুক্তা। বহুবিধভোশনাবানিনাপি অক্ষয়ধাল্লমুক্তা উত্তার্থঃ। এবং কুমারঃ পুতালিঃ আ গ্রেং। অক্ষাং শালামাং
গাবং আগভছত্। লিভ্যাাশ্রভ'। এবং কুমারঃ পুতালিঃ আ গ্রেং। গাবং শায়ংকালে
পাবঃ লিম্ব বেস্প্রোলন্মতা ভবন্ধ হত্যব্থঃ। তথা ধেনবং লেক্ষ্যো গাবং শায়ংকালে
আক্রণ্ধানাঃ প্রক্রে গ্রালন্ম আক্রের্থঃ আগজন্ধ স্বাং ইভি । (তলা—তল ১২স্বতম্)।

# **ह**जूर्थे ।

। ভলাং শালাং পৰিতা ঝায়ুরিন্দ্রে। বুহস্পতিনি মিনোতু প্রশানন্।

উক্তুদা মরুতো স্থভন ভগো নো রাজা

नि कृषिः ७८नाष्ट्र ॥ ॥

পদ-পাঠঃ।

ইমাণ। শালাণ দ্বিতা। বারু:। ইস্র:। রুজ্পতি:। মি। মিনোতু। প্রহলামন্।

। । । । । উক্তৰ টেলু। মুকুতঃ। মুকেন। ভগঃ। নঃ। রাজা। নি। কুবিস্। তমোতুাও।

দ্বিভা স্ক্রা প্রেকো দেশঃ প্রকানন্বায়ু ইক্স: বুল্পভিন্চ প্রস্থানন্। প্রতিকিবিক্ষয় একবচনং। শালানির্থাণপ্রকারং প্রক্ষেণ জানন্ ইমাং শালাং নি মিনোড্
ভ্জাদিছাপনেন করোতু। ভূমিঞ্ প্রক্ষেণণে। মক্রন্ট ত্তেন ক্রণ্শীলেন উদ্ব উদকেন উক্ষন্ত শালাভূমেং শিক্তা। 'পদ্রোমাস্-' ইত্যাদিনা উদক্শক্ষণা উদন্ আদেশঃ।
ভদ্জোলাং ক্রোপে উদাভ্নিরাভ্রব্রেণ বিভক্তেক্দাত্ত্বং ১ ততে। নঃ শ্লাকং রাজা
রাজ্মানো ভগঃ এভংশংজ্যা দেবঃ কৃষিং শালাভূমেঃ ক্রণং নি ত্নোভু নিত্রাং করোতু। কুর্

चिट्लब्राम । ইঞ্পৰাৎ কিং (উ॰ ৪।১১৯) ইতি ভাবে ইপ্রভায়: ॥ (৩কা—৩ব – ১২২ – ৪ম)।

প্রশুমী।

তৃশং বসানা অ্মনা অণ্ত্রমথাসাভাং শহবীবং রায়িং দাঃ॥ ।

শদ পাঠঃ।

্মনেশা। পজি। শরণাং সোনা। দেবী। বুদেবোভ:। নিহ্মিতা। অবি। অতিটা । । । । । । । । । আনুষ্ঠান জ্পন্। ব্যানা সুহ্মনাং। অবং। অবং। অবং। অবং। অবং। অবং।

পহহবারস্। রখিম্। দাঃ । ৫ ।

হে মানস্য পত্ন। মান পূজায়াং। কর্মণি বঞ্ । মাননীয়স্য বাছপজে: পক্তি ভারাভূতে লালে। যথা মীয়মানং গাতালিকং মানং তল্য পত্নি পালয়িত্র লালে খং ভারণা রক্তিত্রী লোনা তপকরী উদৃশী দেবী ভোতমানা অত্যে স্টানেলী দেবেভিঃ দেবৈঃ নির্বিতালি প্রার্গেভোগায় স্টাভবিল। লা খংতৃণং বলানা আছোলয়ন্তী। বল আছোলমেই ভারোং লাউ: ভালচ্। প্রমনাঃ লোভনমনস্থা অল: ভব। অত্যেলেটি অভাগমঃ। অংশ অনজ্বং অক্তাং ছরি নিবলজ্ঞাং লগবারং বীরৈঃ প্রাণিভিঃ লভিডং। 'বোপলক্তানলা'ইতি বিকল্পনাং লভলা লভাভাবঃ। ভালৃশং রিয়ং গনং লাঃ ধেছি। ললাভেক্তালাকেশ ল্ডা,। (৩কা --৩কা --১২৮ ৫ম)।

मछी

কতেন সুণামদি রোহ বংশোগ্রে। শিরা**লম**শ রুঙ্ফু শক্রন।

মা ডে রিষর্পণভারে৷ গৃহাণাং শালে শতং

कोर्वम भवन भवति।। ।

পদ-পাঠঃ।

ষা। তে। রিধন । উপহস্তারঃ গৃহাণাম। শালে। শতম।

कोर्यम । भित्रकः । भर्त्सव्योताः । ७ ।

তে বংশ তাং পাতেন অসাংখান রেশেণ সহ সুণাং শালামণাস্তত্তাং আদি রোহ আদি ভিও ।
ততঃ উপ্রাং উল্পূর্ণ দোল বিরাজন বিশেষেণ দাণামানঃ দন্ শক্তান্ আমাক্রেন আপ ইউক্ অপনক্ষয়। বুলী নক্ষনে। রুধাদিং। তে শালে তে তব সম্ক্রিনাং গৃহাণাং উপনতারঃ উপনদনক্তারঃ। নিব্দস্ত ইভার্থঃ। মার্থন, আর্তা হিংলিতা মা ভূবন ।
বিশিব্দস্তোব্যং দ্রাবীরাঃ অভিল্পিত্স্বাক্তালেণী আদিস্যেতাং শতং শ্রদ্ধ আইন্ম । ১৯

# সপ্তমী।

্থা। কুনারস্তরণ আন বংগো জগতা সহ।

! । এমাং পরিস্রেভ: কুক্ত আ দয়:। কলবৈশিক্তঃ॥৭া

श**ल- भा**र्फः ।

আলা ইমাং। কুমার:। ভরুণ:। আনা বংস:। জগভা। শহা

আমা। ইয়াম। পরিহজ্জা। কুছা। আমা দল্লা কল্লো। অঞ্চাণ

ইমাং শালাং তরণঃ বৃধা কুমার: পুত্র আ গ্রেছ্ড। তথা অগভা গ্রন্নীলেন গ্রাদিনা লহা গ্রেছ কিপি 'ছাতিগমিস্ভ্রেছীনাং বে চ' ইতি বিক্রিচনং সংলঃ আ লাবেক-মচনং। আ গ্রেছ্ড। তথা (ইমাণ) পরিফ্রেছ: প্রিফ্রেন্থনীল্লা মধুনঃ কুন্তাঃ আঞ্জঃ আপ্রেক্তা দল্প: কলশীঃ দশিপুর্বা বটাঃ আঞ্জঃ এতেজ্যন্দ্রে। লুঙ্ঃ ৭ঃ

# अम्ब्रेगी।

পূর্ণং নারি প্র ভর কুন্তংমতং ঘুণ্ড ধারামমুখেন সংভ্চাষ্।

্টিমাং পাভূন্মুতেন। সমঙ্গ্রীই।পুর্তমভ কল্পাড়েয়ন।মৃ।৮। - - -

에까-이(方: 1

'। । । পূর্বম্। নারি। প্রাভর্গ কুজুস্গ এত্যা সুভ্সা। গারাণ। অন্তেন। সুখ্ডভাষ্ট

ইষাৰ। পাতৃন্। অস্তেন। শন্! অঙিয়িঃ ইগাপুঠিন্।

আংভি । রক্ষাতি । এনাষ্য় ৮ **১** 

ছে মারি পূর্ণ উদকেন পুরিতং এতং কুন্তং ল জর প্রচর শালাং নর। কণ্ডুডং।
অমুতেন অধাময়োলকেন সন্তঃ ভাং সম্পাদিতা। তৃত্যা করা শীলা। মধুর্তালো ধারাং।
কুর্মান্তং ইতি শেষা। ইয়াং পানীং কলশী অমৃতেন পুদারণেণ উলকেন সমিন্ধি নয়াগিলাং
কুর্মান্তং কুরু (এটকা দীপ্রো। লোটি বাতায়েন পরবৈশালা। ভ্রাল্লো। হের্কিই
ইতি তের্কিছে 'শ্লাল্লোপাণ' হতি নলোপা। এনাং প্রাণ্ডামানাং শালাং ইট্রাপুর্তং ভ্রে
ক্রিয়াশং শ্লোতং সার্ভি চকর্ম লাভ রক্ষাতি শাভতঃ চোরাগ্রাদিত্যাদ্রক্তু । ৮।

ইমাঃ কলনদ্বা আশাঃ। শনং স্থানে অস্। প্র ভ্রামি প্রহর্মি প্রক্রেণ লালাং নরাজি। কীদুশীঃ। অযুদ্ধা যক্ষ্মাণতাঃ যক্ষ্মাণনীঃ ওৎশোকানাং যক্ষ্মাণিনীঃ। অভ্যাণ গুরান্ উপ প্রাসীদামি। কীদৃশং দন্। অমুভেন অংগনাশিনা অগ্নিনাসভ গহিতঃ দন্য ১ ।

### ইভি ভূতীয়েপুৰাকে ।খভায়ং স্কুলং ।

'যদদঃ দশ্রেরতীঃ' ইতি স্কুজং স্থাভিমত প্রদেশে নদীপ্রবাহকরণে বিনিমুক্তং। তন্তারং ক্রমঃ। যেন মার্গেশ প্রবাহং নিনীবৃতি তং দেশং প্রথমং থাখা তন্ত অননে স্কুক্তেন্ উদক্ষ প্রশিক্ষন ব্রজেং। তথা অনেন স্কুক্তন কাললৈবালণটের ক্ষেত্র লগাখাঃ প্রভ্যেক্ষ অভিমন্ত্রা তন্ত বাতে নিধনেং। 'ইদং ব আলঃ' (৭) ইতাজা লচঃ প্রথমেন পাদেন হিরণাং থাতে নিদ্ধাং। 'আরং বংলঃ' ইতি দ্বিতীরণাদেন ইবীকাঞ্চিমগুক্তরং নীললোভত বর্ণাছাং স্ক্রোভ্যাং বন্ধা অভিমন্ত্রা থাতে নিদ্ধাং। তথা মন্ত্রক্তোপার হিরেথং' ইতি তৃতীর্পাদেন স্বকাং অভ্যন্ত্রা প্রক্রিণেং। যন্ত্রেদং' ইতি চৃত্রপাদেন মন্ত্রক্তোপার উদক্ষ নিনম্বেং। তথা গ্রামনগ্রাদিকক্স নবোদক প্রবাহাদ্ ভরে সঞ্জাতে নদীপ্রবাহকরণে চ ক্রফক্রীতিমন্তর্কং ক্রমারা গোঃ ক্রীরং আলাঃং চ বৈত্রদন ক্রেবেণ করণার নির্ক্তিয়াই। তথা বৈত্রসচমধ্য

বৈত্তনীভাগে উপমস্থনীভাগি দ্ধিল্জ<sub>ে ম</sub>স্তু উপম্পা অনুমন বলিগ্রুরণং কুর্বাৎ। ততেনেক ংক্তেন বেত্রশাখাণ অভিমন্ত্র তথা পাণিনা বা মল্লিভোলকেন নদী প্রবাহং দিঞ্চন ব্রজেৎ। ্রেপভায়া নভাঃ পুনর্নিরভৌ এ ৩৭ ফ্রেণ জলিছা নলীপ্রবেশখার্গে শরীত। এবং উজেনি প্রমেচনকর্ম ভিরণকের্ম মঞ্ককর্ম পাণিকর্ম ইংতালানি শম্চেয়েন ক।বা।শীতি ভায়কাবস্থ ধারিলক মতং। বিকল্পেনেত।পরেবাং । অন্ত কৌৰিক:। 'য়নদং সম্প্রতীরিতি থেনেছেরদী প্রতিপত্তেপে প্রদিঞ্দ্ ব্রজতি ৷ কাশ্দিবিধবক্বেত্সান নিমিনোতি ৷ ইদং ব আপ ইতি ভিরণ্যং অধিৰধাতি অরং বংল ইতীধীকাঞ্জিমণ্ড, কং নীশলোহিতাভ্যাং সৃত্ত্বাভ্যাং লককং বদ্ধা। ইত্রেখং ইভাবকর। প্রাক্তাদরতি। যজেদং ইভি নিন্ততি। মারুতং ক্ষীরৌদনং মারুতং পৃতং মাক্রটকঃ পরিভীর্য্য মাক্রতেন অংশেশ গাক্তেনাজোন বক্রণার ক্রিছেছ্লোভি। উজ্জৎ উপমস্থনৎ (इविशक्षः) বলিং হার। স্ত্েপ্রাক্ষণীন্যাং প্রসিঞ্চন ব্রক্তি। পাশিনা বেচেণ বা প্রতাহিত্যাপরি নিপারতে' ইঙি (কৌ ৫৪)। তুণা আনেনৈব সচ্চেন মরুরো মান্ত্র-ব্ৰিকীভো বা দেবতাভা আলোৱেনেং কাশ্দিনিধুনকবেতসাথানে ওস্ধিনিশেষান এক্সিন্ পাতে প্ৰক্ৰিপা সম্পাতা অভিমন্ত্ৰা অপস্মধোহপোয়পং নিনয়নং তেলামেৰ কাশাদীনাং **দম্পাতিতাতি**মন্তিতানাং অংশ, বিপ্লাবনং খণিবলে। যেস্পিরদশ্চ অভিসন্তিত ভ অংশ, প্রক্ষেপণং মাকুবকেলজরত্বপানতাং বংলারো প্রবন্ধনং ভূষণতিতং আমপারেং অভিমন্তিতোদকেন প্রোক্ষা অপালে শিকো নিশায় উদক্ষণশা নিশান (চলোভাঞ্জি-র্যাণকর্মাণি রুষ্টিকামঃ কুর্গাাৎ। তপা অংশাখাপ্নবিভ্ৰমনকৰ্মণি অনেনৈৰ হৃত্তেন আজাবোমং সম্পাভিভাকিমন্তিভ্ৰাটাদকেম আপ্লাৰন। অবলেকং চ কুৰ্যাৎ। স্তিভং হি। 'লৰ্জং উপাক্ষয় পদনীত' ইভি প্ৰক্ৰময় 'অখ্যো যন্তি ( সাম ) শল্পুগয়োভূ ( সাধান্ত ) ভিত্তগালণাঃ ( ১ ৩৩ ) যদদঃ ( ৩০১৩ )' ইত্যাদিনা •অভিবৰ্ষণাৰ্গেচনানাং' ইত্যান্তেন ( কৌ• ৫।৫ )।

# ত প্র প্রথম। বিললঃ গল্পায়ভীবভাবনপত। হতে। বিললঃ গল্পায়ভীবভাবনপত। হতে। বিলেশাঠঃ বিলেশাঠঃ

আদঃ অমুনি। 'মুণাং মুলুক্-' ইতি দপ্তমা। পুক্। অহা আহস্তবা মেবে হতে তাড়িতে হে আগঃ মুহং যথ মানাং লপ্তা কাই ইতস্তল প্রান্তঃ অমনত লক্ষ্য ক্ষত নাল অনাজে লক্ষে: অন্তাথ লাভি মণামন্তন্তন ক্ষণং। 'মণাতৈইনিকি হক্ষণ' ইতি নিশাত প্রতিবেধঃ 'অলোমামলি দুখা ৬' (ইত্ সাং'ণাডকে দীর্ঘঃ। শপ্তারতীলি বিতি। লপ্তাপুর্বাদ্ এতেঃ লন্তরি ইণে। যাণ 'না চন্দনি' ইতি প্রান্তনিকিছাং। 'শভুরম্বার্থনিত। লপ্তাপুর্বাদ্ এতেঃ লন্তরি ইণে। যাণ 'না চন্দনি' ইতি প্রান্তনিকার্যা হং। 'শভুরম্বার্থনিত। কালা উদাত্রং তামাং কারণান্ত্র যুব্ধ আ আন্তিম্বোন অনাব্যানেনৈর মার্থো মার্থ (ছ) ভবধ। অনেন মদ্যান্ত্রন্ত নির্বিচনং ক্ষণং অবতি প্রান্তনিক্ মন্ত, ইতি পাঠাং 'টিড চাণ্ডা ক' ইভাগিনা ভীণ্। 'গভেতি ক' লোপে উল্ভেনির্ভিন্ন কিন্তন্ত কিন্তিবং। 'উল্ভেন্ন কিন্তন্ত কিন্তিবং। 'উল্ভেন্ন কিন্তনা তীণ্ লিক্ষণং স্বান্তি। (হা লিক্ষণং অন্তাননিকা আণ্ডা বুলকং ইভাগিনি। অস্তান্তা প্রান্তি (ভা ) ভানি ভাল্পানি। অস্তান্তাৰ্থং। ভাইতি। 'লেশ্ছন্দিণিক' ইতি শেলেণিং। (ওকা—ত্ম—১০স—১০স—১০স—১০স—১০স—১০

আপ ইতে নাম ব্যুৎপাদয়তি। যৎ যদ। বরুপেন রাজ্ঞা আদিতোন বা প্রেবিতাঃ প্রেরিতা যুয়ং আৎ অনস্তরং শীতং। ক্রিপ্রনামৈতং। শীতং সমবন্ত দক্ষ নৃত্যন্তা ইব বেপ্রিতাতা। বরুতির্গতারো ভৌবাদিক:। যদে।বেন ান্যতপ্রার্থেশ ভিতি চোলাওবাত ইতি গতেরপুদাতবং। তং তদানীং যতাঃ গত্তন্তীঃ বং যুয়াণ ইবঃ আপ্রোৎ । তয়াং করেণাং অন্থ অনস্তরং ততঃপ্রত্ত লাগং তন অশ্বাদ্যাত বভা যথা আপ্রতি নাম অন্থ ইন অন্থবত। আপ্রোতেঃ কর্মণ কিলে আপ্রোতের্বিক (উ০ ২০৫৮)ই।ত হ্রত্তে 'অপ্তৃণ্ড্র স্থনপ্রতি নাই তলাদিনা পর্বনামস্থানে বার্থঃ। তমেতি। অত্তেপে গ্রামান্ত্র্রন্ত তনাদেশঃ। 'উল্দর্গপ্রাহ্ত্যাং অভিযাত্পুরং' ইতি ব্রুতারণ ক্রামানিব্রন বরং বেংধ্রবং। (তকা—তঅ ১০ত্ব ২ন)।

# তৃ হীয়া।

অপকামং দ্যুক্ষমান। অণীবর্জ বো হি ক্ষু। --- –

। ইল্লোবং শাক্তভিক্লিবাস্তম্বাদ্ বাৰ্নাম বো হিভম্ । ০।।

পদ-পাঠঃ।

। শপহকামণা ক্লন্থানাঃ। অবীবরত। বঃ. হি। কৃম্।

हेक्षः। दः। चार्क्वर्डिः। स्वनीः। उत्त्रादः। दाः। नामः। दः। दिञ्ग्॥०॥

নার্ ইভি নাম প্রদর্শপ্রতি। অপকামং বিনৈ কামেন ক্রন্ধানাঃ পদা ক্রন্ধাণাঃ
হঃ মুখান ইঞাং বং মুঝাকং শান্তভিঃ হেডুভেঃ অবীনরত রতবান ধুয়ান স্বাথ্যার কুর্ত্থ
ক্রন্ত্র্য কর ইঞ্জায়াং। চুরাদিরদপ্তঃ ব্যতারেন গ্রন্থানা বুণোতের্বা স্বার্থিকো পিচ্। হিকং ইভি হিশকার্থে। তিকং পুকং ইভি ন্যোন্তরাণি পদানি (নিব॰ তা১২)
ইভি মাজেন পরিপঠিতভাষ। হে দেনীঃ, দেবোঃ দেবনশীলাঃ ভ্রমাণ কারণাদ্বং মুখাকং
বার্ ইভি নাম হিকং প্রশিক্ষণ বুণোতের্গ্রাণ কিপ্ । (তকা—ত্যা — ১০ফ্ তম) ।

# **ह**्रथीं।

। একো বো দেবোপাতিট্র স্ফলমানা যথাবশম্।

উদানিবুৰ্মহীরিত ভস্মাত্রকমূচাতে । ৪।

পদ-পাঠঃ।

ी । अकः। यः। (सर्वः। व्यागः) व्याठिकः। अन्तरभानाः यक्षाव्यवस्

छेरा चानिद्वा महो:। हेकिं। ७ चारा छैनकम्। छेठाटका 8

উদকশবং নির্বক্তি। এক: অনহায়ে দেবং ইটো যথাবদং যথাকামং ক্তশ্মমানাই ইভন্তত্ত সন্দ্রনীলা বং মুগ্মান অপাতিইৎ (অধাতিইৎ)। অপিলক: অধার্থ। তেন্দ্রইক্তবহুমানেন আপো বন্ধ মহী: মহতো আতা ইতি উদানিষ্, উচ্চু বিতৰতাঃ। অব্ব প্রাণ্ডান্দ্র ইতি অপাৎ নাম উচাতে নির্ক্তাতে উদন্দ্র বিশ্বনাধ্য উদ্ধান্ত বিশ্বনাধ্য প্রাণ্ডান্ত বিশ্বনাধ্য বিশ্

## शक्रमी।

### [ भव भारे: I

। । व्यापः। कमः। वृत्या ३९। व्यापः। व्यापन्। व्यापितासी।

বিজ্ঞতি আংগঃ। ইং। ভাঃ।

তীবং। রলং। মধুংপ্চাম্। অবম চগমং। আলা। মা। এথাণেন ।

# नका नर्कना। भाष्ट्र**ा**ट्रा

আপ: গুলাং ক্ষনীয়া:। তা এব ঘৃতং আজাং আনন্। ত্ৰাদিনিপাদমের মৃতাল্পিক ক্ষান্য যব বুতি বি আনি তাজায়তে বৃষ্টিং ইতি (ম স্থা ৩)৭৬) সারবাধ। কিং চ তা এব আগাং অমীনোনে বিভ্জি গরমান্ত। অমাদেচনির্মিপ্রভ্যা অমিং রাম্মির্ভ্যা শোমং। 'ঈর্প্রাং' ইতি ঈরং। 'অরো ভংস্কোমলোমাঃ ইতি বৃদ্ধ। 'দেবভাল্পে চ' ইতি সুকো বিশ্ব বিশ

```
वार्थसीर तम-गरहिष्ठाः। (७३१-७५)
```

मछी।

मत्म (ख्यारिना चत्रु क्या कर्डि हित्रगावर्गा चक्रुं याना वः। ।।

**११-१15:** ।

আন্থ ইং। পঞ্জি। উভ। বা৷ শূণেমি। আলা৷ মা৷ বোৰ:।

সহিভি। বাকৃ। মা। আংদাম্।

রলঃ প্রাণেন লছ আগছত ইত্যক্তং। তল্ ইলানীং লয়র্থাতে। আদিং অনন্তরমের অহং পশ্রামি। উত বা অশি চ শৃণোমি। ঘোষ: শক্ষ: উচ্চার্যামাণশ্চ মা মাং আ গছতি। তথা বাক্ অগিলিয়েং। কর্মলিয়েরাণলকণং এতং। তচ্চ আলাং অশাং মুল্লাকং রলাগ্মনেন মা মাং। আ গছতীতাপ্রক:। বাগ্রেতি লংহিতায়াং 'ঘরোপ্রনা(লিকেমুনা)লিকো বা' ইতি বিকল্পেন অমুনালিকাদেশাভাব:। কিং বহুনা। তহি তদানীং অমৃত্যুত্তে আন: অমৃতবেব অমন্ অহং মঞ্জে তর্কায়ি। পৃর্বাৎ কর্মণাঃ লহ্পানাভাং চতুর্বার্থে ইটি। তেলান ইতি। তলেশ্ছান্দলে লিটি 'তু (ফল )ভজ্ঞান্দলৈ ইত্যোভালিলোণো। কলা এবং বিতর্কাত ইতি চেং। উচাতে। বলা হে হির্গাব্যাং হিত্রমণীয়ন্ব্রকা আগং বং মুল্লাকং মুল্লেবনেন অতৃণং অহিভোভনং। তুপ তৃন্ফ তৃপ্রে। তৌলালিকঃ। লঙি উত্যৈক্বননে রুণং। খ্রিত্রব্যাগের ষ্টা। তেলা তল—১৩ছ - ৬ম)।

म छभौ ।

हैनः व बाट्या क्वनसमझः वर्गमण्डानदीः।

98-918:1

हैलमा दः। व्यालक्षः। क्षत्रम्। व्याप्तमः। अरुक्तदीः।

ইহ। ইথাৰ। আমা। ইতা শক্তবীঃ। যতা ঈদমা বেশরামা বঃ॥৭॥

হে আপাপ: বঃ সুমাকং উলং তিরণাং খাতে প্রক্রিপামাণং হালয়ং হালচস্থানীয়ং। অংপাং রেতোরেপভাৎ হিরণ্যক্ত জ্বদয়রেপভা। আইয়তে ভি 'আংশো বরুণক্ত পতুর আংবন্। তা অঘিরভাধায়েং ভাঃ শুমভবং ভক্ত রেডঃ প্রাপ্তং। তদ্ধিরণাং অংভবং ইভি (তৈ॰ ব্রা• সাসাও ৮)। যথা হালয়ং কাষঃকরণং। যথা লোকে হালয়ং কিলায় কাণ্মণি শরীরং নাবতিষ্ঠতে কিং তুলতৈব বর্ততে তথা যুয়মণি হালয়ক ণংহিরণাং প্রতি (এড)। জাগিচাঠেভার:। ভথা হে ঝভাবরী: ঋভবর্ষা:। ঋতং লভাং যভাগে বাকাং ভাসংগাকো:। ঋতশকাং 'ছনদণীণনিশে। ' ইতি মঙ্গীথে। বনিণ । 'বনোর চ' ইতি ভীৱে।ফৌ। 'অভেযামপি দৃশ্যতে' ঠতি শতশক্ষ লাংহিভিকো দীৰ্ঘ:। 'নাছনদি' ইতি শলঃ প্ৰদেশৰ-দীর্ঘছং। সত্তে।পেতাঃ তে আংগং অধং থাতে প্রক্রিপামাণে। মঞ্কঃ বংলঃ যুদ্মাকং বংৰস্থানীয়:। যপা লোকে গাবো বংশং অন্তগাবন্তি এবং যুম্মশি বংশস্তমগুকং জকুধাৰতেতি ভাবঃ। তে শক্বা: শক্ৰা: শক্তা: খাভমতফ্লপ্ৰদানলমৰ্থ। আপো:। শক্ক শক্তেট ইত। সাদ্ 'অস্তেলাপি দুশুল্পে' ইতি ধনিপ্। পুৰ্বণদ্ ভীবেফপুৰ্বনবৰ্দীৰ্ঘাঃ। ইত অম্মিন পাতলেশে উথং অংনেন প্রকারেণ। স্থাঞ মঞ্কভোপরি প্র<sup>া</sup>ক্ষপামা**ণা** জনকা রুচ্মূলা ভবল্কি তথা এড আগক্তত ।স্কুবপুবাহা ভবত। যনে যামান থাতে দেকে ঠিবং ইদানীং বঃ ৰুমান বেলখাম এববেলয়াম নিন্ধামি। যথা ইদং ইতি উদক্ষাম 🕯 ৰঃ বুলাকং অংশভূতে টলং উলকং যত্ত অংবকাছলে মঙূকে বেশয়াম। ইহেভি পুৰ্বিত্ৰ প্ৰস্কঃ॥ (৩ক|—০০০ ১০স্ ১৸)।

# ইতি তৃতায়েহ্বণকে তৃতীয়ং হক্ষং।

'সং বো সোর্গেন' ইতি ক্তেনে সোপুটিকাম: আভনবং ( পারা গৃটেঃ শ্লেম্মিশিন্তং
কথা সম্পাতঃ আভগন্তা অম্লাত। তলা অনেন ক্তেন গাং অভিমন্ত্রা দলাতি গোপুটিকাম

এব। এবং অনেন ক্তেন উদপাত্রং অভিমন্ত্রা গোবাটে নিন্দ্রতি। অপি চা করাবং
লবোন হক্তেন আক্রমা দক্ষিণেন অর্জা বাক্ষণতি গোবাটে গোপুটিকামঃ। তথিণ অনেন
ক্তেনে শার্রপাণংসে ওদনে শর্রণেশুনি গুগ্গুলুলাণে চ একীক্রতা পশ্চাল্ অংকার্নণাভি
তিরালং, বাবং। চতুর্বেহান প্রাক্তঃ সম্পাতা অভিমন্ত্রা অম্লাত। অবিকৃত্যেতং ক্
ভিনা:। বিকৃতে তু কতি অনশনং। অন শতেশি চ ফলং দম্পারং ইতি মন্তবাং। উদ্ধানি চ
কাশিকেন। 'শং বো পোঠেন তাতে প্রজাবতীঃ গাণ্ড প্রজাপতিঃ ৯.৭ ইতি গোওকার্মানি চ
স্থিটো পীযুধং শ্লেম্মিশ্রং অ্লাভি। গ্লাং দ্বাভি। উদ্ধান্তে নিন্দ্রতি। শুমুষ্ক শ্রেম্নাচ-

ৰিভায়ায়াং দক্ষিণেন বিকিপ্তি। লারণবংকে শকুংপিগুানু গুগ্তল্লবণে প্রতিনীয়া শৃশ্চাল্ পংখনিধনতি।। তিন্দুলাং প্রাভিরশ্লাভি'। (কৌ • এ২) ইতি ।

```
कत्त श्रवमा ।
नर ८वा रिगार्ष्ठन द्वनमा गर त्रशा भर इन्छा।
 অত্তক্তিভ যন্ত্ৰাম ভেনা ৭ঃ সং স্কামসি। ১॥
                      थमः भारतः ।
नगा यः। (प्राष्ट्रका अरुनना सम्। उत्रााः स्था अरुक्कुछा।
  ব্যাহ কাত ক্ষা বং। নাম। তেন। বঃ। দৃশ। স্পানসি। ১॥
```

(इ श्वाकः यः गुण्नाभ खुरमा। प्राण्न नोषधि । ननगां अ शारवाद्धां व सुर्वः । नामविधकत्वः কিপ্। প্ৰান্ধানেন গোষ্টেন গোৰালয়। দং স্কার্মণ হাত ব্যবহিতাক্রয়াপদেন শক্তর আছক্করে। সংস্কামরে। জ্পার্যা আবিবাদিক্রপেণ ধনেন সংস্ঞামরে। পভ্তা গম্দা চ. নংস্থানং। ত্থা অব্ধয়তিত। অব্যুহনি আবের ইতাহর্জাতঃ প্রাণিবশেষঃ তক্ত ষরাম অত্তলভ ইতি তেন নামা বং বৃত্মাম্ লং স্কামান সংস্কাম:। এত রাম্যোগেন গ্রাহ পুরেণৌরোধিরণের অহরহরৎপাত্মকজা ( ০কাস-০খ - ১৪৫ - ১ম ) ।

> विशेषा। वः मुक्तवर्गामा मर श्रुषा गर इरम्प्र<sup>1</sup> ७३। -मश्चित्या (या भगक्षत्मा मश्चि भूषा व यक् बद्धार ॥ পত্ব-পাঠঃ।

क्ষ्। বং। সূজতু। অধানা। সৃধা পুঝা লম্। রুচজ্জিং। ° यनप्रवाहा महि। श्रुष्ठा युरा युद्धार्थः य: । ष्या हेलाः। 35 3

(তে গাবঃ অর্থানা এ চল্লামকো দেবঃ বঃ যুদ্ধান্দ স্কর্) উৎপাদ দত্। পুষা পোবকঃ স্মৃত্তিকরো দেবঃ (শবঃ (শবঃ) স্কর্ । বহল্পতি দেবঃ শব ক্ষর্। য ইশ্রে ধনকারঃ। (ধনানি) শক্রণজন্তানি জয়তি অণহর তাতি শনপ্রাঃ। 'সংজ্ঞায়াং জৃত্র জিং ধারি )শাহত শইজাদিনা খচ্। 'অক্রবিষণজন্ত সুং' ইতি পুরিশণত মুং আগমঃ চিংস্বরেণ অক্টোলাড়া। স্ইশ্রেণ শক্র বিষণজন্ত মুং' ইতি পুরিশণত মুং আগমঃ চিংস্বরেণ অক্টোলাড়া। স্ক্রাণ দেব ক্ষরি লাভিকং ধনং আন্ত তদ্ধার শাবিক পুত্ত পোষ্ধত। পুষ্পুটো। দৈবাদিকঃ। 'মুন্দিমদেবি ক্রিণিক শ্রেণ আন্তালাড়াড়াড়াড়াড়াড়া। (একা — ১৯ম্— ২৯ )।

# তৃতীয়া। নংজগ্যানা অবিভূগোরাস্থান্ গোঠে করীবিণীঃ। নিল্লতীঃ সোমাং মধ্যনমানা উপেতন । ত। পদ-পাঠঃ। নিম্ভেগ্যানাঃ। অবিভূগোঃ। অস্মিন্। গোহস্থে। করীবিণীঃ। বিল্লতীঃ। গোমাম্। মধু। অন্মানাঃ। ভগ্তঞ্জ্ঞাত।

অবিশ্ মদীয়ে গোঠে সহ্মগ্নানাঃ পুঅপে জালাভঃ সঙ্গন্ধানাঃ। সংপৃথাদ্ সমেরকর্মকাৰ ছাললে। তিন্তু। 'লমো গ্র্নাছে-' হতাত্মানে ছাললে কিন্তু। আবিভালঃ। ক্রিভাল জনঃ পুরস্বস্বলি কিন্তু। উগিন্তাল্ ভাল্। বিলোঃ সম্প্রারণং'। ছাললে জনঃ পুরস্বস্বলি লি। অবাধ্বপুরিল প্রকৃতিবর্জং। তথ্য ক্রীখিনীঃ। করীবং লকুং। ভূমি মহর্লীয় হিনঃ। চিরকালজীবনেন প্রভূতকরীব্ধুন্তাল জনাবং অন্যাবে (রাগ্ন্তপ্রাহ্তাঃ। সোমাঃ শোমময়ং। 'লোমঃ থল্ (বৈ) লালাঘাং' (বৈ- লাত ০২০)১) হাত জেতেঃ। লোমাহ বা। 'লোমঃ অহাত মংশম্মের চ'ইভি লোমলকাল্ ব্রহাল্যাঃ। তথা বধং মধু মধুরদং ক্ষারং বিল্লন্তীঃ ধাররভাঃ প্রনারাঃ স্তাঃ উপেতন উপেত উণ্গছত। 'তপ্তন্থনধ্নাত্ম' ইজি ছেলঃ ছিনালেরঃ (তলা—০্ন—১৪্স—০্ম) ।

# চতুৰী।

ইতৈব গাব এভানহে। শকেৰ পুষ্যত।

हेट्रित्राफ क्ष काम्रथ्यः मांग्र मःक्ष्वासमञ्ज वः॥ ।।।

পদ-পাঠ:।

ইছ। এক। ক্ষাবঃ। কা। ইতন। ইতো হতি। শকাহ-ইব। পুৱাত।

ইহ। এক। উড়া প্রাজারধ্বম্। ময়ি: শুমুহজনেম্। আছে: বঃ॥৪॥

ছে গাবঃ যুহং ইতৈব খদায়ে গোঠ এব এতন আগছে । ইতো ইহ উ। উপক্র অবধারণে । ইতৈব শকের শকা মাজিকা দা যথা জংগনৈর দমুদ্ধা অনংখ্যাতা ভবভি তথা যুহং পুরাত ভূরতো ভকত। উত আগ চ ইতৈব গোঠে প্র জার্মনং পুরুপৌত্রাদিরপেণ প্রজ্ঞান্ত বস্তু। 'জ্ঞাকানোর্জ্ঞা' ইভি জাদেশঃ। মার দাগকে বঃ যুগ্গাকং সমৃদ্ধানা নংজ্ঞানং স্প্রীভির্ক্ষ। মাং বিহার ন গছেতোভি ভাবঃ গ তেকা – ৩ল – ১৪৩ — ৪ম) ।

# शक्रभी।

শিহর। বে। গোঠে। ভবতু শারিণাকেব পুরাত।

बेटेश्टरशास्त्र का का त्रश्वर भग्ना वः मर ऋकार्यामा । दः।।

পদ-পাঠ:।

শিবঃ। বঃ। গোহস্থ:। ভবজু। শারিশাকাছইব। পুরাত।

देवा এव উक्त था। काम्रध्यमा मधा। वाः नम्। ऋकामनि ॥ ७ ॥

## मछी।

ময়া গাবো গোপভিনা দচধ্ব গ্রাং বো গোষ্ঠ ইছ পোন্যি ফু:।

রায়স্পোধেণ বত্ল। ভবস্তাজ্জীবা জীবন্তীরূপ বঃ সংশ্ব 🔊 🛚

### পদ-পাঠঃ।

ময়া। গাবঃ। গোহণ্তিনা। ৰচধ্বম্। অথম। বঃ। গোহতঃ। ইহ। পোৰয়িফুঃ।

রার:। পোষেণ। বহুলা:। ভবঙা:। জীবা:। জীবভা:, উপ। ব:। শ্লেম। ৬।

হে পাব: যুবং গোশভিনা গোখামিনা মরা লচধবং লমবেতা ভবত। বচ লমনারে। ভৌনালিক:। গোশভিনা। গবাং পাত: গোপাত:। 'পতাাবৈশ্বাং' ইতি পূর্বাণশু- প্রিচাভন্মর বং। ইহ মদ, রে গ্রে ভারং গোঠ: বং যুমান শোবার্ফু: শোবক:। শোবারতেঃ 'গেশ্ছলাণ' ইতি চফুচ্ প্রভার:। 'ন লোকাব্যুরণ' ইতি বর্গী নবেধাল ব ইতি বিভীয়া। রায়: ধনক শোবেণ, বঠা: পতিপূত্তং ইতি বিশক্তনীয়ক প্রং। ধনসমূদ্ধা বহলা: ভাবং ভালা ভবঙাঃ ভাবঙাঃ ভিরকালজীবনোপেতা বং যুমান ভাবা: চিরভাবনো বয়ং উপ ল্লেফ্ উণ্গত্তেম। ল্লেরাশীলি ভি 'লিঙাালিয়ঙ' ইতি অঙ্ প্রভার:॥ (কলা—৩অ - ১৪ত্ব- ৬ম)॥

# ইভি তৃতীয়েম্বাকে চতুৰং স্কুং।

'ইন্তং অহং বণিজং' ইতি শাণজালাভাবং (বিনিযুজাতে। বিক্রয়ার্থং পণ্যানি বিপণিৎ
নমন বাণক্ কম্ম বাণজালাভাবং কুর্যাং। তদ্ যথা। 'ইন্তং অহং' হাত স্তেন বল্পং
বল্পং বা পুগীফলং বা অখান বা হাস্তনো বা এড়ানি বা পদ্পাতা অভিমন্ত্রা তত উপাপরতি।
স্তিতং হি। 'ইন্তং অহং ইতি পণাং শদ্পাতনদ্ উপাপরতি' হাত কৌ । ১)॥ (তথা
অনেনৈৰ স্তেনন পশকানঃ ইন্তে যজতে উপভিউতে বা। স্থাত্তহং 'ইন্তং অহং ইতি
পণাকামঃ' ইতি কৌ । পাত । (তথা ক্রেৰাজ্যেনে কর্ম্মণি বিমাহা তে' ৮ ইতি পরা পুর্ণাত্তিং
ছংহাতি প্রতং চ। 'নিখাহা তে ৮ ইতি পুর্ণাত্তিং জ্বোতি' ইতি কৌ । ৯২)॥

### তত্ত্ব প্রথমা।

### नम नार्यः ।

অবং ব্যবহৃত্তা ইন্তং পর্থমাধ্যাপেতং দেবং বাণজং বাণিজাক্তরিং চোদয়ামি প্রেরমানি
প্রেরমানি। বুদ প্রেরণে। সং বাণজেন সেরিত ইন্তো নং অমান ঐতু আগচহুতু।
আগতা চ নং অমাকং পুরএতা পুরতো গন্তা অন্ত ভবতু। 'পূর্বাধরণবরাণাং অনি
পূর্ববলৈচবাং' ইতি পূর্বশন্দাদ্ অনিপ্রতায়ঃ ভংলায়রোগেন পুরাদেশত। শত্তেন সমাদে
ক্রম্ভরশন্পপ্রকাত্ত্বরং কর্মেন। অরাতিং বাণজ্যাব্যাতকং শক্তং পরিপছিনং
পর্যাবদ্যাতারং মাধানরোগকং চোরং 'ছন্দাশ পরিপাস্থলারণে বর্যাবস্থাতরিং ইতি
ইনিপ্রভারাজ্যে নিপাতিতঃ। মুগং বাল্জাক্রিশনপ্রদাতা অন্ত ভবতু। ঈশান ইতি। ইশ্
ইলঃ মহ্রং বাল্জে ধনদাং বাণিজ্যভাতরশন্তদাতা অন্ত ভবতু। ঈশান ইতি। ইশ্
ক্রম্বরি। অনানিভাৎ শপে! পুক্ অনুধাতেরাং 'নল্যাব্যাত্কঃ' (ইভি) অমুনাতত্ত্ব

### াদ্বতীয়া।

। । । । ।

বে পাছ নে। বহুৰো দেব্যানা অন্তরা স্থাবাপৃথিবী সঞ্চরাস্তঃ।

। । ।

ভে মা জুদন্তাং পায়সা স্থাতেন যথা ক্রোছা ধনমাহরাণি॥ ২ ॥

পদ-পাঠঃ।

ভে। মা। জুৰ্জাণ্ণ প্ৰদা। খুডেন। যথা। ক্ৰীৰা। ধৰ্ম্। আন্হ্রাণি র ব

তে প্রশিদ্ধা দেববানাঃ দেবা যাতি যেখিতি দেববানাঃ। অধিকরণে সূট্। দেবাসুক্লাব্দাইতার্থঃ। ববা দীবাতি বাবহরতীতি দেবা বণিজঃ। তে যত্র হাতি তে দেববানাঃ। প্রহিতা ইতার্থঃ। কিনুশা বহরঃ বহুদেশশক্ষিনো যে পর্যানঃ মার্নাঃ ভাবাপুথিবী অন্তরা ভাবাপুথিবার্থিয়ে শক্ষরতি বর্ত্তমে। ভৌশ্চ পুথিবী চ ভাবাপুথিবার)। 'দিবো ভাবা'ইতি ভাবাদেশঃ। 'বা হাল্দিন' ইতি পুর্বদ্বর্ণদিনী : 'নোভরপদেকুদাভাগে। 'ইতি প্রতিবেশভ 'ভলপুথিবীকৃত্তপুর্মস্থিয়' ইতি পর্যাদভাল্ 'দেবভাবন্দে চ' ইত্যুভরপদপ্রাকৃতিশ্বরত্তঃ। দেভরপদিবীকৃত্তপুর্মস্থিয়' ইতি পর্যাদভাল্ 'দেবভাবন্দে চ' ইত্যুভরপদ্যাকৃতিশ্বরত্তঃ। দেভরাত্তবেশ হুজেং ইতি বিভীয়া। তে মার্গাঃ পর্যা ঘৃতেন চ মা মাং জ্বভাং দেবভাং। মার্গল্লমনিবর্ত্তক্ষীরঘৃতোপলক্ষিভাল্গানোপেতা ভবত্ত ইভার্থঃ। যথা যেন প্রকারেশ আহং জীবা পণাংবিক্রীর ধনং লাভসহিতং মৃল্যাদনং আহ্রাণি হুগৃহং প্রাণন্ধি। ভণা ক্ষুভাং ইতি শহন্ধঃ। হুরতেঃ প্রার্থনায়াং লোট্ । (তকা—তল—তংক্—২২ন্—২ম)।

জ্জীয়া।

। । । ।

ইংগ্রনায় ইচ্ছমানো স্থাতন জুহোমি হবাং তরদে বলায়।

। । । । ।

যাবণীশে ত্রকাণা বন্দমান ইমাং ধিয়াং শতদেয়ায় দেবীমুয়া ।।

শন-পাঠ:।

। । । ।

ইংগ্রন। ক্ষো ইচ্ছমান:। স্বতেন। জ্রোমি। হন্যম্য তরদে। বলার।

যাবং। ঈশে। অক্ষাণা বন্দশানঃ। ইমাদ্। বিরুদ্। শৃত্হশেরায়। কেবীম্। ৩ ।

হৈ অধে ইচ্ছ্মানঃ বাণিজালাভং কাময়ুমানঃ। ইবু ইচ্ছায়াং। ব্যত্যরেন শানচ্। 'ইবুগ্মিয়মাং ছং' ইতি ছাবেশঃ। '৽ অহণদেশাল্লসার্বধাতৃক ৽' (ইতি) অসুনাভ্যে শুপ্রতার বরঃ। সোহং ইগ্রেন ইন্ধনসাধনেন সমিংসমূহেন ঘুতেন আজোন চ লহ হবাং হবিঃ জ্বোমি। কিমবং। তরলে বেগায় শীল্রগমনার বলার শরীরদামব্যায় চ। ত্রহাণা ময়েণ ভোত্তরেশেণ বন্দমানঃ খাং ভবন্ কেবীং ভ্যেত্যমানাং বাবহারকুশলাং ইমাং মদীয়াং ধিরং ছিছিং শভণেরায়। শতং ইতি অপরিমিতনাম। অনংখ্যাভ্যমনলালার মাবং অহং লিশে শক্রোমি লক্ষ্য। আহত্ত্রমীতি সম্বরঃ। যথা যাবং অহং লিশে লিখরো ধনাট্যো ভবাবি ভাবং ল্লোকেণ ভবন্ ভ্যেত্রমাণি ইমাং ধিয়ং। ধীরিতি কর্মনাম। ইনং বাণিজ্যলাভনিমিত্তং হোমলকণং কর্ম। করেনীতি শেষঃ। কিশ ইতি। লিশ ঐখর্যা। লাটি উত্যাক্ষবচনে অনুদাভেড্যাং 'ললার্বধাতৃক্ত বিতি ) অসুণাভ্যমে গাতুস্বঃ। 'যাব্ত্রখাত্যাং'

ক্ষিতি নিখাতপ্ৰতিবেধঃ। শতদেরায়েতি। বণু দানে। বাত্যায়েন বংপ্ৰতায়ে '(বে) বিভাষা' ইত্যাছে 'ঈছতি' ইতি ঈষে গুণঃ। 'যতোহনাবঃ' ইত্যাহালাভতে বাতুষরঃ। 'কমানে কুছন্তরপদপ্রকৃতিস্বরহং। যহা ধাতুনাং অনেকার্বহাং বো শতকৃষ্ণীত্যায়াদেই

'বং প্রভারঃ। (৩কা-৩ব-১৫স্-৩ম)।

हरूर्गे ।

। । । । । ইমানপ্রে শরণে: মীয়ুবো নো ধনধ্বানমগাম দ্বম্।

ইনং ইব্যং সংবিদানো জুষেথাং শুনং নো অস্ত চরিতমুখিতং চ। ৪।

পদ-পাঠঃ।

ইমাম্। অব্ধা শর্পিম্। মীমুধং। নং। যধু। অংধানম্। অব্গাম। দ্রস্।

ভানম্। নঃ। জান্ত। প্রহণণঃ। বিহক্রঃ। চাপ্রতিহপণঃ। ফলিন্ম্। মা। কণোছু।

हेनग्। इदाग्। नग्रिदिनाती। जूत्रशाग्। अनग्। नः।

আরে। চরিতম্। উপিতম্। চ ॥ ৪ ॥

शक्षमौ ।

া । । বন ধনেন প্রপণং চরামি ধনেন দেব। ধনমিচছখানঃ।

তমে ভূরো ভবতু মা কনীয়োগে সাভয়ো দেবান্

रुविषा नि (ष्या १।।

```
98.915: 1
 द्यन् शरमन । श्रक्षभम । हत्रामि । शरमन । द्यार । समग्र । देव्ह्यानः ।
     তং। যে। ভূরঃ। ভবতু। মা। কনীরঃ। অংগে। লাত২য়ঃ।
                (नरान्। परिया। नि। (नगरार ।
                           यष्ठी।
               প্রপণং চরামি ধনেন দেবা ধনমিচছমানঃ।
         ভিস্মিন্ম ইত্তেন। রুচিম। দুধাতু প্রজ্পাপ্তিঃ
                স্বিতা শোমো অগ্নিঃ।। ৩।।
                         পদ-পাঠঃ।
      ধনেন। প্রহণণম্। চরামি ! ধনেন। দেবাঃ । ধনশ্। ইচছমানঃ ঃ
(यन।
          ভিশিন্। মে। ইঞা:। ক্রিণ্। আং। দধাতু।
            জাজাহপতিঃ। স্বিভা। সোমঃ। অবিঃ। ৬।
```

চতুর্থী। কে অধ্য নং অমাকং ইমাং শরণিং প্রবাদনিবস্ধনাং ব্রুগোণলক্ষণাং কিংলাক নীমুবং ক্ষমতা। মুব তিতিকারাং। স্বাধিকো দিছে। ছালালো কুছু। যং অধ্যানং মার্গছ ব্রং অগাম গতবন্তঃ ত্রং। তদব্রগমনজনিতাং ইমাং শরণিং ইতি পুর্বানার্যঃ। ইণ্ গতেটা সুতি 'ইলো গা লুক্তি' ইতি গালেলং। যথা যং অধ্যানং দুরং অগাম ইমাং শরণিং। কর্বি বাতায়ঃ। ইমং অধ্যানং নঃ অত্যান মীমুবং মর্মন্ন ভিতিক্ষয়। তক্ষনিত্রংখনিবর্তনে লক্ষ্ ক্রিভার্থঃ। প্রশাণ বাবহর্ত্বং পণান্তবাত পরিমাণকল্পনা। বিক্রেয়া তত্তিক ললাভমুক্তান বিবেশ প্রেবাং প্রামাণে হা উত্যান বাতাম্বাকার বাবেণ প্রেবাং প্রামাণে হা উত্যানিং। তব্ত উত্যাদি নঃ অ্যাকং প্রনং মুধ্য তথা তব্ত তথা স্বাকার

ভবজু । বিক্রের ইন্ডি। ক্রেনিগাডেঃ 'এরচ' ইন্ডি জচ্ প্রতারঃ। তথা প্রতিপশঃ। প্রতানেজুং পরদ্রবাস পরিমাণকল্পনং প্রতিপণ ইত্যাচাতে। লোপি মা মাং। প্রপশঃ। পণ বাবহারে ইঙামাং 'নিতাং পণঃ পরিমাণে' ইন্ডি জচ্ প্রতারঃ। ফলিনং প্রভূত্রাভো-পেতং কুণোতু করোতু । (৩ফা—৩খ—১৫ফ – ৪ম)।

শঞ্মী। ইবার্যাঃ প্রকৃত্বাৎ তাবেবাত্ত প্রাপ্তের প্রার্থিতে। তে ইবামী বুবাং শংবিদানেই সংখানানে ত্রিক্মতাং গতে)। সম্পূর্বাত্ গেতের কর্ম লং 'দ্যো গমাজিক' ইত্যাক্মনেপদং। আবাদিজাৎ শশো সূক্। ইদং ময়। তুরুমানং তবাং হবিঃ জুবেথাং দেহবথাং। যুবয়োঃ প্রশাদাৎ নঃ অস্থাক্ষং চরিতং আচরিতং বিক্রয়াদিকং উথিতং তস্মাৎ ব্যবহারাৎ উৎপন্নং লাভ্যুক্তং ধনং হ তনং স্থাং অস্থা। তে দেবাঃ ধনেন মুগাধনেন ধনং বুজিযুক্তং ধনং ইজ্মানঃ কামস্থানোবং যেন ধনেন প্রপণং ব্যবহর্ত্ পরিমাণকল্পনং চরামি করোমি। ভদ্শি শুনং আৰু ইতি পুর্বোগ শহুদ্ধ। (তকা – তম্পু – ১২ মু – ১২

ষ্ট্টা তে অংগ্র সাতয়: সাতং লাভঃ। ববু দানে ইডাআং ভাবে নিষ্ঠা। 'জনসন্ধন্ধ প্ৰন্থলোঃ' ইতি আবং। গাতং লাভং মন্ত্ৰীতি গাতয়ঃ। 'বহুলং ছন্দিনি
ইতি হত্তঃ কিণ্। শণি 'গমহন-' ইত্যুপধালোণঃ। 'হো হত্তঃ-' ইতি ঘরং। লাভপ্রতিবন্ধকান দেবান হবিষা হ্রমানেন নি বেগ পরিভোল্প নিবারয়। বিধু গতাাং।
ভৌবাদিকঃ। 'উপন্থাং স্নোভি-' ইভ্যাদিনা ঘরং। যেন ধনেনেত্যাদি পূর্ববং।
তে দেবাঃ যুম্থপ্রাদাং উল্লেম্পীয়ং ধনং ভ্রঃ বছতয়ং ভবতু। ক্ষনীয়ঃ অলভবং
মা ভবতু। ভূল ইতি। বছনকাং ঈর্জনি 'বহোলোগো ভূচ বহোঃ' ইতি ঈয়দ্
আবেলোগঃ বহোন্ভ্রিশেচ। ক্নীয় ইতি। ব্যাল্লোঃ কন্ অভ্তরস্থাং' ইতি অলশস্বস্থ

লপ্রমী। যেনেতি যথ প্রের্তং খনং তলিন যে মণীয়ে খনে কচিং লক্ষণনপ্রীতিং ধনপ্রধানেন আলানেচ্ছাং ইক্ত আ দখাতু ছাণগুড়া তথা প্রকাশকালিগুল্চ কৃচিং কুকাশ্ব ( ওকা—৩ল —১২ক্—৭ম ) চ

गलगै।

। । উপ শা নম্যা বয়ং হোভবিশ্বধানর স্তমঃ। — - -

ন ন: প্রকাষাত্ময় গোরু প্রাণের জাগৃহি।। १।।

भए-भार्वः।

টুপ। ছা। নমসা। বয়স্। হোতঃ। কৈবানর। জনঃ।

| | | | | |

দঃ। নঃ। প্রহলাক। জালুহুল। গোরু। প্রাণেরু। জাগুহি॥ ৭॥

আইমী। তে বোডঃ দেবানাং আহ্বাতঃ বৈখানর বিখনরহিত অলে ছা ছাং মনকা ছবিল ক্ষণেন অলেন শহ উপ স্তথঃ উপেতা ভোলেং কুর্মঃ। স শুতজ্বং নঃ জ্বাল্ব প্রবাহ পুরণৌলাবিলকাণাল আল্পু অলাহ গোরু অলবীলের শশুরু প্রোণের চ আগৃহি বৃধায়। প্রজানির ডঃখলেশোপি যথা ন প্রাথ্নেতি তথা রক্ষন্ অবহিজ্ঞেঃ বর্ষান্তার্থঃ। (তকা—তম্ম-১৫ম্ম-৮ম)।

व्यक्षेभी।

বিখাৰ। তে সদ্মিজ্বেমাখায়েব ভিঠতে জাতবেদঃ।

। । । । । রায়স্পোধেশ সমিধা মণস্থো মা তে অংগে প্রভিবেশা রিধায়।৮॥

भष-भाष्ठेश ।

विवाहा। (छ। नसम्। हेर। ७८इम। अवाहरहेव। जिर्केटका काछरहत्वहः।

রায়ঃ। পোহেবণ। শৃষ্। ইবা। মদবঃ। যা। তে।

चारव । क्षांक्रिस्त्रनाः । तिताम । ৮ ।

নবমী। হে আতবেদঃ আভানাং বেদিভরগ্নে ডিউতে বগৃহে নিভাং বর্তমানার তে ভুভাং বিখাহা স্থাপ্তানি। '-অভাকাশংযোগে' থিতীয়া। সদ্মিং সদৈব ভরেম হরেম। ছবিরিভি শেবঃ। ভত্তা দুটান্তঃ। অখারেব। বগৃহে বর্তমানায় অখার কালেকালে কথা খাদঃ শেবঃ। ভত্তা দুটান্তঃ। অখারেব। বগৃহে বর্তমানায় অখার কালেকালে কথা খাদঃ শেবঃরিভে ভবং। হে অথে তে ভব প্রতিবেশাঃ পরিচরণাদিনা প্রত্যাসয়া বয়ংরায় ধনভাগোবেশ স্মৃত্যা ইয়া ইয়াম্বেন অলেন চ সংমদ্ভঃ সংযাতভো ব্যভঃ। ব্যভারেন শ্পু। বিবাম বিন্তা মা ভূম। ক্রব হিংলায়াং। প্রাদিতাৎ চুরভাবেশঃ। ১ ।

ইতি তৃতীরকাতে তৃতীয়েপুণাকে শক্ষণ হজাং। ন্থাপুশ্চ তৃতীয়োজুবাক:।

हजूर्वश्वाटक शक् क्छानि। जब 'आंखत्रिंश' देखि क्षेत्रमः १छर। (छन (मशक्साकः ছুপ্তে খার মুধ্রকালনং হতেন কুর্যাব। তৎ উত্তং কৌশিকেন। 'পূর্বত মেবাজননানি' ইতি প্রক্রেম্য 'প্রাভর্মিং (৩।১৬) গিরাবরগরাটেরু (৬।৬৯) দিব-পৃথিব্যাঃ (৯৷১) ইভি শংহার মূবং বিষাষ্টি<sup>1</sup> ইভি (কৌ - ২া১)। তথা আনেন হত্তেন পবিষধুনী দম্পাত্য चाकित्रद्वा वर्षक्रियार खालार चानरप्र। कवित्रः जू प्रविश्वश्रीत्रश्चर कत्रः चानरप्र। देवश्रांविकः छू (करवणकः चानरवः। छवा छ (कोनिकः), 'ममारव वर्कः (ela) हेन्डि বর্চজানি ইতি প্রক্রমা 'প্রাভর্মিং (৩০৬) পিরাবরগরাটেয়ু (৬৮৯) দিবস্পৃথিবাট (৯৷১) দ্বিষ্থবাশয়ভি কীলালমিশ্রং ক্ষত্রিয়ং কীলালং ইভরান' ইভি (কৌ ২.৩). ভবা বর্জপ্রকর্মণি স্থাতকণিংহবাছোনীনাং সপ্তানাধ অভত্যত নাভিলোম্মণিং লাকাভিলবেন্ন **८वदेशिया भारतन प्राक्तम न**ण्याङा अक्तिमञ्जा वद्वीशार। छथा वर्क्रस्थामार कृतिहासीनार ম্বাতকাদিনপ্তমার্থানি প্রাজিত স্থানীপাকে প্রাক্ষণ্য অনেন স্কোন নম্পাত্য অভিমন্ত্র স্থানীপাকেন পর আশনং দম্পাভিতাভিমন্ত্রিভলনোপ্লাবনং ক্রণেচনং ( চ ) বর্চস্কান্ত কার্যাং। "ইত্রিতং হি। 'মাতকাসংহ্বাছেশতরুফিরুষভরাজাং নাভিলোমানি' ইতি প্রক্রম্য ('প্রাভরবিং ৩১৬) গিরাবরগরাটেয়ু (৬١৬৯) দিবস্পৃথিব্যাঃ (৯١১) ইভি দপ্তমন্মাণি ছালীপাকে পৃক্তাক্তরাভ্যকুশলং যো ব্রাহ্মণো লোহিতং শলীয়াৎ ইতি গার্গ্য উল্কো লোমখণিঃ শবৈধিরাপ্তাবন্ধজাবলিঞ্জি' ইতি (কৌ - ২ ৪ )॥

### ७ ज थ्राथमा।

প্রাভরবিং প্রাভরিক্র: হ্রাম্থে প্রাভরিদ্ধি।।

। । ।

প্রাভর্ভগং পূদণং ব্রহ্মাসপতিং প্রাভঃ দোনমূভ

।

কৃদ্রং হ্রাম্থে ॥ ১ ॥

भष-भाष्ठः ।

থাত। ভগৰ। পূৰণৰ। অংখনং। পতিৰ। আহাত:। লোহৰ।

## **डेंड। क्रेजन। इनागरहा। ১॥**

# বিভীয়া।

প্রাভজ্জিতিং ভগমুগ্রং হ্বামহে বয়ং পুত্রমদিভের্ব্যে। বিধর্তা।

আ ধি দিচদ্যং মন্ত্রাশিচদ্রাজন চিদ্যং ভগং ভক্তিয়া**র। ২ ॥** 

**अम-भार्धः** ।

প্রাতঃহলিত শৃ। ভগ্ন । উপ্রশ্। হবানহে। বয়ন্। পুরুষ্।

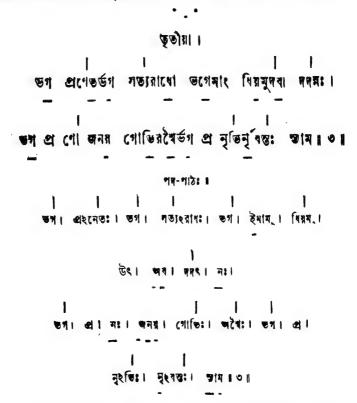
व्यक्ति । यः। विश्वर्ती।

জাঙাঃ। চিৎ। বস্। মঞ্মানঃ। তুরঃ। চিৎ। রাজা। চিৎ। যশ্।

| | । ভগন্। ভকি। ইতি। আংচাং।

প্রাত্তিক্তং। প্রাতঃকালে কর্তি স্বাতিমতং শাধ্যতীতি প্রাত্তিপ্রং। 'শৃংক্ষিক-'
ইত্যাদিনা কিপ্। উপ্রং উল্পূর্ণবলং ক্রতিত্বনীরং। ক্রিডেঃ। ক্রিডিরলীনা ক্রেমাডা।
উসাং প্রং তগং বরং বর্জঃপ্রত্তক্লকানা হ্বান্তে ক্রেমানঃ। শু এব বিহুশ্ভতে।

ষ আদিতো ভগঃ বিধর্তা দর্কত বিধার্ত্বিতা বৃট্টাদিপ্রদানেন পুণাবকঃ আরঃ আধারত্বিতব্যা দরিল্লঃ। চিচ্ছ্রাঃ অপার্থেই দরিক্রেণি ত্রন্দিৎ ক্ষমাণঃ গমুরোণি মন্তমানঃ
আভিন্তক্লদাধনং আনানঃ বং ভগং দেবং ভক্তি ভব্দের্ডাই ক্রতে। রাজ চিৎ রাজাণি
বং ওপং দেবং ভ্রের্ডাই। ক্র এব যত্ত ভক্তাং আশান্ত ইন্তার্থঃ। তং ভগং ইতি
পূর্ব্বাহ্রঃ। তুরঃ। তুর হরণে ইত্যাল্ ইঞ্পধলকণঃ কঃ। উল্লীভি। ভব্দেহালানো
লিঙরে গৃঙ্গ উল্লয়ক্ষহনে 'বছলং ছ্লাত্মাডোগেপি' ইত্যভভাবঃ। ব্যক্ত আহেভালেন প্রস্থাৎ ভল্পভাত নিল্লাতঃ। বহা উল্লঃ গ্রেণি জনঃ বং ভগং দেবং মত্তমানঃ
অবন্। মন্ততঃ অভিকর্মা। ভগং। ধন্নাইনতং। তগং ভল্পীরং বনং অভিতর বিভল্প
প্রস্ক্রের্ড ইতি বং দেবং আই ইতি প্রার্থ্যতে। তং আহ্বরাম ইতি প্রক্ষঃ। ভক্ষি।
লোটি ভ্রেছ্নিশ্বলং প্রাণা যুক্ স্থানেলাভাব্দ । (তলা—৪জা—১৬ছ —২২ন)।



হৈ ভগ প্রণেতঃ প্রকর্ষণ দক্ষত জগতো নেতঃ। বিশেবণাস্থরণক্ষার সুনংপুনর্জগেতা।
সম্প্রণ। তে দত্যরাধঃ পতাং জনখনং রাখে ধনং বক্ত দ তথোক্তঃ। রাধ ইতি ধননাধ।
রাধুৰভালেন ইতি যাত্বঃ (নি॰ ৪।৪)। 'জাযদ্ভিতং পূর্বং জবিভ্যানবং'ইতি ভগেতা।
মন্ত্রিত জ্বিভ্যানবন্ধং 'জাযদ্ভিত্ত চ' ইতি প্রণেতরিভাত ধাঠিকং জাহাদাভবং। ন চ দাব্দিতে দ্যানাধিকরণে দাযাভবচনং'ইতাবিভ্যানবন্দিবেঃ। তগেতাত বিশেবব্দন্ধং। প্রণামণ প্রণেত্তি প্রণেত্তক গাণারণদ্বেন হন্তিলি গানারবচনহন তবৈশিটোন প্রস্তান্ত বিশেষকান্ত প্রশান করে ইছি পুণবাক্তিন পর্যাবনার প্রায়ণ্ড বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশেষকান্ত বিশ্বত কর্মান করে বিশ্বত কর্মান করে বিশ্বত করে বিশ্বত করে বিশ্বত করে বিশ্বত ব

# চতুৰ্থী।

উতেদানীং ভগবন্ত: স্থানোত প্রশিব উক্ত মধ্যে অহ্যাম।

। উতোদিতো মঘণস্পুৰ্য্যত বয়ং দেশনাং জনতো ভাষ । ৪ ॥

### 99-915: 1

। । ७७: देवानीम्। खगरवद्यः। भ्रामा ७७। श्रद्धरिका ७७। मध्याम्।

। উठ। উৎ२हेटकी। मचरवन्। ल्वीना। वत्रथा दिवामाम्। प्रश्मतको। स्थाप ॥ ॥ ॥

উত্ত অপি চ ইদানীং অমিন্ কর্মাপ্রতানশময়ে বরং তগণগুঃ তগেন দেবেন বুজাঃ তৎ্থানিকাঃ তগেন ধনেন সৌভাগোন বা যুক্তাঃ ভান তবেম। উত অপি চ প্রপিছে বারাকে
ক্রাং মধ্যে মধ্যাকেপি (উত্ত অপি চ উদিতো উদয়কালে) হে মখনম। মধং ইতি ধননাম।
বিয়ং স্ব্যাভ তথা দেবানাং অ)গ্রাদীনাং ভুমতো শোভনারাং অনুগ্রহাবিকারাং বুছো ভাগ
তবেম। দেবা অপি অম্বান্ অমুগ্রহার্ত্তির্বার্ডারঃ। (৩কা—৪অ—১৬স্—৪ম)।

# शक्षमी।

ছিং ছা ভগ সকৰি ইছেজাহনীনি দ নে। ভগ পুরএভা ভবেই ॥ ৫ ॥

### পদ-পাঠ্ঠা

। `ভগঃ। এব। ভগহবান। অস্তা দেবঃ। তেন। বয়ঘ্। ভগহবস্তঃ। ভাষ।

कमा चा। ख्या नर्दरा हैरा स्वाद्यीया नः। सः। ख्या

# পুরঃহএতা। ভব। ইহাং।

ভগ এব দেবে। ভগবান্ধনবান্থান্ত। তেন তণীয়েনধনেন বরং ভগবন্তঃ ধনবন্তঃ
ভাম ভবেম। হে ভগ তং তালুলং ছা হাং সর্বাইং স্বৰ্ধ এব জন: জোহবীমি জোহবীতি
পুনঃপুনরাহ্বরতি। 'তিঙাং তিঙো ভবস্তি' ইতি তিশঃ স্থানে মিশ্। হে ভগ স হং ইহ অমিৰ্
ব্যাণারে নঃ জ্লাকং পুর্এতা পুর্তো গন্ধা ভব । (৩কা—৪জ—১৬স্—৫ম)।

# भष्ठी।

। । । भगेश्वत्राद्यांसदमा नम्रुष्ठ परिक्रांदिव च्छाट्या श्रीयाः

चर्चाही तः वेष्ट्रविषः छनः त्य त्रथिति । वाकिन चा वर्ख ॥ ७ ॥

পদ-পাঠঃ।

স্বুৰ অথবরায়। উবলঃ। নমস্তা দ্ধিক্রোবাইইব। শুচরে। পদ্রি।

ें चर्चा ही नम्। वस्र विषम्। छ गम्। त्या द्वथम् रहेव। चर्चाः। वाक्तिः। चा। वहस्र १०॥

উবলঃ উবোদেবতাঃ অধ্বরার যজ্ঞার্কং লং নমস্ক। লোডর্পে লঙ্কা সন্ত্রমস্কার্থ।
লক্ষজ্ঞাং ইতার্থঃ। দিকিলবেব। ক্ষানামৈতং। দিধিঃ ধার্রিতঃ লন্ ক্রামতীতি দিকিলারা
ক্ষাঃ। দধং ক্রামতীতি বা দধং ক্রামতীতি বা (নি॰ ২।২৭) ইত্যাদি নিরুক্তং। দগতেঃ
'ক্ষালুগমহনজ্বন॰' ইত্যাদিনা কিপ্রতায়ো লিড্রাবেশ্চ। তালির পণদে 'ক্রেড্যোপি
দুখারে' ইতি ক্রমেঃ কনিশ্। 'বিজ্নোরস্থনালিকস্থাং' ইতি আর্থঃ। সু যথা শুচ্বেরুর্বে
(পদার) শুদ্ধার গমনার সরক্ষো ভবতি এবং লরতা উবোদেবতাঃ বস্থবিদং ধনানাং লন্তর্কংভগং দেবং যে মম অর্বিচীনং ভভিমুবং আ বহন্ত আগমন্তর। তত্ত্ব দুইান্তঃ। বাজিন ৯:
বেগবন্তঃ অখাঃ রথমিব॥ (৩কা – ৪অ – ১৬২ – ৬ম) ৪

সপ্তমী।

| | | | |

অখাবতীর্বেনিভার উষাধাে বীরবভাঃ সদমুক্ত ভক্তাঃ।

| | | | |

য়ুক্র তুহানা বিশ্বতঃ প্রসী চা যুয়ং পাত স্বস্তিভিঃ সদা নঃ "৭॥

পদ-পাঠঃ।

| | | | |

অখহবতীঃ। গোহমতাঃ। নঃ। উষসং। বীরহবতীঃ। সদম্। উচ্ছয়ঃ। ভক্তাঃ।

| | | |

য়ুত্রম্। ত্রানাঃ। বিশ্বতঃ। প্রস্থা পাতঃ।

| | |

য়ুত্রম্। ত্রানাঃ। বিশ্বতঃ। প্রস্থা পাতঃ।

| | |

য়ুত্রভিঃ। সদা। নঃ। ৭॥

উষানঃ উষোদেবতাঃ অমাবতীঃ বছভির বৈরুপেডাঃ। 'মছে নোমাখেক্সিং 'ইতি মতে দিবতো দীর্ঘঃ। গোমতীঃ গোমতো বীরবতীঃ বীরবতীঃ পুঞাদিভিরুপেডাঃ। 'বা ছক্ষণিশি ইতি দর্মান্ত পুর্বানবর্ণনির্ঘঃ। ভন্তাঃ শিবংকর্ঘাণ্ট সভাঃ নঃ অমান্তাং সদং সদা দর্মাদা উজ্জ্ব বুটো ভবস্কঃ। তুহং উদকং তুহানাঃ বিশ্বতঃ স্বৈধ্ব বিঃ প্রাপীতাঃ আপ্যান্তি। যুহং উষসঃ স্বিভিতঃ অবিনাশৈঃ দ্বা দর্মাদা নঃ অমান পাত রক্ষত । (৩কা - ৪ম্ম - ১৬ম্ - ৭ম্ ); ॥,

### ইতি চতুর্বেলুগাকে প্রথমং স্কং 🛚

'শীরা যুঞ্জি' ইতি বিভীন্নহক্তেন কুগিনিপতিক্রণি ক্ষেত্রংগরা বুগলাক্ষণ বিশ্বতি । সংনিনৈব তুজেন দক্ষিণং অনজ্বিং যুগে ধুনজি। ততঃ কর্তী সন্নেন তুজেন প্রাচীনং <sup>ই</sup> কুণ্ন স্কুণ্মাপ্তানস্তরং হালিকায় হলং প্রযুচ্ছেং। তেন কিস্তু দীতাস্থ কুঃগিছে উভরগীতাত্তে অরিং উপদ্যাধার অংনন হক্তেন পুরোডাদেন ইঞা ছালীপাকেন অখিনৌ চ বৰ্ষ উত্তরভাং সীভায়াং শৃস্পাতান আনংগ্রং। তথা ব্রলাভকর্মণি গারণবংশে ওদৰে শকুংশিওওগ্ওলুলবণানি প্রক্ষিপা অনেন ক্জেন সম্পাত্য অভিমন্ত্র অগ্নাতি। 'শীতে ষশান্তে (৮) ইত্তা বাল্কেন কুলুমাণান্তিল: নীতাঃ কর্তা প্রভাবং অকুনন্তরতে। च्या 'नीता युक्षकोणि युन्ननावनश व्यवस्माणि मन्त्रिन छेडातश व्यवमश युमक्ति' इष्णामि 'অমত্বসাম্পাৰং' ইতান্তং কৌশিকস্তাং এরবাং (কৌ- এও)। ভগা অত্তশাতৌ नीजाम्(या नाकनमःनर्ग भूछ्नःनर्ग वा এटर श्रृद्धः नाञ्चानरक असूर्याकनीयः। 'वर्ष ষ্ট্রৈভল্লাক্সে লংক্ষতঃ' ইভ্যাদি কৌশিক্ষ্ত্রং 'ওনাদীরাণাস্থুযোজরেং' ইভ্যানং ( (को॰ ३०/३८ )। वस्त्रनाचनःश्रादकप्रनि 'हेत्तः मोजाः नि शृक्।जू" ( 8 ) हेकि मनाजि-शाननामा हे हिम्म कार्याः। उरक्षकांत्रक कोमित्कन मर्मिन्छः। 'स्था निजानः মজবাস্থান্তেখ্ ইভি প্রক্রেণ্য 'দেবখ বা দ্বিতঃ ( ১৯।৫১।২ ) ইভি বিমানকার্ত্তং গৃহাতি। (ম্লাগ্নিং নিশাসন ভবতি ভল লক্ষণং করেছি)। ইল্রংণীতাং নিগুত্যাগ্ভি দক্ষিণত আরভোভরত আলিণতি' ইতাাদিনা (কৌ ১৪০১)। অগ্নিচরনকর্মণি অভিক্রেত্র-কর্মণার মুজামানং দীরং 'দীরা যুঞ্জত্তি' ইভি ব্রহ্মা অনুমন্ত্রাহতে। 'লাপলং পণীরণ্ড' (৩) ইাভ কর্ষণাব্দ্বপ্র লাকলভাত্মন্ত্রণং। 'কুতে বোনেই' (২) ইতি ভিমিন কৃষ্টক্ষেক্তে भवनीतार नाम भवर्षाः व्यवसार । छवा ह देवनार एखरः भीता पृथ्वे शेष मीतर मुकामानर' हेक्सि (देन- वार ) !

সীরা যুঞ্জ কৰমো যুগা বি ভন্ততে পৃথক্।

।
ধীরা দেবের হৃষ্ণগো ১ ॥

পদ-পাঠঃ।

ভত্ত প্রথম।

। । বি। ড্ৰহেল। পূণক্।
নি । ড্ৰহেল। পূণক্।
। ।
নীৰাং। লেবেকু। ক্ষতবা । ১।

क्षताः। (भवाविवादेशकः। (वधाविह्ना क्षनाः नोत्राः कोत्रांग गामनाः निः। 'रलम्ब्सिनि॰" क्षिकः (ल्यांभः। युक्कः कर्षनार्वः (वाक्षप्रकः। वीताः गोमकरकः (युना) युनानि क भ्यकः कि क्षत्रः वाक्षप्रकः। विश्ववेशः। एकरव्यः (युनाविव्यः भूवःकः) भूवन्त्रः व्याद्याः विश्ववेशः। व्याद्यः विश्वविव्यः भूवःकः। भूवन्त्रः व्याद्यः। विश्ववेशः विश्वविव्यः भूवःकः। भूवन्त्रः विश्वविव्यः भूवः विश्वविद्यः भूवः विष्यः भूवः विश्वविद्यः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः भूवः विश्वविद्यः विष्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्यः विश्वविद्य

ৰাজগনেরকং (শ তা বা বা বা বা হ ৪)। 'ছম্পদি পরেছায়াং' ইভি পুরুণকাং কাচু। 'ফ ছম্পেপ্রপ্রপ' ইভি ক্ষমীর্থয়োর্নিবেশ: 'কাছ্মেদি' ইভি উপ্রভায়:। বহা দেববিষ্ত্র পুরুষ্ পুৰক্রং হবিলাকণং অলং বাতঃ আশ্যেত ইভি পুরুষ্পে বলাবর্দি।। (৩) চ মুক্তীভি দ্বন্ধ:। বাজে: 'আভো মনিনত' ইভি বিচ্য় (৩কা - ৪২২ – ১৭২ – ১ম)।

# विक्री मा

যুনক গীরা বি যুগা তনোত কুতে বোনো বপতে বীজন।
বিরাজ: শুন্তি: সভরা অসমো নেণীয় ইং স্থা: প্রনা যবন্ হ হ
পদ-শঠ:।
বিরাজ: গুরি: ব্গা। তনোত। কুতে। যোনো। ব্পত। ইং বীজন।
বিহয়জ:। শুনি: ব্যা। তলোত। কুতে। যোনো। ব্যা। বিশ্বা
বিহয়জ:। শুনি: ব্যা। প্রদা আবং। না। নেনীয়া।

देश प्रशिश शक्या आ। यनन् ॥ २ ॥

তৃতীয়া।

। । ।

শাল্পং প্ৰীনৰং জ্পীশং সোমন্থ্যক্ত।

উদিহ্ ৰপতু সাম্বিং প্ৰস্থাবন্ধ সুৰ্বাহনং পীৰ্নীং চ প্ৰফ্ৰাস্থ্য ১ ১

# 

প্রীরবং প্রীরং প্রিক্জঃ। স্থাবিকো রপ্প ভায়ঃ। যং বজুমিব নিশিভধারং লাললাপ্রে প্রোতং লন্দ্রেময়ং শলাং ভামং বিপাটয়তি তৎস তথা লেনাং 'কুনিকারাং শাজনাং' ইতি ভীব্। শুলীমং কর্ষক শু শুণকরং সোমসংলক বীহানিদন্দাননলারা লাম্যাগনিম্পালকঃ ভস্কঃ ভূমো প্রাছমগ্রনং কর্ষক হস্ত প্রাহ্মার্যাবিশ্বেষা বা যুক্ত তৎ তথোজেং। ভস্ব ছ্মানতৌ ইতাশাং ভ্রশী ভূচরিৎসর ভালিনা (উ০ ১০৭) উপ্রভায়ঃ। এবংগুণবিশিষ্টং লাললং উদিং বণতু। ইৎ ইতাবণারণে। উদ্ধৃত্ব লালপার্যুই ইতার্যা। কিং তৎ ইত্যাহ। গাং শ্বিং চি প্রস্থাবং প্রস্থান্য ক্রিং গালস্থে থ্রালাবিদ্যালিকং পীবরীং স্থলাং দর্মকাম্যান্য প্রাহ্মান্য ব্যাহ্মান্য কর্ষকার প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য কর্ষকার প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য প্রাহ্মান্য কর্ষকার ব্যাহ্মান্য কর্ষকার ব্যাহ্মান্য প্রাহ্মান্য কর্ষকার বিশ্বাহ্মান্য ব্যাহান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য ব্যাহান্য প্রাহ্মান্য কর্মান্য ব্যাহান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য বাহান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য বাহান্য কর্মান্য ক্রাহ্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান্য কর্মান

চতুনী।

।
ইক্র: সীতাং নি সৃহ্ তে তাং পুদাভি রক্তু।

শা নঃ গ্য়স্থতী হ্ হামুত্তরামুক্তরাং শ্নাম্ ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠ:।

।
ইক্র: সীতাম্। নি। গৃহাতু। তাম্। প্যা অভি। রক্ষ্তু।

শা নঃ। গ্য়স্থতী। গুলাম্। উত্তরাম্ইউভ্রাম্। শুমাম্ ॥ ৪ ॥

ইক্রো দেব: দীতাং লাজলণদ্ধতিং নি গৃহাতু নীচীনং গৃহাতু। তাং পূবা পোবংক। দেব: দভি রক্তু দক্ষ:: পালয়তু। সা দীতা নঃ অবভাং পয়স্তী। পয় ইতু।পলক্তিং অভিমত্র্ফলং। তথাকা শতী উত্তরামূত্রাং সমাং উত্তরোত্রং স্বংস্রং। '•আত্যন্ত্র-সংযোগে' বিতীয়া। দর্শেষ্পি কালেষু ইত্যর্বং। হ্হাং ছগ্ধাং। অভিমত্রুলং ইন্তি শেবং। যথা পর্যাতী উদক্ষতী সতী কুহাং ব্রীহিয়ণালিস্থানি ছগ্ধাং উত্তরোত্রং স্বংস্রং ইন্তি দ্কর্মাকং। 'আক্ষিতং চ' ইতি কর্মসংজ্ঞা। হ্যাং ইতি। 'লোণ্ড আ্মানেশ্নেরু' ইন্তি তলোশঃ। (০কা – ৪আ – ১৭ফ্ – ৪ম)।

गर्धपण्ट-मृख्यः ।

পদ-পাঠঃ।

ভন্ম। সুহফালাঃ। বি। তুল্ভ । ভূমিম। ভন্ম।

।

কীনাশাঃ। অথ । যন্ত । বাহান্।

।

।

ভনাশীরা। হবিষা। ভোশমানা। সুহপিঞ্লাঃ। ওষ্ধীঃ। কর্তুম্। অবৈষা ৫ ॥

ফ্লালাঃ শোভনানি লাঞ্চলম্থানি অন্সাকং শুনং মুখং যথা ভবতি তথা ভূমিং বি ভুদক্ষ বিকৃষক্ষ। কীনাশাঃ কর্ষকাঃ শুনং যথা ভবতি তথা বাহান বলীবন্দিন অনুষ্ঠ অকুসদ্ভৱ। বাহান ইতি বাহাঃ। কর্মাণি ঘঞ্। কর্মাণিতো খ্ঞোন্ত উপাতঃ' ইতি অকোপাততং। ভুনানীরা হে শুনালীরো বাধানিতো)। শুনো বায়ঃ সীর আদিতঃ ইতি হি বাহঃ। নি মান ক্রাণানীরা বাধানিতো)। শুনো বায়ঃ সীর আদিতঃ ইতি হি বাহঃ। নি মান মান শুনালীয়েন ভোষনাগা কেরমাণা কোমনাগে। ভূমানো অম্পানিয়ন ভোষনাগা তোমনাণে। ভূমানো অমৈ যজনানায় ভ্রধীঃ বীহিষবাতাঃ ম্পিপ্লাঃ শোভনফলোণেতাঃ কর্মাণ কুমানা (০ ক্রাণ্ডাঃ ম্পিপ্লাঃ শোভনফলোণেতাঃ কর্মাণ কুমানা

भए-भाउँ।

। অংনৰ্য বহিঃ। অংনৰ্। নৱঃ। অংনৰ্। ক্ৰছু। লালগৰ্।

ভদৰ্। বরজা: বংগভাদ্। ভদম্। অস্তাম্। উৎ। ইকর।৬॥

বাহাঃ বলীবর্দাঃ তনং পুৰং কুর্মন্ত। নরঃ কর্মকাঃ তনং পুৰং ক্রন্ত। লাকলং হলং (ত্নং) ববা তবতি তথা কুরত্। কৃষ বিলেখনে। তৌলাদিকঃ। বরতাঃ য়জ্জনঃ তনং পুৰং বৰ্যজাং। পাট্রাং প্রত্যাধ্য তানং পুৰার্থ উদিক্স প্রের্থ। পাত্র তুনালীরয়োর্থা ত্নান ব্যাধাঃ । (তকা—৪পা—৪পা—১৭স্ড ১৯)।

**नश्रमी**।

। শুনাদীরেহ স্ম মে জুধেথামৃ।

षह দিবি চক্রণঃ পয়ভেনেমামুপ দিঞ্চম্। ৭।

भए-भाष्ठः ।

ভুনাসীরা। ইহ**। স**া মে। জুবেধাম**্**।

ৰং। দিবি। চক্ৰথু:। পয়:। তেন। ইমাম্। উপ। দিঞ্চম্ুং৭ ট

শুনালীরা গুনানীরে বেবো ইর স ইর খলু অমিন কেত্রে যে মন্ত্রিং ক্রেরাং লেখেডাং। যং ঠো বেন্তে নিবি আকালে পদ্ধ উদকং চক্রত্যুক্তবন্তে ভেন বৃষ্টিবনেন ইয়াং ক্লুখানাং ভূমিং উপ নিক্তাং আর্থীকুক্তাং । (৩কা---৪ল -- ১৭ছ -- ১৪)।

णहेमी।

নীতে ৰন্দানহে ভাকাচী স্বভংগ ভৰ।

। দ্বা নঃ স্থ্যনা কলো যথা নঃ হফলা ভূবং।৮।

# मधनगर-मुकर ।

भूम-भावह ।

হে দীতে যা যাং বলাগ্রে মনজুর্মঃ। বে পুভাগে পুভাগ্যে দীতাভিমানিদেবতে মং
কর্মাটা পাদাভিম্বী ভব। বণা বেন প্রকারেণ নঃ পামাকং পুমনাঃ শোভনমন্ম পাদঃ
ভাঃ। বথা বেন প্রকারেণ নঃ পাদাভং স্থলা শোভনফলোণেতা ভ্বঃ ভ্বেঃ। তথা
পর্বাচী ভবেতি দযকঃ। পান্তের্জবতেল্ড লেটি অভাগ্যঃ। শব্লুকি 'ভূপুবাভিতি' ইতি
ভগপ্রতিবেধে উবর্ঃ (ওকা—৪অ—১৭স্—৮ম)।

### भवमा ।

দ্বাতেন দীতা মধুনা দমক্তা বিধৈপেবৈরত্বতা বরুদ্ভি:।

ন। ন: সীতে পর্মাভ্যাবরংখোর্জ্জখতী স্থতবং পিরমান।। ৯।

পদ-পাঠঃ ৷

লা। নঃ। দীতে। পদ্লা। অভিহ্লাবহুংয়। উৰ্জ্বতী। দুতহ্বং। শিৰ্মানা স্ক

খৃতেন উদক্ষেদ মধুনা মধুররদেন দম্কা দম্যাণ্ আক্রা নিজা! 'গতিরনভর' ইতি গতেঃ প্রকৃতিখরছে। দা দীতা বিবৈক্ষেত্রঃ মকুভিশ্ব অভ্যন্ত আছুমতা আদীকৃতা। হে দীতে লা ছং পর্না উদক্ষেদ নঃ আমান্ অভ্যাণরংখ অতিমুধং আবর্ত্ত । 'বহুলং হৃন্দি' ইতি বুতেঃ লগঃ স্কু:। কথজুতা। উর্জেখতী বলোপেতা খৃতবং খৃত্যুক্তং আরং পিছনানা নিক্ষ্টী। পিরি নেচনে। বাতারেন আন্সনেপ্রং। '৽অহ্পদেশার্লার্কিংগ্ডুক॰ ৣ' (ইতি) অমুদান্তব্ধে বাতুখর:। (০কা - ৪অ — ১০ছ — ১০ছ

# ইভি চতুৰ্বেশ্ববাহক বিভীয়ং স্বস্তং **।**

'ইষাং খনানি' ইতি ভ্তীয়স্তেন লগদ্বীক্ষকর্মণি বাণাণনীগঞ্গং লোহিতবর্ণাক্ষায় ব্যানকেন লংমিলা অভিমন্ত্র লগদ্বীক্ষনে পরিকিয়েৎ। 'অভি ভেষাং' ইভি পাবের

944-05 ( P ) P-0-05

ভংশত্রাণাভিমন্ত্রা শরনক্তাখড়াৎ প্রক্রিণে। 'উপ ভেগাং' ইতি পাদেন তৎপত্রাণাভি-অল্লা শল্পনত্তোপরি প্রক্রিপেং। তৎ উক্তং কেশিকেন। ইমাং খনামীতি বীণাপর্ণী ত্বাহিতাকায়। ত্রপেন প্রীয় শরনং অলু পরিকিরতি' (কে। ৪।১২) ইত্যাদি। বিবাদকর-কর্মণি 'লহং লাম নহমানা' ইত্যাদিস্ফলেনং জপন ঐশাকা দিশঃ নভাত্তাং ত্রেং। <sup>"</sup>ব্যবং অমীত্যপরাজিতাং পরিবলং আন্তর্জতি' ইত্যাদি কৌশিকসূত্রং (কৌ• ৫।২) ॥

# ভত্ত প্রধ্যা। हैमार थनारमायपिर वीक्रभार वलवलमाम्। ষয়। সপত্নীং বাধতে যয়া সন্ধিন্দতে পতিমৃ। ১॥ 99-915: I ইমাৰ্। খনামি। ওৰণিম্। বীকৃণাম্। বলবংহতমাম্। বরা। শংশজীমু। বাধতো বরা। সম্হবিন্তে। পতিমু॥১॥

हैमार शार्वाचार अवनीर नीक्रमार। विद्यादछोडि नीक्रमः लडाक्रभा अवस्यः। छानार घारता राजवादा प्रकारी कराय का जिलाहान वनवजीर धनामि धनातन मन्नाविशामि। यहा ভবগা লপত্নীং। লমানঃ একঃ পতির্যাভাঃ লা লপত্নী। 'নিতাং লণড্রাাদ্র' ইতি ভীপ মকারাবাদেশ-চ। তাদৃশীং বাধতে হিনন্তি। 'বদুভালিভাং' ইতি নিবাতপ্রভিবেধঃ। বরা **ठ ७वशा পতिर ভর্তারर नविम्माल मग्राक् अनाशांतर्गान गण्डल जार हेमार ७वशीर है**जि গ্ৰন্থ ( ৩কা – ৪ল – ১৮২--- ১ম ) I

> দ্বিভীগা। উদ্ভানপর্ণে স্নভাগে দেবজাতে সহস্বতি। । । । । সপত্নীং মে পরা গুল পদ্ভিং মে কেবলং কুধি। ২॥

পদ-পাঠঃ।

। । উত্তানহপর্ণে। হৃহভূগে। দেবহলুতে। দহস্তি।

नरभन्नोम्। स्म। भन्ना। ऋकः। শভিম। মে। কেবলন্। ক্ৰি॥২-৮

কে উন্তানপর্ণে উন্তানানি উর্জমুখানি পর্ণানি পত্তাণি ষম্পান্তাদৃশি হৈ স্কল্পে পৌভাগ্য-হৈতৃভূতে হে দেবজাতে দেবেন প্রষ্ট্রী প্রেরিতে। যথা দেবেন ইক্রাদিনা প্রাপ্তে। পাঠান ইক্রো ব্যাসাং ক্ষমুরেভান্তরী তবে (২।২৭।৪) ইভি হি নিগম:। হে গ্রন্থতি ক্ষভিত্বনথতি: ক্ষিপুশে হে পাঠে মে মম পণজীং পরা ক্ষম পরাধারণং ক্রমি কুরু। ক্ষেশ্পুণ কুরুভাশ্যুদ্দিনি ক্রি হৈছিরাদেশ:। তেলাত মে মম পভিং কেবলং অসাধারণং ক্রমি কুরু। ক্ষেশ্পুণ কুরুভাশ্যুদ্দিনি ইভি হের্ছিরাদেশ:। (৩কা—৪জ—১৮ন্থ—২ম)।

# पृथीय।

নহি তে নাম জ্ঞাহ নে! অন্তিনু রমণে পতে ।

। । ।

পরামেব পরাবতং গপত্নীং গ্রম্যামশি। ৩।

শদ-পাঠঃ।

।

নহি। তে। নাম। জ্ঞাহ। নোইভি। অন্নিন্ রম্পেন পতে ।

শরাম্। এব। শরাহ্বতম্। সহপত্মন্। গ্রম্মশি। ৩।

চতুর্থী।

। উত্তরাহ্মুন্তর উত্তরেত্তরাল্যঃ।

আধঃ সপত্নী যা মমাণর। সাধরাভাঃ । s s

अब- भार्ड ।

हैरक्षत्रा। व्यवम्। हैरक्ष्यत्रा हैरक्षत्रा। हैर्। हैरक्षत्राचाहर

হে উত্তরে উৎকৃষ্টভরে পাঠে খংপ্রদাদাৎ অহং উত্তরা উৎকৃষ্টভরা ভূরালং। অপি চ উত্তরাভ্যা লোকে যা উৎকৃষ্টভরাঃ পরি ডাভ্যোপ্যহং উত্তরেৎ। ইচ্ছক্ষ: অবধারণে। উৎকৃষ্ট-ভরৈব ভবেরং। অধ অনভারং মম যা পণত্নী বিভাৱে লা অধ্যাভ্যাঃ নিকৃষ্টাভ্যোপি অধ্যা বিকৃষ্টভরা ভবতুঃ (৩কা - ৪অ—১৮৫—৪ম) ঃ

नक्षी।

্য । অভ্যন্তি সহ্যানাথে ভ্রনি নান্ডিঃ।

উল্লে গ্ৰুমতী ভূৱা সপত্নীং মে সভাবহৈ। ৫।

পদ-পাঠঃী

আহম্। অবি। সহমানা। অধোইতি। মুম্। অনি। সদ্বিঃ।

্বে পাঠাখ্যে ভ্ৰষি অবং সংপ্ৰদান্ত্ৰণ সহযাম। অমি সম্পন্ন্যা অভিভবিত্ৰী ভবামি। অংখ অপি চু স্বৰণি লাণ্ডিয়লি শক্ষণাং অভিভবিত্ৰী ভবলি। ভড্ড আবাং উত্তে অপি নুহুস্থী অভিতৰনৰতাে ভূষা যে মন লপত্নীং লহাবহৈ অভিতৰাৰ। 'অহমমি' ইত্যাদিস্জ্ঞানেবত বিৰাদ্যস্থকৰ্মণ বিনিরোগত দর্শিভ্যাৎ তদ্সনায়েণ লপত্নীশস্থ বিপরিণানেন লপত্নবন্ধয়াণি যোজাং ॥ (৩কা—৪অ - ১৮স্ ধে)।

ষষ্ঠী।

| | | |

আভি ভেষাং সহমানামূপ ভেষাং সহীয়নীমৃ।

| | | |

এ তে মনে। বংসং গৌরিব ধাবতু পথা বারিব ধাবতু । ৩৪

भय-भारत ।

অভি। তে। অধান্। নহমানান্। উপ। তে। অধান্। শহীরণীন্। - - -

মাৰ্। অন্তঃ প্ৰা ভে। মনঃ। বংলদ্য গৌঃহইব। ধাবভুয়

প্ৰা। বাঃষ্ট্ৰ। ধাবজু । ৬ ॥ -

লহমানাং অভিভবনশীলাং ইমাং পাঠাখাাং ওযধিং হে দপত্নি তে তব শর্মশানং অভি
আধাং অভিভঃ দর্মভঃ শর্মজ আধঃপ্রদেশে ধার্যামি। তথা দ্রীয়দীং দোচ্তমাং
অভিশ্রেমাভিভবিত্রীং ইমাং ওযধিং তে শর্মস্থানং উপ অধাং শর্মজোগরিদেশে ধার্যামি।
হে দপত্নি তে বর্ধারং ওযধিপ্রভাবেন বনীকুভং মনঃ মামস্থ প্র ধাবতু অফুস্তা প্রবর্ততাং।
ভত্র বংলং গৌরিবেভ্যাধি দুইার্থরং। যথা গৌঃ প্রায়ুত্তনী অফীরং বংলং ইভতভো
ধাবত্বং ক্রের্বশাং অফুধাবতি যথা চ বাঃ বারি উদকং গ্রামিরেন মার্গেণ অভাবভোগ্থধাবতি তথা। দপত্নী দর্মধা মদ্যীনচিত্বা ভবতু ইত্যর্বং। (৩কা--৪ল -১৮ছ - ৬ম)।

(ইভি) চতুর্বেহবাকে তৃতীয়ং স্ক্রং।

'দংশিজং বে' ইতি চতুর্বহক্তেন পরনেনোছেলনকর্মাণ আজাং হবা নিজপনীং আজাং অবিং বা সম্পাত্য অভিনন্ত্র শক্রেনাং প্রতি বিশ্বজ্বের। তথা দংগ্রামলয়ার্বং অবেন হিছুবারিং দক্তব্রেরং ধল্পতিয়োগানং ইযুণমিলায়ানং রাজে অভিনাত্তবল্পতানং চ কুর্যাং। 'দংশিভং ম ইতি নিজপনীং সম্পাত্তবভীং অবস্থাতি ইভাানি 'প্রেলালারানি' ইভাজং কৌশিকপুরেং (কৌ হাবে)। তথা আল্লচন্ত্রেন উন্নীম্নানং উবাং অবিং 'দংশিভং বে' ইতি ব্রুলা অনুস্বান্ধেতা। উল্লেখ বৈলানে 'দংশিজং স ইস্কুবাং উন্নীম্নানং' ইভি

( বৈ • ধা > )। মহাত্রতে আজিধাবনে 'অবস্টা পরা পত' (৮) ইভানয়া অবস্টবাণাসুমন্ত্রণ । উধা চ বৈভানস্ক্রে। 'অবস্টা পরা পতেতি চতুর্বাং ইবুং অবস্টাং' ( বৈ • ৬৪ ) ইভি ।

#### ভত্ত প্রথমা।

। । ।
সংশিতং ম ইদং ব্রহ্ম সংশিতং বীর্য্যং১ বলক্।

। । ।

। । । ।
সংশিতং ক্রমজনুশস্ত কিফুর্য্যেধামন্মি পুরোহিতঃ ১ ৮

19-어(): 1

निम् र्শितम् । করেম্। করেম্। করে। জিঞ্ঃ। বেধাম্। করি। প্রঃহ্রিডঃ॥১॥

মে মনীয়ং ইদং ব্ৰহ্ম ব্ৰাহ্মণ বং লংশিতং আভিত্ৰংশকরদোষপরিহারেণ ল্মাক্ ভীক্ষাকুতং ভবতু। ভীক্ষাক্তে হি প্রাক্ষণতে খেন ক্রিয়খাণং শান্তিকণোষ্টিকাদি কর্ম শমুদ্ধকলং ভবতীতি चौरितो छ र आर्थित। यह। ব্ৰহ্ম বিদ্বাচী। প্ৰাণু আমানমন্ত্ৰাত্মকং ইদং ব্ৰহ্ম ভীক্ষীকৃতং। আনোঘফলং ভবত ইভার্ব: শোভনুকরণে ইভাতাং কর্মণি নিঠা। 'শাক্রোরস্ভরক্তাং' ইভি ইয়ং। 'গতিরনম্ভর:'ইতি গতে: প্রকৃতিমর হং। তথা মদীয়ং বীর্ধাং মন্ত্রপ্রভাবজানিতং লামবাং শারীরং বলং চলংশিতং স্থাক্ ভীফ্লীকুতং অন্ত। তথা মদীরং ক্ষত্তেং ক্ষত্তিয় আলাতিঃ লংশিতং মন্ত্রপ্রতাবেন তীক্ষীকৃতং সং অজরং জরারহিতং। অত্ত শরীরাবরবানাং দেনাবয়ব-इन्छं।चीकीनांर চ ক্ষরে। অরাশকেন বিবক্ষিতঃ। তস্ত্রিতং কিঞু জন্মীলং অভা। অঞ্জরং ইভি। ন বিশ্বতে জারা ষঞ্জেত নংক্রা বছত্রীহে) 'নক্রো জারমরমিক্রন্টাঃ' ইভি উত্তর-পদাহাদাভদং। জি জায়ে ইত। খাৎ 'গ্লাজি হ'চ গ্লু:' ইভি গলুপাতারাভো জিফুশক:। ক'লাৎ এবং অক্সগতং ফলং প্রার্থত ইতি তত্তাহ। বেবাং ইতি। পূজার্বং বছণচনং। ৰভ ক্তিয়ত ভাৰং পুরোহিতঃ ঐ।হকাম্মিকণকলশ্রেয়োবিবয়ে পুরতাৎ নিহিতঃ ভারি ভবাৰি। যথাৎ এবং পেটুরোহিতে রভোগে অতো মণীয়ত রাজ্যে জয়ার্বং এবং প্রার্থত ইউার্কা । দ্বাতে: কর্মণি নির্চা। 'পুরাধরাবরাণাং•' ইতি ক্ষণিপ্রভারতঃ পুরংশক্ষঃ । चंचा इ 'शुरवीत्रावर' देखि श्रीखंचाद 'शिखतत्वद्रश' देखि शूर्वामाध्यक्षण्वित्रवर । ১॥ west to the second of the

# দিতীয়া।

नगरम्बार ताष्ट्रः कामि नत्यात्वा वीर्याः वलम्।

রুশ্চানি শত্রণাং বাহুননেন হবিদাহন্॥ ২ ॥

भग-भार्ठः।

नम्। व्यवस्। अवास्। ताहुस्। क्यास्। नम्। अवः। तीर्गाम्। वनम्।

য় । । । যুদ্দামি। শক্রণাম্। বাহুন্। অন্নন। হবিশা। আহশ্যই।

পূর্বেত্র বেবাং ইতি যক্তক্নির্দ্ধি থৈ এবাং ইতি ইন্ন্যা পরাম্প্রতে। বেবাং রাজাই দেশে অহং নিব্নামি এবাং রাষ্ট্রং জনপদং সং শ্রামি দমাক্ তীক্রীকরোমি। ধনকনকসমূদ্ধই করোমীতার্বঃ। শোছেদনে। 'ওতঃ শুনি' ইতি ওকারলোপং। ওকঃ। বলমানৈতং। 'উক্তেবিলে বলোপন্চ (উ০ ৪।১০১) ইতি অক্ষনপ্রতারক্ষরণাথ। যেন বলেন ক্ষেত্রজ্ঞ পরীরে অবস্থিতির্ভবিতি তথ ওলংশক্ষরাচাং। উক্তং হি আনার্বাঃ। ক্ষেত্রজ্ঞ তথ ওল্ল কেবলাশ্রর ইক্ততে। যথা ক্ষেত্র প্রনিত্ত বলাশ্রের অপনিধিবঃ। ইতি। তালুবং শরীরনার্চাঃনিমিন্তং ওলঃ ভল্জনিতং বীর্যাং পরাভিভবনামর্ব্যং অক্সনি হস্তাখাদিলক্ষণং বলং চ। সংশ্রামীত প্রস্কঃ। মন্ত্রনামর্বাঃ। তথা (অহং) মনীয়ন্ত রাজ্ঞঃ শত্রেণাং বাহুন অনেন ইন্ন্যানেন আজাসক্রাক্ষিরণেশ হবিষা বুল্চামি ছিন্ত্রি। আয়ুধ্রাহণান্মর্থান্ তইবীর্যান্ করোমীতার্বঃ। ওব্রন্ড ছেননে। তুলানিবাৎ শং। ভক্ত ভির্বং 'গ্রহিল্যাণ্ট্রীর্চান করোমীতার্বঃ। ওব্রন্ড ছেননে। তুলানিবাৎ শং। ভক্ত ভির্বং 'গ্রহিল্যাণ্ট্রী

# তৃতীয়া।

নীতৈ: পদ্ধভামধরে ভবস্তু যে ন: সৃরিং মগ্রানং পৃত্তকান্।

কিণামি ত্রমাণামিতাামুময়ামি সানহন্। • **ম** 

#### भष-भार्<u>ठ</u>ः ।

মীটেঃ। পভতাব। অধ্যে। তবভা বে। সং। প্রিম্। মধ্বানন্। পৃতভান্।

কিণামি। অকণা। অমিজান্। উং। নয়ামি। খান্। অহন্যত।

ুন মনীরাং শত্রবং নীতৈঃ প্রস্তাং অবাষ্থাং প্রস্তা। তত্তক অধরে নিক্টাং পাদাক্রান্তা ভিষন্ত। কীনৃশান্তে শত্রব ইতি উচাতে। নং অক্ষান্তং হরিং কার্যানার্যাবিভাগজং মধ্বামং। মধ্য ইতি ধননাম। প্রভূতধন্যুক্তং রাজানং কেতুং যে শত্রবং পৃত্রুন পৃত্রুরি পৃত্রাং কোনং আত্মন ইচ্ছেন্তি। তে নীতিঃ প্রস্তাং ইতি স্বস্কঃ। পূতনাশক্ষাং 'পুপ্ আত্মনং কার্'। 'ক্রাধ্বরপৃত্নপুর্চি লোপং' ইতি কার্চি পরতোনভালোপঃ। তর্বতাং গোটি আতাগ্রঃ। উক্তপ্রোজন্দিহরে ক্রন্ত্রণা পরির্চেদ অবোধ্বীর্যোগ মত্রেণ অনিত্রান্ শত্রুন অহা কিন্তাং। বিকি হিংলারাং। আদিহাং মুঃ। ম কেবলং শত্রুণাং হিংলনং অণি ভূ আনু ক্রীয়ান্রাক্তঃ উর্রামি। উৎকুইং করং প্রাণ্ডামীতার্থঃ। ও ৪

বেবাং রাজাং অহং পুরোহিতঃ অমি তে রাজানঃ পরশোঃ বৃক্ষজেদনদমর্থাৎ নিশিজ্ঞারাং তীক্ষীরাংলঃ অভিশরনে তীক্ষাঃ শক্রবলজেদনদমর্থা তবছ । তথা অব্য়ে বিশ্বন্দলমর্থাপি তীক্ষ্তরাঃ অভিশরনে তীক্ষাঃ। ক্ষণমাত্রেণ কুংকাং শক্রবলং দয়ুং লম্বা তবছ ইতার্যঃ। উতপক্ষঃ অপার্বে। ল চ ভিন্নক্রমো বোজিতঃ। তথা ইক্রত বস্তাং। ল বলু ব্রাহ্রাদিহননে শিলোচেরপক্ষজেহনাকে) চ অকুটিতশক্তিকেন প্রদিদ্ধঃ। তভোগি ভীক্ষীরাংলঃ অভিশ্রেন তীক্ষা নিশিকাঃ। অপ্রতিহত্পতরো তব্ভ ইতার্থঃ ৪ ৪

### शक्षेत्री।

। । এবাস্থ্যায়ুধা সং স্থান্যোধাং রাষ্ট্রং স্থ্যীরং বর্দ্ধানি।

এশং ক্ষত্রগকরমস্ত কিষ্ণে ১শং চিত্তং বিশেবস্তু দেবা:।। ৫।।

পদ পাঠঃ।

্থবাস। আমহণ। আব্ধা। লম্। আনমি। এবাণ। রাষ্ট্রণ। আহহরীরস্। বর্দ্রামি।

এবাম। করেম্। অবসর্থ। অস্তা কিফু। এবাম্। - - - - -

> . 6िखम्। निर्मा चन्छः (ननाः। ৫॥

( অভং ) এমাং অপানীয়ানাং রাজ্ঞাং আয়ুশা আয়ুশানি গাণখন্ন কালীনি সং শ্রাকি শমাকৃ ভীক্ষাকরোমি। এসাং রাষ্ট্রং রাজাং প্রবারং শোজনবারোপেতং বর্দ্ধামি সমৃদ্ধং করোমি। প্রবারং ইতি 'বারবার্থা) চ' ইতি উত্তরপদাহাদাততং৷ অশি চ এমাং রাজ্ঞাং ক্ষত্রাং ক্ষতাং আগকং বসং ক্ষত্রিয়তং বা অজারং জারার হতং জিঞ্জু জামশীলং চাত্ম। তথা এসাং চিতং দুদ্রোমুধং মনঃ বিধে সর্বের দেবাঃ অবস্তু রক্ষত্ত। ( ৩কা — ৪ অ— ১৯ ত্ব — ১৯ তব্ব — ১৯

यष्ठी।

। । উর্নিস্তা: মঘণন্ ণালিনাস্থাদ্ বীরাণাং জয়তামেছুঃ লোখ:।

> পৃথগ্ ছোষ। উলুলয়ঃ কেতৃমন্ত উলীরভান্। - - -

(मना इत्स्टक) छ। मक्रटका यस्त्र (मनशा।। ७।।

प्रथम् - ०७ ( २ ) २ ० ७२

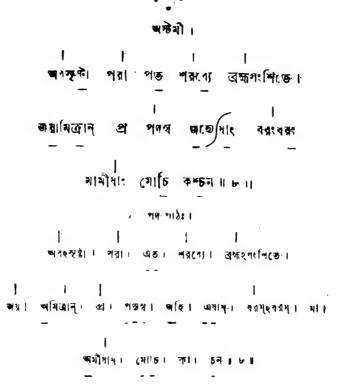
[ ৩ফা—ঃৰা

বজী। তে গ্ৰান গনবিদ্ধি ছংপ্ৰদাণাদ্ বাজিনানি বলানি হস্তাগরণাদীনি বৃদ্ধবিরে উদ্ধৃরিধাং উৎকৃতিংবিদুজানি ভবস্ক। তথা জয়ভাং জয়ং প্রাপ্র বভাং অল্লানা বীরাণাং শ্বাণাং জয়প্রবৃদ্ধো বোবা দিংহনাদাখাঃ উদ্বেজ্ উদ্যক্ষত । পরপ্রোজাণাভিত্র বর্ত গং ইত্তাবালা বার বিভিন্ন বিভাগ বিতা বিভাগ বিভা

ভীক্ষুহ্ট্যবঃ। অবলচ্ধ্যনঃ। হত। উত্তাহ্ লালুণাঃ। অবলান্। উত্তাহবংলাণা

লপ্তমী। ইক্রেলোর্ডা: ইক্রো জোর্ডা: শ্রেষ্ঠা: স্বামী বেবাং জণানিধা নক্রতো দেবা মূর্বের্
ক্রাকং লাহাল্লকং কাচরিত্ব (শেনলা) ক্রেলেন্দা লার্জ্বং প্রস্থান্ত। হে নরঃ নেতারঃ
ক্রেলিয়া ভটা: প্রেত প্রক্রমা বৃদ্ধভূমিং সক্ষ্ত। ততো দেবৈরকুগৃহীতাঃ শক্রন্ করত।
বঃ বৃদ্ধাকং ভীক্ষেবর নিশিতবাণালাল্বধাণেতা বাহবঃ উল্লোভ উলস্প্রলাঃ করে পহরণদম্প্রি
ক্রেলিয়া ভবর। ততো বৃধ্ব উল্লোল্যার্শাঃ নিশিতনিলিংকাণালাল্য্বোণেতাঃ ক্র এব উল্লোহ্বঃ

উদ্ধ বিংবাং দক্তঃ অবলধননা বলরহিতপত্রবাভায়ুণোপেতান অত এব অবলান বলস্ভান হজ হিংকা। পঞ্চৰং প্রাণরতেতার্বঃ। হতেলোগ্যধানবহুৰচনে অলানিবাৎ দুংগা লুক্ন প্রস্থাতোপদেশ॰' ইত্যাদিনা পশুনানিকলোগঃ। (০ফা—৪ম্ল-১৯মূ—৭মা) ঃ



তে ব্ৰহ্মণ শিক্ত ব্ৰহ্মণ মন্ত্ৰণ ভীক্তা কতে ( শরব্যে হিংলাকু শলে ইবা ঘং ) জনস্থী। জন্ম শিক্ত বিশিষ্ট কা পরা পত পরাগজ শক্ত পেনাভিমুখং গছে। গছা চ ভান জনিকাল শক্তন জয়। তৎপ্রকারং আহু ধা পত্তবেভাগিনা। প্রথমং শক্তন প্রধান কা প্রথমং মধ্যে বরংবরং শ্রেষ্ঠং হুডাই পদাভিকালণ বলং দাই মারয়। 'হত্তেজ্যং' ইভি জাদেশঃ। ভাত 'লাক্ত্রন্দ অত্তা ভাবং ইভি জাদেশঃ। ভাত 'লাক্ত্রন্দ অত্তা ভাবং ইভি জাদেশঃ। ভাত 'লাক্ত্রন্দ অত্তা ভাবং ইভি জাদেশঃ। মার্চি মুক্তো মা ভূব। সংকাশি বন্ধা চন্ত্রা মানাং শক্তরাং মধ্যে কাচন কো বাবা মানাং মধ্যে কাচন কো বাবা মানাং কালি মানামানাং কালি মানাং মান

### डेडि छ्डीशकारक हड़(र्वश्यवारक हड़्बर च्युक्त 1

'অন্নং ক্রে যোনিঃ' ইতি ক্তেনে নিগাঁওকর্মাণ শর্কবামিশ্রান্ এছিন কুছথাং। 'জ্বং তে যোনিবিতি (জীর্ণকোটান্) বীতান শর্কবামিশ্রান' (কা॰ ০০১) ইত্যানি কৌশিকস্তে। ১ ডথা পর্বোধাসনবিদ্ধানকর্মান প্রেন স্তেনে জাজানমিনাদিভিস্তরোপশভিস্ক্ নৈর্জ্ক্যাভ্যাক ভামিরের কর্মনি আন্ত স্থান্ত আন চ কেনিক:। 'আয়ং তে বোনিঃ
(৩২০) আ নো ভর (৫৭) নীতী বা (গা) ইতার্বাই উপ্রান্তর্গাল্পন বাঁত জপতি ইভি
(কৌ- লাই)। 'আয়ং তে বোনিঃ' ইতানয়া অরণোরাজ্মনি বা অল্প্য: লমারোপণং ক্র্যাহ।
স্কৃত্তিই হি। 'আয়ং তে বোনিরিতারণোরিয়ং সমারোপয়ভয়াল্পনি বা' ইভি (কৌ- লাই)।
লগ্যভেমু 'লোমং রাজানং' (৪) ইভানয়া ভ্রাজারোগিদশ্চতুর আর্থেয়াপ আহ্বয়েছ।
আলিরিভি গাইপভোইকাং উপনীয়মানাং অল্পমন্তরেও। তপা চ বৈভানহ। 'আয়ং তে
বোনিরিভি গাইপভোইকাং নিমীয়মানাং' ইভি (বৈ- ৫১)। আলিচয়নে উর্ল্বের্লমিদাশানালজরং 'অল্পে অছা গ্রেহ্লমাল্পমন্তরং। তপা চ বৈভানহ। 'উল্ এনং উত্তরং
ন্ম (ভার) ইভি লিমির আর্থারমাল্পমন্তরং। তপা চ বৈভানহ স্ক্রেহ। 'উল্ এনং উত্তরং
নম্ম (ভার) ইভি লিমির আর্থারমানাঃ' (ইভি প্রক্রমা) 'চলার শৃক্ষা (ঝ- ৪/৪৮০০)
আন্তার্চিভ (গাচণ) ইভি জণতি। 'অল্পে অন্তর্গতি হিল্লঃ (২ ৪) অর্থামণং ব্রহ্মপ্রিং
(গাচ), ইভি বে বাজ্য স্থাপ্রের্লি (৮) ইভি বাজপ্রস্বীর্হোমান্ত্রিত (বৈ- লাই)।

তে অধ্য় তে তব অরং অরণিব্যালমানে। বা দ্বিষঃ শ্বতৌ গর্ভগ্রহণ কালে ভবো বােনিঃ উৎপান্তকারণং। শৃত্দুল্ব ভবার্বি ছন্দান বস্'। 'লিতি চ' ইতি প্দস্তাল্ধা ভসংজ্ঞালা বাধনাং ওর্গুলভাবে ষণ্। বছঃ সমাৎ যােনেঃ জাতঃ উৎপান্ন দন অরোচ্পাঃ দীপাদে। ছান্দালো লছে। তং তাাদুলং ফােণিং জানন মমেদং উংপতৌ কারণং ইভাবগ্রহন আ বােহ জাবেন। মা পরিত্যাক্ষীঃ। অধ অনন্ধরং নঃ অমাকং রারং দনং বর্দ্ধর দমৃদ্ধং কুরু। 'নিপাত্ত চ' ছতি অধ্যক্ত দাংছিতিকো দার্ঘ্য। 'অলেসাং আণ দুল্যতে' ইতি বর্দ্ধান্ত্য দার্ঘ্য। ॥ (তকা---জল -২০ছ – ১০ ) ॥

বিংশং-সুক্তং।

দিভীয়া।

মধ্যে মচছ। বংশহ নং প্রভাঙ্ন: জ্যন। ভবা

প্র গো यष्ट विमार পতে धनका मिन नस्त्र्ग्॥२॥

পদ-পাঠঃ ৪

আংলে। আছে। বলা ইহ। নঃ। প্রচঙা নঃ। স্ক্ষনাঃ। ডক্ষ

व्हा नः। यहा विभाम्। भट्छ। धनश्लाः। भामः। स्था स्था स्था

তে অংগ ইং অমিন ফলে প্রাপ্তবে ন: অমান অচ্ছ বন। 'নিপাতক্ষ চ' ইতি লাংহিতিকো দার্ঘ:। আভিমুগোন প্রিগং ক্রেহ। তথা প্রতান্ত্ আমান প্রত্যাঞ্ন আমানি প্রকানাং প্রজানাং
ক্রিমানরাজ্মনা পালক। 'মুবামান্তি প্রালবং স্বরে' ইতি ষ্ঠাঞ্চনা আমান্তাম্প্রবেশাল্ ক্রিমানরাজ্মনা পালক। 'মুবামান্তি প্রালবং স্বরে' ইতি ষ্ঠাঞ্চনা আমান্তাম্প্রবেশাল্ ক্রিমান্তিক চ' হাত ষ্ঠানে ত্রিসম্পায় এ আইনিকং অনুধান্তবং। হে তালুল অংগ নঃ অম্ভাব প্রেমিট ধন্দা ইতি বিশেষ্ট্রমাণ্ডাল্ অবাৎ অন্ত বনানীতি ল্লগ্ডি আমান্তি আমানিক্রিমান প্রালি হতার্বং। যুভত্বং নঃ অমাকং ধন্দা আল ধনানাং দাজা ভ্রাস্থ। ধনানি ধানুং স্মর্বস্থ্যে ব্রালিডাবং। এ ( একা – ৪ অ—২০ স্—২ম্ ) ॥

क्रिंगा।

बा (ना यक्टवर्यामा आ ७१३ आ त्ररूपा ७३।

প্র দেবী: લ્યાં કૃત્રાં તશિ દેવની મેવાં દેવા હા

. श्रम-शार्थः ।

थै. वैदानहार सम्हर्जु। અર્ધોત્રાા તથા અગલા હકા દુકજ્યાલ

थ्या ५ दनवी:। थ्या ७ ७। ४ तुः। अध्या (नवीः मराष्ट्रा स्माकः

নঃ অশভাং অর্থামা দেবঃ প্রাক্তিত বৃষ্ণাতব্যংখনং তৎ পর্বং দিশাতু। লাণ্ লাধ্যাল আশি 'পাড়া।' ইত্যালিনা বছোলেনঃ। ভস্ত বৃহস্পতি চ ইমাবপি লেবে অশভাং ধনং প্রান্ত্রালয় পাঠাং সুইভালেগে। 'উভে ব্যক্ষাভিঃ। 'তথ্বতোঃ করপভাঃ।' ইভি পারক্রালয় পাঠাং সুইভলোপা। 'উভে ব্যক্ষালয় হৈ ইতি উভর্গদ প্রকৃতিস্কর্ম। দেবীঃ দেবাঃ ইন্ত্রালীপ্রভ্তয়ঃ ধনং অশভাং প্র বছরে। অনি 'বা ছন্দি' ইভি প্রদাবর্দিই। উভ
অপি চ স্মৃতা প্রিরণাপান্দ্রক। দেবী দর্শতী র্মিং ধনং মে মহাং (প্র দ্ধাতু) প্রথ্ছতু।
শোভনা চাপে। এটা চেভি স্মৃতা। প্রোল্রালিম্নি রুপনিদিঃ॥ (ওকা – ৪অ – ২০স্ – ৩৯)॥

চতুথী।

শোদং রাজানমবসেরিং সীভিইবামতে।

শোদং রাজানমবসেরিং সীভিইবামতে।

শাদিত্যং বিষ্ণুং সুর্গাছে ক্রেক্রাণং চ রহস্পতিন এ ৪ ছ

পদ-পাঠ:।

শিক্ষা রাজানম্। জবলে। অধ্যন্। গী:হভি:। হবামতে।

শোদক্রম্। বিষ্ণুণ। হ্র্যাণ্য ক্রিক্রাণ্য চ। রহস্পতিন্ । ৪ ॥

রাজানং রাজমানং। যথা ঈশরং। 'লোমোন্সাকং ব্রাক্ষণানাং রাজা' ( হৈও লংও ১৮০০ ২) ইজি শ্রন্থে। তাল্পং লোমং আহাং চ অবলে আভ্যত্তলপ্রলানের রক্ষণাধ্বীর্জিঃ স্থতিরপাভিয়াগ্রিঃ হ্বামহে আহ্বয়ামঃ। তথা আদিওাং আদিওোং পুরং। 'মিরুল্চ বরুণভার' ( তৈও আও ১০০০ ) ইত্যাদিশ্রতাম্বরপ্রসিদ্ধং দেবং বিষ্ণুং ব্রোবক্রমং ক্রণং আহ্বায় লক্ষব্যাপিনং লেবং স্থাং লক্ষত প্রেরকং মঙলান্তর্বনিভিন্নম্পুক্রর গং দেবং ব্রহ্মাণং এবাং দেবানাং শ্রন্থীরং প্রজাপতিং ব্রহ্পতিং এবাং হিতকরণে অণান্তরং এতংসংশ্রহ চ। তান্ এভান্ আদিত্যাণান্ দেবান্ উক্তপ্রয়োজনাদ্ধরে হ্বামহে ইতি লম্বর্জা। ৪ চ

পক্ষ্মী।

। ।

বং না অংগ্ল অগ্লিভ ক্রিয়া।

।

বং নো দেব দাতবে র্গ্লিং গ্লার চোদ্য । ৫ ।

#### भव-भावेर ।

তে অংশ ছং অধিভিঃ ছবিভৃতিরূপৈর সৈরিধিভঃ দার্দ্ধং নঃ অস্থাকং একা মন্ত্রময়ং ভেংদাণাং যতাং চ করিও ফলদমূহং কুরু। তে দেব স্থং দানবে চরুপুরে।ডাশাদিহণীংৰি দ্ভবতে (লঃ) যক্ষধানায়ঃ রয়িং ধনং দানায় দানার্থং দোদয় প্রেরয় । ধা

यष्ठी।

हैसानाश् छिकानिह स्ट्रिक्ट रनामरह।

। ঘণা নঃ সর্বব ইজ্জনঃ সঞ্চ্যাং **ই**শন।

আনুদ্দানকাম চ নো ভূবং। ৬ ।

**नम**∙नार्ठः ।

हेलावायू हेलि। छेटको। हेद। अवस्था। हेद। इसमारह।

भगर। सानक्रकामः। छ। महा खूनराका

ইশ্রুক বায়ুণ ইশ্রবায়ু। 'বেবতাবন্দে চ' ইতি প্রাপ্তত্ব আনদ্ধ 'উভয়ত্র বারোঃ প্রতিবেধা বজনঃ' ইতি প্রতিবেধা। 'বেবতাবন্দে চ' ইতি উভয়ুপদপ্রকৃতিব্যহত 'নোভরগবেশুলা-ভাবে।
ভাবে। ইতি প্রতিবেধা। 'নুয়ালত' ইতি অব্যানাভ্যানে কিং নিমিভঃ ইতি ভলু আহ বি অনিন্ কর্মনি হ্লাইন্ ক্রেন্ ক্রেন্ন ক্রেন্ত ক্রেন্ত্র বিভ্লাক্রেন্ন ক্রেন্ত ক্রেন্ত্র প্রক্রিক্র ক্রেন্ত্র ক্রেন্ত্র বিভ্লাক্রন্ত ক্রেন্ত্র ক্রিন্ত্র ক্রেন্ত্র ক্রেন

আশাং কিনদ্ব: সুষ্ ইতি শল্। 'লিভি' ইভিপ্রতায়াংপুর্ব ছোলাত ছং। 'শ্বাং শ্বৰুক্-' ইতি
পুর্বন্বলিখিঃ। যশাদ্ এবং শ্বহ্বানৌ তথাদ্ আহবরাম ইতার্থঃ। যণা নঃ আখাকং দর্বই ইং
লব্ব এব জনঃ গলতাং দলমনে প্রাপ্তো শ্বমনা অগৎ শোভনমনছে। ভবেং। ন কেবলং
দৌমনশ্বেষ প্রার্থাতে অশি তু দর্বো জনঃ নঃ আখতাং দানকামশ্চ দানভিলাবযুক্ত চ বংগ
ভূবং ভবেং। তথা আহবেগাম ইতি শহস্কঃ। অত্তেভিশতেশ্চ লেটি অভাগমঃ। 'ভূমুবোজিঙি'
ইতি গুণাভাবঃ। (৩০।—৪অ - ২০২—৬ম)।

मस्यो।

व्यामगः त्र्रेण्याजिमसः नानात हानैता।

খাতং বিযুঞ্ পরস্থতীং প্রিভারং চ বাজিন্ম্॥ ৭॥

नव-नार्यः ।

| | । । । বাভস্। কিছুম্। সরস্ভীম্। সুবিভারম্। চ। বাজিনম**ুঃ** ৭ ॥

তে তোতঃ অর্থমাণীন শেবান অমতাং (দানায়) অভিনত্কলদানায় চোলয় স্থাতা প্রেরয়। যথা তে তুটাঃ অমতাং ধনং প্রয়েছান্ত তথা স্থাতবাকৈয় ডোধংয়েত্যবং। তথ বাচং ইতি শ্রমত্যাবশেষণং বাগুলা যা শ্রমত্যাত। এ০চ্চ নদার্মায়ান্ত জ্ঞানর্ভার্বং। আজনং ইতি স্বিত্বিশেষণং। বাজঃ অলং বেগোবা ভ্রতং স্বিতারং ইতি ॥ १॥

व्यक्तिश्री

। । বাজভ সুপ্রধাবে সংবভূবিষেমা চ বিশ্বা ভূবনাল্যস্ত:।

फें छ। निरम्बः पाण्याञ् अकानन् ततिः ह नः मक्तिनेतः नि यह्ह ॥ ৮ ॥

어까- 어(5: 1

া বাজসোহ। আহিনবো সম্। বভূবিম। ইমা। চ। বিখা। ভূবনাৰি। আভঃ 🗯

উত। অদিংশণভাষ্। দাশরজু। এইজানন্। ররিষ্। চ।

नः। नर्सद्शीतस्। नि। यक्ष्राप्तः।

নাজত অন্নত প্রস্থাবিদ্যারে তর্ত্তিত কর্মণি বা তু কি প্রাং বন্ধ নং বভূবিদ্ধ সম্প্রাপ্তা অভ্য । বহা বৃষ্টাবিদ্যারেণ অন্নত্তেশালেকা দেবো বাজত প্রস্থা। 'স্বজ্ঞার ছন্দি বজ্ঞানা বৃষ্টা অলক্ষা লবদক্ষা। (বাধণ) ইভাদিনা উত্তরপদাক্তোলাভবং। ততা সম্প্রাপ্তাহা উপাপদর্ভ ইমা চেতি। ইমা ইমানি পরিভূত্তমানানি দিখা বিধানি লক্ষাণি ভ্বনানি ভ্তজাতানি অল্যা বাজ্ঞানবত মধ্যে বর্ত্তত্তে। 'অল্লাদ্ ভ্রতানি আলত্তে। আলাল্তা আলাল্তা আলাল্তা কর্মণা ভ্রতালিকার বর্ত্তে (তৈও আণ চাং) ইভাদিকাতে । ল চ বাজ্ঞানবা উক্তলক্ষণা প্রজানন লক্ষ্প্রাণিক্রমণগতং অভিপ্রান্তিশবং আনন্ উত্ত অলিংলতং দাতুং অনিক্রমণা পুরুবং দাপর্ভ বৃদ্ধিপ্রের্থনে অন্মতাং দানে প্রবর্ত্তরভূ। অলিল্ডং ইভি। 'লনি মীমাপুর্ভলভণ ইভাদিনা ইলাদেশা। 'লভার্ম্বান্ত্রেই ভিতত্তা। 'অল্ল লোণোভ্যালত্তা ইতি অভ্যানলোগ্য। নঞ্জ্যালে অব্যন্ত্রপ্রান্তর্বের্থা। তথা মা অন্যাক্ষ রিছং বিস্থমানং ধনং চ দর্ক্রীরং। বার্ধাজ্ঞান্তে ইতি বীরাঃ পুরোদর্ম। গুরুব্দির্মাং হাণ ইবৃগ্নির্মাং হাণ ইতি ছবং। (ওকা—৪ল—২০ভূ—৮ম)।

নবনী।

। ।

ছড়াং মে পঞ্চ প্রদিশে। ছড়মুকীগ্রথাবলস্।

! । ।

থাপেয়ং দক্ষা আকৃতীর্মনশা হলগেন চ । ৯।।

পদ-পাঠঃ।

প্র। আংশেরম\_। শর্কাঃ। আংহকুজীঃ। মনশা। জ্পলেন। চঃন।

444-08 ( 2) 2.0.05

म्भानी

शोगिनः गाठमूल्याः वर्ष्ठमा माञ्चानिहि।

আ রুদ্ধাৎ সর্ব্বভো বায়ুস্তপ্তা পোৰ্বং নধাতু নে ।। ১০।।

भन-भार्तः।

া গোহদনিন্। বাচন্ উলেয়ন্। বৰ্চদা। মা। অভিহউদিহি।

আলা। রুকাখু। পর্কতঃ। বায়ুং। ছটা। পোবলু। দ্ধাতু। মে ॥ ১০ ॥

গাং লনোতি প্রযক্ষতীতি গোলনিঃ। 'ছন্দলি বনদনবক্ষিমধাং' ইতি ইন্ প্রতারঃ। গবোপলক্ষিতল্ববনপ্রনাং বাচং অহং উদ্বেশং উদ্যালং উচ্চালং। বদ বাজারাং বাচি। 'লিঙ্ডালিয়ঙ্' ইতি অঙ্ প্রভারঃ। হে বাজেনতে মং বর্চনা তেম্বলা মা মাং অভ্যানিই অভ্যান্যক্ত। অভিমত্ফলং দাতুং মাং প্রাপ্নু হীত্যথা। 'লৈবানজনিতা দেবতা বং বাহুং' ইতি ক্রান্তরপ্রশিদ্ধা প্রাপ্না বাহুং ল্কাতঃ লক্ষাভ্যাে দিগ্ভাঃ আ ক্রমাং প্রাণান্ধনা আবৃণোতু। মা ক্রমাং প্রাণান্ধনা আবৃণোতু। মা ক্রমাং প্রাণান্ধনা আবৃণোতু।

( इंकि ) ज्ञीत्रकार७ हजूर्वश्यूवारक भक्षर प्रकः।

শমাপ্ত'শচতুর্থোকুবাকঃ।

नक्ष्मभूबारक नक्ष क्षानि। তळ 'रव अध्यः' हेडि श्रेथ्मः क्षान् । তळ जानिहः मछिडिः क्रियादमान्द्रज्ञृत्र्वार्षिक्यवादिनाखार्द्शः मनिषाद्रभट्यायदिक्यानि कूर्यादः। छात्रि ह-সম্পাতিতপালাশবুক্ষমণি বন্ধনং আজাতোমঃ পালাশনমিদাগানং পালাশেন উদ্ধানেন উদক্রোম:। পালাখ্রাং উদ্পোত্রাং ধ্বাম প্রক্রিপা উদক্ষতিত্যবহোম:। তথা অনেন: मभक्ति। मर्त्सन एएकन क्रनाष्ट्रिया गछन्तकः काम्मीननिष्द्रस्य मनिका छः मञ्चः भागाश्चाः দ্বা। প্রভাচে কুইরাং। তথা বশাশমনকর্মণি খনেন ভ্জেন বলাং অভিমন্ত্রা ব্রাহ্মণাক মন্তাং। তথা চ কৌশিকঃ। 'যে অগ্নয় ইতি ক্রেবালোপচতে পালাশং বধাতি। क्ट्रांडि। वाष्पांडि। डेक्क्ट्निन डेक्शांखांर गरान व्यक्तिताराहाला। ए। व्यक्त ইতি পালাঞা দৰ্ক্য। মহুং উপমধ্য কাম্পীলীভা৫ উপমস্থনীভাগে। শমনং চ.।\* (কৌ । ।) ইভি। তথা ৰশাং কা হবীংকি বা কাকোন্কখনাত্বালয়ে। গৃহীয়া গছেত্ব তৎ-श्राप्तिकार्यर चात्रन म्याकिन च्याक्रन चान्त्राः क्र्मार। ७२। ह. युवर। 'चर वटे बक्रर ৰপাং (বা) হ্ৰীংবি বা ব্যাংশি ছিপ্ৰচতুম্পুৰং বাভিমুখ্যাশগচ্ছেয়ুঃ বে প্ৰায়ঃ (৩.২১) ন্যো (मनवर्तकाः (.६।७७)' हेकामि ( को॰ ১०।०১ )। छन। वृण्मृगरमि व्याचाः मक्षकः भित्र-গণিতাঃ। ভততালা গণলা যত্ত্বত বিনিয়োগভত শর্মাত আলাং বিনিয়োগো ত্রষ্টকঃ। তথা শোষস্বন্দনে 'বে অথথঃ' ইতি দপ্ততির্জা জুত্যাং। উক্তং বৈতানে। 'যঞ বিজ্ঞানাক্তি ব্ৰহণু লোমোত্তন্' ইতি পক্ৰমা 'মে ( অমধ্যো) অংশ্যন্তৰিভি দপ্ততিরভিজুবোতি' ( বৈ -৩।৬ ), हेलि। चारमशांशास क्रवााळ्यमांमछत्रः गृहः चाग्र । '(र चन्नतः' हेलि मर्श्वाचारः জুত্য়াৎ। প্রিভং ছি। 'অভারি: (১২।২।৪৪) প্রভাঞ্চং অর্কং (১২২।৫৫) যে আয়ের: ( ०।२> ) नह्मा (तरवर्षणाः' (७।५०) देखि (१०० ।। १)। छटेजन क्रवानिएसः समहत्वः 'হিরণাপাণিং' ইত্যাদিভিরস্তাভিত্তিস্ভিঃ ক্রেণাদ্মৌ শক্তুমুহং ভুছ্গাং। প্রিতং 😝। 'ব্যাকরোমি (১২২:৩২) ইভি গার্হশভাক্রবাানে) শ্মীক্রতে' (কৌ•৯৷২) ইভি পক্রমঞ 'অলেভাত্মা (১২,২।১৬) হিরণ।পাণিং (৮—১০) ইতি শমর্মত' (কৌ০ ৯।০) ইতি । চাত্র্মাতে লাক্ষ্মণপর্মণ আভিখেটানস্তরং 'লিবং পৃথিবীং' (१) ইতানয়া অল্লাপক্ষ্মনং কার্যাং। উক্তং বৈভালে। 'উদশ্ব কেতবঃ (১৩,২) 'ইত্যাদিতাং উপভিষ্ঠত্তে। দক্ষিণাঞ্চে षिवर भूषितीर हें बाबीन' हें जि (देव• २।८ ) 🖡 📩

## ্ ভক্ত প্রথম।।

কে অন্নরো অণ্য ১ তথ্যে রুত্রে যে পুরুষে যে অশুফ্রে।

न वाविद्वर्तावक्षेर्याः क्रम्भ कीश्रहस्याः व्यवस्यस्य । > 19

অপ্ উন্তেষ্ অন্ত: মধ্যে যে অপ্তর: বাড্বাজা: সন্তি যে বা অপ্তরে আবরণসভাবে সেবে নৈছাভালিরপেন বিজ্ঞা। তৃৎ কো বৃদ্ধে থেম ইতি নৈরুক্তা: ইতি (নি॰ ২ ১৬) বাজনচনাৎ স্বন্ধে মেধবাচী। যথা বৃদ্ধে বৃদ্ধান্তর অভ্যৱবৃদ্ধি যে অথবা কুলুক্তা মাঞ্চ্বল্বীয়ে অলিভপীতপরিশামহেতৃত্ত্বন যে অথবাে বৈখানবাজনা বর্তত্তে যে বা অপ্তর্ম আব্দুক্ত বৃদ্ধান্তর আলিভাগ্রি অভ্যক্তিতে তথা বােগি: ওবণী ব্রাহিষবাদিরপাঃ ফলপরিভাগের্থ আবিবেশ যে আবিবেশ তেজাং লাক্ত্রাহাজেভাঃ অবিভাঃ এছৎ প্রেম্বাস্থ্যান্তর হা অভ্যক্তিতে তথা বােগি: ওবণী ব্রাহিষবাদিরপাঃ ফলপরিভাগে আবিবেশ হেজাং লাক্ত্রাহাজেভাঃ অবিভাঃ এছৎ প্রেম্বাস্থ্যান্তর হালিভাঃ কুৎক্ষা অসম ব্যাহাল বিশ্বাস্থ্যান ক্ষান্তর বিভাগ কুৎক্ষা অসম ব্যাহাল বিশ্বাস্থ্যান প্রায়াল বােগার বিভাগের বিভাগের বিশ্বাস্থ্যান বাালিছে। বায়া ইৎ অয়ে আমন্তরে অত্তে (ব্ ১ ২০৮১) ইতি । ১ ১

লোমে লতারণে অযুভ্ষররলপরিপাভার বোরিঃ অস্করাবিটা প্রবিধীঃ যক্ষ্য (পারু) উপলক্ষণ এতং। পোমহিবাদির গ্রামাণশুরু যোরিঃ অন্তঃ প্রবিটা পকং পরা করোভি। গোমিতি। গানেকাচে ইতি প্রপ্তিশ্ব বিভজ্যালাপ্তব্দ গানিক্ করা বিভাগে পাক্ষর বিভাগে পারি বিভাগে পার বিভাগে পাক্ষর বিভাগে পার বিভাগে পার বিভাগে পার বিভাগে পাক্ষর বিভাগে পার বিভাগ

ব্দহং বৈখানরো ভূষা প্রাণিনাং দেহং ব্যাশ্রিতঃ। প্রাণাশানদমাযুক্তঃ পচামালং চড়বিবিং।

ইতি (ভ॰ গী॰ ১৫।১৪)। দিশদ ইতি। বৌশদাবভেতি বিগৃহ সমাদে সংখ্যাদুপূর্বকুই ইতি পাদশবাদ্ধান্তালঃ সমাসান্তঃ। ততঃ দিনি 'পাদঃ শং' ইতি পদ্ধানঃ। 'দিকিডাং পাদমূর্ব্ব বছরীহৌ উন্তরশদান্তোদাত বং। এবং চতুম্পদ ইতাতাশি এবমেব রুশনিদ্ধিঃ। বছরীহৌ পূর্বাদপ্রকৃতিমারবং। তেভা ইত্যাদি পূর্বাবং॥ (৩কা—৫ম —২১২—২ম)॥

তৃতীয়া।

। । । |

য ইন্দ্রেণ সর্থং যাতি দেনো শৈশ্বানর উত্ত বিশ্বদাবা; ।

। । । । ।

যং জোহবীমি প্তনাস্ন সাগহিং তেভ্যো অগ্নিভ্যো ত্তমস্কেতং ॥ ৩ ।।

পদ-পাঠ:।

বং। ইক্ষেশ। সংরথম। যাতি। দেব:। বৈখানর:। উত্ত। বিশ্বহদাবা :।

বং। ইক্ষেশ। সংরথম। যাতি। দেব:। বৈখানর:। উত্ত। বিশ্বহদাবা :।

বুলা ভাষ্ঠিত বিশ্বহদাবা :।

অধ্যিহত্যা:। ইত্যা অস্তা এতং। ০।

যো দেব: দানাদিগুণবৃত্তোরিঃ ইণ্ডেণ সর্থং শ্মানর্থং একং রণং আরুছ্ যাতি গছতি। অন্রো: শ্মানর্থত্বং চ 'য ইক্সানী চিত্রত্যোর্থো বাং ইতি (শ॰ ১০০৮০) দ্বালারে শেষ্ট্রং অন্বর্গতং। যুশ্চালিঃ বৈশানরঃ 'বেখনর্ভিতঃ উত্ত, অণি চ বিশ্বদাবার বিশ্বদাব্যক্ষী বিশ্বস্থ দালালিঃ তথা প্রনাম শংগ্রাহ্যবৃ শাদ্ধিং অভ্যর্থ অভিভিত্রারং বং আগর্থণপ্রশিদ্ধং শাগ্রাহিকং অরিং লোচনীম অরার্থ চোদিতৈইবিভিঃ পুনঃপুনর্ভ্রোমি যুদ্ধা মৃদ্ধাল্যালিং পুনঃপুনরাহ্বগামি। 'হোঃ দ্ব্যারণং' শিক্সভাত্য চ

ইতি হ্বলুডেঃ দম্পারণং। 'গুণো যঙ্কুকোঃ' ইতি অভাগত গুণঃ। 'অসুলাতে চ' ইতি অভাতাত্বাণাভবং। 'অভারং অলিং পৃতনাত্ম লাসহিং' (তৈও লও ৪১১১০২) ইতি অস্তাত্বরং। ভেতাইভাদি গুড়ং। (ওকা জ্যে—২১ছ—এম) ছ

চতুৰী।

(মা কেবো বিশ্বাদ যমু কান্মনাত্ৰ্যিৎ দাভাবং প্ৰতিগৃহ্নন্ত্ৰনাত্ৰ।

। । । ।

মো শীরঃ শক্তঃ পরিভুর্নাভ্যান্ডভেন্য ক্রিভ্যো ত্ত্নন্ত্ত্ৰ। ৪।১

পদ-পাঠঃ।

া বং। বীরঃ। শুক্রঃ। পরিষ্ট্র: অন্তঃ। তেতাঃ।

व्यक्तिकारा इन्हा वजा उन्हा ह

খো দেন: দানাদিগুণযুক্ত: শব্মি বিশাং বিশাং দর্বাং শক্ত ভক্ষরতীতি বিশাং। 'লাদোন্ত্রে' ইতি বিট্ প্রতারঃ। বং উ উপস্থ অবধারণে। ব্যমনাবিং কাম্বং কামবিতারং কামানানকলাস্থকং বা লাভঃ কথরন্তি বথা বং শব্ধিং দাভারং ইইফলক প্রদাভারং প্রতিপ্রকাশ্বে প্রতিপ্রতার প্রতিপ্রতার প্রতিপ্রতার কাম লাভঃ কুকরে প্রতিপ্রতার চ লাভঃ কুকরেছি যশ্চারিঃ ধীর: শীমান শক্রঃ লাকাবার্যার শক্তঃ। লাক্র শক্তেন ইতাসাং ক্ষায়িতকীত্যাদিনা (উ০ ২০০০) রক্। পরিভঃ শক্রবাং পরিতবিতা ক্ষায়াঃ কোনিদিশি ক্ষাহোলঃ। বেকা, উত্তারি গতং । (০কা,—১ন —২০০্—৪ম) ।

পক্ষী।

| | | | | | |

বং ছা হোভানং সন্গাভি গংবিছস্ত্রেয়াদশ ভোগনাঃ প্রু মানসাং।

| | | | | | |

বংচ্চাধণে যুশ্যে সুনুচারতে ভেড্যো অগ্নিভ্যো ভ্রমস্তেহ।। ৫ ৮

পদ-পাঠ:।

বৰ্। খা। হোভারম্। মদণা। অভি। দুম্ংবিহঃ।

TRINGEL (MIRTIE) NO. MITTE

खन्नः १ एको वर्गः । ११ । मामवाः ।

বর্চঃ হবলে। বৰ্লি। সন্ভাহৰতে। তেভাঃ। আহিছভাঃ। ছতং। আছে। এডং। ১ ।

टि चर्म वर ची चार (टालावर तनवागार चाव्यालावर समना वृद्धा चिल नश्विमः चालि-মুখোন লংবিদান্ত লমাগ্ জানতি। 'বিলো লটে। বা' ইতি ক্রেক্লাদেখা। কে পুনত্তে ইত্যাহ। অস্বোদশ অগ্নশ্চ দশ চ অস্নোদশ। 'অেক্সঃ' ইতি ত্রিশক্ত পূর্বপদ্ত ত্রুস্ আবেশঃ। 'नংখ্যা' ইভি পু-রিপদপ্রকৃতিকরত্বং। এরোদশসংখ্যাকা ভৌগনাঃ। ভবভি দতাং বভতে অবিন ভতজাতানীতি ভূবন: দংবংদর:। ভবতেরৌণাদিক: কুান প্রভার:। তৎস্থ স্থিন দৈত আছা মাণা ভৌবনাঃ। তে বি সংবর্ণাহম্প জাবোন অধিমানেম সহ অলোদশ ভবতি। 'অতি অলোদশো মাল ইতাহি:'(তৈ । ল । ।। । । ইতি হি বাক্ষাং। ভথা ৰানবাঃ মতুনা স্ট্যালে কল্লিতা বদস্বাস্থাঃ পঞ্চবঃ। হেমস্তলিবিরল্লোঃ দমানাভিপ্রায়ং এতং 👔 পঞ্জিণঃ দম্পদ্র ছেতি হি আহ্মাণ ইতি যাস্তঃ (নি • ৪২ ) বছা। 'বিশ্বকর্মান ভৌবন মাধ দিদাদিথ' ( ঐ॰ বা॰ ৮।২১ )। 'বিশ্ব দর্মা ভৌগনঃ স্বান্থানি দ্বাণি ভূভানি জুছ্বাংচকার' (নি॰ ১০া২৪) ইত্যাদিশ ভাষরপ্রাদির। ভূগনাগার মহর্ষে: পুরা বিশকর্মাভ্তয়য়৻eাদশ-শংখ্যাকাঃ। পঞ্চ মানবাঃ মিবালপঞ্যাশ্চতারো বর্ণাঃ। গল্পপাঞ্পরশো দেবা অপ্ররা রক্ষাংসি रेट्यारक । अवयाञ्चकाः नर्स्य पार व्यक्ति नरिवृद्धि नष्यः । छटे प्रवाक्ति। वर्क्त एक्या দণাতি ধারছতি প্রবক্ত্তীতি বা বর্চেটাখাঃ। দুধাতেরত্বন্ প্রতান্ধঃ। ঘুল্লে যুল্ভিনে। यहा नाश्च तरछ। অশু বাজীে ইত্যাৰ অশের্টি চ ( উ॰ ৪।১৯॰ ) ইতি অসুন বুডাগম-চ। খনুচাৰতে। প্রিয়ণভাাত্মিকা বাক্ খনুচা। তথতে এবংভূতার তুভাং ভেডাঃ প্রাঞ্জেভা-षिक्षृष्ठित्रत्नचाः व्याधिकास्ट। गठर वजर। (०का-स्व—२>ए—स्य)।

मछी।

। । । । । উক্লালায় বশানায় সোমপুঠায় বেণসে।

। । । বৈশ্বানরজ্যোজিভাজেভা অগ্নিভ্যো হতমক্তেও ॥ ৬ ।।

পদ-পাঠঃ।

। । উক্তম্মরায় । বশহিত্রায় । শোমহপুঠার । বেগণে ।

देश्योनत्रक्त्वार्ष्ठ छाः। एक छाः। च व्यवस्थाः। एक राज्यस्थाः ।

উক্ষান্নার। উক্ষাণঃ দেচনসমর্থা রুষভাঃ। তে হবিরাম্বন। অনুং বৃষ্ঠ দ তংগাক্তঃ।
(তবৈ )। বশান্নার)। বশা বক্ষা গাবঃ। তা অনুং যক্ত তক্তি। সোম গঠার হুরমানঃ
লোমঃ পৃঠে উপরিভাগে যক্ত ল লোমপুঠঃ। তক্তি। বেগলে আছতিছারেশ শর্কান্ত
অগতো বিধান্তে। বিধ বিগালে ইত্যামাৎ অন্তন্। মর্গাত্তে হি।

আরো প্রান্তান্তার উপভিষ্তে।

चानिकाक्षित्र उष्टिन् रहेरत् । का श्रीका

ইভি (ম॰ খু॰ ৩ ৭৬)। তেখো বৈধানরলে। র্ছভা: এক উক্ষার:। অপরো বর্ণার:।
আন্ত: (নামপূর্চ:। তে নর্কে বৈধানরজার্চাঃ। বিধানরতিতো জাঠররপেনাথছিতোহ রির্জ্যেচাঃ
আন্তলো বেবাং। ন খুনু জীবনসভায়ামপি উক্ষান্তিনীরং অন্তপ্রবিশ্ত ভূত্তে
সংজ্ঞপনোত্তরকালং অংক্রাবাং অগ্রীনাং ভোগ ইতি জ্যার্থকনীর্ঘভাব:। ভেডাঃ
ইত্যাদি পতং। (ওকা - ৫ অ-- ২১ ম্ব-১ ৮)।

मक्षमी ।

। শিবং পৃথিবীমন্তরিক্ষং যে বিত্যুভমসুদংচরন্তি।

বে দিক্ ১স্তর্য্যে বাতে অন্তন্তেভ্যে। অগ্নিভ্যে। ত্তমন্ত্তৎ ॥ १॥

পদ-পাঠঃ।

। । । দিবদ। পুৰিবীম্। অফু। অভৱিক্ষন্। বে। বিংৱাতম্। অফুংসংচরভিত্য

(वः क्लिक् । चवः। (यः। वाट्डः। चन्नाः। (उच्छाः। चविरचाः।

ছচম। অস্ত। এতং। १।

দিবং ছালোকং পৃথিবীং ত্লোকং অন্তরিক্ষং অন্তরা কান্তং ভাষাপৃথিব্যার্থানার্থিনং লোকংচ অন্তথিতি যে অধ্যয় গঞ্চরন্তি। যে চবিছাতং দেবস্থিতাং তড়িতং বিভোতমানং ক্যোতিশ্টক্রংবা অন্তথিতি লঞ্চরন্তি। যে চাধ্বঃ লোক্ত্রেধ্যালিকাল্প নিক্ষু অন্তঃ মধ্যে বওজে। যে চ বাতে বাযৌ লক্ষ্পেলাণারভূতে স্ত্রাত্মনি অন্তঃ লক্ষ্পিয়। তেডাঃ ইত্যালি গতংগ (ওকা-৫অ-২১ক্-৭ম)।

णार्थभी।

হির্ণাপাণিং শবিভারনিজনে রহস্পতিং বরুণং নিজমরিং।

্বিখান্ দেবানিসিরবো হ্বাম্ছ ইমং ক্রব্যাদং শ্মর্ভুগ্নিম্।৮।।

**भन-**भार्ठः ।

হিরণাংপাণিমী সণিতারম। ইতাম। রহম্পতিমা বরণমা মিঞাম। আলিম্।

় । । । বিখান্। দেবান্। অপিরবঃ। হবানহে। ইন্ম্। ক্রেম্ভল্ম্। শন্ময়ভ্রা অভিন্য ৮ ॥

হিরণাণাণিং। ত্রোত্ভ্যো দাত্ং হিরণাং পাণো যস্য দ তথোক্তঃ হিতরমনীয়ণাণিঃ হিরণানাণিং হিরণারহন্তো বা। ক্তশ্চিৎ কারণাং ছিরহন্তলা দবিতুঃ হিরমায়ে হতঃ প্রতিনিহিত ইত্যাথ্যায়িকা। অত এবানাত্র আয়াতং। 'হিরণাহত্তো অপ্রঃ প্রনীধঃ' (বা ১০৫০) ই টি । ঈদ্দং দবিতারং দর্মত প্রেরকং দেবং ইপ্রাদীংশ্চ বিখান্ দর্মান্ দেখান্ অক্সরণ এতংসংজ্ঞকান্ মহর্মীন হ্যামহে আহ্বয়ামঃ। যথা অক্সিরসং আক্রিদ্পোত্তা বৃষ্ধ ইতি যোজাং। তে চ আহ্তাঃ দবিত্রালয়ঃ ইমং ক্রেয়ালং। ক্রয়াং মাংলং মতীতি ক্রবাথ ছুটোয়িঃ। 'ক্রেবা চ' ইতি অদেক্ষিট্ প্রতায়ঃ। ঈদ্পং অয়িং শমর্ম্ম শান্তং ক্রেম্ম। (ওকা—হজ্—২১হ—৮ম)।

गवयो ।

भारसः क्षाः क्षाम्बासः भूक्षमरवन्धः।

#### পদ-পাঠঃ।

ষঃ ক্রেনাং উক্তেবিণঃ আরি: সাবিত্রাদীনাং অফুগ্রহাৎ শান্তঃ স্থাকরো ভবতু। যঃ
সুক্রব্রেষণঃ পুক্রবন্ত হিংসকোগিঃ লোণি শান্তঃ স্থাকরো ভবতু। অপো অণি চ যোরিঃ
বিশ্বদাব্যঃ স্থাত দাহকো দাগারিঃ তং ক্রেরালং মাংসভক্তং অয়িং অশীশমং শান্তং অকার্থ।
স্মের্থান্তাং সৃত্তি চিন্তি রুণং॥ (ওকা – ধেমা — ২১ছ্ – ১ম)॥

# 

मभगी।

বে। পর্বভাঃ। দোমহপুঠাঃ। আবাপঃ। উতানহশীবরীঃ।

খাতঃ। পর্জেকাঃ। আগাং। অনিঃ। তে। ক্রেবাহআবদ্ধ। অশীশমন্। ১০ ।

লোমপৃষ্ঠাঃ লোমঃ পৃষ্ঠে উণরিভাগে যেবাং তালুশা যে পর্বতাঃ মুঞ্জবংপ্রভ্তয়ো গিরয়ঃ লিন্তি উদ্ধানশীবরীঃ উন্তানশ্বন্যকাবা বা আশঃ দক্তি। 'অন্তেভ্যোপি দৃশ্বতেই ইতি শীঙঃ কনিশ্। 'বনো র চ' ইতি ভীরেফৌ। আদি 'বা ছন্দিনি' ইতি পূর্বানবাদীয়াঁ। বাতাদয়ঃ প্রানিদ্ধাঃ। আং ইতি আনভ্যাবাচী। তে দর্বে অফুক্রান্তাঃ পর্বতাদয়ঃ ক্রেব্যাদং মাংসভক্ষকং উপক্রেক্রারিণং অবিং অস্থীশন্দ শান্তং অকুবত। ইতঃ পরং নামাকং ভ্রশক্তা বিশ্বত ইত্যুর্বাঃ (০কা-৫ল-২১৮ ১০ম)।

#### ( ইভি ) ভূতীয়ে কাণ্ডে পঞ্চেমকুবাকে প্রথমং হক্তং ৷

'হতি নর্চনং' ইতি বিতীয়স্তকেন ভেলস্বামো হতিদন্তং স্পৃষ্টা উপতিষ্ঠতে। তথা ছব্তিদন্তমণিং অনেন দস্পাত্য অভিযন্ত্র ব্যায়াং। তৎ উদ্ধেং কৌলিকেন। 'মমাধে বর্চাঃ ﴿ ১৩ ) ইতি বর্চানা (কে) - ২.৩ ) ইতি প্রক্রমা 'হতিবর্চানং ইতি হত্তিনং হাতিদত্তং ষপ্পতি' ইতি (কে) । ২।৪)। তথা শংলন হকেন পুরোহিতো হতিনং অভিমন্ত্র রাজ্যে প্রাতঃপ্রাতঃ প্রথাছেত । তথ উদ্ধেং গরিশিষ্টে। 'অধ পুরোহিত কর্মানি' ইতি এপ্রক্রম্যা 'বাতরংহাঃ (৬৯২) ইতাখং হ'ন্তবর্চসং (৩২২) ইতি হন্তিনং ইতি (প০৪১)। 'বাজাীং ব্রহ্মবর্চসংকাম স্বর্ধানা ব্রহ্মবর্দি করে কি ১৭) বিহিতায়াং ব্রাহ্মধানা দে মহাশাস্তে হন্তিদক্ষমণিবন্ধনেশি এবং স্কেং। তথ উদ্ধেং নঞ্চক্রের 'হন্তিবর্চ্চশং ইতিন্দ্র ব্রাহ্যাং' ইতি (ন০ ক০১৯)।

হতি গর্মন হত্তে প্রতীত হতী গল:। 'হতাজ্ঞাতে)' ইতি প্রকাভাবতিধেরারাধ্ ইনিপ্রতায়:। তত্ত মং সর্চঃ অধ্যুল্প তেল: তৎ হতি গর্মন তিলাং কর্মিরা ইতি অচ্সমা সাজঃ। তৎ প্রপ্রতাং অমাত্র প্রণিতং প্রকাতি হতা থাকে প্রধানে ইতি-শত্ঃ। কীলুলং তৎ হতিবর্চনং ইতি তৎ আহ অদিতা ইতি। অদিতি: অধ্যাতিং তেলাং শত্ঃ। কীলুলং তৎ হতিবর্চনং ইতি তৎ আহ অদিতা ইতি। অদিতি: অধ্যাতিং তেলাং শিল্পান বা দেবমাতা। ভ্যাঃ তহঃ শরীরাং মং বৃহৎ মতৎ আধিকং বলং প্রধাতিং তেলাং শত্র সমুহণালং অভবং। তৎ এতৎ কলঃ বিধে সর্বে দেবাঃ তৈঃ সন্ধোধা সমানপ্রীতিঃ অদিতিশ্ব সংক্ষে সন্ধু মৃষ্ণ তেলাং সমানপ্রীতিঃ অদিতিশ্ব স্বে স্থা। একা লক্ষ্য প্রবিদ্ধান স্থাতি বিধি স্বিতি বিধি স্কৃ। ॥ (একা – তলা – ২২২ – ১ম.) ।



# বিভীগা।

। । । গিত্রশ্চ বরুণখেচন্দ্রে। রুদ্রশ্চ চেভতু।

(मवारमा विश्वमाधमरस्य माञ्जस्य वर्ष्टमा ॥२॥

**शम-भा**ठेः ।

মিঅরঃ। চা কুলঃ। চা ইক্রঃ। কুলঃ। চা চেভজু।

। দেশাস:। বিশহণায়স:। তো মা। অংগ্রা কর্চশাং২॥

অভরতিমানী দৈবো মিত্রঃ। বরুণঃ রাত্রাভিমানী। ইক্রঃ পরমৈখুর্যাযুক্তঃ স্বর্গাদিপতিঃ। রোলয়ভি দর্বং অস্তকালে ইভি ক্রঃ দংগুর্টা দেবঃ। রোদের্গিল্ল্ চ ( উ॰ বাং ২ ) ইভি রক্ প্রভায়ঃ শেশ্চ লুক। এতে দর্বে প্রভাকং চেভ্ছা অন্ত্রাগহায়ঃ ইভি মাং জালাড়। চিত্তী শংজানে। নিশ্বধায়দঃ বিশ্বং দর্বং জগৎ দ্বতি পোষয়ন্ত্রীতি নিশ্বধায়দঃ। বহিলাধাঞ্জাশ্চদদি (উ॰ ৪।২২॰) ইভি বিশ্বশব্দেশপদাহ দ্বাভেরস্থন্ প্রভায়ঃ। শিদিভামুর্ত্তেক্ত নিশ্বভাবহে 'আভো বৃক্ চিণ্রুতাঃ' ইভি বৃক্। বিশ্বপ শোলকাঃ তে পুর্নোজনা মিত্রাদয়ো দেবাদঃ। 'আজ্লেরস্ক্'। মা বর্চজামং মাং বর্চনা কামামানেন তেজসা মঞ্জ অক্তং আলিইং কুর্বজ্ব। অঞ্ বাজিয়ুক্তণ (কান্তি) গভিরু। 'প্রণারলোণঃ' ইভি স্কারলোণঃ। 'খাললোণঃ'। (তলা—৫ ল—২২ত্ –২ম)।

তৃতীয়া।

থেন হস্তী স্ক্রচিশ। সম্বভূব ধেন রাজা মতুয়ে স্থিত্য স্তঃ।

যেন দেবা দেবভাষতা আয়ন্ **খেন মা**ষতা

। বর্চসাগে বর্চস্থিনং কুণু । ৩ ॥ পদ-পাঠঃ।

শুলা বৰ্চিশা। অংখা বৰ্চিশিন্দ। কুৰু।৩।

যেন বর্চনা বলকরেণ ভেলসা হস্তী গলঃ সম্বভ্ব সম্প্রাপ্তান্তন মন্ত্রের ।
মনোরপভার্। 'মনোর্জ্লাতাবঞ্জাতী ধুক্ চ' ইতি মন্তুলনাং যথ প্রভারঃ বুগাগমণ্চ। 'ভিৎ
পরিতঃ' ইতি অলম্বরিতবং। মন্ত্র্লাভী ধেরু মধে। যেন বর্চনা রাজা নুলভিঃ বর্চনী
ভবতি। তথা অপ্যু উদকের্ অলঃ মধে। যেন বর্চনা প্রাণিনো বর্চলিনো ভবন্তি। বলা।
আপা ইতি অন্তরিক্রনাম। অপ্যু অন্তরিক্লোকে অন্তঃ মধে। তত্ত্ব সঞ্চারিণো বক্ষপক্ষরিলয়ঃ
যেন বর্চসিনো ভবতি। দেবাঃ ইন্তালয়ঃ অত্রে স্টাগেলী দেবতাং দেবতাং ঘেন বর্চসা
আয়ন প্রাপ্তান। হে অয়ে তেন সক্রেণ বর্চনা অন্ত পশ্লন কালে মাং বর্চনিনং ভেজবিনং
কণু কুরু। বর্চিশিনং ইতি। ভদ্ধিতব্রভান্তর্গত প্রাণি বর্চগো বর্চগৈতি পুনরুপালানং ভেনেভি
বিশেষণ্যস্থার্থং বাচং অবোচং ইতিবং। ॥ (একা— তেল—২২স্—এম)।

চতুর্থী।

যং তে বর্চেটা জাভবেদো রহদ্ ভবভ্যাত্তেঃ।

যাবং সৃধ্যক্ষ বর্চে আর্রক্স চ হস্তিনঃ।

যাবং সৃধ্যক্ষ বর্চে আর্রক্স চ হস্তিনঃ।

ভাবংম ক্ষানা বর্চি আ, ধতাং পুকর্মকা ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

যং৷ তে। বর্চিঃ। জাভহবেদ্যা রহং৷ ভবভি। আহততেঃ।

যাবং৷ স্থাক। বর্চিঃ। আল্রক। চা হ্যিনঃ।

ভাবং৷ মে। অধিনা। বর্চিঃ। আ। গ্রাণ্য প্ররহ্মকা ॥ ৪ ॥

হে জান্তবেদঃ জাতানাং বেদিতঃ হে জান্ততে জান্ততি তুর্মানারে তে তব রুহৎ জাধকং বং বর্চা তেলো তব তি প্র্যাপ দর্শবিশ্রক স্থা আদিতাপ যাবং যংশরিমাশং বর্চা তেলোতি। 'যাল্লেলেতেতাঃ পরিমাশে বতুন'। 'আ দর্শবিনারঃ' ইতি আলাং। 'রাজস্মপ্র্যাণ' ইত্যাদিমা প্র্যাশক্ষঃ কাবছো নিপাতিতঃ। তথা আল্রম্ম অপুরাণাং দছিলো হতিনশ্চ যাবং মর্চাতি তাবংশরিমাশং বর্চা মে মছং পুর্বজ্ঞা শল্পবিগল্পতে) অধিনা অধিনো দেশে আন ধতাং স্থাপরতাং। প্রথক্তাং ইত্যর্থঃ। অধিনা পুর্বজ্ঞা ইত্যুভয়ত্ত 'স্থাং পুর্কৃৎ' ইতি স্থপ জাকারঃ॥ ( ০কা - ৫ল - ২২ প্ - ৪ম ).॥

চতন্ত্ৰ: চতুংশংখ্যাকাঃ প্ৰ'দশং প্ৰকৃষ্টাং প্ৰাচ্যাত্ম মহাদিশঃ যাবংশবিমিতং বাাপুৰক্তি।
ভথা চত্তুং ব্ৰণপ্ৰাহকং ইন্দ্ৰিয়া যাবংশবিষ্টে নক্ত্ৰমণ্ডলাগৰি সমগ্ল সমাগ্ৰাপ্ৰেতি ভাবংশবিষাশং ইন্দিয়া ইন্দ্ৰিয় শবিষ্ট্ৰিয়া ভাবত লিকা অলাধান্ত্ৰ চিহ্নং সমেতু আন্মান্ দ্লাপ্ৰাত্মাত্ম ভিদ্ৰং ভব প্ৰাত্তক্ত হাত্তবৰ্তনাং মনি ভণতু । (৩কা—হল – ২২ল্—হম্)।

#### পদ-পাঠঃ।

হতী। মৃগাণাদ্। অংহসদাদ। অতিহাহবান্। বছুব। হি।

।

।

তক্ত। ভগেন। বৰ্চনা। অভিন সিঞামি। মাদ্। অহম্। ৬৪

শুবলাং। শুখেন দীলন্তি স্বেছরা বর্তন্ত ইতি শুবল:। 'নংস্থিব-' ইতি কিপ্। 'নদিরপ্রতে:' ইতি বন্ধং। অরণো স্বেছরা বর্তমানানাং ম্গাণাং ছরিণাদীনাং মধ্যে হন্তী বনগলঃ অতিকান বলাতিশরেনাতিক্রমা অনুস্থাতা বভূগ (। হ)। অতিপুর্বাং তিইতেঃ 'আতো মনিন্কনিক্রনিপশ্চ' ইতি বনিশ্। নলোণাভাবশ্চান্দা। যথা অতিক্রমা অব্যানং অতিঠা ভ্রান্। 'আভশেচাপসর্গে হাত ভাবে অঙ্। ততো মঙুগ্। 'উণস্গাং শুনোতি-' ইতি বন্ধং। তত তথাবিধক্ত হতিন: তগেন ভলনীরেন ভাগারপেণ বা বর্তনা তেলনা বলাদিনা মাং ক্রং অর্কত বিঞ্চাম। একত্রিশ অস্বর্ত্ত শ্রারাছাণাণিতেদেন ভেনাং ক্রেক্তিবাং। (৩কা—হল্—হন্) ম

### ইভি পঞ্চমেমুবাকে বিভীয়ং স্কুং ॥

'বেন বেহৎ বস্থানিও ইতি তৃতীয় হজেন পুংশবনকর্মনি বাণং অভিমন্ত্রা জিলা মূর্দ্ধিবিহৃত্বে। তথা অনেন হজেন আজাং ত্বা লরগাণং শম্পাত্য অভিমন্ত্রা ব্রালাং, তথা (ফাল) চমলে শর্মণবংশায়া পোর্জি মে ত্রালিয়বে) প্রাক্ষণা আলোডা অধ্যতে বিস্তৃত্বে। তথা পলাশবিদার্থ্যো একতা শিষ্ট্রা অনেন হজেন অভিমন্ত্রা দক্ষিণোমাসুঠেন ত্রিয়া দক্ষিণভাবে নালিকালাং নভং কুর্যাং। হত্তিতং হ। 'পুংশবনানি রজউবালালাঃ পুংনক্ষত্রে যেন বেহৎ ইতি বাণং মূর্দ্ধিবিরৃত্তি' ইভাগি (কৌ • ১১১)।

ত জ প্রথম।।
। ।
বেন বেহদ বভূবিথ নাশ্যামদি তৎ সং।
। ।

`ইনং ভদশুত্র খনপ দ্রে নি দ্যাসি॥ > ॥ - - -

[ रयन। ८वहरा बङ्गिया नामग्रामनि। छरा घरी

भव-भार्ठः ।

हेनम्। उदा व्यक्तवा पदा व्यना पूरवा निः। नश्रनिः। ।

খেন বন্ধাত্থাপাণকেন পাপেন তজ্জয়রোগাদিনা বা হে নারি বেহৎ পর্জবাতিনী বন্ধা অভ্বিপ ভণিদ। ছাল্পনো লিট্। তৎ পাপাদিকং সং অতঃ দকাশাং নালয়মিদি নালয়মঃ অপ্রস্থা। ইদং তৎ নইদজাতীয়ং নেহত্থাপাদকং পাপরোগাদিকং পুন্র্বাধা ত্তি নোংপজতে ভণা ত্বং তংগাজত দূরে দ্রাদেশে অপ নি দ্যাদি অপনিদ্যাঃ অপক্ষিপামঃ। 'ইদভো মিনিং'। (তকা - ৫অ - ২০ছ - ১ম)।

দিভীয়া।

আ। তে যোনিং গর্ভ এতু পুখান্ বাণ ইবেষুণিমৃ।

। আ বীরোত্র জায়তাং পুত্রত্তে দশনাস্তঃ ॥ ২ ॥

भन भारतः।

খা। বীরঃ। অতা। জাগড়াম্। পুতঃ। তে। দশহ্মায়াঃ।২॥

ছে জি তে তব বোনিং প্রজননস্থানং পুমান পুণ্ডোণেতো গর্ভ ঐতু আগাছতু। তত্র দৃষ্টান্তঃ। বাণ ইবেতি। যথা বাণঃ ইবুণিং নিষদং বাবাদ্যানং স্থভাৰতঃ প্রাপ্লোতি তবং। আনিবারিতগতির্গর্ভঃ স্থানং প্রবিশতু ইত্যর্বঃ। ইববোত্র ধীগ্রন্তে ধার্যান্ত ইতি ইবুণিঃ। 'কর্মণাশিকরণে চ' ইতি কিপ্রভায়ঃ। কুচন্তরণদপ্রকৃতিস্বর্তং। দ্ব তে অনীয়ে শর্ভঃ (পুত্রঃ পুত্রেলে পরিগতঃ) দশমাস্তঃ দশ মাসান ভ্তঃ তাসংকালভর্গেন দ্রাবিষ্ণব্দং (পুত্রঃ পুত্রেলে শরিগতঃ) দশমাস্তঃ দশ মাসান ভ্তঃ তাসংকালভর্গেন দ্রাবিষ্ণব্দং (পুত্রঃ বীর্ষা বীর্ষাণ বলেন উপোতঃ লন অত্য অভিন্ প্রস্তিতালে আ আর্ভাঃ অভিম্থাঃ উৎপত্রতাং। দশমাস্থ ইতি। 'তং অধীটো ভ্তো ভূতো ভাবী' মানাং বয়লি যংগ্রেটা ইতি বংগায়া উত্তরপদেন শ্বাসঃ। ২ ৮ বি

 **लप- शार्ठः** ।

্
 শুনাংগৰ। পুত্ৰম্। জনর। তম্। পুনান। জহা জারতাম।
 শুনানা জনর। তম্
 শুনানা জারতাম।
 শুনানা মুলানাম। জনরাঃ। চা বানুঃ ৩ঃ

হে নারি খং পুনাংলং পুংখোণেতং পুত্রং জনর। জমু তভোংপরত পুত্রত জনস্তরং
শশনেব জায়তাং পুত্র এবোংশগুতাং। পুনি 'জাঞ্চনার্জা' ইভি জালেব:। এবং
বিজেবেন জাতানাং পুত্রাগাং খং মাতা তবালি তব। তব্দেগটি জাডাগ্রঃ। বাংশ্চ
াান্ ততঃ পরং জনরাঃ জনয়েঃ। তেবামলি মাতা তবেতার্বঃ। জনরা ইভি। জনের্গান্তাং
ট জাডাগ্রঃ। 'জনীজুকু সুরঞ্গেষ্ডাশ্চ' ইভি তচ্বপ্যাহ্রস্বং। (৩কা – ১০ স্কৃত্র-৩ম্)

বানিঃ ভ্রাণি। বীকানি। অংকাঃ। জনভভি। চ।

रेठः। परा भूखरा विकासा ना। श्रीक्षरा (सङ्गा का॥ ८॥

ভজাপি ভন্দনীয়ানি অমোবনীবাণি বানি বীঝানি খবভাশ্চ গোবু অনয়জি বংশয়পেশেংবর্ষিত। তৈঃ ভবাবিশৈরনোঘনীবাঁগেলৈ হে নারি খং পুরুং বিদেশ সভম। বিষ্পৃ
ভে। পরিভেম্বাং আমানেশনং। 'লে বুচানীনাং' ইভি খং। দা খং প্রস্থ প্রস্থভা
ী থেম্বা ভব। ধেল্লের ধেল্লা। সার্বিকঃ জঃ। ধেল্পং সপুরা বর্ষণ । মৃভাশভা
ভ্রিভার্বঃ। (ভক্তি ভ্রা – ২৩০ – ২৩০ – ৪৯) ।

্য কুণোমি ভে প্রাঞ্চাপভাষা যে!নিং গর্ভ এতু ছে।

বিশাস হং পুতাং নারি যস্ত ছাং শনপছেমু ত সৈ হং ভব । ৫।

94-918: I

। ।
কুণোমি। ভো প্রাজাহণভাষ্। আ। ঘোষিম্। গর্ভঃ এড়। তে ।
।
।

বিক্ৰো শ্বং। পুরেষ্। নারি। বঃ। তুঞাম্। শুষ্। অসং। শুষ্।

। । উःहेडि। उदेचा दम्। उरादा

হে সারি জে তব প্রাথাণতাং প্রজাণতিনা ব্রহ্মণা নির্মিতং প্রনোংপত্তিকরং কর্ম কুণােনি করে। । করি বিংশাকরণরােশত। 'ধিবিক্র্যাের চ' ইতি উপ্রতারঃ অকারশতান্তােদেশঃ। তত অভো লােশে দতি ছানিববস্তাবাং লঘ্ণণগুণভাবঃ। প্রজাণতিশকাং প্রত্তান্তরপারলক্ষ্যে গাঃ। তে তব যােনিং গর্ভাশাস্থানং গর্ভ: ঐতু কাভিগজতু। ততত্বং পুরাং বিন্দব
লক্ষ্যে । কীবৃশাং দ পুরে ইতি বিশিন্টি। যা পুরাঃ তুভাগ শং অলং স্থাহেতুর্ভবেং। তাম
পুরার মদিশি শং স্থাহেতুা ভব। ভবনীতারাং। তাং পুরাং ইতি দ্যক্ষ:। এ

শন্তী।

। । । । ।

যানাং জৌ: পিত। পৃথিনী মাতা সমুদ্রে। মূলং বীরুণাং বভ্ব।

। । ।

ভাস্তা পুত্রবিকার দৈনী: প্রাবহন্ত্বিধ্য়ঃ। ৬।

मप- भारे: ।

काः। चाः श्रावश्तिकातः। देवनीः। द्याः चनसः। अन्तसः। ७ ।

ষাসাং বীরুষাং বিরোহণখভাগনাং ওবধীনাং ভৌ জালোক শিতা বৃষ্টু সকলকপরে তঃসেকেন জনম্বিতা (বজুণ) ভগতি। তালুলভ বেতলো, ধারণেন পৃথিবী (বালাং) মাতঃজনম্বিত্রী ভবতি। লমুদ্রঃ শমুদ্দনশীলঃ জলগালিবেব বালাং উৎপত্নৌ উৎপদ্ধানাং চ কুদ্রেই
মূলং মূলকারণং ভবতি। তা দেবীঃ লানালিওণ্যুক্তা দেবতারণো বা ওবণরঃ পুত্রবিভারঃ
পুত্রবাভার ছা ছাং আবেত্ত প্রকর্ষেণ বক্ষয়া দেবীরিভি। 'বা ছুল্লিং ইভি জালং
পূর্বাশ্বর্ণীর্ষঃ (ওকা-জে ২৩ছ্—৬ম)।

### ইভি পঞ্মেরবাকে তৃতীয়ং স্ক্রং ঃ

'পরস্থানী ইতাক ধারুণমূজকর্মপ্র বিনিয়োগঃ। 'পরস্থতীরিতি ক্ষাতিকরণং শাস্তক্ষণ শ ইত্যাদি 'পা ভক্তস্মাতনাৎ অনুমন্ত্র্যন্তে' ইতাস্তং প্রেং দুইনাং (কৌ তাও)। 'পরক্ষীঃ' ইত্যাদায়া পিত্যেধকর্মণি শবদাধানস্তরং স্থানং কুর্য্যাৎ॥

ভবধয়: ব্রীতিয়বাজাঃ গয়য়তীঃ পয়য়তাঃ সারবতো ভবজ্ঞ। 'তলৌ ময়বে ইতিছিল ভবজ্ঞা গদসংজ্ঞা বাননাথ রুবাজান:। তথা মামকং মলীয়ং বচঃ বচনং পয়মধ লায়ব্রজ্ঞান নির্বিদ্ধানার ক্রাভাবঃ। তথা মামকং মলীয়ং বচঃ বচনং পয়মধ লায়ব্রজ্ঞান নির্বিদ্ধানার ক্রাভাবঃ বচনে বচনে ইতি মমকাদেশঃ ।

অবে। অবি চ পয়য়তীলাং লারবতীলাং ওবধানাং লছফি ধায়ং লহত্রশঃ অনেক্রেকারেশ আছা
ভরেয়ং আহরেয়ং। দম্পাদরেয়ং ইতার্থান। 'বহুবয়াবাছ্ত্রয়রকার অঞ্চরস্থানাই ইতি লাজ্ঞান
শক্ষাৎ লাফু প্রভায়ঃ রুবা (ত্রা ন এল ন ২৪ক্ - ১য় ) য়

## विक्रोग।

েশাহং পয়স্বস্তঃ চকার ধারু বছ।

अख्रुचा नाम (या (मन्छः वदः इनामत्व (यात्या माख्यत्नी शृत्व॥ २ ॥

পদ-পঠি: । | । (বদ: আহম্। পর্মজুম্। চকার। গাস্ম্। বহু।

यारुक्षः। व्यक्षकाः। शृंहारा

পরস্কং দারবন্ধং দেবং অহং বেদ আনামি। স দেবং গাজং ঐতির্বাদিকং সত চকার অধিকং ক্ষীতং ক্রডান। তথা দস্ত্বা গল্পবশীলা যত্ত কুঞালি দর্মত্ত হিত্ত সারাংশত মধুকরবং দল্পতা। (মাম) এতংশংকো যো দেবলং দেবং বরং হণামতে স্ততিভিরাক্ষরামঃ। দল্পতা। দশ্পুমিং ভ্ঞাং 'কল্পোটোল দৃশ্পতে' ইনি কনিশ্। 'ত্রত শিতি ' ইতি ভূকু। অধুনা সন্তর্ভাং নির্দিশতি যোর ইতি। অর্জনা অর্জনাগত ধনাটাত গৃহে বোষো ঐতিহ্বপোটারব্যাদির শাংশিবিতি। তং দর্মং আর্ভ্য দন্ত্বা নাম দেবং অস্ভ্যুং প্রয়েক্ত্ ইতার্থা। অধ্যান ইতি। 'সুর্বোঞ্নিশ্ণ'। ন্ত্র্নাহাণে স্বার্শ্রণ দ্বারুত্তিষ্করং । ২ চ

 ইয়াং পৰিষ্ণুশ্বনা বং প্রদিশ্ব প্রকৃতী বিশং প্রাচাল্যিং পঞ্চ সন্তি তথা বানবীঃবানবার (মনোঃ) লকাবাং উৎপল্লাঃ পঞ্চ কুইয়ঃ। মহাস্থানৈতং । নিবাদপঞ্চনাক্তলারো বর্ণাঃ পঞ্চবিধা মহাস্থাং দক্তি থে দর্শেই ইছ অমিন্ যজনাকে ফ্রান্তিং ধনধালুসমৃদ্ধিং লমাবহান্ দ্বাবহুত্ব সমাক্ প্রাপন্ত । তত্ত্ব দুইাল্ডঃ বুট ইতি। দেবে বুটে বর্ণজন্ম মুক্তি লভি নদীরিদ মন্ত ইব মধ্মশীলা আপো বধা প্রবাহ্মধাল্যং লাগং প্রাণিক্ষাতং বেগেন্স দেশান্তরং প্রাণর্শ্বিত তবং ইভার্বঃ। ফ্রান্তি বিভার বিভা

চতুৰী।

তিত্ব পং শতধারং সহত্রধারম কিন্তম্।

এবা আনাকেলং ধান্তং সহত্রধারম কিন্তম্ ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠ:।

।

উৎ। উৎসৰ্। শতহধারম্। সহত্রহধারম্। ক্ষিত্ম্।

এব। আনাক। ইদৰ্। ধান্তুম্য সহত্রহধারম্। অকিন্তম্ ॥ ৪ ॥

এব। আনাক। ইদৰ্। ধান্তুম্য সহত্রহধারম্। অকিন্তম্ ॥ ৪ ॥

উৎদদ অলোৎণন্তিছানং শতধারং শতদংশাকাতিক্রনকত ধারাতির্যুক্তং তথা দত্রধারহ অপরিমিতধারোপেন্তং দৎ অক্সিডং ক্রন্তরিং। উৎ ইতি উপদর্গক্তরিয়া জিলাখালারঃ। উর্বতীতার্থঃ। এব এবং (অলাক) অলাকং। অতালোপদ্যালকঃ। ইবং পরিমূল্পনানহ কুস্লানিছং ধান্তং দহত্রধারং অপরিমিতধারাতির্যুক্তং বহুপ্রকারেণ উপারেন অভিবৃদ্ধ দৎ অক্সিক্তং ক্রন্তর্ভিং ভব্তু। (০কা - ৫ল—২৪৫ - ৪ম)।

পক্ষী।
। । ।
। ।
। ।
। ।
। ।
। ।

ক্তিক কাৰ্য্ডিট ক্ৰাভিং সমাৰ্থ এ

পদ-পাঠঃ।

| | |

শভংহতঃ। সম্হল(হর। সংলংহতঃ। সম্। কিরে।

कुछ छ । कार्याछ । ह। हेर । व्हाछिम् । नम्भावर । १ ।-

भछी।

메뉴 이 등: 1

ভিক্রাঃ ক্রাঞ্চা গ্রাক্ষীণাম। চহলঃ। গৃহংপঞ্চাঃ।

ভালাকু। বাং ক্ৰতিমংহতমা। তয়া। ত্বা অভি । মূশাগলি । ৬ ॥

পদ্ধেশাণ বিশাণসূত্রত্তীনাং দম্বিক্ত ভিত্রো মাত্রা: গমৃবিহেতবং কলাঃ কলি। তপা
পৃহণক্রাঃ প্রতিক্রভারাঃ। বহা আভাবেকবচনং। গদ্ধাণাং গদ্ধিয়ে। যা পৃহণদ্রঃ গতি
ভাগাং অব্যানাং মত্তা বাঃ চতপ্রো মাত্রাঃ সমৃবিহেতবং অংলাঃ। ভাগাং মাত্রাণাং মণো বা
ভাতিমন্ত্রা অভিপ্রিভন্ম্বির্জা তয়া হে গাল হাং অভি মুলামনি অভিমূলামঃ অভিশ্রে
ভ্যান্ত্রায়া। অভিশ্রেশিম বর্ত্বিভারিঃ। (৩৯।-৫জ-২৪স্-৬ম) ১

সপ্তমী।

| | |

উপোহশ্চ সম্ধশ্চ ক্ষতারো তে প্রজাপতে।

ভাবিধা বহতাং ক্ষাভিং বহু ভূমান্মকিতম্য ৭ ॥

भव नार्ठः ।

खेनश्खेतः। ह। नग्र्छेतः। ह। ऋखारतो। एक। व्यवार्गरहा

তৌ। ইহ। আনা বহতাম্। কাতিম্। বছম্। ভূমানম্। আকিতম্ ॥ ৭ ॥

উপ দমীপং উহতি প্রাণয়তি ধাঞাদিকং ইতি উপোহঃ এতংশংক্রো দেবঃ। দৃষ্ঠঃ প্রাপ্তং ধনং দৃষ্ঠ অভিবর্দ্ধয়তীতি দৃষ্ঠকরণদমধো দেবঃ দৃষ্টঃ। পরস্পরদৃষ্টয়াধোঁ চকারো! তাব্ছে) হে প্রলাপতে তে তব ক্রতারী দার্থী অভিমতকার্যাদস্পাদকে)। ভৌ ভাদৃলো ইহ অভিন্ আনে ক্রাভিং দ্যুদ্ধি আ বহতং প্রাণয়তাং। এতদেব বিরুণোভি বছং ইতি। বছং অনেক প্রকারং ভ্যানং দনগাঞ্জবিষয়ং বহতাবং অক্তিং ক্ষয়র্ভিডং। এবমাজিকাং ফ্রাভিং ইতি দহকঃ। ভ্যানং ইতি। বহুশকাং ইমনিচি বিহোলোগো ভূচ বহোঃ'ইভি ইননিচ আদিবর্ণলোপো বহোভূ ভাবশ্চ॥ (ওকা—৫ অ—২৪ দ্—৭ম)।

#### ( ই।ত ) পঞ্মেহ্মুবাকে চতুর্বং স্কং।

'উত্তবন্ধান' ইত্তি ক্তাং অপন্ আনন্দিরণকামং অসুলা ব্রিংং ক্রাবে। তথা আমেন ক্তেন একবিংশাভবনরী প্রান্ধানি ক্রেন বেইছিছা অনেন ক্তেন প্রজ্ঞান। এবং অনেনিন ক্তেন ক্ঠং নবনীতেন অভ্যান বিকালং আছা প্রজেন ক্ঠং নবনীতেন অভ্যান বিশান। তথা অনেন ক্তেন উল্লোক্তং বিশানে শিক্ষে প্রান্ধান স্থান ক্রিলাং মর্ম্বন্ শ্রীত। তথা লিখিতাং প্রভিক্তিং ক্রেকিলক্ষণরা ইয়া বিধ্যে। তথ উক্তং কৌশিকেন। 'উত্ব্রেভাক্ত্রেলাণ্ড্রাণ ক্রিলাং প্রভিক্তিং ব্রেভিক্তান বিশানিক ক্রিলান অপক্রান আন্তান আন্ধাতি' ইভালং (বেটি ৪১১)।

তত্ত্ব প্রথম।

উত্ত্ৰাহ তুলতু ম। ধ্বণাঃ শয়নে স্থে।

रेषुः कामच्च या कीमा क्या विशामि पा रुनि । > ॥

#### **नम-नार्धः** ।

छररकुनाः ची छरा छूनकृत्या श्रुपाः। मश्रदन। द्याः। म

া । ইয়ুংশ কমিদা বা৷ তীমা৷ তয়৷ বিধ্যমি। বা৷ ক্রদি চ১ ৪

উত্তি উৎফুইং উর্মুখং বা ব্যবর্তীতি উত্ত্র এতংশংক্ষো দেবঃ বা বাং উৎ ভূপজু উবাধয়ত্ কামার্ডাঃ করেছে। ভূপ বাধনে ইতি বাড়া। হচিতিরিও উত্তেল মধন-বিকারৈরুবদ্ধিতা বং যে ক্টাং শগনে। আধকরণে ল্ট্। শগ্নসন্থানে মা দুখাঃ শল্প-বিবরং আবস্তাং মা কার্যাঃ। দৃত্ত আদরে। অআং মা'ত লুভ 'হ্বাং অলং' ২তি দিচো নোগাঃ। কামস্ত পঞ্চলরত বা ভামা ভগ্নকারিণী ইবুরতি ভ্রা ক্রি ক্রম্য়ে (মা) বাং বিধ্যাসি ভাল্পানি। বাধ ভাল্নে। 'প্রতিজ্ঞান' ইতাদিনা প্রস্তারণারণং। ভাষেতি ধ বিভেত্যতা ইতি ভালা। 'ভামানরোশাদানে' ইতি অপাদানের্থে ভিন্নঃ কুরা (উ০ ১১৯৫) ইতি

ধিতীয়।

। । ।

আধীপূৰ্বাং ক্ষেল্লামিয়ুং সঞ্জাকুলালাম্।

। ।

গ্ৰহণ কামে। বিধ্যুত্ব। ক্ৰিণা হ।।

গ্ৰহণ কামি। বিধ্যুত্ব। ক্ৰিণা হ।।

গ্ৰহণ কামি। ব্যাহনলাম্। ইনুদ্। সক্ৰঃভুজ্লাদ্।

ভাষ। ছংশংনভাষ। কুৰা। কামঃ। বিগ্ৰু। ৰা। ছলি।২।

আধীপর্বাং আবরো মানতঃ পীড়াঃ পর্ণানি পত্তাশি বস্তাঃ লা তথোক্তা। কামললাাং কামর জিতিলাবঃ বিরংলাপরপর্বালিঃ। ল এব শলাং বাণাগ্রে প্রোতং আর্দং মর্মান্তেরকং অলং ব্যাং লা কামশল্যা। লক্ষ্যকুত্মলাং। ইনং মে তাং ইনং মে তাং ইতি ভোগবিবর্গজ্মনং স্ক্রাং। ল এব কুত্মলং বারুশলায়োঃ সংশ্লেবক্রবাং বড়াঃ লা তবোক্তা। উদ্লীং তাং ইবৃং স্থাংমতাং পুঠুল্মাক্রতাং কোদভার্চাং ক্রাং কামঃ শরঃ তয়া ইয়া হে কামিনি যা যথি (ব্রিল) বিশাস্ত্ তাড়রছু। র (ওকাল-এক্স-২০ম্-২ম)।

জ্থীয়া।

। ।

যা প্লীহানং শোদয়ভি কামতের: হুগংনভা।

।

থাচীনপক্ষা ব্যামি ভয়া বিধ্যামি ভা হৃদি।। ।।

পদ-পাঠঃ।

যা। প্লীহানদ। শোবছজি। কামজা। ইবু:। জুংসংনতা।
। | | | |
প্রোচীনহণকা। বিহওবা। তরা। বিধামি। ভা। জুদি। ৩।

কামলা শ্বরণা স্থসত্রতা শুর্তু শম্যন্থনতা শুজুগামিনী যা ইবৃঃ জ্বন্ধং প্রণিশ্র ভংশরিদর-বর্ত্তিনং শীহানং এতংশংজ্ঞং প্রাণাশ্ররং মাংলগতং শোবয়তি দহতি। দা পুনর্বিশেরতে থে প্রাচীনশক্ষা প্রাচীনাঃ প্রাঞ্চনা শক্ষণঃ পঞ্চা যণ্যাঃ লা প্রাচীনশক্ষা শোবা বিবিদং ওবিত

দ্রতীতি ব্যোষা। উদ্দাহে ইতাভাৎ প্রান্তহ্। তল্প উদীরিতগুণবিশিট্রা হ্লা হে কামিনি দা দাং হ'ল দ্বয়ে বিধামি তাড়লামি ॥ (৩কা—৫ল—২৫ দ—৩ম) ॥

চতুৰী।

ভচা বিদ্ধা বেয়া বিয়া ভক্ষাকাভি দৰ্প মা।

।

যুত্বনিমন্তা: কেবলী প্রিয়বাদিক্তমুত্রভা॥ ৪:।

পদ-পাঠা।

। । ভচা। বিভা। বিহওবয়া। ভজাহআগা। অভি। দুপা মা। । । । বুচঃ। দিংমঞ্চঃ কৈবলা। প্রিয়হবাদিনী। অভুহত্তভা॥৪॥

যোৰয়া বিশাহৰুক্তরা শুচা শোচরিত্র। শোকাপ্সিকরা বা ইবা বিশ্বা তাড়িভা দতী শুসাগা শুক্তর্গু উপভাপেন ভালুশোবণাং ব্যনীবিতং প্রকটারতুং প্রদম্পনিষা মাং অভি দর্প শুভিগদ্ধ। মিরিবাসস্থানং আগেছেভার্বং। আগেতা চ নিয়ন্ত্রাঃ প্রক্রতপ্রশার্কল্যা মৃত্যুঃ

मधर्म--०१ ( ) . ) ) ० ० ७३

অনুভাবিণী কেবলী অবাধারণা মদেকশ্রণ৷ প্রিয়ণালিনী অসুকুলভাবণশীলা অসুত্রতা অসুকুৰ্-অভিনাচরণপরা ভব। কেবলীতি। 'কেবলমামক<sup>ু ই</sup>ভাবিনা ভীশ্ । ।

```
भक्षा ।
        া । । ।
আকামি ভাকসা পরি মাত্রথো পিড়ঃ।
       ৰুণা হৃত ক্রেন্ডাৰণো হৃত কুপ্রান্তি ।
বুণা হৃত কুপ্রান্তি ।
                   পদ পাঠঃ।
ৰা। অকামি। যা। আহৰজভা। পরি। যাতুঃ। অধো ইতি। শিতুঃ।
```

হে কামিনি বা বাং আক্ষয়া। অভিমুখং অভতি কিণতি প্রের্যতীতি আজনী কথা। 'অবাজনীতাখালনিং আলার' ইতি কুলায়াং অজনিশক্ষ প্রাযুক্তঃ। তরা কুলয়া আজানি আভাতা অভিমুধং প্রেরলান। পরি মাতৃঃ (মাতৃঃ) পর্যান্তদেশাৎ অধো অপি চ পিতৃঃ প্রবৃদ্ধার , উপলক্ষণ এভর। যত কতাশি দ্যীপে হিভাং ডাং আকিশাযীতার্বঃ। সক স্তিক্ষেপ্ৰয়েরিতি ধাতুঃ ৷ যথা গেন প্রকারেণ মম মদীয়ে জেনতে) কর্মণি শঙ্কলে বা चनः ভবলি। মম চিতাং মদীয়াং বু জং উপায়লি খেন প্রকারেণ উপাত্রলে। তথা चाचामीति नवदा । ७२।-- ६च-- २६१-- ६म )।

वर्णी । वर्णीय भिकावकरणी क्लांम्ठलीम् अख्या। नरेबनागं क्रजूर क्रचा घटेमर क्रगूनः परना । ।। পদ-পাঠ: ! বি। অতৈ। নিআবকুণী। এবং। চিভানি। অভত্য। আৰু। এনাশ্। অফেতুষ্। কুৱা। মুনা এব। কুপুত্ৰ। বৰ্ষ্টে ছে মিজাবক্রণে) অতিছা বর্তার্কে চতুর্বী। অক্সাঃ ত্রিয়াইবদঃ জ্বলাৎ জ্বলমপুঞ্জীকাণ্ড চিন্তানি জ্ঞানানি বাসাভং বিক্ষিপ-ছং। অব অনন্তরং এনাং ত্রিয়ং অক্রছুং কার্য্যাকার্য্য-বিভাগজ্ঞানশ্যাং কুবা মনৈব বলে কুণুতং মধ্বীনানেব কুক্রতং। (৩ক ত্রেঅ—২০ছ-৬ন) চি

> ইতি পঞ্চনমূলাকে পঞ্চমং স্কুল । (১ইডি) তৃতীয়ে কাতে পঞ্চমোমূলাকঃ।

বঠেতুবাকে বট্ প্জানি। তথ 'বেশ্যাং স্থ' ইত্যান্তাং স্তথভা স্থেনারা উৎদাহতন্দ- প্রতিদিশং উপস্থাৎ কুর্যাৎ, : প্রতিকেশ্র । 'দিন্তাক্তাভ্যাং (৩২৬২৭) महाभी (मरवर्षकार (काठक) हेजूनिक ईंटिंड (को॰ राद) हे जना व्यक्ति। कलाकार- कलाकार-ছন্তঃয়নকর্মণি আব্যাণালানাদিন।ন্তস্মিৎপুরে।ডালালিকজ্লাঞানি এয়োরণ জ্লয়ণি জুত্য়ৎ। मुबिक्ट हि। 'निकाखनकार (७३६।२१) (नार्स शाप्त (ы)) माकर मः हैकि मक् (७०.१) अन्तष्युद्धाः (७९२) गत्या युठ्गः (७००) विश्ववि (७ ०१) नकस्मर (७)२৮ )ः ভবাৰবেরী (১১ ২) ইত্রাপদধীত' ইতি (কৌ ৭।১)। তথা আভাং ক্ষণভাং অমিরেশ कर्मिन छ छ एमरम् अ जिमिन विमाय अपन्ति । अपनि अपनि । বলীন হরতি প্রতিদিশং উপতিষ্ঠতে মধ্যে পঞ্চনং ইতি (কৌ १২)। ভ্রম ह লপরিশিচকানিভয়নিরভিকাম: গৃহক্ষেত্রালিয়ু নিক্তা অভিমন্ত্রা পরিভঃ প্রকিলেখন। ভণা ( আভাাং ) প্রশভাং তৃণমালাং শম্পাত্র গৃহনগরাদিখারে বস্ত্রীয়াব। তথা আভাং পোময়ল चित्रद्वा ७७ शृद्ध विगर्द्धनर चाति नियननः चाद्मी (कागर ( ठ ) कूर्यार। छथा चारननः च्छक्दरभन অপামার্গমঞ্জরীং গুড়্চীং বা অভিনন্তা পৃথববদ্ গৃহালিমু বিদৰ্জনালি কং কুর্যাাং। ন্থবিতং হি। 'যুক্ত খোঃ (২৬ ২৭) মা নে। দেবাঃ ('৬।৫৬) ষত্তে শর্পঃ ( ১২'১ ৪৮ ) ইতিহ শ্বনশালোকারা: পারলিখতি ইত্যাদি (কৌ• ৭।১)। তথা কিংশক্রলাভিত্রস্কুতায়ার শাষ্টে) 'ষেখাং' ইতানেন প্রাতাদশং ছোম: 'প্রাচী: দিক্' ইতানেন প্রতিদিশং উপস্থানং দ खद केंद्धर नक्षककदाः। '(सकार अशिमनर क्षा आठ) मिश् छेन्।केंद्र हे 🖴 ( A . A . S . S . ) P

ত্ত্ব প্রথম।

(ব্ৰুজ্ঞাং ক্ষ ক্ষাচ্যাং দিশি হেড্কেয়া নাম

দেশাস্তেশাং লো জাগ্লবিবহু।

ভে লো মৃত্ত তে নোধ ক্রেড ডেড্ডেড্ডা

ব্য নমস্তেভেয়া বহু স্বাহান ১ ছ

পদ-পঠিঃ।

(ব। আবসাম্) হো আন্চলম্। দিশি। (ব্তরঃ। নাম। দেশাঃ)

(ভ্ৰাম্। বঃ) আবিঃ। ইববঃ।

(ভ্ৰাম্। বঃ) আবিঃ। ইববঃ।

(ভ্ৰাম্। বঃ) আবিঃ। ইববঃ।

।

(ভ্ৰাম্। বঃ) আবিঃ। ইববঃ।

।

ব্যঃ। (ভ্ভাঃ। বঃ) আবিঃ আবিঃ। (ভ্ভাঃ। বঃ)

কে দেবাঃ দানাদিওপ্রুক্ত। সন্ধ্রিঃ যে যুগ্ধ অক্তাং প্রাচাং দিশি অন্ধাবাসস্থানাং পূর্বজাং দিশি হেডয়ো নাম ছ। আন্ধ্রণয়ব সাবিশাং হস্তারো নাম ছবং। 'উভিযুভি-'ইডাাদিনা হেভিন্ধা নাম ছ। আন্ধ্রণয়ব সাবিশাং হস্তারো নাম ছবং। 'উভিযুভি-'ইডাাদিনা হেভিন্ধা কিন্। 'আনিলিভাং-' ইভি নলোপঃ। 'অঞ্জেলেচাপদংখ্যানং' ইভি ত্তীপ্। 'এচঃ' ইভি অকারলোপে "০েচী" ইভি পূর্বপদস্য দার্থয়ং। 'আনিসংস্কার্ডয়র্বয় প্রাচ্নার প্রাচ্চ আরিরেব ইয়ুয়পেশ বর্ত্ত ইভার্বঃ। আতো রাক্ত্র শক্তাঃ ছেভি ভাবঃ। তে ফুয়ং নাঃ আন্মান্ মূলক প্রথমত। ভালুপৈর্বানিনাং নাঃ মূল্লাক দালান্ নিহত্ত আনকং ছ্বহেডবাে ভগডেডারাঃ। ভবা তে যুগ্ধ নাঃ আন্ধ্রান্দ দালান্ নিহত্ত আনকং ছ্বহেডবাে ভগডেডারাঃ। ভবা তে যুগ্ধ নাঃ আনান্দ আন ক্রত আন্ধ্রান্দ প্রাচ্নান্দ ক্রতার আনিক্রেলা প্রথমে। বৈবাা ভিরক্' ( তৈও সং ওলাতাঃ) ইভাাদিক্রান্তঃ। ভেভাো বঃ মুল্লভাং নমঃ নমস্কারোজ। 'নমঃমান্ত' ইভাাদিনা চতুর্জ্ব। 'বছরচনদা বন্ধণে)' ইভি চ্ছুর্বান্ধনা যুল্লে। বনাবেলঃ অপ্রদান্তঃ। ভেভাো বঃ যুল্লভাং নমঃ নমস্কারোজ। 'নমঃমান্ত' তেভাো বঃ যুল্লভাং নাহ। ইলং আল্যাঃলকং হবিঃ শাহতং অন্তঃ। (ওলা—৬ল - ২৬ছ—১ম)।

বিভীয়া।

(বিভক্তাং কা দক্ষিণায়াং দিশ্যুবিষ্যবো নাম

(দবাক্তেষাং বং কাম ইমবং।

(জ নো মুড়ত ডে নোবি জেত ডেচ্চো

(বা নমস্তেভ্যো বং আহ্যা হা।

**१५-१**।हैः ।

। (वः व्यनीम्। इष्ट। नक्षिनाज्ञाम्। निर्मः व्यनिश्चनः। नाम। (स्वाः।

। তেৰাশ্। বঃ। কাম:। ইয়বঃ।

। ভে। নং। মৃড্ভ। ভে। নং। আদি। ক্রতঃ ভেডাঃ।

বং। নুমা। (তেভাঃ। বং। আহাবাং।

হে দেবাঃ দানাদিগুণযুক্তা গদ্ধবাঃ বে যুৱং অভাং দক্ষিণায়াং দিশি। ভাউভাগশ্ছাক্ষ্ণঃ । অন্তঃ অন্তানাদ্ধান্দ্বন্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান্দ্ধান

ভূতীয়া।
বৈজ্ঞাং স্থ প্রতীল্যাং দিশি বৈলাক। নাম
বিবাজেধাং ব আপ ইশবঃ।
বিভাগে নাম বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগি বিভা

(वा नगरस्टामा वः स्वारा । ।।।

```
পদ-পঠিঃ।

(ব। অসাধা হা এজেচিনখা দিলি। বৈরাজাঃ। নাম।

(বাঃ। ভেধানা বঃ। আপিঃ ইববঃ।

(ভ। নঃ। মুড়ত। তে। নঃ। অধি। ক্রচ। ভেডাঃ।

বঃ। নমঃ। ভেডাঃ। বঃ। আহা। ০।
```

ছে বেষাঃ বে ৰুদ্ধ অতাং প্রতিচাং বিশি বৈগজ। নাম ছ বিগাট অন্তং প্রসাজারঃ এতংশংজ্ঞা তবব। প্রতিচাং ইতি। প্রাচাং ইতানোজগুলকারেশ কুশাশাজ্ঞা অরক্তঃ 'চো' ইতি পুরুপ্রতেরক্ত উদাক্তঃ। তেবাং বং যুদ্ধাকং আশং গ্রহু।কুরুনি ইব্যঃ ইবুক্তানীলাঃ। তেবাং বং যুদ্ধাকং আশং গ্রহু।কুরুনি ইব্যঃ ইবুক্তানীলাঃ।

```
তেওঁ।

(ব০ তাং স্থোনিচাং দিশি প্রবিধান্তে। নাম

(দবান্তেমাং বো বাত ইথবং।

(তা নাম স্কৃত তে নোধ ক্রাত তেত্যো

বো নাম স্কেতের বং স্বাহা ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

(কা জ্বাহা মুক্ত। তো না। আহা ক্রাত তেতাঃ।

ক্রাহা বহা বাতঃ। ইবনহা

ক্রাহা বহা বাতঃ। বহা ব্রহা ক্রাহা বহা

ক্রাহা বহা বহা বহা ব্রহা ক্রাহা ক্রাহা

ক্রাহা বহা বহা বহা ব্রহা করা

ক্রাহা বহা বহা বহা বহা বহা

ক্রাহা বহা বহা বহা বহা বহা

ক্রাহা বহা বহা বহা বহা
```

'হে দেবাঃ দানাদিভাগবৃদ্ধা গঞ্জা: যে যুবং জন্তাং উদীচ্যাং উন্তর্গাং দিনি প্রবিণাজ্যে নাম স্থ জন্ম কিনেকান্ প্রকর্ষেণ ভাড়গন্তঃ এতংশংজ্ঞা ভবরণ। উদীচ্যাং ইতি। উংশুরাজ্ জঞ্জাতঃ পূর্বাবং জিনাদি। 'উন ( ঈং )' ইতি ধারকারণা ঈকারঃ। 'আনগন্তঃ' ইতি গতেঃ প্রকৃতিস্বরুষং। তেবাং বং বৃদ্ধাকং বাতঃ। কুলোশনং এতং। গাতবংৰগবৃদ্ধা ইববঃ। বাহুরের বা ইর্জেন বর্তি ইত্যর্থঃ। গভং জন্তাং। (৩কা - ৬ল—২৬৮—৪৭)।

नक्षी। যেওস্তাং স্থ প্রকারাং দিশি নিল্লিপ্ নাম (पवारण्डमार व अमगीतिषवः। তে নো মৃড়ত তে নোৰি জ ত তেখে। যে नगरस्या नः याहा । १ ॥ **भव-भा**डेः। (दं भक्तात्। हा अन्तराहाम्। निर्मि। निर्मिनल्लाः। नामः। त्वताः। ८७वाम् । वश । ७वनीः । हेववः। **एक। मा। मृक्क। इडा मा। अपि। उन्छ।** या नवा (क्छाः। या प्रदाद।

ছে বেবাঃ স্নান্দিওগ্যুক্তা যে যুরং প্রায়াং প্রায়াং স্থানির প্রায়াং প্রায়াং প্রায়াং প্রায়াং প্রায়াং প্রায়াং বিশ্বি নিলিপানান স্থানির বিশ্বাহা প্রায়াই ওবংরো বীহিরবভক্তকাভা ইববঃ বাণাঃ। গ্রং প্রগ্রাহারীহিরবভক্তকাভা ইববঃ বাণাঃ। গ্রং প্রগ্রাহারী

# यष्टी।

্বিতভাং ভোজায়াং নিশাবস্থান্তে। নাম দেশাজেশাং বো রহস্পতিরিধবঃ।

তে নো মৃড়ত তে নোধি ক্রত তেভো বো

। নম(স্তে:েড্যা বঃ স্থাং।। ৬॥

**अम**्लार्ठः ।

হয়। অস্যাস্ত ছা উর্লিয়াস্। কিশি। অব্যক্তঃ নান। কেবাচো .

। তেৰাম্। বঃ। বৃহস্পতিঃ। ইৰবঃ।

তে। নঃ। মৃড্ত । হে। নঃ। অংশি : জাত । তেওাঃ। বঃ।

। মধঃ। ভেডাঃ। বঃ। বাহা।৬॥

তে দেবাঃ যে যুদ্ধ অন্যাৎ উদ্ধান্নাং দিশি উপরিষ্টাল দিশি অবস্থান্ধ স্থান্ধ দুক্ষণং ভবন্তঃ এতংশক্ষা ভবন। ভেনাং বঃ যুদ্ধাকং বৃহস্পতিরিববঃ বৃহত্যাং দেবানাং মন্ত্রাণাং বা পতিঃ বৃহস্পতির্দ্ধিবঃ। 'ভবৃংডোঃ করণভোঃ-' ইতি সুট্তলোপে।। ল এব ইবুংখন বর্তি। ভবন্ প্যোধবার্থা। যুদ্ধান্নাঃ শরা ইতার্ধঃ। গতং করণ ১।

( ইভি ) ভৃতীয়ক।ওে বর্তেমুবাকে প্রদমং স্কুরং ।

ুপাচী দিক্' ইতি তুক্তনা পুৰত্তেন শহ বদেনোৎসাহ্তননকৰ্দি তুত্তামুদকৰাণে ই বিনিয়োগোভিছিতঃ। স্তঃ চেতলৈবোলাক্তং।

#### कळ डाबमा १

। প্রাচী দিগ'য়বধিণভিরসিভো ছক্ষিভাদিত্য ইম্ব: ঃ

তেভ্যো নমোবিপভিভ্যো নমো রকিত্তেয়া

नम हेसूर्ट्या सम (ACS) श्रेष्ठा

ৰো৹স্মান্ ভেষ্টি যং বয়ং দিয়স্তং বো ঋত্তে দগুঃ ॥ ১ ।

শদ-পাঠ:।

| | | লনঃ। ইবুংভাঃ। ননঃ। এভাঃ। আবংঃ

যা। অংশান্। বেটি। যম্। বরদ্। হিলঃ। তম্য বং। কভে। দর্গা>।।

প্রাচী প্রাঞ্চন প্রেটা পূর্বা দিক। অসদমূগ্রহার্থং গর্জভাং ইতার্থং ণ ততা দিশঃ অবির্ধেশভিঃ অদিষ্ঠাতা আমী। অনিতঃ ক্ষণ্ড সর্পাণ্ড তথা দিশি রক্ষিতা অসক্রমণার্থং তথা দিশ ইববং আর্ণানি। তেতাঃ প্রিদিয়ন্তিতাঃ অরুণলন্ধিতেভোগিণতিভোগ নমঃ নময়াগ্রেম্ভ। তথা তল্পতেভোগ রক্ষিত্তাঃ অনিত্রাজ্বতো মধারা। তল্পতোলা ইমুলাঃ ইনুগংখতে আদিতোভোগ নমোর্ভ। এবং অনিশত্যালীন পুলকুপুণক নমস্কৃতা পুনঃ লম্মতারন নমস্করোতি। এতাঃ উল্জেল্য অনিশত্যালীন পুলকুপুণক নমস্কৃতা পুনঃ লম্মতারন নমস্করোতি। এতাঃ উল্জেল্য অনিশত্যালিতাঃ লক্ষেতোা নমোন্ত অস্থালো নমস্বারোত্ত। যথা অধিপ্রাদিতাঃ বংলা নম্বার্জ এবং নমস্বারেণ্ড পরিভোগ বোল নম্বারা ক্ষানি প্রিজ্ঞান ক্ষানি প্রিক্তারা ভবতু ইতার্থঃ। এবং নমস্বারেণ পরিভোগ বি

ইটফলং প্রার্থ্যতে। যা শক্তঃ জন্মান থেটি কাশতে যা পক্তাং বরা বিশ্বাত গ্রাক্তার করিছে। তার নশ্বঃ আন্নালিয়া বা মুল্লাকং জন্তে। থালনহেতুরাভাত্তর্গতে দন্তবিশেষে। জন্তা। তার নশ্বঃ আহিকিশামঃ। তার পাদতেত্যবিশ্বা (তালা ডাকা — ২০মু—১৯) র

विशेषा।

া শাক্ষণা দিগিজোধিপভিভিন্নশিচরালী রক্ষিতা পিতর ইন্ধং ।

ভেল্যে ন্থাধিপভিভ্যে ন্থা রক্তিভ্যে ন্ম

ইবুভো নম এভ্যে **শস্ত**।

'বো শ্বান্ ছেষ্টি বং বলং বিশ্বস্তং নে ভড়েড দগ্নঃ । ২ ।

পদ-পাঠঃ।

ে তা। ন্ধা। ক্পিপ্তিহভাগে ন্ধা সুসিত্হভাগে ন্ধা

া । ইয়ুহভাঃ। নথঃ। একাঃ। জন্ত।

। যঃ। শশাৰু। ৰেটি। যুদ্৷ বয়স্। বিয়ঃ। তুম৷ বঃ। জাভে। দুয়াঃ। ই ॥

ষ্ঠিশা ৰক্ষিণভোগ ছিতা যা বিক্। পাণি আলদ্মুগ্রগর্থং বর্জ্ঞাং ইংচ্রাঃ। বিক্লিণাৎ আরু? ইতি আহ্প্রাডাগ্রেজাক বিক্লিণাশকং। তদ্যা বিশং ইস্তঃ অধিপ্তিঃ অধিষ্ঠাতা। তির্শচাঃ তির্গাপ্ অবস্থিতা রাজ্যঃ আবলদ্ধঃ বদা তথাবিদঃ দর্পাং রক্ষিতা ক্ষিণ্ডাং বিশি গোণাধিতা। শিত্র শিভ্রেণ্ডাঃ তক্ষতা ইংবা হুইনিগ্রহকারীণাামুগানি। তেভাোলিশ্রেশিপতিভা ইত্যাদি পূর্ববং যোজাং॥ (তকা—৬ আ - ২৭ছ ২ম)॥

```
ভূতীয়া।

শেতীটা দিগ্ গ্রুণোধিপজিঃ পুণাকু রক্ষতায়িষ্পর:।

ক্রেন্ডো ন্যোধিপজিভো ন্যো রক্তিভো ন্য:

ইবুভো ন্য এডো অস্তা

ব্ব-হেম্মান্ স্থিতি যা বয়ং দ্বিল্লন্তং বো জান্তে গ্রুং ৪ ০ ছা

শেষ পাঠং।

।

এতীটা দিক্। বরণাে অধিংপতিংশ পুণাকুং। রক্ষিতা। অর্থ। ইবরং।

তেভাং ন্যা। অধিপতিহভাং। ন্যা। রক্তিভাং।

ন্যা। ইবুংভাং। ন্যা। এতাং। অস্তা।

যা। আমান্। বেটা যদ্য ব্যুণ্ হিম্মা। ত্রুণ। বা। জান্তে। দ্বাং। ত্রুণ
```

প্রতিটী প্রতিমুখং অঞ্জী শশ্চান্তাগন্ধা দিক্। অস্ত্রপ্রহার্থং বর্জ্ঞ ই ভার্কঃ।
তথা দিলো বরুণঃ অধিপতিঃ সামী। পুদারুঃ কুংলিঙশক্ষ্ জারী। পর্ক কুংলিতে লক্ষেত্রসাং আকুপ্রভারঃ। ক্র্রেলারণং অকারকোপশ্চ। এতংক্ষে কর্পস্তরেতাো রক্ষি এন্
পাল্ডিভা। আরং ব্রীবিধ্বাদিকক্ষণং ইষ্কঃ ওঞ্জারুইনিগ্রহ্কারীণ্যায়ুশানিন। তেভানিন ক্রাদির ক্রাদির ক্রাদির

চতুরী।

| | | |
উপাচী দিক্ গোরোগণাতঃ স্বক্ষে রক্ষিতাশনিরিগণা।

| | |

(তেন্দো নম্পাণিপতিন্দো ন্যা রক্তিভা ন্ম

অখনবিদ-সংহিতা (৩০৮-৬৭) देवुरका। नम जाला पञ्चा বোল্মান্ ৰেষ্টি সং বয়ং দিল্লাড়ং বো ক্ষান্তে দগাঃ॥ ৪ ॥ পদ-পাঠ: ১ উদীচী। দিকৃ। সোমঃ। অধিচণতিঃ। ক্ৰঃ। বক্লিডা। আৰ্শিঃ। ইববঃ। ভেডাঃ। মধঃ। অণিপভিছভাঃ। নদঃ। রকিত্হভাঃ। ময়ঃ। ইযুঙ্জাঃ। নমঃ। একাং। আছে। यः। च्यान्। (पष्टिं। रुग⊁ नद्रभा विद्राः। खन् । वर्षक्षः । नद्राः। ≇ । উদীচী উন্তরা দিক। শামদকুপ্রালার্থি বর্ত্তাং ইতার্বা। ভাষা দিশা শোষা অদিশতিঃ খানী। খলঃ। ভারভকরা বলগেশেরে: খলনশীলো বা লপ্: বলঃ। রকিতা পোণারিতা। অশনিঃ দক্তে। তঃ উদবঃ ভত্ততার্টনিপ্রহার্থালারুণানি। ভেট্যো নগ हेक्सि गढरा ( ७०१ ७५ २१४ - १४) ह गक्रमी। ঞ্ব। দিপ্ বিষ্ণুরশিপতি: বত্মাস্ঞীবো রক্তি। বীরুণ ইয়বং। Cocusi नत्यामिणिटिट का नत्या तक्षिष्ठत्यम नम हेबू(भेड़ा नम ७६७३। ० छ।

। খোতস্মান্ বেষ্টি বং বসং থিমাসং নো কল্পে দক্ষা । ৫। भक्ष भाक्षेः ४

ধ্বা। দিক্। বিষ্ণুঃ। অধিহণতিঃ। কলাবভ্ঞীবঃ। রঞ্জিতা। বীক্লণঃ। ইম্বঃ।

। ইবুহভাঃ। নগঃ। এভাঃ। অভা

। यः। चन्यान्। (पष्टि। तेन्। नश्रम्। विक्रः। खन्। दः। चरछः। नश्रः॥ ⊄ः॥

ঞ্বা ছিরা অংশাদিক জ্ঞান জ্ঞগুতুত্। ততা দিলো থিফুং অদিপতিঃ ইপরং। ক্রাধ্রীবা এ চলাখ্য দুর্পেরি রক্ষিতা। ক্রাধ্রীবা এ চলাখ্য দুর্পেরি রক্ষিতা গোলায়তা রক্ষিত্ব্যানাং। বীরুণা বিরোগণ্মীলা ওবদয়ং হ্ধবা দুই নিবর্হণায়ুণাকি। দিইং স্পাইং। (ওকা—১অ—২৭২—২ন)।

\*

मछी, ॥

(७८७)। नर्यापपिकरुम नत्मा अक्छिए

। নম ইয়ু(ভ)। নম এ(৩)। খহঃ।

(माध्यान (पष्टि मर वम्नः विश्वकः (का कर्ष्ड नथाः । ।

> নমঃ। ইবুংভাঃ। নমঃ। এভাঃ। **অভা**। — : ---

ৰং। আমান্। থেটি বণা বয়ৰ। ছিল:। তৰা বং। জাতে দগুল়েও॥ —

উর্জ উপরিষ্টাং বর্ত্তমানা দ্রিক্ সদীয়ং অভিল'ন হং করোড় । তথা দিশ: রুহম্পতির্দ্দের:
অধিপত্তি: অধিঠাতা বিজ: খেত্রপনি:। ফ্রা'র্ডফীত্যাদিনা (উ০ ২০১৩) খিতা বর্ণে
ইতামাং রক্ প্রভায়:। এতংশংশ্ব: সর্পে রাক্ষতা শত্রপ্রস্থিতভারোতা। বর্ষং বর্ষজ্ঞলং
ধ্যম্বনিস্মৃত্তিং ইববং গুরীনবারশাযুগানি। তেজেনা নম উত্যাদি ব্যাপ্যতিং ॥ ৬॥

हेकि वर्शकारक विशेषत श्वाः।

'একৈ করিব। ক্টা।' উতানেন গণাগার্গ জীয়ামুবীণাং য্যলজননে অন্তুতে ভজ্জান্তার্থং আজাং হয়। মাতৃপুত্ররোর্গুরি দম্পাভং আনীয় উদশাতে উত্তরদম্পাভং ক্লা ভেনোদকেন আচ্মনং প্রোক্লণ চ কুর্যাৎ। কৃত্রিভং হি। 'আগ যুট্রৈভং যুথসূর্বাই। ইভি (কৌ ১৯১৭) প্রক্রমা 'একৈ কট্রেষা ক্টা। সং বভূবেভানেন ক্জেন আজাং জুক্রের্গীথং সুর্গি প্রাত্ত্রুত্রারোর ভারুক্রিং দম্পাভান আনর ডি' ইভা। দি (কৌ ১৯০১)।

> ভক্ত প্রথমা। । ধদা স্কান শং বভূব যক্ত - - - - -। । শুস্কান্ত ভূভকুভো বিশ্বরূপাঃ।

যক্র বিজায়তে যমিকুণার্ডু: সা পাশুন — — —

হ্মণাত কিফতী রুপতী I S.At -

প্রথা বিশান্তকুতা (সাধাননী) স্টি: একৈকয়া একৈকনান্তঃ স্ট্রা ক্রামানয়া লং বন্ধু সন্তঃ বিশ্বা নির্মিতা। একৈক গুলু ংশান্তরের আয়া যমল্পন্নং তুলি তথেতার্থঃ । বন লক্ষা আকৈক গুলিবলিট্রাং শুভুস্তঃ পুলিবালীনাং শুভানাং কর্তারঃ এতংশংক্ষাঃ প্রথাপদ্ধা ধ্বয়ে বিশ্বরুপাং নানাবর্গা গাঃ গবোণলক্ষিত। মানুষ্ধীবভবাত্তা) অস্পত্ত উদপাদমন্ । এবা লা লাধারণী স্টিবলিত পুর্বেণ সম্বর্ধ। তর যুখাং উৎপাত্তকুত্তী প্রত্তঃ পাকু ছার্ত্ববিবালোপেতা লগা গোঃ যমিনী যমলবংশাপেতা বিকায়তে প্রস্তুতে লা ম্মলস্টিং যুজ্মান্ত স্থান্ধিনং শশ্ন গ্রাম্বান ক্ষিণাতি ক্ষাং প্রাণ্ডাত। ক্ষিক্ষাত চারবাজাদ্ধিনাশম্ভী। ক্ষা বিক্ষা বিশ্বরা ক্ষা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা ক্ষা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা ভ্রামান ক্ষা বিশ্বরা বিশ্বর

দিভাগা।

এবং পশ্সুদং কিবাতি ক্রব্যাদ্ ভূবা ব্যবরী।

। । । । ।
উঠিনাং ব্রহ্মণে দ্বাং তথা ভোনা শিবা ভাং ॥ ২ ॥

পদ পাঠঃ।

এবা। পশ্যা সৰ্গ কিবাতি। ক্রব্যাহলং। ভ্রাণ বিহল্পরী।

প্রবাধ্যমহারী: পশ্ন যজ্ঞানগৃত্ত বর্ত্তধানান্ গ্রাণীন্ লং ক্লিপাভি লংকরং বিনাশং প্রাণয়ভি । ক্লিকরে । বাতারেন প্লা । কণ্ডভুল । ক্রেরান্ত্রা ক্রেন্থ নাংলয় অভীত ক্রেয়ার । 'ক্রেন্ড ই । বাংলরী বাংলা ক্রের্ডির ট্রার্ডির ভবলী । রো মহর্ত্তির লিবর । ইত ইভি প্রপ্লো অল্পরা অভিচারম্বজ্ঞা পাধ্বরা: 'ভ্ললীননিশেণ ইভি মহর্ত্তির ক্রেন্ডের জ্বার দ্বার । তথা লভি লা গৌঃ লোনা ক্রেন্ডির ভবলা ব্যাক্রনার দ্বার । তথা লভি লা গৌঃ লোনা ক্রেকরী । ব্লা পুরুষ্ণালিভিঃ লগুল । বিরু ভঙ্গোনে । তথা লভি লা গৌঃ লোনা ক্রেকরী । ব্লা পুরুষ্ণালিভিঃ লগুল । বিরু ভঙ্গানে । তথা লভি লা ক্রেভারঃ । ভভঃ উঠি ক্রেভে 'আল্করং বাহরলং । ইভালা 'নাজানগ্রেণ্ড' ইভি নিবেধার বশ্ । শিশা ক্লাণাগালিক। চলাবে ভবের ( তকা – ৬ জ – ২৮৫ ২ ম ) ব

ভূতীয়া।

শিবা ভব পুরুষেভা। গোভা। অংশভাঃ শিবা।

শিবাকৈ প্রতির কেন্দ্রায় শিবা ন ইতিধি। ৩।

শিবা । ভব। পুরুষেভাঃ। খোভাঃ। অংখভাঃ। শিবা।

শিবা। ভব। পুরুষেভাঃ। খোভাঃ। অংখভাঃ। শিবা।

শিবা। অবৈ। স্রুষে । শেলায়। শিবা। নঃ। ইছা এধি। ৩।

হৈ যমলবংসকননি পুক্ষেণ্ডাঃ মনুয়েন্ডাঃ নিবা সুধকরী ভব। তথা গোভাঃ অংশ হাল শিবা পুথকরী ভব। তথা গোভাঃ অংশ হাল শিবা পুথকরী ভব। কথা গোভাঃ অংশ করি থবা বিধা পুথকরী ভব। কৈং বছনা। ইহ আমন দেশে নঃ অমানং লকাবিষয়েরুশিবা অধি সুধকান ভব। অতেলোটি 'ধবসোরেছে) । ইতি একে ক্ততে তও 'অনিছবং অতা ভাং' ইতি অনিছমে। 'হক্ষ্ডাটি কেন্দ্রন্থাকান হৈছিইং ভবতি । (তলা – ৬ আ – ২৮ছ – ৩২)।

চ্ছুৰ্থী।

| । ।
|
ইক্ পুষ্টিনিৎ স্থল ইক্ গহন্তাভ্যা ভ্ৰম।

|
- পুশুন্ যুম্নি পোৰ্যা ৪ ॥

#### পদ-পাঠঃ।

हैर। पृष्टिः। डेरा बनः। डेरा नश्टाश्नाडमा। अस्य।

#### পশ্ন। য্যিনি। পোষর ॥ ৪ ॥ -

ইত অবিন, গৃহে পৃষ্টিং গণাদিস্ধীধনসা শোগা ভবতু। ত ত পচ ইছ অবিন, যজমানগৃহে বলং কীরাজাদির পং সমুদ্ধে। ভবতু। হে যমিনি স্থলন পলনা ইছ অবিন, যজমানগৃহে লহস্রশাতমা সহস্রশংখাকেং ধনং সনোভি প্রয়ন্ত্রীতি লহস্রদাং। ববু দানে। 'জনস্নধ্ব-ক্রমণ্যা শিট্' 'নিড্, নোরফুনাসিকল।।ং' ইতি আবং। তত আতিশায়নিকজ্মণা অতিশায়েন সহস্রশনস্য দাজী জনেতার্গং। এবং যজমানস্থ্যিনং পৃষ্ন হে যমিনি পোবর সম্প্রি। (৩কা - ৬অ -- ২৮ক্ -- ৪ম )।

### পঞ্চমী।

पद्ध। प्रशक्तः स्रकृष्ण। मणिख विहास त्ताभः पर्वः स्रोधाः। प्रशक्तः स्रकृष्ण। मणिख विहास त्ताभः पर्वः स्रोधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः स्राधाः। प्रशक्तः। स्राधाः।

। । । । । । । । । । । । বারাঃ। বারাঃ। বারাঃ। বারাঃ। বারাঃ। বারাঃ। । বারাঃ।

मा। दिःगीर। श्रृक्षान्। शृथ्मा हा । ।

যত্ত যাদিংশ্চ সোক্তে অহার্দ্ধঃ শোভনজ্বরাঃ জকুতঃ শোভনকর্মাণঃ পুরুষাঃ স্বৰ্ণজ্ঞ বিগাঁৱ। মদী হর্ষে। বাজাতারেন শণ্। কিং কুষা। বালাত্ত্মং বকীরাৎ শরীরাদ্ধ রোগং অরাদিকং বিহার ত্যক্তমা। হারাজীতার্বঃ। তং তাদুশং লোকং যমিনী যমলবংস্থাননী গৌঃ শণ্ক—৩৯ (১-)১১০৩২

অৰ্ভিস্তৃত্ব আভিমুখোন ৰম্পাধাৰতী। অভঃ লানঃ অসাকং পুরুষান্ পশ্ংক যা 'हिंश्नी श! दिन । ( ) का - ७ च - २७ च - ० म ) ।

मछी। ভং লোকং য্যিগুভিসম্বভূব যা নে। ম। -- - - -হিংগীং পুরুষান্ পশৃংশচ ॥ ৬ ॥ — শদ-পাঠঃ। मा। डिप्पीरा शूक्तमना गर्मना हा**७।** 

খিত যেবিনু লোকে জনাৰ্ছিং শোভনস্ত্ৰন্নানাং শোভনজানানাং স্কৃতাং শোভনং কৰ্ ক্ষাত্ৰভাং। 'সুকর্মপাপ' ইত।দিনা ভূতে কিণ্। তাদৃশানাং ( অগ্নিচোত্রভাং অগ্নিচোত্র-(ত্লাদিক: জুক্তোটাং ) অমিচোএটোমাদিক: শোভন: কর্ম প্রতিষ্ঠিত: ভণতি। যতা চ স্থানে লোকঃ লোকাটে অলুভুৱত ইতি লোক: ভণাালিহোৱালে: ফলং প্রতিষ্ঠিতং ভবতি। তং श्नामः हेड्यानि वाथा। इत्। ( ७३१ - ७० - २, ए-- ७४ )।

# ইতি বর্ষ্টেরণালে ভূ শীয়া হকাং।

'য় স্বাজান:' ইতি পঞ্চতিন ওদনসবে কর্মি প"চবয়েনেষ্ পঞ্চাপুপনিধানং নিরপ্ত' ছবিরভিংশিনালকং চ কুর্বীং।তথা চ স্কং। 'অনীন আধাৰামানঃ স্বান্বালাসান' ইতি (কৌ • ৮·১) প্রক্রমা 'বল্ রাভান ইভাবেক্তি পদক্ষ:ত্রা পৃথক্ণাদেশ্পান্ নিল্ধাতি भीचंत्रा नकः र' हे आपि (तनीक आद)। 'क देनर कटेच' हेडि चाकार हुडे।इंडेशिकि - প্ৰহিত্যক্ষাৰণাপ্তাৰ্থ অভিজ্ঞান্তং প্ৰাৰ্থ অভিমন্ত্ৰ গৃহীয়াং: স্বিভিন্ন হি। 'ক ইনং কৰা শ্বংধ (৭৮) কামজন্তে (১৯৫২) যদ্ ভারং (৬:৭১) পুনদৈর্থি জিরং (৭৬১)

ইতি প্রতিগৃত্থাতি' ইতি (কৌ - ৫০৯) 'ভূ - ইং' (৮) ইতানয়া ভূমিং প্রতিগৃত্থাবাং। প্রথমজেন 'মন্ রাজানঃ' ইতানেন বুণদা হবিরাজায়োহোঁমং সমিলাধানং উপদ্ধানং ত-কুর্মাবা ভল্ উত্তং লাম্মিকরে। 'মন্ রাজানঃ (২৯) ইতি বোমসাধলো মুধাং পত্তের (৭৮৬৩) ইতি বুধায়' ইতি (লা - ক - ১৫)।

#### ওক্র প্রথম।

যদ্ রাজানো বিভক্ত ইষ্টাপুর্তিত ধোড়শং যগতানী সভাবদঃ।

। ভাৰিক্তক্ষাং প্ৰ মুঞ্জি দক্ত শিভিপাং স্বধাণ ১॥

어무 이ঠ: 1

। অংবিঃ। তমাং। এবা মুঞ্জি। দতঃ। শিভিত্পাং-। স্থগাঃ১॥

যগত ধর্মরাজন্ত কামী কিন্দিণ্ডাং দিশি হালোকে পরিদ্ধানার দ্বানার দহারাং উপবিষ্ঠান হার কিছিল বিশালনে চ নিষ্কার্থ রাজানঃ রাজানঃ ইবরা বা দেশঃ ইইপুর্কার্থ টিইং আনি বিহিন্ন রাজানি কর্ম। পূর্ত্তং স্মৃতিনিহিতং নাপীকৃণতটাকাদিনির্মাণলকণং কর্ম। তত্ত্বং উহরবিদত্ত কর্মারঃ সেন্দ্রং দেন্দ্রনাং দেন্দ্রং লোড্শং লাপুর কং যথ পাণং বিছজন্তে পুণারাশের্কিভ্রুংক্ ক্রিয়া জন্ম কল্মা আংলং দম্শজামত এব তথ সমত্ত সভাঃ পরিশোধন শ্রীতি। বোড্শংকিত। সোড্শাংধায়া পুরকঃ 'তত্ত্ব পরাণ ভট্' বিষ উত্তং দত্রশাল করালানঃ ইবংকিত। সোড্শাংধায়া পুরকঃ 'তত্ত্ব পরাণ ভট্' বিষ উত্তং দত্রশাল করালানঃ ইবংকিত। করাল রাজানির প্রাণিক লাগকং গেড্লং । 'বোড্শাংলা বৈ প্রবঃ' (তৈও বাও নাগারে) ইতি উন্ধুত্ব। তথাৰ রাজনিরিভ্রা গৃহীতাথ পাণাথ আমিন দ্বায়তে দত্তং আবিঃক্রানা রা ম্কুরু। যাহা ইরাপুক্ত সাধকং গেড্লং। 'বোড্শাকলো বৈ প্রবঃ' (তৈও বাও নাগারে) ইতি আহে হে বেন্ড্লাক লগ আল্লান্থ স্করঃ' (তৈও বাও নাগারে) ইতি আহে ক্রিয়া ভালান্যথ বিভ্রাত্তে বিভ্রাত্ত বিদ্ধান বিশ্বতা বিশ্বতা

```
व्यवस्तित्वन-गर्ह्छ।
                                                      ( 0年1一九四 )
16 ab
                              ষি হীয়া।
            শকীন কাশান প্রগ্রাভ্যভিবন্ ই প্রভবন্ ভবন্।
            আকৃতিপ্রোবিদ্ভ: শিভিপালোপ দস্ততি। ২॥
                               পদ-পাঠঃ।
          म्यान्। कामान्। भूतप्रिष्ठः। चारुक्षतन्। छार्कतन्। छतन्।
      আৰাকৃতিৰ্থা আনিঃ। দভঃ। শিতিৰ্পাৎ। না উপ। দছতি ।২ ৮
    আভিবন্ আৰা সমস্তাৎ ভবন্বাগ্ৰন্ ( প্ৰভবন্) ফলগানায় সমত্ৰি ভবন্ভবন্ব কিঞ্ছ
 লক ক্রিয়মাপোরং যক্তঃ আমলীলান করান কামান প্রেণখালিবিক্যান প্রয়তি কম্পূর্ণান
 করে।ভি। আকৃতি থা: ইনং মে তাৎ ইনং মে তাৎ ইভি বে শক্ষরাত। আকৃত্যঃ। তান্
 পুরয়তীতি আকৃতিপ্র: শিভিশাৎ খেডপাৎ দত্তঃ পশিন যজে প্রাপতিটা মান:) নোণ
 ছ⊅ভি নোপক†রডে। শশি জুম্ধাভিলাক বর্চেই⊙)বঃ। দুর উপক্ষেইতি ধাতুঃ।২।
                              पृथीया ।
           (या प्रवाणि भिविधापर्शातः (लाटका मृश्मिण्यू।
 ল নাক্ষভারেহিতি হত্ত শুক্তে ন ক্রিয়তে শহলেন বলীয়েশে। ০ s
                               गम- পाঠः ।
         यः। समाकि । लिकिश्यासम्। व्यायम्। त्यारकत्। सम्बद्धिम्।
                                 · | ·
```

মঃ। নাকণ। অভিহলাগেছতি। যতাে ওকা। নঃ।

क्रियर**७। भन्दान्। वशी**प्रति ॥ ० ॥

বো ষ্প্রমানঃ শিতিপাদং খেতণাদং লোকেন লোক্যমানেন ফ্লেন সংমিতং স্মাক্-পরিছিলেং অনোব্ফলং। যথা অনেন ভ্লোকেন শংমিতং সৃদৃশং ভ্লোকবং সক্ষণপ্রাছিলেং উত্তাহী । উদুশং অবিং দ্বাতি প্রয়হাত স্বাভা মাকং। কং মুখং তাখনরীতং অকং
ছ:খং ন বিভতেশিন্ অবং ইতি নাকঃ মুর্গঃ। 'ন্তাণ্নপাং-' ইত্যাদিনা নঞঃ প্রকৃতিভাবঃ। উস্তাংহি।

ছু:(খন যর শংভিরং ন চ গ্রন্থং অনস্করং। অভিসাধোশনীতং চ স্থাং স্বর্গদাস্পনং।

ইত্বং লোকং অভারোহতি অভিপ্রাপ্রাতঃ তং লোকং বিশিন্তি। যত্তেতি। বত্ত মামন লোকে অবলেন অপ্র্যাপ্তবলেন প্রবেশ বলীয়লে বলবতরায়। বলবছকাও ইপ্লুনি 'বিমতোলুক্' ইতি মতোলুক্। তালুশান গুলোন ক্রিনতে। গুলোনাম অধিকবলপ্র রাজ্যো নানবলেন পরিশরবত্তিনা অফেন রাজ্যা দেয়া ক্রবিশেষা। শুনান্তি যামন্ লোক ইত্যুর্বাঃ। (তকা – ১৯ ন – ১৯ মৃ – ১৯ মৃ – ১৯ মৃ –

চতুৰী।

। । ।

গঞ্পপূগং শিভিপাদমবিং লোকেন সংমিত্ম।

থালাভোপ জীবতি পিত্শাং লোকেকিত্ম । ৪॥

গদ-পাঠ:।

। । । ।

গঞ্চমপূপ্য শিভিহ্যাদ্য অবিষ্য লোকেন। সৃষ্ধ্যত্ম।

গ্ৰহ্মপূপ্য জীকতি। শিভ্যাম্য লোকে। অকিত্ম । ৪ ।

গ্ৰহ্মপূপ্য উপ। জীকতি। শিভ্যাম্য লোকে। অকিত্ম । ৪ ।

গঞ্চনংগাক। অপুণা যন্ত পলো চতুর্ব পালের নাভাগত চিনিতা বর্ততে তং পঞ্চাপুণং নিতিগাকা বেতিগাকং লোকেন প্রথমানকেন লামতং গদুণং অবস্থিতং (অবিং) প্রমান প্রকর্মেণ দদং পিতৃ শাং ব্যাদির গং প্রাপ্তানাং লোকে শোমলোকাপো স্থানে অফিডং কর-রহিতং স্থান উপ জীবাত উপভূষ্কে গমিতং প্রদাতেতি। ত্রাস্থাৎ 'ন লোকাব্যরুক' ইতি কমাণি বঙ্গা নিধ্ধে বিতীয়েব ভণতি। আফডং ইতি। কি ক্ষয়ে। ভাবে নিষ্ঠা। 'নিষ্ঠায়াং 'অশাদর্পে' ইতি পর্যাদেশবাহ দীর্ঘাণাভাবাং 'ক্ষিয়াে দীর্ঘাণ ক্ষাংহ। (৩কা - ৬০ — ২৯২ – ৪ম) ছ

## পক্ষমী।

্লাভেপ জীবতি সূগ্যামাগস্থের জিভন্ ৫।

পদ-পাঠঃ ।

| | | |

পঞ্চলপুণ্য | শিতিহপাদম্ । অবিণ ৷ লোকেন ৷ পৃথহসিত্ম ৷

প্রহণাতা। উপ। জীবতি। হুবীমান্দ্রোঃ। জ্ঞিত্য । ৫০

পাৰ্তারত ল এবার্থ। মততে ক্ষরতুদ্ধিতাং প্রিমীয়ত ইতি মানং চন্ত্রা:। গুনী প্রিমাণে ইতাকাং কর্মণি প্রঃ। স্থা চন্ত্রা ক্ষরতিতং ফল উপভূত্ত ইতার্থঃ। জনয়ো চন্ত্রী প্রান্ধি। ব্যাচন্ত্রা জনয়ো চন্ত্রী ক্ষেত্রী বিশ্বেশ্বাধি এক ছাতি প্রায়েশ প্রায়েশ্বাধি (এক ছাতি প্রায়েশ প্রায়েশ্বাধি (এক ছাতি প্রায়েশ প্রায়েশ্বাধি (এক ছাতি প্রায়েশ প্রায়েশ প্রায়েশ (এক ভিডি

6

। । ইরেব নোপ: শভাতি গমুক্ত ইব পরে। মঙ্হা

দেশে স্বাসনাবিব শিভিপাল্পোপ দক্ততি ॥ ৬ ॥

हेक्राक्ष्ठेया ना छेना सङ्ख्या गढळ क्हेंगा नहा अरूरा

মেহবা। স্থানিনোহইক। নিতিহ্পাৎ। না উপ। দভতি । ৬ ৯

শিতিপাৎ খেতপাদঃ শ্বয়জে দতঃ শবিঃ ইবেৰ ভূমিরিব নোপ দণ্ডতি নোপক্ষীরতে।
সমুদ্র ইব শমুদ্রো ঘণ! ন ক্ষীয়তে এবং মহৎ অধিকং প্রঃ ক্ষীরং। তদাআনা পরিণতো
ভবতীতার্বঃ। তপা শ্বাগিনৌ শ্যানং নিবশতী অখিনৌ দেবাবিব নোণ দ্বস্তি। তৌ
ঘণা পলু অখিনৌ দেবৌ স্কৃত্যপ্রদেষ্টেন উপজাবোতে তথা অধ্যু অধিরুদি স্কৃত্যপ্রেম্
নোপক্ষীয়ত ইতার্ঘঃ। (তকা – ৬৯ ২৯ত্—৬ম)।

সপ্তমী।

ক ইপং কম্মা অবাহ কামঃ কামায়ালাং।

কাংমো দাভা কামঃ প্রতিপ্রতীভা কামঃ সমুদ্রমা বিশেশ।

কামেন জা প্রতি গুলুমি কামৈহৎ তে ॥ ৭॥

পদ পাঠঃ।

কামেন কামঃ। প্রতিহ্রাসীলা কামঃ। কামায়। আলাং।

কামেন। আন প্রতিহ্রাসীলা কামঃ। ক্রমায়। আলাং।

কামেন। আন প্রতি। গ্রুমিন কাম। এতং। তে ॥ ৭॥

কামেন। আন প্রতি। গ্রুমিন কাম। এতং। তে ॥ ৭॥

ইপং করুগ ইতি অনিরজের গং প্রকাপতিঃ কশব্দেনাচাতে। অর্থামান্তাং কিংশক্ষাপি তথৈব বাচকঃ। কশব্দিদের প্রকাপতিঃ কলৈ প্রপাপতরে ইপং দক্ষিণান্তেন বেরং দ্রার্থ অলাং দক্তবান্। লাভা চ প্রতিগ্রহীতা চ প্রকাপতিরেন। এবং অন্যুদ্দশানত প্রতিগ্রহবুলাধা ন জায়ত ইত্যর্থঃ। তথা চ তৈডিরীয়কং। 'ক ইলং কমা অলাদ্ ইত্যাহ। প্রজাপতিবৈ কঃ। স্প্রকাপতরে দলাতি' ইতি (তৈও বাও ২.২০৫৫)। তথা কামংক্রবর্ণবিষ্টোজনাবঃ। আমুগ্রহক্ষণাভিলাধী দাভা। ঐতিক্রক্যাভিলাবঃ। অভিগ্রহীতা। অভঃ উভাবিদ কামান্তানা ওথা চ কাম এব কামার অলাং দ্রবান্ নাংং প্রতিগৃহাণীতি আজ্মানং ব্যার্ভা প্রতিগ্রহাতি ব্রুভে তদ্বোধা ন সংস্প্রভাবিঃ। তথা চ তৈভিরীয়কংঃ 'ব এবং

বিশ্বান বাবিতা দক্ষিণাং প্রতিগৃহাতি নৈমং দক্ষিণা ব্লীনাতি ইতি (তৈত আও ২২ ৫০১)।
উল্লেখ্য অর্থা উপপাদয়তি। কামো দাতা কামঃ প্রতিপ্রহীতেতি। বাাধ্যাজপ্রায়ং এজং।
উল্লেখ্য দেশতারূপঃ কামা সমুদ্রং সমুক্ষরার্থিকং রূপং আ নিশেশ প্রাপ্তশান। 'লম্জ ইব

ক্রিকামঃ। নৈশ্য কি কামলাংছোজি (তৈত আও সংগ্রেড) ইতি হি জৈরিরকং। ভালুশেশ
ক্রিকা হে দাক্ষণান্ত্রণ হা স্বাং প্রতি গৃহামি। নাম্মেতার্থঃ। হে কাম প্রতং প্রতিশ্বীজং

ক্রিণাং তে জুভাং স্বর্থান্য। (তকা—৬শ - ২০ক্—৭ম)।

ভাইনী।

ভ্যিন্ট। প্রতি সূত্র অন্তরিক্ষনিদং সহং।

আহং প্রাণেন সাজানা লা প্রকালা প্রতিস্ফ বি রাণিবি । ৮ ॥

পদ-পাঠ:।

ভ্যি:। তা। প্রতি। গুছাতু। অন্তরিক্ষ্ন। ইদ্দা মহং।

না। অন্ত্যা প্রাণেন। মা। আন্মনা। মা। প্রহলয়া।

ভ্যিতিহস্ক। বি। রাণিবি । ৮ ॥

ভ্যিতিহস্ক। বি। রাণিবি । ৮ ॥

হে দেয় জাবা আ আং ভ্যিং ভ্যেবতা প্রতি গৃহাতু। তথা মহৎ অধিকং বিজীণি ইবং
অন্তরিক্ষং চ আ আং প্রতি গৃহাতু। অতঃ অহং প্রতিগৃহ প্রতিগ্রহং ক্ষরা তজ্জনিতলোবাৎ
প্রাণেন মুখনালিকভাগে লক্ষরতা জীবাবস্থিতিলিকেন মা বি বাদিবি রাজো বর্জিতো মা ভ্বং।
তথা আজ্মনা জীবেন তবিশিষ্টগরীরেণ বা মা বি রাদিবি। তথা অজ্মা পুরেপৌরালিকক্ষ্মা
হা বি রাদিবি। মাউ সুঙি উত্তবৈক্ষচনে রূপং। (৩বা ভল - ২৯ছ-৮ম) র

(ইতি) মতেজ্যাকে চত্বং স্ক্রেং।

'নজ্বদ্ধং লাংমত্ত্রাং' ইতি ক্জেন লাংমনল্যকর্মণি গ্রামমধ্যে লক্ষাতিভালকুম্বনিমন্ত্র্যু ভবং শুরাকুজনিন্যুনং ত্রিবর্ধবংশিকায়া গোঃ শিলিতানাং প্রাশনং লক্ষাতিভালপ্রাশনং লক্ষ্যাভিতস্থকায়াঃ পায়নং তগাবিধপ্রশোদকশায়নং চ কুর্যাং। স্থাভিত হি। 'সভ্যক্ষা (৩৩০) তদু বু তে (৫১৫) লং জানীধ্বং' (৬.৬৪) ইতি প্রাক্রেম্য 'লাংমনল্যান্ত্রিশ কুলিকং লম্পাতবন্তঃ গ্রামং পরিজ্ঞা মণো নিনয়তি ইত্যাদি (কো ২ ২০)। তথা উপাকর্মণাপি আবাতামে অলা ইক্তন্য নিনিয়োগঃ। ত্তি হং তি। অভিজিতি শিল্পান্ উপনীয় খোতৃতে দন্তারান দন্তরতি ইতি প্রক্রমা গণকর্মতির্মিখকর্মভিনাবুল্যৈঃ সন্তায়নৈ বাজাং জ্ভ্যাং ইতি (কো ১৪৬)। অন্ত গণকর্মণকেন 'দল্লয়ং' 'ভণু বু তে ইত্যাদিগণো নিব্লিকঃ।

कत श्रेमा।

া শহলেয়ং সাংমনজমবিত্রেদং কুণোমি ব:।

অলো অভ্যন্ত বংদং কাভনিগল্পা ॥ ১ ॥

পদ-পাঠঃ।

প্রস্তালয়ৰ। পাস্থ্যনক্ষণ। অবিহ্রেব্য ক্রেণামি। বং ।

অঞাঃ। অনুস্। অভি। হগাত। বংশদা জাতস্ম্ইব। অলুগাঃ১॥

তে বিশ্বসানা জনাঃ বং যুখাকং অবিষেধ বিষেধাতাবোপলক্ষিতং লাগনভাং কর্ম ক্রেণামি করোম। কীলুৰং তৎ লাগনভাং। লক্ষণং লমানৈক্বিয়ৈক্তপতং। লমানিচন্তবৃত্তিবৃত্তং ইতার্থঃ। লাগনভ্যাং। মিথঃ লজ্পীতিযুক্তা মহুয়াঃ লগনভ্যাঃ তৈনিক্বিতিং লাগনভ্যাং। কিলুৰং লমানজানহৈত্ত্ত্তং লথাং করোমীতার্থঃ। ততো যুখমিল জাতং বংলং জ্বাঃ। গোনানৈত্ব। আছ্মনা। গাব ইব অক্যোক্তং প্রস্পারং অভি হ্যাত আভিমুখোন কামম্ব্রং। হ্যা গভিকাভোগঃ। (৩০)—১৯ - ৩০ শ—১ম)।

বিভীয়া।

শ্বুর ঃ পিড়ঃ পুরে। মাত্রা ভব্ডু সংমনাঃ।

জায়। পভেয় মধুমভীং বাচং বদতু শন্তিবাম্॥ ২ ॥

**可4行-8• ( >• ) > マ・ローロマ** 

#### পদ-পাঠঃ 1

পুত্র: ভনগ্ন: শিতুরকুব্রতঃ। ব্রতং ইভি কর্মনাম। অমুক্লকর্মা ভবতু। যৎ শিতা কাময়তে তৎকর্মকারী ভবতু। মাতা চলংমনাঃ পুত্রাদিভিঃ লমানমনস্কা ভবতু। পত্যে ভতে আয়া ভার্যা মধুমতীং মাধুর্যবতীং শতিবাং অধ্যুক্তাং বাচং বদত ব্রবীতু। লমানমনস্কা ভবতু ইতার্থা। শত্যে। পিতিঃ লমাল এব ইতি বিসংজ্ঞায়া নিয়মাৎ কেবলক্ত ভাবাং ভংকার্যাভাবে যণ্। শতিবাং ইতি। 'কংশ্রভাগে' ইতি শংশকাং ভিপ্রতায়ঃ। ভত্তো সংশ্বীরো বঃ । (ওকা ভল্প-৩০কু-২ম)।

## ভূতীয়া।

। ।
না ভ্রাতা ভ্রাতরং দ্বিক্ষমা স্বগারমূত স্বগা।
- - - । । ।
নম্যকঃ স্ত্রতা ভূহা বাচং বদত ভল্লয়া। ০ ॥

পদ-পাঠঃ।

মা। ভাতা। ভাতরম্। কিজং। মা। ভাতা। ভাতরম্। কিজং। মা। ভাতারক্। উত। খলা।
--1 | 1 | 1 | 1

স্মাঞাঃ। স্হত্যাঃ। ভূজা। বাচম্। বলত। ভঞ্যা॥৩॥

ভাতা লোলর: ত্রাতরং মা বিস্তাং লারভাগাদিনিমিতেন ত্রাত্বিবরং অপ্রিরং মা কুর্যাং । উত অপি চ খলারং ভগিনীং খলা মা বিস্তাং। 'কল্লেডা:•' ইতি প্রাপ্ত ভীপ: 'ন ষ্ট্রপ্রাণ দিছাঃ' ইতি প্রতিবেধঃ। তে দর্বে ত্রাত্রালরং দম্যক্ষঃ দমক্ষনাঃ দম্যানগভরঃ দ্রতাঃ দ্যান্
কর্মাণো ভূষা ভত্তরা কল্যাণা বাচা বাগিজিরেণ বাচং বদ্ভু ব্দস্ত। ব্যত্তের্ম একব্চনং।
দম্যক ইতি। দম্প্রাদ্ অঞ্চতেঃ 'ঝবিগ্•' ইত্যাদিনা কিন্। 'দ্যঃ দ্যি' ইতি

नगारितमः । (०२।-७५-७।य-०म)।

পরস্পারং বিবিধনে বিধেবন কুর্বতে। বিব ভাগেতি অনাদিছাৎ শাপো সুক্। তৎ নংজ্ঞানং স্থানজানানিখিতং ঐকমত্যাপাদকং এক মন্ত্রাক্তন গাংমন সংবঃ মুল্লাকং গৃহে পুরু বেভাঃ। তাদবে। চতুর্থী। তদবং কুর্মঃ। কুরি হিংশাক্রণয়োশ্চ। 'শিক্ষিকুর্যোর চ' ইতি উপ্রায়ঃ। 'গোণাশ্চামান্তর স্থাং বেলাই ইতি উপ্রায়ঃ। 'গোণাশ্চামান্তর স্থাং বেলাই ইতি উপ্রায়ঃ। 'গোণাশ্চামান্তর স্থাং বেলাই

ভাগবে। চতুথী। তদবং কুলা: কুলা: কুলা: কুলা হিংলাকরণলোভ। 'শিবিক্লখোর চ' ইভি উপ্রভান:। 'লোগশ্চামান্তর জাং স্বোং' ইাত উকারলোণ:। (৩কা - ৬অ - ৩০ ম - ৪ম)। । প্রকাশ। জ্যান্তর স্থান্তর কাল বি থোটি সংরাধন্তঃ সমুবাশ্চনতঃ।

জাল্যে অন্তথ্য বস্তু বলস্ত এত সম্প্রাচনান্বঃ সংমন্যস্কুণোমি। ৫।।।

শিল্যান্তর বিভাগে মা। বি। যোটা স্বহ্বাণ্যকঃ। নহধুবাং। চরস্তঃ।

জান্তব্য কিন্তনং। মা। বি। যোটা স্বহ্বাণ্যকঃ। নহধুবাং। চরস্তঃ।

জ্যার্থন্ত: জ্যার্থন্ত গোণের্ডা । ক্রেকি নি জ্বানের পরস্পারং অর্থন্ত ইডার্বা ।

ক্রিজিনা প্রাণিত্র ক্রিলার্থা সংরাণর্ডা স্থানসংগিছিকা। স্থানকার্যা ইডার্বা। স্থান
ক্রিলার্থান্ত নারে। 'ঝক্পুর্ক্রণের্থাং' ইতি অকারা স্যাসাল্ডা। ইব্রা চরতা বর্ত্থানা
যুরং না বি যৌত্র মা প্রগ্ ভূত। বিভূজো মা ভবতে ভার্বা। যু মিশ্রণামিশ্রব্যারিভারিং
মা'ত লুভি মধামবছর্চনে ক্রপা। ইড ভাবন্ত্রকারা অন্ত্রাক্রিকার পরস্পরং বস্তু শোভনং
প্রির্ধান্ত বিশ্বা ভাব্যাণা যুরং ঐত আগ্রহ্ত। ক্রমণি তে জনার বং যুদ্ধান স্থাতীনান্
স্থাঞ্জতা কার্যের্যু স্থ প্রেব্রান সংমনসং স্থানম্যার্য ক্রেণামি করোমে। স্থাতীনান্ ইভি অঞ্জাতি বিস্তৃ অব্যত্তা প্রবিশ্বা । ততো ভবংজ্বারাং 'লচ্ব' ইভি অকারলোণেঃ
'বিভাষাক্রেরিনিক্রিরাং (ওকা ভল্ত ভ্রাবিকার বং । ততো ভবংজ্বারাং 'লচ্ব' ইভি জ্বেরারেণি

मश्री ।

সমানী প্রণা সহ বেলিভাগ: নমানে যোকে শহ বে যুন জু।

সম্যক্ষোগ্রং স্থ্যতার। নাভিম্বাভিত: ॥ ভ ॥

नद-नार्डः।

શ્રુષાનો ૧ છક્ષ્યા મુકા વકા અલગ્રુષ્ટિક મગાવા ,ચાલ્છુા

**मह**ा यः। यूनकिहा

। স্থাঞ:। অংগুন্। স্থাত। অবাং নাভিণ্ঠ্ব। অভিডঃ ৬ । - - ---

তে সাংমনস্থানা বা ব্যুকং শ্নানী একা গুণা পানীয়শালা ভবতু। আলুলাগত লাইবন ভবতু। পরস্পরাম্রাগাশেন একএনিছিলং অলুপানাদিকং মুঘাভিক্লভুকাতাং ইতার্থা। ভদবং লহং বা বুঘান প্যানে যোত্তে, একসিন বন্ধনে স্বেল্পাশে প্র যুনালা ক্লু ব্যামি। লশি চ প্যাঞ্চা সক্লো একফ্লাবিনো ভূৱা শ্যানজ্ঞানা শৃত্য লাগ্র কুণ্যাত পুলয়ত। সপ্র পুল্যাণ। ক্লুগাল্যাল্যক্। ক্র্থিব স্থিতা ইতি এএবি জারা নাভিমিব পভিতঃ। রথচক্রেশ্ব মধাজিক্রং নাভিঃ। তম্বা অভিতো বর্ত্তমানা জারাঃ চক্রাবয়বাঃ কীলকা নিয়তম্থানাঃ পরিবেটা বর্ত্তমে। এবং একং অধিং অভিতো বর্ত্তমানাঃ পার্চরতেত্য্বাং। অভিতঃ পরিতঃ সময়া, গৈইতি সরণাৎ তথ্যোগাদ্ নাভিং ইতি বিতীয়া ॥ ৬.৪.

স্থাটোনান শহ প্রবর্তমানান এককার্যাকরণে শহোক্তান্তানা শংমনসং স্থানমস্থান্ বং যুমান্ক কুণাম করোম। তথা যুমাকং একল্পী: একবিধং ব্যাপনং একবিধসাল্লস ভূকিং বা, করোম। সংবননেন বলীকরণেন অনেন সাংমনস্থানা যুমান শ্বান। বলীকরোমীত্যবং। অমৃতং হালোকস্থং অজ্বামর হলাপকং পীযুবং রক্ষমাণাঃ ঐক্মত্যেন পালস্তঃ দেবা (ইব। ইলোক্যো যথা লোমনস্থাকা। ভবান্ত এবং বং যুমাকং শায়ংপ্রাতঃ এতকুণলাক্ষতে স্বামন্ কালে গোমনসং শোমনসং শোভনমনস্থাং (অস্ত্র) ভবতুর (ওক্ষান্ত শ্বামনসং হিছিং।

'বি দেবা জরস।' ইভি অভেন উপনর্নান্থরং আযুক্ষমিক মাণ্বক্ত শরীরং আচার্যাঃ আভ্যন্তরেও। তথা চ কৌলক্ষেরে। 'বি দেবা জরশ। (তাত্রু) উত দেবাঃ' (৪।১০), ইত্যাজি 'বেধাশাহং (১৭১) হত্যাভ্যন্তরে। 'বি দেবা জরশ। (তাত্রু) উত দেবাঃ' (৪।১০), ইত্যাজি 'বেধাশাহং (১৭১) হত্যাভ্যন্তরের বি বিল্লেখিং ইভ্যন্তরে (কৌল মন্ত্রাঃ বীকর্মাণ ভিদায়্বা' (১০।১১) ইতি আভাং উল্ভেখি হাত (কৌল তাব)। তথা পোমক্রেয়ণান্তরিক ক্রিক্তির্বিশ্রাক বিশ্রের্বিশ্রার হাত্যালে কিভিন্ন তথা চ বৈত্যানং। 'ক্রোভে ক্রারং বিশ্রের্বিশ্রার ভ্রার্বিশ্রের্বিশ্রার হাত্যালে ক্রিক্তির ভিত্তির ভ্রার্বিশ্রার হাত্যালে ক্রিক্তির ভ্রার্বিশ্রার হাত্যালে ক্রিক্তির ভ্রার্বিশ্রার হাত্যালে ক্রিকি ভ্রার্বিশ্রাকি বিশ্রের্বিশ্রার হাত্যালে করি ভিল্নিক্তির ভ্রার্বিশ্রার হাত্যালে করি করি লালিক করি বিশ্বিক্তালিক করি বিশ্বিক্তালিক বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার হাত্যালে করি বিশ্বার হাত্যালে করি বিশ্বার হাত্যালে করি বিশ্বার বিশ্বার হাত্যালে করি বিশ্বার হাত্যালে করি বিশ্বার হাত্যালিক বিশ্বার বিশ্বার হাত্যালিক বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার হাত্যালিক বিশ্বার বি

ভক্ত প্ৰথমা।

। বি দেবা জারণার্ভন্ বি খনগ্নে জারাভ্যা।

॥ । ব্যঃহং মর্কেণ পাগুনা বি যক্ষেন্ ুসমায়ুষ। ১৯৮,

\_ \_\_\_\_

় | কি। দেবাঃ। জরণা। অনুতন্। বি। তুম্। অংগ। অরাত্যান

পদ-পাঠ: 1.

ি। । । । বি: অংহম। স্কৌশ। পাণাুনা। বি: যক্ষেণ। সম্। আয়ুবা⊍১॥

হে বেবা বেবো অধিনো ইমং উপনীতং জরদা জরয়া বয়েহাক্রা ব্রহৎ বিয়োজয়তং।

জুব্ বয়েহানে ইক্রাঝাং 'বিজিপাদিভোগ্ঠিত শঙ্। 'জরায়া জয়স্ শঞ্তরসাাং' ইত

জরস্ আনেশঃ। তে অক্সে অমাপ অরাত্যা অদানেন অমিত্রেণ বা বি বোজয়। অহং চ

লক্ষেণ পাশানা রোগাদিজঃখন্দন লেগেন ইমং বি বোজয়ামি। যত্মেণ চ বি বোজয়ামি।

জায়ুবা চিরকালকাবনেন লং বোজয়ামি। (তকা—৬ল—৩১২ ১৪)।

• • •

। । ব্যাৰ্ভ্যঃ প্ৰমানো বি শক্তঃ পাপকুত্যয়া।

विशेशा।

ৰা. হং নাৰেৰে পাপুনা বি যক্ষেণ সমায়্ধ। । ২॥

भव- गार्ठः ।

श्री करूपा नर्द्धना नागुना वि। यस्त्रना नग्। आहुता क्रिका

প্ৰমান: সৰ্বত্ত সঞ্জন, ৰাষ্ট্ৰ আৰ্ত্যা রোগাদিভনিত পীড়রা বি ৰোজয়তু। শক্তঃ শৰ্ক-কাৰ্যোষ্ শক্ত ইন্তঃ পাপকুতারা। পাপদা কুত্যা করণং গাপকুত্যা। 'কুঞঃ শ চ'ইভি ভাবে ক্যপ্। তয়া ব্লাচারিশং বি যোজয়তু। (৩কা—৬জ্—৩১প্—২ম্)ঃ

তৃ থীয়া।

বি প্রাম্যাঃ পশব আনে গৈরের্যা প্রুফয়াসরন্।

ব্য সহং সর্কেণ পাপানা বি মক্ষেণ সমায়ুবা ॥ ৩ ॥

পদ-পাঠঃ।

বি। প্রাম্যাঃ পশবঃ। আরেণাঃ। বি। আশাঃ। ভ্রেরা। অদরন্।

বি। অহন্। সর্কেণ। পাশাুমা। বি। মক্ষেণ। সন্। আয়ুবা॥ ৩ ॥

গ্রাম্যাঃ গ্রামে ভবা গোমহিবান্তাঃ পশবঃ আর্টোঃ অর্ণ্যোৎপট্নঃ ৠণদাদিভিদ্দুইম্টপঃ
অভাবতো বিগতা যথ। ভবন্তি। যথা চ আপঃ তৃষ্ণনা পিশাসরা বাদর্ম বিগতা ভবন্তি।
ভব্বাতিরিক্তব্য হি প্রাণিজাত্স্য পিশ্বা। এবং অহং সর্কেণ পাণাুনা ব্রহ্মচারিণং
বিগমরামীতার্বঃ। গতং অন্তং / (৩কা — ১ আ — ৩১ ফ — ৩২ ) ॥

ইমে পরিদুখ্যমানে খাণাপুৰিবী ভাষাপুথিৰে) বীতঃ রিগছতঃ স্থানতো বিষুজে গ্রেব ভবতঃ। দিশাংদিশৰ এক মাল্ গ্রামাৎ প্রতিদিশং গছতঃ পস্থানঃ মার্গাঃ বি বছি স্থাবতো বিগ্তাঃ পৃণগ্রস্থানা ভবস্তি। যদৈবং তথা ইমং মাণ্যকং লক্ষ্মেণ পাণালুলা স্থাবতো বিষ্ফুংক হোমি। গভং ভভং । (তকা—৬০০ - ৩১ দু—৪ম)।

#### अकर्णा ।

नम-भाठेः ।

चडो। ছহিতো বহতুৰ। যুলজিন ইভি। ইদস্। বিশ্মৃ। ভূৰনস্।বি।যাতি।

वि। व्यष्टम्। नर≪र्गा नाग्बना। वि। यस्त्रन्। नम्। व्याह्न्या॥ ⊄॥

ষ্টা দেখে। তুরিত্রে বিশাহকালে মত্হিতৃপ্রীতার্বং বহুত্বং। পুক্রৈর্ভ্তে জামাতৃগৃংং
প্রাণাত ইতি বহুত্বং তুরিত্রা শহ প্রীতা। প্রস্থাপনীয়ং বল্লালয়বাদ দ্রবাং বহুত্বদেশ
বিব্দিত্বং। 'মা হিংশিধুর্হতুং উত্যানং' (১৪২৯) ইত্যাদিমন্ত্রান্তর প্রশিক্ষণ। তদ্ মুনজি
প্রশাস্তি ইভি বুর্যা তদ্য অবকাশং দাতুং ইদং বিশ্বং তুবনং পৃথিবান্তরিক্ষাদির শং বি বার্তি
পরক্ষারং বিগতং তব্তি। এবং অহং ইমং মাণ্যকং পাণ্যনা বিরোজনামীতার্বা।
প্রহে অক্সং। (৩কা—১অ—৩২ ৫ম) ।

वर्षी।

অন্নি: প্রাণান্ত্রণ দ্বাভি চক্রঃ প্রাণেন সংহিত:।

। । १९३३ हर সংক্রণ পাণাুন। বি যদ্ধেষণ সমায়ুধা। । क्षाविका 'खोनान्। मन्। नगडि । ठक्टा खोर्टना मन्हिकः।

वि। अवशः नर्स्सन। भागानाः विः यस्त्रनः नवः आध्वाः। ।

অরিঃ অশিকণীতপরিণাষ্টেড্ঃ অস্তরসন্থিতো ভাঠবরুণঃ প্রাণান্ চক্র্রাণীরিয়াৰি জন্তরপঞাপণেম লং দ্ধাতি লংভিতাম্ লংশ্লিয়ান ক্ষকার্যালমর্থান করেতি। তথা চক্তঃ त्मायः व्यार्थम व्यापनाञ्चमा जनापावकृतकम ममना या नःविकः नम् व्यमुक्तमद्भन तरमम कुरुवर আত্মানং শোষর ভীতার্বঃ। 'এ ভাষদ্ বা ইদং অরং চৈবারাদশ্চ লোম এবারং অবিচয়াদঃ हेलामियालः अधिरवाशकाक्षान् विराता अब करमाक्रनाशमः। त्रकः अकृर ॥ ७ ॥

#### नथमा ।

वात्यात विश्वत्कावीर्याः तमनाः मूर्यार मदेशवाग्या बाऽकः मदर्यन भागूना वि शरकान ममाग्रुवा।। १॥

भम-भा**ठे**ः ।

व्याद्यासः तिश्वकः इतीयात् । (क्याः । व्याः । व्याः । क्षेत्रव्याः

विषठः नर्वाटा वैवार वेवाकृतः प्रवार नर्वना आनिकात्रमा श्रातकर वानिकार आर्थनं খগংপ্রাণরশেশ দেবাঃ দবৈর্দ্ধন শর্মক প্রাণর্ভন্ন। বোদৌ তপন্ন দেতি। দ শর্মেবাং ভূতানঞ্জ वानान जानारबारविष्ठ' (टेड- जा- ১।১৪।১ ) हेड्यानिक्षार्डः। जन्नवावृन्द बानाज्यक् হৰাং মাণৰকে আযুবোভিবৃদ্ধরে সংস্থাপরামীভাবঃ । ( ৬কা – ৬ল− ৩০হ – १४ ) ।

ভাগকী।

আইমী।

আযুত্মভানায়ুক্তাং প্রাণেন জীব মা মুধাং।

আযুত্মভানায়ুক্তাং প্রাণেন জীব মা মুধাং।

আযুত্মভানায়ুক্তাং প্রাণেন জীব মা মুধাং।

আযুত্মভানায়ুক্তাং প্রাণেন আমুনা। ৮।

আযুত্মভানায়ুক্তাং প্রাণান বি মুক্তমণ সমায়ুনা। ৮।

পদ-পাঠং।

ভাষ্মতাং প্রশক্ষেন দীর্ঘেণ ভাষ্থা ভবতাং আয়ৃদ্ধ চাং ভাদৃশস্থ আয়ুদ্ধ: কর্জুলাং দেশনাং শব্দিনা প্রাণেন দৃচ্তরেশ চিরকালাক্ছারিনা প্রাণবায়না হে মাণবক জীব প্রাণান ধার্দ্ধ 'চিরকালং বর্ত্তব। মা মৃগাং প্রাণান মা ভ্যাক্ষীঃ। 'ম্রিরতেলুঙ্লিঙ্গোষ্ঠ' ইতি ভাগ্নে-শবং। 'হুদাদ্ অলাং' ইতি নিজ্বোপঃ। (ওকা-১জ-৩১ছ-৮ম)।

নবমী।

| | |
প্রাণেত্র প্রাণিত্র ভব না মুখাঃ।

- - - 
| | |

ব্যাস্থ্য সংক্ষিণ পাপানা বি যক্ষোণ শ্মায়ুশা।। ১।।

खालिया खानेकामा छा। जमा हेहा अवा खना मा। मुनाः।

পদ-পাঠঃ 1

वि। अन्त्रम्। नर्द्सन्। भागुगा। ति। यक्तन्। नृत्। आङ्गाः 🔊 ।

প্রাণতাং প্রাণনব্যাপারং কুর্বতাং খনতাং প্রাণিনাং দর্বেরাং সম্বন্ধনা প্রাণেন প্রাণবার্না।
তে মাণ্ ক প্রাণ প্রাণনব্যাপারং কুল। তত্ত হতৈব অধ্যন্তের লোকে তব বর্তম। মা
মুধান না প্রাণাংক্যাকী: বখা তে প্রাণ ইতৈব মানবকে ভবেতি যোজাং॥ ৯॥

দশনী।

| | | | |

উদায়ুধা শনায়ুংধাংলোধধীনাং রংগন।

| ! | | |

बाऽহং সংকাণ পাপানা বি যক্ষেরণ সনায়ুধা। ১০।।

পদ-পাঠঃ।

| | | |

উং। ভাযুধা সদ। ভাযুধা। উং। ওবধীনাদ্। রংগন।

[বি। ভাহুধা শংকাণ পাপানা। বি: যক্ষেদা। স্থা ভাযুধা। ১০।

অস্থামেতি উপরি বক্ষামাণ। ক্রিয়া অব্যোপি উপদর্বেণ দ্বধাতে। আয়ুবা জীবনেন চিরকলেবস্থানেন বন্ধং উৎ অস্থাম উপিতা মৃত্যোক্তর্মি। ভবাম । তথা তালুশেন আয়ুবা দং অস্থাম আসন লোকে দমাক্ স্থিতা ভবাম। ওধধীনাং ব্রাহিয়বাদীনাং রলেন আয়ুকরেণ দারেণ উৎ অস্থাম উপিতাঃ প্রবৃদ্ধা অনুম। স্পাঠং অভং । (একা — ৬ল — ৬১ ছ — ১০মা)।

কেকালনী।

বি প্রতিয়াপ ক্ষেনামূল। বয়ন্।

ব্যুক্ত সংক্রেণ পাপুনা কি মংক্রেনা সমায়ুকা।। ১১॥

পদ-পাঠা।

শা। প্রতিপ্রতা বুরা। উন্ন অস্থানা অমূলা। বয়ন্।

দিন ক্ষ্না প্রেরণ। পাপুনা। বি। যক্রেল। শন্। সায়ুকা। ১১-১১

আৰু ন্ধজাৎ দ্বিকা পৰ্যাক্তনা বৃষ্টিকাবিশে ধেবনা সম্মান্ত বৃট্য অসংগ্রাপত্তেন ব্রক্তন ব্যাধান ব্যাধান ব্যাধান ক্ষা উপে অস্থা ভাষা । 'ছম্মান নুভূনত্বটা' ইতি তিউতেলুক্। 'গাতিয়া-' ইতি নিচোলুক্। অসুতা ইছি। 'ব্যাধান ক্ষাধান ক্ষাধান হৈছে। ব্যাধান ক্ষাধান হৈছে।

केंक खेकोरश्चकारक बाइकारक बड़ा अखर ह

्रवार्यमा क्रमात्मन करमा वाकर निवानप्रन्। गुभवीरण्ड्राता त्रिप्तान् विद्यार्थोवेस्ट्यप्रः द

শ্রীনক্রোধিরাজপরধেশর শ্রীবীর হার হর ধহারাজনাই। স্বাধুর করে প নাধুণাচার্যোগ বিরাচকে\_অধ্সাবেধার একারে ভূতীয় শান্তঃ শুমান্তঃ ।

# অথর্ববেদ-সংহিতা।

---- \*\$10 \* 015\* ----

# চতুৰ্থং কাতং।

শ্রীগণাধিপতরে নমঃ। অবিশ্বং অক ।।

মত নিম্মলিতং পেনা যে। যেলেভাগিলং অগং ।

নির্মানে তং অবং বন্দে বিভাতীর্থমতেশ্বরং ৯১।

# প্রথমং সূক্তাং।

हकुर्द कारफ भड़ेक्काकार। एख अन्यक्तारक नक एखामि। **एव 'उन्य क्वा**नर' केल बाकः मृद्धः (यहक्वाक्रवाक्रवाक्रवाक्रवाहर) विश्वनवमार्वः नावनावाहरे व्यक्तिनाविक्यार्वः ह बार्गर । পুরিভং । । বিশ্ব জ্ঞানং ইভাধ্যারাণ উপাক্ষিয়ন্ত্রভিবাহাররতি প্রাণং আখাপুন ব্ৰহ্মোল্লং ব্ৰিক্সন' ইভি (কৌ॰ এ২)। তথা গোপুষ্টিকৰ্মণি গৰাং হোগৰমনে চ ক্ষমেন एएकम नवनर काकिशक्का अंक भाषायर। जना कारमेरेमन खानाक्रीकानिका केक्स काकिशका গাঃ পার্যের। পুল্লিভং ছি। 'ব্ৰহ্ম যজানং (৪১) আন পাবঃ (৪২১) একা চ ছে ( else ) हेनि ना मनगर भाववणानजानियोः ध्येषममकाशाः अनार अनक्रविद्धे हेनि ( (को॰ ७.२ )।। 'अन्य कक्षामर' केंक व्याका वृक्तगाल गठिता। एक वृक्तगालक व्यवस्य বিনিয়োগন্তভভ অস্তা বিনিয়োগে জউবাও। তথা বিবাহে চতুর্বিকাকর্থণি জক্ষ কজানং हेणानशा वदा अमृत्केम अध्यनमञ्जाल पूर्वाछ। प्रक्रिक्ट हि। 'तुम बालानः हेणामूर्किम ৰাচক্ষরোভি' ইভি (কৌ ১ । এ । উপাদর্শবি চ 'ব্রহ্ম অভ্যানং" ইভোভাং উপাধারো খণেও। কৃত্তিক্তং হিঃ 'অনাণত (১৯৩৮) ইভি ভুণিয়া লাবিত্রীং ব্রহ্ম অঞ্চানং (১) है (छाकार' हे। छ ( (को॰ ) छ। ०)। 'खुल ककानर' हे जि वाकार क्षत्र कर्वान निवीयमानर नेवाबीतर चनुमञ्जातक। व्यक्तिकर हि । 'अन्न कलावर ( > ) हेन्नर विकार ( र ) हेकि मजनक् वर्षार्थं काहानक्षाक्रमत नक्षर' हेकि (: देव० ७.०)। छण। व्यक्षित्रकार हित्रप्रेत्रक्रमूर উপবীরধানং 'ব্রস্থ জঞানং' ইভাময়া অপুষয়খেত। উত্তং বৈভানে। 'ব্রস্থ জঞানং ইতি देखा निर्मोत्रमानार" देखि (देव- दाक् ) छवा 'का जार क्या वर्षण कामक व्यातमाना विष्यानात के (নি ক ১৭) ইভি বিহিতায়াং ব্রাহাং ম্হাশান্তে 'ব্রেক্ষ জজানং' ইতি বিনিমৃত্তং। তন্ ইজেং নক্ষক্রের। 'ব্রেক্ষ জজানং ব্রেক্ষ ব্রাজং' ইতি নি ক ১৮)। তদা তুলাপুরুষ-বিধে। 'ব্রেক্ষ জজানং' ইতি জুহুরাং। তদ্ উজেং প্রারিশিটে। 'অবাতস্তলাপুরুষবিধিং ঘাাখ্যাস্থামং' ইভি প্রক্রম্য 'মহাব্যাস্কৃতিং সাবিকীং শান্তিং ব্রেক্ষ জজানম্ ইতি ত্ত্বা' ইভি (প ০ ১১ ১) চ

#### ভত্ত প্ৰথমা 1

ত্রক ক্ষত্রানং প্রথম পুরস্তাদ্ বি সীমতঃ স্কুরে বেন আবং।

স বুধু। উপমা অস্ত বিষ্ঠাং সভশ্চ ঘোনিমস্ভশ্চ বি বং ॥ > ॥

পদ-পাঠং।

বিষা ক্ষান্য প্রকাশ পুরস্তাং। বি। শীমতঃ। স্থলতঃ। বেনঃ। আবং।

পাঃ। বুধাঃ। উপংখাং। অতা বিংস্থাং। শতঃ। চ। যেনিশ্।

মণতং। চ। বি। বং ॥ > ॥

'দতাং জ্ঞানং জনমং ব্রহ্ম' ( তৈ ৽ লা • ৮। ১) ইতি বিসাপ্ত প্রদিক্ষণ সন্তিহণ্ড পাস্থকং লপবি ।

ক্রিনাগর্ডির লং ক্রিন্ম হব পরং ব্রহ্ম তৎ পুরস্তাৎ পুর্বিমন কালে স্থানে। প্রথমং প্রথমকার্যাং বির্বাগর্ডির লং ক্রিন্ম হাজানং কাতং উৎপরং। উত্তং হি। ল লৈ লগাঁরী প্রথমং দ কৈ পুরুষ উচাতে ইতি। যথা উত্তলকাণং প্রাধ্যকং পর ব্রহ্ম প্রস্তাং পুরস্তাং পুরস্তাং দিশি প্রথমং জ্ঞানং পূর্বং আনি ভূতং দং লগাং মতেজ্ঞান রুহমং জগং লগাং সাম্প্রতি ভারিঃ।

ক্রেন্ম ইতি কানজাদেশঃ। 'প্রহ্মনত্তং। জনী প্রাহ্ডিবে ইভামাং লিট্। 'লিটঃ
ক্রেন্ম ইতি কানজাদেশঃ। 'প্রহ্মনত্তং। জনী প্রাহ্ডিবে ইভামাং লিট্। 'লিটঃ
ক্রেন্ম ইতি কানজাদেশঃ। 'প্রহ্মনত্তং। জনী প্রাহ্ডিবে ইভামাং লিট্। 'লিটঃ
ক্রেন্ম ইতি কানজাদেশঃ। 'প্রহ্মনত্তং। জনী প্রাহ্ডিবে ইভামাং লিট্ডিবের্নার বির্বাহিন্দ প্রমাণ্ডির ক্রেন্সার ক্রিন্ম কর্মার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্সার ক্রিন্সার ক্রেন্সার ক্রেন্

দিক্প্রান্তবেশেভাঃ আরভা স্কুক্তঃ শোভনা দীপ্তীঃ স্বকীরাঃ সুষ্ঠু রোচ্যামান লোকান বা। বাাৰু: বির্ণোভি বিশেষেণ ভার্ণেভি। প্রভাষভবেন অভ্তম্প নিরাক্তা শ্রহ অপ্ ভালয়ভীভার্ব:। দীমত ইতি। দীমন্শব্দাৎ 'অপাণানে চাহীয়ক্রেটাং' ইতি তলিপ্রভার:। ভাবারতি। রঞ্বরণে ইভামাৎ ভিন্দি লুঙ্লঙ্লিটি: ইতি বর্তমানে লুঙ্। 'মছে খনত' ইভাদিনা চেলুক্। 'বল্ডাদিলোণে 'ছন্দক্লি দুখতে' ইতি আডাগমঃ। ম কেবলং পার্বিনের লোকান আরুণোতি আন্তরিক্ষানপীতাহে শ ই ত। শ চ স্থাত্মকো বেমঃ বুরুাাঃ বুরং অস্তরিকাং ভত্ত ভবা বুরু।:। 'ভবে ছকান' ইতি যং। অত কারণভূতত প্রক্লাভেলনা ত পমাঃ উপমীয়মানাঃ' পরিচ্ছিল্লানা বিটাঃ বিবিধং অবস্থিতাঃ। ঈদুশান আন্তরিকানশি লোকান্ ন্যাবরিতি সম্বন্ধ:। উপমাইতি। 'আত পেচাপনর্গে' ইতি কর্মাণ অঙ্ প্রতারঃ। বিষ্ঠা ইভি। বিপুরাৎ ভিষ্ঠতে: 'আভ্"েচাপন্রে' ইভি কভরি ক:। যথা অভ প্রশক্ত বিটাঃ বিবিধা অবাস্থতীঃ বিয়দা।ৰভূতভৌজিকা!অকাঃ বাবিশোতি। **'আডশ্চোনদৰ্বে'** ইতি ভাবে অঙ্। 'উপদৰ্গাৎ স্থানাভি॰' হঙাগুদনা ষত্ব। কিং বছনা। দভশ বিশ্বধানস্থ অভিনাক্তনামর প্রাপঞ্জ যোনিং কারণং অনত শ ব্যাকৃত্বিভূত অনভিনাল্ডনাম-রণাত্মক অপঞ্চ বোনিং কারণ ভূতাং শ্বরণভাষা আকাং মৃলপ্রকৃতিং বি বঃ বির্ণোভি ব্যাপ্রোত। পূরবৎ লুঙ্। যথা দছকেন চতুগ্রাহং পৃথিবাপ ভেজোলকণং ভূত্রায়ং উচার্ত। আবচ্ছকেন চ প্রোক্ষ বাধ্বিশিলকণ্ণ ভূত্ররং উচাতে। এতক্ত প্রভাক্ষপরোক্ষভেনেন বৈশিষ্য অক্তনে আয়াডং৷ 'শচ্চ ভাচ্চান্তবং' (বৈত আৰু চাড') ইতি। এত**ং** উক্তঃ ভণতি। উদীবিতলকণং পরং ব্রহ্ম ক্ষমাধাশক্তিবশেন **লাণিতা।পরণর্যায়ো** বেনো ভূতা হতেজ্বা ভূভভোতিকাত্মকং জগৎ সকারণকং বাাগ্লেডী ত ॥ ১ ॥

হিন্দ। বিশ্বা রাষ্ট্রে। ছবে প্রনেষ্ঠা:।

ইয়ং পিত্রো রাষ্ট্রে। ছবে প্রনেষ্ঠা:।

তিয়া এতং স্কেচং ক্রার্মহাং ঘর্মাং জ্রীণস্ত প্রথমায় ধ্যক্তবে। ২ ।

শদ-পাঠ:।

ইয়দ। পিত্রা। রাজী। এত্। জত্রো প্রথমার। জন্মবে। ভূসমেইছাং।

ভবৈদ। এতব্ স্ক্রেচ্ছ। ক্রার্ম্। জন্ম্য।

হর্ম। প্রিদ্যা প্রথমার। প্রথমার। শহরে। ২ ।

হর্ম। প্রিদ্যা প্রথমার। শহরে। ২ ।

হর্ম। প্রিদ্যা প্রথমার। শহরে। ২ ।

্ৰ পিলা। পিতা কুংখন্ত অগত উংপাদনিতা প্ৰজাপতিঃ। তত অগেডা। "পিতৃৰ্বাচ্চ ইতি বং প্ৰতায়ঃ। তৃৰদেৰ্ভাঃ তৃৰ্দে ভূতভাতে নাৰাম্বনা বাাণ্য ভিঠতীতি ভূগদেৰ্ভাঃ। উদ্ভাগ হি সাচালৈ শস্ত্ৰসঞ্জাকনণে।

#### দ জু দৰ্শক সংসাভো আতে ভূতাকরে পুনা। আণিজনতি দেহেরু প্রাণিনাং অর্থানিভূতঃ ।

ইতি। ইরং পরিভূপ্তরানা শক্তর্যান্ত্রিকা বাঙ্গেবভা রাষ্ট্রী। ইবরনাথৈতে। রাজী পর্বান্তর্বার্থন করি নির্দ্রী প্রথমার প্রথমশক্ষরায়ে প্রাভ্জনার প্রকাশে অভূষ্যে করি প্রথম লাল্লার্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা করি উলিপ্রভারঃ। আনির্যান্তরাক্ষণ কর্ত্বারাই কর্মান প্রভালনার্যান্তরা করা ইবং ভূমিং পিল্লাে পিছুর কল্পপাথ (আন্তর্যা রাষ্ট্রী আ) প্রভঙ্গ অগতাে নির্দ্রী প্রথমার বর্গানিভাগে ব্যান্তর্যান্তরা অভ্যান্তরা রাষ্ট্রী আ) প্রভঙ্গ অগতাে নির্দ্রী প্রথমার বর্গানিভাগে প্রায়ান্তর অভ্যান্তরা অভ্যান্তরা ভূমিনাল্যান্তরা অভ্যান্তরা অভ্যান্তরা ভূমিনাল্যান্তরা অভ্যান্তরা অভ্যান্তরা আন্তর্যান্তরা ভূমিনাল্যান্তরা অভ্যান্তরা অভ্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা ভূমিনাল্যান্তরা কর্মান্তরা কর্মান্তরা কর্মান্তরা কর্মান্তরা আন্তর্যান্তরা কর্মান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তরা আন্তর্যান্তর্যান্তরা আন্তর্যান্যান্তর্যান্তরা আন্তর্যান্য আন্তর্যান্তরা আন্তর্যান্য আন্তর্যান্য

## ं क्छोग्रा।

প্র যো ক্রে বিছানত ব্রুথিবর। কেনানাং জনিলা বিবজিত।

जम जमन एक्ट्रमात न्यामोर्टन्स्टेकः यथा पि श एर्यो । ०।

**११-१**।र्रः ।

वा वः। चरका विवान। चक्रा वक्षः। विवा। स्वामान्। चर्मन। विविद्धाः

बचा बचना। छर। चलाता बनारा बीटेटरा छेटेकर।

चनाः। चित्र ताः अध्योगः।

শিলা বিশান করি লি জনিমা জন্মানি বিবিদ্ধা করিবল করি লাবরণ জামের করি লাবরণ জামের করি লাবন করি লাবন করি লাবন করি লাবন করি লাবনা করি লাবন

### **ह**क्षी ।

স হি দিবঃ স পৃথিব্যা খাতছে। মহী ক্ষেমং রোদসী অংশ্বভায়েৎ।

महान मही व्यक्त नाक्षम् विकाटना छाः गर्मा शार्थिवः व त्रकः ॥ ॥

भष-भाठेः ।

পঃ। হি। দিবঃ। পঃ। পুশিবাঃ। শভংখাঃ। মহী ইতি।

। । ক্ষেম্প। রোলপী ইন্ডি। ক্ষম্ভারং।

महान्। मही हे जि । व्यवसार । वि । व्याजः । काम् । नग्रा । नार्वितम् । छ । त्रवः ॥ ८ ॥

ন হি দ ধলু প্রাঞ্জিক প্রথমজো দেবং দিবং ছালোকত গ্রন্থা কারণভূতং যৎ
গ্রন্থানা প্রথমজালা ছিডঃ। তথা দ এব পূথিখাঃ দ্বন্ধিকতছাঃ দভারপেণ
থিতঃ। অতো মহী বহুতো রোলগী রোলতো জাবাপ্থিবো কেনং অস্কারৎ অবিনাশো
বধা ভবতি তথা অস্কারণ প্রথমে ছালিতবাদ। হন্তঃ গৌতো খাড়ঃ গতিপ্রতিবলৈ।
ভিন্ত্তন্ত্ত্নভূত্নভূত্বভাঃ শুশ্চ'ইতি লাগেডালাঃ। শায়চ্ছদালি দর্বে ইতি অহাবিদ

মা: মানুহাদেনঃ! এডবেষ বির্ণোতি। মহান্ মধিকঃ ভাষাপুৰিখেন ব্যাণ্য বর্ত্তনামঃ
নহী মহছে। ভাষাপুৰিখেন অফভারং অফ্লুবে। তথা আছঃ তর্নোর্ছণো প্র্যাল্থনা
আন্তিভা কন্ ভাং ছালোকাল্পকং কল ক্লমং পার্থিবং পৃথিবীক্ল'ল চ রলঃ লোকংঃ
খলাকা রলাংখ্যচাল্ডে ইভি হি যাকঃ (মি॰ ৪।১৯)। অতেলকা ব্যাগ্রোং ইভার্বঃ। পার্থিবং
ইভি। 'পৃথিব্যা ক্রাক্রেণ ইভি অক্ প্রভারঃ। (বহা—১অ—১ছ—৪ম)।

#### शक्षमो ।

স বুধানাষ্ট্র অসুমোভাতাং বৃহস্পভিদ্নেবভা ভক্ত সত্র ট্।

व्यर्थे। क्रूत्रः (क्रांकिट्या क्रिकेशेष क्राम्रत्सः। वि वगत्त विद्याः।। १।।

#### **भए- भाउँ।**

ण । বুধাৎ। আই । অসুবং। অভি। অনুস্থারহমণ্ডিঃ। দেবতা। তক্স। সুহ্রাট্ঃ

# বি। বদস্তা বিজ্ঞাঃ। ধ

দঃ পরব্রশাস্ত্রকঃ প্রথমকো দেবঃ জন্ত্রং জনিমতো লোকত ব্রাব। ব্রং মৃদং। অঙ্ট দ্বাহেলাথ র্লাজনালিকলাথ লারতা তত্তিব লোকনা লগ্রং উপরিভাগং অভিলক্ষ্য আই আই ব্যাগ্রেথ। অপ্ ব্যাপ্তো ইতাজাং কৃতি উদিরাথ ইতভাগণকে 'ঝলো বিলি' ইতি দিলে লোকঃ। অপি চ দেবজা। 'দেবাং তল্' ইতি স্বাধিকতল্ প্রভারঃ। দেবো লামানিত্রপর্জা বৃহস্পতিঃ তত্ত জনিমজো লোকনা নৃত্রাই ন্যাক্ রাজমানোধিপতিঃ। নৃত্র্বাহেলা বৃহস্পতিঃ তত্ত জনিমজো লোকনা নৃত্রাই ন্যাক্ রাজমানোধিপতিঃ। নৃত্রাহিলাং অনুষ্যাহিলাং। ব্যাত্রা রাজমানা ক্রার্বাহনাথ অনুষ্যাহিলাবঃ। ব্যাত্রা রাধ্যমলা দেবলা প্রশানাং ক্রাই ন্যাক্ রাজমানঃ অতিপ্রিত্রীপ্রিক্তঃ। বর্ত্তি ইতার্বঃ। বং ব্যাত্রাহা দীপ্রামান ক্রাই লোভিবো ক্রিই ভোত্রানাথ ক্রাই উপরাধ্য ক্রাই। বং ব্যাত্রাহা দীপ্রিবরো বিপ্রাঃ নেধাবিদ ক্রিই বি ব্যাহ ক্রাপারের বিবিধং বর্ত্তাই। ব্যা বিব্যক্তি পরিচরণকর্মা। বি ক্রান্ত ক্রিকিনা, পরিচরত্ত্রের ( একা—১ল —১ল —৪ল) ম

#### क्छी।

न्तर छन्छ कार्या दिस्ति बरहा स्वयं भूर्यक धाम।

এव काछक वर्ष्ट्राकः नाक्रमिथा भूटर्स भटकं विविद्ध ननन् कु।। ७।>

পদ পঠিঃ।

यूनवृ। छ६। व्यक्त। कानाः। हिस्सिक्ति। यहः। स्वका श्रृक्तका सामः∤

। अयः। जल्कः। यहरुणिः। नाकम्। देशाः। नुरस्

ण (र्फा विश्वितिकः भगन्। स्राप्तः।

কাবাং। ক্ষম অধিকং । তৎপদ্ধী যক্তঃ কাবাং। দ চ পাত বুকাৰানত মধ্য বছতঃ
পূর্বাও দর্বাবেবেভাঃ প্রথমং উৎপদ্ধও (দেবত) তৎ বাম তেখোর লং মণ্ডলাক্ষকং ক্ষানং নূনং
নিশ্চমং হিনোতি প্রেরম্ভি। উদ্ধানিং প্রাণমতীতার্বঃ। হি গতৌ বুদ্ধে চ ইভি বাড়ঃ।
এক চ পূর্বাঃ বহুভিঃ নহস্রনংবাতিক রাজভিঃ দাকং লার্ছং ইপা জনেন প্রকারেণ পূর্বেক
পূর্বাক্ষিদ্ধনি বিবিভে বিশেবেশ সক্ষতে আর্জ্বে দেশে পদং। জন্নামৈতং। ছবিল ক্ষণং
আনং উদ্ধিও পু ক্ষিপ্রং অভে কানতে। উদ্বেতী ভার্বঃ। ইভেডিঃ। 'বা ক্ষেত্রীত ক্ষাক্ষি ইন্ডি
ইশ্বঃ বাপ্রভারঃঃ (৪কা—১ক-১ছ-৬ম)।

•

मसमे।

स्थापक्षानः निकार (मयनक्षुः तुरुग्मिकः समगाप क गम्बारः)

पर विरचनाः अभिका यवागः कविर्यन्ता न मधाप्रद वयावान्॥ १ ॥

#### 9W- 9135

হঃ। অংথ-ক্রিণ্ম্। শিত্রমূ। শৈশ্চবর্ম্য বৃহস্পতিম। নম্পা। অংশ। ছা। পঞ্ছি । -

पर। निर्मिश्रम्। कमिछा। क्या। क्याः। कनिः। स्वः।

म। क्छाप्रदा यशस्त्राम्॥ १॥

যাং দেবং বৃহক্ষাতিঃ অবর্কাণং প্রজাপতিঃ। 'অবর্কা বৈ প্রজাপতিঃ' (পো॰ বা॰ ১৪)
ইতি শ্রুডেঃ। পিডরং লোকাজেংপাদকং দেববরুং দেবানাং বরুং কারণভূডং। বছা
অবর্কাণং মহর্ষিং পিডরং জ্পাকেং পিড্ভূতং দেববরুং দেবা ইন্তালয়ো বরূবো বার্কা (য়ৃছ্ছ)
ভবাবিগং মমলা অল্লেন ভবা জব গছাৎ জবসভেৎ জানীরাং যথা বেন প্রকারেণ ভং বিশেষাং
লক্ষেবাং ভাবেজক্ষাজ্যকানাং ভাবানাং জনিভা জনস্থিতা জলঃ ভবেঃ। 'জনিভা মত্ত্রে'
ইতি পিলোপো নিপাভাতে। অভেলেটি অভাগমঃ। কবিং ক্রোন্ডদর্শীল দেবং বৃহক্ষাতিঃ
ভবাবান জন্নবান হবিল শিলেণ অল্লেন যুক্তং লন্ ন দভারুৎ ন দভাতি ন হিনভি। লর্কং
জন্মুগুরুতি।ভাইঃ। দন্ভূদভো ব্যতারেন শ্লা। প্রকাৰ শার্জাদেশঃ। ৭ ছ

## (ইতি) চতুৰ্বে কাণ্ডে প্ৰথমেছ্ৰাংক প্ৰেণমং স্ফ্ৰং।

'ব আছালাং' ইতি স্তাং বলালমকর্মনি লাস্তানকে অলুযোজনেং। স্ক্রিতং বিদি
'ব আছালাই বি নলালমনং' ইতি প্রাক্রমা 'লাস্তালকং করে। তি তবৈতেং ক্রমং অমুযোজনিতি'
ইতি (কিঃ ৫৮)। তবা লংকাপ্রায়া বলায়া যদি পর্তো দুক্তেত বং পর্তং অকলো গুলীবা।
স্ব্রোক্তপ্রকারেণ অনেন স্ত্তেন জুক্রাং। স্থান্তিং বি। 'ঘল্টাগদী আদু পর্তং অপ্রলোক লহিরণ্যং সম্বাং বা ম আছালা ইতি স্বলায়াং আবদ্ধারটো সকুজ্বলোতি' ইতি (কেছি ৫০০)।
তবা বলালমনকর্মণি চক্রহোমে অবদানহোমে হ এতং স্কুক্রং। 'য আছালা ইতি বলালমনং'
(কে) ৫।৮) ইতি সংখালেন স্বিত্রাহাত। তিকাই বৈভালে। 'বাক্রমণ মাক্রতং কামং
ইতানমা কারং এককণালং ভবিরম্বস্থালয়েতে। উক্তাই বৈভালে। 'বাক্রমণ মাক্রতং কামং
বিদ্যোপাং ম আছালাং' ইতি (বৈও এ) । প্রিচেটনে প্রাক্রমানামং' ইতি (বৈও এ) )।
তবৈর হিরপ্রস্ক্রোপ্রবাশ্যানে 'ছিরণাগর্জাং' (৭) ইত্যেয়া। তদ্ উক্তাই বৈভালে। 'হিরপ্রান্ধীইতি হিরণাগুকুরং' ইতি (বৈও এ) ) ব

#### एक ध्रम ।

म काञ्चल बलना यण विष डेशहमरण व्यक्तिसर मण (नवार।

(या o c ल s ट म विश्वति । यमह्र्यू क्ष्म करेग्र दिवस विद्यम ॥ ३ क्ष

#### भय-भारेश ।

यः। व्यक्तिकाः। वज्ञक्ताः। वज्ञः। विष्यः। छेशस्यान्तरका अस्तिवन्। यज्ञः। प्रसंस्कः

यः। व्याप्ता केंद्रमा विरुशका यः। ठ्युरुशका कर्षेत्रा व्यवस्ता

#### • चित्राः विरश्यं ॥ ३ ॥

য়ঃ প্রজ্ঞাপতিঃ আত্মণাঃ লর্মেন্ডাঃ প্রাণিকাঃ আত্মানং দ্বান্টিতি আত্মনাঃ। প্রাণিক্রালি বিচ্ প্রভারঃ। বিশ্বনিক্ষি প্রাণিনাঃ বজন প্রদাতা। 'আত্মে মিনন্-'ইভি উভয়ন্তালি বিচ্ প্রভারঃ। বিশ্বনিক্ষ্ প্রাণিনাঃ বজন প্রদান্ত প্রক্রাইং লালনং আজ্ঞাং উপালতে ভল্পান্ত। আলল উপনেলনি । আলাদিরাৎ লগো কুরু। অন্তলান্তরাৎ কলার্মণাভুকাম্নাভত্মে। থাতুষরঃ। 'বচ্চারিভাংই তি নিম্বাভাবাঃ। 'ভিঙি চোলাভ্রাটি' ইভি গভেরম্বাভ্রাভংগ। প্রাণিকাহিছা। 'লালিবলিঘনীমাং চ' ইভি হয়ং। ভণা বজ্জানাং ক্রেণ্ডা আলান্তর লাল উপালতে। ব্যা দেবং হিপান্ত আলামাং চ' ইভি হয়ং। ভণা বজ্জানেশনের ইভি ভলোপঃ। কুর্মিবৎ কলার্মণাভূকাম্নন্তর আজ্মানিআভর্ক স্বান্তর বাত্মনার ভাল কর্মানি লাল্ডা বালিভাত্ম করেন। তাল কর্মানি লাল্ডা কর্মানি লাল্ডা করেন্ত্র প্রাণিনার করিছে ভলাক্ষা। ভলা চভ্তানিক্রজন্মপর্যাৎ কিংলক্ষানি প্রজ্ঞানাত্ম প্রজ্ঞাপত্মে দেবায়। 'ক্রিয়াগ্রহণৎ করেনাং' ইভি কর্মানঃ সভ্তানিক্রজন্মপর্যাৎ চতুর্যা। ক্রিন্নং দেবং হবিয়া বিশেষ পরিচরেম। বিশ্বভিঃ পারিচরন্তর বালিভান্তর লি ভলংকারাং পালঃ পথ' ইভি গভাবাঃ। 'বিজিডাং পাল্কার্ র্মত্মণ করিয়ালোলার ভিলা ভলি ভলংকারাং পালঃ পথ' ইভি গভাবঃ। 'বিজিডাং পাল্কার র্মত্মণ করিয়ালোলার ভলাবালার হা। চভুন্সন ইভালাণি ক্রপনিক্রিরেন্ত্রন্তন। বছরীহেই পুর্কাণ্ড ইভি উত্তর্যালাক্রের্যার হাল ভলাব্রান্তর বির্বান্তর বং বিশ্বেরঃ। চভুন্সন ইভালাণি ক্রপনিক্রিরেন্ত্রন্তন। বছরীহেই পুর্কাণ্ড

#### ছিত্ৰীয়া।

যঃ প্রাণভো নিমিদভো মহিত্তিকো রাজা জগতো বস্তুর।

पैना म्हामामृहर यना मृङ्क करेच त्वनाम क्विस वित्यम । २ p

गम-गाउँ३।

া । । । । । । ধকা ছালা অফুতৰ্। যজা বুজুচা কৰৈ। ধেবাল। হবিদা বিশেষ । ২ ৮

যাং প্রজাপতিঃ মহিকা। তৃতীয়ারা আকার:। মহিকোন মারাক্ষের প্রাণতঃ প্রথণতঃ আবোলাকুনব্যাপারং কুর্বান্তঃ। বন প্রাণনে অন চ ইতি থাডুঃ। লটঃ শতাবেশে অলাবিদাং শণো সূক্। নিষিষতঃ নিমেবণং অক্লিপল্পনিশাক্ষণং স্থাপারং কুর্বান্তঃ। বিষ লগান্তীয়াং। অত্যাপি পূর্বাং শতারি তৃলাকিবাং লঃ। উভরজ 'শপুরস্থলঃণ ইতি বর্তাা উলাভবং। এবভূতনা অগতঃ অক্ষমনা প্রাণিকাতনা একঃ অনাধারণেঃ রাজা অধিপতিঃ অভ্যাভবং। এবভূতনা অগতঃ অক্ষমনা প্রাণিকাতনা একঃ অনাধারণেঃ রাজা অধিপতিঃ বিভূপ ভবতি। 'ক্ষানি লুব্বান্ত লিটাং' ইতি লাক্ষাকালিকো লিট্ 'বিভি' ইতি প্রভারাং পূর্বান্ত বিবাহ্ণান্ত বিশ্বান্ত বিবাহিণ ক্ষান্ত অমূতং মরণাভাবোপনাক্ষতং অমূতবং ছারেব স্থানীমং বর্ততে। মৃদ্ধাং ব্যবাণ ক্ষান্ত বিভাগ ক্ষান্ত ক্ষান্ত বিভাগ ক্ষান্ত বি

#### विश्वेम ।

यर त्वन्त्रभी व्यवज्ञम्हक्ष्माटन जिल्लाहर त्वाभमी व्यवस्थानम्

बन्द्रार्टिंग शब्द। ब्रह्मत्मा विमानः कटेन्द्र स्थातं केविया विराक्त । 🕫

#### **लक्-शर्छः** ।

१ । । दशक्ती देखिः चस्त्रदशक्ताम्।

ক্রন্দনী ক্রেশন্তি ক্রোপত্তি অন্যোরাপ্রিতা জনা ইতি ক্রন্দনী ভাবাপুথিবা। ক্রিদ্ধি লাহ্বানে ব্যোগদে চ ইতি থাতুঃ। অধিকরণে অল্লন্প্রত্যয়ঃ। অবতঃ। অবনং অবঃ। 'বঞ্জে ক্রিণান্ধ' ইতি ভাবে কঃ। অবনাৎ অগ্রক্রণাছেতাঃ চছ্টানে লংজ্জামানে। খণা অথা ন পত্তভাগা নিরাধারপ্রাণে দেশেন ধার্যান্ধণে ইতার্বঃ। হন্তেশ্লানেলা লিটু। 'লিটঃ কানআ' ইতি তলা কানজাবেলঃ। ভির্লানে অথঃ পত্নাম্ব্
বিভাত্যো। ক্রিটা ভরে ইভ্যান্দ্ উলাকিক অপানচ্ প্রত্যয়ঃ। ব্যোগনি ব্যোগনাে ভাবাপূথিবাে)। যাল্ল অন্যোর্থাে মর্ত্রান্ম ক্রাণ্ডিঃ অরোগীৎ তলান্ রোগিতি অন্যোরিজি
ব্যুৎপঞ্জা ব্যোগনি ইতি ভাবাশ্বিরাার্মান ক্রেলাং। তথা চ তৈভিরীয়কং। 'লোরোগীৎ
প্রজাপতিঃ' ইতি প্রক্রমা 'নল্ অরোগীৎ তন্ অন্যো, ব্যোগবং' (তৈও রোও হাহানাঃ ) ইতি ।
দিল্লৌ ভাবাশ্বিরাঃ আল্রক্রপার্থং যথ দেবং আ্রেরেডাং। বন্য দেবল সম্বন্ধ অন্যো
হালোকহং প্রাং মাবাে। রজনঃ উলক্রা বৃটিলক্রণা বিধানঃ বিশেষেণ নির্মান্ত ভবৈ। ক্রা
ইত্যান্দি গতংঃ (হল্লা—স্ক্রেক্র) ॥

#### **ह**र्शे ।

যভ জেরিক্লী পুথেবী চ ৰহী যভাগ উর্বাঞ্জারকম্।

वचार्रा मुद्रता विकदका महिद्रा करेग्रा त्ववात हिवस विद्रम्म ॥ ॥

नम-नार्वः ।

 B.

3

যানা দেবলা মহিস্বা মৰিখেন খাহাযোদ ভৌ: উব্বি বিভীণা আতা। উক্লণলাল্ 'বোজো ভগৰচনাথ' ইতি ভীব্। পৃথিদী চ যদ্য খহিছা মহী থহতী বিভীণা আতা। যদা চ মাহাযোদ আনঃ এচন্ অন্ত্রিকং উক্ল বিভীণ অভবং। আদৌ হালোকে প্রভাকং দৃভাগানঃ স্বঃ স্থাঃ যদ্য ব্লংগা মহিন্না বিহতঃ বিভীগো আতঃ তকৈ। ক্লাইভানি দ্যানং ন ৪।

#### शक्रमी।

ী । । । ইমাশ্চ প্রদিশে। বৃদ্য বাহু ক'ল্মে দেবায় হবিবা বিধেম ।। ১ ।।

74-415: 4

য় । বিখে। হিনহ্পত্থা মহিহ্যা। পুমুদ্রো বছ । রুশাস্। ইং । আছে:।

্যন্য প্রজাপতের্দেবনা মহিছা মহিমা বিখে নর্কে হিমবন্তঃ হিমবংপর্কভোপলন্দির্স মহাগিরতঃ নংজাতাঃ। যদা চ মহিমা সমুদ্রে উদংগ। রুদাং রুদোনাং জন্তীতি রুদা নদী। জর্মানিছিল জনু। রুদার শব্দায়ত ইতি বা রুদা। পচাত্ত । রুদা নদী ভবতি রুদতেঃ শক্কর্মাঃ ইতি ঘান্তঃ। (নি-১১৷২৫) জাতাবেক্বচনং। ইচ্ছেক্র অবধারণে। দর্কা নদীঃ শক্তি এব আছেঃ ক্রেভি। নমুদ্রা নদ্ধক বৃদ্য বিভৃতিরুদা ইতার্ধ। ইম্পত প্রদিশঃ প্রধান্ত্তাশত হলো বিশ্ব ব্দা বাহু বাহুভূতাঃ তবৈ। ক্যা ইত্যাদি গতং । ৫ এ

थछी ।

कार्या नाम विश्वनाचन गर्छः मधाना सम्रा शास्त्रा शास्त्रा

्वाञ्च त्वरोश्चेष त्वव ्वार्गेर करेगा त्वरा श्विमा विद्यम् ॥ ७ ॥

পদ-পাঠ:।

অত্যে স্টালে স্টা আশ: বিবং ক্ষেত্র অগৎ কারণর দেশ অবস্থিতং আবন্ অরকন্
উপচিতং অকুরিন। কিং কুরিতাঃ। গর্জঃ বিশ্বজগবিধানার গর্জরণেশ অবস্থিতং হিরণাগর্জঃ দধানাঃ ধাররজ্যঃ অমৃতাঃ অবিনাশা শভ্রোঃ। অতং লতাং অগংকারণং ব্রহ্ম। ব্রহ্ম
আনানাঃ। অহাতে হি। অপ এব ললজ্ঞানো তালু বার্যাং অবাকিরং। তল্ অওং অভবহৈবং ইতি (মণ মৃণ ১৯)। দধানা ইতি। 'অভান্তানাং আদি!' ইতি আহ্যাভানং।
অতলা ইতি। আ অববোধনে। 'আতোমুশলর্গে কঃ' ইতি কঃ। বালু অব্যু লেবেবু
লিকবাতারঃ। দেবীরু দেবতারুণালু দেবঃ গর্জভূতঃ অধানীং। অধিকং অবর্ধভেতারঃ।
তা আশা ইতি লক্ষঃ। তবৈ অশাং গর্জ ভূতার। কলা ইত্যাদি। (৪কা-১ল-২ন্দ্রক্ষ) হ

मध्यो ।

হিরণ্যপর্ভ: সমণ্ডিভাগ্রে ভূত্স্য জাতঃ প্রিরেক্ আ্সীং।

সা দাধার পৃথিনীমুক্ত ভাং কলৈয় দেবায় হবিষা বিধেন । ৭ ॥

পদ-পাঠঃ ।

হিরণাংগর্ভা সম্। অবর্ত । অত্তা ভ্তভা ভাতঃ। প্তিঃ। একঃ। অদীং।

শঃ। দাধার। পৃথিবীন,। উক্ত। আনু। কবৈ। দেবার। হবিবা। বিধেন রুণ র

(বিরণাগর্জঃ) বিরণাক্ত বির্ণার্থাপ্ত পর্জঃ গর্ভবদ্ অবর্বন্থিতঃ অত্যে দর্মজগংস্টেঃ আক্ নমবর্জন উদ্দান্ত । স চ জাতঃ দন্ ভূতত দক্ষা প্রতিভাদমানত প্রণক্ষণ একঃ অনাধারণঃ পতিঃ ঈশ্বর আনীং। অর্থাতে হি। দ বৈ দরীরা প্রব্যাং দুবিং। উত্যাধ্য আদিগর্জঃ দ ভূতানাং ব্রক্ষাগ্রে দমবর্জন ইতি। দ চ পুনিবীং ইমাং ভূমিং। উত্যাধ্য দমবর্জন ইতি। দ চ পুনিবীং ইমাং ভূমিং। উত্যাধ্য দমবর্জন ইতি। প্রব্যান্ত্রাপ্যাদিতং কুংখাং জাগং স্টেখান্ ইতার্জঃ। পতং অক্তং । (৪কা—১অ—২ক্—গম্)।



# णाहेकी। | जारणा वर्षर क्रवास्त्री गर्डिंग गरेमतात्। | जारणां कासमानरमान्य जानी सित्रणां करेखा | प्रवास द्विमा विरम्म ॥ ।। | भागः। वर्षम्। क्रवेस्थीः। शर्ड्व। कालीर। व्रवस्ता करेखा | जारणां हेवा। कालीर। व्रवस्ता करेखा। | जारणां हेवा। कालीर। व्रवस्त्राः। करेखा। | प्रवास हिन्दा। विरम्म ॥ ।।

ঈশবেশ প্রথমস্টা আশঃ বংলং প্রভ্তং হিরণাগঠং জনয়য়ী:। হেতৌ শভ্পভারঃ। উংপাদনাছেতোঃ অত্যে ভতঃ প্রাক্তালে গঠং সমৈরয়ন্। ঈশবেশ বিস্টং বীর্যাং গর্ডাশরং প্রাপয়ন্। তলা গর্ভীভূতলা হি জায়মানলা হিরণাগর্ডাগুলা প্রজাপতেঃ। উতশবঃ অপার্থে। ল চ ভিয়ক্রমঃ। উলোশি। গর্ভবেটনঃ পট উল্পক্ষণাচাঃ। লোশি হিরণায়ঃ হিরণায়ঃ অ্বর্ণমন্ন এবানীং। 'ভল্ অভং অভ্যক্তিয়ায়ং ইভি প্রাপ্তক্তিরয়ায়াভাভিপ্রায়ং

( ইভি ) চতুৰ্বকাণ্ডে প্ৰাণমেশ্বাকে বিভীয়ং স্ক্তং।

'উদিতপ্ররো অক্রমন' ইতি প্রজেন গ্রাণীনাং ব্যান্তচারাদিভর্নির্ভার্থং খাদিরং শহুং
লম্পাত্য অভিমন্ত্র তেন গোলঞ্চারভূমিং লিখন গা অমুত্রদেং। তথা অনেন উদ্বটং অভিমন্ত্র
গোপ্রচারদেশে নিনরেং। ততঃ পাংস্কৃটং তত্ত করা অর্দ্ধং দক্ষিণহস্ত্রেন বিক্ষিণেং। এবনের
আনেন প্রজেন সাত্রপবংসং ওদনং ইক্রান্ন তির্জ্জুত্রাং। প্রত্তিতং হি। 'উদিত ইতি থাদিরং
শক্ষিং দক্ষাভবন্তং উল্গুহুন লিখন গা অমুত্রজতি' ইড্যাদি (কৌ গং গং)।

#### एक थ्रथमा।

উদিও স্ত্রাে অক্রমন্ ব্যাস্থ্য: পুরুষো বৃক্ষ।

হিরুষি যতি সিদ্ধারে হিরুগ্ দেবাে

বনস্পতি হিরুত্বন্যস্ত প্রেবঃ। ১।

পদ-পাঠা।

তিব। ইতাা অরাে অক্রমন্। ব্যাসাং। পুরুষাে হুকা।

হিরুক্। হি। যাকা। সিদ্ধাা হিরুক্। দেবা।

কাজিছিতি নিশিষ্টাছাণ্মাত্তেব প্রাণিনো হন্তীতি বাছিং। ছা গল্পোণান্মে ইত্যক্ষাং 'আতণ্চাপন্নে' ইতি কপ্রতায়ং। তথা পুরুষং চোরং। 'পর্যেশোত তল্পরং' ইতি উল্পন্ধেন তথিবালুকার্ত্রনাং। বৃকং অরণ্যখা প্রাণিনাং বাতকং এতে তারং ইতঃ অক্ষাং স্থানাং উল্প্রেশ্যন্ উল্প্রেশন্ আর্থিছাং। 'ক্রেমণ পর্যার্থিছাং। ক্রেমণার্থিছাং। ক্রেমণার্থিছাং। তথা ব্লম্পাত্ত বনানাং পাতঃ অনিষ্ঠাতা দেবং ততা আন্তর্হা। তথা ব্লম্পাত্ত বনানাং পাতঃ অনিষ্ঠাতা দেবং ততা আন্তর্হা। ক্রেমণান্ত বনানাং পাতঃ অনিষ্ঠাতা দেবং ততা আন্তর্হা। ক্রেমণানান্ত বন্ধ্যান্ত্রালিছাং স্ট্না, উল্লেখনানান্ত্রালিছাং স্ট্না, ক্রেমণানান্ত্রালিছাং স্ট্না, ক্রেমণানান্ত্রালিছাণ ক্রেমণানান্ত্রালিছাং ব্রান্তর্বালিছাং ক্রেমণানান্ত্রালিছাং ব্রান্তর্বালিছাং ব্রালিছাং ব্রান্তর্বালিছাং ব্রালিছাং ব

```
দিভীয়া।

। । ।

পরেবিণ্ডু পথা ব্রকঃ প্রথোত ভক্ষরঃ।

। ।

পরেণ দছতী রুজ্ফুঃ প্রেণাছায়ুর্ধতু॥ ২ ॥

পদ-পাঠঃ।

। ।

পরেশ। এড়া পথা বৃদ্ধা প্রমেশ। উভা ভদ্মরঃ।

শিবেশ। দছতী। রুজ্ফুঃ। প্রেশ। জ্বংয়ুঃ। আর্ডু॥ ২ ॥
```

পরেণ আমংস্কারমার্গাল্ অক্তেন শণা বৃদ্ধ অরণাখা এড় গছড়। উতপদ্ধ অপার্থে।
ভয়র: চোরোপি পরমেণ ভরোপি দ্রতরেশ মার্গেণ গছড়। 'লিবাবিভা-' ইত্যাদিনা
ভদ্ধবিপাপদে করোতেইঃ। 'ভব্দরভো: করপভো:-' ইভি চোরেভিবেরে ছুট্ তলোপ:।
লগ্জী নম্ভবতী রজ্জ্ব: রজ্জ্বাকুভি: লর্প: পরেণ অক্তেম মার্গেণ গছতু। দল্ভা অল্যা: লভীতি
মভূপি 'পদ্ধন্-' ইভ্যাদিনা দল্ভশদ্পা দল্ভাব:। তপা অঘং পাণং হিংসনং পরেবাং ইচ্ছতীতি
অবার্থ:। 'ছম্পনি পরেজ্বারামণি' ইভি ক্যাচ্। 'অখাবন্যাং' ইভি আবং। 'ক্যাজ্ম্মনি'
ইভি উপ্রভার:। ব এবিদ্ধ: অক্তেপি হিংল্ডঃ প্রাণী অম্বংল্ফরণপ্রদেশে বিভ্তে শোণি
পরেণ অক্তেম পথা অর্ক্ গছড়ে। ববী গতৌ ইভি বাড়ঃ। (৪কা—১অ—০ংস—২ম)।

> । আং। স্থান্। বিংশভিস্। স্থান্ট্র

কে বাজ তে তব আছে আদিবী চ মুগং চ আগ্যং চ অন্তর্মানি অন্তর্মান। আভি নাশনে। 'ইদজে মলিং'। ( লাৎ) অনন্তর্থ বিংশতিদংশাকান পাণ্চত্ত্তীয়ে পঞ্লোবস্থিতাম্ দর্মান্ মধান্ বিমানরামা। 'পঞ্জিবংশতিং' ইত্যাহিনা নিগাভিত্যে বিংশতিশক্ষা। গংখ্যেয়ামাৎ বছ্বেশি বিংশতিদংখ্যায়া এক্স্বাৎ ভদ্ভিপ্রায়েশ এক্বর্চনং ॥ (৪কা-১অ-৩ছ্-৩ম) ঃ

চতুৰী।

| বাজং দখভাং বয়ং প্রথমং ক্সন্ত্রামিদ।

| বাজু প্রেম্বর্থা ক্সন্থা ক্রম্যা ৪।।

পদ-পাঠঃ।

| ব্যান্ত্র্যা দ্বতাব্য বয়ব্য প্রথমব্য ক্সন্মাদি।

আং। উংইভি। জেনব্য ক্ষেণ্য ক্রিয়া ব্যাতুহ্পান্ধ্য

দৰ্ভাং দল্পবভাং থাদনশীলানাং হিংল্রাণাং মধ্যে ব্যান্তং শার্দ্ধি প্রথমং বরং অন্তরামদিঃ
ক্ষমানঃ নাশরামঃ। আনু অন্তর্মেব তেনং ভক্তরং অন্তর্মানঃ। অধ্যে অন্তর্মেক কৰিং

निर्गर बाजूबानर वक्कत्रकः आकृष्ठि अवर दुकर नानाद्वकर व मानप्रायः । । ।

**जर्या हे** छि। तुक्त्। ८।

শঞ্মী।

| | |

বেগ অক্ত ক্টেন আয়তি ল শংপিষ্টো অংশায়তি।

| |

শুধামণধ্বংগেনৈবিজ্ঞো বজ্জেশ হস্ত তম্।। ৫।।

**१**५-भार्ठः ।

। । বঃ। অক্ত। তেনঃ। আহলয়তি। দঃ। দম্হণিটঃ। অণ। অয়তি।

नक्षम्। जनस्वस्यम्म। अजू। हेखः। रुख्यः। हदः। छन्। ॥

আন্ত ইহানী। বা জেনা চোরা আছতি আগছতি। আয় পয় পার গতে। ল চোরা লিপিটিঃ
আমাতিশচুলীক্তা লন্ অপায়তি অপগছতে। অপাক্রামতু ইতার্থা। ল চ পথাং মার্মাণাং
মধ্যে ধ্বংলেন ধ্বংলক্ষেন কটেন মার্গেশ অপ এতু অপগছতে । তালুলেন মার্গেশ অপগছতেও
ভং ইংছো বেবা বজেশ ক্রীয়েন অঃমুখেন হক্ষ হিনত। (৪লা – ১আ – ০ছ – ৫ম );।

নিষ্যুক্। তে। গোধা। ভবতু। নীচা। ভরং। শবরু। স্বাং।৬ঃ

মৃগত হিংশ্রত ব্যাহ্রালেঃ লক্ষাঃ মৃণাঃ বৃঢ়াঃ বাদনলমবা ন ভবস্ত । মৃক্টা মোহলমৃত্যাগনে।
ইত্যকাল নিঠা। 'রাজোপঃ' ইতি ছকারলোগঃ। 'রলভাগ' ইতি নিঠানবং। 'ন
ব্যাব্যাপ্ মৃক্ট্রদান' ইতি নিবেন্ধক ছাফলখাল্ ন প্রবর্ততে। শীফাঃ শির্দি ভবা হিংলকঃঃ
ভ্রত্যক্ষাল্যঃ অব্যাহ্রা অপি মৃঢ়া ভবস্ত । উলফঃ শম্কেরে। পৃষ্টাঃ পর্যান্ত গ্রত্য ভূটিবিব্রো মৃত্যান ভবস্তা হে পাছ তে ভব গোধা এতংকংজ্ঞঃ প্রাণী নিমৃত্য ভবতু ভূটিবিব্রো ম ভবতু। •মৃত্যমৃত্য গঠাবাঃ ইত্যমাং নিপ্রাং দর্শনিবাহিনঃ কিল্। • শশ্রং।
অস্বনশীলো চটো মৃগা। নীচা ভগত্তেল মার্গে অয়ং অয়তু গ্রুক্ত্য অর্তেল টি
অভাগমঃ। শশ্রুরিভি। শীক্ষ অংগ্রুক্ত্যমাং •মৃনী • (উ০ ১) গ ইত্যাদিনা উপ্রভারঃ।
ভার্বাক্ বির্দ্ধনং । (ঃকা—১ল—০হ—৬ন)।

#### गुरुभी।

यर मध्यत्म। न वि यत्म। वि यदम। यत्र मध्यमः।

। । । । । ইন্দ্রজাঃ গোমজা আথবরণমণি ব্যাপ্রজনমূ ॥ ৭ ॥

भ**प-भार्ठः** ।

प्रशासम्बद्धाः सा वि। यसः। वि। यसः। यदा सा समृद्धाः।

हेलक्षाः। तायक्षाः। चावस्यन्य। चनि। वाष्ठक्षस्य । १ ।

ইন্দ্ৰজাং ইল্লাভ্জাতঃ (নোমজাঃ) সোমাভ্জাতঃ। উভয়ত্ত 'জনদনবদক্ষণমা বিট্'।
'বিড্নোরস্নানিকতাং' ইতি আবং। এবজিং লংবমং লংবমনং লমাস, বাজিলীনাং
মন্ত্রনামর্থান নির্মনং বং অন্তি নালৌ বিরমঃ বিরুদ্ধেশ্যমনং ভবিতি। কুতত লংবমত অন্তথাভাবো মান্তীতার্থঃ। তথা বির্মঃ বিরুদ্ধেশ বিরুদ্ধেশাশং যথ মন্ত্রেণ ক্রিরতে নারং লংবমঃ।
তথ তলৈব ভবতীতার্থঃ। আথর্মণত ক্রিরাকলাপত ন কুরোপি অন্তথাভাবোতীতার্থঃ।
আনেন স্ত্তেন ক্রির্মাণং খাদিরঅভ্জালেগন।দিকং ক্রিরাকলাপং সংখাগ ক্রতে। ইি
ক্রিরাকলাপ বং আথর্মণ অথর্মণা মহর্ষিণ। দৃষ্টং কুতং বা বাছ্রভ্জনং। উপলক্ষণং এতং।
আভাদিগৃইপ্রাণিত্রিদ্দকং অনি ভবি। অ্থর্মন্দ্রমাদ অনি 'অনু' ইতি প্রকৃতিভাবঃ। ৭।
(ইতি) চতুর্কাতে প্রথমেন্থবাকে তৃতীরং স্কেং।

'বাং মা গদ্ধবাং' ইতি প্জেন পুরুষত বীর্যাকরণকর্মণ কণিপকস্লং ওবধিবং ধারা চায়ে প্রশাস্থিক প্রশাস্থি

ভক্ত প্রথমা।

#### लक्-लाईः ।

। । धाम्। चा। शक्तर्यः। अन्तरः। यक्नगाता मृडश्वः(वाः।

ভাষ। বা। বরষ্। ধনামদি। ওবধিষ্। শেপঃহত্বীব্য ১ ।

মৃতল্পে নইবীর্বার বক্ষণার পুনত্ত বীর্বাং জনয়িছেং হে ওবং বাং বা বাং গদ্ধনি জ্বনং ধননেন উদ্ধান্ত (তাং) তাদুদীং বা বাং নেপোহর্বীং শেপার পুংশ্রেলনন ও বর্জনীং দীর্বাপ্রানেন উদ্ধান্তি ওধি কি কিপিকাধাং বয়ং ধনামদি ধনামঃ। শেপোহর্বীং ইতি। য়ঙ্শীঙ্ভাং রূপভাক্ষোঃ পুক্ চ (উ॰ ৪২০০) ইতি আঙ্গে অভিধেরে শীঙ্ অসুন্পুর্বান্ত। হালুডেং ক্রণে লুট্। টিরাল্ ভীশ্॥ (৪কা—১স্—৪স্ —১ম)।

#### বিভীয়া।

উত্বা উত্সূৰ্য্য উদিদং মানকং বচঃ।
-----

উদেকতু প্রকাণতিক্ষা ওলেণ বাজিন।। ২।

। । উহ। উবাঃ। উহ। উংইভি। স্থ্যা। উহ। ইদৰ্শ মানকৃষ্। বচা।

भव-भाठे**ः** ।

উৎ। এक्छ। अन्नारणिका द्वा छात्रन। वाकिना ॥२३

উবাঃ স্থাত পত্নী ধেবী যাজিনা বলবতা শুলেশ বীর্যোণ উদ্বেজ্ উভূতং করোত্। উনকং চার্বে। স্থাত উদ্বেশ উৎকৃষ্টনীর্যায়ক্তং করোত্। মানকং মদীয়ং ইদং মন্ত্রাপ্ত বচঃ উদ্বেশ্ব আলাগতিঃ প্রজানাং পদ্ধিঃ দর্মজগৎপ্রত্নী দেবঃ উক্তলক্ষণ বিষয়েণ উদ্বেশ্ব ক্ষানাং প্রজাননাং উৎকল্পরত্ন। এজু কল্পনে ইতি গাড়া। প্রজানতিরিত। প্রজারতে ইতি প্রজান। 'উপনর্গে চনংজায়াং' ইতি উপ্রতায়ঃ। বল্পীনি শালে 'পত্যাবৈধর্গে' ইতি পূর্বাশব্দপ্রতিক্ষরধাঃ। (৪কা —১ক্স—৪হ —২ম)।

# ं इष्ट्र्र(-मुखर ।

ভূঙীয়া।

। । । ভততের শুক্ষণত্তরমিয়ং কুণোডোদদিঃ। ০ ।

পদ-পাঠ**ঃ**। .

यक्षाः चा उठा निरुद्धारहाः चक्छिङ्धम्**रहेता च**न्छि।

ভভঃ। তে। ভয়বং২তরম্। ইয়ম্। কুণোতু। ওম্বিঃ।৩॥

হে বীর্ণাকাম পুরুষ তে তব বিরোহিত: পুত্রণৌত্রাধিরপেণ বিরোহণদ্য নিমিতং পুংবাঞ্জনং অভিতপ্তং ফণ্যক্ষমৰ যথা স যেন প্রকারেণ থলু অনতি চেইতে তভঃ তেনৈৰ প্রকারেণ ইয়ং ওয়াধঃ তে তব পুংবাঞ্জনং ভ্যাবতরং অতিশায়তবাধাযুক্তং কুণোতু করোতু। ৩।

**ह**ञ्जू ।

। । । উচ্ছু (क्योंवगीनाः नात श्रवणाम्।

मः शूरमामिक इक्षामित्रान् त्यति धन्विमा ॥ ॥ ॥

नम-भार्ठः ।

. । উदा ७ द्याः ७ यभोनाम्। मात्राः वामरूपाम्।

नगा भूरनागा हेसा इकामा व्यापना प्यापना एवंहा उन्हर्यान्। ।

ওবণীনাং অস্তাসাং বীর্ষায়ক্তানাং বীক্ষধাং ইয়ং ওবণিঃ গুলা বীর্যার শা ধবভাগাং শেচন-শমর্থানাং বীর্যান্তাং শারা শারভূতা। তাদুনী ওবাধঃ ইমং পুরুষং উৎ ঈর্মজু বীর্যাযুক্তং করোজু। শার ধবভাগাং ইাত। 'ধাতাকঃ' ইতি প্রকৃতিভবিঃ। বে ইঞা সম্পূর্যাং শমাকৃ াপোষরিজীশাং ওবধীনাং শহরি যদ্রফায়ং বীর্যাং অন্তি তদ্ লামিন পুরুষে তনু নশং শরীরাধীন কৃষা থেছি ধারয়। দম্পুৰাং ইতি। পূব পুঞৌ ইতামাৎ 'কিপ্চ' ইভি কিণ্। ধেহীতি বিশ্বোরেকৌ•'ইতি এমাভাগিলোণোঃ (৪ফা – ১ম্ল – ৪ম্ ৪ম্)।

#### शक्ती।

তাং রদঃ প্রথমকোথো বনস্প্রীনাম্।

।
।
।
।
।
ভিত সোমক ভ্রাতাহাতার্শন্য রহ্যাম্॥ ৫॥

পদ-পাঠ:।

। অংশাদা রশুলা আংশমহজলো অন্থোইভি । বনস্প্তীনাম্। --

উত। ৰোমভা আডা জাৰ। উত। আৰ্শন্। জাৰা রক্ষাম্॥ ৫ ।

তে কণিথকমূল বং জণাং মথামানানাং প্রথমজঃ প্রথমং উৎপল্লো রদঃ অমৃতাত্মক্থং
আনি । অথা অসি চ বনম্পতিনাং সমানজাতীয়ানাং বৃক্ষাণা শারভূতোদি। (উভ অশি চ)
বৈনিম্ভ ওবণীনাং অধিপতেঃ অমৃত্যমুগ্য দেবলা ভাতা সহজোদি। অমৃত্যথনকালে
লাহাংশেলহাং। উত অশি চ ( আর্ধং ) ঝ্যীণাং অক্রিঃপ্রভূতীনাং লছদ্ধি বৃষ্ণাং মন্ত্রপ্রভাবঅনিতং বীর্থাং অদি ॥ (৪কা — ১অ — ৪খ — ৫ম)।

वश्ची।

শক্তায়ে শক্ত গৰিভয়ক্ত দেবি সমুস্থতি।

আভাভ বেশাণৃস্পতে ধহুনিবা ভানয়া পদঃ ॥ **৬ ॥** 

#### भक्- गार्डेश ।

হে অয়ে অন্ত ইদানীং অন্ত বীধ্যকামত পদঃ পুংবাজনং নীধ্যপ্রদানেন গছরিব আ ভানদ্ধ আততং উপর্বায়তং কুরু। অফ গবিত রিজ্ঞাদিকং এবং ঘোজাং। গবিতা সর্বাস্ত প্রেরকো দেবং। দেবী দেবতারূপা দরস্বতী। অনেন বিশেষণেন নদীরূপায়া বাাবৃত্তিঃ। ব্রহ্মশলাতির্মন্ত্রভাদিপতির্দ্ধেরঃ। আ ভানদ্বেতি। তহু বিস্তারে ইস্তামাং গাস্তাৎ লোট্। পদঃ
দক্ষ লিঙ্গবাহিতং 'আহতং গভে পদো নিজ্জ্জনীতি ধাণিকা' (১৪০ সং০ বাষাচ্চাত্র)
ইত্যাদিমন্ত্রান্তরপ্রসিরং॥ (৪কা — ১ আ – ৪ত্ – ৬ম)।

#### गश्चभी।

क्रमधर्भ हेन (ताहिङ्गनवङ्गात्रका मन्। १ ॥

#### পদ-পাঠঃ 1

খা। অত্থা তনোমি। তে। পলং। আংগা জ্যাস্ইব। ধব্নি।
— --- —

ক্রমস্ব। অলং ১ইব। রোহিত মৃ। অসলবং রায়তা। ল্লান ৭ ন

তে বীর্যাক্রাথ তে ছলীয়ং পদঃ পুংবাঞ্জনং ক্ষংহ আ তলোমি মন্ত্রপ্রতাবেন আওতং বীর্ষাদবুজেং করোমি। তত্ত্ব দৃষ্টাস্থঃ। শহনি দক্ষরি ক্ষণারোপিতাং আগামিব মৌর্কীমিব। তথাংবংশব ইব সেচনদমর্থো ব্রবস্ত ইব রোহিতং ক্ষত্র পুংবাঞ্জনং ক্ষত্র বল্লাতা নৃত্যতা মনসা লক্ষণ
ক্ষিব ক্ষেম্ব ভার্যাং আক্রমব। 'বৃত্তিদর্গতায়নের্ ক্রমঃ' ইতি আম্মনেশদং। ব্রুক্তিঞ্জ ক্ত্যাদিঃ। তত্তা ব্যক্তাং লটঃ শ্তাবেশঃ। (৪কা — ১কা — ৪কে — ৫ম) চ

[ 871-241

, , , , ,

। গথ ঋষভদ্য যে বাজাস্তানিত্রিন ধেহি ভন্বশিন্।৮ ॥

অ্যাপ্তরস্থাজ্য পেইণ্য চা

शत-शार्भः।

জ্ব। ধ্ৰভসা। যে। বাজাঃ। ভান্। অসিন্। ধেছি। ভনুহৰশিন্।৮॥

শবঃ প্রশিক্ষাে শব্দির প্রথা কার্যান কার্যান উৎপল্লে জ্যাতিবিশেষঃ। শব্দ ছাগঃ। পেছো মেষঃ। ধ্যকঃ গোজাাতঃ শেক্তা প্রান। শুগণক্ষ চার্যে। এতেগা শ্বাদীনাং যে বাজাঃ বানি বীধ্যানি সন্তি তান্ বাজান হে ওমধে তনুবলং তথাঃ শ্বীর্দ্ধ বলে বলা ভবতি তথা শব্দিন্ বীধ্যকাষে পুংবাজ্ঞনে বা গোহ স্থাপয়। (৪কা—১খন –৪২—৮ম)।

( ইতি ) চতুর্বে কাণ্ডে প্রাণমের্গাকে চতুর্বং হক্তাং।

'সহস্কঃ' ইতি ক্জেন স্থাভগননে ওসাস্তংপরিশরতিনাং চ স্থাণনার্থং উদ্পাঞা সম্পাতঃ অভিমন্তঃ তেন শ্বনশালাং প্রোক্ষা শেষং অভাশর্থারে নিন্দ্রং । তথা নগ্ন শ আনেনৈর উল্পুলং অভিমন্ত্রগ্রেত । তথা গৃহস্থোতরাং স্রাজিং স্থাগঠ্বায়া দক্ষিণং পালং বর্জু বা অভিমন্ত্রগ্রেও ৷ ক্তিতং হি ৷ 'শহস্কু হাত স্থাপনং উদ্পাত্রেণ শম্পাত্রতা শালা সম্পোক্ষ্যাপ্রশিন্ হারপক্ষে স্থাজতি ৷ এবং নগ্ন উল্পুলং উত্রাং স্থাজিং দক্ষিণং শগ্ন পাদং তত্ত্ব অভিমন্ত্রগ্রেও ইতি (কৌ ৪০২ ) ঃ

তত্ত প্রথম। ।

।

সহস্রশ্লো রুদভো যঃ শমুদ্রাহুলাচরং।

।

তেনা সহশোনা বয়ং নি জনাত্ত্বাপ্যামণি ॥ ১ ॥

লহস্তৃত্ব সহস্ত্র শিঃ ত্রাঃ ওকঃ বর্ষিতা কামানাং রুষ্টিস্বলম্ভ বা। স্বাহিত হি।
আনি হাজিলায়তে রুষ্টির্রু ইরেরং ডকঃ প্রকা: ইতি (ম - স্মৃত ৩০৭৬)। এবস্তুতো য আনি ভাঃ
লম্জাৎ অসুণেঃ। যথা সমূত্র ইতি অন্তরিক্ষনাম। অস্তরিক্ষপ্রদেশাৎ উন্মাচলণরিদরবর্তিনঃ উন্নার্থ উন্নার্থ তেন উনিভেন লহলোন। সহঃ শত্রেণাং অভিভবনং। তথা লাধুঃ
লহলাঃ। তালুশেন আনিতোন (বয়ং) জনান্ আবস্থিতান্ নি যাপায়ামদি নিমাণায়ামঃ।
আপেন প্রবশান্ কুর্মঃ। (৪কা—১অ—৫ম্—১ম)॥

দিংীগা।

ন ভূমিং বাতো অতি বাতি নাতি পশ্যতি কশ্চন।

। । । । । । ।

স্থিশত সক্ষাঃ স্থাপয় শুনশ্চন্দ্ৰশ্যা চরন্ । ২ ॥

পদ-পাঠঃ।

। । । । । । । ।

না ভূমিণা বাতঃ। শতি। বাতি। না শাত। শুভিঃ। কঃ। চন।

সিল্লাঃ। চ। স্কাঃ। স্থাপ্য। শুনঃ। চ। ইঞ্ছেশ্যা। চরন্। ২ ॥

বাতঃ বায়ুঃ ভূমিং নাতি বাতি নাতিমাঞ্ গছতু। অতিবাতেন স্থাণভঙ্গে যা ভূদ্ ইতার্থঃ। তথা কশ্চন যঃ কোণি তএছে: অনঃ নাতি পঞাত আহিশয়েন ন পশুতু। স্থাপণরবশো ভবতু ইতার্বঃ। অণি চ হে বাত ছং ইন্দ্রশাই ইয়েঃ আ্আা। দ দ্র্পা যুশ্য প্রোধ্যায়োঃ ভ্রাক্তঃ চরন্ বেহে ব্রুখানঃ ভ্রু পারিভোক্তাঃ কর্মঃ ক্রিয়াত শুনশ্চ স্থাপয়। খন্শ্রুংশিদ 'খুয়ুণ্যবোনাং অভ্জিতে' ইতি গ্রুগারণং॥ ২॥

```
তৃতীয়। বুশ

শেল প্রাক্তিরেশয়। নারীহা। বহুশীবরীঃ।

শেল বাঠঃ।

শল-বাঠঃ।

ব্রোহেছিল্মাঃ। ভরেহশ্যাঃ। নারীঃ। যাঃ। বহুহ্নীবরীঃ।

ব্রিরঃ। যাঃ। পুশাহস্ক্রঃ। ভাঃ। ক্র্যাঃ। আপ্রাস্লি। ৩।
```

প্রার্থেশরাঃ প্রান্ধণে শয়ানাঃ ভরেশয়াঃ শট্বায়াং শয়ানাঃ। উভয়ত্রাণি 'অধিকরণে শেতাঃ' ইতি অচ্ প্রতায়ঃ। 'শয়বাল্বাল্মকালাং' ইতি শপ্তমা। অলুক্। বা এবভূঙা নারীঃ নার্যাঃ সন্থি বাশ্চ বহুশীবরীঃ। বহুতানেনেভি বহুনলাগনং আন্দোলিকাদি বহুং। তকে শয়্নঅভাবা ষাঃ ব্রিয়ঃ লক্ষি। (বহুং ইতি) 'বহুং করবং', ইতি য়ৎপ্রভারাজো নিশাভাতে।
ভশির্পণণে শেতেঃ 'শব্রেভাগিণ দৃষ্ঠান্তে' ইতি ক্রিণ্। 'বনো র চ' ইতি জীব্রেফৌ।
আনি 'বা ছম্মনি' ইতি পূর্মান্বর্শনীর্মঃ। বাশ্চ অলাঃ ব্রিয়ঃ পুণাগস্কয়ঃ শোভনপদ্মযুক্তাঃ দক্ষি।
পুণাতা সক্ষ ইব গজো বান্ম ইতি বিগৃহ্ণ 'উণ্যানাচ্চ' ইতি গস্কত ইৎ অভালেশঃ। ভা
অন্মক্রান্তাঃ লক্ষাঃ ব্রেয়ঃ স্বাণয়ামনি স্থাগয়ায়ঃ। (৪কা—১অ—৫ম্—০ম্)ঃ

শ্বনাং ব্যালয়াশাল কাপয়াখ:। (৪কা—১জ—৫ৼ—৩ম)

• • •

চতুৰ্থী।

। ।

একাণেজন্তপ্ৰভং চকু: প্ৰাণ্মজ্ঞভুম্।

।

।

অঙ্গান্তপ্ৰভং গৰ্কা রাজীনাম্ভিশক্রে॥৪॥

শ্বন্ধার:।

। । । অংলানি। অঞ্প্রভৃষ্। স্কানি রাজীপান্। অভি২শকারে। ২০

অজপ্রভৃষ্। চকুং। প্রাণ্য কর

একবেশং বছদ্ একতিমণ্ কাডি শ্রীণিকাতং তৎ দর্বং ক্ষপ্রতং খাণেন গৃহীতই ক্ষাবিং দিকত্ব কলেনে ইতামাৎ লট শ্রাবেশ:। গ্রহ উপাধানে ইতীমাৎ গালাং লুভি চচি ক্ষপ্রতং ইতি ক্ষপ:। 'ব্রহেডি: 'ইতি তহং। তবা চক্লু: প্রাণং তদীরং দর্শনিদাবনং ইন্দ্রিং প্রাণণজারম্বানাশ্রতং গদ্ধগ্রহং ইন্দ্রিং চ ক্ষপ্রতং খাণেন গৃহীতং ক্রিনা তথা তদীয়ানি দর্বা দর্বাণ কলান হত্তপাধাদীন একগ্রতং ক্ষক্রহং ছি একং দর্বং কাক্ষ্ কালে কুতং ইতি তদ্ পাহ। রাজীগাং ইতি। রাজীগাং দ্যাদ্ধিক্ষ ক্ষাত্রকরে ক্রিশ্রতা শ্রমী হমিন কালে দ কাল: ক্রিশ্রিটা ক্ষাত্রকরে। তমাত্রিক্রি

শান ভিদরণ দ্বার হো জন: তা আ তে য । (চরতি ) শাকরতি ব শাচ তা ভির্কি ছিতঃ
শান্ বিশাস্তাক বিবিধং ইওডেঃ শাস্তা। (ভবাং শংশ্বাং জানা চক্ষি দি দ্বাং।
শংহিতানি নিমালি গান কুর্মঃ। তা দুইছেঃ। ইবং দুস্তানাং হর্মাং যথা দুর্মনা তিন্দু স্থা। চক্ষুম্বি প্রাণিকাতং মাং জুইুং জন্মধং তাকু ইত্যবং । (৪কা—১ল – এম্—এম্) ।

ষ্ঠী।
। । । । । । বলু সাভা স্বলু পিতা স্বলু মা স্বলু বিশ্পতি:।
। ব্যস্থা, জ্ঞাতয়ঃ স্বলুম্মভিতো জনঃ। । ।

ে কিন্তা: ব্রিরা: প্রবাপনেন বনীকরণং অতা চিকীর্ষিতং ভক্তা মাতা প্রথমং স্বপু স্থিতি নিজাপরবলা ভন্তু। ক্রিস্প্ লয়ে। লগাৎ লোটি অনাদিষাৎ লগাে লুক্। 'রুলানিজ্ঞী নার্মাণাতুকে' ইভি ইড শান্দ্রান্দর। ভক্তা: শিভা চ স্বপু নিজাতু। যথুনা গৃহদা পরিরক্ষণাধ্ব বা দারি বস্ততে গোণি স্বপু নিজাতু। বিশ্পভি: গৃহাদিপভিন্চ স্বপু, শেভাং। আইনা। বঠার্মে চতুর্মী। অনাাঃ প্রেণ্লিভায়াঃ ব্রিরা যে আভ্য়ং দান্ত ভেশি স্বপন্ত। গৃহাদ্ প্রি: অভিত: রক্ষণবিং নিযুক্ত: অয়ং জ্লাশ্চ স্বপ্ত, নিজাগৃহীতো ভবতু। এবং মাত্রাদীনাং স্পন্থাবনিন্দ স্ভিল্যিতিশিদ্ধিরাশানাতে। (৪লা—১অ - ৫ম্—৬ম)।

হে স্থা স্থাতিমানিন দেব স্থাণিকরণেন স্থাপ যদ্ অধিকরণং অধিষ্ঠানং শ্যাদি তেন সাধনেন শ্বং জনং নি ঘাণয় নিতরাং স্থাপয়। অয়মেবার্ণঃ অবধিপ্রদর্শনেন বিবিয়তে। মাজাদিয়ো যে অত্যে অফুজান্তাং তান্ অন্তান্ ওৎস্থাং উত্তন্ স্থাো ইন্নিন্ কালে শ উৎস্থাঃ কালঃ তাবৎপর্যাধং স্থাপয়েতার্থ। এবং স্পাপনস্থ প্রস্থাপনে দ্ভি (স্থিয়ী) অবিংগিতঃ অক্সিডঃ কর্মানিত প্র প্র কর্মাণ । (৪কা—১অ—৫ম্—१म) ।

(ইতি) চতুর্বে কান্তে প্রথমেগুলাকে পর্যাৎ স্কুলং 
(ইতি) চতুর্বে কান্তে প্রথমেগ্রুলাকঃ 

।

'প্রাক্ষণা অজ্ঞে' 'বারিদং' ইত্যাভ্যাং কন্দ্রবিভৈষ্ণাবিং উদকং অভিমন্ত্র বিধান্তইং প্রকাশ পার্থে । তথা বিধান্তক। তথা আভ্যাং জীবহরিশ্চর্ত্রাবিধ্যালিতং পতি ভ্যাব্রনিকাশ কৈশ্বিধালিতং উদকং আভ্যান্ত আভ্যাং জীবহরিশ্চর্ত্রাবিধ্যালিতং পতি ভ্যাব্রনিকাশ কৈশ্বিকাশ কিশ্বালিতং উদকং আভ্যাং আভ্যাং আভ্যাং আভ্যাং উদক্ষ আভ্যাং আভ্যাং আভ্যাং উদক্ষ আভ্যাং আভ্যাং উদক্ষ আভ্যাং আভ্যাং উদক্ষ আভ্যাং উদ্ধালিতাং ক্ষ আভ্যান্ত আভ্যান আভ্যান্ত আভ

মহত্তৰাতিবং দৰ্শলাভাবিশি চাতুৰ্মণীং অভি। তথ্ৰ প্ৰথমং শৰ্শলাতীরানাং আদিভূত-উক্কাখো আক্ষণ: আক্ষণজাতিঃ জাতে উৎপ্রং। দ শিশেভতে। দশশীর্থ: দশগংখানি শীর্থাণি শিরাংশি বস্তু দ তর্জোক্তা। অভি এব দশভাঃ দশমুণঃ। যুমাদু অরং আক্ষণঃ ত্যাৎ শু

**भट्यो। मः। हकात्र**ः

ভিজ্প কট প্রথম ক্ষান্তির নিজ্তি যেতাঃ পূর্বজাবী দন্দোনং প্রেণী ভালোক সং অমৃত্যমং লোমং পীতবান। দ চ দোমপো আক্ষাং ক্ষমুলাদিখনি তং এতং বিবং অমুলং রণর বিতং নিক্ষীবাং চকার করোতু। ভান্দদো লিট্। খাজে ইতি। খানী প্রাত্তীবে ইত্যামাৎ লিট্। বিষ্ণুম্ন বিভিত্তি প্রধালোণ 'বিক্চিনেচি' ইতি স্থানিব্ভাবাদ্ বিক্চিনং । ১ ।

भाव**ो हे** छ। ভাষা সুধিবী ইতি। ব্রিম্ণা। যাবং। দপ্ত। দিয়াবং। বিহত ছিরে।

ভাষাপৃথিবী ভৌশ্চ পৃথিনী চ ভাষাপৃথিবো)। 'দিবো' ভাষা' ইতি ভাষাদেশং। 'বা ভ্লানা' ইতি পূর্বদর্শনিহি। তে ভাষাপৃথিবো) বরিন্দা উক্লেখন বিভারেশ বাবতী যাবতো ভাষাবংশরিমাণয়ুত্তে ভবতং। যজ্জাং 'ষভদেতেভাঃ পরিমাণে বজুণ' ইতি বজুণ্। 'আ দর্জনায়ঃ' ইতি আহাং। বারমণেতি। উক্লেখাড় ইমনিচি 'প্রিয়ছিরন' ইত্যাদিনা বর্ আদেশঃ। উদভিনির্ভিমরেশ বিভজেরলাভ্রং। তথা (পপ্ত) সপ্তাদখালাঃ শিল্পবঃ শমুলা আবিং যংশরিমাণবৈশিটোন বিভজ্জিলাভ্রং। 'সমব প্রবিভাঃ ছঃ' ইতি আহামেশলং। ইতঃ জামাং ভালুক্পরিমাণবিশিষ্টমোর্জাবিশ্ববাঃ শকাশাং সপ্তাম্মাতি হিম্ম দুষ্বীং কল্মুলালিজনিভাববন্। নাশনীং তাং ভালুলীং বাচং মল্লাজ্মিকাং নির্বাদিষং। ভাষোর্জিকার্মানীভার্ষঃ। বিশেহাল্পণো লুঙ্ব। 'বদ্রজহলম্বনাচিঃ' ইতি বৃথিঃ। (৪কা—২ল—১৬—২ম)।

তৃতীয়া।

।

শ্রপ্তিয়া গ্রুক্ত্রান্ বিষ প্রথম্মাবয়ং।

।

मामीभरता नाक्रक्रण উछाचा अवनः निष्टः। ०।

### পদ-পাঠ: 1

ण्डभर्ना छ। शक्रणान्। दियः। ध्यमम्। चातप्रदः।

ন। অব্যাঘদঃ। নঃ। অক্লেপং। উঠা অবৈদ। অভবঃ। পিছুঃ॥৩॥

স্থান প্রে প্রায় বিদ্যাল করে। বছরীকে নিঞ্জ স্থান হৈছি উত্তরপদান্তে দান্ত হা । এবস্থাকে পর্বলান বৈনতে এই বে বিষ ভা হাং প্রথম পূর্বাং আবহার । আবহাতি অভিন্ত হা । আভকরং । আভকরং । আভা নির্মীর্যালাল নিবোপত ওং পূর্বাং নামীনলা মন্ত আননিকলং মা কার্যাঃ। আভকরং । নার্রার্গাঃ। যুণ রুণ লুণ বিমোহনে ইতি ধাতুং। নিমূচং মা কার্যারিতার্যাঃ। উভয়নাশি গান্তাং লুক্তি চিঙি রূপং। উত লশি তু অলৈ বিশ্বইয়ে পুরুষার তে বিষ ভং শিতুং। আরু নামিতং। আরু বিশ্বইয়া পুরুষার তে বিষ ভং শিতুং। আরু নামিতং। আরু বিভাগং । আরু বিভাগং । আরু বিভাগং । তার বিষ ভং শিতুং। আরু বিশ্বইয়া প্রথম । তার বিষ ভংশালা বিশ্বইয়া প্রথম । আরু বিশ্বইয়া প্রথম । আরু বিশ্বইয়া বিশ্বইয়া বিশ্বইয়া প্রথম । আরু বিশ্বইয়া বিশ্ব

**Б**ञ्जी ।

যন্ত আদ্যুহ পঞ্চাঞ্জুনিক্বক্রাচ্চিদ্দি ধয়ন:।

অপক্ষম্ভণ্য শল্যানিরবোচমত্ং বিদম্ ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ ।

বঃ তে। আভিং। পঞ্ছঅক্রিঃ। ক্রনং। চিং। আধি। ধ্রনঃ।

ু অপ্রস্তুর্গ। ল্লাং। নিঃ। অবোচ্ন। অভ্না বিষ্যাওঃ।

গঞ্জুরিং পঞ্চ অসুরয়ঃ অসুপরে। যাস ল তথোজেং। 'বালমূললথবলনত্লীমাং বা রোলি আপালতে' ইতি লখনা বিকল্পনান্ধ বেজঃ। এবজুতো যোহতঃ তে খাং বক্রাং বক্রীজুতাত্ব (আদি) অনিজ্ঞান্ধ শ্বনং আলাং ধ্রুমালেণ পুরুষপরীরে প্রাক্ষিপং। চিচ্ছেন্ধং অপারে। খং বিবং বিষপ্রান্ধ হতং অপস্কৃত্বা অপল্পতাতে বিদার্যতে অস্তরিকে ইতি অপল্পত্ত ক্রেম্ক বিবং তিন্ধ শক্রান্ধ। বিশিষ্টান্ধ (আছিং) নির্বোচং মন্ত্রেণ নির্বার্থিং করোমি। ব্যাপ্তরান্ত দক্ষি ধার্যতে ইতি অপল্পতা বালং। তলা পলাং বিশিক্ষান্ধ অরোময়ান্ধ আলাং। বিবং লাসাং ইতি লক্ষাং। ইতি স্কৃতি গতিপ্রতিবন্ধে। আলাং কর্মণি ব্রেছা বৃদ্ধান বিশ্বাধি বিশ্বা

# शक्रभी।

শাল্যাদ্ বিষং নিরবোচং প্রাঞ্জনাত্ত পর্বথেঃ।

অপাষ্ঠাচ্ছলাৎ কুলালালারবোচমতং বিষয়।। ৫।।

भम-भा**ठः** ।

শলয়ং। বিষশ্য নিঃ। অংবাচম্। এছমঞ্জনাং। উড়। পৰ্ণহৰঃ

। অপাঠাং। সৃকাং। কুআলোং। মিঃ। অনোচম । অভম্। বিবৰ্তক ॥

( भन्। १ ) উক্তলক্ষণাদ্ বাণাদিশল্যাৎ শৃষ্টং বিষং নিরবোচং নির্গতং ক্রীমি। তথা আঞ্চনাৎ প্রকেশাং। উত্পক্ষঃ শম্চেদ্যে। পর্ণান পর্ঞানি পরানি ধীরকৌমান্তি পর্ণাঃ কর্কান্তঃ বিষমরপ্রেম্প্রেম। রুকো বা। তমাচে বল্ উত্তং বিষধ অপার্টাৎ অপকুটাবদ্বাদ্ এতংশংক্ষাদ্ বিষোপাদানাৎ শৃক্ষাৎ বিষাধাৎ কুলাবাৎ কুরোবাৎ কুরোবামলাচ্চ যদ্ উত্তং বিষধ তৎ দ্বাধা করিছ নিরব্রাহি। মন্ত্রশান বিশ্বন নির্গতং করোমী তার্থঃ। ৫ ॥

यष्टी।

মরগন্ত ইয়ে। শল্যোথো তে মরগং বিষয

উভারশন্য রক্ষন্য ধকুঠে অর্থার্গন্য 🖦 🖟

পদ-পাঠঃ।

জর্পঃ। তে। ইবোইতি। পলাঃ। অংখাইতি। তে। খর্ণস্। বিষ্ণৃ

केक। चत्रनारे। दुव्यनारे। श्रष्ट्रा (छ। चत्रनारे चत्रन्या क

হে ইবো বাণ তে ছণীরো বিবলিয়: শল্য: অরস: নির্বিধো তথ্ডু। অবো অনভরং চ তে ম্বারং বিবং অরশং বলরভিতং নির্বাহিত থড়ু। উত অশি চ অরপ্ত নিংলার্থ রুক্ত্রা লম্বন্ধি তে ম্বারং শত্রং অরশারহং অত্রব্ধ অরশং নীরশং নির্বাহিত থড়ু। ১৪

मश्ची।

(य ज्ञीसन् त्य ज्ञानिशन् य ज्ञामान् त्य ज्ञानाः ।

गत्म त्य व्यक्षः कृषा विद्यिभित्रांतः कृषः । १ ॥

गत्म त्य व्यक्षः कृषा विद्यक्षिभित्रांतः कृषः । १ ॥

गत्म ज्ञाना त्या ज्ञानश्चन ।

विव्यक्षित्रां कृष्णः । १ ॥

गत्म । व्यक्षः । कृष्णः । व्यक्षः । व्यक्षित्रः । कृष्णः । १ ॥

गत्म । त्या व्यक्षः । कृष्णः । व्यक्षः ।

বে জনাঃ জ্পীধন বিষোণালানং ঔবৰং জাণংবন। চ্ণীকৃত্য প্রবৃদ্ধীতারী হা ছার্মণের লঙ্। বে চ জনা জালহন জালফান। লেপনবিবং প্রযুগ্ধত ইত্যবাঃ। যে চ জাগ্ধন বিষং জ্ঞান্ত প্রাথ প্রাথ প্রাথ প্রাথ বিষং লক্ষ্মণান্ত বে চ লবাস্থান প্রাথ জ্ঞান বিষয়ে ক্ষ্মণান্ত ক্ষমণান্ত বিষয়ে নিক্ষ্মিয়াঃ কৃত্যঃ। বিষয়েরঃ কৃত্যুগ্ধানিব্রেৎপান্ত তে শক্ষ্মনাঃ এত্যুগ্ধ প্রাথাঃ কৃত্যঃ। বিষয়েরঃ কৃত্যুগ্ধানিব্রেৎপান্ত হেতুঃ প্রতৃত্য বিষয়ে নিক্ষায্যঃ কৃত্যঃ। বিষয়েন ক্ষ্মণান্ত বিষয়ের কৃত্যুগ্ধানিক্ষায়াঃ কৃত্যঃ। বিষয়েন ক্ষ্মণান্ত বিষয়েন কৃত্যুগ্ধানিক্ষায়াঃ কৃত্যুগ্ধানিক্ষায়ালীক্ষায়

वस्त्रत्त थनिकाद्या वश्चित्रभागावद्य।
वश्चिः म भव्यद्या भित्रश्वाद्या काक्यम् विवस्तानाः
वश्चः म भव्यद्या भित्रश्वाद्या वश्चः। वश्चः।

তে ওমণে বিবেপানামভ্তে তে তম কক্ষ্ণালে গনিভার খননেন উল্প্রারে জনাঃ

ক্ষুক্ষা নির্মীটা ভবজু। সমণি মন্ত্রভাবাৎ ব'রবেলি নির্মীটা ভবলি। ল ভালুদঃ পর্বভঃ

ক্ষুক্ষান্ গিরি: শিলোভার: বর্ত্তি নির্মীটো জনভি। সভঃ যামং গিরে: ইনং কক্ষ্ণালিলকণং

বিবং জাতং উৎপারং। ল পর্বভ ইভি শ্বদ্ধ: জাতং ইভি। জান্য: কর্ত্তি নির্মাণ গালিভেঃ

নির্মান্থ ইভি ইট্প্রভিবেধ: । 'জনলন্ধনাং লন্কলোঃ' ইভি আবং । ৮ ।

( देखि ) हजूर्य कारक ( ।वजोरभ्रशास्त्र ) व्यवसर स्वक्रर ।

'বারিনং বারয়াতৈ' ইভি বিভারতজত পূর্বত্তেন শহ উজে বিনিলোগ: ॥:

# ভত্ত প্রথম। বিরেশং বারয়াতৈ বরণাবভামিন। । ভত্তায়ুভস্যাসিজেং ভেনা তে বাসফে বিষ্মু।।১। পদ-পাঠঃ। বাঃ ইদ্দ্ বারয়াতে। বরণহনতাাম্। আদি। । ভত্তা অমৃতভা আহিন্তিদ্ ভিনা ভো বারয়ে। বিষ্মু। ১। ভত্তা অমৃতভা আহিন্তিদ্ ভিনা ভো বারয়ে। বিষ্মু। ১।

করণাবজ্যাং। বরণা নাম বৃক্ষবিশেষাং তে অভাং দন্তীতি বরণাবতী। 'শরাদীনাং চ' ইতি হতে সুর্বিপদত দীর্ঘ। ততাং (আধ)। আনিং দন্তমার্থাসুবাদী। ততাং হিতং ইনং বিষ্করং যাঃ বারি বারয়াতৈ অস্থানিং বিবং বারগ্রতু। বারস্কতেনেটি আডাগদাঃ। শর্ণাবজ্যাকত কোভিশন ইতি ভ্ঞাহ ভ্ঞাস্থ্যতি। তত্ত বরণাবভাগং অমৃভক্ত চুলোকত্ত বিষ্কুরং অস্ত্রপং আন্তিজং আক্তিও বিজ্ঞাত। অভা তেন অমৃভ্গন্নেন উন্কেন তে স্বাধীনং ক্ষেম্পুর্বিশ্নিকংনিতং বিষং বার্যে নিবারগ্রাম। (৬লা – ২০০ – ১২০ – ১২০ )।

বিভীয়া।

।
।

অবসং প্রাচ্যং বিষমরসং বৃদ্ধণীচাম্,।

।
।

অবেদমণরাচ্যং করাজেণ বি করাতে ॥ ২ ॥

### পদ-পাঠঃ ।

প্রাচ্যং প্রাণ্ডের পর বিষয় অরসং নীরদং নির্কার্থিয় অস্ত । তথা উদ্বাচ্য উদ্দেশ্ ভবং বহ বিষহ আন্ত তদলি অরসং নির্কার্থিয়ে তবতু। 'ক্রাপ্রাগণান্তদক্ষতীটো বহ' ইতি বৈশিকো বহ প্রতায়ঃ। তাল অনন্তরং ইদং অধরাচাং। অধরং অধ্যোদেশং আকতীতি অধরাক্ পূলিব্যা অধ্যাহ বর্ত্তমানা দিক্। তার তবং অধরাচাং বিবং। বলা 'প্রাণ্ডু অপাপ্রতাপ্ত অধরাক্ '(হণ কু.১৯) ইত্যাদিমন্ত্রান্তরের প্রাণাদি। দক্তর্বসমাতিব্যাহারেণ দক্ষিণ। দিক্ অধরাক্শন্ধবাচ্যা। এতচ্চ প্রতাদিশনার প্রতান্তরের প্রাণাদি। দক্তর্বসমাতিব্যাহারেণ দক্ষিণ। দিক্ অধরাক্শন্ধবাচ্যা। এতচ্চ প্রতাদিশনার প্রতান্তরে প্রাণাদি। ক্রম্বসমাতিব্যাহারেণ দক্ষিণ। দিক্ অধরাক্শন্ধবাচ্যা। এতচ্চ প্রতাদিশনার প্রতাদিশনার প্রকাশনার এবং শ্রমাক্ষিক্ষর । বর্ষ করন্তে। শিক্ষর সংগ্রাহ করন্ত ইত্যাচক্ষতে' (আল ১২০৪১০) ইতি আগভারবিদ্যাহ অর্কার্থিয়ে প্রত্যাধ্যা কর্মান্তর্যার করন্ত্রা বিষহরে প্রধানের প্রকাশনারে। তিন বি কল্পতে। বিগ্রাহাণ বিষহরে প্রধানের কর্মানারের ৪ কর্মানার বিষহরে প্রকাশনার ।

# क्रुगा।

।
করস্তাং কুহা ভিষ্যং পীৰস্পাকসুদারথিম্।

।
।
কিল হা হটনো অকিবান্ত্য ন রাক্রপা: ৪০৪

नम-नार्वः ।

করতখ্। কুঝা তিহাম্। পীনংহণাকম্। উলারবিদ্।

জুগা। কিলা খা। ভ্রমনোইতি হৃঃ২তনো। অকি হ্বান্। সং। ন। সক্ষপঃ। ৩ ছ

ইন্দান ইভি বং । 'অব্যয়ানাং ক্ষাত্রে । তিরাছবং প্রাক্তরাছেন প্রায়ুক্তং। তিরস্থকাং 'ভবে
ইন্দান' ইভি বং । 'অব্যয়ানাং ক্ষমাত্রে । ইভি টিলোলঃ। প্রিন্পাকং। প্রীবো ভেবঃ
শচাতে বেন তং প্রিন্পাকং। পচেঃ ক্রণে ব্ঞা, উদার্ঘিং উল্লিকাইজনকং ঈদ্বং

শহাত বিন তং প্রিন্পাকং। পচেঃ ক্রণে ব্ঞা, উদার্ঘিং উল্লিকাইজনকং ঈদ্বং

শহাত বিন তং প্রিন্পাকং। পচেঃ ক্রণে ব্ঞা, উদার্ঘিং উল্লিকাইজনকং ঈদ্বং

শহাত বিন কর্মান্তি বিন ক্রান্তি বিন কর্মান্তি বিন ক্রান্তি বিন ক্রিকার্য বিন ক্রান্তি বিল ক্রান্তি বিন ক্রান্

च। चार করপ্তং কৃষা করপ্তশবনাচাং মহং বিভাব্য ক্ষ্যা কিল বৃত্করা। কিলেন্ডি অপরমার্থে। অকিবান ভক্তিবান। পুরুষো ভক্তিবান। ন ভক্তিবাং তং পুরুষং ম কৃষ্ণ। আক্রাম ইতি। আনেলিটিং করং। 'লিটাপ্তরকাং'ইতি বস্লু আন্দেশঃ। 'ববেকাআন্দেশঃ'ইতি ইটি কৃতে উপধালোপে ছামিণভাবাং বির্কিচনাদি।
আক্রেম ইতি। কৃপ বিমাহনে। শুভাং লুঙি চঙি কুপং। (৪কা–২অ–৭স্—০ম)।

**ठ**ष्ट्रशे ।

বি তে মদং মদাবতি শ্রমিব পাত্যামিন।

। । । ed ছা চক্ৰমিৰ যেণতঃ ৰচনা হাপয়ামদি ।। ৪ ॥

नम-भाष्ट्रा

বিঃ তে। সখন্। মদহৰতি। শ্রম্হইব। পাত্রামণি। — ----

ধ। খা। চরুম্ছইব। যেষভাগু। বচনা। খাণয়ামনি । ৪ র

ছে মন্বতি বৃদ্ধিকরমন্ত্রে বিবোপানামভ্তে ওবণে তে ছনীরং মনং মৃদ্ধিকরং বিবং শক্ষিব বস্থাবা বিশ্বজন শর্মিন বি পাতরামনি বিপাতরামঃ। শক্ষং ইতি। শুহিংলারাং ইত্যামাৎ শুস্থিতে (উ॰ ১০০) ইত্যাদিন। উপ্রভারঃ। শরীরাৎ বিশ্বেষয়মাঃ। (হ বিষ চক্ষণ চরণনীলং স্তচরং দ্তামব জেবস্তা: জেব্ প্রবাদে। প্রথতমানং অলপ্রভালানি ব্যাল্লাক্ষণ বা বাং বচনা মত্ত্রে প্রাথান প্রস্থাসামঃ ॥ (৪কা—২ শ— ৭ ত্—৪ম) ॥

शक्षमा ।

পরি আম্বিশার্চতং ব্রুমা স্থাপয়াবসি।

िका दुक्क देव प्राप्त खिशास्त्र म कक्कणः ।। € ॥

গ্রামমিব জনদমুহমিব আচিতং উপচিতং দিবং। গ্রামদৃইাজ্যেন বিষক্ত প্রাব্দাং উল্লেং। স্টিল্নমিশ বচলা মত্রেণ পরিষ্ঠা অক্তা জ্বাপরামিশ স্থাপরামঃ। নির্ভাষ ইত্যর্কা। কে অত্রিবাতে। অত্রিঃ ধননলাধনং। তদীয়ধননেন লক্ষে ওবণে স্থারি স্থানে স্বকীরে বৃক্ষ ইব নিশ্চলা ভূষা তিঠা। মাব্যাপুটাত্যর্কা। অত এব ন রুরুণঃ পুরুষং নামুম্হঃ,॥ ৫ ৪

হে ওবৰে বিবস্লিকে বা বাং পনতৈঃ পননায় অভিঃ সন্মাৰ্কনীত্ৰী পৰ্যাঞ্জীপন্
শিরিকীতবন্তা মহর্ষঃ। পনতাপকো দাশতবাং ভাবাপুথিবার্কাচকবেন দৃষ্টা। 'বে
শব্যে পরি তং ম ভ্তঃ' (বা > ০০২৭।৭) ইতি। তথা দুর্শেভিঃ দুর্শৈ হেইণভানবদ্ধিতিঃ
বিবিদ্যালয় পর্যাক্রীনন্। উত্তপকা সম্ভাৱে। দুর্শেভিরিতি। 'নহলং ছন্দানি' ইতি
ভিল ঐপভাবঃ। বত এবং অভো হেতোঃ বং প্রক্রীঃ প্রাক্রাইণ ক্রীতা আলি ব্যলি।
স্কর্তিভাবিঃ প্রক্রীতা লতী আলাৎ স্থানান্নিগ্ছেতি ভাবঃ। প্রপ্রাং ক্রীণাতেঃ কর্মানি
শিলাদানিককবঃ কিন্। অভিবাতে ইত্যাদি ব্যাধ্যাতং॥ (৪কা—২ক্ত—১ক্ত-১দ্কর্ম) ।

# गस्त्री।

বীরান্। নঃ। আংবাং মা। দভন্। তং৷ বঃ।

# এভং। পুরঃ। দধে। १॥

হে জনাঃ বং যুদ্মাকং জনাপ্তাঃ জনস্কুল। যে শতাবঃ প্রথমা প্রথমানি মুখ্যানি যানি যোগাদীনি কর্মাণি চক্রিরে কুত্রস্তঃ তৈঃ কর্মাভিত্তে শতাবং নং লক্ষাকং বীরান বীর্ষাজ্জাতান্ পুরোণীতাদীন অতা অক্মিন্ দেশে যথা এয়ু কর্মান্ত নিমিন্তভূতেরু মা দভন মা হিংশন্ত। দন্ত দতে। তৎ এভৎ ক্রিয়মাণং ভৈদ্যারপং কর্মা বং যুদ্মাকং পুরং পুরন্তাং দধে রক্ষণার্বং ধারয়ামি । (৪কা নংজ— ৭ন্থ - ৭ম) ॥

### (हेडि) विशेष एकः।

'ভূতো ভূতেরু' ইতি ভূতীয়সজেন মহতি লঘো না রাজাভিষেককর্মনি শাস্তাদককলশেন উন্নাতির ভূতি। তথা লালাভিড ছালী শাক্সাদকলশেন অভিমন্তির অবং আবোহা অপরাজিতদিশং প্রতি গমনং চ কাররেং। স্থিতির হি। 'ভূতো ভূতেভিতি রাজানং অভিষেকান মহা(নদে) শাক্তাদকং করেভি' ইত্যাদি (কৌ নচ)। তথা রাজস্যে আলন্দ্যারোহণে রাজাভিষেকে চ এতং স্তেং। উত্তং বৈহানে। 'রাজস্মং' প্রক্রম্য 'বৈদ্যাঘ্রত্রেমাণ গ্রহণারাং আলন্দ্যাং ভূতে। ভূতেভিত্যাণ বেছিছে অভিবিঞ্গিত চ' ইতি (বৈ । ১))।

# ७क श्रेष्मा।

ভূতো ভূতের পর আ দ্বাভি দ ভূতানামধিপতিবিভূব।

।
।
ভন্ত মৃত্যুদ্দরভি রাজসুধং দ রাজা রাজ্যমুসু মৃত্যুদ্দর্শ > ॥

भक्-भाक्षः ।

ভূতঃ। ভূতেরু। পয়:। আ।। দথাতি। শং। ভূতানাখ়। অধিহণতিঃ। বভূব।

্তিক মৃত্যা চরতি। রাজহত্রদ্য দং। রাজা।

া রাজাদ্। অহা মহাতাম্। ইদম্॥১॥

ভূতঃ সমৃদ্ধঃ অভিবেকেশ প্রাধ্যেখিয়াঃ ভূতেরু সমৃদ্ধরু জনপদেরু স্বাধামাত্যাদিপ্রকৃতিজনেরু বা পর:। উপলক্ষণং এতং। ক্ষীরোপলক্ষিতং ভোজাং বস্তলাতং আ দধাতি
স্থাপরতি। দর্কেবাং অথুজীবিনাং অরপ্রাদা ভবতীতার্কঃ। অত এব সঃ অভিবিজ্ঞো
রাজা ভূতানাং প্রাণিনাং অদিশতিঃ অসিঠাতা স্থামী বভূব। মৃত্যুঃ ধর্মালাঃ ধর্মাধর্মপ্রবিভাগেন কৃইনিগ্রন্থলিষ্টপরিপালনে কার্মিতুং ভক্ত রাজ্ঞো রাজস্বং চ্রতি। রাজা সম্প্রত অমুজারতে জগদ্ধকণবিধা বেন কর্মণা তৎ রাজস্বং অভিবেকাধাং ইলং কর্মা
অমুভিত্তীতার্কঃ। ল কৃতাভিষেকো রাজা রাজাং। রাজাঃ কর্মা হইনিগ্রহশিষ্টপরিপালনাদিকং
রাজাং। তৎ অনু মন্ততাং অলীকরোড়। রাজাং ইতি। পতারপুরোহিতাদিভ্যো বক্<sup>ঠ</sup>া
ইতি কর্মাণ অভিবেরে বক্ প্রতারঃ। তত্ত পুরোহিতাদিরু 'রাজাংদে' ইতি পঠিতং ॥ ১ ।

বিভীয়া।

পদ-পাঠঃ।

খা। ডিঠা মিলেহৰৰ্জন। তুজাশা শেবাঃ। অধি। ক্ৰবন্য হ । -- -- -

হে রাজন নিংহাননং হস্তাখরবাদিয়ানং চ অভি প্রেহি অভিসক্ষা প্রগছে। না অপ বেনঃ। বেনতিঃ কান্তিকশা। অপকানং অনিজ্যাং মা কাবীঃ। উগ্রাভিনপূর্বিলঃ হ্রাগদঃ. চেতা টেভিতা। কার্যাক্রিভাগজানশীলবান, ইত্যবঃ। চিতী শ্রোনে ইত্যাঞ্ ভাষী লিক্ত্ন্। অত এব প্ৰপন্ধ প্ৰপন্নাং শক্ৰণং হস্তা। 'বহুলং ছম্পনি' ইতি হক্তঃ
কিন্ । রাজাননালিনমী লং গদা চ মিক্রবর্জনং বানি রাজমিক্রাণি মহামাক্রাদীনি পতি তেবাং
ক্রিলিলা লা তিওঁ রাজাননং হত্যধাদিয়ানং চ আরোহ। এবস্তার তৃত্যং দেবাঃ
ইক্রাদ্রো লোকপালা: অধি ক্রবন্ (অধিক্রবস্তু)। অধিবচনং পক্ষপাতেন বচনং।
ম্বীরোমং ইতি বাং অনুস্কুত্ত ইত্যবঃ। (৪কা—২অ—১ম্—২ম)।

# তৃতীয়া

আতিষ্ঠিত্তং পরি বিধে অভূদংচিহ্নাং বলান চরতি স্বরোচি:।

মহৎ তদ্ ব্ৰয়ো অন্তরত নামা বিশ্বরণো অমৃতানি তত্থে ৷ • ৷

### भा-भारतः।

। । । । । মহেং। তং। রুফঃ। অনুরুত। নাম। আ বিখংরুণঃ। অনুভানি। ডছে।।ও।

আভিউন্তং শিংহালনাদিকং আরোহন্তং বিখে সর্কে জনাঃ পর্যাভ্বন্ পরিতঃ আলমুর্কন্ত।
ভ্রম আলম্বারে। ভৌবাদিকঃ। (বনা) পরিতো ভবন্ত বর্তন্তাং। পেবতাং ইতার্বঃ।
ভবভেশ্ছালনে পৃতি সিক্ষেত্রনং ইতি বছলগ্রহণাং শিশ্। আছানানন্তরং শ্রিরং বলানঃ
রাজলন্ত্রাং ধারমূন্ অরোচিঃ আগভালীপ্তিঃ চরতি রাজ্যপরিপালনে বর্ততে। বলান ইতি।
বল আহ্বানে। আমাং লটিঃ লানচ্। অমুলান্তন্তাং 'তলার্ক্ষণাভূকত' (ইতি) অমুলান্তন্ত্রে
ধাতুত্বরঃ। বিফোঃ অভিবেক্জনিভরাজতেজনা দশ্দিগন্তান্ ব্যাপ্ত বতঃ অমুরুত্ত শত্রেণাং
নির্লিজুঃ। আমু কেপণে। অনেক্রন্ (উ০ ১৪২) ইতি উর্ন্ প্রভারঃ। বনা অস্বান
প্রাণান রাভি প্রান্তিতি পালাক্রান্তানাং দিবাং ইতি অমুরঃ। রা লানে ইত্যুত্তাং আত্মেপপর্বে কঃ' ইতি কঃ। উদ্ধৃশত্র ভলাভিবিন্তন্তা রাজ্য তরাম অভিবেক্সমন্ত্রে কুতং ক্ষার্বপাঞ্জালিকং নাম মহঃ মহৎ অধিকং ব্রামশ্রবণমাত্রাং জীতাঃ শত্রেণ পালান্তে (তালুনং)।
ভালুক্ নামাজিতো রাজা বিশ্বরূপঃ শক্রমিত্রকল্রানির্ নানাবিধ্রুণঃ লন্ অমুতানি অমৃতন্ত্রপ্রাণকানি দণ্ডবৃদ্ধানীনি অধ্যয়নাদীনি চ কর্মাণি আ তত্বে আভিউত্ব। আচরতু ইত্যর্বঃ। এঃ

বৈরাজে ব্যাজন্য বিকারশ্চর্ম বৈরাজং। 'ব্যাজং। ব্যাজনাব চ আব্যোবধিরক্ষেত্য:' ইন্তি বিকারার্থে ক্ষণু। 'ন যুগত্যাং পদান্তাভ্যাং ' ইতি বৃদ্ধিনিবেণঃ ঐজাগনন্ত। ব্যাজনর্মাণ্ড ক্ষণি উপরি উপবিষ্টঃ দন ব্যাজঃ। লুপ্তোপমং এতং। ব্যাজবং কৃষ্মধর্মো ভূষা মহীঃ মহতীঃ প্রাচ্যাতা দিশঃ বি ক্রমন্থ বিজয়ন্তা। বিক্রমেণ পৌর্যোণ ব্যাগ্নুহীতার্থা। 'বেঃ পাদবিছরবেণ ইতি ক্রমেরাশ্যমেশদং। তে রাজন্ এবং তেজ্বিদং ছা ছাং দর্কা বিলঃ প্রজাঃ বাছস্ত ছামিছেন ইছ্ছো। বাছি ইছ্রোং। দ্বাজাবলে বর্ততাং ইত্যর্থঃ। তথা দিব্যাঃ দিবি ক্রাঃ পদ্মতীঃ পদ্মত্যঃ লারবতাঃ জাপশ্চ ছাং বাছস্ত। ছবিবন্ধে ক্ষনাবৃষ্টির্যা ভূষ্

দিবাা দিবি ভবা যা আণা পরণা অনীয়েন দারভ্তেন বদেন মদন্তি প্রাণিনতার্পরিতি।
মদ ভৃতিবোলে। চুরাদিরদত্তঃ। 'ছন্দপ্রভর্ধা' ইতি শণ আর্থ্যভুক্তাং 'পেরনিটি' ইতি
শিলোণা। বাক্ত অন্তরিকে বর্ত্তমানা আণা উত্ত বা আণি বা পুথিব্যাং ভূম্যাং অব্দ্বিতাঃ
ভাসাং দর্বাসাং লোক্তরেবাাপ্রানাং অপাং বর্তেশা বলকরেণ দারেণ হে রাজন্ তা ভাং
ভাতি বিশামি। (৪কা—২৬—৮২—৫২)।

भष्टी।

पाण्ड चा वर्क्षनागिष्ठश्राद्धाः निवाः भग्नवहाः।

प्रभादमा निवाः क्रियः।

पत्र-भार्थः।

पत्र-भार्थः।

पत्र-भार्थः।

पत्र-भार्थः।

पत्र-भार्थः।

पत्र-भार्थः।

হে রাজন যা হাং প্রাপ্তকা দিব্যাঃ (পরস্বতীঃ) পরস্বতাঃ আপাং শ্বকীরেন বর্চনা আঁছাস্তজন আভিমুখ্যেন শংক্তজন। যথা বং মিত্রবর্জনঃ মিত্রাপাং বর্জন্বিতা অদঃ ভবেঃ। বুখেণাভাব মন্দ্যাদিলক্ষণো লাপ্পতারঃ। অতেলেটি অতাগমঃ। দবিতা দর্পপ্রেরকো দেবঃ আ যাং তথা করব করোজুঃ (একা—২২ —৮২—৮৭)।

वशा आपः। भिवास्वर्द्धनः। छथा। या। नविछा। कत्रराधः।

শপ্তমী।

এনা ব্যান্তং পরিষম্বজ্ঞানাঃ সিংহং হিন্নন্তি মহতে সোভগার।

সমুক্রং ন হাভূবন্তবিহালে: মর্ম্মাজ্যন্তে দ্বীপিনমপ্সঠন্তঃ।। ৭॥

পদ-পাঠঃ।

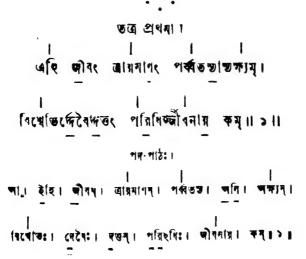
এনা। ব্যান্ত্র্য পরিহশব্জানাঃ। দিংহন্। হিন্নি। মহতে। দেভিগার।

প্রজন্। ন। পুরত্বঃ। তড়িহ্বাংগ্র। মর্পাতে। জীপিন্দ। জ্পার্পু। অভঃ। গছ

'বা আংশা দিবাাং' ইতি প্ৰাপ্উজা আশ এনা ইতি অবাদিশ্ৰে। এনা এতা উজা লাপঃ। 'বিতীয়াটো:খেনঃ' ইতি এতছকত এনাবেশঃ। ততঃ 'পুপাং পুরুক্ত' ইতি কর जाबारमधः। जाक अन जारकानास्त्रकः। इकत्रशं वि जाञ्चमास हेळाल्राह्य दिवास निवास । অবৰ বৃথ্বাদ্ অফুদাততেতি। (বাালং বাালবং পরাক্রমবৃক্তং পরিবছলানাঃ পরিতঃ অভিতঃ অভিশব্দেন আলিক্ডাঃ। 'মাতবো বংশং ইন অভাত্তঃ প্রীণরস্তা ইতার্বঃ। পরিবস্থানা ইতি चञ्च नत्त्र । चात्रां किह्।) खच्च कानवात्त्रनः। निश्दर नश्नमीनः यदा निश्क्कृणानद्वात्त्रमः त्रावानर विषष्ठि गैर्वा अनारनन श्रीनमण्डि। विशि श्रीनगर्वः। देशमातुरा किमवर। মহতে দৌহগায় অধিকায় দৌহাগায়ে। 'ছত্য দল্পে' ইতি উল্পাত্তাদিৰু পাঠান্ ভাবে স্ঞ্। 'ঞ্ৰি, ত্যাদিনি তাং ইতি আছাদাভ ছং'। 'বৃহন্মহডোরুপশংখ্যানং' ইতি মহতে। বিভঞ্জি রদাভা। ততা দুটান্তঃ। শমুদ্রং মেতি। যথা ন্দীরাণা আশং শমুদ্রং প্রীণয়বি ভয়স্ আভিষেক-দাধনভ্তা আপো রাজানং প্রীণয়্তীতার্ব:। যথা সমুদ্রশক্ষেন বক্ষণ উচ্চতে। সমুদ্রং ন বরুণমিব। অংক্ উনকেষু পরিভো বর্তামানেষু অভঃ মধ্যে তছিবাংলং ছিতবভং বীপিনং শার্কিন্ অথায়জং রাজানং অভ্বঃ। 'র্ছুভব্যি সমৃদ্ধা ভবস্তীতি অভ্বঃ দেবকজনাঃ। তে নর্জাতে পুনঃপুনঃ অঙ্গপ্রভাঙ্গানি অভিবেকেণ শোধন্তি। বছা গট্টবন্তকটক্মুকুটা-দিভিরলকুৰিন্তি। মৃজু শৌচালভারয়োঃ। '•মর্মুভাগিনীপত্নীতি চ' ইতি নিপাতমা**রু** অভাণত কুগাগমঃ। অপ্তিতি। 'উড়িণং০' ইত্যাদিনা বিত্তেক্দাভবং । ৭ ।

### ইতি চতুৰ্বলাভে বিভীরেম্বাকে তৃতীয়ং স্ক্রং।

'এহি জীবং' ইতি স্তেন উপনয়নানম্ভরং আয়ুড়ামস্থ মাণবক্ষ আয়নমণিং দল্পাত্য অভিমন্ত্রা বল্লালা। ত্তিতে হো 'এহ জীবং ইভালেনমণিং বল্লাভিট ইতি (কৌ ।৯) । বিবাৰতীং গলকালে (ন ক ১৭) ইতি বিহিতালাং ঐলাবতাগালাং মহাআতে আলমমণিং বল্লাণ এতং ত্তেং। উত্তং নক্তকলে। 'এহ জীবং ইত্যাল্লমমণিং ঐলাবতাং, ইতি (ন ক ১৯) ॥



হে আরম এবি আগজ। কুতো হেতোরিতি তত্তাহ। জীবং ইতি। জীবতি প্রাণং নাররতীতি জীবং আজা। তং আরমাণং পালরং। জীবাজমং পালমাছেতোরিতার্থঃ। বৈত্ত পালমে ইতাজাং হেতৌ লটং শামচ্। তপা পর্যন্তান্ত তিক্ত্রারো পিরেঃ জন্মং আসি চক্ত্রণি। বিশ্বেতিঃ পর্যেকিবৈরিকোদিতির সভাং জীবনার বোগাদিরাহিত্যেশ চিরকালজীবনার্বং দল্ভং লং পরিধিরসি। পরিতো বীয়ত ইতি পরিধিঃ প্রালারঃ। স্বত্যার নালমমার প্রাকারো ভবদীতার্বং। পরিধিঃ। পরিপ্রাদ্ধাঞাং উপদর্গে বোঃ কিঃ' ইতি কিপ্রভারঃ। কং ইতি পদপ্রণাঃ। (৪লা—২জ—৯ল্—১ম্)।

বিভীয়।

।

পরিপাণং পুরুষাণাং পরিপাণং গ্রামিনি।

।

।

আখানাম্বভাং পরিপাণায় তহিষে।।২।।

পদ-পাঠঃ।

।

।

পরিহণান্য প্রিহণান্য গ্রাধান্। অনি।

শ্লামান্য অব্তাম্। পরিহণানার। তহিবে।২।

অখানান্য অব্তাম্। পরিহণানার। তহিবে।২।

হৈ আদিক্ষাপ্তন বং পুরুষাণাং মহন্তাণাং পরিগাণং পরিবক্ষণদাধনং আদি। পাতেঃ কর্থে পুটে। 'বা ভাবকরণরোঃ' ইভি বিকল্লেন গ্রং। গ্রাং চ বং পরিপাণং পরিবক্ষণং আদি। গ্রাং ইভি। 'দাবেকাটঃ ' ইভি প্রাপ্তত (বিভন্তাদাভবদা) 'ন গোখনাবন্ধ ' ইভি প্রতিবেধঃ। অখানাং অর্মভাং বড়গানাং চ পরিপাণার পরিবক্ষণার ভদ্বিব ভিঠাণ। 'ছম্পদি কুঙ্লঙ্গিটা' ইভি বর্জমানে লিট্। ক্রাদিনির্মাদ্ ইট্। অর্মভাং ইভি। 'অ্রপ্তাব্দারক্ত তকারাভাতা। (৪কা—২অ—১ছ—২ম্)।

উভায়্তক বং বেথাখে। অণি জীবভোলনমথে। হরিভভেষ্লম্।। ।।।

্তিত। অবি । পরিহপানম্। যাতৃহজন্তন্য । আহল প্রমা।

উত্ত । অবি । পরিহপানম্ । যাতৃহজন্তন্য । আহল প্রমা ।

উত্ত । অমূত্র । ব্য । বেখা অপোইতি । অবি । জীবহতে জিনগ্।

বি । চরিত চলেস্ক্ষ্ । ০ ।

আ সমভাৎ অনজি চকুনী অনেনেতি আঞ্জনং। অঞ্জ বাজিস্কণ(কাতি)গতিবুঁ।
আমাদ্ আঙ পূর্বাং করণে লাট্। তে আঞ্জন তং বাতৃ অন্তন্ধ নাতবো বাতনাঃ রক্ষঃশিশাচাদিলনিতাঃ পীড়াঃ। তেবাং নাশনং পরিণাণং পরিরক্ষণং অনি। উতপক্ষং সম্ভেরে।
উদ্ধৃক্ লামবাং আঞ্জনভ কুত ইত্যত আহ। উত আশি চ অ অমৃতভ অমৃতভাগনভ ভালোকভুভ পীয়ুবজ লারং বেখ বেংনি আনাসি। 'বিদো লটে৷বা'ইতি গল্ আদেশঃ।
আবো অনি চ জীবভোজনং জীবানাং জীবতাং প্রাণিনাং অনিইনিবর্তনেন পালকং অনি। ঘর্মা
ভোগসাধনং অনি। অবে। অনি চ তরিভত্তেরজং। ত্রিভভ পাঞ্াদিরোগজনিভাত ভামলভভ নিবর্তিকং অনি। (৪কা—২ অ—১২—৩ম)॥

চতুৰী।

যুদ্ধাঞ্জন প্ৰদৰ্শক সকং প্ৰকৃতপ্ৰতঃ।

। ।

হৈছে। যুদ্ধাং বি বাণ্দ উল্লো মণ্যুলী বিশ্ব। ৪ ।

পদ-পাঠঃ।

। ।

যুদ্ধা আহলপ্ৰনা প্ৰহণপ্ৰি। অক্ষহজকন্। প্ৰহংশকঃ।

। ।

তিতঃ। যুদ্ধান্ বি। বাণ্দো উল্লো মণ্যুলী হেইব । ৪ ।

হৈ আঞ্জন যত পুরুষদরীরত অলমকং নর্মাণি হস্তপাদাদীক্রলানি পরুপারণ পরুষ্টি পরাং বি
পর্মাণি অলদন্ধীংশ্চ প্রাণ্ঠণি প্রবিশ্ব অন্তঃনিরামুথৈর্ম্যাংগ্রাবি। 'নিত্যনীক্রাংগ্রাই ইতি
অলশন্ধপরুঃশল্পরাথির্মিনে । ভতঃ ভলাং পুরুষশণীরাদ্ যক্ষং রোগং বি বাণতে। পুরুষযাতায়ঃ। বিবাধনে । ভতা দুইছিঃ। উগ্রং উপস্থিনতঃ মধ্যমনীরিব। মধ্যমে অভ্যানিক বিশ্বেশিতে লঞ্চরতীতি মধ্যমনীঃ বারুং। দ্ ষণা মেইজাল, দিকং ক্রণমাত্রেণ অপশারদ্ধি ভ্রম্

**भ्रम् - 89 ( )२ ) ७७-७-७२** 

ইতার্ব:। ঘদা মণামশীঃ। 'অরিমিত্রিং করেন্সিত্রং' ইতি নীতিখালোঁক্তরাজমণ্ডলমণাবর্তী রাজা। ল ঘণা উপগৃপিলঃ লন্পর্যান্ত গতিনোরিপূন্নিগৃহাতি তবল্ইতার্বঃ। মণ্যমশীঃ। মণ্যে ভবং মণ্যানঃ। 'মণ্যান্যঃ'ইতি মপ্রতারঃ। ততা শেত ইতি মণ্যমশীঃ। 'কিণ্চ' ইতি শীতঃ কিণ্॥ (৪কা – ২জা – ৯ক্ - ৪ম্)॥

পক্ষী।

रेननः शास्त्रास्त्र भन्नत्या न कृष्टा नाण्टिमाहनम्।

रेननः विकंतनभार् यस् विचर्छ। अना । ।।

পদ-পাঠঃ।

म। এনম্। এব। আনংপ্রতি শণথং। ন। কৃত্যা। ন। অংভিছ্লোচন্দ্।

্ল। এনন্। বিংয়কেন্। কর্তে। যঃ। ছা। বিভটি। কাংচলঞ্চন । ৫॥

হে আঞ্জন (আঞ্জন) জবা তা তাং যো জনো বিভণ্ডি ধারমতি। তুত্ঞ, ধারণশোষণয়ো:। 'ভীই তৃত্মদ•' ইত্যাদিনা পিড়ঃ প্রতায়াৎ পূক্ষত উদাত্ত্বং। এনং তব
ধারকং পূক্ষং দশধং পরক্তঃ দাপং ন প্রায়োতি। তথা প্রাভিচাসক্ষিতা কৃত্যা
চ ন প্রায়োতি। 'কুঞা দ চ' ইতি চকারাৎ শংজায়াং করোতেঃ কাণ্। রবত পিতি•'
ইতি তুক্। অভিলোচনং অভিলোকঃ কৃত্যাজনিতো ন প্রায়োতি। বিক্রং গতিপ্রতিবন্ধকং
বিদ্যাত্মণি এনং নামুতে ন ব্যায়োতি॥ (একা -২ অ --> ছ ধ্য)।

ষষ্ঠী।

।
।

ব্দুমুক্তান্ত্ৰপ্ৰাদ্ ক্ষুক্তান্ত্ৰন ।
।

বুহাদি "চকুন্দা ঘোৱাং ভুসালঃ পাহাঞ্ৰন ॥ ৬॥

পদ-পাঠা।

আল্বহ্মস্ত্রাব। সুংহ্মস্তাব। সংহক্তাব। শ্নলাব। উত।

। দুংহর্কি:। চকুন:। ঘোরাং। তখাং। ন:। পাহি। আংমঞ্জন । ৬॥ (অনুমন্ত্রাং । ) অনুস্তঃ অশোভনা অভিচারার্থ অনুমন্ত্রাং । ভার ভবাক ছ:বাং দুল্পাং ছ:বাং কঃ স্থান নিচাৰ ছ:বাং কুছ ডাং অমান্তর কুতাং পাণাং (উত ) শ্মলাং অভ্যানণি ক্রিম্মাণাং থাপাং ছহাদিঃ দৌর্থনিস্যাদ্ বোরাং ক্রিরং পরকীয়াচকুষণ ভব্যং অম্কান্তাং শর্মানাং বোরাং ক্রিয়াং শর্মানাং বাজান ক্রিয়ানাং ক্রিয়াং শর্মানাং বিজ্ঞানাং বিজ্ঞান

সপ্নী।

বৈশং বিশ্বনাঞ্জন সভাং বক্ষানি সান্ত্র্।

সনোয়নখং গানত্রাজানিং তব পূরুষ । ৭ ॥

পদ-পাঠ:।

ইনম.। বিশ্বনা আংঅজনা সভাম্ বক্ষানি। না অনুভ্যা।

।

সনোয়ম্। আখ্যা গাম। অহম্। আল্লান্। তব। পুরুষ ॥ ৭ ॥

হে আঞ্জন বিধান ভব মাহাত্ম্যং জানন ইনং লতাং বণার্থমের বক্ষামি ন তু জন্তং অনতাং। অতত্ত্ব প্রুষ: দাণভূতেইং অধং গাং আর্থানং জীবং লনের । গড়বেরং। (৪কা - ২অ – ১২— ৭ম)।

শন্ত মী।

।

আবিষ্ঠাং প্রবিধানাং তিকু কুলাম তে পিতা। ৮।

ব্যি কিং প্রবিধানাং তিকু কুলাম তে পিতা। ৮।

পদ পাঠা।

।

আরং! দাসাং। আংঅঞ্জনত। তল্লা বলাসং। আং। সহিং।

।

ব্যি কিং। পর্বিভানাম্। তিহ্ কুকুং। নামা তে। পিতা। ৮।

আঞ্জনত আঞ্জনগণসক জবাত নেধে বোগা গালাং লালবং বশবর্তিনং। তান্
আফুলামতি। তরা। ওকি কুচ্ছুজীবনে ইতি ধাতুং। তলাং উণালিকো মনিন্ । কুচ্ছুজীবনত্ত্ত্ত্ব্বতক্ষণস্বাচাঃ। বলালং শরীরং বলং অলাতি কিপতীতি বলালং লারণাতালিঃ।
আং অনস্তবং অহিঃ লর্পঃ। তত্ত্ব্বিবিকার ইতার্বঃ। এতে প্রাণালারিণো রোগাঃ
আঞ্জনপ্রতাবেন নিবর্তন্ত ইত্যবং। আপ চ পর্বতানাং মধ্যে বর্ষিতঃ বৃদ্ধতমা ত্রিককুৎ ( নাম )
আনি ক্ষুণানি শৃলাণি বলা ল ভথোতাঃ। 'ত্রিককুৎ পর্বতে' ইতি অন্তালোণঃ সমালাছোনিপাভাতে। এতৎলংজাং পর্বতঃ হে আঞ্জন ভে তব গিতা জনকঃ। বর্ষিত ইতি। বৃদ্ধান্দাৎ
ইতনি 'প্রিম্মির্বত' ইত্যালিনা বর্ষালেশঃ। ( ৪কা—২ল – ১ল – ৮ম ) ঃ

बन्धी।

यगश्चितः देवककृषः कांकः विभवञ्ञ्लित।

याजूः भठ गर्वात् कछ्यः गर्न्वाभठ याजूसामाः।। ৯।।

याजूः भठ गर्वात् कछ्यः गर्न्वाभठ याजूसामाः।। ৯।।

यर। जार्वाक्षतम्। देवककृषम्। जाल्धः। विभर्वलः। शिवः।

यर। जार्वाक्षतम्। देवककृषम्। जाल्धः। विभर्वलः। शिवः।

याजून। ठ। नर्वात्। कछ्यः। नर्वाः। ठ। याज्र्साम्। ॥ ॥

ভিমনত পারি ভিমনৎ পর্যভাব পরি উপরিভাগে। 'পঞ্চম্যাং পরাবধ্যবে' ইভি নিশ্রজনীয়ত দশ্বং। তৈক কুলং। তত্ত্বং তিক কুলাম পর্যভঃ তৎপদ্ধান্ধ যদ্ আঞ্জনং আভং উৎপল্লং তর্ণ আজুন আভুনাং শত্বং কর্মান পর্যভঃ বাতৃধানীয়। 'বা ছন্দানি' ইভি শালি পূর্ব্বনি বিভিন্ন । বাতৃধানি প্রিয়ণ্ট জন্তরং নাশরং বর্ত্তে। অতঃ আলাজোগানীন নিশেল্ল ইভার্বং। (৪০)—২০ – ১২ )।

### নঃ। পাহি। আহলগ্ৰা 📭 🥦

ছে আঞ্জন ছং যদি থা জৈকজুৰং অণি ত্রিকজুৎপর্বাতশহন্ধি ভবণি যদি বা যাসুনং ষুম্নালাঃ শম্মি উচালে অনৈঃ কথালে তে উভে ত্রৈকজুৰং যাসুনং ইভি নালী নামনী শংক্ষে ভল্লে কল্যাণ্যে)। ভাভ্যাং সামভ্যাং হে আঞ্জন নঃ আমান পাহি রক্ষণ ১০॥

### (इंडि) इड्रवंश श्कुश ।

'বাতাজ্ঞাতঃ' ইতি হজেন উপনয়নানন্তরং আয়ুদ্ধামপ্ত মাণ্ডকত শব্ধানিং দশ্পাতঃ শভিমন্ত্রা বন্ধীয়াং। তদ্ উক্তং কৌশিকেন। 'উপনয়নং' (কৌ গঙ ) প্রক্রমা 'বাতজ্ঞাক ইতি কুশনং' (কৌ গঙ ) 'বাক্রণীং জলভারে' (ন০ ক ০ ১ গ ) ইতি বিহিতায়াং বাক্রণ্যাথায়াং মহাশান্ত্রৌ শব্ধানবিদ্ধনেশি এতং হকেং। উক্তং নক্ষত্রকল্পে। 'বাতাজ্ঞাত ইতি শব্ধাং বাক্রণাং' ইতি (ন০ ক০ ১৯) ঃ

বাতাৰ বাবোঃ জাতঃ উৎপত্ন: শতাং তথা অন্তরিকাৰ তদশিপ্তিতাল অন্তরিকলোকান্ বিহাতঃ তড়িতঃ। যথা বিজ্ঞোত্যানাৰ। জ্যোতিষঃ জ্যোতিষ্ঠিতলাচ্চ শত্তি কৰি উপরিভাগে বিহাঃ শক্ষাঃ পরবিধার্থে ইতি বিস্কৃতিনীয়ণ্য পথং। প তালুৰো বাভাদিকারণকঃ **चित्रगाणाः** दित्रगार चुर्राम्, উৎপन्नः क्रममः कर्मक्षिणा শত্রনাং ভনুকর্তা এবং মহামুভাবঃ **শব্য: সংহদঃ পাপাৎ নঃ লখান পাতু রক্ষতু । (৪০)—২০—১০** ২ - ১ম ) ।

```
चिडीया ।
               1
 ৰো অঞ্জে রোচনানাং সমুক্রাদ্ধি জভ্তিহে।
मंस्थिन हवा त्रकाश्य जिल्ला वि महामाह ॥ २॥ .
                 어٣-이15: 1
 ষঃ। অপ্রতঃ। রোচনানাং। সমুদ্রাং। অধি। অভিচেৰে।
শক্ষোনা হখা। রক্ষাংশি। অভিশং। বি।
```

ट्र मेखा देखर (त्रांत्रनाबार (क्रांत्रमानानार जायतागार नक्रवामीनार अंशंज: चर्ध श्रेम्रेर বর্ত্তমানঃ শ্রেষ্ঠঃ দমুত্রাদ্ধি দমুক্তপোপরি অজিষে আয়দে। ক্রচ দীথ্রে ইতাশাদ অফুদাত্তে ড চ ছলাদেঃ' ইতি যুচ্। ভেন জ্যোতির্মায়েন শভোন হলা রক্ষাংসি হলা অন্তিশ: অদনশীলান শিশাচাদীন বি সহামতে বিশেবেশ অভিভ্ৰামঃ। অব্দ্রি ইতি। অদেব্রিনিশ্চ ( উ - ৪)১৮) हें छि छेगानिक खिनिश्च छात्रः॥ ( ४का - २ च - > ॰ ए - ६ म )॥

> তৃতীয়া। শাংখানামীবামমতিং শাংখানোত সদাস্থা:। শক্ষো নো বিশ্বভেষকঃ কুশনঃ পাছঃহ্নঃ। ৫ । भष-भाठेः । শতেব। আমীবাম্। অমতিমু শতেবন। উত। লগাবাঃ। भवादा कहा निष्युक्षप्रकार जनगर। श्राष्ट्रा चर्श्या । ७ । =

শ্বীবাং রোগং শম্ভিং ক্রানর্মৃগং অজ্ঞানং চ শ্রোন মণিরপাপক্ষেন। বিবহামতে ইতাকুফ্সা। উত অপি 'চ শ্রোন স্বামান নান্য্যানা অল্প্রী: অভিত্যাম:। এবং দিশভেশজা ক্রিপোল্ডবজাতভ নিরাক্রী। কুশনঃ। হির্ণান্যিতং। বিকারে প্রকৃতিশ্বঃ। হির্ণাজ্ঞাভঃ শ্বাং নঃ আমান্ অংহনঃ পাণাং পাতুরুক্তু এ ৩ র

দিবি রালোকে অন্তরিকে প্রথম জাতঃ উৎপন্ন ততঃ সম্প্রকা সমূত্রে জাতঃ। 'লপ্তমাধ জনের্ডঃ' ইভি ড প্রতারঃ। দিলুতঃ দিলোঃ নমুদাং নদীমুধাদ বা প্রাভ্তঃ পরিত জাত্তঃ দ তাদৃলঃ ক্রিরণাক্ষাং হিরণাজ্জাতঃ শত্থা শত্থাবকারো মণিঃ নঃ জ্লাকং জাত্তুপ্রতরণঃ জারুবঃ প্রবিদ্ধান্তঃ ভবতুঃ (৪কা – ২০ ১০ পূ – ৪ম)।

পঞ্জী।

সমুদ্রোজ্জাতে। ম্বিক্রোজ্জাতে। দিবকর:।

।

।

স্বস্থাস্থাক্ত কোন পাতু হেণ্টা দেবস্বিভা:॥ ৫॥

শন্দাং শতে । ম্বিঃ গুলাং। শ্লাং। দিবাংকর:।

नः। चन्नान्। नर्वादः। शाष्ट्रः (क्लाःः (क्तरमञ्दात्रेष्टाः। १॥

প্রমূপ অনুপেঃ। বহা সমুদ্রং ইতি অন্তরিক্ষণাম। অভবিক্ষাৎ আতো মণিঃ মণুঃপালামত্তঃ শব্ধাং দুলোৎ লোকলারাবরকাল রলাসুরশরীরাধ। মক্ষালাবরকস্থাবাদ মেঘাধ।
আতঃ বিনির্দ্ধান দিবাকরঃ স্থাঃ। লুপ্তোশমং এতং। ভবং প্রভাতিশনবুজোরং শব্ধং
ইভার্থঃ। (ল) শব্ধবিকারো মণিঃ হেতা৷ হ্মনেন কেতুনা দেবাসুরেভাঃ। উপলক্ষণ এতং।
দেবাসুর প্রকৃতিভাঃ। ভর্তেত্তাঃ গর্মভঃ সর্ম্মান্ উপদ্রব্যাতাদ্ আমান্ পাড় রক্ষ্য। ১॥

হৈ শথা যং হিরণানাং প্রবর্গজভাবিভাপ্রস্রবাণাং মধ্যে একোনি মুখ্যো ভবনি । বতঃ ছং লোমং অমৃত্যসং লোমগণ্ডাব আবি অভিবে জাতোনি। অধিঃ পঞ্চার্গপ্রাণী। তথা লংগ্রামেই ছং রগে দর্শতোসি দর্শনীয়ো ভবনি। দুশেরৌণাদিকঃ অতচ্ প্রত্যয়ঃ। তথা ইবুধৌ লহাণারভূতে নিবলে ভির্মাণজং রোচনঃ রোচমানঃ দীপামানো দুজ্সে। এবংমহাধুণ ভাবঃ লথা ভিছিলারো মণিঃ নঃ অসাকং আয়ুধি প্র তারিবং প্রবর্গ্ধিত প্রবিভির্তি কর্মার্থা। তথা বেলি অভাগ্যঃ। 'সিক্রেণং' ইতি নিশ্। তথা আর্থিভ্রতি কর্মার্থা। তথা বিভ্রতি ভাবিধার্থা বিভ্রতি বিশ্। তথা আর্থিভ্রতি বিশ্ন তথা বিভ্রতি ভাবিধার্থা বিভ্রতি বিশ্। তথা আর্থিভ্রতি বিশ্ন তথা বিভ্রতি ভাবিধার্থা বিভ্রতি বিশ্ বিশ্ বিশ্বতি বিশ্ বিশ্বতি বি

শপ্রনী।

(দ্বানামক্ছি কুশনং বজুব ভদাঅ্রচ্চনভ্যপ্রঃভঃ।

। । । । । ।

ভং ভে বল্লাম্যায়ুষে বর্চনে বলার দীর্ঘায়

भष-भाष्टः। .

তং। তে। স্থামি। আনুষ্যে। সর্চদে। সলায়। দীর্ঘারু

শতংশরিলায়। কাশিনঃ। ভা। অভি। বক্ত্যা৭॥

দেশালাং ইক্রাণীনাং শক্ষি যদ্রকাকরং অভিত তৎ কুশনং শভাক্ত কারণভূতং কুশনিং বভ্ৰা ভৎ কুশনং আগ্রাহণ শভার পশরীর যুক্তং শং অংস, উদকেয়ু অন্তঃ চর্তি প্রাণাত্মনা কর্তিত। হে উপনীত ভৎ তথাবিশ্ধ শন্ধারণেণ অবস্থিতঃ কুশনং তে তব ব্রামি। কিমর্থং। ( আয়ুষে) আয়ুরাদিফবিদিয়বেং। আয়ুঃ চিরকালকীবনং। বর্চঃ শরীরকাতিঃ। বলং প্রশিদ্ধং। আয়ুবে ইত্যক্তমেৰ অৰ্থ বিরুণোভি দীর্ঘায়ুভায়েতি। দীর্থ আয়ুবক্ত দীর্ঘায়ুঃ। তম্ম ভাৰস্তত্তং। ছন্দণীশঃ (উ•১।২) ইতি এতেরুণ, প্রভায়ঃ। আয়ুদো দৈর্দ্ধানপি স্পষ্টয়তি শতশাবদায়েতি। শরদা পাতুনা শহ বর্ত্তম ইতি শারদাঃ দংবংসরাঃ। শতং শারদাং পরিমাণং অক্ত তৎ শতশার• पर। जान्दकाननाभिकोतनाद्वजार्यः। मुकार्यनः क्रमनमञ्जती मनिः दश्मानक पा पार चाजि রক্তুপ্রতিঃ পালয়তু। (৪ক। – ২বা — ১০ফ্ – ৭ম)॥

### ইতাথধ্যবেদার্গপ্রকাশে চতুর্বেকাণ্ডে বিভীয়োমুবাকঃ।

'অনড্|ন দাধার' ইতি আল্লেন হজেন অনডুংশৰে নিক্লপ্তহবিরভিয়সনিং সম্পাতং দাহ্বাচনং চ কুৰ্যাং। তদ্ আহ কৌশিক:। 'অনজ্বন (৪০১১) ইতানজ্বিং সুৰ্বাক্ত রশীন্ ( ৪০৩৮। ৫-৭ ) ইতি কর্কীং' ( কৌ• ৮।৭ ) ইতি। অভিমর্শনাদীনাং করেং তু 'কাশানাং' (১।৩১) ইতি স্ক্তং এণ উদাহাভং।

ভত্ত প্রথমা।

জ্ঞান্ দাধার পৃথিনীমুভ জ্ঞামনজ্বান্ দাধারোকর্ম স্থরিক্লম্।

শন্তান্ লাধার প্রদিশঃ ধড়কীর তান বিশ্বং ভ্রন্ম। বিবেশ । ১ ।

পদ-পাঠ: 1

খনড্বান। দাধার। প্ৰিবীষ্। উতে। আন্। খনড্বান্। দাধার। উরু। অঞ্জিকস্ঃ

আমেড্বি। লাগার। প্রাহলিশঃ। বটু। উক্রীঃ। আমেড্বি।

िन्धम्। छ्नगम्। ज्यो। विद्यम् ३२३

**判4有--86 ( 52 ) 59-0-02** 

জনঃ দকটিং বহতীতি জনতান-দকটবহনদমর্থে ব্রক্তঃ। দেরিং কর্বণজারবহনাধিনা পৃথিবীং ভূমিং লাধার ধার্মজি পোষমুক্তি। খুক্র ধার্মপে ইত্যক্ষার ছান্দলো বর্তধানে লিট্। ভুজাদিখান অভ্যানদীর্থবং ৷ যথা জনতুদ্ধেন্দন ব্রন্ধণো ধর্মোভিধীয়তে। ধর্মো ব্রভাক্তিভূলা পৃথিব্যাদিমার্থিং করোভীতি বোজাং। তামতে হি। 'ধর্মো বিশ্বপ্ত জগতঃ প্রতিভূলা ইতি (তৈত আ- ২০০০)। উত আং ছালোকং পর্যলোকমনি দ এণ লাধার। কর্মণানিম্পানন চক্রস্কোডাশানিম্বিনা হালোকং গোষমুক্তীভার্মণ। তথা উক্র বিস্তীর্ণং আন্তরিক্ষলোকমনি দ ধারমুক্তি। (জনতাল) প্রদিশ প্রান্ধিনা মহাদিশত (দাধার) খারম্বিত। বৃত্বীং উর্মীনক্ষণালাঃ 'ভৌশ্ব পৃথিবী চ জনত রাজিশ্ব আন্তর্শাল পৃথিবা ভৌশ্ব পৃথিবালালায় ইত্রনত্ত্রমাণেক্ষং উর্মী গ্রহণং। ইথং ব্রেলাণ স্ট্রং অনভান বিশ্বং পর্যাং গ্রেশ্বনং। ইথং ব্রেলাণ স্ট্রং অনভান বিশ্বং পর্যাং গ্রেশ্বনং। ইথং ব্রেলাণ স্ট্রং অনভান বিশ্বং পর্যাং গ্রেশ্বনং।

# বিভীয়া।

∙পদ-পাঠঃ া

भनक्षान्। हेस्यः। मः। शक्षक्षाः। वि। हरहे। कन्नान्।

भक्छन वि। भिनीटण। अध्यनः।

ভূতৰ। ভণিয়াং। জুবনা। স্থানঃ। ক্ৰানা কেবানাৰ। চরতি। ওভানি। ২৪

সং প্রাপ্ততঃ অন্ত নি পশুভাঃ পশ্রে। গোমহিবাদ্যাং। তাদ্র্বা চতুর্বা। তেবাং অর্থে ইক্সং নন্ বি চটে প্রকাশতে। বিবংগাবশাল ইক্সবং শশুনাং দুরৌ ভানত ইক্সবং। যবং। অন্ত অন্ত নুনি ইক্স এব। ইক্সো বধা বৃষ্টিকলন্তেন চরাচরাম্মকং দর্বাং জগদ্ উৎপাদয়তি এবং অন্ত নুনি বে ক্সংল্যেক পশুন্ উৎপাদয়ন তথাকুল্যের্বাধানিক্রেল কুংসং অগদ্ উৎপাদয়তীতি এককার্যাক্রবাদ্ অন্যোরভেনঃ। ল চ অক্সেল্যার্ক্যাং শকাশাং বি চটে ব্যাবিশ্বন প্রকাশতে। চ্টিঃ পশুতিকর্মাণ ল চ শক্তঃ দর্বকর্মের শক্তঃ ইক্সাম্বর্গের বা বিদ্যান্। বিদ্যা আপো ভবকি ব্যাদ্রাণ (নি ১৮) ইতি বাস্ব্রাণ ভারতেরেই

দ্ধান্য আত্র জ্বং অর্থ। বিধান সংস্থান প্রজনা অধ্বন্ধ অধ্বন্ধ অবিভিন্ন পঞ্চলান বি নিনীতে বিশেষেণ নির্মিনীতে। মাঞ্মানে শক্তে । খলং দ্বাঃ 'ভ্ঞাং ইং' ইতি অভ্যানত ইন্ধা। এবং ইক্রায়কোনতান ভ্তং তৃতকালাবিভ্নিং বস্তু ভবিন্তং আগামিকালাবভিন্নং বস্তু ভবিনাং উৎপালয়ন কেনানাং ইক্রান্ধ অক্তেনানা ব্রভানি কর্মানি লক্ষা নক্ষাণি চর্নত অমৃতিইতি ই ভ্নান ক্ষাণি লক্ষা ব্যানি ব্যানি ক্ষাণ্য ক্ষাণি চর্নত অমৃতিইতি ই ভ্রান ক্ষাণি ক্ষান্য ব্যানি ব্যানি ক্ষাণ্য ব্যানিক ক্ষাণ্য

মহয়েবু গলোরণভাবু মহ্বাজাতীয়ের অন্তঃ মণো ভাবৎ অনভাব প্রাঞ্জরীতা। ইন্ধেন্তাত। ভণা লোহমত্যান মর্বাঃ দীপ্তঃ হ্বাঃ দন্ ভবাঃ। কর্ত্তির ক্রঃ। কুৎসং জগৎ ভগদ্দিরাগর্ক্তং কুর্মন্ লোশুভানঃ অভাবৎ দীপানামঃ চরতি বির্ভি সক্ষরতি। ববা বর্মঃ প্রাণ্ডিঃ তথ্য বৈক্ত্তভাগিনাদিরাদিরিক্তিরিক্তঃ দক্তথ্য লোশুভানঃ অভাবং লোচনা চরতি বর্জতে। ভাদৃগ্বর্মকুগঃ অনভ্যান্ আন্ত ইভাবঃ। গোগি হি কর্ষণাদিরাগারজনিভ্রমদেশ ভথঃ শল্পান্তা অভিশ্বিতশোক্রকুণ্চ দন্ চরতি। অভতথবাদিবর্মনামান্তাল্ অনভূবে কর্মভালার্কাল আন্ত ক্রিভালার ক্রিভালার অভ্যানিবর্মনামান্ত মালার্কাল কর্মভালার ক্রিভালার ক্রিভালার

লোকান্ জয়তি' ইতি। সুপ্রজাইতি। 'নিতাং আদিচ্ প্রজাগেধয়োঃ' ইতি আদিচ্ দ্ধানাতঃ। দর্গ ইতি। সুগতে ইতি লাখ লোট অভাগেখঃ। 'শিক্ত্লং•' ইতি দিশ্। ৩ ।

চতুলী।

া া া া া া

মনতান্ সূত্ত স্কৃতস্থা লোক ঐনং পায়েরভি প্রমানঃ পুরস্তাহ k

পর্জিয়ো ধারা মক্রত উধো অস্ত বজঃ

শ্রো দক্ষিণা দোহো আসু ॥ ৪ ॥

পদ-পাঠঃ।

মনতান্ গ্রে স্কৃতস্থা লোকে। আন এনং পায়েরতি। প্রমানঃ পুরস্তাহ।

মনতান্ গ্রে স্কৃতস্থা লোকে। আন এনং পায়েরতি। প্রমানঃ পুরস্তাহ।

मिक्ता। (सहः। अप ॥ ८ ॥

পর্জ্ঞান ধরিং। মরুভং। উধং। আংখা যুক্তং। প্রং।

শুকুত শু যাগাদিজনিত পুণ্ড ফলত্তে লোকে ইন্দ্রাদিদেব হাত্মক । অবং অনত্বন্ত হে আনুশক্ষিত থ আনুষ্ঠ ফলং ত্রে। 'লোপত আত্মনেশন্ত ইতি তলোপ:। তৎপ্রকারমের বিভল্প দর্শয়তি। পুরস্তাৎ পূর্বং প্রমানঃ পবিত্রেগ শোধামানঃ অমৃত্যয়ঃ দোমঃ এনং অনত্বাহং আ গ্যায়য়তি আগ্যায়তে বলভালিং গংলাত। তত্মত পর্জ্জার য়িপ্রেরকো দেবে ধারা ভবতি। মঞ্চ: একোনগঞ্চালং গংল্যা দেবগণাঃ অশু অন্তৃহঃ উধা ভবতি। যোহয়ং কুতঃ দব্যজ্ঞাল এব পয়ঃ গোহ্ণ ভবতি। যেয়ং ত্তিমন্ যজ্জে দ্বা দক্ষিণা লা অস্ক্রা (লাহঃ) লোহকিয়া দক্ষ্তি। ইবং ইন্দ্রাদিদেবতাত্মকণ্য অন্তৃহো লোহোণি লেবতাত্মকং সম্পন্ন ইতি অক্ষক্ষ্তা (৪কা—ত্ম—১১ত্—৪ম) য়

পঞ্মী।

! ! !

য়য় নেশে য়য়য়ঀভিন য়য়য়ে৷ নাম দাতেশে ন প্রভিঞারীতা।

'! ! !

৻য়৷ নিম্মজিদ্ বিশ্বভৃদ্ বিশ্বকর্মা ঘর্মং নে৷ ক্রত মতুমদচতুচ্পাৎ । ৫ ।

পদ-পাঠঃ। | | | যভা মা ঈশো যজ্ঞ ংপভিঃ। না যজঃ। ন অংভঃ। - - -

धकामभ्रः मुख्यः।

माडा विल्या मा व्यांज श्राकी जा।

যা। বিশ্বহিশিহ। বিশ্বহস্থা। বর্ণমৃষ্। না জের । ষভ্যা। চতুঃহপাং । ৫ ॥

য়স্ত দেবতা স্থক স্থা শন্তু হা। 'কাণী গৰ্ণ হে লাং ' ইতি ক্ৰাণি ষ্ঠী। বং ইতাৰ্বঃ। বজনতি: যজনতি: যজনান: নেশে নেষ্টে। 'লোণ জ্ব আহান গদেষ্ট ইতি তলোপ:। যজনতি:। গতাবৈ মহােঁ ইতি পূৰ্ব্বপদ প্ৰকৃতি স্বরহা। যজঃ যাগক্রিয়া চ নেশে নেষ্টে। দাতা প্রতি গ্রহীতা চ লাজ অনতু হো নেশে নেষ্টে। পর্বান্ত ই লিক্টিয়া চ লাজ অনতু হো নেশে নেষ্টে। পর্বান্ত ই লাজি ক্রমের আনতু হা ম ই লিভি শাহ্ব ই কুলিং অর্থং সমর্থান্ত। য ই জ্বাদিনে ব তার লাল বিম্নান্ত। বিশ্বক্র্যা। 'প্রেলাপতি: পর্বান্তিই বিশ্বজ্ব বাহ্বান্ত তলিত প্রায়েশেনং । বিশ্বং পর্বাং লগে কর্ম্ম কর্তা্যাং যাস লাবিশ্বক্র্যা। তথা যতমং মজ্জাতীয়া চতু লাহে শানচতু ই ছোপেতঃ সন্ না আমভাং ঘর্মাং দীপামানং আদিতাং ক্রম্ভ ক্রমেত ক্রম্মেতি সম্বর্ষা। যতম ইতি। 'বা বহুনাং লাভিপরি প্রয়েশেণা ই বি হিন্দু ক্রমেত্বান্ত তলাভি সম্বর্ষা। যতম ইতি। 'বা বহুনাং লাভিপরি প্রথানা শীত বিহু কাহে ত্রমান্ত তি বিহু কাহে নিয়ানি স্বান্ত কিন্তু নিয়ানি শিল্পানি স্বান্ত কিন্তু নিয়ানি স্বান্ত বিশ্বজ্বান্ত ক্রমেত ক্রম্মান্ত ক্রমেত ক্রম্মান্ত ক্রমেত ক্রম্মান্ত ক্রমান্ত ক্রমেত ক্রম্মান্ত ক্রমেত ক্রম্মান্ত ক্রমান্ত ক্রমেত ক্রমান্ত ক্রমেত ক্রমান্ত কর্মান্ত ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত ক্রমান্ত কর্মান্ত করে ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত করে ক্রমান্ত ক্রমান্ত করে ক্রমা

ধন্তী।

বেন দেবাঃ স্বাক্তরন্ত্রিখা শরীরমমূভক্ত নাভিম্।

তেন গেল্ল স্কৃতিভ লোকং মুর্গু প্রভেন তপ্না মুশুভবঃ। ৩ ।

বেন। দেবাঃ। স্থাঃ। আহকক্তঃ। হিবা। শরীরম্। অমুভত। নাভিম্।

বেন। গেল্ল। সুহক্তত। লোকং। ক্র্ডা। ব্রেন। তপ্না। ব্লভবঃ। ১ ।

-

ধ্যম বেশতাস্থা। অনত হা দেবাঃ ( বঃ ) স্বৰ্গং লোকং ( আফক্রং ) আফচক্তঃ।
তথ্যকার উচাতে। পার্বিং এচজ্বীরং চিন্ধা তাজে। ওহাক্ ভাগে ইভাসাং জ্বাপ্রভারে
ভাততেও জিন্ ইতি হিরুদ। সমূত্র অনর্ণস্থ নাকিং বন্ধকংর মোক্ষরারস্কুতং ইতার্বঃ।
তেন অন্তুগা সুক্তর প্রাক্ত কর্ভুতং লোকং জেল্ল অবস্থা। বর্গ্র দীপানানস্থ ক্রিভ লগে। কুল্। 'নিজ্মভুলং ইতি নিপ । কথংভূঙাঃ দল্পঃ। বর্গ্র দীপানানস্থ ক্রিভ দল্পা রভেন কর্মণা ভ্রুণা দীক্ষানিম্মজনিজেন অন্যাদিনা চ ন্যাস্থা। 'ন ভ্রেমণ্ড ক্রিভ বলা ক্রিভারে ব্যাস্থা ক্রিভার কর্মণা ক্রেমণ্ড আলি ক্রাণ্ড ক্রিভার কর্মণা ক্রেমণ্ড ক্রেম

মধ্বনী।

ইন্তেন ক্রন্থেন প্রকাশকিং পরবেশ্বনি বিরাই।

বিশ্বনির অক্রনত বৈশ্বনিরে অক্রনতানভূত্করত।

মেন্ত্রেরত সোধাররত। ৭ ৪

শব-পাঠানা

বিশ্বনির অক্রনত। বিহ্না প্রকাশকিং। পরবেশ্বনী। বিহ্রাই।

বিশ্বনির অক্রনত। বৈশ্বনির অক্রনত। অন্তর্ভা সক্রনত।

সং। অনুক্রনত। সং৷ অপাররত। ৭ ৪

অন্তরী।

মধ্যবেশ্বন্ধনভূতে। ইত্রিক বহু আহিতঃ।

**હडारमगा आहोनर यानान अगुड् गमारिङ:। ৮ k** 

শ্রমী। রপেণ আরুত্যা অরং অনত্ত্র ইল্লো ভবতি। বহেন যুগবরেন প্রেবেশন ছল্লেন্দ্র আরিং অগ্রাছ্রাছ্রাছেলে ভবতি। 'পরিন্দ্রমিণ বা অভ বহং তবতি' ইতি ব্রাক্রণং। বহুতানেনিতি হহা। 'গোচরগঞ্চর' ইত্যাদিনা করণে বপ্রতায়ান্তো নিপাতিতঃ। প্রজাপতিঃ প্রজানাই পতিঃ প্রজাপতিঃ বিরাতি, অলার্ড' (তৈও লাওতাহাই) ইতি প্রক্রাত্রালিরা। বিরাতি, ক্রেপ্রক্রালিরা কর্তা বিরাতি, ক্রেপ্রক্রাত্রালিরা করার ইতি পর্বনারাক্রাত্রালিরা বন্ধানর ইতি পর্বনারাক্রিয় গাণা বর্ততে। তার বিশানর ইতি বিশ্বনার্থিকা গ্রেলা। তার্ম্বালিরা প্রজাপতিং অলানত্রা লবণাই (বাও চাঙলাই) ইতি প্রজাপত আরিঃ। তার পর্বেশী অলুমত তারারানা শংক্রান্তবান। উল্লেশ্ভাবে অন্তর্ভাবি বিরাতি, ক্রেণা অলাবিন বিশ্বনারে ক্রেণ্ডা অলুমত তার্মান বিরাতি। ক্রিন্তালিরা বিরাতির ক্রিন্তালিরা বিশ্বনার বিশ্বনার ক্রেণ্ডা আরুমত তার্মান বিরাতির ক্রিন্তালিরা বিরাতির ক্রিন্তালিরা বিরাতির বিশ্বনার বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাতির ক্রিন্তালিরা বিরাতির ক্রিন্তালিরা বিরাত্র বিরাতির বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাতির বিরাত্র বিরাত্র বিরাত্র বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র ক্রিন্তালিরা বিরাত্র ক্রিন্তালিরা ক্রিন্তালিরা বিরাত্র অলুমত। বিরাত্র বিরাত্র ক্রিন্তালিরা ক্রেন্তালিরা ক্রিন্তালিরা ক্রিন

শইমী। সং শনত করীরে প্রবিষ্টং প্রশাসতিঃ তত শনতুহং এতং মধ্যং অলং অদৃংহয়ত ছুচ্ং ককরেও। তথা স প্রজাপতিঃ অধারস্থত তথ মধ্যং ভারবহনসমর্থং অকরেও।
তথ মধ্যং বিশিন্তি। যত যাক্ষ্ম মধ্যে পৃষ্ঠভাগে এয় বহুং ভারং আহিতঃ স্থাপতঃ। এতথ
মধ্যং ইতি সম্পন্ধ:। ভারবহনপ্রদেশনা মধ্যহং উপশাদ্যাত। এতাবং ইতি। অলা
আনত থ্নম্পিন্ন। মধ্যাদেহত প্রতিনিং প্রাস্ভাগঃ এতাবং এতংশরিমাণ্যুক্তং প্রত্যত্ত্
প্রত্যাগ্ভাগে। যাবান যংপরিমাণ্যান সমাহিতঃ সম্যত নিক্তিঃ। এবং প্রাক্প্রতাগ্
ভাগাবুভাবিশি সমানে।। ভয়োগ্রাদ্দেশেন ভারং বহুতীতারং। (৪লা—তজ্—১১ছ—৮ম) র

নৰমী। | | | বেগ বেলান্ডু:ধা বেগিহানু সপ্তানুপদক্ষতঃ।

। । । । । । প্রাকার বিশাকং চাপ্নোভি তথা সপ্তাশ্বরো বিহঃ । ৯ ॥

পদ-পাঠঃ। .

প্রাক্ষা চা লোক্ষ্। চা আংগ্রেভি। তথা। সপ্তহণবরঃ বিজঃ ॥ ॥

যা: পুরুবা অন্তুবা বলী নর্ম প্র ( দপ্ত ) দ্পুবাংশাকান্ অন্তুপদ্বতা কর্ম হিতান পোহান, ব্রীছানিলপ্রপ্রামানি নির্পান (বন জানাতি। যথা অন্তুবা প্রকাশ তিরুপান উপ্তেখাং তংশ্বী লোকন্মুলাদরো যে দপ্তদ্ধাকাঃ দন্তি তান দ্র্লান দপ্তধা বিভক্তান অন্তুবো দোহান্ ( যো ) জানাতি দ নিয়ান্ প্রদাং পুরুবানী লোকং চ খাগাদিতিঃ প্রামান কর্ম কর্ম তিন্তুবা তানিব প্রকারেণ অন্তুব্ধাহায়াং স্প্র্রো বিদ্যা আনন্তি। ইত চ আখলায়নেন অনুক্রাভাঃ।

শিখামিজো জনদ্ধিউর্থাজোপ গৌতমঃ। অজিকলিষ্ঠা ক্রাপ ইতোতে সপ্তম্বধঃ।

ইতি (আখ॰ ণ॰ ১২।১)। দপ্তরিপ্রণানামের উন্নং অন্তুহি প্রজাপতিবিতা নাতেবাং ইতি বিভাস্তনিঃ। (৪কা—ুওঅ—১১২--১ম)।

मभाशी ।

পাদ্র: দেশিবক্রামনির্বাং ক্রপ্রাভিক্তংখিদন্ ।

া । প্রেমেণানড্যান কীলালং কীনাশ\*চাভি গছেছঃ॥ ১০॥

94. 915 : 1

সংহ্ছি:। শেৰিষ্। অবহক্ৰামন্। ইরাং। জজ্বাতি:। উৎহ্ধিদন্। -----

। । অংমেণ। অনেড্ান্। কীলালম্। কীলাশং। চ। অভি। গছতঃ 1 ১০ ।

আরং প্রকাপত। আকঃ আনতান পড়িঃ পাটদশ্চত জিঃ- শেদিং অবসাধকরীং অলক্ষীং অবক্রামন অবঃ আুনীং অধিতিষ্ঠন ইরাং ভূমং একখাভিঃ উৎবিদন্ কর্মণেন উদ্ভিদন্ অকীংয়ন আহমেণ কর্মণাদব্যাপার কনিত ক্রেমন অভি গছেতঃ আভিমূপং গছেতঃ কীনাশস্ত কর্মক্ষ ক্ষীকাশং করং। প্রেমছে নীতার্থা। (৪কা - ৩০ — ১১ছ – ১০ম ) ম

### अकामना ।

। বাদশ বা এভা রাত্রীত্রতা। পান্ত: প্রজাপতে:।

। ।। ভতোপ অকা যো বেদ ভদ্ বা অন্তুহো অভম্। ১১ ॥

পদ-পাঠঃ ।

। चानुमा देव। এखाः। त्राखोः। खडाः। माहः। श्रृकारुमस्टः।

# चाननी।

ছতে সায়ং ছতে প্রাতর্জুতে মণ্যদিনং পরি।

লোহা যে অঞ্জ সংবন্তি ভান্ বিদ্যাত্পদস্বতঃ ॥ ১২ ॥

**भग-भारेश** ।

ছুহে। সায়ুম্। ভুহে। প্রাভঃ। ছুহে। মুখান্দনস্। পরি।

। বোহাঃ। যে। অধা। বন্ধস্তি। ভান্। বিল্লা সমুপ্ধ্যতঃ।১২।

**■4年―87 (20) 29.0 08** 

THISHNA MISSION INSTITUTE



লারং লায়াতে উজেলকণং জনত্বাহং ত্রে। দেবভারণে উপাদীনভংফলং প্রাপ্রেম্ব ভারে । তথা প্রাভঃকালেশি কুছে। মধান্দিনধ পরি মধাত্তিশি কুছে। 'লক্শেথংভূতাখান ভাগবীপাত্ম প্রতিপর্যানবং' ইতি লক্ষণে পরেঃ কর্মপ্রচনীয়ন্তং। তল্ভোগাৎ মধান্দিনং ইছি বিভীয়া। (যবা) লায়মান্দিকালতায়েশি উজেরীত্যা অনত্বান্ত্রে। লব্যজ্ঞান্ত্রিত্য ফলানি ভ্রেম্ব। 'লোপভ আআনেপদেবু' ইতি তলোপঃ। এবং অল্য অনভূহো লোহা যে লংখি ফলেন লক্ষত্তে অক্সপদন্তঃ। উপদাদং ক্রাং। ভ্রেতিভাভ্রান্ বিল্লানীমঃ। 'বিলোলটো বা' ইতি মলো মালেশঃ॥ (৪কা – ৩অ – ১১ ছ – ১২ ম ) ৪

(ইতি) ভতীয়েশুবাকে প্রথমং স্কেং।

'রোহিণানি' ইতি স্জেন শস্ত্রাম্বভিষাত্রজনিত্র প্রির প্রণাহনির্ভরে অস্থানিতিকনির্ভয়ে চ লাক্ষোদকং ক্নিতং অভিমন্ত্র উবঃকালে ক্ষতপ্রদেশং অগনিঞ্চেং। তথা জনেন স্জেন স্থাত্রমং অভিমন্ত্রা ক্ষতাকং প্রুমং পার্রেং। তথা তেনৈব জ্বনেণ ক্ষতদেশং অভাঞ্জাং স্থাতিং হি। 'রোহিনীতাবনক্তোবসিঞ্জি প্রতিকং পার্য্ত্যভান্জি' ইতি (কৌ ৪.৪)

হে রোহিশি লোহিতবর্ণে লাক্ষে। রোহিত শকাং 'বর্ণং অলুদান্তাং তোপধাং বে দাং' ইতি তীপ্ তকারণা চ নকারং। স্বং (রোহিনী) রোহিন্তা প্ররোহিরি আ তবনি । অতস্বং ধলাদিধাররা ছির্না অল্না দকাশাং প্রবহৃতঃ অস্থা অস্কা। 'পদন্ ইত্যাদিনা অস্কৃশস্বা অলন্ আদেশঃ। রুধিরলা রোহিনী রোদ্রিনী স্ম্বানে স্থানি স্বাণিরিন ভব। হে অরুদ্ধতি অক্তৈরনভিভূতে অরোধনশীলে বা দেবি ইনং ক্রুতরক্তং অলং রোহ প্রবিহার। নৃস্পুর্বিহং অব্রুং কুর্মিভার্বঃ॥ (৪কা--তজ্-১২স্-১ম)।

দ্বাদাং সূক্তং।

দ্বিভীয়া।

। । । বং এচ রিষ্ঠং বং ডে স্থান্তথন্তি পেট্রং ড শাল্পনি।⊳

थाका कर खत्मा श्रुतः मः नगर शक्रमा शक्रः॥२॥

পদ-পাঠঃ।

ৰং। তো বিঠাং। বং। তো ছাভুম্। অভি। পেটুং। ভো আছেনি।

হে শারাফভিহত তে তব যৎ আসং রিষ্টং ষ্টিংলিতং যচ তে ঘণীয়ং আসং হাজং খোতিতং শার্প্রহারণিজনিতবেদনয়া প্রজ্বিতানব (অতি) ভবতি। তথা তে তব শার্থান শরীরে প্রেষ্ঠং প্রিয়তনং যৎ আসং আসং মুদগরপ্রহারাণিভিভাগং ভবতি ধাতা দর্মণ্য জগতো বিধাতা দেবঃ তৎ দর্মং অসং ভত্ররা কল্যাণ্যা লাক্ষরেপ্রা ওবণ্যা পর্বা, পর্মণা পরুঃ অতাৎ দর্ম ভগ্নং পুন: শংদশং শন্ধাতু শংযুন্ত । (৪কা—০ল—১২ত্—২ম) ।

ভূতীয়া।

সং তে মজ্জা মধ্য জ্ঞা ভণ্ডু শমু জে পর্মণা পরে:।

। সং ডে মাংগদ্য বিজ্ঞন্তং দমস্থ্যুদি রোহতু॥ ৩॥

পদ-পাঠঃ।

ৰিশ্। তে। মহলা। মজাজো। ভবতু। শৃষ্। উংইভি:। তে। পুরুষা। প্রঃ।১

হে প্রবৃত্ত তে তব শরীরত্বো মজন এতৎশক্তে: বঠো খাতু: প্রবৃত্তেশ বিভক্ত: মজ্জ মজনাধাধাতুনা প্রহারবিত্তেনে শং স্থং বধা ভবতি তথা তবতু শংযুক্তো তবতু। যথা তব্ প্রাথ্যাতু। তৃ প্রাথ্যে। ব্যভারেন পরশৈপদং। তথা তে জনীরশরীরও পক্তবা তথেন পর্বশ শরুঃ তর্মং পর্ক শং স্থং যথা তবতি তথা প্রাথ্যাতু। শল্পীর চাং ইভার্থ:। তে তব শরীর গতলা মাংসলা প্রহারাভিবাতেন যং বিজ্ঞাং তৎ শং স্থং যথা তবতি তথা ( অণি রোহতু: অশিরচং প্ররুচং সুনরুৎপন্নং তবতু। তথা তব শরীরসতং যং অছি তন্ধং আদীং তর ( শং) সুধেন প্ররুচং শংহিতং তবতু। ( ৪কা-৩জ-১২স্-৩ম)।

মজ্জাখো ৰাজুঃ মল্জা মজ্জাগজুনা লং বীয়তাং লংহিতঃ লংযুক্তো ভবজু। চর্মণা শ্রাদিপ্রহারভিলেন চর্ম রোণ্ড প্রক্রাং ভবজু। লংযুজাতাশ ইত্যধঃ। জস্কু রক্তাং চে ছক্ত্রীরগতং যৎ কর্মু: লকাশাৎ বিশ্লিষ্টং পুনতাৎ অছি রোহতু প্রাপ্রোজু। মঞ্জৌবধিলামর্থোন লংযুজাতাং ইত্যর্থাঃ। যবা চর্মণা চর্মোত তৃতীরাজ্ঞলা ত্র দৃইছাৎ জস্কা জন্মা ইতি তৃতীয়াজ্ঞাং পদং জবাজ্ঞা বোলাং। (জস্কা) জস্কা, রোহতু জন্মা আছি রোহ্যিটি। শিষ্টং নিশ্বনিদ্ধার (৪কা – ৩ল্ – ১২ স্ – ৪ম) ।

 भय-भाकेः ।

। অন্তক্। তে। অহি। রোহজু। ছিল্ল। স্থা ধেরি। ওৰংগালয়

তে লাক্ষাত্মিকে ওবধে শরীরত্বং লোম লোরা প্রহারবিলিটেন লং কল্পন্ন লংকুপ্তং পুনঃ
অন্থানগতং কুক। তথা ঘটমণি বিলিপ্ত হচ। লংকল্পন লংকুপ্তাং কুক। অন্ত তে আছি
রোহতু ইতি পূর্ববিধ। এবং অন্তর্গাপ ছিলং ভল্পং বস্তৎ অকং অভি তৎ কর্মং লং ধেছি লংহিতং
লংলিটং ব্যাপারক্ষমং কুবিষ্ঠাবিঃ। (ধকা-তথ-১২স্কে-৫ম)।

मछी।

। । । । স উৎ ভিষ্ঠ প্রেহি প্র ক্রণ হ্রহক্র: হ্রপনি: <del>হ্</del>রনাভিঃ।

প্রতি ভিষ্টোর্দ্ধ: 🌬

भष-भार्ठः ।

नः। चेदा किंदा क्या देवि। क्या झरा बसा

পুহ্চক্রঃ। পুহ্পবিঃ। পুহ্নাভিঃ।

व्यक्ति। किं। केंद्रा ।

তে শল্পপ্রারাণিভির্মিপ্রিবেরব পুরুষ দ ভাতৃশঃ মন্ত্রৌষধিদামর্থেন দংহিতগালঃ দন্ উৎ
ভিত্ত শল্পং উদ্যান্ত। প্রেক্তি জন্ম জানাং প্রায়ন্ত প্র প্রথাব বেগেন গল্ড। উজ্জং
ভাবং দৃষ্টাজেন প্রচ্ছতি রথ ইত্যাদিনা। স্কৃতক্রং স্কৃট্চ্ণচক্রৈর্থুক্তঃ স্থাবং স্কৃচ্ছ পবির্নিন্দিকারার বাচ দ তথাকেঃ স্থাভিঃ স্কৃচ্রা নাভ্যা অক্ষান্ধ্রেণ যুক্তঃ অবংগুণবিশিষ্টো রবঃ
বর্ধা প্রগমনাদিব্যাপারং ক্রেন্ প্রভিত্তিতো ভব্জি এবং স্থাপ স্কৃচ্চাকো ভূষা উর্দ্ধ উল্পতঃ
শন্প্রতি ভিত্ত ব্যভিন্তিতো ভব্ । (৪কা—তল্প—১২ন্ত—৬ম) ৪

সপ্তমী।

| বিল কর্জঃ পভিস্থা সংশত্তো যদি বাশ্মা প্রস্তৃতো ক্রমান।

| বিল ক্রমান সংল্পান সংলধং প্রক্রমা প্রকৃত্যা আবান।

| বিল ক্রমান প্রিমান সম্প্রমান বিল বা আখ্যা প্রক্রমান আবান।

| বিল ক্রমান প্রক্রমান সম্প্রমান ক্রমান প্রক্রমান বিল বা আখ্যা প্রক্রমান বিল বা আখ্যা প্রক্রমান বিল বা আখ্যা প্রক্রমান বিল বা

মদি কর্ত্তং কর্ত্তকং ছেদকং আয়ুধং পুরুষশরীরে পতিয়া লংশশ্রে লংশৃণাতি লংহিনতি। শু হিংলায়াং ইতামাং ছালগো লিট্। যদি বা অপি বা অসা পাবাণঃ প্রকৃতং পরেণ পুরুষ-শরীরে প্রাক্তিঃ লন্ জবান হল্পি পুরুষং হিনন্তি। তেন আয়ুধেন অসানা (চ) হিংলিতং প্রুং পর্বা পর্বাজ্ঞের লং লধং মন্ত্রৌষধপ্রভাবঃ লন্দগাতু। তত্ত্ব লৃষ্টান্তঃ। অভূ য়ধ্যে-বেতি। স্থায়ন আলিওস্থ ত্রয়ঃ পূত্রা বভূব্রভ্বিভ্। বাজ ইতি (নি৽ ১১/১৬) (ইতি) বাস্থাচনাং স্থায়নঃ পূত্রা অভ্নদয়োরধনির্মাণাদিনা দেবলং প্রাপ্তাঃ। তথালং চ লাশভ্যাাং তক্ষন রবং স্বৃত্তং বিশ্বনাপদঃ (অ• ১/১১১/১) ইত্যাভার্তিবভ্সেষ্ প্রাণ্ডাঃ অভ্যাণা রব্য অসমনি অক্চত্তেবাযুগানীনি নির্মান্ত লন্দগাতি এবং আন্বর্মণো মন্ত্রো বিশ্লিষ্টং অলং লন্দ্রাভীত্যর্বঃ ম (৪কা—০অ—১০ফ্—৭ম) ॥

#### ( ইভি ) বিভীয় পুজেং ।

'উত দেবাং' ইতি অজেন উপনধনানস্করং আয়ুকামং মাণবকং অভিমূল্য অনুমন্ত্রয়েত।
ক্তিতেং হি। 'বি দেবা জরদা (৩০১) উত দেবাং (৪০০০) আবতত্তে (৫০০০)'।
ইত্যাদি 'বিষাণহিং (১৭০১) ইত্যকুমন্ত্রয়তে ব্রাহ্মণান্তং' ইত্যক্তং (কৌ০ ৭০৯)। তথা
অবিহত্তে মাণবকলরীরাস্থান্তণেশি এতং কৃত্তং। ক্তিতং হি। 'মুঞ্চামি ছা (৩.১১)
উত্ত দেবাং (৪০০০) আবতত্তে (৫০০০)' ইত্যাদি 'বিবাণহিং (১৭০১) ইত্যকুমন্ত্রয়েত'
ইত্যক্তং (কৌ০ ৭০৯)। তথা লঘুগণে 'হিরণাবর্গাং (১০০০) শল্পান্তীয়ং (৪০০০) বল্পত্তরিক্ষে (৭০৬৮)' (কৌ০ ১০৯) ইতি শল্পান্তীয়পদেন শল্পান্তিশক্ষুক্তন্য অন্য ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত আছা আন্য গণায় যত্ত্বয়ে বিনিয়োগত্ত ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র বিনিয়োগত্ত ক্ষান্ত আদ্য বিনিয়োগ্য স্থান্ত ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত ক্ষান্ত্র ক্ষান্

#### ভত্ত প্ৰথমা ৷

**अम-भार्ठः** ।

উত্তশ্ব: অবাত্তং অবস্থাপিতং কুরুত। যথানে চিরকালং অবাত্তং লাবধানং অপ্রমন্তং কুরুত। যথা অবহিতং অবস্থাপিতং কুরুত। যথানে চিরকালং অবাত্তংত তথা কুরুতেত্তার্থ:। অবপূর্বাদ্ ধাঞা কর্মনি নিঠা। 'গতিরমন্তরং' ইতি গতেঃ প্রকৃতিসরন্ধং। তে দেবাঃ যুগং সন্তাবিতাং অনবধানাং এনং পুন: উন্নয়র উদ্যান্ধথ। বহা অধ্যয়নতদর্বজ্ঞানাদি লক্ষণং যদ্ উৎকৃত্তং ফলং তৎ উদনীতং প্রাণয়থ। দেব। ইতালা পালাদিছাৎ বার্তিকং আমিন্তিতানুগাল্ভবং। উত অপি চ হে দেবাঃ আগঃ অপরাধং বিহিতানুগুলাদিলানতং পাণং চক্রুবং চকুবাংলং কুতবস্তা। করেতেলি চিঃ করঃ। অমি ভত্তাভাগেদি ছান্দদং বলোঃ স্প্রার্থ। আজানাং পাণং কুতবস্তামণি এনং তলাং পাণাং রক্ষতেভার্থঃ। এবং দ্রুবার্যার্থ। পাণাং রক্ষতেভার্থঃ। এবং দ্রুবার্যার্থ ক্রিলান্মিতাপরাধণরিছারেণ হে দেবাঃ যুরং পুনরিমং জীবর্থ শত্মংবংস্ক্রপরিমিত্তাীব্রাহ্রিত ক্রেভা ইখং আমান্ত্রিত্তেদেন বাক্যাত্রইয়ং লাখাগায়াহারেণ যোল্যিতবাঃ। ব বছা পুর্বোভরার্থ্রে হে বাক্যো। তত্ত এইক্লো দেবশক্ষে গৌলঃ। অপরঃ সংজ্ঞা। হে দানাদিশ ভণ্যুক্তা দেবাঃ অবহিত্যপি এনং পুনকুল্লব্রথ। আগঃ কুতবন্তমণি এনং পুনজ্ঞীব্রবেভিঃ। অক্রার্থন্ত দ্বার্থ স্বার্থ । আগঃ কুতবন্তমণি এনং পুনজ্জীব্রবেভিঃ। অক্রার্থন্ত দ্বার্থ । আগঃ কুতবন্তমণি এনং পুনজ্জীব্রবেভিঃ। অক্রার্থন্ত দ্বার্থ । আগঃ কুতবন্তমণি এনং পুনজ্জীব্রবেভিঃ।

বিভীয়া।

어무-이ঠ: 1

ইবৌ দুপ্রনাদে বি নাডে। 'পশ্চাঘাতং প্রতি মীনতি পুরোবাতমের জনয়তি' ( তৈও' লংও হায়ন, ) ইতি প্রকালয়প্রশিলের বায়ু আ লিক্ষোং আ সমুজাং। মর্যাদায়াং আলারাঃ লয়জপর্যালয়ে। তথা আ পরাবতঃ। পরাবং ইতি দ্রমাম। লমুজাদিশ যো দ্রদেশঃ ভাবংবালয়ং যা বাজঃ গছেতঃ। বা গতিসক্ষময়োঃ। আলাদিকঃ। বলা ইবৌ প্রাণাদানাভ্রতে বৌ বাজে বাজঃ শরীরের লক্ষরতঃ আ লিক্ষোং। অল লিক্ষাম্পেন ক্রমনশীলানি বেলায়নানি উচাল্ডে। ভাবংপর্যালয়ং। আ পরাবতঃ। পরাবছক্রেন শ্রীরাং বাজ্লেশে আদ্বাস্পাদারিফারে বিবক্ষিতঃ। ভাবংপর্যালয়ং চ প্রাবাদ্যক্ষেন শ্রীরাং বাজ্লেশে আদ্বাস্পাদারিফার বিবক্ষিতঃ। ভাবংপর্যালয়ং চ প্রাণাদানয়োঃ লঞ্চারছানং। উদ্তেং হি। মাড়ীভাাং অলয়ং অভোতি জ্ঞাণভো বিবড়সুলঃ ইতি। ভয়োম্বাভর্যালয়ালয় প্রারাজঃ আপো বা হে উপনীত তে তব লক্ষং বলং আবাতু স্লাগময়তু। অলয়ঃ পশ্চাঘাতঃ অপানবাস্কা ভব বং রুলঃ পালং অল্ডি। রুলো রিপ্রাং ইতি পাপনামনী ভবতঃ ইতি হি নিক্ষাকং (নিও ৪২১)। তং পালং বি বাজু স্বংশুলাং বিগময়তু। ২ য়

তৃতীয়া।

। আহা বাত বাহি ভেমজং বি বাত বাহি যদ রপ:।

चर वि विचंदिक्यक । स्वतानार मृष्ठ नेप्रस्ता। ।।।

어마- 어() : 1

আনা ৰাজ। বাহি। তেবজৰ। বি। বাত। বাহি। বং। রুপঃ।

। । অংশ। হি। বিশহভেবজনা কেবানাখ। দৃতঃ। ঈরণে।৩। -----

তে বাত বারো ভেষজং দর্শব্যাবিনিবর্জকং ঔবধং আ বাহি আগময়। হে বাত বারো হল্ রপঃ পাণং ব্যাবিনিলানং অতি তল্বি বাহি বিগমর অমতো বিনালয়। হে বিশ-তেবজ দর্শব্যাধিনিবর্জক হি যক্ষাং আং দেবানাং ইক্রালীনাং দৃতঃ চারঃ দন্ দর্শজ্ঞগারকণার ইন্ধান দ্বঃ ক্রাণাং দৃতঃ দুক্রং জ্বালয়বর্জী দন্ তং পোৰণায় ইরোগা। ক্রং সংক্রাণাং বর্গ ইন্ধানাং ইক্রিয়াণাং দৃতঃ দুক্রং আলম্বর্জী দন্ তং পোৰণায় ইরোগা। ক্রংসং শহীরং ব্যাপা বর্জন ইন্ধার্গ। ৩ ৪

দেবা: ইন্তাদয়: ইমং উপনীতং মানবকং আয়স্তাং। যথা পার্ত্রার্পণ প্রার্পণ প্রার্পণ প্রার্পণ বিশংশ ( ১০ জ০ ২।৪।২ ) ইত্যাদিশ্রতিপ্রদিদ্ধা অর্থান্তা ইন্ত্রিয়াবিটাত্বেবতা দেবাঃ। তে জন্ত-দিন্ত্রের্ণাটবপ্রদানেন ইমং রক্ষা ইত্যাহিঃ। তথা মর্তাং একোনপঞ্চাশংসংখ্যাকানাং 'উদ্ভু চাক্তাদুঙ্ চ' ( তৈ লং ০ ১।৮১৩ ২ ) ইত্যাদিশ্রতাস্তর্প্রদিদ্ধণংজকানাং যে গুণাঃ সপ্রদংখাকাঃ সন্ধি তেপি ইমং আয়ন্তাং লংক্ষা । যথা মর্তাং প্রাণাশানব্যানাদীনাং দেহে অবিশ্বতানাং গুণাঃ। পুজার্বং বছ্রচনং। তথা বিশ্বাবিশ্বানি লক্ষাণি অন্তানি ভূতানি ভূত-ভাতানি যথা যেন প্রকারেণ অরুং পুরুষ অরুণা অনং অপাণো ভবেং তথা আয়ন্তাং ইমং পালয়ন্ত্র। তৈঙ্ক পালনে। অরুণা ইতি । ন বিভান্তে রুণাংলি গাণানি যশিল্পিতি বছ্ত্রীইে 'নঞ্ছুছাং' ইতি উল্ভন্নপান্তেশ্বং॥ ( ৪কা — ৩ল — ১০ছ—৪ম ) ।

হে উপনীত হা হাং দ্বাভিভি: দ্বাহারঃ স্থাকরৈ করি আন করি চা হার ইতাভিছিঃ
করিইং করিংলা তৎকরৈ: শ্রেমােহেড্ভি: করিছিল কাগমং কাগত কান কাম। গমেলু দ্বি
কুলিহাং চ্রেমার প্রতি প্রতায়াং প্রতি উল্লেখ্য ইতি উল্লেখ্য করণেরে তাতিল্ প্রতায়ঃ।
'লিতি' ইভি প্রতায়াং প্রতি উলাভহং। অলি চ উপ্রতি উল্লেখ্য লম্ভিকরং বলং তে
তব কালার্য। 'ক্রেম্বাভিং' ইতি ভ্রং। 'দকং তে ক্লে কালার্ডু' (২) ইতি বায়্প্রার্থনিয়া
তৎলকাশাং কানিবং। তলা কর্মাং রোগং তে তব লকাশাং পরা ক্ল্রামি পরাশ্বিং প্রেম্মামি।
বুপ্রেরণে । তৌলাদিকঃ। (৪কা—৩ব্—১০্স্—১০্স্—৫ম)।

ষ্ঠী।

। ।

ভারং মে হভে ভগবান রং মে ভগবত বং।

। ।

ভারং মে বিশ্ব ভেষ জোরং শিবাভিম শ্নিঃ ॥ ৬ ॥

গদ-পাঠা।

। ।

ভারম্। মে। হভা। ভগহবান্। ভারম্। মে। ভগবংহরতা।

ভারম্। মে। বিশহভেষজা। ভারম্। শিবহজ ভিমর্শনা। ৬ ॥

মে মদীরঃ অরং অভিমদিনলাশনো চন্তঃ ভগবান ভাগাবান। তথা যে মদীয়োরং ঋষিহতঃ ভগবন্তরঃ অভিদরিতভাগাযুক্তঃ। যে মম অরং হতে। বিশভেষজঃ বিশ্বনি তেবজানি দর্মণ ব্যাধিনিবর্তকানি ঔবণানি বামিলুবিহন্তে ল ভংগানে। য্লাৎ এবংগুণনিশিটো মদীয়ো হতঃ ভামাৎ অরং শিবাভিগ্লানঃ তুলক রম্পানিযুক্তো ভবতু । (৪কা— ঠআং— ১০ফ্ — ৬ম)॥

भप- गार्ठः i

। ৃহস্তাভাগ। দশহৰাধাভাষ্। কিহব।। বার্ঃ। পুরঃহগবী।

। । অংনামরিজুহভাম। হস্তাভ্যাশ। খাভ্যাং। ভা। অভি। মূলায়শি॥ ৭-॥

দশশাধাভাগে দশ অসুলয়ঃ শাপাত্তা যথোঃ তাদৃশাভাগং হস্তাভাগং প্রজাপতিনম্বিদ্যাং ব্রামানা জিহ্বা বাগিলিয়াবিটানত্ত্তা রশনা বাচঃ শদত পুরোগনী পুরতো গল্পী ভবতি। হত্তেয়তা শদঃ প্রেয়জাতে তত্তা শব্ধিত তত্ত শদত্তোচারশায় পুরতো বাাপ্রিয়ত ইতার্য:। অনামরিজুভাগে অনাম্যশীলাভাগে আরোগাহেজুভাগে তাভ্যাং প্রজাপতিন্ত্দ্বভাগে হস্তাভাগ্ হেউপনীত হা হাং অভি মুশামণি অভিতঃ গংস্পামঃ। বিদ্যোমণিঃ গ্

### ( ইভি ) ভৃতীয়াং হস্তৰ:।

'পালো হারো:' ইতি অক্টেন অজৌদনদবে হবিরতির্শনাদিকং কুর্যাাৎ। পুলিতং ছি। 'তিবির্যার্শ্বং পাতারং বাচয়তি ভয়ং স্ফেং পচ্ছসানেন যৌতে শক্ষেণি ইত্যুপক্রমা কৈম্প্রং ভারিনা নাকং (২) পৃঠাৎ পৃথিবা। ভাবং অন্তারকং আরুবং (৩) স্বর্ধান্তের নাপেকত্তে (৪)' ইতি (কৌ • ৮।৯)। 'ক্রমধ্বং অলিনা' ইত।লিভিজঃ শর্কেরু সর্বজেরু বাচনে বিনিধুক্তনঃ। 'অংশো হুরোং' ইভানয়া ঝচা অগ্নিচয়নে উপণীয়মানং অঞ্লশিরোফুমন্তরেগ্রভ। 'অলোহাভাজাশিরঃ' ইতিহি বৈভানং ফ্রেং ( বৈ∙ ৫.২ )। 'অলো প্রেহি' ইতানথা পর্কেষু দব্যজেধু আব্দাং জুল্লাং। কুলিডং হি। 'অংগ এেহি (৫) স্মাচিমুড্ (১০) ৩৬) ইত্যাল্যং জুত্রাং' (ইতি) (কৌ দাও)। 'প্রাণ অন্তিন' (৬) ইত্যন্যা অজেদিনদবে पर्छिम् क्र इर পাঞ্চ কং হবিঃ আছেল। নাভালা। । স্থাতিতং হি । 'উল্লু इर আৰং অমল্যা চাজ্যে-नानिकि र्श्व (त्को • नाद)। 'शरकोतनर' ( शान) है जि वाशार नवस्क भक्षा निक्राको-मनमहिजान [ [ जुरू लार्च | जुरू नान न व्याहा। विक्रिक् छ। पर १६० । पर १६० । पर १६० । विकास মাঞ্জেং ওদনান পুণক্ণাদেরু নিদ্ধাতি মধ্যে পঞ্মং ইতি (কৌ দাৰ)। 'শৃতং অকং' (৯) ইত্যনয়! শির:পাদাল্লবয়নোপেতং চর্ম জুত্যাৎ। স্থারতং হি। 'শৃতং অভাণ ইতাকুসক্ৰিরঃপাদং অভাঞ চার্ম' ইতি (কৌ• ৮।৫)। বালেপেয়ে 'পৃঠাৎ পুলিবাাঃ'(এ) ইতোতাং যুপং আরুক্ যজমানো অপেং। উক্তং বৈতানে। বাজপেরং প্রক্রমা 'পৃষ্ঠাৎ পুণিবা। শহং ইভারেড়:' ইভি ( বৈ - ৪৩)। বরুণপ্রবাদাখ্যে প্রবিণ ভাষিপ্রশ্বকালে, 'মংল(প্রহি'(৫) ইভি এক্ষাঞ্পন গজেহে। ভংউতং বৈতানে। 'লাধাঢ়য়াং বরুণ-প্রবাদেরে প্রানীয়মানে করে প্রেহাতি জপরেতি ইতি ( বৈ - ২।৪ )। সোম্বাসে উত্তরবেদয়িঃ થ્થণয়নেশি এবা ભાગા। উক্তৰ বৈভানে। 'અલ્લો જાગોપ્રમાન ભાલ જીરોહિ ભાંગહા ৰহিৰ্বেগ্নগৰিশভি' ইভি। (বৈ• ৩.৫)।

### তত্ত্ব প্রথমা।

ভেন দেব। দেবভাষতা আয়ন্তেন রোহান্ করুত্থেখ্যাসঃ। ১।

#### পদ-পাঠঃ।

আছা: ছাগা: আরা: শোকাৎ তাপাৎ অজনিষ্ট উন্পত্ত। ভিশ্ব: শ্রুতান্তরপ্রশিদ্ধিং প্রোত্মভি। তথা চ তৈ জিনীরকে অজ্ঞারিদকাশাৎ উৎপত্তিরায়াতা। 'দ আছানে বণাং উনক্থিদং। তাং আমৌ পাগৃহাং। ততাজভূপর: দমভবং' ইতি ( ঠৈও দংও ২ ১ ৷ ১ ৷ লাং আতাজাং আরা দর্মপ্রজাপতি শুইং প্রাস্ অনিতারং অনরিতারং প্রজাপতিং আমি বা অপশ্রুৎ দুইবান্। অন্যাত্মীরবেশ আছানো গৌরবং অজ্ঞানীৎ ইত্তার্থ:। 'অনিতা ময়ে' ইতি পিলোপো নিপাতাহত। তেন প্রথমস্থেইন অজেন দেবাঃ ইন্তার্থ: দেবতাং দেবতাং দেবতাং দেবতাবং অতা স্ইাানে আমন্ তৎশাধ্যাগ্রারা প্রাপ্ত্রণান্য দেবতাং হৈত । 'তম্ব ভাষাত্রকারা প্রাপ্তর্কাণ ইতি যপ্রত্যায়:। জ্যাক্রকারা প্রাপ্তর্কাণ হৈতি যপ্রত্যায়:। জ্যাক্রকারা প্রাপ্তর্কাণ চা ইতি যপ্রত্যায়:। জ্যাক্রকার্কারা প্রাপ্তর্কাণ হিত্যালায় হিতি রোহাঃ আজ্মলেরম্বর্কাণ প্রত্যান্ত্রণান্ত ইতি রোহাঃ অর্গাদিলোকাঃ। ক্রহেণ্ডিয়াং কর্মণি বঞ্। জান তেন অজ্ঞেন লাধনেন যাগ্রারা ক্রহেণ্ড আক্রচ্বন্তঃ। জ্যাং ক্রিক্রার্থা প্রত্যাধানক ইত্যার্থ: ১ ৷

### বিভীয়া।

ক্রমধ্বশারন। নাক্ষ্ধ্যান্ হস্তের বিক্রংঃ।

निवण्युष्ठेर 'स्वर्गिदा मिखा (नत्विक ताक्त्या । २ ॥

94.019: 1

विवः। পृर्कत्। युः। श्वाः। सिमाः। स्मारिकः। चाध्यम् ॥ २ ॥

হে আনাঃ অধিনা প্ৰবজাৰ্থ উৎপাদিতেন ভংগাধান প্ৰব্ৰজ্ঞান অহুজীয় ভংক্ৰাভূতং নাকং কৃঃপনংভেদ্বহিতিং উভ্নং লোকং ক্ৰমধ্বং আবোহন। ক্ৰথভ্নঃ দস্কঃ। অক্ষান্ অক্ষবং প্ৰকাশকান্ অকুজিনান্ ধজান্ হতেবু বিজ্ঞাঃ ধারয়ন্তঃ। বাগাদিজনিভন্তুক্ত-বিশেষন অবল্যা ভংক্লভ্নং লোকং প্ৰাপ্লুভেডাৰ্থঃ। ক্ৰমধ্বং ইভি। 'অনুপ্ৰদানি বা'। ইতি ক্ৰমেরাল্মনেপদং। বিজ্ঞ ইভি। ভূমুক্ত্ শার্পপোষ্ণরোঃ। আমাৎ লটঃ শ্কাদেশঃ। ভ্ৰেনি ইং ইতি অভ্যাদেভ ইলং। 'অভ্যত্তানাং আদিং' ইতি আব্যাদান্তঃ। তদমন্ত্রং দিবঃ অন্তরিক্ষতা পৃষ্ঠং পৃষ্ঠবংশনং উক্লভপ্রদেশং স্থঃ বর্গাধাং লোকং গদ্ধা প্রাণ্যান লেবভিঃ দেবৈভঃ আ্লানভ্টাইঃ মিল্রাঃ মিপ্রিভাঃ স্মানেশ্রোণ একীভূতাঃ আধ্বং উপবিশ্ব। 'বর্ত্তাই ভিন্নি ভিন্ন প্রাণ্ডাবং। তলা বিক্জনীয়ত স্বাং। দেবেভিরিভি। 'বত্লাং ছন্দ্রি' ইভি ভিন্ন এসভাবঃ। তভা 'বত্বচনে বালোং' ইতি এলং। আধ্বং ইভি। আন উপবেশনে। অ্লাদিল্বাং শ্বো লুকু। 'ব্লাং আশ্বং ইভি লুকারত জন্ত্ব। দ্বারঃ। ২ ঃ

পৃতি । পৃথিব্যা অথমন্ত রিক্ষমাক্ত মন্ত রিক্ষাক্ দিবখার হেন্ ।

কিবো নাকস্ত পৃতি । স্ব ত ক্রিয়াভির গাম হম্। ।।

পদ-পাঠা।

পৃতি । পৃথিব্যাল অহম। অভারিক্ষ্। আ। অক্তম্।

অভারিকাং। দিবশা আ। অক্তম্।

দিবল মাকস্ত। পৃতি । স্বলি । আলি । অগাক্। অত্যাক্।

পৃথিবয়াঃ পৃষ্ঠাৎ ভূবোকাৎ অহৎ অন্তরিক্ষণ আক্রহণ অন্তরিক্ষণোকণ আরোহামি। ক্রেছালনো লুঙ্ । 'কুমৃলুক্রিভাশ্চন্দলি' ইভি চের অঙ্ আনেশঃ। ভলাৎ অন্তরিক্ষণলোকাং লিবং ছালক্বাচাং তৃতীয়ং লোকং আক্রহণ আরোহামি। নাক্ত নাশিন অকং ছংখং অন্তীতি নাকং তাল্পত নিবঃ ছালোকত পৃষ্ঠাৎ উপরিবেশাৎ কঃ। আনিতানামৈতং। আনিতামগুলক্ষণ হির্মানপুক্ষণাধাং জোভিঃ অহং অগাং আলোমান। এতেশ্ছান্দলো লুঙ্। 'ইণো গা লুঙি' ইভি গালেশঃ। ইথং লোগানক্রমেণ পৃথিবাানিলোকেরু নানাবিধান্ ভোগান্
ছুজ্ব অন্তেখ্যাস্থাং প্রাপ্তিতার্যঃ। (একা—এল —১৪ত্থ – এম)।

স্থঃ স্বৰ্গং যজ্জকলভূতং য়স্তঃ গজ্জ্ নাণেক্ষত্তে পুত্ৰপথাদিস্থানিতং ঐহিকস্থং অল্লং নেক্ষি। কিং ভূ আং অস্ত্ৰিকং বোদনা ভাণাপুথিবোঁ চেতি লোকত্ৰন্ধং প্ৰান্তক্তনীতা। আ বোহন্তি। কে পুনক্তে। যে যজ্মানাঃ নিখভোগানং বিষতঃ দৰ্মভো ধানকং ষ্বা বিষতঃ দৰ্মভো ধানকাঃ অবিভিন্নক্লপ্ৰাপ্ত্যাপানা যাক্ষংভালুশং বজ্ঞং ক্ষুনিষাংসঃ স্বৰ্গ্ আনন্তঃ বিভেমিরে বিভ্ৰম্ভি বিভারম্মী। ছাণ্দশো বর্ত্থানে লিট্। তেম্ব্যিক্ত ইতি সম্বন্ধঃ ॥ ৪॥

পঞ্জনী।

। । । । ।

আংগ্র প্রেছ প্রথমেশ দেবতানাং চক্লুকেবানামুক্ত মাকুদাপাম্।

ইয়ক্ষমাপা ভৃগুভিঃ সজোবাঃ স্থান্ত যদ্মনানাঃ স্থান্ত । ।

পদ-পাঠঃ।

। । ।

আংগ্রা প্র । ইহি। প্রথমঃ। দেবতানাম্। চক্লুঃ। দেবানাম্। উত্ত। মাকুদাপাম্।

ইয়ক্ষমাপাঃ। ভৃগুহভিঃ। শৃহজ্বোধাঃ। স্থাঃ। যজ্ঞা যজ্ঞানাঃ। স্থান্ত ।

ইয়ক্ষমাপাঃ। ভৃগুহভিঃ। শৃহজ্বোধাঃ। স্থাঃ। যজ্ঞা যজ্ঞানাঃ। স্থান্ত ।

\*\*\*

হে প্রণীয়মান আংশ্বং প্রেকি প্রগত আহবনীয়দেশং প্রাপ্ত কি কুল্বং। দেবতানং বিষ্টানাং প্রথমং মুণাঃ। অত এব দর্শপূর্বনাশ্বাবের আয়িঃ প্রথমং ইঞ্চতে। চাতুর্বাতে চ প্রকারের প্রথমের প্রথমের প্রথমের আরিঃ

চ পঞ্চবজ্ব আর্থার প্রথমের বাবাঃ। গোম্বাগে চ দ্বিক্রীয়ারাং পাঞ্জাবৈষ্ণ ব্যাগে আরিঃ

মন্তানী। অত এব মন্ত্রবর্ণ:। 'অগ্রিরপ্রে প্রথমে দেবতানাং' ইতি (তৈ॰ তা॰ ২৪ ও।
। তথা দেবানাং ইস্থানীনাং হবির্বহনেন অয়ং অগ্রি: চৃক্: চ্ছুরিন্তিয়বং প্রিয়ঃ। উত
। চ মাকুবাণাং মনোর পত। ভূতানাং মন্ত্রগাণাং চৃক্: আহণনীয়াদির পেশ পুণালোক আ
। 'মনোর্জ্বাতাব্রেগতে) মুক্ চ' ইতি অঞ্ প্রত্যায় বুগাগমটে। 'যমাং এবং
কোনাং মাকুবাণাং চ চৃক্: ত আং তদীয় প্রকাশেন ইয়ক্ষাণাঃ প্রথমং যইং ইল্ছেন্তঃ শচাং
বর্গাং ক্রোণাশ্চ অনাঃ ভ্রতিঃ এতংশইজের্মহিষ্তিঃ সলোবাঃ সমান্ত্রীতয়ঃ শন্তঃ
বর্গ: ক্রোণাশ্চ অনাঃ ভ্রতিঃ এতংশইজের্মহিষ্তিঃ সলোবাঃ সমান্ত্রীতয়ঃ শন্তঃ
অভাগেত ইত্রে আদিবর্ণনোণভ্রানদঃ। সজোবাঃ। জুবী প্রতিদেবনরোঃ। ভাবে
। ততো বছরীহো গমানস্ক ছন্দ্রিং' ইতি শভাবঃ। 'পরাদিছন্দি বছলং' ইতি
রপদাহালাত ছং। যদ্বা দ্যানং লোব্র্যাণাঃ প্রীয়মাণাঃ। অর্থন 'রুণাং অলুক' ইতি
রপদাহালাত ছং। যদ্বা দ্যানং লোব্র্যাণাঃ প্রীয়মাণাঃ। অর্থন 'রুণাং অলুক' ইতি
রপ্রালাত ছং। যদ্বা দ্যানং (৪ কা—০ অ—১৪ ত্র ২ ম)।

ষ্ঠী।

। তাল সন্দ্রা স্থা স্থাতন দিবাং স্থানং বিহস্থা।

। তাল গেল প্রকৃতি তালেকং স্থারোহন্তো অভি নাক্মুন্তমন্ ॥ ৬॥

পদ-পাঠঃ।

অলম্। অন্ত্রা প্রকৃতিশা। লোকন্। স্থপ্রন্। প্রস্থা।

তেন। গেল। স্থক্তশা। লোকন্। স্থাবিহাইটা। অভি।

নাক্ম্। উৎ্তর্মন্। ৬।

হণীরূপং আগলং অজং শুনা পায়াবিকারেশ পায়াবিং রলবভা বা ঘুভেন আবাসা নিজা অভিধারয়াম। অলু বাভিন্নকণভিষু। রুধান্দখং শ্লং। 'শ্লালাপাং' কীলুলং জিং। দিবাং দিবি ভবং ত্যালাকাইং বা অপর্বং শোভনপক্ষযুক্তং পর্সং। ছাল্সো বর্ণবিকা-া বর্লং শক্ষিরণং আপন্নং বুংস্তং মহাস্তং বল্পানং অর্গ প্রোপরিত্বং শক্ষং। তেন 'দ্ক্প্রভাবেন অলেন স্কুত্ত গুণাক্ত ফলভূতং লোকং গেম ব্রং গছেম। ভত্ত উত্তমং সংকৃত্বং নাকং ত্যধ্যংশ্লেশিশুলং স্বঃ স্বর্গং স্থ্যাপ্সকং বা প্রমং জ্যোভিঃ অভি আরোহস্তঃ সভিগছেস্কঃ ভবেন্যেকার্থঃ। (৪কা—৩ক—১৪ত্ত ৬ম)।

# मधमी। शत्कीतनः शकिष्ठत्रकृतिकित्रकाषत शकरेषण्डामानम् । स्थान्तार मिनि निद्या जन्म (भवि मिनि ক্ষিণং ধেহি পার্যা । ।। भए-भार्ड । भक्ष २ छ वसम् । भक्ष २ खिः। चक् निर्देखः। वर्षा। छैर। इत्रा | | দিশি। দক্ষিণম\_। ধেছি। পাৰ্য**্য**়ঃ

হে পাৰক পক্ষোদনং পঞ্জধা বিভদ্তেং ওদনং। 'দিকৃদংখ্যে দংজ্ঞারাং' ইতি সমাদঃ। পঞ্ভিরসূলিভিঃ করণৈঃ দক্ষা লাধনেন উজ্জ । স্থালাগঃ লকাশাৎ উদ্ধৃত্য স্থিধি স্থাপদ্বত্যধঃ। অভং উদ্ধৃতং ওদনং পঞ্চধা বিভক্ষা তত্ত্বে একং ভাগং অকল্ম পকং ( শিবঃ ) শিরোগতমাংদং চ প্রাচ্যাং দিনি থেবি ছাগর। পুনঃ একং ওদনভাগং অঞ্জ ( দক্ষিণং পার্ছং) দক্ষিণপার্গছং মাংসং চ দক্ষিণায়াং দক্ষিণভাং দিশি (থেছি) স্থাপর । (৪কা-৩ল-১৪স্-৭ম)।

णखेंगी। প্রভীচ্যাং দিশি ভসদমস্থ্য বেচ্যুত্তরুদ্যাং দিশুযুত্তরং দেছি পার্থ্য । । । উদ্ধায়াং দিশ্য চলক্ষানুকং পেছি দিশি গ্রুবায়াং শেছি পাকত নিক্তরিকে মধ্যতে। ম্ধ্যমন্ত । ৮ ।

लघ-लाठः । এপতীচ্যাং। দিশি। ভদদম্। আজা। শেহি। উত্রভাষ্। দিশি। উত্তরম্। ধেহি। পার্ম.। পাজজুমি । অন্তরিকো স্থাতঃ। ম্থাম্। অভাচে। — — —

প্রতীচাাং পশ্চিমায়াং দিশি অঞ অসা ভদদং। ভসংকটিপ্রদেশ:। তত্ত্বতাং মাংদং ওদনভাগণবিতং দেহি স্থাপয়। উত্তরভাং উদীচাং দিশি ওদনভাগণহিতং (উত্তরং পার্শং) উত্তরণার্ষণছব্ধি মাংলং (।ছি। তপা উর্দ্ধানাং দিশি অভ (অঅভ) অনুকং পৃষ্ঠবংশস্থ মাংলং ওদনভাগসহিতং ধেতি ছাপয়। ধ্রুণায়াং ছিরারাং ভূম্যাঝিকায়াং অধস্তাৎ দিশি পালভাং। পাল ইতি ধলনাম। ততা বিভং উল্রগতং উবদাং গেহি স্থাপয়। নিধনেতার্থঃ। মণাতঃ মণাভাগে অন্তরিকে আকাশে অন্ত অল্লা (মধাং) শরীরমণাবর্তি আকাশং मृश्यालश्चाकार्यः ॥ ( ४का - ०व्य - ३४२ - ५म ) ।

गवणी। ধিত ডিঠ দিকু। ৯ ° শৃতম্। আৰম্। শৃত্য়া। এই। তিবুহি। আচো। দকৈ:। — - - -। । । অংকৈঃ। সম্হত্তম্। বিশহরণন্। —

मर्थक्-६५ (३०) १४.७.७१

পা উং। ডিঠ। ইতঃ। আছি। নাকন্। উংহতনন্।
----| |
শংহভিঃ। চতুঃহভিঃ। প্রতি। তিঠ। দিকু। ১।

### (हेकि) उज़र्वः श्रुकः ।

'সমুংপতস্ত' ইতি প্ৰজেন বৃষ্টিকাম: মক্লডো মাল্ল পিকীভো বা দেবতাতা আভাৱোম।। কাশদিবিধুণক্ষেত্ৰাখা৷ ওববী: একলিন্ পাত্তে কুড়া কম্পাত্য অভিমন্ত্ৰা অলমধ্যে অংগাম্বং নিনরনং। ভানামের কাণাদীনাং দক্ষাভিভাভিমন্তিভানাং লকা প্লাবনং। খুলিরনো মেষশিরদশ্চ অভিমান্তভভ অংস প্রাকেশণং। মাগুবকেশঞ্চরতুপানহাং বংশাগ্রে বন্ধনং ভূধ-পহিতং আমপাত্র(ব অভি)মত্রভোদকেন বজ্ঞোক। ত্রিপাদে শিক্যে নিধার অংশ প্রকেশণং চ ইতোভানি অভিবর্ণকর্মাণি কুর্যা। । প্রভিং হি। 'নুম্পভন্ত (৪।১৫) প্র নভর ( ৭৷১৯ ) ই'ত বর্ষকামো আলশরাজেং' ইত্যালি 'জিপাদেংশানং ব্যবায় ব্যস্তানদধাতি' केठाखर (कि) बोट)। उपा উपवातकाषु नमात्वे व्यामन श्राह्मन वाबार स्वृहतार। শুক্তিতং হি। 'অধ যকৈতং উপভারকং' ইভি প্রক্রমা 'নমুংশভক্ত প্রানভথেতি বারী-व्यक्ति। मा छा धार्त्रान्छिः' हेलाखर ((को॰ ১৩।১১)। हालुर्वाश्वाचातस्वित्रहो 'অভি ক্রন্দ' (৬) ইতি পর্জ্বপ্রচক্রবাগাভিমন্ত্রণং। উদ্ভেৎ বৈভাবে। 'পুর্বেক্সাইর্রাধানরণা-र्व्याप्रिक्षिता चार्च देनशानत (२।३७॥) चित्र व्याप छनत्र (७) हेलि (देव०२।॥)। ধুৰকেতৃৎপাতনৰ্শনে প্ৰপশ্ববাগন্ধে প্ৰাঞ্জাপতাপ্তপুৰোডাশভানে 'আলোগতাত की (तोबनान' हैं कि विविष्ठ की (तोबन 'क्षकाणिक: निवान ( >> ) हेजू । इं क् इति । স্ত্রিতং হি। ('অব ব্রৈতং ধুগকেতুঃ' ইভি প্রক্রমা) 'প্রজাপভিঃ ন্লিলাং (১১) ইভি প্ৰাৰাণতাত ইতি (কৌ- ১০ ৩৫) 'প্ৰাৰাণতাাং প্ৰৱাণখন্তবামত প্ৰৱান্ধন চ' ইতি (ম॰ च॰ ১॰) বিহিতারাং মহাশাতে। 'প্রজাপতিঃ প্রিলাং' ইত্যেরা আবপ্নীরা। উজং নক্ষক্ষে। 'প্ৰদাপতিঃ দলিবাং ইতি প্ৰাদাপত্যায়াং' ইভি ( ন্ ক ১৮ ) ॥

### ভত্র প্রথম।।

भष-भाष्ठः ।

সৰ্ধউৎপত্তা প্ৰথিশঃ। মতস্তীঃ। সদা অভাগি। বাতংজ্তানি। বস্তু

মহাহথব্যস্থ নদ্ভঃ। নভ্যতঃ। বাঞাঃ। আছেপঃ। পৃথিবীস্। ভৰ্গন্ত 🗈 ১ 🕫

প্রাদিশঃ প্রকৃটাঃ প্রাচালে দিশং নভমতীঃ নভমতা বাযুনা যুক্তাঃ সমূৎপতন্ত থেবৈঃ
সংহতা উলগছন্ত । নভমতীরিতি। এক স্থ মতুলো লোণো এইবাঃ। 'বা ছল্দিশি ইতি
পূর্মনবর্ণনির্যা। অলাণি। অলো বিল্রতি বৃষ্টার্থং উদকং ধারম্বলীতি উলকপূর্ণা থেবা অল্রদর্শেনোচান্তে। তানি চ বাতজ্বানি বাতেন বায়ুনা প্রেরিতানি ভ্রা শং যন্ত শক্ত্রাং
সাহতানি ভবল্প। মতর্বতি মহাংশ্চাণো গ্রহণত মহর্বতঃ। 'আমহতঃ•' ইতি আবং।
নলতঃ ধ্বনিং কুর্বতঃ বলা লোকে মহান ঝবভঃ লেচনদম্বাং পুলবো দৃপ্তঃ লন গর্জ্বতি ভাত্বপাকার্যক্তম্ম পর্জ্বতো নভম্বতঃ বায়ুপ্রেরিত্য মেল্ফ শক্তি আশং যালাঃ দর্শামানাঃ
পূথিবাং ভূমিং তর্পন্ত ভ্রাং ওব্দিপ্রয়েহণদম্বাং কুর্বত্ত। বালা ইতি। বাশু শক্তো
ফায়িতকীত্যাদিনা (উ০ ২০০০) রক্ প্রতারঃ। (৪কা—৬ল—১০ত্ –১০ত্ –১০

ছিভীয়া।

गमीकशकु छविवाः च्रुनानरब्राश्रार ब्रुगा अववीिः गह्छाम्।

वर्षगा गर्गा मश्तक ভূ'मर পৃথগ আরম্ভানোদগরো বিধরপা: ॥ ২ ॥

পদ-পাঠঃ ৷

निम्। केक्यका ভবিবাং। সুহলানবঃ। অপান্। রলাঃ। ওবধীতিং। লচভান্।

। । वर्षका ननीता सरबक्षा छ्विन्। नृगक्। काश्रकान्। अवगद्गः। विभारकानाता २० ভবিষা:। মহরাধৈতং। মহান্ত: স্থানবং শোভনদানা মকৃতঃ দ্মী ক্ষয়ন্ত বৃষ্টিং সন্দর্শনন্ত। যথা বৃষ্টির্ভনতি তথা ক্ষমান ক্ষরণুক্ত ইতার্থ:। ক্ষাং বৃষ্টালকানাং রদাঃ ওঁবণীভিঃ ব্রীছিন্ননাদিভিঃ পৃথিবাাং উথৈবাঁলিঃ দচস্তাং দ্মন্মন্ত। বচ স্মবাহাে। উল্লেখনোর্থা বিব্রিয়তে বর্ষফেতি। বর্ষজ বৃষ্টাদক্ষ স্থাঃ স্থাত ইতি সর্গা ধারাঃ। কর্মণি হঞঃ। ভূমিং পৃথীং মহমন্ত প্রস্তা মহ পুজায়াং। বর্ষধারাভিরলক্ষ্ঠাৎ ভূপদেশাং বিশ্বরণাঃ দানাবিধা ও্রধ্য় ব্রীহ্মবাসাঃ পৃথক্ ক্রান্তর্বাভিতেত্বনে ক্ষান্তাং উৎপত্নস্তাং মহ ॥

### ভূতীয়া।

্সমীকশ্বস্থ পায়তে। নভাংস্যপাং বেগাদঃ পৃথগুদ্ বিজন্তাম্।

। । বর্ষায় সূর্গা মহাত্ত ভূমিং পুণগ্ কায়ন্তাং বীরুণো বিশ্রপাঃ ॥ ৩॥

#### भप-भाठे: I

नम्। विकासमा সায়ভঃ। নভাংসি। অসপাস্। বেপাসঃ। পুণক্। উৎ। বিজয়ান্।

তে মক্রদাণ ছং গায়তঃ তবতঃ আসান নভাংলি অলাণি শমীক্ষাস দর্শা। অপাং বেগালঃ বেগাঃ বেগাযুক্তাঃ প্রবাহাঃ পূথক ছেনেন উৎ বিজ্ঞাং উচ্চলস্ত। ওবিজী ভয়চলনয়োঃ। উভরার্দ্ধিচঃ পূর্ববং। ওমণীনাং স্থানে বীক্রণ ইতি বিশেষঃ। বিক্রণঃ বিবোহণশীলা আরণ্যা ওমধিবনম্পতঃঃ (৪কা—৩ল—১৫স্–৩ম)।

### চহুৰ্থী।

গণাত্ত্বোপ গায়ত্ত মারুতা: পর্জ্জন্ম ঘোষিণঃ পৃথক্।

। । । সুসা বর্ষণ্য ব্ধতো বর্ষস্ত পৃথিনীমনু॥৪॥

হে পর্জ্জা রুষ্টাভিমানিন দেব ছা ছাং ঘোষণিঃ গর্জ্জনঘোষৰুক্তা মাকতাঃ মকংশ্বস্থিনো গণাঃ উপ গায়স্ত উপশ্লোক্ষতা। বর্ষক বৃষ্টিজ্বস্ক পৃথক্ নানাছেন দর্গাঃ স্থানাঃ বৃধ্যঃ দিক্ষতো বিকাৰঃ পৃথিবীং অনু ব্যক্ত অনুগতং আন্ত্রিক্সিতা ৪ ॥

### शक्षशी।

মহশাষ্ভদ্য নগভো নছকতে। বাজা আপঃ পৃশিবীং ভর্ণাক্ত। ৫ ॥

**अप-आर्रः** ।

হে মক্সতঃ সমুদ্রতঃ সভ্তেম্ধাং উদীরয়ত রুটিজলং উর্জ্ব প্রেরয়ত। শ্বোং দীপ্তিমৎ শকঃ শ্রুমনাধনং উদকং তত্ত্যক্তং নভঃ শত্রং উৎ পাত্যাথ উপান্যত। মহর্ষতভ্যোদি ব্যাধ্যতিঃ ॥ (৪কা—৩ন – ১৫ম্—৫ম) ॥

 পদ-পাঠ:।

আভি। ক্রমণ ভনর। অর্জন। উদংধিম্। তৃমিক্।

পর্কের । পর্সা। সম্। অভিহ।

ব্রা। ক্টম্। বহুলম্। আ। এতু। ব্র্ম্। আশার্ক্রবী।

কুশক্ত:। এতু। অভ্যন্ত ॥

ছে পর্জ্ঞ জতি ক্রেন জতিতঃ শব্দং কুরু। জনর মেখান প্রবিশ্ব বেব্রহ্ন। উন্থি জলবিং অর্জর উন্নলানেন পীড়ের। পর্লা রুটেন উন্ধকেন ভূমিং ল্মজিল ল্মজাং লংগিজাং কুরু। স্বয়া স্টাং প্রেরিজং বহুলং লাজং বর্ষং বর্ষণদমর্থং জল্লং এড় জাগজ্জু। জালারৈবী। জালারের ধারালংপাতঃ জমিজ্ তীতি জালারেবী স্থাঃ। রুখণ্ডঃ রুশাঃ ভন্কুতা গাবে রুখারো যন্ত ভথাবিধা ল্ম, অভং এড় জন্পনিং প্রাপ্তে। 'দিনা চিৎ ভমঃ রুণ্ডি পর্জ্ঞারেশব্যে ত্রা ভ্রাতি ক্রাভ্রাংর (একা—৩ল—১০ফ্—১০ম্) রু

শপ্তমী।

। । ।

নং বোবল্থ জ্লানৰ উৎসা অৱসরা উত।

মরুদ্ধিঃ প্রচ্যতা মেলা বর্জ পৃথিনীম্মু।। ৭।।

প্রদান বঃ। অবস্থা সুংলানকঃ। উৎসাঃ। অৱস্রাঃ। উত।

। ।

মরুংহিতঃ। প্রহ্যাতাঃ। মেলাঃ। ব্রহ্যা পৃথিবীদ্যা অস্কুরাঃ।

অবাসবং ৰোভনদানা দক্ষতঃ হে জনা বং বুদ্ধান সৰ্ জবন্ধ সংভৰ্ণঃ ভা জজগরা উত্ত। উত্তৰজ্ঞোত্ত বিভৰ্কে। অজপরাত্মনা বিভৰ্কাদানাঃ স্থুলা উৎলাঃ বারিপ্রবাহাঃ। উৎপঞ্জাং ইজ্যব্যা ব্যা হে স্থান্বঃ বং বুমাকং স্থৃত্তিনঃ উত্তৰ্জপুণা উৎলাঃ পুনুবুৰ লংতৰ্শঃস্থ ইভি একবাকাতা। ঈদুশানাং উৎপানাং উৎপাত্তিঃ কথং শেৎখণ্ডীতাত্তাই মক্সম্ভিরিভি। মক্সম্ভিঃ বাছ্বিশেবেঃ প্রচ্যুতাঃ অস্থানাৎ প্রেরিভা মেখাঃ পৃথিধীং অন্নু বর্ষন্ত ॥ १॥

मक्र २ किं। धीर्माडाः (यशाः। नरा यक्षा भूविनीम्। जन्नाम्। -----

আশামাশাং দিশংদিশং আপ্রিচা বিহাৎ বি প্রোততাং ক্রেত্। দিশোদিশং স্থানা অণি দিশে। বাঙা বাস্ত মেঘবা উদ্যায়িতারো বায়বং দঞ্চরস্ত। বহা দিশোদিশ ইতি বিতীয়াট দর্মা অণি দিশং প্রাণা বায়বে। বাস্ত। ভদ্মস্তরং (মক্রম্ভিং প্রচ্যুতাঃ) বায়ুপ্রেরিভা মেঘাঃ গুণিবীং ভূমিং অত্মলক্ষা বংবছ দলতা ভবস্ত। স্কুটার্থং সংক্রম্ভাং ইড্যুর্থঃ ৮ ॥

गवमी ।

শাপে। বিহ্যাদল্রং বর্ষং সং বেশবস্ত জ্লানৰ উৎসা অবশ্যা উভ।

মক্লন্তিঃ প্রচাত। মেখাঃ প্রাবস্থ পৃথিবীমনু॥ ৯ ॥

**भष-भार्वः** ।

नार्गः। विश्कारः। चल्याः वर्षम्। सम्। यः। चयकाः

मुरुवानगः। कर्गाः। जनग्राः। छेठ।

मक्तर्रकः। श्राक्षाः। स्वतः। स्वाः च्याः च्याः प्रविरोत्। च्याः न

ৈ কে শ্বনিবঃ শোভনদানা মক্ততঃ বঃ যুদ্মাকং শ্বন্ধিনঃ জ্বাদিপদার্বাঃ শ্মবন্ত জ্বা
শংক্রপান্ত। আপো নৈবছানি উদকানি। বিদ্বাং দৌদামিনী। জ্ঞাং উদক্রপূর্ণো মেছঃ
বর্ষং বৃষ্টিজলং। অন্ধাননকারা উৎসাঃ বারিপ্রবাচাশ্চ মুদ্মংশছনিনঃ লংভর্পান্ত। শোক্
ইতাবঃ। তদর্বং মকান্তঃ প্রচ্নতাঃ প্রেরিতা মেঘাঃ গুলিবীং অনুপ্রাবন্ধ প্রাবন্ত। 'উশদ্ধনি ভারতো' ইতি বিশীয়্যানং লবং ব্যতায়েন দ্ব্রাণি ভারতি। (৪কা-তল্—১৫স্—১ম্)।

```
গশনী।

আপান'গ্ৰন্ত নহিল নে: য ওধনীনামধিপা বস্ব।

ন নো বৰ্ষং বন্ধাং জাভবেদাঃ প্ৰাণং

থজাভ্যো জায়্তং দিবস্পারি।। > ।।

পদ-পাঠঃ।

স্পান্য অফি:। তন্ভা:। স্থ্যিদান:। য:। ওধনীনাম্। জাদ্ধপাঃ। বস্ব।

সং৷ নঃ। ব্ধন্। বন্ধ্যা, জাহ্ধবেদাঃ। প্রাণম্।

অধ্যাতা:। জাহ্ম্য জাহ্ধবেদাঃ। প্রাণম্।

অধ্যাতা:। জাহ্ম্য জাহ্ধবেদাঃ। প্রাণম্।

অধ্যাতা:। জাহ্ম্য জাহ্ধবেদাঃ।
```

আপাং মেহছোনাং তন্তিঃ শরীরৈঃ দংবিদানঃ ঐক্যতাং গতো যো বৈছাতায়িঃ ওইধীনা উৎপৎস্থানানাং আধিপা বস্থা আধিপাতঃ ঈশ্রো তবতি । জাতবেদাঃ আতানাং বেদিতা দ আগি: নঃ আমতাং বর্ধং বহুতাং প্রযাহতে । কীনুশং বর্ধং। প্রজাতাঃ। বঠারে চুরী প্রজানাং প্রাণং জীবনপ্রদং (দিবস্পারি) দিবঃ দ্য স্থাস্তং আমৃতত্ত্রাপকং। যা দিব ছালোকাং আতারিকাং বহুতাং ইতি দ্যায়া (৪কা—০ন্—১০ম্—১০ম্)।

একাদশী।
! | | | |
প্রকাপতিঃ গলিলাদা সমুদ্রাদাপ ঈরয়ন্ত্রাক্রাতি।
! | | |
গ্যায়তা রয়ে অশ্বত রেভার্কোডেতেন স্থন্মিজুনেহি॥১১॥

#### **भए-भार्ठः ।**

প্রভাহণতিঃ। শলিলাং। আনা। শমুজাং। আনাং। জীরয়ন্। উদহণিশ্। আন্দ্রাতি।

| | |
প্রাণ্ডার্থ ব্যাং। আবস্তা রেডঃ। আর্কাঙ্।

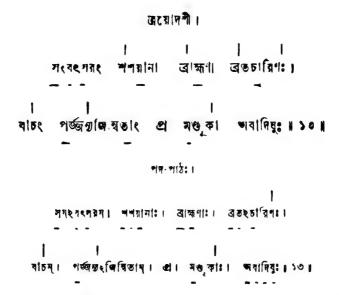
ব্তেম। জনবিজুনা। আনা ই,ই ॥ ১১ ॥

প্রজাপতিঃ প্রজানাং পালয়িতা বৃষ্টিপ্রদাং দ্বংশরাক্ষকঃ স্থাং দলিলাং। বল গতে ইভামাং ইলচ্প্রভায়:। বাপেনশীলাং দম্দ্রাং আপং। বাতায়েন জন্। অপঃ উদকানি আন দম্ভাং উর্মন্ বৃষ্টার্বং প্রেরমন্ উদ্বিং জলবিং অর্করাতি আর্দ্রাত্ রামিতিরাদানেম্ পীড্রত্। অর্করেতেলেটি থাডাগানা। বিষ্যোগ বাপেন্শীলক অব্ব আব্বং বেগাতো শেষতা বেভঃ বৃষ্টাপালানভূতং বার্ধাং প্র পাায়তাং প্রণক্ষিতাং। এতেন প্রব্দ্বার্থাণ ওণয়িদ্ধু না মেবেন হে পর্জ্জিক বং অর্বাঙ্ অন্দ্রিভ্রণ দন্ এহি আগছে। ১১॥

### वाननी।

₩4₩-02 (30) >3-0-02

শাল্পরা মেখানাং ক্ষেপ্ । বহা অদশং প্রাণাঃ। তান রাতীত্য হাঃ। বুটিললেন প্রাণশাল্প ইতার্থা। 'আপোমরা প্রাণাং' ইতি বি প্রাক্ষণং (ছা॰ ৬ ৫।৪) এবভুতো নং আলাকং
শিতা উৎপাদহিতা হাঁয় অপঃ নিষিঞ্চন রুটুাদকানি সুগ্রাবেন দিঞ্চন । বর্ততাং ইতার্থা।
শারতে বি। 'ঘদা থলু (বা) অলাবাদিতো হাঙ রিশ্বিতঃ পর্যাবর্ততেও বর্ষতি' ইতি ( হৈ।
দং ২৪।১০.২)। ততক্ত অপাং উদকানাং গর্গরাঃ। অহুকরণশক্ষোহং। উদ্ধ্ননির্জাঃ
প্রবাহাঃ খদস্ত উচ্চ্বিতা তদন্ত। হে বক্ষণ খমণি অবনীচীঃ অবনিং ভূমিং অঞ্চত্তি গছিলীতা তাবনীচাঃ আপঃ। অবনিশকোপণদাং অঞ্চতে 'অবিগ্, ইতাদিনা কিন্। 'অনিম্ভিাং ইতি নলোপঃ। 'অঞ্চতেশ্চোপনংখানং' ইতি ভীপ:। 'আচঃ' ইতি অকারলোপে 'চৌ' ইতি
দীর্ঘ্রং। ভূমিং প্রাপ্ন পতীরণঃ অপ ক্ষে মেঘেডাঃ অপগময়। অনভ্রং পুরিবাহ্বঃ খেতবাহবো মঞ্জাঃ হরিণাক্ম। হরিণাক্ষা নিতৃণভূবচনঃ। 'শেশ্ছন্দিন বহুলং' ইতি
শোলাপঃ। হরিণানি অক্প্রাণা বুটিজনেন লব্ধ প্রাণাঃ দক্ষঃ বদন্ত শব্ধ ক্ষিত্ত । ১২ ॥



শ্রহং নিয়মবিশেষং চরতি অফুতিঠন্তীত প্রচারিণঃ। লুপ্রোপমং এতং। ব্রচারিণো প্রান্ধানী বিশ্ব ক্ষিত্র কালগ্যান্তং বাতাত গাভায়ং গুরুঃ শর্মানাঃ দ্বংশরটো ব্রিজ্ঞানি বাচং ক্ষানাঃ দ্বংশরটো ব্রিজ্ঞানি বাচং ক্ষানাঃ দ্বংশরটো ব্রিজ্ঞানি বাচং ক্ষানাঃ দ্বংশরটো শর্জ্ঞানি বাচং ক্ষানির্ ক্ষেত্র ক্ষান্ধানির ক্ষানা প্রান্ধানির ক্ষানা ক্ষান্ধানির ক্ষানা ক্ষান্ধানির ক্ষান্

**इ**ज्र्मिश ।

উপপ্রবন্ধ মণ্ডুকি ধর্যনা বন ভাছরি।

মধ্যে ত্রণক্ত প্রথম বিগৃহ্য চতুন: পদ:॥১৪॥

পদ-পাঠঃ।

উপহপ্রবদ। মঞ্জিছ। বর্ষম্ আন। বদ। ভাতুরি।

মধো। হ্ৰক্ষ। প্ৰকা বিহগুহা চডুৱা। প্ৰা১৪ চ

হে মণ্ডৃ কি বং হর্ষং উপেতা প্রবদ প্রাকৃত্তিং বোষণ কুক্র। হে তাত্তরি। তত্তরক্ত ব্দশভাল ত্রী তাত্তরী। হে তাদৃশি নর্ষং রৃষ্টিং আ বদ ক্ষাভাবদ। যাদৃশেন স্বদ্বোবেশ রৃষ্টিজ্ঞারতে ভাদৃশং শব্দং কুর্বিতার্বা। রুষ্টিজনেন হুদে পূর্ণে স্তি তক্ত হুলক মধ্যে চতুরঃ পদঃ আত্মীয়াক্ চতুংশংখ্যাকান পালান নিগৃক্ত প্রশাস্ত্রণং প্রদার্য। প্রশ্ব প্রতর। প্রশাসন ব্যেক্ত্রং বিহ্রেতার্বা। (৪কা—৩ব্—১৫ম্—১৪ম্)।

शक्षम भी।

খন্ত্র বৈশ্বাত্ত ন্ধ্যে ভতুরি।

वर्षः वन्ध्राः भिडता मल्लाः मन देल्हह॥ ১৫॥

नम- गार्ठः ।

। । अवशाञ्हा देसमभाञ्हा मरशा छङ्गि।

বর্ষণা বহুধবণ। পিতরঃ। মরুতাম্। মনঃ। ইচ্ছত॥১৫ ৮

শ্বধা বৈদ্ধা তছরী ইতি মঞ্কজীলাভে: লংজাবিংশবাঃ। হে ধর্থে (হে ) বৈদধ্যে হে ট্রির ইতি তিজা: লংকাধাতে। 'এচো প্রত্যাদ্রাদ্ধতে পূর্বভালি গাছতরতে প্রতি বিষ্ঠ অবর্গত প্রতঃ। হে তৎলংজা হে মঞ্কাঃ ইব্ভ মধ্যে বর্তিশালা যুরং বুল্লীয়েন গোকেও ষর্ষং বৃষ্টিং বন্ধুধনং প্রবিজ্ত। তে শিতরঃ পালিছিতারো মঞ্কাঃ (মাকুতং) মকুৎস্কৃদ্ধি বৃষ্টাভিমুধং মনঃ ইদ্ভূত বোষেণ ক্ষীকুকুত। (১কা—০খ—০৫ ৻—০৫ম)।

(भाष्ट्रभी।

মহান্তং কোশামুদ্রাভি ধিঞ্চ শবিহাতং ভবতু বাতু বাতঃ।

खबाः वख्यः वङ्गा विञ्हे। जानमिनीत्त्राव्यत्याः खवस्य । ১७ ॥

পদ-পাঠঃ ।

্। মহাভাষ্। কোশ্ৰা উৎ। আচে। আজি। বিঞা সহবিত্যতণ্। ভবজু। বাজু। বাজঃ।

। ভয়তাৰ। যভগ্ৰ। বহুহ্ধা। বিহস্টাঃ। আৰাহনন্দিনীঃ। ওবণয়ঃ। ভবস্ত । ১৬।

মহাত্তং অধিকং কোশং। মেঘনাথৈ তথ। মেখং হে পর্জ্জন্ত বং উদত দম্দাৎ উদকপূর্ণং উদ্ধান । কেছা বিজ্ঞান কর্মান কর

(हेडि) शक्षमः २४७मः ।

हेकि अवर्सरवनार्वश्रकारण हजूर्वकारण ज्ञोरब्राष्ट्रवाकः ।

চতুর্থের্বাকে শঞ্চ স্ফোনি। তত্ত্ব 'রহরেরাশ' ইতি আছেন স্জেন অভিচারকর্মণি শক্তং ক্রোশন্তং অমুক্র্যাৎ (কৌ ৬ ৯২)। ধৃনদেতৃৎপাতশাকৌ বারুণপশুপ্রয়োগে 'উর্জেম ভূমিঃ' (৩) ইতোবা (কৌ ১৯৩৫)।

एक थ्राथमा।

া ব্রহরেধানধিষ্ঠাভা অন্তিকাদিব পশ্যুক্তি।

যস্তামুমালতে চরস্তসর্বাৎ দেব। ইনং বিছ:॥ ১।

#### भष-भार्<u>ठः</u> ।

বুহন্। এবাদ্। ক্ষৰিহন্তা। ক্ষকিবংইব। গ্লুডি। - -- -- --

বং। ভারৎ। মঞ্জে। চরন্। শ্রমণ। দেবাঃ। ইদন্। বিছুঃ ॥ ৯ ॥

বৃহন্ মহান্ পরিব্রটো বা বরুণং এবাং ত্রস্থানাং শত্রণাং অধিষ্ঠানা নিয়ন্তা দন তৈঃ কুতং দর্মং অন্যায়ং অন্তিকাদিব পশ্রতি দমীপদেশাদিব জানাতি। ম তক্ষ বাবধারকং কিঞ্ছিৎ অন্তীত্যর্ব:। যো বরুণঃ তায়ং দান্তত্যেন বর্ত্তমানং হিরণন্ত চরৎ চরণনীলং নশ্বং চ বন্ধ মন্ততেঃ স্থাবরজলমাত্মকং দর্মং জগত্জানাতীত্যর্ব:। দ বৃহন্ ইতি দমস্ম:। তায়ৎ ইতি। তায়্ দন্তানপালনয়োঃ। অস্মাৎ লটঃ শত্রাদেশঃ। ঈদ্বিধজ্ঞানসম্ভাবং বরুণক্ষ উপপাদয়তি দর্মং ইতি। বাবহিতং বিপ্রাকৃষ্টং ছিরং নশ্বরং স্থুলং স্ক্রং ইতি এতাদৃগ্ ইদং দর্মং অতিরোহিত্তানস্থাৎ দেবাঃ বিজঃ জানস্থি। বিদ জ্ঞানে। 'বিদ্যোলটো বা' ইতি বেঃ উস্ আ্রেদ্শঃ । (৪কা—৪অ—১৬স্—১ম)।

### विक्रीया।

#### **अम-भाठे** ।

। । । । । বঞ্জি। বঃ। নিংলায়ন্। চরতিঃ বঃ। প্রহত আংশ্।

পূর্বভাং আচি এবাং ইত্যক্তং। তত্র ইনমা কে পুনঃ প্রতিনির্দ্ধি।ন্ত ইতি তান নির্দ্ধিতি যতিইতীতি পূর্বার্দ্ধেন। যঃ শক্রেতিইতি অভিমূপং অবতিঠতে যণ্চরতি গছেতি যণ্চ যঞ্জিকেটিল্যেন প্রভারগতি যঃ শক্তে নিলারং নিলারনেন অনির্গমনেন চরতি। যথা নিলীনঃ অনৃত্যান চরতি। অরতেনিস্পূর্বাৎ ণমূল্। নিপূর্বাৎ লীয়তেবা। উভয়গালি শমানোর্ধঃ। তিশ্বস্বার্ভী ইতি লখং। যঃ শক্তঃ প্রত্তঃ প্রক্রেণ ক্রছ্ত্বশীবনং প্রাণ্য চরতি

বর্ত্ত। তকি কুজুলীবনে। জন্মাৎ প্রপুর্নাৎ শমুল্। এবাং শক্রণাং ইতি পূর্ব্বেণ্
শব্দরঃ। জন্তিকাদিব পশ্রতীতি যথ উক্তাং তদনি দমর্ব্রতে তেওাং তারেরে জ্বরার্ক্রেন। থে
পুরুবের রহিনি নরিবল্প উপনিশ্র যথ কার্যাং মন্ত্রেরতে তওাং ভাবেতো মন্ত্রি তাওভাবণে
ইতি ধাতুঃ। তরোও ওাং ভাবমাণরোঃ তৃতীয়ঃ ত্রিহাণংখ্যাপুরকঃ দন্ রাজা কৃষ্রো বরুণঃ
স্বনার্বজ্ঞান তথ দর্বাং বেদ। আনাতীত্যর্বঃ। তত্তত অকার্যাচিন্তাবনর এব তান্
নিগ্রহীত্থ বরুণঃ শ্রেলিতীত্যর্বঃ। 'ত্রেঃ শ্রুবার্বণং চ' ইতি পুরণার্বে তীয়প্রত্যায়ঃ
ক্রিপ্রার্বিথ চয় (৪কা—৪ক্—১৬২—২ম)।

### তভীয়া।

উতেয়ং ভূমিকারণভা রাজ্ঞ উঙাণো ভৌকিংতী দুরেমস্তা।

। । উত্তো সমুক্রো বরুণভ কুক্ষী উত্তামিয়ার উদকে নিলীনঃ। ০ ।

#### भय-भार्डः ।

উত। ইয়দ্। ভূমিং। বরুণভা। রাজেং। উত। মধো। গোঃ। রুহতী। দূরেহময়।।

। উতোইতি। সমূদ্রো। বফুণখ। কুফীইতি। উত।

। অবিষ্ ন অৱে। উহকে। নিহলীনঃ।৩।

উত্তশব্দ অণাবে। ইরং শ্বাণিষ্ঠানত্বন নিহিতা ভূমিরশি রাজ্ঞ: ঈশ্বরশ্ব কুইনিএইে
অধিক্বতশ্ব বক্ষণতা বলে বর্ততে। উত অণি চ অনৌ বিপ্রকৃষ্টা বৃহতী মহতা দুরে অধা
দুরে বিপ্রকৃষ্টে দেশে অব্যে অন্তিকে চ ভবতীতি দুরেঅস্তা। যত এবং ব্যাণ্য বর্ততে
অতো বৃহতীতি ভাবঃ। এবংক্রণা ভ্যোশ্চ বক্ষণনা রাজ্যো বলে বর্ততে। বৃহতী দুরেঅস্তেতি
বিশেবণবরং ভূমা। অণি যোজাং। অত এব দুরেঅস্তে ইতি ভাবাপ্থিবাোন্যকু পঠিতং
(নিব॰ ৩৩০)। উতো অণি চ লমুন্তো প্রাণিচ্যৌ বক্ষণতা রাজ্য কুন্দী দক্ষিণোভরণ
পার্থভেদেন অবস্থিতে বে উনরে। এবং ভূম্যাদিকং ক্রংমং অগ্রহ ব্যাণ্য বর্ত্তমানোণি
অবিশ্ অর্থেণি উর্কে ভটাক্র্বাদিগতে নিলানঃ অস্বাহিতা ভবতি । ৩ ৷৷

**ठ**ष्ट्रशे ।

দিব ক্পেশং প্র চরস্তীনমন্য নংক্রাক্ষা অভি পশ্যন্তি ভূমিমূ॥ ৪॥

भ**म-भा**ठेः ।

উত। যঃ। ভাষ্। অতিহণপাঁং। পরভাং। ন। সঃ। মুচাটেত। বরুণভা রাজঃ।

দিবঃ। স্পশিঃ। এই। চরভি। ইদস্। অভে। সহত্রহ অফাঃ। অতি। পঞ্জি। ভূমিখ্॥ ৪ 🛊

উত অপি চ বঃ শক্তঃ অনৰ্কারী অমাকং পুরস্তাৎ আং অন্তরিক্ষপ্রদেশং অভিদর্পাৎ অভিক্রমা লপ্থে প্রবর্ততে আর্থঃ।
অভিক্রমা লপ্থে গছেহে। যথা মুকুত প্রাপাং আং মর্গং অভিক্রমা অপথে প্রবর্ততে আর্থঃ।
ল শক্রঃ বরুণপ্ত রাজ্ঞঃ পালেভাো ন মুচাতৈ ন মুচোত। তৈক্ষিত্র এব বর্ততাং ইভার্বঃ।
মুচো কর্মণি লোট আডোগমঃ। 'গৈতোক্তর ইভি ঐকারঃ। কৃথং তালোকছো বরুণঃ
মুমুজুকুতং অপরাণং জানাভীতি ভক্তাহ দিবঃ স্পশ ইতি। দিবঃ তালোকালিগ্রিতঃ অভ বরুণভ্ত
স্পশং চারা ইবং পার্বিং স্থানং প্র চরন্তি প্রাণা লঞ্চরন্তি। তে চ লহস্রাক্ষাঃ লহস্রলংখা।
কৈর্দিনিগোপার্থিক্তাঃ লস্তঃ ভূমিং অতি পশ্চতি। ভূলোকবৃতাত্বং ল্কাং অভিশয়েন

পঞ্চমী।

যালাংকুর্বান্তার্থঃ। (৪ক। - ৪আ - ১৬ফ-৪ম)।

সকাং ছেদ্ রাজন বরুলো বি চঙ্কে যদন্তর। সোদনী যৎ পারস্তাৎ।

। । । শংখ্যাত। অভ্য নিমিষে। জনানামক্ষানিব শ্বন্থী নি মিনোতি তানি ॥ ৫ ॥

> পদ-পাঠঃ। | | | মণ্। তং। রাজা। বরুণঃ। বি। চটো যং।

| | | ी व्यवदात दामनीहेल्या यदा शतखादा া । বি । পুৰুষ্ণাভাঃ। অপু। নিহ্যিবঃ। জনানাৰ্থ অক্লান্হইব।

খৃহসী। নি। মিনোভি। তানি। ৫ ।

বোদনী অন্তরা ভাবাপৃথিবােশ্বধ্যে বং প্রাণিজাতং বর্ততে তথা পুরিতাং বৃদ্ পুরেভাগে বং প্রাণিজাতং আন্ত তং নর্কং বরুণো রাজা বি চাই বিশেষেণ পশ্চতি। তথা তেবাং জনানাং প্রাণিনাং নিমিবং নিমেবণবাাপারত। উপলক্ষণং এতং। অকিপরিম্পান্দোণ লক্ষিতত অভ সাধ্বনাধুকর্মণং লংখ্যাতা পরিমাণ্রিতা বরুণঃ তামি পালিনাং নিকাক্মাণি ততংপাণাত্বনারেণ নি মিনোভি নিকিপতি। তুমিঞ্ প্রকেপণে। ততা দুইাবঃ অক্যানিবেতি। স্থা সৃষ্ আত্মানং স্বকীরং ধনং চ হন্তীতি কিতবং স্কান। তথা চ যায়ঃ শ্রী কিতবো তবাত সংহত্তি (নি • ৫:২২) ইতি। যুণা কিতবং স্কান, আত্মনো জ্যার্থ নিকিপতি তথং ইতার্থঃ। (৪কা—৪অ—১৬ছ-৫ম)।

### मछी

া । । । । । ।

বে তে পাশা বরুণ সপ্তদপ্ত তেখা তিউন্তি বিধিত। রুশন্তঃ।

। । । । ।

তিন্তু সর্বে অনৃতং বদন্তং যঃ সত্যবান্ধতি তং স্ক্সাঃভা।

#### **भम-भार्ठः**।

্ব। তেও পাশাং। বরুণ। পঞ্চলপ্ত। তেখা। তিঠিকা বিছলিতাং। রুশবং।

| | | । । ছিন্ত। প্ৰে: অমূচৰ। বৰস্কমু। বঃ। শুডাংবাদী। অতি। তম্। স্বস্ত।৬।

তে বক্লণ বে ব্দীরাঃ পালাঃ লপ্তলপ্ত উত্তমমধ্যমাধ্মভেদেন প্রত্যেকং লপ্তলংখ্যাকাং তেওঁ কিপ্রান্থ বিলিডাঃ তত্ত্তত্ত্ব পাশিনাং নিপ্রান্থ ছালবং বদ্ধাঃ। এতচ্চ লৈবিধাং ভিরত্ব বক্লণ (ঝ০ ১০২৪) ইতি মন্ত্রান্ধানিভিছে। তত্তংপাশাহ্লারেণ পাণিঠান হিংলভ ভিঠতি লক্ষে তে পালাঃ অনুভং বনতং পাণকৃতং অগ্নীরং শক্রং ছিন্তু ছিন্তু। ব্লান্থ লভাবাদী লভাবদমনীলঃ পুণ্যকুৎ তং অতি ভ্ৰত্ত বিষ্কৃত্ত । (৪কা-১০ল ১৬ত্-৬ম) ।

### मध्यी।

আন্তাক জাল্ম উদরং প্রশোদ্ধিত। কোশ ইবাবন্ধঃ পরিক্ত্যনানঃ।। ৭।।

'পদ-পাঠ:।

। শত্তন। পাশৈং। অভি। শেহি। বরুণ। এন্দ। মা।

তে। মোচি। অনুচহণাক্। নৃহচকাঃ।

্ । আন্তাম্। অনুবাংশরিখা। কোশংহইব। আনুবাং। পরিহরুতামানং । গা

হে বরুণ শতেন শতসংখাকৈত্বনীরৈ: পানে: এমং অনৃত্বাদিনং শক্তং আভি ধেই বধান। বদ্ধা নিগ্রাণেভার্থ:। অভিপুর্দেরা দগতিক্রিন্ধনে সর্ত্তি যথা 'অখাভিগানীং আ দত্তে' ( তৈও সংভ ৫।১।২।১ ) ইতি। হে নৃত্তম: নৃথাং মন্ত্রাণাং সাধ্বসাধূর্বিক্রাণাং বিষেকেন দুর্বী:। চক্ষিত্ত: অক্ নি 'অস্নায়োণ্ড' ইতি খ্যালাদেশভাবা:। উত্তুল হে বক্ষণ অনৃত্বাক্ অনৃত্য ক্রণন পুরুবা: তে ভত্ত: (মা) মোর্চি বিমুক্তো বিস্টোমা ভূহ। কিং তু আহাঃ অসমীকাকারী সক্ষায় উদরং ব্রংগরিষা জলোগরবোগেগু প্রত্মং কুতা সক্ষঃ বন্ধরহিতঃ প্রাক্তে অক্ তব্দন: আসে: কোল ইব পরিক্রতামানঃ আন্তাং ভংপাশবদ্ধ এব বর্ত্তাং। অত এব অক্সভায়াতং। 'অনুত্ত থলু বৈ ক্রির্মাণে বক্ষণো গ্রুভি' ( তৈও ব্রাও ১।৭ ২।৬ ) ইতি। পরিক্রতাশান ইতি। ক্রতী ছেলনে। আনাং কর্মণি যক্ষ। ( ৪কা—৪আ – ১৬৫ - ৭ম ) এ

### णमें भी।

यह मर्मात्मा वक्रत्या (सा नात्मा) यः मर्ग्याण व वक्रत्या (सा नित्मण)ः। (सा नित्या वक्रत्या सम्ह मासूनः॥ ।। ্ত পদ-পাঠঃ।

স্থানং আময়তি বাণিতো ভবতি (পুরুবোমেনেতি) সমাধাং। উদ্ধান যো বরুণং।
স্থাত ক্তিয়াং নির্দেশ:। বারুণং। পাশ ইভার্য: বিগমমেন বিবিধং বা আময়ডি
পুরুবোনেনেতি ব্যাম্যো (য:) পাশ:। তথা বো বরুণং বরুণন্মন্ত্রী পাশ: লুকেন্ডান্দেশ্ ভবং যণ্ড বিশ্বেতাঃ বিশ্বেশ ভবং বন্ধ বরুণ, বরুণন্মন্ত্রী পাশে। দৈবং দেবের্ ভবং যণ্ড ব্রুণ্-পাশো মাসুষং মন্ত্রেষ্ প্রথাক্তাঃ। তৈ ভবংবিভিত বক্ষামাণেন স্কল্পঃ ৪৮॥

নবনী।

। ।

। ।

ৈস্তা সংশ্বিকভি স্থানি পাশৈরদাবাসুয়ারণামুয়াঃ পুত্র।

। ।

ভামু ভে সক্বানমুগদ্দিশামি॥ ৯ ॥

লগত:।

তৈঃ। খা। নকৈঃ। অভি। ভাষি। পাৰৈঃ। অংশী। আমুয়ারণ। অমুয়াঃ। পুরা

। । ভাষ্ঃ উং ইভি। ভো সকাষ্। অকুছ্মকিৰাগিঃ ৯॥

আন্বিভাগ ছানে শ্ৰদ্ধা শক্ষমা এইশং। আমুখাছণেতি গোত্ৰভো নিৰ্দেশঃ। আৰুভাগ পুত্ৰতি অলংশক্ষানে মাতৃষাধনিৰ্দেশঃ। তৎ অন্তং অবং। তে দেবলভানঃ পুত্ৰ গাৰ্গা ফল শৰ্মান ছা ছাং তৈঃ পূৰ্বভাং ৰচি উত্তৈঃ শৰ্কো: শাংশিং অভি স্থামি অভিল্যামি। বগ্নমীভা<sup>ৰ্</sup>। ভগাতে শ্ৰোহে তুভাং ভাগ শৰ্কান শাশাম আছুলকীকুভা শ্লিশামি শহুব্যজ্যি। ১ ই

( हेकि ) हर्षकार्थ ( हर्ष्यूनारक ) श्रथमः एकः ।

ত্রীশূরকাপালাদিরতাভিচারদোষনিবৃত্তার্গ দর্জাপামার্গাহদেব্যান্থা মন্ত্রোক্তা ওষধীঃ প্রাক্তিককলালে প্রক্রিকা তদপ্রমন্ত্রণবিনিবৃত্তে মহাশান্তিগণে 'ঈশানাং দ্বা' ইত্যাদিস্ক্তরে মং আবিপনীরং। স্ক্রিচার (প্রাক্তি প্রিরাদ (২০১১) যে পুরস্তাৎ (৪৪০) ঈশানাং দ্বা (৪৪১৭) দমং জ্যোভি: (৪৪১৮) উত্তো শাস্ত বস্তুরুৎ (৪০১৯) লপপ্রা (৫০১৪) যাং তে চক্রে (৫০১) অরং প্রতিসরং (৮৫০) যাং কর্মন্তি (১০০১) ইতি মহাশান্তিং আবপতে' ইতি (কৌ ০০০)। একৎস্তেশক্ষেপ্ত রুত্যাপ্রাক্তর্বস্থাদ অন্ত স্পন্ধ যন্ত্রেক্তিনিয়োগ্য ভ্রমান্ত্রিকা শাস্ত প্রক্রেশ্রাণি বিনিরোগে। ভ্রমান্ত্রিকাঃ ৪

'ভত্ৰ ঈৰানাং ষা' ইভি খিভীয়পজে প্ৰশ্মা।

७७ ध्रथमा ।

हेनानाः चा *ভে*শकानाम् छक्त मा केशास्ट्रा

हरक मध्यतीयाः मस्या अवस्य द्या ।

नक- नार्वः ।

विभागाम्। छ। (क्ष्यकार्गाम्। छेरश्रकारमः। त्रकामरहः।

हर्त्तकः। महत्त्वरशीर्धाः। मृतदेखा ७वरमा चा०≻।

হে দহদেবাথো ওবদী ভেবজানাং তন্তন্তোগশান্তরে ভেবজত্বন প্রযুক্ত্যানানাং অন্তালাং ওবদীনাং ঈশানাং ঈশানাং ইন্তালাং উজ্জেশে শক্তক্তাভিচারদোষং উজ্জেশুং নিবর্জন্ত আল রভামতে দংস্পূলামঃ। ঈশানাং ইন্তি। ঈশ ঐপর্যো। আত্মাৎ লটঃ শানচ্য অনাদিবাং শণো লুক্। অত্মাজেরাং লগার্কণাত্কাজনের গাত্ত্যায়। উজ্জেশ ইন্তি। 'তুমর্থে দেশেন্ত' ইন্তি দেপ্রভায়ঃ। ইপার্বমেশা উপপাদর্ভি। তে ওবংশ শহদেবি ভা বাং দর্শমে অভিচারণ অনিতজ্বাদিদর্শ্বদোশনিবৃত্তরে শহস্বীর্যাং চক্তে অপ্রিমিতশাম্প্রায়কাং করোমি। স্ক্রান্ত্রনার অবং তত্মাৎ ত্বং ওব্বীনাং অধিশভির্নীতার্জঃ। (৪কা—৪অ—১৭স্থ—১ম) ঃ

বিতীয়া।

| | |

শভাবিতং শপ্ৰয়াবনীং সহমানাং পুনঃশ্রাম্।

| | |

শক্ষাঃ শুমহ্যোধ্যীরিভো নঃ পার্যাদিভি॥২৮

#### পদ-পাঠঃ।

শভাজিতং শস্তোন মথার্থ্যেন অভিচারাদিলোবং অয়তি নিবর্ত্তরতীতি গভাজিৎ। ভাং
লপথয়োগনীং শপথনা পরকুত্বা আক্রোশনা পৃথক্তর্তীং নাশয়িত্রীং বা দ্বমানাং অভিভবনশীলাং পুনঃগরাং পুনঃপুনঃ আভীক্ষোন বছতরবাাধিনির্ভয়ে নরতি প্রবর্তত ইতি পুনঃগরাং
ভাং উত্পী ওবধিং অস্তাঃ নর্বা ওবধীঃ ওঞ্জাঃ ইতঃ অমাদ্ অভিচারদোবনমনাদ্বেভাঃ নঃ
আমান্ পারয়াং। পার তীর কর্মান্যান্ত্রে। অসংকর্ত্বাং ন্যাশ্রেং ইতি অনেন অভিপ্রায়েশ
সম্ভিচ্ গছতীতি উপনর্গক্রিকের্য্যাগ্রিকয়াধাহারঃ ॥ (৪কা –৪অ – ১২ত্ব –২ম) ॥

### क्रिशा।

যা শুণাপ শুপ্নেন যাবং মূর্মাদ্দ।

বা শুণাপ শুপ্নেন যাবং মূর্মাদ্দ।

বা শুন্নার কাভ্নারেলে ভোকনভূ যা। ে।

#### भष-भार्ठः ।

এবা প্রথমকাণ্ডে ব্যাখ্যাতা (১২৮.০)। অক্ষরার্থি বা শিশাচী শথমেন আফো<sup>শেন</sup> শশাপ বাচ মুবং মুক্তিপ্রথং অবং পাগং আদলে। বাচ শরীরগতাক্রালিরদলা হরণার আভং পুরাদিং (আবেতে) আলিকতি লা লক্ষা মহিবরে অভিচরতঃ খ্রোঃ ভোকং <sup>পুরুষ্</sup> ভক্ষরতুইতিঃ (৪লা-১আ ১৭ল-১ম)।

### **इ**र्थी ।

याः एक हजूबारम लात्व याः हजूनीनालाशिएक।

আমে মাংশে কুভ্যাং যাং চক্রুস্তয়। কুভ্যাকুভো জহি। ৪॥১

পদ পাঠঃ।

ষাম্। তে। চক্রুঃ। আনমে। পারে। যাশ্। চক্রুঃ। নীলছলোছিতে।

আন্থো মাংসে। ক্তয়াখা যাণ্। চক্রুং। ওয়া। ক্তয়াহকুড:। আহি।৪।

হে কুজ্যে তে খাং যাং আমে অপকে মৃৎপাত্তে চক্ৰু: কুজ্বস্ত: অভিচারকাঃ। বজা দীললোহিতে। ধ্যোদগ্যেন নীলা আলো চ লোহিতঃ অগ্নি: নীললোহিতঃ। তালুদেশ আয়ো অগ্নায়তনে যাং চক্ৰু: কুজ্বস্ত:। আমে অপকে মাংলে কুজ্টালিপ্রাণিশরীরে যাং কুজাাং চক্ৰু: কুজ্বস্ত:। আমপত্তেং অগ্নায়তনং কুজ্টালিপ্রাণিশরীরং শভাত্তাং ইভোব-মাণীনি হি কুলানিধানন্থানানি। এবং কুলায়ক্ত: কুলায়াং প্রধানত্ব্ হে কুলো খ্যা হি বিভক্তির চায়ঃ। খং আহি নাশয়। যথা ওবধিঃ শত্তোগতে। হে ওবণে খ্যা কুলাপ্রহের ইজ্যাইতার্য:। কুর্ণাণি কর্ত্বতার:। (৪কা-৪ল -১৭ক্—৪ম)।

পঞ্চনী।

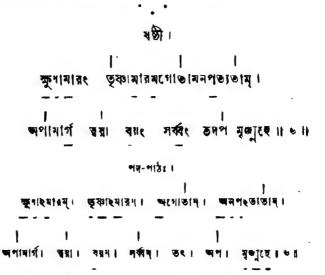
বৈষপ্নাং দৌজ্জীবিতাং রক্ষো অনুনিরায়ঃ।

স্থান্তা: সক্ষা পুক্তিভা অন্যমাশ্যানির ।। ৫।।

পদ-শাঠঃ।

বোঃধ্যান্য কৌনিভান্য রক্ষঃ। অভ্যান্য অর্থা: ব

কুইঃ খপ্লো হঃ খপ্লঃ ভত্ত ভবং অরিইং দর্শনং দেখিলাং। দে জিবি নহাং হুই। জীবতা আবিভাবে যা হু জ্জীবতা তথা ভাবে দে জ্জীবতা । আফাণদেরাক্ত গণৰাং বাঞ্.। রফঃ রাক্ষণভাতি অভ্বা মহলালৈতং । বচ আভচার ক্রিয়ালনিকং অভ্যং মহং ভয়কারণং আভীতার্বা। যথা অভ্বং মহং রক্ষো প্রক্ষাক্ষাদিঃ ইভি রক্ষোবিশেষণাথেন যোজাং। আভ এব 'ভ্যাবা রক্ষভং পৃথিবী নো অভ্যাং' (এ০ ১০১৮৫২) ইভি অভ্ ভ ভরতেত্তা ক্রান্। অরাষাঃ অনুস্থিতিভবং পাপলক্ষাং তথা হুর্নিয়াং ছেদিকা ভেদিকা ইতাবং ছুইনারীপেতা বা পিশাচাঃ হুর্বাচঃ নালয়ামি ছেদয়ামি ভক্ষামি ইভোবং হুটা শব্দা যাভিঃ দক্ষাহি ভাতাবং হুইনারীপেতা বা পিশাচাঃ হুর্বাচঃ নালয়ামি ছেদয়ামি ভক্ষামি ইভোবং হুটা শব্দা যাভিঃ দক্ষামি ভ্রমানিপ্রকৃষ্বিবরের নালয়ামিল নাশয়ামঃ ৪ (৪কা—৪ক্স—১৭ত্ব এম) ।



ক্ষুণামারং ক্ষা ক্ষুণীড়কা শক্ষত মারণং ড্ফামারং ড্ফারা শিশালাভিদরেন পুরুষ্ট মারণং। মন্ধ্য ক্ষুণিশাল্যো: পুরুষে অরুপতে। নাশনং অত্রে বিবক্ষিতং। ভবিবাইে পুরুষত অত এব মরণসভ্ষণাৎ। অগোতাং গোরাহিত্যং অমপতাতাং অপতারাহিত্যং চা তথ্যতা ক্ষুণামার্য ক্ষা বন্ধা ক্ষা বন্ধা ক্ষা বন্ধা অশ্বাহিত্যং অশার্ক্ষামঃ বিনাশরামঃ। ৬ ॥

শপ্তনী।

। ।

তৃষ্ণানারং কুণানারমধো অক্ষণরাজয়ম্।

। ।

অপামার্গ তৃষ্ণা ব্যাং সর্বাং ভদণ মুকুহে॥ ৭ ।

#### भन भार्तः।

ভ্রকাংখাৰণ। কুসাংখারষ্। অবোইতি। আকংপরাজগুৰ।

।

।

আপামার্গ ক্যা। ব্রুম্। ক্রিগ্। তং। অপা মূল্রের । ।

অপামার্গ ক্যা। ব্রুম্। ক্রিগ্। তং। অপা মূল্রের । ।

কুন্ধানাশরোরতা বিশ্বাম এ বিশেষঃ। অংশ অপি চ অক্সবাজয়ং অকৈর্জ্যুভদা∻ দনৈঃ হাভাক্রেয়ানমিতঃ পরাক্ষঃ। ৩২ এড২ দক্ষং হে অপামার্গেভাছি পুর্বাবং । ৭ ।

## षष्ट्रभी।

**भम-भाठेः** ।

খ পামার্গঃ। ওবদীনাম। সর্কাসাম। একঃ। ইং। ব্দী।

। । তেন। তে। মৃজাুঃ। আংহছিতম্। অগ। অগদঃ। চর ॥ ৮॥

দর্বাদাং অন্তাদাং ওবশীনাং অপামার্গঃ এক এব বশী বশরিতা। দর্বা অত বশে বর্দ্ধন্ত ইতার্থঃ। হে অভিচারদাধগৃহীত তে তব আছি হং কুত্যাদিভিরাপতিতং রোগাদিকং তেম্ অপামার্গেব মৃত্যুঃ মার্গজিলায়ঃ অপগ্যলায়ঃ। অব অনজ্বং হং অগদঃ ব্যাধিরহিতঃ চর্বিরকালং বর্দ্ধন্ত (৪কা – ১৯—১৭ফ — ৮ম) ঃ

(ইতি) বিতীয়ং স্ফুল।

'লমং জোতিঃ' ইতি হক্তক পূৰ্বহেকেন লছ উক্তো নিমিলোগঃ। হৃত্তং ভূ ভবৈৰ উদায়ভং॥

ভত্ত প্রথমা।

 পদ-পাঠ:।

| | | | | |

गमन्। (ৰ্যাভি:। ক্ৰোণ। অহা। রাজী। লমহবতী।

- | | |

কুণোমি। লভাং। উভয়ে। স্বলাং। শস্তু। কুড্রীং॥১৪

শৃংহাণ আদিজ্যেন তদীরং জোজিঃ প্রতামগুলং শমং শমান্মের ভবতি ন কণাচিং গুল্ শিষুলাতে। রাজী। 'রাজেশ্চালণো' ইতি জীপ্। রাজিশ্চ অক্। শমারতী শমানারায়। শম্পক্ষাং আবভূপ্রতারঃ স্বাধিকঃ। যথৈবং প্রভাপ্রভাবতোর্মিণারাজ্রেশ্চ শ্মানথং ঘণাবং তথা শতাং যথাবং কর্মা কুণোমি করোমি। কিমবং। উত্তরে অভিচর্যায়াণশু প্রবন্ধ মুক্ষণাবং। তথাং কুম্বাই কর্মিশীলাঃ কুড়াঃ অর্লাঃ অভা ক্রিয়াস্মব্যাং শস্তু তবস্তু । ১।

### विश्वा।

খো দেবাঃ কুভা কুলা হরাদ্বিত্বো গৃহম্। — —

ৰংগে। ধারুরিব মাতবং তং প্রভাগুণ প্রতাম্। ২।

পদ-পাঠঃ 1

যঃ। খেবাঃ। কুত্যাশ। কুখা। ভ্রাথ। অবিভ্রঃ। গৃহম্।

া বংলঃ। পারু:২ইব। মাতরং। তম্। প্রত্কু। উপ। প্রতাপ্র ২ ৪

হে দেনা যা শক্তা কুডাং মন্ত্রোগণাণিভিঃ শব্রোং পীড়াকরীং কুডাাং কুথা অনির্থা অনানাস্থ ডক্ত গৃহং অরাৎ পচ্ছেৎ কুডানিধন নার্বং গছেৎ। থা গড়েই ইডাখাং নেটি আড়াগনা। ছালসা। শশো লুক্। তং অভিচরকা লা কুডাা প্রভাক অভিমুগং প্রভিত নির্ভা উপ পদ্মতাং উপগছত্। ডক্ত বৃষ্টাস্থা। বংস ইভি। (পাক্সঃ)। পেট, পানে। 'লাগেট্সিশ্বস্থা। কুঃ' ইভি ক্রপ্রভারঃ। যথা শাক্ষা অনপানাং কুর্মন্ সংলা ব্যাভর্গে অনুধানতি এবং কুডাণি ব্যোৎপাৰ কুমেন প্রভিনির্ভা গছত্তু ইভার্থঃ। ২ ৪

### ভূতীয়া।

য়: শক্তঃ অভকুল ইব অমা সহ স্থিত: দন পাণাানং কুত্রানিধননলকণং কুরা ভেনা পাণানা অকাং বেয়াং জিবাংসতি হস্ত ইচ্ছেলি। 'অফালগাং দনি' ইতি দীর্ঘা। ভস্তাং তেন শক্রণা কৃত্যাং ক্রায়াং ত্রায়াং প্রতীকারেশ রিফ্রোক্রারাং অকার্যাকরণাদমর্থায়াং দত্যাং অল্যানং পানাণাং সন্ত্রামর্গোংওগালিভা বছলা: দক্ত ফট্ ভিংদনং ক্রিক্তি প্রপ্নাক্র ক্রায়াক্র ক্রায়াক্র ভারাং অকার্যাক্র ক্রিক্তি প্রপ্রায়াক্র ক্রিক্তি প্রপ্রায়াক্র ক্রিক্তি প্রপ্রায়াক্র ক্রিক্তি প্রপ্রায়াক্র ক্রিক্তি ক্রিক্তিক ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তিকি ক্রিক্তি ক্রিক্তিকিল ক্রিক্তি ক্রিক্তিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তিক ক্রিক্তিক ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তি ক্রিক্তিক ক্র

চতুশী।

!

গহস্পান্ন বিশিখান বিজীবাং ছায়য়। ত্ম্।

থিছি আন চক্ৰে কুডাং প্ৰিয়াং প্ৰিয়াবতে হর ৪॥

পদ-পাঠা।

।

গহসহপানন্। বিহলিগান্। বিহলীবান্। শায়ম। ত্ম্।

গৈছি। আন চক্ৰে। কুডাম্। প্ৰিয়াম্। প্ৰিয়হৰতে। তর । ৪॥

হে শহত্রশাঘন। পানানি বেয়াণি ভবস্তি স্থানানি নাগানি জনানীতি (নি॰ ৯'২৮) (ইতি ) যাস্কবচনাৎ ধামশক্ষেন স্থানালিকং উচাতে। শহত্রৎ ধামানি স্থানাদীনি যতাং শা
স্থাৰ্থ — ৫৪ (১৪) ২০-৩-৩২

শহস্ত্রণামা ওবদিঃ। 'মন.' ইতি দ্বীপ: প্রতিষেধা। তে সহস্ত্রণামন্ শহদেবাথো ওবণে তবণে তবংশ আমনীয়ান্ শত্রেন বিশিষ্ধ বিশ্ব বিশিষ্ধ কেশান্ বিশ্বীবান বিজিন্ন হাবিনা করিব ক্ষা আছিল কর্মা করিব করে করি শত্রে। প্রিমাণ শত্রেণাং ভিত্রকারিছেন্ অন্তর্কাং ক্রাং বিশারীং চক্ষুণে ক্রাং করিব করে উৎপাদিত গতে প্রিমাণ করেবাং ক্রায়া ক্রায়া তবতে পতি হয় আ ভাং ক্রাং প্রতিনির্ভা প্রাপম্ভ চক্রুণে। করেতেলিটিং ক্রাঃ। তর্বোক বচনে ভসংজায়াং বিধাং ক্রায়াবিশং ॥ (৪২।—৪আ ১৮ম্ছ ৪ম্)॥

প্রন্থ ।

। ।

আন্থা হিমে শিশ্য শ্রমির কুড । ত দূর্স্থ ।

যাং কেরে চকুর্গিং গে'র যাং বা ছে পুরুদের ।

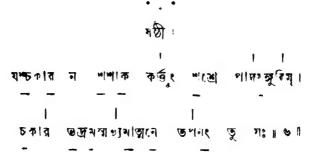
শুল শাঠং।

।

আনরা। অহ্য। ওস্ধা। প্রিং। কুডাং। অন্ত্র্ণ।

যাম্। কেরে। চকুং। যাম্। গোরু যাণ। বা ছে। পুরুদের পুরু

জ্বারা সক্ষোণায়া 'ওম্পা ক্ষাক সক্ষাং ক্ষাণ ক্ষাণাণ প্রেশন্ প্রি: অনুক্র দূবিভলান জ্বান ক্ষাণাল পরি: ক্রোমাভার্গ:। ত্রেণা ছাং লুও চাও ক্থা: তা: ক্রা দর্মণিত যাং ক্ষাং ক্রোং ক্রোমাল নাগাংই ভূপানে দে চক্রু: ক্রান ছাং নিগা ভবজ্ব: যাং ক্রাণেং ক্রাং গোরু মধ্যে নিথা ভবজ্ব: লাভে বাভলকার প্রেশে মাং ক্রাং ক্রাং ক্রাণং ক্রেণ্ডাই ক্রাম্ ভিলাভেনালি জ্বিভার লোগে জ্বান উল্লেখ্য ভ্রাণ প্রক্রের মন্ত্রের ভবং ক্রেণার বাল ক্ষান ক্রেণার জ্বান ক্রেণার বাল ক্ষান ক্রেণার ক্রেণার ক্রেণার বাল ক্ষান ক্রেণার জ্বান ক্রেণার বাল ক্ষাণ ক্রেণার ক্রেণ



য শক্তঃ চকার ক্রতাং প্রায়ন্ত্র ভাষা ক্রতায়া একং পাদং একাং অসুলিং বা শক্তো হিনান্ত। শু বিংসায়াং ইতামাৎ ছাল্পে। লিট্। স শক্তঃ কর্তিং তবা বিংসিত্ধ ন শশাস ন শক্তোক্ ছাল্পে। লিট্। ক্রতাপ্রোধেণ মারণণ অব্যাবহানিং বা কর্তু অসমব্যো ভব্তু ইতার্থঃ। তবিক্রতং অভিচারক্ম অমভাং ভদ্রং মক্সলং চকার। প্রতীকারমন্ত্রেপিণ প্রভাবেন শ্রেষ্ঠ ইতার্থঃ। আপ তু আয়্রে স্বৈষ্ক হ্যাপ্রয়োক্তে নঃ ইৎকু হোভিচার তপনং দহনং করো হু । (৪৮।—৪০ — ৮ফ্—৮ম)।

শপ্ত না।

অপানার্গেপ মার্কু ক্ষে এরং শপশশ্চ য:।

অপাহ যাতুনানীরপ সক্রা অরায় । ৭॥

গল-পঠ:।

অপানার্গ:। অপা নাই । কেকিঃম্ শপগ:। চ। য:।

আপা অহা বাতুহদানী:। অপা সক্রা:। অরায়:॥१।

অপা অহা বাতুহদানী:। অপা সক্রা:। অরায়:॥१।

অপাসার্থা। ওষ্ণিঃ ক্ষোত্র কেন্ত্র মাতাশিত্দরীরং তৎসকাশাল্ আগতং শাংক্রামিকং

শংসক্রাণ নারাদিকং ্রাসং অপ মাতৃ অঅভ্যোগসময়ত। মৃজ্যু ভজে। অপমৃত্যান্তে
রোগাদিনেরাকরণেত পুরুষঃ লোদাতে অনননোত অপামার্গঃ। করণে থঞ্ছ। 'চলোং কু
বিলাভোং' ইতি কুলং। 'উপাস্থি ঘ্ঞামপুষো বহুলং' ইতি লার্গঃ। অপ মার্ছু।
অনাদিবাং শণো সুক্। 'মৃজেবা্ডিঃ' ইতি রাজঃ। ক্ষোত্রিরং ইতি। 'ক্ষোত্রির প্রক্রের্ডিরিরং তিবাজার স্বলি আলুদানীঃ
বিশালীঃ অণ মার্ছু। অহ ইতি বিনিপ্রহে। তথা অরামাঃ অরামীঃ অলক্ষ্যীঃ স্বলি অণামার্গঃ
অণ মার্ছু। অরামীশ্রাং শণি ছাল্যাং পুরোব্রণীর্থিভাবঃ। (৪কা ৪ অবাসাঃ অরামীঃ

णा में भी।

अश्रम् माजूबानानश मध्या अतावा :।

অপামার্স জয়। বয়ং সর্বাং ভদ্প মুলুহে।৮।

श**प-** गाठेः ।

অপগনার্গ। জয়া। বয়স্। সংক্ষ্। তং । অপণ। মৃজুহেয়⊬ ∎

তে অংশামার্থ বং যাতৃশানান যক্রক: প্রভাব অংশমুকা অংশমুভ চি। বাভায়েন জুব। ख्या नर्ता चतायाः चलकाकतोः भागस्त्रवृक्षः चण भ्यमः। यदा। चणभूरव्याङि नावसः। তে অপপামার্থরা প্রথমং যাতুধানাদীন অপমৃক্ষা তৈঃ ক্লতং দর্বাং তদ্ হুংখ্ঞাতং ধর্মেক সাধনেন বয়ং অপ মুখাহে নিরাকুর্ম:। (৪কা–৪ল –১৮৮–৮ম)।

(इंडि) छ्ठौयर एक्टर 🛭

'উতো অসি' ইতি স্ফুল্ড পূর্ববং বিনিয়োগ। 🛊

ভক্ত প্রথম।।

উভো অসুণ্রুত্তে অণি ন লামিরুং।

উত্তো কুত্যাকুতঃ প্রজাং নত্মিবা চ্ছিন্তি বাধিক্ষা ১॥

**भन-भा**ठेः ।

উতোইটি। আশি। অণকুংকুং। উতোইঠি। আগি। হু। জামিংকুং।

উজে। ইতি। কুতা। কুতঃ। প্রথমাশ। ন্ডস্ৎইল। আ। ছিন্ধি। বার্ধিকৃপ্ । ১ । : =

দহদেবাপামার্যারেক্সতরঃ দ্যোধাঃ। উত অণি চু হে দহদেবি অপামার্য বি অবজ্ঞ প্রক্ষাণ দক্রবিং দেবলৈ দিবলৈ বিধানি কর্ত্তা হেদনে ইত্যাথ কিপ্। উত্তা অণি চ ফু ক্ষিপ্রং আমিরুৎ আময়ঃ সহস্কাঃ শ্রণঃ তেশামণি কর্ত্যায়তা (আস) ভালি। ইথং দহলাদেবল-ভেদেন শক্রবৈধ্যাং শক্সালি শ্রুণঃ। 'জামিং অজামিং প্র মূণীরি শক্রণ' (ঝ০ ৪ ৪ ৫) ইতি। উত্তো অণি চ কুভাকেতঃ কুভারাঃ প্রধাতকঃ প্রজাং পুরেপোত্তাদিকং বার্ষিকং বর্ষাপ্র ভবং নতং এভংসংজ্ঞাং প্রক্রেণ ত্পিশ্লেষ্যা আ। ছিদ্ধি আসমস্থাৎ ছিন্নাং নিমুক্তাং ক্রেন। ছিদিরু বৈশীকরণে। 'ছবল্ভোা হেদিঃ' ইতি কেদ্বিনাদেশঃ। 'শ্লেরেল্লোপঃ' ইভি অক্রবন্লোণঃ। বার্ষিকং ইভি। 'বর্ষাভাঠকু' ভিন্নি প্রত্তি ঠিঞ্ প্রভায়ঃ॥ ১ ॥

ছিও য়া।

বিশোলন পর্যুক্ত দি করেন নার্মদেন।

দেনেবৈধি থিনীমতী ন তক্ত ভয়মন্তি যক্ত প্রাপ্তেমাধ্য । ২ ।

পদ-পাঠঃ।

। বিজ্ঞান পরিষ্টক্তা। শাসা করেনা নার্মদেন।

দেনাংইব। এশা থিবিষ্ম জী ন। তক্তা। ভয়ম্।

শক্তি। যক্তা প্রস্থাপ্রিষ্টি বিশ্ব বিশ

নার্থদেন ন্ধদক পুরোণ করেন এতংসংজ্ঞেন ব্রাহ্মণেন মন্ত্রদুশা হে ওবণে শহদেবি পর্যুক্তালি পরিছে। বিনিধুক্তালি। অতঃ বিধীমতে দীপ্রেমতে যঞ্জনালয় পরিরক্ষণার্থং লেনের এবি গচ্ছলি। তাদ্দী খং যতা যশ্মিন দেশে প্রাপ্রোধি তত্তা ৬য়ং অভিচারাদিকনিতভীতির্নাক্তি। আবি ভারক্ত্রাং বিনয়া উপনীয়ণ ইতার্বঃ । (৪কা—৪ক্ম –১৯ফ—২৯)।

হে শহদেব ওবৰীনাং শ্বাণাং নীরণাং অগ্রং প্রেণাং এবি। শ্বৌদি প্রতিনিদিংক্
মুখ্যা ভবলীভার্ক। তার দৃষ্টান্তঃ জেনাভিষাং কেগ্রাভিষাং ক্রাণাভিষা আকান্দেন অভিভঃ স্বত্তা
দীপ্রন প্রেকাশ্রমাদিতাঃ যথা শ্বাজোভিষাং অগ্রসংগা ভবভি ভবেতার্গঃ। যথা জ্যোভিষা
আক্রীয়েন তেকনৈব ম্বামর্কোন অভিদাপ্রন ক্রভাবেষান সন্দ্রন হে অগামার্গ বং পাক্র
প্রেক্বাপ্র আভাগি রক্ষিতা ভবনি। তথাধ্যুর চ রক্ষ্যাং রাক্ষ্য হন্তানি
দাশ্রিতা ভবনি। (৪কা – ৪কা – ১৯ক্ ৩খ)।

তে ও্ধণে য়ৎ যামাং অন্ত্রিন বিপ্রাকৃতি অংগ্রেপুরা ভয়া লাগনেন কেবঃ ইঞালয় আহ্বান (নিরকুর্ত্ত) নিবার্ক্তবত্ব ভতঃ ভাষাৎ কারণাং তে ও্যণে ভং অভ্যাসাং ও্যণীনাং আৰু ি উপেরি সর্ভানাঃ শ্রেষ্ঠঃ সন্ অপামার্গা অভ্যায়র্গা আনা উৎপ্রা ভ্রাণ।
অপ্যার্জনিং অপামার্গ ইতি গংজাং অক্যতীতার্থঃ। (৪কা—৪অ —১৯০২ ৪ম)।

পথ্যমা :

বিভিন্দ ল শুলাখ। বিভিন্দ ন নাথ তে পিতা।
।
।
এতাগ্বি ভিন্ধি দং তং যে: শুসাঁ। আভেলাস্তি । ৫ ।

পদ- পাঠঃ ।

বিহতিকাহী। শুহুখালা। বিহতিকান্। নাম। তে। শিকা।

প্রভাক। বি। ভিক্লি। খন্। ভগ্৷ যাং। আংখাশ্৷ অভিচ্লাবতি 🕻 🕻 ॥

তে লগামার্গাগে ওবংশ শভ্ৰাণ্ অপ্রিমিত্রাগা দতী বিভিন্মতী বিভেন্ননীলা এতংশংজ্ঞা জন্প। বিভেন্নপক্তিক কারণগুণায়াত হাং ত্ংশতে তারে বিভিন্মতী বিভেন্ননীলা এতংশংজ্ঞা জন শিতা উৎপাদক: বিভিন্মন (নাম) বিভেন্নত: এতংশংজ্ঞা জনতি। অতঃ সংত্থ লক্ষণীয়াং শক্তা প্রতাগ্ ভিদ্ধি প্রতীপগ্রন্ন বিদার্য মঃ শক্তা অক্ষান্ অভিনাসতি উপক্ষপন্তি। দ্বু উপক্ষয়ে। অক্ষাং শাজ্ঞাং লটি শপ্য 'ছন্দভাভ্যুপা' ইতি আহ্মিণাতুক্ক-স্বাং 'শেরনিটি' ইতি গিলোপাঃ। (ধকা একা ১৯ছে - ৫ম)।

গতী।

। । । ।

আগং ভূগা: গ্ৰহণ ছত্তাংশকি মহং ব্চঃ
। । ।

ভং গৈ তড়ো বিধুপায়ং প্তাক্ ক্তীরম্চহতু । ৬।

পদণ্ঠা।
।

আসং। ভূগা:। সন্। অভবং। তং৷ যাম্। এতি। মহং। বাচঃ।

ভং গৈ তহঃ। বিচধুপায়ং। প্রাক্। ক্তীর্মা। শুজ্তু । ৬।

বে ওমণে তাং সকালত মহৎ আদিকং বাচ: বাাপ্তং তেলো ি জ্ঞান সাং ভূমিং এতি প্রাপ্তি তামং ভূমাং নিগাভং (অসং দং কভাবং)। বাগিতুং ন দক্ষেতি তারিং। তাং (বৈ) ক্ষাক্র কুত্রাক্রণং ভতঃ তামদ্ দেশাং নিগাঞ বিধ্যায়ং বিশেষেণ ধূপিতং প্রজ্লভং দং কর্ত্রাক্রণং কুত্রাক্রভমেন প্রভাগ্ শক্ষ্ত্ প্রভিনিক্র পীড়াজ্ । বর্ষ কাম ক্ষাক্রণং ক্ষাক্রণং ক্ষাক্রণং ক্রাক্রণং ক্ষাক্রণং বিধ্যায়ং। তার কুত্রায়্ক্রণং বাং ভূমিং দিশাং মহং বাচঃ প্রাপ্তিতি আদি পূর্বং। বিধ্যায়ং। ধূণ স্থাণে। 'গুপুধ্ববিদ্ধিতি,' ইতি কায়প্রভাগ: (ক্রা এক ১৯৮-৮ম) ॥

### गश्चभौ।

। । প্রভাঙ্হি সম্মৃত্নিশ প্রতীচীনফলস্তম্।

দৰ্বান্ ১চছপণাঁ অনি বরীয়ো যাবয়। বণম্॥ ৭॥

भाम-भागः ।

প্রতাড্। হি। দমহণজুবিশ। প্রতীচীনহফল:। তুম্া

সংবান। মং। শুণগান। অংশি। বরীরঃ। যবর । বধুম্। ৭ ॥

হে প্রীচীনফল। প্রভীচীনানি আয়ে ভিমুপানি ফলানি সম্ম শং আশামার্গ প্রভীচীনফনঃ। ছে ভালুল অং প্রভাজ, তি প্রভাঞ্জন: প্রতিনির্ভয়প এব পলু দম্প্রবিধ উদশন্ধাং। ছি লাজে। হেতৌ । হি ম্মান্ত্ এবং তথাং স্থান শত্রুক ভান শণণান্ আক্রোশান্মং দকাশাং ব্যয় পুথক কুরু। আশিঃ পঞ্যার্থ কিবানী। পুণক্তা চ শপ্তার্বার্মের প্রভীচীনং প্রাণয়েতার্থঃ। তথা ব্রীয়া উরুত্রং বিস্তার্পভরং বসং ভলীয়ং হনন্দাননং আয়ুশং কুভাারুশং বা আমন্তঃ পুণক কুরু॥ (৪কা—৪ল—১৯ছ—৭ম)।

ण भे भी।

শতেন মা পরি পাহি দহত্রেণাভি রক্ষ যা।

। ইন্দ্ৰস্থে নীরুণাং পত উতা ওলুান্মা দধং।।৮।।

পদ- পাঠঃ ।

শতেন। মা। ণরি। পাতি। সহত্যেপ। অভি। রক্ষ। মা।

ইঞা। তে। বীরুণাম্। পতে। উগ্রাং। ওজারুন্ম্। জ্পা। দশং। ৮ ॥

তে ওবণে সহলেবি অপামার্গ নিত্য নতসংখাকেন রক্ষণোপায়েন মা মাং পরি পাছি।
তথা সহত্রেণ সভ্সংখাকেন মা মাং অভি রক্ষ কুভাাকুতালু দোনাং সন্ধৃতঃ পালর। তে বীক্ষাং পতে লভাক্ষপাণাং ওবদীনাং অধিপতে তে তব উগ্রঃ উদ্পৃথিকঃ ইলো দেবঃ ওদ্যানং ওঅবিবং আ লধং আছাশ্রভু। দদাতু ইভার্বঃ। (৪ফা — ৪জ — ১৯ফ্—৮ম)। ইতি চতুর্বং সূক্ষং।

'ৰা পশ্যতি' ইতি সংক্রেন ব্রহ্মগ্রাজ্য কিন্তু নির্ব্তরে ব্রিগ্রামণিং সম্পাত্য অভিমন্ত্র বিশ্বীয়াং। স্ব্রেডং হি। 'আ পশ্যতীতি সম্পূস্পামণিং বরাতি' ইতি (কৌ । ৪৪৪)। তথা চাতনগণেশি এতং স্ক্রং। (তদ্ উক্তং) কৌশিকেন। 'মংনোদেনী পুরিপ্নী (২২৫) আ পশ্যতি (৪৪২০) তাগুল্ভোনিলাং (৪৩৬)' ইতি (কৌ । ১৮)। আভোক্ত ক্রেড 'চাতনানাং অপনোদনেন ব্যাধাত্রং' (কৌ । ৪১১) ইত্যাক্রকেক্রের্থ বিনিরোগঃ ॥

ভক্র প্রথম।

। । ।

আ প্রয়েভি প্রভি প্রয়াভি পরা প্রয়াভি প্রয়াভি ।

। ।

কিন্মন্তানক্ষমাৎ ভূমিং সক্ষং ভৎ কেবি প্রয়াভি ।। ১ ।।

পদ-পাঠ: ।

। ।

আ। পশ্চভি। প্রভি। পশ্চভি। পরা। শশ্চভি। পশ্চভি।

। ।

বিশা অভাক্ষম্। আং। ভূমিম্। স্ক্র্। তং। বেবি। শশ্ভভি। ১ ।

বিশা অভাক্ষম্। আং। ভূমিম্। স্ক্র্। তং। বেবি। শশ্ভি। ১ ।

হে দেবি দেব ভারনে শন্দপুলাথো ওবণে ছবিকারমণিধারকোরং জনজংপ্রশালাং আৰু শহাভি লাগামিভয়কারণং পরিহর্ত্ত জানাতি। তথা প্রতি শহাভি প্রতিমুখ্য ছিতং বর্ত্তমান্দশি ভরকারণং নির্নিভূগ্নানাতি। তথা পরা শহাভি পরাগতং দ্বস্থমণি ভরকারণং অবলোক্ষতি। কিং বছনা। অবিশেষেণ দর্বমণি ভরকারণং আনে) পশ্চতি লাক্ষাংকরোতি ই বস্ ব্রহ্মপ্রভালরো ভরত্তেরং তে লর্প্বে পৃথিন্যাদিলোক্রমং ব্যাপা বর্ত্তন্ত ভতত্তপণরিজ্ঞানে ভলাশ্রম ব্রহ্মপ্রকারণারো ভ্লারিজ্ঞানা ইভাভিপ্রেভাবি নিবং অন্তরিক্ষং ইতি। দিবং মর্গ্রহ্মপ্রকার অন্তরাক্ষান্ত গোলাক্র লোক আরু নাম্মির এইলোক্রয়োপলক্ষিত্ত ভবতাং দর্বং প্রাণিজাতং ত্রিসন্ধ্যামণিধারণমাহান্ম্যেন পশ্চতি লাক্ষাংকরোতি। এবং শর্মজন্ম জাগরকং তং ব্রহ্মপ্রভানির্ন শ্র্পান্তার্থান (৪কা—৪জ—২০স্—১ম)।

### বিভীয়া।

ি ত্রা দিবতি আ: পৃথিবীঃ ষট্ চেনাঃ প্রদিশঃ পৃথক্।

ব্যাহং সর্বা ভূগানি পশ্যানি দেনোধধো। বা

পদ-পাঠঃ।

বিজ্ঞান দিবঃ তিজ্ঞা পুৰিবীঃ। ষ্ট্র চ্ব ইমাঃ। প্রহদিশঃ। পুথক্।

'ভিত্রো ভূমীর্দ্ধারয়ন আরু চ দ্বন' ( ঋ৽ ২০২৭ ৮ ) ইত্যাদিমন্ত্রবর্ণাৎ 'ক্রেয়ো বা ইমে ত্রির্ভো লোকাঃ' ( ঐ• রা• ২০১৭ ) ইত্যাদিরাক্ষণণচলচ্চ পুথিবাদিলোকানাং প্রত্যাকং আ্রাত্মণর অননীয়তে। ভদ্ ইদং উচাতে ভিত্রে দিন ইত্যাদিনা। ভিত্র: ক্রিনংখ্যাকা দিনঃ ছালোকান্ (ভিত্র:) ক্রিনংখ্যাকাঃ পুণিবীশ্চ ইমাঃ পরিদুশুমানাঃ প্রদিশঃ প্রকৃষ্টা দিশঃ প্রাচ্যাত্মা উর্দ্ধানিগ্র্ভাং লহ ষ্ট্রনংখ্যাকাশ্চ তথা তক্তম্বানি দর্বানি ভূতানি ভূতজাতানি হে দেবি দেবতারূপে ওধনে হয়া মণিরূপেণ ধার্যযোগয়া অত ( পৃথক্ ) গশ্চানি দাক্ষাৎকরবাণি॥ ২।

ছয়া। অত্ম। দৰ্কা। ভূতানি। পশুনি। দেবি। ওয়ংখাং ।

। प्रृप्तम्। च्याः कृदबादिया कह्न्। व्यक्षिताः वस्रहरेनाः व

তে দক্ষপুজোবধে দিবাল দিবি ভবস দেবভারপর মুণবঁর শোভনপক্ষ্তুরভ ভক্ত প্রিদ্ধির সক্ষরতা চকুবোর্বস্তিধানা কনীনিকা দর্শনিধাণনা রুষ্ণমণ্ডলং অসি। হলক্ষ প্রসিদ্ধৌ। ভদীয়র পূজাল কনীনিকাসাধর্মাৎ ভাজেপোণ ওবধাঃ প্রতি:। লা ভালুদী হং দৌপর্বচক্ষ্ণগুলাল ভূমিং আ রুরোহিল। অসমুক্ষণার্থাং ওমধিরপেণ ভূমে অবভীবালীভার্থা। তল্ত দুই।ন্তঃ বল্ধং ইতি প্রান্তঃ অধ্যামনির। গল্তং অলমর্থা (ব্ধুঃ) স্ত্রী যথা বহুং বহুনসাধনুং জন্মালোলকাদি যানং আরোহাত ভবং ইভার্থঃ। 'বহুং কাণং' ইভি বহুতেথাঁৎ প্রভার্থা নিপাভাতে। প্রাক্তেতি। প্রমু ভপান থেলে চ। 'বহু কাণং' ইভি নিষ্ঠারাং ইডভাবঃ। 'ক্ষুনাসিক্স ক্রিলালে।' ইতি নির্ধারণ (৪কা) ৪ম্মানাসক্স ক্রিলালে।' ইতি নির্ধারণ (৪কা) ৪ম্মানাসক্স ক্রিলালে। বি

চতুৰী।

।

ভাং মে গহজাকে দেবে। দকিংণে হস্ত আ দধ্য।

!

ভাষা হং গৰ্বং পশ্যামি ঘশ্চ শ্ব্ৰ উতাৰ্য্য: ॥ ৪ ॥

পদ শাঠ:।

ভাষা মেন সহজহঅকং। দেবং। দকিংণে হস্তো আন দধ্য।

ভাষা আহম দ্বিম্ গ্ৰামি যং চা শ্বং। উত। আৰ্যা: ৪ ॥

ভাং উক্ত প্রভাবাং দৃদ্দপুষ্ণাথাং ওছধি দেব: দানাদিও যুক্ত: সহস্রাক: ইক্সোমে গম দিকিংশ হক্তে আ দধ্য অধার্থ । হে ওাদাল ওলাধ ধ্যা দাক্ষণত্তে অণির্বেশ ধুজরা অজং দর্বং দ্রেইশং শিষ্থং শুলাম সাক্ষাংকরোম। দ্রেইবাং বিষয়ং নিদ্দিল্ভ যশেচভি। শৃষ্ণোশলক্ষিতো যক্তৈশণিক নাভারক্তো জনঃ আর্থো বিষান ব্রাক্ষণ। ব্রেবার্ণকোললক্ষণ এতং । যে চ ব্রাক্ষণক্ষিয়েইবস্তা যে চ ভ্রাভিরিক্তা: শ্রাদ্য়: ভান সর্বান ব্দীকৃত্য ভংকৃতং রক্ষঃ-শিশাচাদিকং নির্বিভুং পশ্রামীভার্ণ: ॥ (৪কা—৪অ —২০২—৪ম) ॥

প্থমী।

| আন্তফ্ৰুছ রূপান মাজানমপ গৃহথা:।

| | |

আ্লো স্কুছ ক্রিপান মাজানমপ গৃহথা:।

| | |

আ্লো স্কুড্ফো হ: প্রতি প্রাঃ কিমীদিনঃ। ৫ ।

গদ-পাঠে।

। ।

আবিঃ। কুবুছ। ক্লপাণি। মা। আস্থানম্। অপ। সূহধাঃ।

।

।

আধোইতি। লহস্ৰচক্ষোইতি শহস্হচকো। ছম। প্ৰতি। শুখাঃ। কিমীদিনঃ। ৫।

হে ওবধে খণীয়ানি রক্ষ:শিশাচাদিনিওওঁকানি রেশাণি আবিষ্কৃত্য প্রকাশয়। আলানং তব পরপং মাণ গৃহথা: লংয়তং মা কার্যী: ততু লংবরণে। অশো অপি চ ছে লহজচক্ষে লহজদংখাকানি চক্ষুবি দর্শনিশাধ্নানি ইক্রিয়াণি যঞা: লা লহজচক্ষ্ণ হৈ তথাবিশে ওবধি খং কিমীদিনঃ কিং ইলানীং কিং ইলানীং ইতি গৃতং লঞ্চরতো রাক্ষণান্ প্রতিপঞ্জাঃ। আজি স্বাধি প্রতিপঞ্জাঃ ইতি। প্রতিপ্রবিং দুশেলেটি অভাগমঃ। ৫।

स्थि।

पर्मा सा याज्यानान पर्मा याज्यास्त्राः

प्रमातास्य स्वान पर्मातास्य स्वा स्व अस्त । अस्त । याज्यास्य ।

प्रमातास्य स्व । याज्यानाना पर्माता याज्यास्य ।

पर्माताना पर्माना पर्माना पर्माना पर्माना ।

হৈ সক্পুলোধণে যাতুগানাৰ রাক্ষণাৰ মা মাং দর্মন। সূঢ্য যথান শাধয়ে তথা কুক ইতার্থ: যাতুগাত্তঃ যাতুগানীঃ রাক্ষণীশচ দর্শর। তথা শিলাচান শিলিতালান যাতু-ধানব্যতিরিক্তান স্থান রক্ষোবিশেষাৰ দর্শর ইতি এব্যর্থ হৈ ওবণে ছা ছাংজারতে ধার্থামি । (৪কা-৪০ - ২০২ - ৬ম) ।

শপ্তমী।

। । ।

কশ্যপক্ষ চক্ষুর্গি শুম্বাশ্চ চতুরক্ষ্যাঃ।

। । । । ।
বীপ্রে সূর্য্যমিব সপত্তিং মা পিশাচং ভিরক্ষ্যঃ॥ ৭ ।

পদ-পাঠ:।

ক্তাপত। চলুং। অবি। ওকাং। চ। চড়ংংৰফাাং।

বীরে। স্থাপ্তইব। লপ্তিম। মা। শিলাচম। ভিরা। করঃ। ৭ 🛊

তে ওগণে বং কপ্রপঞ্চ মত্বেং চক্ষুবাদ। তাদুনপ্লোপেডবাং তাদােব্যান অভি:।
তথা চত্রক্ষাঃ চবারি অকীণ যঞাঃ লা চত্রকী তাদুস্তাঃ গুলাঃ দেবানাং লফ্রিলাঃ
ল্রমাথারাঃ। চক্ষুবলীতাকুবকঃ। এতেন অপ্রধ্যুবং উক্তং। বীধ্রে। বিবিণং ইন্ধতে \*
দ্বীপান্তেন্দিন প্রহনক্ষরাদীনীতি বীধ্রং অন্তরিক্ষং। বাবিদ্ধেঃ (উ০ ২।২৮) ইতি ঔণাদিকে।
স্বক্ প্রতায়ঃ। তার লপ্তিং গছেরং স্থামিব ইতন্তঃ প্রশিশীলং শিশাচং মা তিরস্করঃ
আন্তর্হিং মা কাশীঃ। কর ইতি। করোতের্মান্তি লুভি 'রুমৃত্রুহিভাঃ•' ইতি চেনুঃ
আন্তর্কারে বাবেশঃ। (৪কা—৪ল – ২০ক্ – ৭ম)।

अभेगी।

উদগ্রভং পরিপাণ দ্যাতুধানং কিনীদিনমৃ।
- - -

ভেনাংং সর্বাং পান্তার্তে শূক্তর্ভার্যান্।। ৮।।

**शक्- भा**ठेश ।

। উৎ। অঞ্চল্। পরিহ্পানাৎ। যাতৃগান্য। কিনীদিনস্।

। তেন। অংহম্। স্কাশ্। পশুমি। উড়। স্দুম্। উড়) আধ্যমুছি।

পরিণানাৎ পরিরক্ষণাৎ হেতোঃ কিমীদিনং (কিং ইদানীং) কিং ইদানীং ইতি চরস্তং বাত্ধানং রাক্ষণং উৎ অঞ্জং উদ্যূলীতবান আমি। বনীক্তবান আমীভার্থঃ। তেন বাত্ধানেন অহং দ্বাং গ্রহং পঞ্জামি। উত শ্রেং শ্রেআতিবৃক্তং (উত) আর্থাং বাক্ষণআতিবৃক্তং চ। দ্বাং গ্রহং পঞামী ভার্থঃ। (৪কা-৪আ -২০২-৮ম)।

# 

ষঃ পিশাচঃ অন্তরিকেশ স্থাবাপুশিবোর্মাণুবর্তীন। লোকেন প্ততি গঞ্চরতি হণ্চ দিনং অদিশপতি হালোক জোপরি গজতে হংক ভ্ৰাং পুৰিবাং আহ্বনো নাৰং সামিনং মঞ্তে ভং শ্বং ত্রৈলোক)বর্তীনং শিশাচং প্রাদর্শন চকুর্পোচরং কুরু। ত্রিসন্ধামাণ্ধারণেন অন্ধ গ্রহাদীন্ শাকাংকুতা মন্ত্রনাধ্বান তান্নিরাকরোমীত বিঃ। (৪কা ৪শ—২০কু—৪ম)।

(ইতি) পঞ্মং স্কুং। ইতি শারণাচার্যাবিরচিতে অপকানে-।প্রকাশে চতুর্কান্ডে চফুর্পোদ্রাকঃ।

পঞ্চেম্বাকে পঞ্ স্কানি। তল 'আ গানঃ' ইত্যাদিস্ত্নদশকত মুগানপংজকরং 'মুগারৈর্মুঞ্জাপ্রান্ত' (কৌ - ৪০) ইত্যাদিস্ত্নিছিতে প্রতিভ্রন্দকর্মণি হোমসম্পাতা করেলাদিবু বিনিয়োগং। তল 'আ গানঃ' ইতি প্রথমেন স্ত্রেন গ্রাং রোগোণশমাণ্টি প্রজনকর্মান্ত পলেণ কেনলং বা উদক অভিমন্ত্রা গাং পাধ্রে । স্ক্রিক হি। 'ব্রেল্ড জানার (৪১১) আ গানঃ (৪২১) একা চ মে (৫০০৫) ইতি গা লানগং 'পায়্মত্যুপত্যাণনীঃ প্রজনকামাঃ প্রণাং অবকুণন্ধি ইতি (কৌ - ৩.২)। তথা গোপুষ্টিকর্মণে অনেইনন স্ত্রেন গোঠং প্রভাগিত প্রীয়াং প্রত্নাপ্তেই । ওবা তালিরেন কর্মণি অনেইনন স্ত্রেন গোঠং প্রভাগিত প্রাগতি পালার হিল পা আরল্ল কর্মণি অনেইনন স্ত্রেন ক্রেল ক্রেল তালিক প্রাগতি হি। 'আ গান ইতি পা আরলা প্রত্যান্তি প্রত্যান্তি কর্মণি অন্যান্ত ইলায় ক্রিল্ডেলেতি। প্রজাবতীরিতে প্রতিভ্রমানা অসমন্ত্রান্ত ইতি (কৌ - ৩.৪)। তথা তথাে ক্রিণানি ক্রেলি 'প্রজাবতীঃ' (৭৮) ইতি ঘাতাং অভিননং পরা বংললালামিশ্রিতং দম্পাতা অভিমন্ত্রা অস্কীয়াব। তথা (আনেইন) ব্রেলেন পা অভিমন্ত্রা নহালি ক্রেণানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক ব্রেলিক প্রতিদ্বানিক ক্রিলান ক্রেলিক ব্রেলিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বানিক ক্রিলানিক ক্রিলানিক ক্রিলানিক প্রতিদ্বানিক প্রতিদ্বান

গ্রমিশং শর্মান্তি' (কৌ০ থাং) ইতি। লোমযাগে মাণ্যন্দিনদবনে দক্ষিণার্থং আগতা গা তিরণাহত্তো যজমান: অন্দেন হজেন প্রভাজিতেইং। উক্তং বৈভানে। 'ছিরণাহত্তো যজমানো বহিকেশি দক্ষিণা আয়তীরা গাব টাভ প্রহ্মান্তঠতি' ইতি (বৈ০ ৩,১১)।

ভ্জ প্রথম।।

। । । ।

আ গাবে। লগানুভ ভদ্তকজন্ত দীদস্ক গোচে নগদস্থায়ে।

। । । ।
প্রাবভীঃ পুরুরণ। ইহু স্থারিন্দ্রাগ প্রবিক্রণণো ছহানাঃ। ১॥

প্রভাবেতীঃ। পুরুহরেণাঃ। ইক্ । খাঃ। ইক্সায়। পুর্বীঃ। উম্পাঃ। ছহানাঃ॥ ১ ॥

গান: (আ) অগান অভান অভিলক্ষা আগদ্ধা । 'ছফালি লুঙ্লঙ্গলটঃ' ইতি লোড থেঁ
লুঙ্ । 'মান্ত বদং' ইতি দেলুক্। 'গমছনং' ইতি উপধালোণঃ। উত জলি চ ভল্লং
কলালং অক্রন কুর্বস্তা। পূবনলুঙ্ । গানান্ত হোকে গোঠং। তিমিল্ল শনীয়ে গোঠে
গালল্ল উপান শন্ত। অলোক আনান বণ্যন্ত ক্ষীনালি লোনন রম্পন্ত। যহা আক্র আনার্থ রম্ভাং। প্রকাশতীঃ প্রকাশতাঃ বহুব শতাঃ প্রক্রণঃ বহুর গাঃ খেড কুফার গালনে কবণঃ ইহ আক্রন যজমান গ্রে আলোক ভান্ অবেছুঃ। প্রকীঃ বহুবীঃ উব্দঃ উবংকালোপল কিতান্ লিব্লান্। 'ভল্ভ ন্ত ক্ষিতি লোগে বিভাগা। শ্রক্ষালং ইন্দ্রের ইন্দ্রের গাংনা্যার্থং আলিরার্থং চল্লে ছ্র্লিঃ। ভব্জ ইতি লেখঃ। (৪ক। ধ্লু—২০পু-১ম)।

> • • • দ্বিতীয়া।

### 어무-어(5: 1

हेर्सः। रख्यंस्म। जुनर्रका हा निकंद्वा छन्। हेरा

ললভি। নৃ। খণ্। মুণায়তি।

### নি। দণাতি। দেশংর্শাং।

যজনে যাগং কুর্বতে গৃণতে স্কবতে চ জনার ইক্রো দেবঃ শিক্ষতে। দানকর্মার্ম। পা: প্রবছতি। যথ ফজনে ভোজে চ শিক্ষতে গ্রাং লাভোপায়ং উপদিশতি। শিক্ষ विद्यानानात्म । विकासस्त्रः वद्रः उत्नता । हेव्हसः व्यवधात्ता । वस्त्रीया भाः ननारणात्। ভণাচ যজন: (ভাজুশ্চ সং শ • ং ন মুবারতি ন মুঞাতি নাণহরতি। ভণি তু ভূয়োলুল: বছতরং খণ্য যজনঃ ভোতুশ্চ রায়ং শনং বর্দ্ধারং শমুকং কুর্বারেণ বর্ততে। এবং ঐতিকৃ ফণাব্ৰয়ং উক্তং। আমুমিকবিব্রেপার। তৎ দেবমুং দেবান্ আমুন ইচ্ছত্তং যজানং স্তোভারং চ অভিনে হৃংখেন অবংভিনে পিলে। থিকং অপ্রহতং ত্থানং তত্তে ভবং থিকাং (ভিম্নি) ময়অভিঃ মগৃণ'ত্ত সনাক্রাভে নাকণা পৃঠে নি দ্ধাভি স্থাপয়ভি। দেবরুং ইতি। দেবশস্থাৎ 'পুণ আশ্বনঃ কাচ্'। 'ন জ্বন্দ্পাপুত্ৰুণা' ইতি ঈশ্দীর্ঘরোঃ প্রতিষ্ণেঃ। 'ক্যাজ্নদান' ইভি উপ্রভায়ঃ। (৪কা—৫খ - ২১ফ্—২ম)।

### ভূতীয়া।

নশস্তি ন দভাতি ভক্ষরে। নাশামামিতো ব্যথিরা দংগতি।

प्तिवारम्ह वांचिश्वत्व ननांकि ह क्यांशिर **७।**जिः

সচতে গোপভি: সহ ॥ ৩॥

भए· भार्ठः ।

ন। তাঃ। নশ্বি। ন ৭ভাড়ি। তত্ত্বঃ। ন। আলাব্।

ৰামিজঃ। বাণিঃ। বা লগৰ্ভি।

ভা: ইলেণ দতা গাবং ন নশন্তি ন নশ্রত। তন্তবং চোরণ্ড ন দভাতি ন হিনল্প নিশ্ব অদর্শনে। দণ্ড দত্তে। আভ্যাং গেটি বপাক্রনং অভাগম আভাগমণ্ড। ভালনো বিকরণত কৃষ্। আলাং পাণং আঘিতঃ অমিত্রা: শত্রবং তৎলল্দ্রী ভংকতভো ব্যাধিঃ বাগাল্লনকং আযুদং না দণ্ধ ভ আগর্ষাং পীডাং মা করোড়। যাভির্গোভিঃ দেবান্ যলতে ক্রীরাদিহবিদ্বারা যাণ্ড গাল্তরে যভে দলিশাত্রন দলাভ ভাতির্গোভিঃ লব গোপভিঃ গোলামী যলমানঃ লোগিং চিবকাল্যেন লচভে লম্বৈতি লেবতে বা। ন কল্ডিদ্ বিম্লাভ ইভাবণারণাভিপ্রায়ঃ। (৪কা-ক্ল-২১শ-২ম)।

চতুনী।

। । ।

ন ভা শব্দি বেলুককাটে খ্লুডে ন গংস্ক ভ্রমুণ যন্তি ভা শভি।

উক্লগারগভাগ ভগ ভা সন্তু গাবো মর্ত্ত দি চরন্তি যজ্বনঃ ।

না তাঃ অর্দা। বেলুহককাটঃ। অগ্লুডে। না সংস্কৃতনেশ্।

উপ। সন্তি। ভাঃ। অভি।

উক্হগার্য। অভ্যাগ ভ্রমণ ভ্রমণ ভ্রমণ আমু গাবঃ। মর্ন্ত্রণ

ৰি। চরভিঃ। মৃত্যুন:॥৪॥ ---

অর্মা ভিংসকো নাজ্রালি: কেবুককাট: পালাঘাতেন রেণো: পার্থিক রজস উত্তেদকঃ।
কটির্ভেনকর্মা। এবং ক্রেরা নাজ্রাদির্ফ টুম্গা তা গাং নাগ্লুতে ন প্রাপ্রোত্। তথা তা
গান: সাক্ষরে । নাক্ষরং নিশ্লিতং আয়তে পালয়তীতি সংক্ষরতা মাংলপাচকঃ। উত্তং
হি। নাক্ষরঃ ভাও বিশাসতঃ সংক্ষরতাত পাচকঃ। ইতি। তং অভিলক্ষা মোপ মস্তি
নোপগছন্তা। তথা বজ্ঞান মর্ক্ত মঞ্কুত উন্ধ্যায় বিত্তীর্ণগ্যনং অভয়ং ভয়য়হিতং দেশং
শহলকা তা গানো বি চর্জি বিশ্বনং চরস্ক । (৪কা—৫অ—২০২ ৪ম) ।

甲4有一09 (38) 32-0:02

প্ৰক্ৰমী।

সাবো ভবো গাব ইত্রো ম ইচহাৎ গাব: সোমত প্রথমত ভক:।

়। । । । । । ইমা যা গাবঃ স জনাগ ইন্দ্র ইচছ।মি হল। মনসা চিলিন্দ্রম্॥ ৫॥

পদ-পাঠঃ।

है साः। वाः। शावः। नः। वानानः। हेळाः। है छ्छ। सि। ह्या। सना। हि९। हेळाम् ॥ ८ ॥

গাব এব ভগং ধনং পুরুবক্ত নৌভাগাং বা। তত্তদ্ব মে মহং গাবং যান ভবন্তি তথা ইন্দ্রাইছে। ইব্ ইছোরাং। আমাং কোট আডাগমঃ। 'ইব্গমিরমাং ছঃ'। প্রথমক্ত মুখ্য ক্ত বিবাং মধ্যে শ্রেষ্ঠক্ত শোষক্ত গাবং ভক্ষো ভবন্তি। অভিবৃত্যে হি সোমো গবোন পরনা দর। চ শ্রীরতে। ইনা যা গাবো দুর্জাক্ত তে জনানং জনাং ল এবেঞাং। প্রাতনির্দিল্ল মানাপেকং ল ইভোকবচনং। ভা এব গাবং ইক্স ইভি উপজীবোশকাবকভাবেন ইলামনা দিবাং ছতিং। অভন্তনীয়েন পরঃপ্রভ্তিনা হবিষা ইন্দ্রং ইব্য হ্রা হ্রারমান মননা ভদম্বর্তিনা জ্ঞানকরণেদ্র ইল্ডামি কামরো। চিছেক্সং অপার্থে। (৪কা—৫অ - ২১ত্রম্ম)।

यष्टी ।

। । । যুয়ং গাবে। মেণয়থা কুশং চিদ জ্রীরং চিং রুগুলা স্প্রভীকম্।

। ভক্তং গৃহং কুণুণ ভক্তবাচে। বৃহৎ বে। বয় উচ্যতে গভাহনা ৬॥

পদ-পাঠঃ।

। যুরুম। গাবঃ। মেলরণ। কুশুশ্৷ চিং। কুঞীরণ। চিং। কুলুগ। অংহপ্রতীকৃ<sup>ম্</sup>।

ভাষণা গৃহণ। কুৰুণ। ভাজহৰচিঃ। বুহং। বঃ। বুয়:। উচাতে। সভাসু। ভ

হে গাবং যুগং কুলং চিৎ কুল্মণি লগীরেণং মেদর্থ কের্রুণ পারারণ্যাদিনা লাপ্যায়র ।

জঞ্জীরং চিৎ অঞ্জীকং অংশাভনাক্ষণি পুরুবং মুপ্রতীকং শোভনাবরবং কুনুণ কুরুণ। ছে
ভদ্রবাচঃ ভদ্রাং কল্যাণাং হস্তারবলক্ষণা বাহচা মাদাং তান্তালান্তাঃ ঈদুভ্যো হে পাবং অস্থানিং
গুরং ভদ্রং কল্যাণাং অসম্ভাহং কুরুত কুক্ত। গোসমূদ্ধ হি গুহং ভদ্রং কল্যাণাং ভবতি। বঃ
মুগ্রাকং সম্বন্ধি বয়ং অয়৽ কীরদ্যাদিলক্ষণং দভাম্ম জনসমূহেরু বুহুৎ মহৎ অধিকং উচাজ্যে
প্রশাসতে অহো গ্রাং কীরং দধ্যাদ্বাং ইতি। (৪ক—এব ২১২—৬ম)।

# 

গান: প্রঝানতী। প্রঝাভি: পুরাণোত্রানিভিরুণেতাঃ ক্ষরণে শোভনজ্ণবৃত্তে দেকে রুনত্তী: তৃণং ভক্ষরথী: শুদ্ধ কানুস্তরহিতা লগং প্রপ্রণাণে রথেন পাতবের শোভনাব্ররণার্মার্থকে ভটাকালে শিংগুঃ উন্পুনীর্মঃ যুমান স্তেনঃ ভক্ষরং মা ঈশত লগহর্ত্ব দিশরো মা ভূব। অধ্বংগঃ। অবং পাণং বধলকাণং শংলতি অভিলগতীতি অধ্বংশো বালিক্রিয়গঃ। লোপি মা ঈশত ঈশবো মা ভূব। রুক্ত জ্বাভিমানিশেবক কেডিঃ লার্ধং বং মুমান, পরি রুপ্তকু পরিবর্জারতু। বুমান পরিক্রল জ্বাক্ত বিভাগ ইতার্থঃ। গু

### ( डेडि नक्षरमञ्जारक ) श्रेनमः रखः ।

'ইমং ইক্র' ইতি স্প্রেম লং প্রামজয়ার্থং আজাহোমং লক্ত্রেমিং ধছরিক্সাধানং ইকুসমিলন-ধানং রাজে শভিমান্ত্রতগল্পাথ প্রদানং চ কুর্যা।। স্প্রিতং হি। 'ইমং ইক্রেভি যুক্তরোঃ প্রধানা-ভানি' ইভি (কৌ হাও)। ভবা 'ইমং ইক্র' ইভি স্প্রেম অভিবিত্তক রাজ্ঞা প্রাতঃ-প্রতির্ভিমন্ত্রণং উল্পাঞ্রশানেচনং (চ) কুর্যা।। ভবু উক্তং কৌশিকেন। ('ইমং ইক্স যজাঃ ক্ষ জিরং ম ইতি ক্ষ জিয়ং প্রাভঃপ্রাতর ভিমন্তর ভ উত্তং দমাদেচনং' ইতি। কৌ থ ১৮। তথা ক্ষেণাচ্ছ্মনকর্মণি অনেন স্তেন ব্যভং অনত্বাহং বা আভ্যন্তরতে। তং উত্তং কৌ শিকেন)। ্বৈখদেবীং ইতি বংশতরীং আলভায়তি ইমং কল্ডেভি বুধং অনত্বাহং' ইতি (কৌ ১৪)।

### छ ज अवमा ।

।
ইমমিন্তর বর্দ্ধা ক্ষা ক্রিয়ার ম ইমং বিশামেকর্ধ কুলু স্থ্য।

।
নির্মিত্রানক্ষুত্ত সক্রাংস্তান্ রক্ষ্যাত্রা অধ্যুত্ত ক্রুণ ১ ॥

গদ-পাঠঃ।

বে ইক্স খং মে মদীয়ং ইমং ক্ষ নিয়ং রাজানং বর্জ । পুত্রপৌত্রাদিভির্ব অবাহনাদিছিল সমুদ্ধং কুরু। বুঝাং সেন্দ্রশালাং বার্যাবভাং পুরুষাপাং মধ্যে ইমং রাজানং একর্ষং মুখালেজারং অসহায়শ্বং কুপু কুরু। অভ রাজ্যং শ্বান অমিনান শত্রন নির্জু (ছ নির্গত্যাপ্তিকান কুরু। শস্কুচি গুলাভাগান কুরু ইভার্বং অক্সু ব্যাপ্তো আদিবাং মৃঃ। জান ভ্রাবিশান শত্রন অমৈ রাজ্যে রক্ষয় বনীকুরু। কর্মকরান কুরু ইভারং। অহশপ মুদ্ধান্তিন উত্তরেষু উল্লেখ্য ইলোদিলোক পালেষু মধ্যে ইমং একং করোন ভারাবং। ১।

জিতীয়া।

। । । । ।

এমং ভঞ্জ প্রামে ক্ষণ্ডের গোরু নিন্টং ভঞ্জ যো অনিত্রে। অস।

। । । । ।

বস্থা ক্ষরোণাময়নস্ত রাজেন্দ্র শক্তং রহ্ময় এবিন গৈয়। ২ ।

পদ-পটেঃ।

च्या क्या का शास्त्र । चर्चमु । त्यात् । सिः। छम्। च्या चरा चरित्र । चर्चा वर्षा चर्मा करित्र । स्व

তে ইক্স ইমং রাজানং প্রাথে জনসমূহে অথের গোরুচ বিষয়ে আ ভজ আভজং আলমন্তাং লংখ্লিইং কুরে। অন্ধারাজ্ঞো যঃ অমিত্রঃ শক্তরতি তং নির্ভ্জ প্রাথাদিছো। নির্ভ্জং প্রেন। তথা ক্ষত্রাগাং অফিরাগাং বর্মন বর্মণি দেহে প্রশক্তে শরীরাবয়বে
শির্দি অয়ং অভিষিজ্ঞো রাজা বর্ত্তমানোস্তা। গর্বান (শক্রেন) স্বংচ রাষ্ট্রং অলৈ অভিষিজ্ঞার রাজে রক্ষয় বন্ধীকুরু। রণ হিংলাসংরাজ্যোঃ। 'রধিজভোরাচ' ইতি কুমাগ্যঃ।
রধ্যতির্বশ্যন্ত ইতি নিরুক্তং (নি • ১০।৪ • )। (৪ক।—৫ অ ২২ ক্স—২ম)॥

ভায়ং রাজা ধনানাং প্রণরিজভয়নিমৃক্তাপ্রবালাদীনাং ধনপতিঃ স্বামী (ভাস্ক) ভবতু।
ধনানাং পাতর্ক্তনপতিরিভার ধনাচাথে দিল্লে পুনর্জনানাং ইতি বাস্তানিদেশঃ ঈশতিবাদ্ত ধনদ্
বছহ্বাপনার্কা। নাহ রাজপুরুষ ইতু।ক্তে রাজ্ঞোঃ পুরুষঃ রাজ্ঞাং পুরুষঃ ইতি দংখ্যাবিশেষপ্রতীতিরাভ কিং তু রাজদ্বস্থানার প্রতীয়তে এবং অলোপ ধনপভিরিতি ধনদ্বস্থাতে
ভাবগতে তবত্ব প্রতিপাদনায় বাস্তানিদেশ ইতি ন পৌন্রক্তাং। অতে। বুভারাভভাগে
স্থানিষ্ বত্ত্ব চ প্রতিপাদতায় বাস্তানিদেশ ইতি ন পৌন্রক্তাং। অতে। বুভারাভভাগে
স্থানিষ্ বত্ত্ব চ প্রতিপাদতার। তথা অয়ং রাজা বিশাং প্রজানাং বিশ্পতিরস্থ স্থানী
ভবতু। বিশাং বিশ্পাতার। তপুর্ববং ব্যাস্থান্যরিভিপ্রায়ঃ। তে ইস্তা ভাস্কার
(মাহ) মহান্তি বর্চাংলি তেজাংলি প্রাভিভ্রনশ্মধানি বীর্ঘাণি পেতি স্থাপয়। অস্ত রাজ্ঞঃ
শক্ষং অবর্চনং কুলুহ অভেজ্ঞারং কুরু । (৪কা - ১ আ—২২ক্ত্ত্রন্থ)।

### 어내-에方: 1

। । আনুষ্। রাজা। এটরঃ। ইতেজ । ভূয়াং। এইয়া। গ্রাষ্। ওইয়ীনাশ্। পশ্নাষ্।৪।

হে ভাষাপৃথিবী ভাষাপৃথিবো) অবৈ প্রোণর্ডিনে মদীরার রাজে ভূরি প্রভূতং বাদং ব্যমনীরং ধনং তুর্থাং প্রায়ভাচ। চহেলোটি অদাদিরাৎ অশো লুকু। তয় দুইার:। ব্যক্তিবে ইবেতি। বর্ষঃ প্রারাটি অদর্থি পারো যা গৌর্ফোয়ি লা বর্ষত্বা। 'তুবং কর্ষক' ইতি কর ব্যে। যথা বর্ষত্বে শেনু সভলং ক্রীরং চহাতে ভর্ষথ বাংলানেন বহুলং ধনং ভাষাপৃথিবোল প্রায়ভাগে ইভার্ষঃ। এবং ধননমৃশ্বা লভাগে যাগাস্ত্রভানেন অরং রাজা ইন্দুস্ত ব্যক্তালো দেবক বিষয় ইউত্রো ভূয়াৎ। তংগিয়ভাদ্ রুটো লভাগে গ্রাং ওসণীনাং ব্যক্তিবির্বাদিন স্থানাং অক্তেরাং পশ্নাং দিলাচ্চতুপাল্লকণানাং প্রাণিনাং অন্নং রাজা লিয়ো ভূয়াৎ ইতি নহুল্বঃ। (৪কা – হেআ—২২ক্—৪ম)।

পঞ্চমী

। । যুন[জু ত উত্তরাবস্তমিক্রং যেন জয়ন্তি ন পরাজয়ন্তে।

यस कतरमक्त्रसः जनानामूङ तास्त्रामुख्यः मानवानाम्। व ॥

পদ পাঠঃ।

যুন[জু]। তে। উত্তরহৰ্তম্। ইজাৰ। বেন। অর্থিয়া ন। পরাংকরতো।

বঃ। খা। করৎ। একহর্বম্। জনানাম্। উত। রাভাম্।

**खेर • छभग्।** मानवानाम् । € #.

হে রাজন তে তব উত্তরাবত আতিশগিতোৎকর্ষণত ইন্তং যুদ্ধা বোলয়ামি স্থিয়ালানন স্থানকার্যাং করোমি। যেন ইল্রেশ প্রেরিভাত্নীয়া ভটাঃ শক্রেনাং জয়ত ন পরালয়তে পরালয়ং ন প্রাপ্তার। 'বিপরাভাাং জেঃ' ইতি আত্মনেপদং। আশি চ তা তাং ম ইল্রেং জনানাং অত্যবাং শ্রজনানাং একর্ষং গোর্থে প্রধানস্ত্তায়ং রুম একর্ষং তত্ত্ব মুধাই স্থোং জনানাং অত্যবাং শ্রজনানাং একর্ষং গোর্থে প্রধানস্ত্তায়ং রুম একর্ষং তত্ত্ব মুধাই স্থোই কর্ম করেছি। উত্পক্ষ আনার্থান রাজ্ঞাং অত্যবামাপ একর্মই একর্ষং আভিভাবতারং ক্রোভি। মানবানাং মনোরপভ্যানাং মনুস্তাজাতীয়ানাং উত্তমং উৎকৃত্তি ক্রোভি। মানবানাং মনুস্তালাং ইলপ্রেরবংপ্রভৃতীনাং রাজ্ঞাং মণো উত্তমং প্রভাগারি প্রকৃত্তিই ক্রোভি। ভ্রাবিধং ইস্তাং যুদ্ধানি প্রকৃত্তিই হার

বৃষ্ঠী।

| | | | | | | |

উত্তরস্থবরে তে সপত্না যে কে চ রাজন্ প্রভিশক্তরতে।

- | | : |

একর্দ ইন্দ্রণথ জিগীগাং ছক্রায়ভাষা ভরা ভোজনানি। ৬।

পদ-পাঠ:।

উত্তরঃ। স্মৃ। অধ্যে। তা দ্পত্না যে। কে। চা

রাজনা প্রভিশক্রাঃ। তো

।

রাজনা প্রভিশক্রাঃ। তো

।

রাজনা প্রভিশক্রাঃ। তা ভরা ভোজনানি। ৬।

এক্হর্বঃ। ইন্দ্রশ্বা। কিগীগান্। শক্তহ্যভাম্। আ। ভরা ভোজনানি। ৬।

বে রাজন সং উত্তরঃ লক্ষেৎকুই তরো ভব। তে জ্নীয়ঃ শণ্ডাঃ অগরে নিক্টা ভব্ডা তান বিশিন্টা। তে। বিভায়ের্থ ইটা। তাং প্রাত যে কে চ জনাঃ শ্রেংঃ শক্ষেতাবেশ ক্রতিকুলং আচর্ত্তি তে লক্ষে অধরে ভবস্ত ইতার্থঃ। আশি চ একর্বঃ প্রধানভূতঃ ইক্রল্থা ইক্রেণ নখ্যা যুক্তঃ জিগীবান শর্রান আ ভর আহ্র। দর্বান শর্রান শর্রাণ লক্ষ্য তদীরং লব্ধং বা ভোজনানি ভোগদাশনানি ধনানি আ ভর আহ্র। দর্বান শর্রান পর্বানে লিট্। ভঙ্গ চ বাং অপ্রবেতার্থঃ। জিগীবান ইতি। জি আরে। আমাছনিদ্রো বর্ত্তারে লিট্। ভঙ্গ চ বিটিঃ জ্বরাবেশঃ। 'দ্রাল্টোর্জেরঃ' ইভি অভাগের উত্তি বা কার্চ্। তবস্তাং লটঃ শ্রোপেরেণ শত্রাক্ষয়ং ক্রেট্ণ। 'উল্যামাৎ আরুরে' ইতি বা কার্চ্। তবস্তাং লটঃ শ্রোপেরেণ শত্রাক্ষয়ং বিভি বিভক্তাব্রিরং। (৪কা ধল ২২ত ৬ম)।

LIBRARY

मधमो ।

ি:হপ্রতীকো বিশো দ্বি শর্কা ব্যাত্মপ্রতীকোর বাধ্য শক্রন্।

। । একর্ষ ইন্দ্রণখা কিগীনাং ছক্রেগভামা খিলা ভোকনানি॥ ৭॥

পদ-পাঠঃ।

বিংহহপ্রতীকঃ। বিশঃ। ক্রি। স্কাঃ। বাছহপ্রতীকঃ। লব। বাদয়। শক্রন্।

একংব্ধঃ। ইঞ্হেশণা। জিগীবান্। শতাংগভাম্। আনা। শিদ। ভোজনানি । ৭ ॥

শিংহপ্রতীকঃ শিংহশরীর: শিংহতুশাপরাক্রমং শন্ আন্তামান্ত্রেশ শর্মা বিশং স্বরাধীয়াঃ প্রাল্ল আন্তা করি তৃত্ত্বা আন ত করণে । 'হন্দল্ডেল হৈদ্ধিং' ইতে ধিবং। বাজিপ্রতীকঃ ব্যাল্ল বিশং স্বরাধীকঃ ব্যাল্ল বিশং স্বরাধীকঃ ব্যাল্ল বিশং আন্তান শত্রেণ অপ বাশস। অক্সং ব্যাণ্লাতং। এতাবাংস্ত বিশেষং। শত্রেশস্বানি শনানি আ খিল আন্তিক্ষি। অপহরেতার্থং। আন্ত্র্প্রাণ্লিঃ আন্তিক্ষিনে বর্ততে য্থা 'লাক্থিদতে চ প্রকৃষ্ণিদতে চ' (তৈত শংক ৪০০ নং ২) ইতি॥ গ্র

'অধ্যেন্দ্র' ইতি স্কেনপ্তক্ত বুহলগণে পাঠাৎ শাস্তাদকালো বিনিয়োগং। তথা চ কোলিকং স্ত্রং। 'ডভ দেবাং (৪)>০) মুগারস্ক্তানি (৪২০-০০) উত্তমং বর্জার্ডা।' ইতি (কো তান)। অত উত্তমশক্ষেন আ গাবঃ (২১) ইমং ইজ (২২) ইতি আলিমে বে মহং ক্রেভিং (৩০) ইতি আলিমে চোত স্ক্ত্রেমং বিবাক্তং। তথা আংহোলিকগণে অর্থের্থে (২০২৯) ইত্যাদীনাং দপ্তানাং স্ক্তোনাং পাঠাৎ দক্তরোগতৈবজ্ঞানির বি'নয়োগো এইবাং স্ত্রেভং তি। 'ওবিশিনস্পতানাং অন্তেলাক প্রতিব্যাদির বিশ্বলোগা এইবাং স্ত্রেভং তি। 'ওবিশিনস্পতানাং অন্তেলাক প্রতিব্যাদিন বৈত্রলানাং আংহোলিকাভিং,' ইত্যাদি (কো ৪৪৮)। 'অর্থেম্বর্থি ক্রিমের্থি ইতি শামণেনীরস্ক্রমন্ত্রেও (১০০১২)।

एक थाणमा।

। । । টোর্বাহের প্রোধ্যস্ত প্রেচেঙ্গঃ পাঞ্চলস্তুত বস্তুণ। হ্যিদ্ধতে - - - - - - - - - -

বিশোবিশঃ প্রবিশিবাংসমীমতে স নো মুঞ্জংহসঃ॥ > !

**नप-नार्ठः** ।

्राचाः । प्रदेश व्यवस्थाः व्यवस्थाः । श्राच्याः । श्राच्याः । व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः । व्यवस्थाः व्यवस्थाः । व्यवस

প্রথমত মুধাত প্রতিভাগ প্রকৃষ্টিজানিত পাঞ্যজত। দেববজা পিতৃম্বা ভৃতম্বার মুদুধ্বব্য প্রস্মাবজ্ঞঃ ইভোতে নিভাকর্ত্তনাঃ প্রশিদ্ধাঃ পঞ্চবজাঃ। তৈরারাধনীয়ঃ পাঞ্যজ্ঞঃ । ষ্থা পঞ্চধা ষ্ডলা বিভান্তন অমিটোনালয়: পঞ্চন্তলাঃ। 'ধানাঃ করন্তঃ পরিবাপঃ পুরোডাশঃ প্রতা তেন পঙ্জিরাপাতে তৎ যজত পাঙ্জেখং' ইতি তৈভিনীয় জতে: ( তৈ । ।। ৬ ৫৷১১৷৪ ) 'বো হ বৈ যজং হাৰপাঙ্জিং বেন' ( ঐ• ব্রা• ২৷২৪ ) ইত্যাপ্তৈতরেরকল্রাভেষ্ট वक्षत्र नकाञ्चक्छ। छाष्ट्रगिधादिमानिनिर्वार्तकः नकवकः। यदा वक्षमास्मन छित्रिन्तिकः स्रता विविक्षिकाः । ८७ । तिवाम शक्षभा । विविध्य वर्गाः । शक्ष्यां भावता (मना अञ्चला तक्षाः। নীভোকে। তেবু ভবঃ পাঞ্যজ্ঞঃ। তথা চ ভিত্তিরীয়কং 'যং পাঞ্জল্পং বছৰঃ স্মি**ল্ডে** (১৪০ লা । ৪।৭।১৫।১) ইন্ডি। তত্ম এবংগুণবিশিষ্টত অল্লেম্মাহাত্মাং মধে আনামি। সন্তু चनरवागरमः ভনাধিত্বাং উপ্রভারঃ। ভবেব মাহাত্মাং প্রতিশাদরভি বরুণা যং ইভ্যাদিনা। বছণা বছপ্রকারং বং অরিং ইস্কাতে গার্ছপত।। দিরশেণ দন্দীপর জি। বিশোবিশঃ দক্ষীঃ গ্রদাঃ প্রিশিবাংলং জাঠবালিরেশেণ প্রাবইবস্তং তং আগ্রং ঈমতে যাচামতে। ঈমতে বাঙ্কি মন্মতে ইভি যাত এলক শ্বন্ধ গঠিত ( নব - গা১৯)। যথা। ঈঙ্গতৌ। বৈবাদিকঃ। দিশতে ঈয়ামতে প্ততিনম্কারাদিনা প্রাম্মান প্রশাস্থাতি বিশি প্রতিবিশিবাংশং ঈমতে ইতি टेडखिरोग्रकः (टेड- শং• ৪।९ ১৫।১ )। স ভাস্তুশোগ্নিঃ মঃ ঋणान ঋংহণঃ শর্কামর্শনিশান্ ভূতাং পাপাৎ মুঞ্চু মোচয়ছু। আমতঃ পাপং বিলেবয়তু ইভাবঃ। ১ ।

विठीय।।

यथा इन्तर वहनि जाकरवरना यथा यख्य क्यानि ध्यकानम्।

वना त्नरविकाः भूमिकः न चा वह न त्ना मूक्षकः इन्नः। २॥

नन-नार्वः।

यथा। इश्वास्। यहिन । आक्रम्रतनः। यथा। यक्तम्। क्रम्यति। व्यम्भासम्।

प्रा (प्रतक्षाः। प्रमिक्तिः। सः। जा। नहः। नः। स्थर् । जारहनः॥२॥

मध्य-८१ ( >c ) २ : • • •

হে আতবেদঃ আওনাং বেদিতরপ্রে যথা যেন প্রকারেশ হ্বাং চরুপুরোডানাদি হো চ্বাং হবিং বহিন ততত্ত্বীবাদেবতাং প্রাপরিন বধা যেন চ প্রকারেশ বজং পাক্ষজভ্বিইজিনোঃ, বার্গভেদেন একাহারীনপজ্যালনা চ কল্পবনি বিরচন্দি প্রজানন্ তভাস্তিদাং প্রকৃষ্ণে আক্ষাত্ত্বী পর ক্ষেত্র ক্ষাত্ত্বী প্রকৃষ্ণ বিরচন্দি প্রকানন্ তভাস্তিদাং প্রকৃষ্ণ আক্ষাত্ত্বী প্রকৃষ্ণ আক্ষাত্ত্বী প্রকৃষ্ণ আক্ষাত্ত্বী প্রকৃষ্ণ বিরাদ্ধ বির্বাধিক বির্ব

বামন্থামন্ যামনিবামনি। লপ্তমা লুক্। তত্তংকলপ্রাপণে নিমিওভূতে পৃতি উপযুক্তং তত্তজোমাধারত্বন বিনিম্কাং বহিঙং বোচ্তমং। বোচ্শকাও 'ভূদ্দানি' ইতি ইউন্প্রভায়ঃ। 'ভূরিটেমেয়স্থ' ইতি ভূলোগঃ। কর্মন্কর্মন্র পূর্বাং লপ্তমা লুক্। ভতংকগলাবনে ল্বিশ্মন্ কর্মাণ আহুগং আহুজ্বাং আন্বাহ এবংগ্র্থাবিশিইং অগ্নিং লহা লিলে তৌমি। পুনবিশেয়তে। রক্ষোহণং রক্ষাং হস্তারং ব্জাবুণং ব্জান্ত আশ্লিটোমানে ক্রিয়িভারং প্রভাহত প্রতন আজ্লোন আছ্তং আছ্ভিভিঃ ল্ফীপিতং। লুন ইত্যাধি পূর্বাং। (৪কা—৫০—২০ক্-৩ম)।

চতুখী।

| | | |
হকাতং জাভবেদশন্থি: বৈধানরং বিভূষ্।

| | | |
হব্যবাহং হ্বানহে স নে। মুঞ্ছংহ্মঃ । ১ ।

পদ পাঠে।

|

पूरुकाछम्। কাভহ্ববদ্দ্দ। অৱিষ্। বৈধানৱৃদ্। বিহ্তুষ্।

— — — — — — — — |

হবাহ্বাহ্ম্। হবাম্দে। বং। মুঞ্জু। অংবদার ৪ ॥

পুলাতং শোভনজন্মানং। মদ্রৈনির্মণা আবিত্তাং। জাতবেদশং আতানাং জনিমতাং বিদিতারং। যথা আতানি তৃত্তলাতানি এনং বিদতীতি জাতবেদাঃ। অথ বা লাতমাকে এব বেদঃ ধনং পশুলক্ষণং ললভতেতি জাতবেদাঃ। 'যতত্তাতং পশুনু অবিদ্দতেতি তজ্জাতবেদলো জাতবেদতং ইতি হি আক্ষণং' (নি॰ ৭।১৯)। বৈখানরং বিখনরাত্মকং বিখনরহিতং বা অত এব বিভূহ ব্যাপকং ত্বাগাহং হ্বাভ হবিবঃ জ্লাভির্মিত্ত বোঢারং এবংগুণবিশিষ্টং অরিং হ্বামহে আহ্বয়ামঃ। 'বছলং ছন্দিনি' ইতি হবং দ্রোবারণং জ্লাভ্রমণ গ্রহা। (৪কা—৫কা—২০ক্—৪ম)।

(यनाश्चिमा भगीनित्स्ता जिलाम म तम मूक्षकर्णमः।। १ ।।

शक्रमी ।

পদ-পাঠঃ।

ি বিনা ধ্বয়ঃ। বৃত্যন্। অংকাত্যন্। যুকা। যেন। অসুরাণান্। অযুবস্তা মায়া≎ ≥

(यन। चर्चिमा। भन्निम्। डेलाशः विभावः मः। नः। यूक्णू। चरवमः॥ ८॥

ব্যরঃ অভীব্রেরার্বনর্থিনঃ অলির:প্রাক্তর যেন অগ্নিনা যুকা দ্বা। বলং আজীরং লামর্বাং উদ্যোতয়ন্ উদ্দীপ্তং পরাভিভবনক্ষর অকুর্বন বেন অগ্নিনা অনুরাণাং কুরবিরোধিনাং নায়ঃ বাানোহকশক্তীঃ অরুণক্ত বেষঃ পৃথক্ কুতৃণক্তঃ তথা বেন ক্ষিনা ইল্লো দেবাধিপতিঃ প্রীন্ এতংশংক্তান ক্ষুণ্ বিধার কিত্যান্। কি ক্ষের। ক্ষাং লিটি নিন্নিটোক্ষেঃ ইতি ক্তাগের উত্তর্গ কুষ্ণ । (৪ কা – ২ কা – ২০ কু – ১০ ) ।

मश्री। বেন দেব। অমৃত্যম্ববিক্ষন বেনৌদগীর্মধুনতীর্ত্ববৃ।

(चन (प्रगाः चःकाणकण्ण (ना मुक्षकरक्षाः॥ ७॥

98-913: E

বেন। দেবাং। অস্তম্। অসংক্ৰিকন্। বেন। ওবণীঃ। মধুংনতীঃ। পর্কন্।

(वसः। (स्वाः। प्राः। आह्मध्यम्। मः। गः। मुक्त् व्यास्ताः। ।

(यम अभिना नहारत्रम (नराः केळालतः अवृतः अवतनाधनः श्रीमृतः अवनित्तन अनुकः বেন অশ্বিনা অপনস্থাবিটেন ওৰধীঃ ত্রীহিলগাভাতকগুলাভাত মধুগতীঃ মধুররণগুলাঃ অকৃঞ্ আৰু বন্দেন আলিনা বজাগাধনভূতেন দেবাং দেবতকানা যজনানাঃ ভোডারো বা বং বর্গ च्छत्रवृष्ट्रव्। चन्डर्ड्डार्थः। (४२१-४४ -२०५-७४)।

गथगो।

ৰভোদং প্ৰাদিশি য়ং বিয়োচতে যজ্জাতং জনিওব্যু চ কেবলম্।

। । । । । তেখিয়াসিং নাথিছে। জোহবীমি স নো মুঞ্জংহলঃ॥ १॥

পদ-পাঠঃ।

। यक्षा देवन्। अर्थनि। यर। विश्रत्ताहर्त्छ। यर। काडमः। — जं — -

सम्बन्धिम्। ह। क्ष्मिम्।

(कोवि। चवित्। साथिकः। (काक्तीवि। नः। तः। प्रकृतः चरक्तः। १६

### (हेडि। जुडीशः चुक्तरः।

'অগ্নরে'ছোম্চেটাকপালা' (তৈও লংও গাং।২১১) ইত্যাজিনা জলছনিছা মুগারেটি-রাধবর্যাবে বিভিতা। তত্তা অপ্রেরংছোম্চঃ তাবকং 'অগ্নের্ছে' (২০) ইতি স্তর্জন ব্যাখ্যাতং। ইন্দ্রলাংচোম্চঃ তাবকং 'ইন্দ্রলা মন্মছে' ইতি স্তর্জন কৃষ্ উত্তো বিনিয়োগঃ ॥

### ভত্ত প্ৰথম।।

।

ইব্রুক্ত ন্মাহে শশ্বনিক্ত ন্মাহে রুক্তর স্তোনা উপ নেন আন্তঃ।

(যা লভিনঃ স্কুতো হ্বনেতি স নো মুঞ্চঃহলঃ।। ১।।

প্র-পাঠঃ।

।

ইব্রুক্ত। ন্মাহে। শশ্বং। ইবং জ্ঞা ন্মাহে। রুক্তরঃ।

(তাবাঃ। উপ। না। ইন্মো জা। জ্ঞা।

বং। লভ্রুং। স্কুতঃ। হ্বন্। এতি। বং। লঃ। মুঞ্জু। অংহনঃ। ১৪

ইঅভ পরবৈশ্বাযুক্ত মরাতে মহন্তং জানীয়ঃ। সমু স্ববোধনে অমাণিদাৎ উপ্রভার ।
'লোগশ্চাভাক্তরভাং ব্যঃ' ইভি উকারলোগঃ। স্বাধারণাং দ্রশার্ত্থ সাত শব্দিভি ।
ইদিভি স্বধারণে। স্থাৎ পুনঃপুনঃ স্বভিনেক্ত তৎ মাধাত্বাং ম্মান্তে স্বব্ধানতে ।
নাজ্য ভাষুন্তাহাদ্বাং দুভক ইভাবঃ। বুক্তঃ বুবাং স্মান্ত হত্বতক্ত ইক্তে ইনে পুরতে বক্ষা-

[8本]-- (年)

মাণাঃ জোমাঃ গোঞাণি মা মাং উপাশ্তঃ উপব্যক্তি উপগছকি। ইপ্রমাহামানিবরাণি জোঞাণি উপাপতা মাং জেতারং কুর্বান্তীতার্থঃ। যঃ প্রদিদ্ধ ইক্সো দাওবঃ চরুপুরে:ডাপাদিহবীং দি মুক্তঃ পোভনকর্মনে। বল্লমানস্ত ইবং আহ্বানং এতি প্রাপ্নোতি নোদান্তে। দাওবঃ। দাপু দানে। 'দাখান দাহ্বান্ মীচ্।শ্চ' ইতি ক্লো নিপাতাতে। 'বংলাঃ দুজ্বারণং' ইতি দ্রোলারণং । হবং ইতি। 'ভাবেত্বপর্যাপ্ত' ইতি হ্বের্ভেরণ্ দুজ্বারণং চ। দুমুহ্ভাদি গ্রহং। (৪কা—৫মানহণ্ড ২ন)।

য ইন্দ্রং উগ্রবাজ্য উদানু বৃহত্তঃ উগ্রীণাং উদানু বানাং শক্রণ নানাং গুবুং যাবিষ্কৃত। পুণ কর্মা।
বৌতে বে চ ইতি ভূপতারঃ। য ইন্দ্রো দানবানাং দনোর পত্যানাং অক্রাণাং বলং লামবিং
আক্রেরাল স্ক্রিটা বভ্সা। ক্লেলা ভলে। যেন ইন্দ্রেণ সিদ্ধবং অক্রাণাং বলং লামবিং
বিতাঃ নেম্বং ভিজা লবেন প্রাপ্তাঃ। যদা নিদ্ধবো নতঃ সমুদ্রা বা বুক্রবেধন বিভাঃ প্রাপ্তা
বিষ্কৃতি বিজ্ঞান বিজ্

তৃতীয়া।

। ।

३ % ইণিংগ্রা ব্যন্ত: স্থাকিং যদৈর আবাণ: প্রবদন্তি নৃষ্ণস্।

। । । । ।

ইণ্যাধ্বর: সপ্তহোতা সদিষ্ঠ: গ নে মুক্ষকংহণঃ। ।।

পদ-পাঠ:।

বং৷ চর্বশিষ্থাঃ। ব্যক্ত: স্থাহ্বিং। ঘটেয়া। গ্রামাণঃ। প্রাহ্বদ্ধি। নুম্প্য ।

।

বংগ স্থাবাঃ। স্থাহ্বাতা। ম্দিঠ:। গঃ। নঃ। মুঞ্জু। স্থাহ্স:॥৩।

য ইসাং চর্ষণিপ্রা: চর্ষণরো মঞ্মাং তান অভিলবিভদলেন প্রাতি প্রয়্তীতি চর্ষণিপ্রা:
প্রাপ্রের প্রাপ্ত করে করে বিভিন্ন বিভিন্ন বির বিভাগ বিষয়ে বির বিজ্ঞান করিব প্রাপ্ত করে প্রায় প্রানাণঃ অভিববার্থাঃ। পাষাণা নুম্ণং পোষরলককণ ধন্য প্রবাস্ত অভিববকালীলৈক্ নিভিঃ প্রক্রমার বানাণ ক্রমার প্রানাণঃ অভিববার্থাঃ। পাষাণা নুম্ণং পোষরলককণ ধন্য প্রাণ্ড বিভিন্ন বিভাগ প্রাণ্ড বির বিজ্ঞান করে। বিজ্ঞান করিব বির বিজ্ঞান করিব বিল

বশাণ: বশা বদ্ধা পাব: ঝবভাল: ঝবভা: উক্ষণ: উক্ষণ: বেচনদমর্থা:। 'বা বপুর্বত্ত নিগ্নে' ইতি উপধাদীর্ঘাভাব:। এবং নশাদিরণা: পশব: বত ইক্রত বাগার্থং আলভাতে বিমা ইক্রায় স্বব্ধিকে দ্বর্গন্ত লক্তমিতে স্বর্থ:। গুণাব্তক্ষণশ্বল: স্কঃ। তেন ভব্দ উপলক্ষাতে। পরবং সরমতো বৃপা মীগতে অবটের ছাপাতে। ডুমিঞ্ প্রকাপণে। যথা ইয়ার ওকেং নির্বানে বদবান্ লোমং ব্রহণ্ডিতঃ ব্রছতির্বীতঃ অভিবৰণাধনৈরলয়তঃ দুন্ প্রতি ক্লাপ্রিক্ষার্থা প্রবৃতি। দুন ইতঃবি পূর্ণিবং (৪কা – ৫ল-–২৪৮ – ৪ম)।

# প্ৰক্ষী। । । । । । । যক্ত জুন্তিং সোমিনঃ কাময়ন্তে বং হবন্ত ইবুমন্তং গৰিষ্ঠো। হিন্দ্ৰিকঃ শিশুবো বিশ্বনোজঃ ন নে। মুকতংহণঃ ॥ ১ ॥ পদ-পাঠা। । । । । । । । যক্ত জুনি। পোমিনঃ। কাময়ন্তে। যম। হবন্তে। হবুংমন্তম্। পোহইছোঁ। । । । । । । । । মিন্দ্ৰিকঃ অৰ্কঃ। বিশ্বনে। যদিন্। ওবঃ। বাঃ। মঃ। মুকতু। অংহনঃ। ৫।

ষশ্ব ইত্রাসা কৃষ্টিং প্রীতিং শোষিনঃ শোষবদ্ধে বজমানাঃ কামরতে অভিসবস্থি। ইব্নয়ং বাণবৃত্তং প্রশাস্থাপতিতং বং ইত্রং গবিটো গণাং পণিভিরপজ্ঞানাং পুনরবেবণে অভিগ্রামনে বা হণতে আক্ষরতি। যদ্মিরিশ্রে অর্জনাধনভূতো মন্ত্রং অভ্নাত্রাদিলকণঃ শিশ্রিরে আশ্রিভো ভবতি। ভগা বশ্বিরিশ্রে ওজঃ বলং অনক্ষণাধারণং দুর্গ্রামে । দ ন ইত্যাদি পূর্ববিং। (৪কা—৫ল -২৫স্ -৫ম )।

ষঃ প্রথমঃ কর্মারুভ্যায় জজে বতা বীর্যাং প্রথমত মুবুদ্ধন্।

বেনোজতো বজ্রোভালিভালিং ল নো মুক্সংহলঃ । ৬ ।

পদ-পাঠঃ।

বঃ। প্রথমঃ। কর্মংক্রারে। জজে। বড়া বীর্ষা প্রথমত। জন্মংবৃদ্ধন্।

त्वन। छर्द्रवा विकास अधिक्षाप्तक। अदिम्। नाः। सूक्ष् छ अरहनः। धी

য ইক্স: প্রথমঃ মুখাঃ কর্মক্রার কর্মণাং জ্যোতিটোমালীনাং করণার অস্কানার অভ্জেজাতবান। বল ইক্সেল প্রথমল মুখাল বীর্ষাং বীর্কর্ম বুজহননালিকং অল্লবন্ধং পরস্পার সম্ভাব । জাগতে হি। 'ক্রৈল জ্ব বীর্ষাণি প্র বোচং যানি চফার প্রথমানি বল্লী। অহমহিং অ্বণান্তর্জি প্র বক্ষণা অভিনৎ পর্বভানাং' ইত্যালি ( গ ১০২০১)। যেন ইক্সেণ উল্লভঃ উদ্ধতো গল্পঃ অহিং বুজাং অভাবিত অভিতঃ দর্শক্তঃ অহিংনীং। আছ্পূর্বাল্ যমেলুভি ভেঃ লিচ্। 'যমো গল্পান ইতি ভল্ল কিল্লাল্ 'অক্লাভোপদেশত' ইত্যালিমা অল্লানিকলোপঃ । 'হ্রাং অল্লাং' ইতি নিজ্ঞোপঃ। লুন ইত্যালি গ্রহা ( ৪কা—৫ক্স —১৪ক্—৬ম) ॥

সপ্তমী।

। । । । ।

যং সংগ্রামান্ নয়তি সং যুধে বলী ষ: পুনীনি সংস্কৃতি ছয়ানি।

। । ।

তেগ্রীক্রং নাথিতে। জোহবীমি স নো মুক্ষ রংহস: । ৭॥

পদ-পাঠ:।

।

যা: সমুহগ্রামান্। মুডি। সম্। যুবে। বলী। যা:।

বশী স্বত্রো য ইক্স: মুণে যোধনার সংপ্রহারার সংগ্রামং যুদ্ধং সং নরতি সমাক্ প্রাপরতি । য্যা বুধে যোধনার বশী স্বতরঃ। যোধরিতুং কুশল ইতার্বঃ। তথা য ইক্স: পুটানি সমৃদ্ধানি স্থানি স্তীপুংদাত্মকানি মিধু:..নি সংস্কৃতি পরস্পারং সংস্টানি প্রকানসমর্থানি করোতি। তং ইক্সং ভৌমি। নাথিতো কোহবীমি ইত্যাদি ব্যাথাতং। (৪কা – ৫কা – ২৪স্– ৭ম ) ॥

### (हेकि) हर्ष्ट्र यक्तर ।

'বায়োঃ দ্বিজুঃ' ইভাত প্ততে 'প্রের্থৰ' ইভানেন স্জেন দহ উজো বিনিরোগঃ । তথা 'বায়বাং বাভনাভাায়া৻' (ন॰ ক॰ ১৭) ইভালিবিহিতায়াং শাজে 'বায়োঃ দ্বিজুঃ' ইভাতং স্কেং আবশনীয়ং। তল্ উক্তং নক্তকেরে। 'বায়োঃ দ্বিজুরিতি বায়বায়ায়াং' ইভি (ন॰ ক॰ ১৮)। তত্ত্ব মূলারেটো 'বায়োলাবিত্ত আগোম্গ্ভাগে চক্রঃ' (তৈ॰ লং॰ ৭,৫।২২।১) ইভি বিহিত্ত হবিবো বায়ুলবিভারে বেবভা। তরোঃ ভাবকং 'বায়োঃ দ্বিজুঃ' ইভি স্কেং ৪

### ভত্ত প্রথমা ৷

भारताः गविज्ञितिमशानि भन्नात्व यागाज्ञचर विभारशा दर्श ह त्रक्रथः।

বেগ বিশ্বন্য পরিভূ বভূবগুভেগ নে। মুঞ্তনংহন:॥ ১॥

পদ-পাঠঃ ।

वारब्राः। मनिष्टः। विज्ञशानि। सम्राटः। रयो। व्याचान्ध्यः।

বিশ্বঃ। যৌ। চ। রক্ষণঃ। —

থিয়। বিশ্বস্থা পরিভূইতি পরিহভূম বিভূম্থুঃ। তৌ।নঃ। মুঞ্চত্ম। আংহলঃ।১।

বারো: জগদাধার ভ্রম্ম বারম্ভ দবিতু: দর্বপ্রেমক স্ম চ দেব স্থাবিদিন বেদমানি ব্রভা গুণবিবরজ্ঞানানি। যথা নিদপ ইতি যজ্ঞান। বিদ্যানি বেদিজবানি শ্রম্ভিবিহিতকর্মাণি ম্মতে জানীমহে। নিদ জানে ইভাসাদ ঔণাদিকঃ অধপ্রতায়ঃ। হে বায়ুদবিতারো গৌ মুনাং আত্মবং দালুকং ছাবরজঙ্গমালুকং জ্বাদ্ বিশ্বঃ প্রবিশ্বঃ। বায়োভাবং প্রাণাথনা প্রবিশ্বঃ শভিদিদ্ধঃ। 'বায়ুঃ প্রাণো ভূমা নানিকে প্রাবিশবং ( ঐ॰ আ॰ ২০৪২ ) ইতি। জবিতা চ প্রেরক্রেম অন্তর্থানিতিয়া দর্বং অবাদ্ অন্তপ্রবিহঃ। 'যঃ পৃণিব্যাং ভিঠন পৃথিবা অন্তরঃ (রু॰ আ॰ ৩৭০৭)। ইভালেভর্থানিত্রাহ্মণাব। আত্মবং ইতি। আত্মন্মস্বাদ্ মতুণ্। 'মান্তপ্রায়ঃ ইতি বৃদ্ধং। 'জনা সুট্' ইতি স্ভাগ্যঃ। প্রবেশানভ্রেরং যৌ চ মুবাং রক্ষয় ভজ্গৎ পালর্থঃ। ভণা বে) মুবাং বিশ্বস্ত রুব্ধঃ ভবণঃ। পরিপুর্বো ভবতঃ কিণ্ প্রভায়ঃ। শ্রমণং প্রকৃই ইতি পূর্বান্বর্ণনীর্মঃ। হে বায়ুদ্বিভারে তৌ মুবাং নঃ আ্মান্ অংক্রঃ পাণান্মু মুঞ্জঃ। মুচু বোক্ষণে। 'শে মুচাদীনাং' ইতি ছং। (৪ফা—১০ অ—২০স্–১ন) স্বাণান্মু মুঞ্জঃ। মুচু বোক্ষণে। 'শে মুচাদীনাং' ইতি ছং। (৪ফা—১০ অ—২০স্–১ন) স

দ্বিতীয়া।

| | | | | | | |

দ্বোঃ সংখ্যাতা বরিষা পার্ধিখানি যাভ্যাং রজো বুণিতমন্তরিকে!

| | | | | |

শ্বোঃ প্রায়ং নাল্লানশে কণ্ডন তে না মুঞ্তমংহ্দঃ। ২ গ

भय-भार्तः। <sup>1</sup>

नः । मूक्कम् । भारत्यः । ३॥

ষরোর্চ্দেবয়োঃ পার্থিবানি পৃথিবাঃং ভবানি বরিনা উরু হানি মহন্থানি সংপাতা সংখ্যাতানিং, জানৈঃ সমাক্ পরিগণিতানি প্রশাতানি দৃশান্তে। পার্থিবানি 'পৃথিবা ক্রাক্রেটা' ইতি প্রাণ্ণীল ব্যতীয়ঃ অঞ্প্রতায়ঃ। বরিমেতি। উরু শব্দাদ্ ইমনিতি 'প্রিমন্থিব।' ইত্যাদিনা বর্ আদেশঃ। 'শেশ্ছমানি বহুলং' ইতি শেলোঁগা। যাভ্যাং বায়ুস্বিত্তাঃ অভারিকে আকাশে রজঃ। উদকনানৈতং। উত্তং হি যান্ধেন। রজো রজতেঃ। জ্যোতি রজ উচাতে। উদকং রজ্ঞ উচাতে ইতি (নি॰ ৪০১৯)। তদ্ রজঃশক্ষ্বাচাং রুষ্টিকারণং উদকং মুপিতং মুর্চ্ছিতং সং ধার্যতে। দ্বিত্কির বৈশ্বায়্না চ গুরু ধর্মকেটি বিমোজ্বং আকাশে বহুলতরং উদকং প্রিয়ক্ত ইতি শ্রুতি শ্রুতি

कृ भीशा ।

। । । । । ভব ব্রতে নি বিশত্তে জনাগস্ত্যুদিতে প্রেরতে চিক্তভানো। —

ৰুবং ঝায়ো সবিভা চ ভূগনানি রক্ষপজ্যে নো মুঞ্তমংহনঃ। ৩ ।

পদ-গাঠঃ।

ण्डमः बरहा नि। निनद्धा कनामः। इति। छैरश्हेरहाः काः

भेतरण । हित्रणाता हेजि हित्रश्राताः

হে প্ৰিত: তৰ ব্ৰতে ঘংশছলিন কৰ্মণি প্রিচরণলক্ষণে জনাণঃ জনাঃ প্রাণিনঃ নি
বিশ্বে নিম্নেন বর্তন্ত। 'নেবিবনং' হাত আল্পনেশনং। হে চিত্রভানে। বিচিত্রনীপ্তে ঘর্দ্দিত উদয়ং প্রাপ্তে পভি প্রেমতে শব্দে জনাঃ স্বক্ষায়া করণায় প্রবর্তন্ত। ঈর গতে।
আলাদিয়াৎ শণো পুক্। হে বামো ছং শাবতা চ মুবং মুবাং ভূবনানি ভূতজাতানি রক্ষতঃ
প্রাণিয়বং। তৌনো মুফ্তং ইত্যাদি গতং। (৪ক। – ৫ক – ২৫ক্ – ৩ম) ॥

## চতুর্থী।

মপেতো বাল্লো দৰিতা চ হজুত্মপ রক্ষাংশি শিমিদাং চ সেধ্তম্।

শং হ্যাতর্জ্জন্না স্থলথঃ শং বলেন খে নাে সুঞ্চতনংহশঃ॥৪॥

**भष-भा**द्धः ।

। অনুণা ইতঃ। কালোইভি। শ্বিতা। চ। ছঃ২কুত্ৰু। অংপ। " - - -

রক্ষাংশি। শিষিদাম্। চা শেধতম্।

শুৰু। হি। উৰ্জ্ঞান ক্ৰেখন গ্ৰাম বিজ্ঞান হৈ সুক্ত স্থা আংহণ: 18 ট

তে বারো ঘং চ দবিতা চ হছুতং আমদীয়ং পাণং অংশতঃ আপপমর্থঃ। তথা রক্ষাংশি উপদ্রব্যারিণো রাক্ষান্ দমিধাং দক্ষীপ্তাং কুতাং চ অপ দেখতং অপপ্রয়তং। আগি চ উজ্জান উর্জ্বিত বলম্বীতি অল্লবদ্যানিতা পুটিঃ। উর্জ্ব বলপ্রাণন্দ্রোঃ। আমাণ প্রতিচ্
ভারা অমান্দ্র স্পেধা বলেন তজ্জনিতেন সংস্কাধা। গতং আরু । ৪ ।

. .

### नक्षमे ।

রিয়িং মে পোধং সবিভোত বায়ুস্তন্ দক্ষা স্থবতাং হুলেব্যু ৮

আবক্ষ্মত।তিং মহ ইত ধতাং ৬ে। নুক্তমংহলঃ । ৫ ।

14-412: F

। রিরিম্। মে। পোবস্। শবিতা। উত। বায়ুং। তনুইতি। দক্ষ্।

মা। স্বতাম। সুহদেবম্।

। অন্যক্তাতিশ্য সহঃ। ইহা ধতাশ্য ভৌ। নঃ। মুঞ্চম্। অংহণঃ।৫॥

উতশব্দ চার্বে। শবিতা বায়ুশ্চ মে মহাং রিয়িং ধনং পোষং পুষ্টিং দুমৃদ্ধিং চ লা স্থবতাং প্রেরজাং। প্রথাজ্ঞাং ইতার্বিঃ। বৃ প্রেরণে। তুদাদিদ্বাৎ লা। তথা ওনু ভবাং। 'মণাং মুদৃক্•' ইতি শপ্তমা। লুক্। 'ঈদৃতে) চ দপ্তমাবে' ইতি প্রগৃহ্দাজ্ঞা। ভবাং আলাদীকে শরীরে মুশেবং মুস্কাং দক্ষং বলং আ মুবতাং আসম্ভাৎ প্রেরজাং। তথা হে বায়ুদ্ শবিতারো। অথক্ষ চাতিং। অথক্ষণকাং মার্বিক্তাতিল্ প্রত্যায়ঃ। অবক্ষং অরোগং মহঃ তেজঃ ইহ অক্মিন্ যুজ্ধানে ধৃত্তং ধারয়তং। (৪কা—ক্স—ক্ম)।

यष्टी।

প্র প্রমতিং সবিভর্কায় উভয়ে মহস্বস্থা মন্দ্রাপঃ।

অবিগি বামণ্য প্রবাদে। নি যচততং ভৌ নো মুঞ্তমংহ**ণ:। ৬।** 

भष-भा**टेः**।

थे। प्रमित्ति । त्रिता वाद्या हेलि। छ उद्या सश्यक्षम्। सरन्त्रम्। माननाथः।

भक्षाकृ। वामचा अध्वतः। मि। वष्ट्वम्। (छ)। मः। मूक्क्व्य्। भारदनः। ७।

হে পবিতঃ হে বায়ে। উভয়ে রক্ষার্থ স্থমতিং পোভদাং ব্যয়গুৰা বাছ থা বিছতে। 'উভিষ্তি-' ইভ্যানিদা অবভেঃ কিন্তু উদান্তো নিপাছিতঃ। মহস্তং দীপ্তিমতং সংগ্রং দাক্ষাং শোদান্থং পীদা মাজধঃ। মংশারং ইছি। মনেরেইণাদিকঃ প্রপ্রত্যাঃ ই

ৰামত বননীয়ত প্ৰবিতঃ প্ৰকৰ্ষণতো ধনত কৰি।ক্ অসপতিমুখং নি যক্তং নিয়নয়ন। বামতেতি। 'ক্ৰিয়াগ্ৰহণং কৰিবাং' ইতি কৰ্মণ: দম্প্ৰানহাচ্ছতুৰ্বাৰ্থে বিটা। প্ৰবিত ইতি। উপদ্যান্তিন্দ্ৰি ধাৰ্থে' ইতি বিতিঃ। (৪কা—৫ল—২৫ত্ – ৬ম)।

সপ্তমী।

তিপ শ্রেষ্ঠা ন আশিদো পেবয়োর্জায়য় ছিয়ন্।

(স্তামি দেবং সবিভারে চ বায়ুং ভৌ নো মুক্ত সংহলঃ । ৭ ।

গল-পাঠঃ।

। । । ।

উপ। শ্রেষ্ঠাঃ। মঃ। আহিশিবঃ। দেবয়োঃ। ধামন্। অভিয়ন্।

স্তোমি। দেবৰ্। সবিভারৰ্। চ। বায়ুণ। ভৌ মঃ। মুক্তম্। আংহলঃ। গঃ

দেবরোঃ বায়ুদবিজোঃ ধানন ধাননি তেজনি স্থানে বা নঃ জালাকং শ্রেষ্ঠাঃ প্রণাজ জালিবঃ ফলপ্রার্থনা উপাস্থিরন উপাস্থিতা বর্ততে। অস্থিরারিতি। তির্গুতেনুঁতি 'অকর্ম্বলার্ড' ইতি ভাত্মনে বাস্থার বার্থকারি বার্থকার দানাদিগুণযুক্তং দ্বিতারং বার্থকার প্রানিধান 'উতো হুদ্ধিলুঁকি হলি' ইতি ইছি:। জন্মন্ব্যাধ্যাতং॥ (৪কা – ৫অ – ২৫ ত্ – ৭ম)॥

### পঞ্চমং স্কাং 🛚

### ইতি চতুৰ্কাতে পঞ্মোহবাক:।

ষঠেত্রনাকে পঞ্চ প্রকানি। তর 'মন্দে বান' ইতি আগুরু প্রকার প্রকার বিনিয়োগং। তথা পোনবাংগ 'মতে বান' ইতি ঔৡয়য়্যা আআহেন্যত অনুমন্ত্রণং কুর্যাৎ। উক্তং বৈভানে। 'মতে বাং ভাবাপৃথিবী ইতো)ৡয়য়্যা আজাহেন্যং' ইতি ( বৈ ০ ৩:৫ )।

ভত প্রথম।

।

মধ্ব বাং আবাপৃথিবী হডে।জনো সচেতনো ধে

। । ।

অপ্রথেথামমিতা যোজনানি।

প্রভিঠে হার্বভং বসুনাং ডে নে। মুঞ্ভমংহনঃ। ১।

হে জাবাপৃথিবী জাবাপুথিবা) ক্ৰেজেবা) পুঠু জোক্ষিজো শোভনভোগে বা দচেতলোঁ
সমানচিতে বাং যুবাং মধে জৌম। যদ! বাং যুবরোগাহান্তাং মধে জহং জানামি। কিং
পুনজন্ ইত্যাহ যে অপ্রণেতাং ইত্যাদিনা। যে ভাবাপৃথিবাে অমিতা অমিতানি
অপরিমিতানি ষোজনানি। (যোজন) শক্ষ: অধ্বশরিমাণবাচী। অপরিমিতান অধ্বনঃ
অপ্রথেতাং প্রথিতে বিজীর্ণে অভবতাং কুৎস্বনেশব্যাপ্তাা স্প্রগতে ভবত ইত্যুর্ব:। হি
যুদ্ধান যুবাং বহুনাং নি বস্তাং দেবমহন্তালীনাং নি বাস্থেত্নাং ধনানাং বা প্রতিষ্ঠে প্রকৃষ্টাবিভিন্ন ক্রণে অভবতং ভববঃ। ত্মাৎ স্পাধার্ত্বন যুব্যোঃ শ্ক্পত হং। প্রতিপূর্বাৎ
তিষ্ঠতে: 'আত্তেগেল্প্রণি ইতি অধিকরণে অঙ্ব। 'উপল্পাৎ অনোতি বিধান বিধান বিধান বিধান বিধান বিধান বিধান বিধান বিধান ক্রিটান বিধান বিধ

বিভীয়া।

| | | |
প্রতিষ্ঠে ফ্রনতং বসুনাং প্রার্জ দেনী স্করণে উরচী।

| | | | |
ভাবাপৃথিনী ভবতং মে গোটানে তে নো মুক্তমংহণঃ॥২॥

পদ-পাঠঃ।
| | | | |
প্রতিষ্ক্রি প্রতিহ্ছে। হি। অভ্যতম্। বহনাম্। প্রর্জে ইতি প্রহর্জে।

দেনী ইভি। স্করণে ইতি সুহত্গে। উরচী ইতি।

প্রতিষ্ঠে হত্তবতং বহুনাং ইতি পূর্কবং। বহাং শর্কপ্রাণিনাং অধিষ্ঠানভূতে ভাবাপৃথিয়ে। ভাষাং প্রবিদ্ধে প্রকর্পেন মণিহুত্তভাবেন হত্তবং শর্কপ্রসদম্প্রবিদ্ধে। অমুপ্রবিষ্টে ইত্যবং। দেবী বেবাে লানাদিশুণবুক্তে স্করণে শেভনগনে পৌভাগাবুক্তে বা। 'আছালাভং বাচ্ছলি' ইতি উত্তরপলাছালাভস্কং। উদ্ধেটি উদ্ধানিনা কিন্। 'অনিদিতান্ত' ইতি নলাপঃ। 'আচঃ' ইতি অকারলোপে 'চৌ' ইতি দিবিষা। 'অকতেশ্বেশ্বন্ধানং' ই'ত শ্রীপূ। 'প্রবং মুগুরুং' ইতি পূর্বন্ধন্বিধান হে ভাবাপৃথিবী ভাবাপৃথিবাে ইথা মহামুভাবে মুগাং মে মম ভোনে। স্থানাম্বতং। স্থাহেত্ ভ্যতং। অঞ্চল্ গতং। (৪কা – ১ সা—২৬ স্কর্ম)।

ভূ ভীয়া।

। ব্যালাপুলিবী ইতি। ভ্ৰত্ৰ। ব্যালাপুলিবী ইতি।

মাণ মুক্তৰ্ণ ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ মাণ মাণ মাণ মাণ্ডাং তা

মাণ মাণ মাণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ মাণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰেণ্ডাং তা

মাণ মাণ্ডাং ক্ৰিণ্ডাং ক্ৰিণ্ডা

অগভাপে গভাপরহিতে নর্কঞাশিনাং নতাপত হতে । পুতপদৌ উর্কী উর্কো বিধীর্ণে গভারে গান্তীবার্ক্তে ইবং কর্ন ইতি পরিক্তেন্দরিতে কবিভিঃ ক্রান্তদর্শিভিশ্বন্ধিতি ননতে ননভাবো কর্তা বুবাং অহং হবে রক্ষণাবং আহ্বরামি। 'বছলং ছন্দ্দি' ইতি হবংতেঃ শতাবারংং। উভারোক্তিন ব্যাধ্যাতঃ । (৪কা – ৬ শ—২৬ শ—৩ন) ।

চতুর্থী।

ষ শম্ভং বিভ্থো যে হণীংদি যে প্রোত্যা

।
।
বিভ্ণো যে সক্ষ্যান্।

। । । ভাৰাপৃথিবী ভবতং মে সোনে ভে নো মুণাভমংহদঃ । ৪ ॥

শদ-পাঠঃ া

জোভাাং। বিভ্গং। যেইতি। মহম্বান। —

। । । । ভাৰাপুৰিবী ইতি। ভবতম্। মে। জোনে ইতি। তেইভি।

मः। मुक्किम्। अरहनः ॥ ८॥

(হে) জাবাপুথিবোঁ যে যুবাং অমুভং অমরণং দর্কপ্রাণিনাং অমুভত্ব বিভ্নং ধাররণঃ। 'নঞা অরমরমিত্রমূভাঃ' ইভি উত্তরপদার্।দাতবং। বিভ্ন ইভি। 'ভ্ঞাম ইং' ইভি অভালত ইত্বং। যে চ যুবাং হবীংবি চরুপুরোডাশাদীনি ধাররণঃ। যে চ প্রোভাঃ প্রোভ-ছিনীর্নীঃ বিভ্নং ধাররণঃ। 'স্রোভ্নো বিভাষা ডাড্ডোণ' ইভি ডাপ্রভারঃ। যে চ বুবাং মুফ্যান্ ধাররণঃ। গঠং অস্তবং (৪কা–৬ক–২৬ফ–৪ম)।

शक्षमी।

যে উদ্রেয়া বিভূগো যে বনস্প্রীন্ যয়োর্শ্বাং বিশ্বা ভূগনাগ্যন্তঃ।

। । । । । ।

ভাগাপৃথিবী ভগভং মে গোনে ভে নো মুঞ্চমংহ্দঃ।। ৫।।

म्पर्क- ६२ ( १६ ) २२-७-७२

भग-भार्<mark>ट</mark>ः ।

া | বাষ্। বিখা। ভূযণানি। মঞ্চঃ।

ী । । । ভাৰাপৃথিবীইভি। ভৰভং। মে। ভোকে ইভি। তে। নং। মুঞ্ভণ। অংহসংগ্ৰেছ

তে ভাবাপৃথিবোর যে যুবাং উজিয়া। গোনামৈত । গাং শ্র্মা বিভ্ণঃ ধার্মধা। যে ত যুবাং বন্ধ্বতীন বুজন শ্র্মান বিভ্ণঃ। বন্ধ্বতি শ্র্মান ব্রামান বিভ্না । বন্ধা বিখানি উজালু ভিল্ল করিন প্রামান বিখানি উজালু ভিলান শ্রামান ভ্রমান ভ্রমান ভ্রমান ত যুবাং কে ব্যামান ভ্রমান ভ্

্ৰতে। ন। কিন্। চন। শকুবজি।
- - -
| | | | | | |
ভাবাপৃথিবী ইতি। ভ্ৰতম্। যে। ভোনে ইভি। তে ইতি।

नः। युक्कस्। वर्रमः॥ ७॥

ছে ভাষাপৃথিবা যে যুবাং কীলালেন জ্ঞান ভর্পান ক্রম্ম জগত্ব পোনরবং। (ম চমুবাং ঘ্তেন ক্ষরণনীলেন উদকেন ভর্পান । যাভাগে আবাপৃথিবীভাগে থতে বিনা কিং চনক্রিশি কার্যাং কর্জু ন শক্ষান লক্ষেত্ব জনা। জন্ত পূর্ববং। যাভাগে থত ইতি।.
ভালাবাণিতরর্তেও ইতি পঞ্চনী। (৪কা – ৬ জ - ২৬ছ-– ৬ম)।

# 

মং ইদং পাশং তৎফলং ছ:খং বা মা মাং ( অভিলোচ ি ) অভিত: দর্মতো দহতি।
বেন্যেন বা পাণেন নিমিন্ত্ত্তন পুনরক্সং শাশং ক্রভং। যেন্যেন্ত্যুক্তং অর্থং বির্ণোক্তি
পৌরুন্যেরিচি। নশক উপমার্থ:। পৌরুষ্মেং পুরুষ্প্রেরিভাং পাণাদিন দৈবাং,
দেবক্তাাল্লমিন্তাং মং পাশং ক্রখং বা উৎপল্লং মাং অভিশোচভাতি দম্পল:। পৌরুষ্মেং
ইতি। 'পুরুষ্থ ব্যবিকার ' ইতি ঠঞ্ প্রভায়:। দৈবাং ইতি। 'দেবাং মঞ্জেঞী' ইতি
অঞ্। ততা দর্শ্ব পাশক তৎফলভূত্যুক্ত চ অপনোদন্যবং আবাস্থিবী আবাস্থিবীঃ
ভৌষি প্রশংশামি। নাথিত ইত্যাদি ব্যাধ্যাতং । (৪কা – ৬অ – ২৬ছ – ৭ম) ম

( ইভি ) প্রথমং স্ফোং॥

শিক্তাং মংখ' ইতি হক্তত পূর্বেবং গণপ্রায়ুক্তা বিনিয়োগঃ। 'মাক্রণগণীং বলকানছ' ইতি (নি ক - ১৭) বিভোৱাং শাঝো 'মক্রতাং' ইতোতং হৃত্যং আবপনীয়ং। তৎ উক্তং-নিশ্রক্রে, 'মক্রতাং মংঘ (৪২৭) প্রজাপতে ন ঘং এতাক্ততঃ (৭৮৫৩) ইতি মাকুদ্যানাং' ইতি (নি ক - ১৮)। শ্রু ভিগ্নে শনীকং' (৭) ইতান্য়া দ্যুক্মেণক্ষ্তি পুছবৈষয়াগং অভ্নমন্তরেও। উক্তং বৈভানে। 'লারং পৃহধেধিনাং তিয়াং অনীকং' ≹ভি ( বৈ∙ বাং )।

### ভত্ত প্রথম।

সরুতাং মধে অধি মে ক্রম্বন্ত প্রেমং বাজারাতে সম্ভা - - -

আশুনিব পুয়মানহর উভয়ে (ভ নে। মুঞ্জুংহন:॥১॥

भए-भाष्ट्रः ।

। । " মকুতাৰ্। মহে। অধি। মে। ক্ৰেছে। থা। ইমম্। বাজৰ্। বাজহণাতে। জাবজ্ঞ

। আশুন্হইব। আহ্রথান্। অহেবে। উত্যো তে। নঃ। মুঞ্জা অংহলঃ। ১।

মক্লতাং একোনপঞ্চাশংসংখ্যালাং গণদেবানাং মদে মাহাত্ম্যং জানামি। তে মক্জো
মে মহাং অধি ক্রণন্ত অত্মনীয়োয়ং অনুঞাই ইতি পক্ষপাতেন বদন্ত। তথা বালসাতে
বালতা অনুজ লাতে লাতে নিমিত্ততে সৃতি ইমং বালং অনুং প্রাবন্ধ প্রকর্মে অন্দর্শন কর্মনার ।
বালা ইতি বলনাম: বালং ইমং আত্মায়ং বলং বালসাতে। বালসাতিরিতি লংগ্রামনান।
ক্রেয়ং বালং জন্মতু বাললাতোঁ ইতি হি নিগম: (১০০ লং০ ১০০।৪)১) (১০০ ত্রাণ
হালাচ ১২)। বালসাত্দকোনি লোবোভিপীয়তে। বালসাতে সংগ্রামে প্রাবন্ধ প্রক্রক্ষা
আহং অংশুনিৰ ক্রমান্। অংশবং অভ্যাহা বজ্ব: তানিব ক্রমান্ প্রক্রান্ দেবান্
ক্রেড: অহং উত্তান্ রক্ষানৈ অন্ত্রে আহ্বরামি। যথা অংগুলক্ষেন তৎসক্ষিনঃ অখা
বিক্তিভাঃ। ক্রিকিতান অন্ধানিব ক্রমান্। ভক্তপরাধীনতন্ন বলবর্তিন ইত্যর্থ:। অহং

ইতি। 'ছক্ৰি স্থ্নঙ্গিটা' ইতি বৃঙ্। 'লিশিলিচিংৰণ্চ' ইতি চেঃ অৰ্ আংৰেশা। 🧐

सक्र एक। नः चात्रान् चरहनः भाभान् म्थकः ( ४क।—६व—२१ए—>म ) ॥
• • •

বিভীয়া।

어박-어(5: 1

পুর:। দধে। মক্রতঃ। পৃথিৎমাত্ন। তে। নঃ। মুঞ্জঃ। আংহসঃ । ২ ।

যে মকতা লগা লক্ষণা। 'লক্ষণ লোক্সতর্তাং দি' ইতি লভাব:। উৎলং বর্ষধারাবৃত্তং থেবং আক্ষিতং ক্ষরহিতং। 'ভলগাদর্থে' ইতি পর্যুদ্ধেত্বাং ক্ষিয়ো দীর্ঘাতার:। প্রবৃদ্ধে বাচতি অন্তরিক্ষে বিভারমন্তি। তদনভারং যে মকতঃ ওবধীয় ব্রীহিয়বাতার তক্ষত্তলাদির চরলং বৃষ্টুদকলকণং আলিফান্তি আলমতাং ক্ষরহাতি। বিচ ক্ষরেল। 'শে মুচাদীনাং' ইতি হং। তান্ মকতঃ পুশ্লমাতুন পুশ্লম্পাধ্যকিতা বাক্ মাতা জননী যেগাং তে পৃশ্লিযাতর:। 'বেডক্লিনি' ইতি কৃপঃ প্রতিবেধঃ। 'পৃশ্লিষ্টিয় লৈ প্রদো মক্ষতো জাতাঃ' (ভৈত লংভ্রাহাতি) ১ ইতি হি তৈভিরীয়কং। তথাবিধান্ মক্ষতঃ পুরো লংগ পুরস্তান্ধার্ম্যানি । ভ্রাহাত্রিঃ। গতং অন্তং । (৪কা - ৬ল - ২৭ক্ - ২ম)।

# कृ भी या।

পরে। ধেনুনাং রুগ্রেম্ধীনাং জব্মক্সভাং ক্বয়ে। য ইশ্বধ।

শগ্ম। ভবস্তু মরুতো ন: স্থোনাস্তে নো মুঞ্জুংহ্ম: ॥ ০ ॥

### भष-भार्वः ।

পীয়া ধেনুনাম্। রুপ্য ওবধীনাম্। অবেণ্। আংকতান্। কবরঃ। যে। ইবগ।

শগাং। ভবভা মক্তঃ। নঃ। জোনাঃ। তে। নঃ। মুখভা আংহৰঃ। ০ ।

হে মক্লতঃ যে বুরং ক্বরঃ ক্রোন্তদর্শনাঃ লক্ষঃ দেন্নাং গবাং পরঃ ক্রীরং ইবধ লক্ষাক্রের ব্যাপর্থ। ইবি ব্যাপ্রাধা ইরিব্রার্থ। ওবধীনাং রুলং দ্বং লক্ষাব্যবের্ব্যাপর্থ। ক্রিক্টাং ক্রানাং ক্রেক্রা ভবতা (৪ক।—১ক্স ২৫২ — এম ) ঃ

# চতুৰ্থী।

। । অংশঃ সমুক্তাদ্ দিংমুদ্ বহুন্তি দিংস্পৃথিকীশভি যে কুণ্ণতি।

त्य चिंद्वतीणांना मक्र७ण्डब्रेखि ८७ त्ना मूक्खः ६मध । ४ ॥

পদ-পাঠঃ ৷

খে। আৰহভিঃ। ইশানাঃ। মক্তঃ। চরভিঃ। তে। নঃ। মুক্তঃ। আংহদঃ।৪॥

যে মর্ক্রঃ দম্মাৎ উদধ্যে দকাশাদ্ অণঃ উদকানি দিবশ্ অস্তরিক্ষং প্রতি উদহত্বি থেংইঃ প্রাণয়ন্তা। তদনত্ত্বং দিবঃ অস্তরিকাৎ পুথিবীং অভিলক্ষা তা অংশঃ ক্রপতি বিক্ণারিঃ আভিরন্তিঃ ইশানাঃ ইশ্বাঃ গড়ো যে মরুতঃ ইশং চরস্তি। তে মরুত ইতা(দি গ্রং! আহিবিত। 'অংশোভি' ইকি গ্রুয়ে তিশারঃ। (৪কা – ৬৭ – ২৭৪ ৪ম) ॥

### शक्षभी।

ষে কীলালেন ভপ্রতি যে ঘুডেন যে বা বয়ো মেদ্রা সংস্কৃতি।

टच चास्तिनाना मक्रटा वर्धशास्त्र ८७ त्ना मूक्षच्ररणः ॥ € ॥

**शद-**लाठेः ।

বে। কীলালেন। তর্গান্ত। যে। মতেনা যে। বা। বয়ঃ। খেললা। লণ্ড্তলাভা

(या चर्रुचिं। देनानाः। मङ्ग्लेः। दर्शिचिः। (का नः। मूक्कका चर्रुगः। ८३

বে মক্তঃ কীলালেন আয়েন র্টিবায়া আনাংতর্পয়ন্তি যে চ ব্রতন উলকেন তর্পয়ন্তি।
বে বা ৷ বাশস্কঃ চার্বে। যে চ মক্তঃ বয়ঃ পাক্ষাতং মেললা ভুরীয়ণাভুনা সংস্থাতি।
বেনবি ক্রিতীতার্বঃ। যবা বয়ঃ শরীয়ণার্শায়শাবিশেষঃ। তৎ মেললা যুক্তং ক্রিতি। ক্রিতিশ
ব্রস্থালিত আন্বার্ণকাং পায়ণাম্বিশেষাতি পুরুষ্ণরীয়্ত মেল্ছিবং আয়তে।

গ্রন্তাং তদ্বেত্তং। বে চ মকুতঃ অভি: উদকৈ। থেগছৈ: ঈশানা: স্ত্যো বর্ষর্ভি স্ক্রে।
মৃষ্টিং কুর্ক্তি। তেনেতাগদি পূর্ববং॥ (৪ফা—১জ—২৭স্—১৭)।

रेश्री।

यभी निषः अक्र छ। शाक्र छ ज यकि दिन ता देनद ता तृशी ताः

यभी निषः अक्र छ। शाक्र छ यकि दिन ता देनद ता तृशी का विद्या वि

যুদ্ধ । জিলিংখুর । ব্লবং । জন্ম । নিংহজতেং । তে । নং । মুঞ্জু । আংহসং ॥ ৩ ।

ইলং অকুজুলমানং মলীয়ং জংলং ভংজচুভূতং পাপংবাহে মকুতং মাকুতেন । ইচ্ছকাং

জনগরেশে। মর্কুজিন্ধেলৈ বাশরাশেন উবৃক্ এবংরুপং যদি আর প্রাপ। তে দেবাং ইফাদেরঃ বৈবোন দেবদক্ষিনা অপরাশেন (যদি) এবংরুপং ছঃখং অমান প্রাপ। (আর)। আ
গতে। অআং লিট্। উদৃক্ ইতি। ইদমিব পশুতি 'তাদাদির দৃশোনালোচনে কঞ্চ'
ইতি দৃশেং কিন্ প্রভায়ঃ। 'ইদংকিমোরীশ্ কী' ইতি ইদম উপ্ আদেশঃ। ভতা ছঃখতা
তদ্ধেতোঃ পাণাুনো বা দিয়াতেঃ নিজ্রণতা পরিহারতা হে বসনঃ নাণ্ডিভারো মকুতঃ বুরং
উপধ্বে ক্ষাব্য ভব্প। উশ্পেলেটি অভাগ্যঃ। গভং অন্ত্যা (৪কা – ৬ল – ২৭ক্— ৬ম) ঃ

 ় ভিশ্বং জীক্তং জানীকং সপ্তগণাত্মনা সমূচীভূত্বং বিদিকং প্রাথণিতং সহত্তং বজাবং আছি: ভবনমুক্তাং বা মাক্রতং মক্রতাং কথান্দ্র শক্ষা বজাং প্রক্রান্ত্র সংগ্রামেরু উঞাং উদ্পৃধিং চ্যান্ত্র ভবভি । তান্মক্রতঃ ভৌমি প্রশংবামি । নাথিতো ভোহবীমীতাাদি ব্যধ্যতিং । ৭ ॥

### (हेकि) क्रिकोश शक्स।

ভবাশকৌ মধে বাং' ইতি হক্ত গণনিনিয়োগ উক্তঃ। তথা গৰ্কব্যাধিতৈ বজাকৰ্মণি চ উদকপূৰ্ণান সপ্ত কাম্পীলপূটান প্ৰস্তাচং কম্পাতা অভিমন্ত্ৰ ব্যাধিতং অবলিক্ষেঃ। তদ্ উ<sub>ক্তং</sub> কৌশিকেন। 'ভবাশক্ষাবিতি লপ্ত কাম্পীলপূটান অপাং পূৰ্ণান্ কম্পাত্ৰতঃ কৃষা দক্ষিণেন 'অবলিচ্য পশ্চাদ্ অপনিধ্যতি' ইতি (৪।৪) ॥

### ভত্ত প্ৰথমা গ

। যাৰদ্যেশাথে বিপদো যৌ চজুপ্সাদস্তো নো মুক্তমংহদঃ। ১।।

어무·어(5: 1

। क्स-स-(त्र्य)। मत्या नाना छक्षा निखना बद्धाः। वाम्। हेकम्।

> । । त्यक्षिनि। यर। निरुद्राहरू ।

হো। অক্ত। ঈৰাণে ইতি। বিহণদা। যৌ। চতুঃহণদা।

(छो। सः। मुक्क छम्। चरहनः॥ ३॥

ভনতি উৎপদ্ধতে জন্মাৎ সর্বাং জগদ্ ইতি ভবঃ। শৃণাতি তিনতি দ্বাং জন্তকালে ইতি লবাঃ। ভবশ্চ লবাং জনালে কি এই ভূজীনাং মধ্যে প্রমেখনত যে মূজী 'ভনায় দেশাল বাহা লবায় বাহা শব্দার দেবার বাহা' ইতি শাভাষরপ্রানিছে। 'দেবতাখন্দে চ' ইতি জানঙ্। হে ভবাশর্মো বাং খুনরোর্মাই বাং জনা কা আনি । তত্ম বিষয়ে। কর্মাণ বাহা তদ্ম ক্লামাণ জানীতং। ব্যাহাবিং গুলুরাং প্রাণিশি প্রদেশনে প্রাণাণনে বং ইদং ক্লংমাং জগৎ বিরোচতে প্রকাশতে ভং বিশ্বং ইত্যখনঃ। ক্লচ দীপ্রো। আত চ দিশলং পাদ্ধরোণতত্ম প্রাণিজাতত্ম বৌ খুবাং ঈশাণে ঈশ্বো ভব্দঃ। কল ঐশ্বো যে। চ ব্যাং চত্তাকঃ পাদ্ধত্মি প্রাণেত কলাপে। 'জ্বীগ্রাহিনাং কর্মণি ইতি কর্মণি বল্পী। ব্যা পাদ্বিয়া চৰ্বাঃ পাদ্

অতেতি বছত্রীহো 'সংখ্যাত্মপূর্বক' ইতি পারণকভাত্যলোগঃ। 'পানঃ পং' ইতি প্রাবঃ । ভৌ তথাশক্ষী নঃ সমানু সংহলঃ পাণাদু মুক্ষতং । (৪ফা - ৬ল-২৮ছ - ১ম )।

### विकोश।

ষরোর ভাগব উত্ত বদ্ দূরে ভিদ্ যৌ বিদিভাবিয়ুভূ ভামদিছোঁ।

যাবগ্যেশাৰে দ্বিপদো যৌ চভুস্পাৰজো নো মুঞ্ভমংহদঃ।। ২।।

भव भार्कः।

वर्षाः। व्यक्तिकश्चित्रः। केठा यरा मृत्या हिरा यो।

ी निक्टिको। इंयु॰ङ्ठाम्। चनिट्धी।

मः। मुक्कम्। **ज**रङ्गः। २ ।

বংগাং ভবাশক্ষেয়া অভাধের । অতি অধ্যমং অভাধ্যং। 'উপন্থাং অধ্যনং' ইতি আচু নমানাস্তঃ। নমীপদেশে। উত্তলক্ষা অপাৰে। নৃষেপি চ বং কিঞ্চিন্ অভি জয়োঃ প্রাণনত তং নৃক্ষাং নিবন্ন এবেতার্থা। বৌ ভবাশক্ষে বিনিতৌ সইব্ধাং প্রজাতৌ ইবুজ্তৌ ইবোরাণত ধুকুবি আবোলিভত ভর্তারো। অনিষ্ঠো অভ্তমো ক্ষেত্তমো। অভ্ৰকাং 'ক্ষেত্লানি' ইতি ইঠন্। 'জুরিটেমেনুস্থ' ইতি ভ্লোণাঃ। বাবতেলাবে ইভানি পূর্ববং । ২ ।

# তৃতীয়া।

সহস্রাক্ষা র্ত্তহণ। ত্বেহং দ্রেগবৃথ্টা স্তব্যেমুর্গ্রো।
বাবব্যেস্থানে বিপ্রেগ থেন চতুত্পদস্তো নো মুক্তমংহদঃ॥ ।।
স্বৰ্ধ—১০ (১৫) ২০-৩-২

गम-वार्डः।

मश्लरभामा द्वारहमा। इत्यः। चर्षः प्राप्तान्। हेडि प्रार्थि।

खनन्। अभि। উर्श्वी।

বৌ। অভ। ঈশানে ইতি। হিংপদঃ। বৌ। চত্যুংপদঃ।

्छो। सः। प्रकारा **मार्श्ता** । १

সহস্রাকৌ সহস্রদংখ্যাকামি অফীণি চক্ত্রি যরোঃ টো গহলাকৌ শর্কতো দ্বাণ্যারঃ দ্রক্তরাকৌ স্বর্জানিবর্মেশি অপ্রতিহন্দর্শনিবিন্ধেশি অপ্রতিহন্দর্শনিবিন্ধারঃ। 'বছব্রীটো শৃক্বাক্রোঃ' ইতি বচ্ শনাগারঃ স্বরহণা ব্রহণো ব্রহণ অনুষ্ঠা হত হত জা দ্রেগবৃত্তী। পাবো যুরতে মিন্তীভবন্তি শক্রের দির্মিত গবৃত্তিঃ পোনকারভূমিঃ। লা দ্রে বিপ্রকৃত্তি বরোভৌ দ্রেগবৃত্তী। গোণকার দেশাক্ দ্রগেশে বর্জনানিবিতার্জঃ। 'উতিযুতি' ইজ্যাদিনা অধিকরণে জিল্লভৌ বৃতিশকঃ 'গোগৃতো চক্লি' ইতি অব্ আবেশঃ। উলুশো ভবাশর্কো অহং হবে আহ্রানি কীলুশোছং। উল্লো উল্লোই তাবেব অবন্ প্রশংলন্নমী। ভো নেম ইতার্জ্ব বিভারঃ (নি০ তাহে০)। নেমঃ অর্জং বলং অপ্রতিতি নেমী। অলম্পূর্ণিল ইতার্জ্বা ভবরেনীতি স্মুলারভরোরের বিশেরগং। নেমিশকো র্থাবর্বণাচী। তেন চ ভর্জা লক্ষাতে। ভব্লিতি কর্মণি কর্জ্পাতারঃ। প্রশত্রধাবিতার্জঃ। অলত পূর্মণং। ০।

**८७**थी।

वानादत्रकारम नक् माकमर्थ थ हिनद्राष्ट्रियिकाः करनद्र।
वानरमाणारम विभएम। यो हिन्न्यार्थि त्या मूक् श्राह्मः॥ ॥
भन्मार्थः।

रधी। जारतचारव हेडावरतचारव। यह। नाकन्। जारा। था।

। हा देश चयाद्वेश चित्रचामा चरमदू!

(यो। जाना जेना(व हेलि। विश्वासा द्यो। ठलू: श्वासा द्यो। मा

प्र्≉ङम्। व्यर्थमः ३३।

তে ভবাপকোঁ। অত্যে স্টাাদোঁ বৌ ব্ৰাং বছলাকং বহুনাং প্রাণিনাং লাকং লছভাবোৰিনাৰ তদ্বছলাকং অনলক্ষ্য আরক্ষানে আরক্ষরে নির্দিন্ত বছলাকং অনলক্ষ্য আরক্ষানে আরক্ষরে নির্দিন্ত বিষ্টা তেকু উৎপরের অনেকু। ইছেনা অবধারণে। অভিভাগ অভিনীপ্তিং পঞ্জানিলকণাং তত্তৎপাণাক্ষারেণ মূপানের চাপ্রাপ্তাং প্রকর্মের ক্ষেত্র উৎপানিভবছোঁ। বানানে বিন্দু অভিভা নো অপত্তিং (১৯০১) চিত পরিহরনীরভ্রাবণাং অভিভাশক্ষরাচান্ত অনভিনতরগভোজা। অপ্রাইং ইতি। স্ক্রিন্ত্র বিদ্যানি কুলি তালিকা ক্ষিত্র ইতি অং আগনাং। বিদ্যানিকা তালিকা বিশ্বি হিছি আং আগনাং। বিদ্যানিকা বিশ্বি হিছি বিছয়। বিশ্বি বিশ্বি বিশ্বি হিছানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানি বিশ্বি বিভাগি পুর্বি বিষ্টানি বিশ্বি হিছানিনা বিষ্টানিনা বিশ্বি বিয়ালিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিশ্বিকা বিদ্যানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিষ্টানিনা বিশ্বিকা বিশ্বিকা বিদ্যানিনা বিজ্ঞানিনা বিষ্টানিনা বিশ্বিকা বিদ্যানিনা বিশ্বিকা বিশ্বিকা

# भक्षकी: ।

# माः। मूक्ष्ठम्। जरहनाः । «॥

ববাঃ ভবাশব্রোঃ বধাং। 'হনত বধঃ' ইতি করণে লগ্ প্রত্যো বধাদেশতা। হননসাধনাৎ আযুধাৎ দেবের লভঃ মধ্যে উত মামুবের মহয়ের চমধ্যে কতম কোণিং মাণপত্রতে উপবর্জনং স প্রাপ্তো ল্পি তু ভবিষয় এব ভবতি। বাব্তেশাথে ইত্যাঞ্চি প্রংঃ (৪কা—১ল-২৮-২ন)ঃ

1

বঃ ক্লডাক্সালকৃদ্ যাত্ধানো নি তিমান ধতং বজাসুরো।

যাবদেরশাথে ছিপালো যৌ চতুত্বসতো নো মুক্তসংহ্যা ।।

어무-이ঠ: 1

ৰঃ। কুডাহিকুং। মূলহকুং। বাজুহ্ধানঃ। নি। ভৰিন্। বভৰ্। বজৰু। উল্লোচ स्तो। चन्छ। जेनार्थ हेलि। विश्नवः। स्त्रो। हजूःश्नवः। स्त्रो।

नः । युक्तज्यः। जारहगः। । ।

বং শক্রং কুতাকেৎ কুতারা ক্রিয়ানির্কৃত্তরা শিশাচ্যা কুত্ততি ছিনতীতি কুতাকেং। বস্চ ৰাভুগানঃ রাক্ষনঃ স্লক্ত বংশাভির্ত্তের্লুলং নিলানং অপভাং কুন্ততি ছিনভীতি স্লক্তং। ভিলিলুভয়বিধে শত্ত্রী তে উপ্রেট উদাৃপিলেট ভবাশক্তেট বজ্রং বর্জকং আলুশং নি ধতং निक्रिनंतर । विवाद्य हेडार्वः । अञ्चर श्रृत्तवर । ( क्रवा-- ध्य-- ६५ ) ।

गलगो।

আৰি নো জ্ৰহং প্তনাসুগ্ৰো সং বজ্ৰেণে স্তৰ্ভং যঃ কিনাৰী।

জৌনি ভবাশর্কো নাণিভো জোহবীনি তে নো মুক্তমংহনঃ॥ १ ॥

পদ-পাঠ: ।

আৰি। নঃ। ক্ৰম্। পুতনাতা উল্লো স্মান ব্লেণা ক্ষতম্। ষঃ। কিমীদী।

ভৌৰিঃ ভবাৰকো) নাবিভঃ। ভোহবীমি। ভৌ। নঃ। সুক্তম্। অংহণঃ। গ

হে উপ্রৌ শঞাগুণবৃজ্ঞো হুপ্রগরী ভবাশকৌ নঃ শক্ষ্যাং পৃথি ক্রতং প্রেরেবিবর্কে পক্পাতেন বঢ়তং। পুতনাক লংগ্রামেরু বজেশ আর্থেন আমদীরান দকেন্ লং ক্রতং नংবোজরতং। यक किमीशे किः ইवानीः উৎপন্নং किः ইवानीः উৎপন্নং ইতি রক্তাবেনী विश्मादका जाक्याविक खनि चाह्र्यम् मेश्ट्याकृत्रकः। अवश्यक्ष्याद्यो खनान्त्रीः नद्य ध्योमि गत्तर वज्ञद ॥ ( १६१ - ६व - २५२ - १म ) ॥

(रेडि) पृत्रीतः एकः।

'বৰে বাং নিআবরূপে)' ইতি স্ফেক্ট উক্তো বিনিরোগঃ। 'নিআবরূপাভ্যাং আপো-মুপ্রভাং পরত্যা' ইতি ( হৈ • লং • গাঙ ২২।১ ) বিহিত্ত মুগার্ছবিবো নিআবরূপে) দেবজে। ভরোঃ ভাবকং এতথ স্কুং॥

### **एक शक्ता**।

मध्य वार मिळावक्रगाञ्च । ग्रह्म वार मिळावक्रगाञ्च । मध्य वार मिळावक्रगाञ्च । मध्य वार मिळावक्रगाञ्च । मध्य वार मिळावक्रगाञ्च ।

थ निर्धावनिम्बर्गा ज्याम् एको त्वा मूक्कमःहनः॥ ।।

어무-이 : 1

नरव। वाम्। मिळावकरणी। चण्डश्वरणी। नश्टाज्याणी। क्ट्रवरः। स्थी। ऋरवरथ हेकि।

वा नडाश्वानम्। जनवः। उत्तर्। त्री सः। म्कडम्। जारहाः। > ।

### বিভীয়া।

শচেত্রগে ফ্রেহ্রণে পে শুনেৰে প্র-সভ্যাবানমব্ধে ভরেন্তু।

থে গছেখে। নৃচক্ষে ব্ৰুণ। হুছে । তে ন। মুক্তমংহ্মঃ।। ২।।

### 어무-이 %

(यो। शम्ह्यः। न्रहक्त्रःसो। क्ष्म्यः। प्रचम । टोः।

महो। मूक्कम्। व्यरहनशासा

সংচতলো স্থানজানো একাবকারিণো হে মিজাবরুণো যৌ বুবাং ক্রহ্মণং লেছুন্
ছাদেশে সভাবতাং চ ভারেছু সংগ্রামেরু প্রাণণ প্রক্রমণ । নুচক্ষণো নৃণাং সঞ্চারো সমান্
জ্ঞীরো। অংহারাজাভিমানিনো হি মিজাবরুণো তক্ত ক্রিয়মণত মাতুষব্যাপারত সর্বাগন্ধ
লাক্ষিণাবিত্যর্বাঃ। উদ্ধান যৌ মিজাবরুণো শক্তা বক্রবর্ণেন পীতবর্ণেন রগানিয়ানেন ভুড়ং
অভিবৃত্তং লোমং গাছতঃ প্রাপ্তাঃ। নুচক্রমাবিতি। চক্রের্থনি 'অস্বরোগ্ড' ইার
ব্যাব্যাধেশভাবঃ। তেটা ন ইত্যানি গভংঃ (৪কা— ৬ক—২৯ত্—২ন)।

# कुकोश।

্বি কশ্যপ্ৰবংখ যে। বিশিষ্ঠং ভৌ নে। মুঞ্চলংহণ:। ৩॥

**ગ**ય- ગાર્ઝઃ ।

(तो। व्यक्तित्रमम्। व्यवशः। त्योः व्यवश्चिम्। विद्यावक्रणाः।

। सन्दर्भविम्। मखिम्।

ी | दरोः। क्ष्णभन्। व्यवसः। दरो। कनिर्दन्। दशो।

मधाः प्रशास्त्र भारत्मा ॥

অলারেত্যা আতো মহর্ষিরজিরাঃ। 'থেলারা আনংডেলিরগোভবন্' ইতি বি আলাণং ( ৯০ আ০ ৩০৪)। এতৎসংজ্ঞা মহর্ষিং হে মিয়াবরুণো বি) মুবাং অবধার রুক্ষণঃ। যে চু বুবাং অগজ্ঞাং কুজনতবং আজীরুং পুরুং রুক্ষণঃ। উক্তং হি। 'মিলাবরুপরোলীকিত-রোরুর্কানীং অপ্যরণং সুট্বা বাণতীবরে কুজে রেতোপতং। ততোসভাবনির্ভালারেতাং' ( ল০ অ০ ১২ ) ইতি। তবা অমন্বিং অমন্তঃ অল্লারা বছ ল তথোজ্ঞাঃ। এতৎশংজ্ঞাং মহর্ষিং। অজিং মান্ত্রশিত্রাজ্ঞানছারিবিধা লোষা ম সন্তি আলিমিতি আলিঃ। তলাৎ অলিমিত আলিঃ। তলাৎ অলিমিত আলিঃ তলাং আলিমিত আলিঃ। তলাৎ অলিমিত আলিঃ তলাং বিলুলাং (মি০ ৩)১৭)। এতৎশংজ্ঞাং মহর্ষিং অববাঃ। বৌ চ বুবাং কল্পণং দুরস্ক্রানিতেশভিম্নভাশি রুৎস্বভ অগতো জ্ঞারং। 'কল্পণং পশ্রকো তবতি। বং স্ক্রিং পরিশ্বভালি। বৌ চ বিনির্ভা বিত্তি হি তিত্তিরীয়কং ( ডৈ০ আ০ ১৮৮৮ )। কল্পণাধ্য মহর্ষিং অববাঃ বৌ চ বনির্ভা বিস্কৃত্রমং। বসুমান্ত্রনাল্ ইর্চমি 'বিন্মতোর্ক্'। 'টেঃ' ইতি চিলোপাঃ। পর্কার্জেং বনির্ভাগ্ন মহর্ষিং রুক্ষণঃ। তৌ ম ইত্যাদি গতং । ০র

# हरूर्थे।

যো স্থানাখনবলে বপ্তাখং নিজাবরূপ। পুরনীচ্নজিম।

। । । । । ।

যো বিনদ্ধবৰঃ সপ্তবিধ্রিং তের নো মুক্তনংহণঃ॥ ।।

भन-भार्ठः ।

यो। श्रावरणप्रम्। ज्वयदः। विधरणप्रम्। मिळावक्रणाः। श्रुक्रश्मोहम्। प्रजिन्।

(य)। विरुमनम्। व्यवसः। नश्चर्याः अस्ति। तिरुमनम्। व्यवसः। नश्चर्याः ॥

क्षांवाः क्रिना ज्या यक्त क्षांवायः। क्ष्यर्थः विषर द्व (भिजावक्रमा) विजावक्रमां यो युवार ज्या दक्ष्यः। व्यापः। व्यापः भक्षा ज्या वक्त व द्यापः। कर ह दक्ष्यः। क्षा भूक्ष्मीहरः। भिहर वनमामः। भूक्षि भोहानि वनानि यक्त न क्षांवाः। कर ह दक्ष्यः। क्षांकाः क्षांकाः क्षांकाः। भूक्षि भोहानि वनानि यक्त न क्षांकाः क्षांकाः व्यापः विद्यापः। क्षांकाः क्षांकाः। वर जांव जांगकाः। 'जांकाः अवस्थाः विद्यापः नवांक। विवोवाः क्षांकाः। वर जांव जांगकाः। 'जांकाः अवस्थाः। विद्यापः कष्यापः। विवोवाः क्षांकाः। (जांभिः भ्रावाः) हितः। क्षांकाः। व्यापः जांवाः। व्यापः विवादः। व्यापः कष्याः। व्यापः। व्यापः कष्याः। व्यापः। व्य

**शक्यो**।

প্রে ভরমাজনবংখা যৌ গ্রিন্তিরং বিমানিত্রং বরুণ নিত্র কুংসম্।

যৌ কক্ষীগন্তমণশং প্রোত কর: তে নো মুঞ্চমংহশ:॥ ৫॥

পদ-পাঠঃ।

। । । । । । । । । । । । । বুলি বুল বিখামি এব । বুল । নি আ । কুং পদ্।

তে মিঅ তে নক্ষণ বৌ ব্বাং ভর্ঘাজং। ভর্থ পোর্কং বাজো হবিল ক্ষণং জন্নং বছ দ্
ভর্মালো মহর্ষিঃ। তং অবণঃ রক্ষণঃ। বৌ বুদাং গবিষ্ঠিরং পৰি বাতি বেদাল্লিকান্নং ছিনে
গবিষ্ঠিরঃ। 'থিবিষ্থিভাগে ভ্রেঃ' ইতি বহং। 'তৎপুক্রবে ক্রতি বহুলং' ইতি জলুক্। এডংলংজ্ঞং বহুর্ষিং রক্ষণঃ। বিশ্বামিত্রং বিশ্বং কুংসং জগৎ মিত্রং যুগ্ত লুক্ষণদান্তোদাভ্যং।
ভবা কুংলং বহুর্ষিং ত রক্ষণঃ। কক্ষাবাং। বিশ্বং দংভ্যানাং' ইতি পূর্কাপদান্তোদাভ্যং।
ভবা কুংলং বহুর্ষিং ত রক্ষণঃ। কক্ষাবাং। আছে কক্ষান্তোভ্যাভ্যালিভ্যাল

वष्टी।

যৌ নেশাভিধিন গ্ৰা বো ত্ৰিশোকং মিত্তাৰক্ষণাৰুশনাং কাব্যং গো।

ে বে পোড্মুকবণ: প্রোভ্যুকালং ভৌ নো সুক্তমংহণ: ৮৩।

भष-भार्ठः ।

া । বৌ। মেৰহণতিনিন্। আৰণঃ। যৌ। ত্ৰিছলোকন্। বিভাবকুণো।

> हेननाम,। काश्यम्। त्यो। -

যৌ। গোভনম্। আৰণঃ। এছ। উভ। মূলালং। ভৌ। मः। म्कडम्। जरहनः। ७॥

एक भिकानकारणी (यो पूर्वार स्माणिविश । स्माणिविश्याणिविश हेणि निकछन्। समा মজ্জার্ছা অভিগরে। যদিন ভং বেশভিধিনংজ্ঞং অবিং অবশ্য রক্ষণঃ। যৌ চ বুনাং ( ত্রিশোক্ষ ) खिलाकांशेर विवर तक्कवा। कावार कत्वः शुख्य छनमार छन्ननः। हाम्मनर बायुर। এতংসংজ্ঞং মহর্ষিং যৌ মিজাবক্সণৌ রক্ষণঃ। তপা গোত্তমং শ্ববিং উত মুদ্দালং মুদ্দালখাং চ खारवः श्रीक्रवः । (ठो न हेलांकि गल्र । (वका - ७ म - २०ए--७म् ) ।

### मध्यो ।

ষয়ো রুথ: সভ্যবস্থ জ্বিশির্গি চরন্ত সভিয়াতি স্বর্ন।

। । । । ।

ভৌমি মিরাবরুণো নাধিতে। জোহবীমি ভৌনো সুক্তমংহণ:॥ ৭।

### भष-भाष्ठ<u>ः</u> ।

যয়োঃ। রখঃ। লভাছবর্মা। ঋজুৎরক্ষিঃ। মিথুয়া। চরক্তম্। সভিছয়াভি। দূবলৰু।

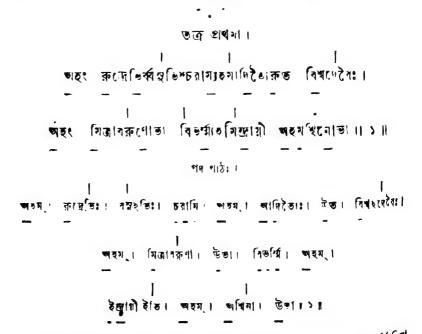
(खोमि। मिलानकर्णी। नानिकः। (बाश्नीमि। (की। मः।

# ী মুক্তম্। অংহদঃ। १।

যায়োঃ মিত্রাবক্ষণরোঃ অভূতো রখঃ গভাগস্থা লভাং অবিভগং বছা মার্গো বছা ল লভাবন্ধ। ঋজু গশা: অংজবঃ আৰক্ষিণারশাল: প্রপ্রহায়ত ল অংজুরশা:। এবংগুণবিশিটোরণ: নিপুর। মিখা। চরস্তং অব্বহিত্মার্পেশ বর্জমানং পুরুষং ল্বছন বাধমানঃ। ছব বৈক্তো। আমাৎ ণাত্তাৎ হেতো পভ্পতার:। 'লোবো পৌ' ইতি উবং। দুবণাদ্বেতোঃ পভিযাতি পভিমুধং গছতি। তৌ মিকাবরুণো ভৌমি প্রশংলামি। মিকাবরুণাবিতি। 'বেবতাম্বন্ধে চ' ইতি উভয়পদপ্রক্লাভস্মরন্ত্র। নাবিত ইভ্যাদি ব্যাধ্যাতং । (৪কা---৬স - ২৯ ৮ - ৭ম )।

# (३७) ह्यूर्य एकर ।

'অহং রুদ্রেভিঃ' ইতি ইস্তেন জাতকর্মণি শত্তাপুলিকাপুলিকে ণিট্ট অভিমন্ত্রা হিরণ্ড শক্ষেলম প্রাণ্ডেং। তথা ভবৈশ কর্মণি জনেন ইস্তেন শত্তানাভিং গির্মণীং চ শিট্টা অভিমন্ত্রা হিরণাশকলেন প্রাণ্ডেং। তথা মেণাজাননার্থং প্রথমং বাধাবহারং ক্রেডাঃ শিশোর্মাতুরংশঙ্গে বিহিত্ত জনেন হস্তেন আজাং ভ্রা ভালুনি দম্পাহান আনহেং। তথা উপনয়নক্রণা দিশুং প্রাণানার রং এতং হস্তেং মাণ্ডকং বাচ্ছেং। তথা আয়ুদ্ধ্যোপি শত্তাপুল্পানার রং এতং হস্তেং মাণ্ডকং বাচ্ছেং। তথা আয়ুদ্ধ্যোপি শত্তাপুল্পানার ক্রাণ্ড কর্মাণ ক্র্যাং। তথা চ কৌশিকং হ্রং। 'অহং রুদ্রেভিঃ বিভি শুক্রপুল্লহানি গঞ্চ কর্মাণ ক্র্যাং। তথা চ কৌশিকং হ্রং। 'অহং রুদ্রেভিঃ বাচ্ছি। প্রথমপ্রথমত মাতৃকণত্বে ভালুনি সম্পাতান মানয়তি। দ্বিমধ্বাশহতি। উপনীতং বাচ্ছতি। বার্মশভিকং কর্মণ ইতি (কৌ৽২১)। তথা উপনয়নে অনেন ইস্তেন্ধ আলাভাব্যাং ক্রিণাং। হৃতিত চ । 'উপনয়নং' (কৌ ৭.৬) প্রক্রমা 'মেণাজননায়ুর্ডের্জ্বয়াংণ ইতি (কৌ৽৭৮)। তথা অণ্যায়োংগর্জনকর্মণি অনেন হৃত্তেম আলাং ভ্রা রণের সম্পাতান আনহেং। তথা চ কৌশিকং। 'উৎসর্জনং' প্রক্রমা 'বিশ্বে দেবাঃ ' ১৷০১) জহং ক্রেডিং ( ৪৷০১০) কিংবে ব্যাত্রে (৬০০৮) যশো হবিং (৬০১) 'ইত্যাদি। (কৌ ১৪০)।



দক্ষেণ্ৎকল্লনাম্পাৰ গজিৎস্থাত্মকং পারং ব্ৰহ্ম স্বাত্মিন নিমুখী অস্তৃণাপাস্ত মহাৰ্ধি বিভাগিনী বাত্মান্য কৰি আহি লাগেনে তৃষ্টাৰ। তৎ উক্তং লাগত মানুকারাং। তিত্ত আহি । বিভাগিন স্বাত্মান কৰি বিশ্ব কৰ

কুট্র: একানশভিঃ অইভির্মন্তিঃ। ইথংছানে তৃতীয়া। ততদেনাখনা চরামি। এবং অহৎ
আদিতাঃ ইভাগাবিশি যোজাং। আদিতা বাদশশংখাকা ধাঞাদয়ঃ। বস্কুলাদিতাবাতি
বিক্তা গশলো বর্ত্তমানাঃ বিশ্বদোধাঃ। একটেখন হি ব্রহ্মণঃ তত্ত্বণাধানজেলেন বস্থাদিদেবতারপেশ ভেলাবভাসাং। বস্তুভস্ত ঐকামেবেতি তদকুসন্ধানা ব্রহ্মণালনী এবং ব্রত্তো
তথা মিঞাবক্ষণা। 'মুপাং অলুক্ ' ইতি বিতীয়ায়া আকারাঃ। মিঞাবক্ষণা দেবো উভা
উভৌ অহমেক পরব্রহ্মাত্রিকা বিভার্মি ধার্মামি। ইন্দায়ী লশি অহমেক ধার্মামি। উভা
উভৌ অহমেক পরব্রহ্মাত্রিকা বিভার্মি ধার্মামি। ইন্দায়ী লশি অহমেক ধার্মামি। উভা
উভৌ অবিনাবশি অহমেক শার্মামি। মংকর্শে অবিভীয়ে ব্রহ্মণি স্থাতি
ব্রহ্মণঃ উক্তেল ক্রিপোণণাতিঃ। (৪কা ভ্রমণ ভ্রমণ ২০০২ - ১ম)।

তাম\_। সা। দেবকি। বিঃ অবনধুঃ। পুরুহজা - -- --| | ভুরিহস্থালাম্। ভূরি। অবাহবেশয়ঝঃঃহ।

শ্বিষ্ঠার ক্রাবিকা অহন র ঞা। ঈশরনাগৈতং। কুংলার দুখা প্রণক্ষত হাজী নিয়নী।
আত এন নন্দাং গ্লানাং নাগ্রমনী সঙ্গায়ন্ত্রী উপাসকালাং ফলার প্রাণায়িন্ত্রী। কিক জানে ইত্যাধার
বং গাক্ষাংকর্ত্রাং পরং ব্রহ্ম তৎ জাতনতী স্বায়ত্রা গাক্ষাংকৃত্রতী। কিত জানে ইত্যাধাং
বিটিং করু:। তদন্তাং 'উগিত-৮০' ইতি গ্রাপ্। অত এন মজিয়ালাং মঞ্জহিণাং দেবালাং
প্রথমা মুগা।। 'মঞ্জিনি গ্লাং ব্যক্তি।' ইতি শহার্বে মপ্রভাগঃ। তাং তাদৃশীং সা মাং
প্রিছান্তাং মন্ত্রাকর প্রণক্ষাত্রনা কুতানছালাং ভূবি নন্দাং কলং আনেশারন্তঃ উপাসকাল
প্রাণায়ন্ত্রো দেবাং প্রকৃত্রা নন্ধ্য স্থানের বারষ্থা নিদ্ধতি ক্র্যান্ত্রা 'দেবমন্ত্রপুক্ষব্রুক্তি দেকাজক্রশ্বিষ্ঠাবেশ ক্রেক্ত্রিভার্ষঃ। উক্রপ্রকারেন নৈশ্রেণ্যে অবস্থানাদ্ মন্তং ক্রেভি দেকাজক্রশ্বিষ্ঠাবেশ মুক্তি ভার্মঃ। উক্রপ্রকারেন নৈশ্রহণ্যে অবস্থানাদ্ মন্তং ক্রেভি দেকাজক্রশ্বিষ্ঠাবেশ মুক্তি ভার্মঃ। উক্রপ্রকারেন নেশ্রমণাণ অবস্থানাদ্ মন্তং ক্রেভি দেকাজক্র-

# क्छीमा ।

मः कामता ७९७मूबाः कृत्यान छः बक्तांगः छत्र्विः छः स्रत्यमात्र्। ।।

**१५-१७:**।

অহম। এব। বল্প। ইল্প। বলাম। জ্ট্ৰ। দেবানাণ। উভ। সাজ্বাণাণ্।

য ব্যাকাময়ে। তম্হতম্। উতাৰ্। কুণোমি। ভন্ একাণেন্।

खम्। अस्मि। छम्। ऋश्रमशम्। ७.s

অহং অনুমেক আত্মনিক। (একলার।) নাজোতি লমাপনেটেত অবধারণার্থ। ইনং আপরারেকাশ অফুরুমানং ব্রহ্মাআকং বন্ধ বদামি লোকহিতার্থং উপদিশামি। তং বিশেষতো দেবানাং ইন্দ্রাদীনাং জুইং প্রিয়ং উত্ত মাজুবাণাং মজুবাণাথাকি প্রিয়ং পরানন্দরণহাং। 'এততৈ ব্রন্ধান্ধ অভ্যানি জুতানি মাত্রাং উপজাবস্থি' ইতি আতে: (বৃ॰ আ।• ৪।১।০১)। ফা দেবমজুবাদিছি: দেবিতং ইনং বক্ষামানং মদীয়ং মাহাআং অহুমেব অন্তং বদামি। প্রকট্রানীতার্থ:। কিং প্রতং ইতাহা । বং ইতি। যং কামরে। ভন্তং ইতি প্রতিনির্দেশ বীক্ষিত্বাদ্ অত্রাণি বীক্ষা দ্রইবা।। যংবং পুরুষং রক্ষিত্ব অত্রানির্দ্রেশ ব্রেমাম। বহা উত্রং ক্রামা। ক্রাম্বাণ-ল্যান্থ উত্রং ক্রোমা। তথা তহ আহি। ক্রম্বাণ-ল্যান্থ করেনান। তথা তহ আহি। ক্রম্বাণ্ডান্থ ব্রামাণ্ডান্থ ব্র্বাপ্তর্ব্বাপ্তর্ব্বাপ্তর্বানিন করেনান। তথা তহ আহি। প্রক্রমাণ্ডান্থ ব্র্বাপ্তর্বানিন করেনান। তথা তহ আহি। প্রক্রমাণ্ডান্থ ব্র্বাপ্তর্বানিন করেনান। তথা তহ আহি। প্রক্রমাণ্ডান্থ ব্র্বাপ্তর্বানিন করেনান। তথা তহ আহি। প্রক্রমাণ্ডানির করেনানি। তথা তহ আহি। ব্র্বাপ্তর্বাপ্তর্বানিন করেনানি। তথা করেনানির করেনানিনির করেনানি। তথা তহ আহি। ব্রাপ্তর্বাপ্তর্বানির করেনানিনির করেনানি। তথা করেনানির করেনাপ্তর্বানির করেনানিনির করেনানিনির করেনানির করেনানির

ह्यूर्थी।

ময়া গোৰণতি যে বিশশুতি য় প্রাণতি ব ঈং শুণোত্যকর।

অবস্তবো নাং ভ উণ কিয়ন্তি তাৰি তাৰ আছে বে বদানি।।।।।।

**भग-भा**र्वः ।

ाः । सर्भा नः। चत्रभ्। चिष्ठा यः। विश्लक्षेठि। यः।,

> । আংশ্বি। যঃ। ঈশ্। শুণোভি। উক্তয**্**।

অন্তবঃ। নাম্। তে। উপ। কিয়ন্তি। আপুরি। আক্তন

अक्षेत्रभू। (छ। बक्षामि।**८**।

বো ভোক্ত্ৰন: আনং অভি দ ভেক্ত্ৰভিক্তেশ্যা মবৈৰ আনং অভি । বন্চ আন্দি বিপশ্যতি বিবিধং জগৎ চকুবা লাকাংকরোতি। বন্চ প্রাণিতি খালোক্লাণারিব্যাপারহ করোতি। জন প্রাণনে। জনানিবাং শপো স্কৃ। 'ফ্লানিভাং লার্মধাতুকে' ইতি-ইড়াগমঃ। 'জনিতেঃ' ইতি গবং। ঈং ইনং উন্তং ব্রুলাং বন্দ পদ্বা প্রোভি শ্রোফ্রিক্রেণ্ গুহুতি তে দর্মেণি ভন্তভক্ত্যাত্মনা অবন্থিত্যা মবের ভন্তব্যাপারং কুর্ক্রীভার্বঃ। শুণোভীতি। শ্রু শ্রুবং শুচ' ইতি শ্রুপ্রভায়ঃ থাভাঃ শৃভাবশ্য। যে ঈদুণীং অন্তর্যামিরপেণ ছিভাং মাং ন জাননি তে মাং লমন্তর্য লমন্ত্রানা জ্ঞানানাঃ মহিব্যুজ্ঞান-রহিতাঃ উপ ক্রিন্তি উপক্রীলাঃ সংলারেন নিহীনা ভবন্তি। মনেরৌণানিক্তপ্রভারঃ। নঞ্-শ্রাসেন অভ্যোলান্তবং। বহু শ্রুত বিশ্রুত হে দলে শ্রুবি মন্ত্রা বছরীকৌ 'নঞ্-বুভাাং' ইতি উত্তরণদাজোনাতবং। হে শ্রুত বিশ্রুত হে দলে শ্রুবি মন্ত্রা উক্তং শুরু। ছান্দলো বিকরণনা শুকু। 'শ্রুপুণুকুরভাঃ-' ইতি হেছিভাবঃ। জহং তে ভুডাং শ্রুছের শ্রুছাইবাং। শ্রুছা উলিঃ। তয়া প্রাণ্যং পরভন্তরূপ্র ক্রামি উপদিশামি। শ্রুছেরং ইতি। 'অচো যং ই'জ,

शक्षात्री।

### পদ-পাঠঃ।

আহম্। অংকাল। সহমদৰ্। ক্ৰেণিমি। অংহং। ভাৰপেণিৰীইভি । আং। বিবেশ॥১॥

পুরা অপুর নিজয়লময়ে ক্রায়। ষষ্ঠার্থে চতুর্থী। ক্রন্ত মহাদেশস্ত ধৃত্যু আচং আব জনোমি আভতজাং করোমি। কিমর্থং। রেকালিষে রাকালনাং স্বেষ্ট্রে লরবে। শৃ হিংসালাং আবৃত্বিহীত্যাদিনা (উ০ ১)১০) উপ্রভায়ণ। হিংসকায়। উভয়য় 'ক্রিরাগ্রহণং কর্ত্বরাণ ইতি কর্মণং সম্প্রদানতাং (চতুর্থী)। রক্ষিলিষং শরুং অপুর নিবাসিনং অব্বর্গণং ১৯৫৭ হত্তং হিংগিতুং। •স্তেঃ 'কুমর্থে দেসেন্-' ইতি ভবৈপ্রভায়ণ। 'অনশ্চ ভবৈ যুগণং' ইতি আভতমের্য্গণেশ্ উপাতত্থ। উপকঃ প্রণা। অসমের জনায ভোত্তলনার্থং দ্যাধা শ্রামং মাল্রস্তামিরিতি দ্যাং শংগ্রামঃ। তং কুশোমি ক্রোমি। তথা ভাবাপ্রিণী ভাশপুর্বিবেনী অহং আ বিবেশ অভ্যামিষ্টেন প্রবিষ্ট্রিতী। (৪কা—৬ল –৩০ছ - ৫ন)।

# वशी।

শহং দোমমাহনশং বিভর্মাহং ভক্টারমুভ পূদণং ভগ্য।

আহং দ্ধামি দ্ৰিণা হৰিলতে হুপ্ৰাব্যাত্যকমানার হন্ধতে। ৬॥

अप-भाष्टः।

•। । । । জহিশা। জহিশা। জহিছে। জুঞাং জাবা। যুক্তে। গুঞানায়। সুক্তে। গ

আহনসং আহতবাং অভিবোহনাং লোমং যথা শক্রণাং আহতারং দিবি বর্ত্তথানাং দেবতাআনং লোমং অহমেন বিভাগি ধারয়ামি গোব্ধামি বা। তথা আইবিং উত অণি চ পুৰণং ভগং চ এতংসংজ্ঞান দেবান অহমেন বিভগি। তথা হবিস্থাতে হবিভিন্নিজায় লুপ্রাবো শোভনহবিভিন্নিবানাং প্রাবিত্তে তপিছিতে। অবতেন্তপ্রিণার্থাৎ অবিত্ত্ত ভিন্তাং (উচ্তাস্থানি তথা ইতি উলারপ্রতায়া। চতুর্থাক্রচনে বলি 'উলাভ্যারিত্রোর্যাগাঃ অরিতোর্গান্ত কি

নিভক্ত লোভতং। ঈদুশার স্থমানায় দ্বিলং ধনং যাগফলরূপং অব্যেব দণ্চি প্রসংহামি।
কলং অভ উপপতেঃ (বাং থাং ৩৮) ইভি ফ্রায়েন পর্মব্রমণঃ ফলদাভূহত নিশীভহাৎ। ৮ /

আহং প্রে পিতর্থা মূর্দ্ন মম যোনিরপ্র জ্ঞান সম্দ্রে।

ভিজে বি ভিতে ভুবনানি বিখোতামূং প্রাং বর্মাণোপ স্পৃণামি।। ৭॥

পদ-পাঠঃ।

আহম্ ভবো পিতর্গ আছা মূর্দ্র মম।

গোনিঃ। অণ্ড্রা অভ্যা স্মৃণ্ডা

তভঃ। বি। ভিডে ভুবনানি। বিখা। উভ। ক্র্ম্।

ভুক্ন ব্যানি। ব্যানি। বিখা। উভ। ক্র্ম্

অন্ত দুখ্যনিক প্রথক্ত মুর্ক্ন মুর্কান উপরিজাগে সভালোকে পিছরং প্রণক্ত কারকং বিধানারং অংশ হবে জনয়াম। বৃদ্ধ প্রাণগর্ভবিষোনন। আনাদরাং অংশ। লুক্। অইন্থতি লাহত লারণভূতায়া মম যোনিং কারণং গম্রে। সমুৎ দ্রবজ্ঞ আলাং ভূতজাতানীতি গমুদ্র: পরমায়া। 'প্রুল্জ একলা বল্ধ শম্রে। যোনিং' ইতি বাজসন্মকক্রা সমুক্তলক্রার্থ পরমায়া। 'প্রুল্জ একলা বল্ধ শ্রুলা যোনিং' ইতি বাজসন্মকক্রা সমুক্তলক্রার্থ পরমায়াল লার্লার অলগে আলাক্র মধ্যে বর্জানিভক্তং তৎ মম কারণং ইতার্থা। যথা সমুদ্র জলগে আল্মু-উপকের অল্প মধ্যে বাজ্ববৈদ্যভ্রতিশেল যথ তেজাে বর্তি ভিলেব মাগ্যমিকবার্গ লায়াম ম যোনিং কারণং। ততঃ তেজাকারণকরাহেছাে বিশা বিশ্বানি প্রাণি ভূবনানি ভূতজাতানি (বি) চটে প্রকালয়াম। উত আশি চ আমুং লাং বিশ্বরারীয়ে কিবং। উপলক্ষণ এতং। এতরণালাক্ষণ রুদ্মে অল্পা আগারং বিকারজান্তং বর্মাণা পেত্রে কারণভূতমায়াল্মকেন উপ স্পৃণামি। যথা অল্যু ভূগোক্ষা মুর্কান ইপরি পিতরং আকালাণ। 'ভৌগোলা পুলিবী মাতা' (তৈও আভিত্রিশ মাত্রা ইতি আভো:। সুবে প্রেরয়ামি। তথা গ্রুলে অস্তরিকে অসম্মু অবিকারেই বেশবরীরের ম্ম কারণভূতং ক্রের ব্যাণা বর্তে ছ ইতার্থা। শেবং পূর্ববিধ ন ৪

# जाकेशी।

অংবের বাভ ইব প্র বাষ্যারভ্রমাণ। ভূবনানি বিশা।

। । পরো দিবা পর এনা পৃথিবৈয়ভাবতী মন্মা সং বভ্ব॥৮॥

পদ-পাঠঃ ।

। । আৰহম্য আৰুবা বভিঃংইবা এছা বামি। আছাহরভযাণাণ ভূবনানি। বিখায়

পর:। দিবা। পরঃ। এনা। পুশিবা। এতাবতী। মতিয়া। শন্। বস্তুব ।৮।

বিশ্বা বিশ্বানি দর্ম্বাণি ভূবনানি ভূতভাতানি কার্থাণি আর্তমাণা কার্থারণেণ উৎপাদ্যন্ত্রী আহ্মেব অন্তর্গতারা বাম প্রবর্তে। বা গাঁতগদ্ধময়ো:। অলাল্বাং দণো লুক্। তর স্থুইন্তে: বাত ইব। বথা বারুং পরেণ অপ্রেরিতঃ স্বেন্ড্রৈণ প্রবাতি তবৎ ইতার্থ:। উল্লেখ্যারাং নিগমন্ত্রতি উত্তরার্ধেন । পরেন দিবা । পরস্ ইতি সকারাস্তং পর্মাৎ ইতার্থে কর্তে। যথা লব ইতি অবজান্থে। তত্তোগে চ তৃত্রীরা দর্শব্র কুপ্ততে। দিবা আকান্য পরতাং প্রনা 'থিতীয়াটোস্ম্বেন্য' ইতি ইবং এনাদেশঃ। 'লুপাং প্রকৃত্ ইতি ভূতীরারা আচ্ আল্পেন্য। অভাই প্রবিধাণ পরতাং পরতাং নির্মাণানি ভিণলক্ষণ। এতত্পলক্ষিতাং শ্রমাৎ বিকারভাবি পরতাং বর্ত্থান, অন্তেলাগানীন ও্টিন্ত্রক্ষাইচতক্তরূপ। অবং মহিন্না নাহান্মোন এতাব্রী লং বর্ত্থা। এতৎপরিমাণা উন্পার্জন প্রকালস্ক্রামা । এতচ্ছক্ষাৎ 'যভদেতেভাঃ ' ইতি বর্তুপ্। 'আ শ্রমান্ন' ইতি আন্ধ্রে । (৪কা—১ক্স—৩০ ৮ ৮) ।

### (हेकि) शक्षमः श्रुक्तः।

### हेलि नावनाठर्यावित्रिक्टिण व्यथ्यत्यमार्यश्रकार्य याष्ट्रीकृताकः ।

লপ্তবেছ বাকে পঞ্চ স্ত্রান। তার 'ব্রা যতে।' বিশ্ব মতে' ইতি স্কর্বর অপরনেন্নে। 'র্বা বিশ্ব লেনে নিরীক্ষমণে। অপেন। তথা আন্তাং স্ক্রান্তাং ভাকপালান নৌর্রণাশান্ত আন্তর্গাল পরদেনালকারস্থলের প্রক্রিপেং। তথা জরপরালর্বিজ্ঞান কর্মণি শর্ভণানি লেনখোর্মধার নিষার আন্তাং অভিমন্ত্র আক্রেণার্ননা বহেং। বাং লেনাং ধুনো ব্যায়োভি ভক্তঃ পরাজরো ভবভীতি বিজ্ঞানীরাং। স্থান্তেই হি। 'বরা নত্রো বিজ্ঞান মত্রো ইতি লংরম্ভণানি লেনে ল্যীক্ষমণে। অপতি ইত্যানি 'বাং ধুনোবতনোভি তাং আর্থি ইত্যান্ত (কেই হঙ্কা) এব্যক্তে 'বরা মত্রো' বিজ্ঞান্ত হি ভাকারক্র ছবিরাজারোছোনং প্রিল্পানং উপস্থানং চ ক্র্রাং। তল্ উক্তং পাত্তিকরে। 'বরা নত্রো বিজ্ঞানকর্মান্ত বিজ্ঞানকর্মান্ত বিজ্ঞানকরে। 'বরা নত্রো বিজ্ঞানকর্মান্ত বিজ্ঞানকর্মান্ত বিশ্ব বিজ্ঞানকর্মান্ত বিশ্ব বি

कत ध्रमा।

क्शा नरका गरममाझकरका वर्षमाणा क्षिकारमा मक्रकन् । ভিন্মেণৰ সারুণা সংশিশানা উপ প্র বস্তু নরো সরিরপ!:॥ > ॥

જવ-**લાઇ**ટ ા

মলাঃ ক্রোখাভিমানী বেবঃ। ম্লুম্মিগ্রভঃ কাজিকর্মাণঃ ইতি নিকুলং ( নি॰ ১০/২৯ )। (र मत्त्रा चत्रा नागरन नत्रथर तननाग्छर नक्तर वाक्रक्त चाक्रका श्रीपृत्रचः। वाक्रवाह । লরবং ল্যানং রবং আরুত্ত রক্ত ইতি (নি॰ ১০।৩০)। রুজে। ভলে। তুলাদিছাৎ শঃ ঃ वर्षमानाः खरेाः क्रविकानः क्रविकाः नक्षालत्त्राचाः कित्यावर्षः जीक्ननत्राः चावृता चावृतानि গড়সালীন লংশিশানাঃ দংখ্রস্তীক্ষীকুর্মন্তঃ। শো তন্করণে ইতামাৎ ছাল্লখ লিটঃ কানচ্। এণজুতা অখদীরা নর: নরা: ছে মরুখন মরুছেগৈর্ছাক্ত খংপ্রদাবাৎ অগ্নিরুণাট অরিবং মুম্প্রা উপ এ বছ শক্ষ্র উপসক্ষর। অরিবং উপপ্রাপ্য দহত ইতার্ব:॥ ১॥

বিভীয়া।

ংখায় শত্ৰন্ ৰি ভক্ষ বেদ ওজে। সিমানো বি যুগে তুগৰ ৮২॥

আবিঃহুইব। মজোইডি। বিবিতঃ। সহব। দেশছ্মীঃ।

भष-भाठेः।

মঃ। সহয়ে। হুডঃ। এবি।

इकारा भक्कना दि। क्षण्या दिनस्य छक्षः। त्रिमानः वि। सुनः। जनवार्ध

444-62 (35) 28-0-02

হে মন্তো অগ্নিরিক বিবিভঃ প্রাণীপ্তঃ লম্ লছর শত্রন্ অভিতর। হে লছরে লহননীল।
ক্ষাহেঃ ঔপাদিক উরিব্ প্রতায়ঃ। নঃ অসাকং পেনানীঃ পেনায়া নেডা পেনাধিপতিঃ নৃ
কুত এধি লংগ্রামে লহায়ার্থং আহুতো তব। অন্তেলোটি 'প্রণোরেছৌ•' ইতি এবং। ওড়ঃ
'ক্ষিন্ত্ অলা ভাং' অনিছ্বাং বাল্যুলকপে। বিভাবঃ। অস্টায়ান্ শত্রন, (হয়য়)
হক্ষা ঘণীয়ং ব্রুঃ ধনং বি ভজর আমভাং বিভজ্য প্রায়ছ। পুনরণি ওজঃ বলং মিয়য়য়
কুক্রন মুখঃ লংগ্রামকারিণঃ শত্রন্ বি ফুলসা। বিজুলি। (৪কা – १য়—২০ছে – ২ম)।

कृषीया ।

। গ্ৰহ্ম মত্যো অভিমাতিমকৈ ক্ষন্মণন্ প্ৰমণন প্ৰেহি শক্ৰন্।

উ এবং তে পালো নহা রক্তে বশী বশং নয়াগা এক ল ছম্। গা

भम गार्डः।

লহয়। মজোইভি। অভিংমাতিম্। অহে। কুলন্। মৃণন্।

। আংহমুণনা এখা ইছি। শক্রন

। উত্তয়ন্তে। পাজঃা কয়। আনা রক্তো বশী। বংম্।

महादेश । अक्रमा चम् ॥ ७॥

হে মজো দলৈ অন্ত রাজঃ অভিমাতিং অভিমন্তারং পক্রং লহন্ব অভিচন। বিং
ফুর্মন্। রুজন্ হন্তাখাদিকং ভনীনং বলং রুজন্ ভন্তন্ আমর্জনন। মুণন হিংদন।
প্রমুণন প্রকর্ষেণ হিংদন্ নাশরন। মুণ চিংদারাং। এবং কুর্কান্ পক্রন্ অস্তনীয়ান প্রেছি
প্রস্ত হন্তং প্রাপ্তা ক্যাৎ এবং উচালে ইন্তি ভক্তাই উক্তা উপ্তা উপ্তাই উদ্পূর্ণং
ভীক্ষং হে মজো তে খনীরং পাজঃ বলং নম্মু আ রুক্ষাপ্ত কেচিম্বলি নৈন আরুদ্ধং জারুতং
ফুর্মন্তি। আঙ্পুর্কাৎ রুধেশ্ছাললে লিট 'ইরয়ো রে'ইভি রেভাবঃ। অপি তুহে একল
অস্তারোৎপর বন্ধী লক্ষা বল্দিতা স্বভন্তবং বলং ময়ানৈ কুৎসাং জনং বাণীনতাং
প্রাপ্তনি (৪ফা—৭জ-০১কু—০ম)।

### চতুর্থী।

পদ-পাঠঃ।

। একং। বছুনাস্। অংশি। মজো ইতি। ঈড়িৱা। বিশন্হবিশস্।

युकाता गम । निर्माति।

ण कुछ ६ क्रक्। पन्ना। त्रम् । जारमण प्राप्ता विश्ववाहा कुर्यानि । 8 ⊪

হে মন্তে। ইণ্ডিতঃ অন্নাভিঃ স্তত্বং এক এব বহুনাং শক্রণাং নিরদনে পর্যাপ্তঃ অদি তবিন। বিশংবিদং দর্কাঃ প্রজা আবিশ্র যুদ্ধায় আয়োধনায় দং শিশাধি সংশাদ্ম। শাহ্ম অস্থানিটো ইণ্ডান্মাং লেণালৈ ছিঃ। 'লা হোঁ'ইতি শাদঃ শাতাবঃ। ছান্দলো বিকরণত স্নুঃ। 'অনিদ্ধান্ধ অবা ভাং' ইতি নাজাবত অনিদ্ধান্তাবাং 'ছ্রল্জাো হের্দ্ধিঃ' ইতি নাজকণং ধিছাং ভবতি। 'বহুলং ছন্দি' ইতি অজ্ঞানত ইন্ধং। যবা বিশংবিদং আননীয়াং দেনাং দং শিশাধি দংশিতাং ভীক্রীভূতাং কুরু। শো তন্করণে ইতামাৎ কুভান্থে পূর্ববং বিকরণত স্নুঃ। 'বা ছন্দি' ইতি হেরণিক্ত বিকরণত বিজ্ঞাবাং 'অভিত্তা' ইভি ধিছা। 'বহুলং ছন্দি' ইতি অভ্যানত ইন্ধাং। (হ অক্তর্কক অভিয়নণীথে মত্যো ছায়া মুলা লহাক্রেক ব্যং গ্রান্তং দিছেনাগান্তকং বিজয়ায় বিজয়ার্বং ক্রানি কুর্মাং ক্রুপ্তিঃ ఓ 'ইন্ডো গ্রিঃ'॥ (৪কা—৭ অ—৩১ক্ — ৪ম) ॥

- शक्ते।

विष्क्रमञ्जूषिक हेवानवद्धारवाच्याकः मध्या विश्वा छटवर।

থিয়ং তে নাম সহরে গুণীমনি বিদ্যা তমুংশং যত ভাবভূব। ৫ ।

### 98-915: 1

ি । বিজেশহরুং। ইস্রঃহ্রা অনুমূর্বা আলাকৃদ্। সভোই ডি ।

व्यक्तिनाः। एका देखा

প্রিয়ণ। তে। নাম। সভরে। গুণীনদি। বিছা তণ্।

উৎপদ্ধ সভঃ আহমভূপ। ১ চ

কে বজো খং বিজেবকুং বিজয়ত কর্ডা ইক্স ইন অননত্ত্রণ অননামা পুরাতনামাং লগে।
পারামাং বজা ইব অগ্নিন লংগ্রাবে অসাকং অধিপাঃ অধিকং পালকো তব। বে নহছে
লহমনীন তে তব প্রিয়ং আহ্মেদকং নাম গুরীমনি গুনীনঃ তমঃ। গুণাজে। 'পুনীনঃ
ক্রমঃ' ইতি ভ্রমং। বতঃ বসাং ছানাং তং আবতুণ আত্ননি আলারদে তং উৎনং অনুধনাম্বাকুকং ছানং বিশ্ব আনীনঃ ম (একা – ১ল—৩১খ—৫ন)।

### नहीं।

শাভ্তয় শহলা বদ্ধ সামক সংখ্য বিভবি সহস্ত উত্তর্ম।
।

ভাষা নো সন্তো সহ সেম্বেধি সহাধনক পুরুত্ব সংস্কৃতি।

### 99 9132

णारक्त्रा । मक्त्रकाः । तका नात्रकः । नदः । विकर्षि । मण्डकृत्व । उद्यवस्य

क्रमा नः। मरना देखि। नृहः। (यनीः अपि। महाद्यमणः।

# चुक्रश्रृतः। नम्रम्भा । ७३**८**

আছুতিঃ অভিনয় । তরা শব আরতে প্রায়ুর্তবতীতি গ্রভাঃ হে বজু বজুবং গরু<sup>ইতি</sup> আজে হে নারক শক্তশাং অভ্যক্তর। বো অভ্যক্ষণি ইত) যাং বাজি নায়:। তানত গ<sup>ন্ত্র</sup> <sup>ব</sup>ভারবাণি বুজতে ইতি কংরাতের্ভগ্রায়ঃ প্রযুক্ত সংস্থা সহঃ বলং বিভারি ধার্মি<sup>রু</sup> ত্ঞা ইং ইভি অভাগত ইবং। কীতুলং সহা। উত্তরং উদান্ত নং। বে সহস্তুতে আগ্রনাল্য ভূতিঃ উৎপত্তিগাল ল:। আগ্রানিনাভূতো মহাবিতার্থঃ। উদ্ধৃশ বে মধ্যো ক্রম্বা ক্রম্বানাল্য কর্মান ক্রমান ক

### मस्यो।

সংস্থাং ধনমুভরং সমাকৃত্যসভাং ধতাং বরুণ চ মুমুঃ।

। । । ভিয়োদধানা ক্সরের শত্রবং পরাজিতাশে। অপ নি লয়ন্তাম্ ৮৭ ছ

नव-नार्ठः ।

গ্ৰহ্ম । ধনম । উভয়ৰ। স্মহ লাকুত্ৰ। আৰভ্যৰ

ধতাম্। বলপঃ। চ। মত্যঃ।

। । । । किन्नः। स्थासाः। क्वरत्रुः। भद्भयः। भन्नारुक्षिकानः। भन्न। सि। नन्नकासः॥ ५॥

বকুণো মন্ত্রাণ্ড উত্তেই উভন্নং উভন্নবিশং আত্মীয়ং খনং সংস্কৃতিং নিশ্রিতং করা দ্যাকৃতিং দ্যানীতং আত্মতং দ্বাং প্রবাহ্নতাং। মনীরাঃ শ্রেবং ক্রণমের দ্যান্ত ভিতিং দ্যানাঃ পরাজিভালঃ পরাজিভাঃ পরাজন্ম প্রোপ্তাঃ শ্রেব করিবাং। শ্রেব পরে সংস্কৃতি । 'উপসর্গতায়তো' ইতি লখং। গ্র

(इंडि) श्री भार पुरुष ॥

'ৰভে ৰভো' ইভি ভ্ৰুত পূৰ্কপ্ৰকেন সহ উত্তো বিনিয়োগঃ !

### खळ अध्या।

ৰত্তে নজোনিধল্ বজ্ঞ সায়ক সহ ওকঃ পুস্তি বিশ্বনাসুধক্।

সাহাম দাসমাগ্রং হল। যুগা, বলং সহস্কৃতেন সংগা সহস্তা। ১৯

### পদ-পাঠঃ।

বঃ। তে। বজোইভি। অবিধং। বজ্ঞা নারক। নহঃ। ওকঃ।

नक्षिः। नागम्। चार्यारः। कत्राः। युक्ताः कत्रम्।

। শহঃহকুতেন। শহসা। শহসভা। ১।

ছে মক্টোব: পুরুবঃ তে ছাং অবিশং। বিশতি: পরিচরণকর্মা। পরিচরতি। বিশ বিণানে। ভুবাদিখাঞালালো লঙ্গ হে বজ বজাবৎ অকুষ্ঠিতশক্তে হে দায়ক শত্ৰাণাং শক্তৰবাদিলকণং কাৰ্ব্যকাতং আহুবক্ অহুবক্তং দন্ততং পুৱতি বৰ্ষমভি। পুৰ পুচৌ। স্থা বুলা ব্রায়েন দাবং উপক্পয়িভারং অসুরং আহাং তথ্যতিরিজ্ঞং অসুরশক্রং বয়ং শৃষ্য অভিভবেষ। কীৰূপেন হয়। প্ৰস্কৃতেন প্ৰদাবলেনোৎপাদিতেন। প্ৰদাপ্ৰানেৰ **क्षष्टिक्रियाः। नहत्रका क्लक्षां (४का—१ व —७२७—) ।** 

विश्वीश।

। মসুরিপ্রে। মসুরেবাণ দেব মসুর্হোভা বরুণো জ্বাভবেদা:।

। মুকু। বিশি উড়তে মানুগীধাঃ পাহি নো । মত্যেন ওপদা সজোধাঃ॥২॥ —

পদ-পাঠঃ।

- মৃত্যুঃ। ইঞাং। মৃত্যুঃ। এব। আগা দেবঃ। মৃত্যুঃ।

্ হোতা। বঞ্গঃ। আত্ত্বেলা: ।

মহাঃ। বিশং। ঈভুতো মানুবীঃ। বাং। পাহি। নুঃ।

।
।
।
।
মহোইতি। তপলা। প্রকোবাঃ॥ ২॥

যৎ ইক্সাদীনাং ইক্সাদং তৎ পরাভিত্বনিমিতাৎ মহাপ্রানাদাদেশেতি পার্থাত্মোন ভৌতি।
মহারেব ইক্সাং। মহারেশ পর্বা: জাজা দেশং আদ তণতি। জাজেলিটি ছাল্ললো
ভূতাবাভাবং। হোচা দেশনাং আহ্বাতা অগ্নিরণি মহারেব। জাতবেদাং লাতপ্রকো
বক্লগোশি মহারেশ। মাহবাং দনোরপতাভূত। যা বিশং প্রকাং দক্তি তা আশি মহামেব
ইত্তে ভাবতি নেক্রাদীন্। তভৈত্ব ইক্সাদিরপেশ অবস্থানাং। তেমকো প বং দাং আমান্
তপা সন্তাশেন শ্রোধাং সঙ্গতং পন্ (পাতি) রক্ষ পাল্যানং ।

च्या चरा गः। ०।

হৈ মস্ত্রো অভীতি অভিমুখং গছে। তণণত্তণীরান। তণ ইতি সহরাম। প্রার্থানি প্রায়ত হয় সাখা তপণা দত্তাপেন অজ্ঞানারপেন মুখা শহারেন অস্থানীরাশ শত্রান বি অতি শিনাশার। অমিজ্ঞা অভিত্রো সেহরতিত তক্ষ হয়া। বুনহা (রুজা আনেটকা শত্রা তম্বা। ক্ষাহা দক্ষা উপজ্পারিতা শত্রা তম্বা। এবং অমিজ্ঞানীন দ্বা বিশ্বা বিমানি শ্রীণি বস্থান কাজাতার বং আতির আহির । (রকান গল- শংক্ত এম)।

# **इश्** ।

। । যং হি নজে। অভিজ্তোলা: বয়ভূজানো সভিনাতিবাই:।

। । । । বিশ্বচর্ধবিঃ সভ্রিঃ সহীয়ানক্ষাফোজঃ পৃত্নাক ধেণি॥৪॥

শব-পাঠঃ।

া । বং। হি। বজোইডি। অভিতৃতিহওলাঃ। বরস্হতুঃ। তামঃ। অভিযাতিংলহঃ।

হে সন্থোবং হি খং শকু অভিভ্তোজা: অভিভ্তিঃ অভিভাবুকং ওজো বলং যত দ্ ভংগাজা: যেওজু: সর্মেব আত্মনি ভংশগুমানা:। ভামঃ ক্রুদ্ধ:। অভিমাতিবাহঃ অভিমাতীনাং শক্রণাং সোঢ়া। বিশ্বচর্ষাণাং বিশ্বত দ্বাস্থা। যথা বিশ্বে চর্ষপ্রে। মহায়া খলা বশে বর্জন্তে দ ভংগাজা:। দ্বাস্থা দ্বাস্থা। শহীধান্ শোচ্ভ্যাঃ। এবংগুণবিশিইঃ খং পুত্তমান্ত্রদ্বামেরু ওজাঃ বলং অসাস্থ গৈড়ি ছাণায়। ৪কা— ১ম — ৩২ক্ত—৪ম) ঃ

### शक्रमा ।

। । . অভাগঃ সম্প প্রেডো অধ্যি ৩৭ জেবা ভবিষ্ম প্রচেডঃ।

। । । ভং মা সভ্যো অক্ত হুৰ্জিজ গুডাহং স্থা তনুস্মলণাথা ন এহি ॥ ৫॥

পদ-পাঠঃ।

্ আভাগঃ বন্ধ অপ। পরাংইতঃ। অবি। তব কেয়া। তবিবভা এংচেডঃ।

ভম্। খা। মভোইতি। অক্তঃ। বিহীড়া অহম্। খা। তনুং।

वणस्थाना। मः। भा। हेवि । १ ।

হে প্রচেতং প্রকৃত্তিকান হে মন্তো তবিষক মহতঃ তব ক্রেছা কর্মণা আভাগং ভাগরহিতঃ
লন্। তাং অয়জমান ইতার্থঃ। এনস্তঃ লন্মুরাৎ অল পরেতো অনি অলকমা পরাগতো
ভবামি। হে মন্তো তং তালৃশং (তা) তাং অক্রতঃ ত্তোবকরকর্মার্থিকৈতঃ অহং শিহীক
ক্রোধিতবান্। হেড্ডিঃ ক্রেণাতিকর্মা। অল ইলানীং যম স্বাভন্য স্কীয়শমীরভূতত্বং
নঃ অমাকং বললাবা বলকা লাতা লন্ এহি আগজ্ঞ। যথা। স্বাভন্য ইত্যভয়্র 'স্পাং ক্
স্কুক্'ইতি লপ্তমা লুক্। স্বায়াং ত্যাং অস্থাকং সভ্তে শ্রীরে বলক লাতা লন্ আগজ্ঞেতি।
বললাবেতি। তুলাঞ্বানে। 'লাতো মনিন্কনিক্রিগণেশ্য' ইতি বনিশ্। ৫ ৪

मधी।

ষ্মাং তে ক্স্মুস ন এছকাঙ্ প্রভীচীনঃ সভ্রে বিশ্বদাবন্।

। । । । । মত্তো বজ্জিনতি ন আং। বরংস হনাব দসূয়ংকত বোধ্যাণেঃ॥ ৬ ॥

**अम-**लार्ठः ।

। আলয়মা তে। অবিনা উপা লঃ। আনা ইহি। অবর্ণাৠা।

প্রতীচীনঃ। দইরে। বিশহদাবন্।

। মজ্যেইতি। বজ্ঞিন্। অভি। নঃ। আনা বর্ণজা হনাব। শত্রন্।

উত্ত। গোধি। আংশঃ।৬।

হৈ মত্যো তে তৰ বছতঃ আছং ক্ষাক্রঃ আছং আমি ভবামি। না আমান্ উপেহি উপাগছে। অবিধি আমান তিপেই উপাগছে। অবিধি আমান তিপিই ক্ষাত আমাৰ প্রতিষ্ঠানঃ শতেন্ প্রতিষ্ঠান গছেল হৈ সহরে সহনশীল হৈ বিখালান্ বিখাত দ্বজি ফলত দাতঃ হে বজিন্। সজং শতাকং আমুণং বলং বা। তথন্তে মত্তো না আমান্ অভা বর্থয় অভিম্পং আবিহি। ছাল্লাং লগঃ স্থা আবাং আমানি দ্বান্ উপক্পমিতুন্ হনাৰ হিন্দাৰ। 'আত্ত্যত পিচে' ইতি আভাগ্ৰঃ। উত অপিচ আপো: আপিং আধাং ব্যুক্তং মাং বোদি রক্ষনীলোগং ইতি বুণায়। ৬।

## मध्यो।

। । । । । জাভি প্রেছি দক্ষিণতো ভব নোধা ব্রঞাণি জঞ্জানাব ভূরি।

। । । ভুহেনি তে ধরণে মধের শগ্রমূভাবুণাংশু প্রথমা পিববি॥ १॥

#### শল-পাঠঃ ।

। । আংভি। এই। ইবি। দকিণতঃ। ভণা নঃ। অংগ। বুরোণি। ফ'জ্যনাব। ভূরি।

> <mark>। । ।</mark> 'অনুহোমি। তে। 'ধকুণং। মধ্বং। অংগ্ৰং। উভেট।

> > উপহ্লণ্ড। প্রথমী। শিকাৰ। ৭।

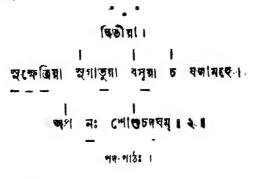
হৈ মজো অন্সদিত্যুথং প্রেহি প্রাগছে। নঃ অনাকং দক্ষিণতঃ দক্ষিণতাগে ভব দাচিবাং কর্ত্তুং অবতিষ্ঠানা 'বাডোতভিঙঃ' ইতি দীর্ঘাছং। অণ অনজুরং ভূরি ভূরীশি বহুনি রুঝাণি আন্দেন্ অভ্যনাব অভাবং হনাব। হরেই।ছ্রুগজাং লোটি 'আডুড্যাফাণ' ইতি আডাগিয়ঃ। হে মজো ভে তুভাং ধক্ষণং গারকং মধ্যং মধুররস্থা দোম্ভ অগ্রং অগ্রাং লারভূতং রুসং জুহোমি প্রায়ছেনি। উত্তী আবাং প্রাণম প্রেমা নর্বেভাঃ পূর্বভাগিনে নত্তী উপাংশু অথকাশং বর্ণা অক্তৈর্ম জায়তে তথা পিবাব শোমপানং করবাব। (ওকা – ৭ অ – ৬২ ত্ – ৭ম)।

#### (ইভি) বিভীয়া স্কুলং॥

'আপ না শোক্তৰ অঘ' ইতাত স্তাত 'অপ না শোক্তৰ অবং (৪০০) পুনস্ত মা
(৬০০) পত্ৰী: (৬০০)' ইতি (কৌ ০০০) দুহল্যণে পাঠাৰ শাস্ত্ৰালকালে বিনিয়োগঃ ।
তথা স্ত্ৰীণাং পুক্ৰবিষয়াভিরভিনিবৃত্তয়ে পুক্ৰবাগাং চ স্ত্ৰীবিষয়াভিরভিনিবৃত্তয়ে চ আনম স্তেল
অসংখ্যাতাঃ শক্রা অভিমন্ত্র কাম্যমানপ্রপৃহ্য স্ত্রীসৃহং বা প্রক্রিন ব্রেল্ড। হতে ধার্মম্
বা জলেছ। স্থাত্রতং ছি । 'কাম্য বিনেত্র্যাণেছিপাঘেনালংখ্যাতাঃ শক্রাঃ পরিকিরন্
ব্রেল্ডি' ইভাালি (কৌ ০৪০২)। তথা দুঃশক্রনগানে কাক্ট্রখুনালিবিক্রম্বর্গনে অন্ত্রদর্শনে
চ এতাই স্ক্রাং অপেশে। স্তর্য চ। 'অপানাল্যালায়াং (১:২৬।৪০০০) আধীক্ষং
প্রত্তিজ্ঞপতি' ইভি (কৌ ০৪০)। তথা চ্ব্যশশ্বাকে শ্বল্থনামন্তর্য অন্যেক্সমাণিঃ
স্বাম্যান্ত্রীয়া প্রত্তিল ক্রি অপেশ্য তথা তালিব কর্মণি আনন্যমে ব্রক্ষা এতং স্ক্রাং অপেশ্য
সান্যান্ত্রীয়া গুদ্ধ আগত্য স্থান্য স্ত্রেল ক্রি প্রামানীঃ স্থিধ আল্বাণ্ডাং ৪

# 

হে আরে ঘংপ্রণাদাৎ নঃ আমাকং অবং পাশং আপ শোশুচং আতার্বং আপগতশোকং । ভবতু। নপ্রতু ইভার্বঃ। শুচের্বাঙ্কু সুগভাৎ লেটি অভাগনঃ। দং চ ররিং ধনং আমাকং আ শুশুরি সমস্তাৎ প্রজনিতং সমৃদ্ধং কুরু। শুশুরীতি। ছালদাঃ শশঃ স্কুঃ। আদরার্বিছ উক্তি এবার্বং পুনর্ভুত্ত ॥ (৪কা – ৭আ – ৩০ক্-–১ম)॥



শুক্তের শেতনং কেত্রং শুক্তের। 'ইরাতিরাজীকারাণাং উপদংখ্যানং' ইজি
ভীরৈক্বচন্ত ডিয়ালাদেশ: । তথা শুগাভূরেডাত্রাণি তৃতীরারা বাধাদেশ: । উভরবাণিংতৌ তৃতীরা। শ্বক্তেরণ শোভনমার্গেণ চ হেতুনা। তৎ উভরং বথা তাৎ ইভার্কা।
া শোভনক্তেত্রে শুক্তেত্রিয়া। কঃচি ছাল্পং হ্রম্বং। 'ল প্রতারাং' ইভি ক্লাক্রভারঃ। দুতীরারা তুক্। শোভনক্তেলাভেক্তরা। শুগাভুরা। শুগাভুগলাৎ শুক্রিরঃ

কাচ্। 'ন ছেন্দ্সপুত্রত' ইতি দীর্থপ্রতিষেদঃ। পূর্কাবৎ তৃতীয়ারা সুক্। শোভনমার্গেছর। ৰহরা ধনেছয়ো চ হে কায়ে ভাং যজামহে হবির্ভিভোষয়ামঃ। স্বংপ্রদাদাৎ কাস্থদীয়ং ুক্ত্যে ন্⊌তুঃ (৪ফা—৭ল – ০০কু – ২ম)ঃ

```
তৃতীয়া।

বি বদ্ ভব্দিষ্ঠ এবাং প্রাম্মাকান্দ্র সূর্যাঃ।

বি ভাগ নঃ শোশুচন্দ্র্যা ।

বদ-পাঠঃ।

বি বং ভিদ্বিঃ। এবান্। প্র। জ্মাকান্য । চ। স্র্যাঃ।

ব্য বং ভিদ্বিঃ। এবান্। প্র। জ্মাকান্য । চ। স্র্যাঃ।

ব্য বং ভ্লিষ্ঠঃ। এবান্। প্র। জ্মাকান্য । চ। স্র্যাঃ।

ব্য বং ভ্লিষ্ঠঃ। এবান্। প্র। জ্মাকান্য । চ। স্ব্রাঃ।
```

এবাং স্থোত্ণাং মধ্যে অবং প্র প্রকর্ষণ বং যত্ত্বাং ভলি কল্যাণে ছবে চ। ভলা তলতেঃ ছাতিকর্মণ ইতি যাজঃ (নি • ৫২)। ভলি কল্যাণে ছবি ইঠন্। 'ভুরিঠেমেয়স্ত্র' ইতি ভ্লোণঃ। জামাকালঃ জামাকাঃ। 'তভেদং' ইত্যের্ধে জাণি 'ভামিরণি চ বুরাকামাকে)' ইতি জামাকাণেশঃ। ছালল আগিব্দ্বভাবঃ। 'লাজ্জনের-ভুক্'। জামংস্থানির হার জাভিজাঃ পুল্লান্মণ্ড (প্র) প্রকর্মণ ভোত্তমাঃ। ভামাৎ হে ছব্পোণাং জামাকং পাপং নশুতু ইতি দ্যকঃ॥ (৪কা—৭ আ, ২০০০ – ৩০০ – ৩০০ ।।

```
চতুৰী।

থাবং তে অংগ সুরয়ো জাগেনছি থা তে বরষ্।

শপ নঃ শোশুচনম্নু। ৪ ॥

পদ-পাঠ;।

।

থা বং। তে। অংগ। স্বর:। জাগেনহি। থা তে। বরষ্ ।

শ্বা নঃ। গোখচং। অবস্। ৪ ॥
```

তে অংগ্র তে তব স্থোতারো যৎ যমাৎ স্বদ্ধগ্রহণ প্রালায়তে তমাৎ স্বরঃ বিভাংশের ব্রম্পি তে তব ভড়া প্রালায়েমহি পুরণোঞাদিভি: সমৃদ্ধা ভবেম। স্তুৎ পূর্ববং ॥ ৪ ॥

সহস্বতঃ সহনবতঃ অভিভবনবতো বলবতো বা অংগঃ ভানবঃ দীপ্তায়ে বিশ্বতঃ শং বজাং প্রাথ প্রাথ অংগাদ্ধিতার্থং প্রবর্ততে তলাং আংগ্রেন তেজ্বলা সামনীয়ং ( অং )।
পাশং নশ্রতু ইন্তার্থঃ ॥ (৪কা – ৭কা – ৩০ছ – ৫ম)॥

ষষ্ঠী।

বং হি বিশ্বতোম্থ বিশ্বতঃ পরিভূরিদি।

অপ ন: শোশুচদ্ঘম্॥ ৩ ॥

পদ-পাঠা।

বিশ্বতঃহুমুখা বিশ্বতঃ। পরিহুছা। জিলি।

বুদা হি। বিশ্বতঃহুমুখা বিশ্বতঃ। পরিহুছা। জিলি।

বুদা না: শোশুচ্ব। অবং । ৬।

বে বিশ্বেয়েশ লক্ষতোম্থ অথে তং হি হং খলু বিশ্বতঃ লক্ষতঃ পরিপ্রুহীতঃ হাপকঃ অনি ভবলি। লক্ষ্ ইনং অগৎ হবংশ বর্ততে। অভযানাজ্যা অস্থীয়ং পাপেছ বিশ্বতি । (৪কা - ৭ল - ৩০ফ - ৬ম)।

## गल्योः।

। । । ছিলো নো বিশ্বভোমুখাতি নাবেব 'প্যারম্ব।

वर्भ नः त्यां ७ हत्वग् ।। १।।

পদ পাঠঃ ।

হিবং। নঃ। বিশৃতঃহমুধ। জতি। নাবাছইব। পারস।

হে বিশ্বতোমুধ প্রক্তোমুধ অংগ বিবঃ বেইুন্ শত্রন নাবা সম্ভ্রমিব নঃ আনান্ ক্রিড শুরুর অভিক্রামর। বংপ্রবাদান্ ভয়কারণং আনদীয়ং পাণং নভাবিতি । ৭-।

चरे भी।

। স নঃ শিক্ষুমিৰ নাৰাতি পুৰ্বা কল্পন্তেয়ে।

অপ নঃ শোশুচদ্ব্য । ৮।।

- -

ি । লঃ। নঃ। শিকুণ্ডইব। নাবা) অভিন প্র-। অভয়ে।

পদ-পাঠ:।

जाना तथा (वाक्षकरा जावन् ॥ छ॥

হৈ আরে লঃ উক্তরণকা নাবা নিজ্ব সমুস্থিত অভবে ক্ষোর (নঃ আখান) অভি পর্ক ইরিড্জ পারে প্রোণয়। গু পালনপুরণয়ো:। আমাৎ লেটি অভাগ্নঃ। 'নিকাইলং ' ইভি বিশান গতা অন্তর্গ (৪ক) – গলা-০০ছ-১৮৮) ।

(देखि) विक्षीत्र प्रकार ह

'ব্রশাক্ত শীর্ষং' ইতি ক্ষকং ব্রহ্মাকোন্দাবে নিরুপ্তিনিতিমর্শনাদিকর্মণি বিনিষ্কং। তইব্রানেন ক্ষেত্রত চতক্ষ্ দিক্ষু ভ্রকরণং কুলাকরণং তানাং রবৈঃ প্রণং ভ্রেষ্ আঠীকানিবভ্রেজ্জবাবিধানং চ কুর্যাৎ। ক্ষতিং হি। 'ব্রহ্মাকেতোলনে প্রণান্ প্রতিদিশং করোতি' ইত্যানি (কৌ ৮ ৮ ৭)।

#### ভক্ত প্রথমা।

প্রহ্মাক্ত শীর্ষং ব্রহণক্ত পৃষ্ঠং বাগণে ব্যন্তর মোণনক্ত।

। ছন্দাংদি পক্ষে সুধ্যক সভাং বিষ্টারী কাভজগুণুদোধি যজঃ। ১।

भाव-भावे:।

। अका व्यक्ता नीर्दरा दृदरा व्यक्ता পृष्ठेमा बागश्रदनदाम्। छेलतम्। अनसव्यक्त

> া ছক্ষাংলি। পক্ষেণ্। মুখণ্। আংভা। শতাৰ্ঃ বিটারী।

> > জাতঃ। তপ্দঃ। ক্ষণি। যভাঃ॥১॥

অনোদনদা দীয়মনদা শিরঃপ্রভাবয়কল্পনা শুভিঃ ক্রিয়তে। প্রাক্ষণভাগ দহ
প্রজাপতিম্থাৎ উৎপল্লহাৎ প্রক্ষণজনাক রুপন্তরং দাম বিবক্ষিতং। শত এব তদা প্রক্ষণজনাক রুপন্তরং দাম তিবক্ষিতং। শত এব তদা প্রক্ষণজনাক কর্মান্তা। 'রুপল্পরং দাম ভবতি প্রক্ষণজনাং বৈ রুপন্তরং' ইতি। তৎ
প্রক্ষান্তারং রুপন্তরং দাম শুদা ওদনদা শীর্ষং শীরঃ। তথা বৃহং দাম ভাল্যাদনদা পৃহৎ
পৃষ্ঠভাগঃ উপরিভাগঃ। তথা বামদেবাং বামদেবেন দৃষ্টং দাম উদ্রং। 'বামদেবাজ্ভাজ্ভো)' ইতি ভাপ্তারং। ভ্রাংগি গায়্রাাদীনি প্রক্ষা। তথা স্তাং দত্যাধ্যং দাম
পরং প্রক্ষ বা শাদানিমদা মুখং। এবং বিটারী হিন্তার্য্যনাব্যান। বিপ্রকাথ স্থাতেঃ
কর্মাণ গিনিপ্রভারঃ। শুখন। এবং বিটারী হিন্তার্য্যনাব্যান। বিপ্রকাথ স্থানির্দার্যা ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্য ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্যান্য ভাল্য ভাল্য

EIBRARY

# বিভীয়া।

আনন্তা: পৃতা: প্ৰনেন শুদ্ধা: শুচয়: শুচিমপি যন্তি লোকস্।

নৈমাং শিশ্রং প্রা দহতি জাতবেদাঃ স্বর্গে

লোকে বহু স্ত্রৈণমেযাম্ ॥ ২ ॥

माप-भाष्ठः ।

चनकृति। পৃতা:। পবনেন। ও রা:। ও চয়:। ও চিম্। অংগি। यखि। লোকস্।

দা এবামু। শিইম্। এবা দহতি। ভাতহবেদাঃ। ভাহেবে।

লোকে। বহু। তৈরণম্। এবাস্। > ॥

শাস্থা:। ম নিস্ততে অসুপেলজিতং ষাট্কোশিকং শরীরং এবাং ইতি অন্ধাঃ। দ্বালানি দৃশতে ইতি অস্থিশক্ষা অন্ত, আদেশ:। অমৃত্যয়শরীরা ইতার্জ:। অত এব প্রমেল প্রনাগ্রেন পূতা:। যথা প্রনেন অস্তরিক্ষপ্রারিণা নাযুমা প্রিত্রাক্তাঃ শুদ্ধাঃ নির্দ্ধাঃ শুদ্ধাঃ শুদ্ধাঃ শুদ্ধাঃ শুদ্ধানা এবস্তুতাঃ স্বয়জ্পা কর্তারা শুদ্ধি দীপামানং জ্যোভির্মাং লোকং অনি যন্তি অপিচত্তি দেহাবদানে প্রাপ্লুবিত্ত। অপিচ এবাং অর্গে লোকে অবস্থিতানাং শিলাং ভোগসাধনং ইন্দ্রিং পাত্রেলাঃ প্রভানাং বেলিতা অগ্রিঃ ন প্রাকৃতিন নির্দ্ধীগি ক্রোতি। প্রাপ্রথাকিং আহ বহু স্তৈরণং ইতি। তত্র হি ক্ষুক্তজ্বাপ্রোগ্রানে এবাং ক্ষুক্তিনাং (বহু) বহুলং স্থৈণ স্থাণাং প্রস্তুত্ত ভোগার্বং নিজ্তে। এবং স্ত্রীক্ষ্বং ভ্রানালামনি ন নির্দ্ধীগ্রশক্ষেত্যবাঃ। স্থৈণ ইতি। 'স্ত্রীপ্রশাভ্যাং নঞ্স্ত্রে ভব্নাং' ইতি দ্বুবের্থ শঞ্জ প্রভারঃ। (৪কা—৭ল - ৩৪স্—২ম)।

ভূতীয়া।

#### **भए-भार्तः** ।

বিভারিশন্। ওল্নম্। যে। প্রস্তি। ন। এনান্। আবর্তি:। লচতে। কর্লা। চন।

বিভারিশন্। ওল্নম্। যে। প্রস্তি। ন। এনান্। আবর্তি:। লচতে। করা। চন।
আব্রোহমে। উপ। যাতি। বেবান্। লম্। প্রক্রি:। মনতে। বোমোতি:। ও।

বিটারিশং উদীরিভরীত্যা বিতীর্ঘাদাশব্যবং ওদনং যে যঞ্চানাঃ প্রভা । পজ্যু ব্রাজ্পেতাঃ প্রযক্ষতীত্যর্ব:। এনান যঞ্চানান বর্ত্তি: ব্রভিত্ত বিলং ভদতাব: জবর্তি: দারিদ্রাং কলা চল কলাচিদিলি ন লচতে ন লমবৈতি। চধ লমবায়ে। বহুবল্ উন্তং একবন্ধ্ আহে। যং (পচতি) ল চ লব্যজ্ঞাত্মহাভা লেহবিশ্লেবানভারং যমে পিতৃপাং অধিপতি পৃজ্জিতঃ সন্ আতে স্থেব বলতি। তেন অক্জাতঃ সন্ দেবান্ উপ যাতি উপগজ্জি। তথা লোগোভিং লোমোহেঁ: পক্তর্বিঃ বিখাবক্প্রভৃতিভিঃ নোদণালৈঃ লহ বলতে অক্তন্ত দম্লোদণানেন মাজতি। (৪ফা—৭জ্লত্প্—৩ম্)।

# **ठ**ष्ट्रशे ।

রখী। হা ভূকা। রথহ্যানে। ঈরতে। পকী। হা ভূকা।

। .| অভি। দিবঃ। শুম্। এতি।।।

নৈনানিতাকং পৃক্ষণ। যাম নিয়ন্তা জীবনাপহারী এনান লগফলাহাচাতুন রেন্তঃ পরিঃ (ন) মুফাতি নাপহরতি। বেতোহীনান্ম করোভীতার্থা। লাচ লববজাহাচাতা রব্যামে র্থেম যাতব্য ভূলোকে যাবজ্ঞীবং রবী (হ ভূষা) র্থাধিরুত্ এবং ঈরতে শক্রতি। ঈশ্থ্যতে)। দিবালিং। জ্ঞারিক্মার্গে চ পক্ষী পক্ষবান্ ভূষা দিবং জ্ঞারক্তিইত্যান্তিপ্রিতনাশ, লোকান্ ক্রিক্মার্গিত ভিত্তোগছানের কোটোং শ্লক্তে । ।

এতাস্থ। ধারা উপ যন্ত সকাঃ অর্গে লোকে মধুনং পিখনানা

উপ प। ডিঠত পুক্রিণী: সন্ধা:। •।

이미 이 15: 1

বৃত্ত হ কুলাঃ। মধ্ক কুলাঃ। স্মুরাক উলকাঃ। ক্লীবেশ। পূর্ণাঃ। উলকোন। দরাধ

বৃত্ত হ কুলাঃ। মধ্ক কুলাঃ। স্মুরাক উলকাঃ। ক্লীবেশ। পূর্ণাঃ। উলকোন। দরাধ

বৃত্ত হ কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। কুলা

বৃত্ত হ কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। কুলাঃ। কুলা

বৃত্ত কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। বৃত্ত কুলাঃ। কুলাঃ। কুলা

পঞ্মী ॥ এব বিভতঃ বিজ্ঞান স্বয়জ্ঞা বজ্ঞানাং সধ্যে সহিষ্ঠঃ বোঢ় তমং। বিটারিণং লিরঃ-পৃঠান্তব্যবস্থান উপীরি চবিজারোণেজং ওদনং পঞ্জা বজ্ঞানতংফ সভূতং দিবং বর্গং আল্
বিবেশ প্রাপ্রোভি। আঞ্জিকং অঞাক্তো কন্দাং উৎপদ্ধ কুমুদং কৈরণং বিশ্বেদ্ ক্ষের্ বংশ্ জনোতি সংযোজাতি। তথা বিদং পদ্ধকন্ধ। আল্কং উৎপদ্ধক্ষে। অক্কং অক্কাণ্ডিঃ জলোৎপদ্ধ। মুলালীভি মুগালী বিবন্ধিতা। এতানি স্বাণি পরিজো হুদেবু স্থাপনীলানিঃ এবং ইদানীং অনুষ্ঠিতভাং এতংফলভোগভানে স্বর্গেক্ষ্ণদোৎপলক্ষলোপতানি মমুরোদকানি কিন্তিপ্রানি ক্রীভালরাংশি এনং পরিভঃ শেবন্ধ ইতার্থং। এতংক্ষেভ্রুত্ত বিশ্বনীক্রিরতে উপায়া তিওঁত্ত পুক্রিণীঃ সমন্তাঃ ইতি । (ওকা—৭ ৩৪ — ৩৪ — ৫বা)।

যক্তি দ্বিমধুল্তাবিলক্ষণত বিভাগে কুলাক পূর্যাণক রদক এতাং দর্কা ধারাং প্রবাহার ক্ষাভ্র ক্ষাভ্

어떻-어(>: )

ক্ষীরাণিজব্যেশ পূর্ণান চতুর: কুস্তান চঙুগ্ধা প্রাগাদিদিগ্রেদেন চতুপ্রকারং দ্বানি দিকু নিশ্বানি। এতাঃ ক্ষীরাণিধারাঃ হাং উপ যন্ত ইত্যাদি যোজাং। (৪কা—গম—৩৪ক্—গ্ম)।

শৃষ্ঠমী। । । । ইমনোদনং নি দংধ ত্রাসাপের বিন্টারিনং লোকজিতং স্বর্গন্।

य শে মা কেণ্ট অণ্য়। পিল্লগানো বিশ্বরূপ। ধেকুঃ

া কামহ্যামে অক্তঃ।৮।

**१४-१**।३: ।

ইবন্। ওলনৰ্। নি। দংগ। প্ৰাক্শেৰ্। বিটারিণন্। লোকংজিতন্। সংহণ্য

ৰঃ। ৰে। মা। কেট। অধুমা। শিখ্যানঃ। বিশ্বহর্ষণা। ধেলুঃ।

कांमरुइया। (सा अवस्थान क

ইমং পকং ওদনং আলগের অগ্রাজনাল ভোজ্যু নি দংধ নিজিপানি। কীলুনাং। বিটারিনাং আগতে বিভারে পেতে লোক জিতং লোক ত ইতি লোক কর্মক লং কজনুসাধনং জত এব অর্গং অর্গলাভিধেন্ত বালংভিমনির তিলন্ত ক্ষত লাখনং। ল ওদনঃ তিলিন্ অর্গে আগ্রাজনালির লেন শিব্দানাঃ বর্জনানঃ মা ক্ষেষ্ট ক্ষয়ং মা আগ্রোত্। কি কয়ে। মাতি কৃত্। শিব্দান ইতি। পিবি নিবি নিবি নিবি পেচনে। ইদিবালুং। অশি চ ওদনঃ বিশ্রণা নানাবিধক বাধারণা পেত্র লাভী বে সম কামহ্বা অভিস্বিত ক্লণ্য বোদ্ধী আত তবতু। আমাৰ হয়েইতি কামহ্বা। 'হহা কব্বাচ' ইতি কব্ববা। (৪কা – ৭জ—৩৪ক্ত ৮ম) দ্বিতি ) চতুর্বং প্রকাং।

'বং ওলনং' ইতি হস্তং অতিমৃত্যুগৰে নিরুপ্তহিবিরভিন্দনানির বিনিষ্কাং। হাজিতহ হি। 'বং ওলনং ইভাতিমৃত্যং' ইতি (কৌ ৮। কু)। তথা গোর্যানলজননক স্পান্ত ভলাকে। অনেন হজেন গোরভাকণং হোমং চ কুর্বাং। হজিতং হি। 'আৰু বলৈজং বনহাই বনোলনং ইতি তাং শাস্তালকেন অভ্যাক্ষ্য (দোহনিমা) ভক্ষা এব গোর্দ্ধিক ছালীপাকং প্রশাস্ত্যাধি (কৌ ১০।১৭)।

#### ভত্ত প্রথমা।

। । ।
বেখা লোকানাং বিধ্বতিনাভিতের্যাৎ তেনৌগনেনাতি তলাপি মৃত্যুক্। ১ ছ

পদ-পাঠঃ।

ষ্ম্। ওলন্ম । প্রথমহজায়। ঝতজা প্রজাহপতিঃ। তপলা। ব্জাপে। জাপচং।

য়। লোকানাম্। বিহধৃতিঃ। ন। শতিহরেযাং। তেম। ওদনেন।

শভি। তরাণি। মৃত্যম**্।**১।

শত স্ব পর ব্রহ্মণঃ প্রথম লাঃ তৎস কাশাৎ প্রথমং উৎপল্লো হিরণা সভাধাঃ প্রকাশতিঃ তপদা দীক্ষাদিনির যেন যং ওদনং ব্রহ্মণে স্বকার পভ্তায় দেবার অপচৎ। যশ্চ ওদনো লোকানাছ পৃথিবাদীনাং বিশ্বতিঃ বিধার নির্ভা একা মুণা নাজিঃ শরীরক্ত নাভিরিব লোকানাং বন্ধকঃ ৯ নহো ৬শ্চ (উ • ৪/১২৫) ইতি ইঞ্ প্রভারঃ। তেনৌদনেন দীর্মানেন্ মৃত্যুং সরণ ছ দেবুভূতু বা দেবং অভি ভ্রাণি অভিক্রোমামি । (৪কা— ১ল — ৩২ক্ — ১ম) ।

षिভীয়া।

सः भभाह जन्मारा जन्म भूक्षः एकति। प्राप्त । क्राणि प्राप्त । क्राणि

#### नम-गुक्ति ।

রেন। আভররু। জৃতহক্তঃ। অভি। মৃত্যা সম্। আতহমবিকান্। তপলা। আহেশ। 

# পতি। ফরাণি। বৃত্যস্থ ২।

ভূতকৃতঃ ভূতানাং প্রাণিনাং কর্তারো দেবাঃ বেদ ওবদেন মৃত্যুং অভ্যতরৰ অভিজ্ঞাক্ত चन्छः। यर अवनर जनमा जैनवानाविमित्रस्यम आरम् अहीताक्रात्मम ह व्यवस्थित व्यवस्थान ভবা পুর্বাং প্রবাদেশয়ং ছিরশাগভারাং ক্রক্ষা ক্রক্ষণে অকারমভ্তার বং ওদনং পশাচ। क्राक्त्वकार भक्का क्राक्रत्नकाः श्रात्राम् देकार्यः। (ज्ञानिक्त्यत्मकानि भवश्य ३१

# ভূতীয়া।

। । । । । । বোদাধার পৃথিবীং বিশ্বভোজনং বো অন্তরিক্ষাপুনাদ্রবেন।

ৰে। অন্তল্প নিবমুধের মহিয়া তেনোগনেনাতিভরাণি মৃত্যম্। ৩।

मा । वाधात । पृथियोग् । विवश्यामनम्। यः। चलिक्षः। चार्म्मपुनारः। साम्मपुनारः। साम्म

বং। অভিভূবি। দিবন্। উধা:। মহিলা। তেব। ওপবেন। :::::

# অভি। ভরাণি। মৃত্যম্। ৩।

ষ ঋননো বিশ্বতোজনং বিশ্বত কুংক্ত প্রাণিজাতত ভোগাত্তাং পৃথিবীং ভূমিং নাগার হুতবান। বিশ্বং ভুনভিন পালয়ভীতি বিশ্বভোজাঃ। ভূজ পালনাভাবভারয়োঃ। জ্ঞান্ অত্ন প্রায়ঃ। তথা য ওদনঃ আহত্যাত্মনা পরিণতেন অকীরেন রলেন অভরিকং দিবং আপুৰাৎ আপুরয়তি। পু পালনপুরশব্যাঃ। প্রতিভাৎ ক্রঃ। তথা ব ওদনঃ মহিরা মহবেন क्विर झारनाकर ऐथर्ड: चल्ला, । यशक्रा म गर्का छवा ऐक्स नन् मुख्यान हेलाई: । अनुर: विकासाञ्चल कार करियः। (कामीनामानकानि नक्षः । (क्यान्नकान कार्यन्तकान) है

# म्ब्री।

1 1 'বস্মান্দানা নির্মিত জিংশদরা: সংবৎসরো যস্মানির্মিতে। তাদশার:।

আহোরাত্র। বং পরিষত্তে। নাপুত্তেনৌননেনাতি ভরাণি মৃত্যুষ্। ৪ ।

পদ- পাঠঃ ৷

पचार । मानाः । निःश्मिष्ठाः । जिरन्रश्चन्नाः । नन्र्रद्रन्ताः

যঝাং। নিঃহ্মিতঃ। বাদশহক্ষরঃ।

। আনহোরাআনাে বন্। পরিহয়ভাে ন। আনুনে তেন।

ওদনেল। অভি। তরাণি। মৃত্যম্ । ৪ ।

বস্থাৎ ব্রহ্মাক্ষকার্ ওবনাৎ লালা ভালল লিমিতা উৎপদ্নাঃ তিংলদরাঃ। রণচক্রাবয়বার-ফীলকা শরাঃ। চক্রবন্ আবর্ত্তমানভান্ মাণাতথা শনেম রূপাতে। তিংশংলংখ্যাকানি দিনানি শরা যেবাং তে তবোক্তাঃ। শুলি চ বাদশারঃ বাদশমালাক্ষকঃ লংবংলরো যাবাৎ অক্ষাত্মকাদ ওদনাদ নির্মিতঃ উৎপাদিতঃ। অহানি চ রাজয়ণ্চ আহোরাজাঃ। 'আহঃ নকৈবিদেশ• ইতি লখালাভঃ অচ্প্তায়ঃ। তে চ পৰ্যাতঃ পৰ্যাবৰ্তমানাঃ যং প্ৰস্থাস্কং ওদনং (নাপু:) ম প্রাপু:। তেনৌদনেন ইত্যোদনক শাল্পখংশ্রাহোরাজাতিবর্তিখেশ यहिर । ( हका--१ क्-७१ च्-४७ ) ।

शक्यो ।

धः ध्यानमः श्रानम् वष्ट्व यदेश्व त्नाकः मृत्वाः मन्ति।

প্রোভিম্বতীঃ প্রদিশো ষ্ম স্কাল্ডেনৌবনেনাতি ভ্রাণি মুত্রে । ৫।।

ষা ওদনা প্রাণদবাং প্রাণৈজ্ঞিগনিষ্তির্দ্ধির পরিভাগতে ইতি প্রাণদা মুম্বনঃ। তেখাই প্রাণণা বাণপ্রদা বজুব ভবতি। প্রাণদবাং ইতি। দৃত্ব পরিভাগে। আদাং প্রাণশদ্পোপ-পনাহ কিশ্। আকারোপজনশ্চানদবা। যথৈ ত্রেলাআকার ওদনার সর্কে লোকাঃ স্তবভঃ স্তধারাস্কোঃ করন্তি প্রথতি । যত ওদনত তেজনা দ্বাং প্রদিশঃ প্রকৃতীঃ প্রাচাালঃ জ্যোভিয়তীঃ প্রশাস্তেজ্যা ভবতি। তেনোদদেনভাগি গতং। গো

পকাৎ পাঁকোংপরাৎ যাথাও ওদনাৎ অসূতং তালোকসং গ্ৰন্থ উৎপরং। যাত গায়জাটি ছন্দলাং অগ্রিমারা অধিপতিঃ অধিবেৰতা বভূব ভবতি। যদিন্ ওদনে বেলটি অগাজুংলাযাল্ডাঃ বিশ্বরূপাঃ শাথাতেদেন আলাদিতবৈশ্বরূপ্যা নিহিতাঃ নিক্ষিপ্তাঃ। অভয়: বিহতা ইতার্থা। প্রাথ ইতি। পিচোবঃ ইতি নিঠাতকার্ম্ম ব্রং। ৬। मध्यो।

'পব বাদে বিষম্ভং দেশপীয়ুং সপত্না নে মেপ তে ভণস্ত।

अप-भार्तः ।

चर। বাবে। বিষ্ঠেষ্। বেবংশীয়ুম্। সংগল্পা:। বে। বে। ভাষা ভ্ৰস্তু।

ব্লহণ্ডলন্ম। বিশ্বহলিভ্ন। প্রামি। শ্রস্থা মে। শ্বহণান্ত। দেবাং । ৭ ।

খিবন্তং হিংস্তাং শক্রং অহং অব বাদে অণহন্মি। তথা দেবপীয়ুন। পীরতির্বাদকর্মা। পীরতির্বাদকর্মা। পীরতির্বাদকর্মা। পীরতির্বাদকর্মা। পীরতির্বাদকর্মা। পীরতির্বাদকর্মা। পারতির (ঝ০ ১১১৪৭) ২) ইতি হি নিগমঃ। দেবানা হিংস্কান্
অপ অপহন্ম। অতো মে মম যে সংগ্রাং তে অংশহতা তবস্তা। তদবং অহং
বিশ্বজ্ঞিতং গর্মান্ত ক্রেরারং ব্রেক্ষোদনং। ব্রাক্ষণেত্যো দের ওদনো ব্রেক্ষোদনং। তং প্রামি
সংস্কামি। শ্রুদ্ধান্ত শ্রুদ্ধার্তক্ত মে মম বাক্যং দেবা যইব্যাঃ শ্বুদ্ধ আকর্ণীয়ন্ত। ।

(ইভি) পঞ্মং স্তাং ৷ দেওমোম্বাক: ॥

আইমেম্বাকে পঞ্জ দ্কানি। তত্ত্ব ভাস্ত্ৰতোলাং' (৪০০৬) 'জ্লা পূৰ্বং' (৪০০৭) ইতি ব্যো: স্ফেল্মোশ্চাতনগণে পাঠাৎ 'চাতনানাং আপানোদনেন ব্যাখাতিং' (কৌ ।৪০১) ইতি ৰিহিতেমু ভূতগ্ৰাহাজাটণকৰ্মমু বিনিয়োগঃ।

ভক্ত প্রথম।

। । । । ভান্ত্রালাঃ এ দহব্য়িকৈখানরে। র্ণা।

त्या त्ना छत्रकाम् मिश्नाष्ठात्था त्या त्ना कताकित्रार ॥ ३॥

পদ-পাঠঃ।

তান্। শৃত্যুহওলাঃ। এই। দ্বতু। অফি:। বৈখানরঃ। রুবা।

यः। मः। इत्रकारः। विकारः। इ। वार्षा हैति। यः। मः। वार्षिश्वरि॥ ३॥

时日有一·46 ( )7 ) 26.0.02

সভোজাঃ সভাং অবিভবং ওলো বলং বস্তু তাদুলো বৈশানরঃ বিশনরহিনঃ বৃধা বদ্দদদদশবঃ পুংঘোণেতঃ অলিঃ তান শত্রন প্র দহতু প্রকর্ষণ ভল্লীকরোতু। ভল্লক্রিটামের নর্শনতি উত্তরার্জেন। যং শত্রং মঃ অলান ছরতাং ছটামির আচরেং। অলাহ অবিভ্রমান নোবং উত্তাবয়েষ্ ইভার্জঃ। ছটশস্বাং উপমানাল আচারে ইভিক্যচ্ 'ছরত্মার্ক্রণাতি রিবণাতি' ইভি মিণাতমাং কাচি ছটশস্ত ছরস্ভাবঃ। তদক্তং লোট আডাগমঃ। তথা বল্চ শত্রং আলান্ দিলাং বিশ্বেং হিংলিত্ং ইছেং। সন্তু দভে। 'দনীনতর্জ্ঞ' ইতি ইটো বিকল্পনাদ্ অভাবঃ। 'দভ ইচ্চ' ইতি ইবং। ভব্তাবাভাবভান্দানসঃ। প্রকর্ণে লোট আডাগমঃ। অথো অলি চ বং শত্রং নোঃ) অলান্ (অরাতিয়াং) অরাতিবল্ আচরেং অলাহিবরে শত্রভাবং অল্লিডটভি। ভান্ স্র্বান্ প্রকৃত্ম ইতি ন্যক্ষঃ (৪কা—৮অ –০০ক্—১ম)।

তৃতীয়া।
ব আগরে মুগয়তে প্রভিক্রোশেশিবাতে।

কবাংকাত স্বাংকাত স্ব্যা সহে।। ০।।

**भव-**भाठेः ।

কেব্যুহজ্বঃ অনুন্ধ বিপ্ৰতঃ। কৰিন্। তান্। সহবা। সহে । ৩।

আগীর্বাতে সমন্তাদ্ ভজাতে মাংস্পোণিতাদিকং অত্তেতি আগরে সুদ্ধরকঃ। গুলিগরণে।
'ঝানারণ' ইতি অধিকরণে অপ.। তত্র (কে) ক্রায়ার মাংস্ভক্ষাঃ শিশাচাদার মৃগরক্ষেঃ
আনান বিংলিজুং অবিজ্ঞি। সুগ আবেবণে। চুরানিরদক্ষা তথা প্রতিক্রোশে প্রতিকৃতিঃ:
আক্রতিঃ ক্রতে আক্রোশে অমাবাতে। অমা সুর্বোণ লহু চক্রমা বল্যাজাঃ তিথে ইতি
অমাবাতা। অধিকরণে গাং। তত্র আতঃ উৎপন্নঃ অর্জনাত্রকাত্য অমাবাতাঃ। 'অমাবাতাারা
না' 'ল চ' ইতি অকারপ্রতারঃ। তালুশে অমাবাতাগ্যন্ধিনি অর্জনাত্র ক্রায়ালার শিশাচাঃ।
আন্তান দিলেজা হিংলিজুং ইচ্ছেরি। নাইচন্তায়াভতা অর্জনাত্রে বি রক্ষাং লক্ষরকাতঃ। তথা
চ তৈতিরীরকং। 'নিশিভারাং হি রক্ষাংলি প্রেরতে লপ্তোর্গান্তেবৈনানি হন্তি' (তৈক লংক্রায়াভারা ক্রিনিছেনিছ প্রাতিক্রায়ালাং অনাবাতাারাং নিশারা নির্বাহণেং' ইতি। তান্ ল্বান্ শিশাচাদীন্ লহন্য বলেন মন্ত্রপ্রভাক্ষ্

চতুৰী।

। ।

গতে পিলাচান্ত্ৰহণিষাং ক্ৰিঃং দক্ষে।

। ।

গৰ্মান্ ছ্রক্তে। হ্মি সং স আ্কৃতিঋ্ধভাম্।। ৪।৮

ि লহে। শিৰাচান্। লহণা। এবান্। জবিণন্। দৰে।

লক্ষ পাঠ্য ৷

প্রবিষ্ঠ হরি। প্রাপ্ত বা প্রাপ্ত বিশ্ব হিল বিশ্ব হ

শহলা বলেন শিশাচান শিশিতাশিনো রাক্ষণান লহে অভিভবনি। থবাং রক্ষণাঞ্জবিশং বলং আ লবে স্বীক্রেমি। নইনীর্থান ক্রেম্বীতার্থঃ। ছরভতঃ অস্থিবরং ইছিতঃ দ্র্মান স্ক্রেণ্ডঃ ইইফ্লবিয়ঞ

সকল: শং পুধং যথা ভবতি তথা (ৰখ্যতাং) দম্ধ্যতাং। দম্ভফলা ভবতু ইভাৰ:। বাধু রভৌ ॥ (একা—৮ল – ৩৬ স্ – ৪ম )॥

পঞ্চনী।

(ম শেবান্তেন হাণজ্ঞে সূর্য্যেণ নিমতে জবন্।

নদীয়ু পর্বতেরু যে সং তৈঃ পশুভিবিদি।। ৫।।

পদ-পাঠঃ।

। ।

যে। দেবাঃ। ভেন। হাণজে। স্বোগ্। সিমতে। জ্বন্।

নদীয়ু। পর্বতেয়ু। যে। সন্। তৈঃ। পশুহতিঃ। বিদে॥৫॥

দেশাং দীবাতো যে পিশাচাতাঃ তেন প্রদিক্ষে বিকারেণ হাসতে আবিষ্টং পুরুষং হালয়তি। হলে হলনে। আমাৎ শাস্তাৎ লাটি 'লিচন্চ' ইতি আত্মনেশদং। 'ছন্দস্মুভর্থা' ইতি লপ আর্দ্ধগাতুকতাৎ 'গেরনিটি' ইতি লিলোপঃ। তথা স্বোগ শনানং অবং বেগং নিমতে কুর্বন্তি। স্বাপ্রভাবং শীলং বাগেরুবন্তী হার্বঃ। তথা নদীর পর্বতেরু চ বিজনছানের যে লক্ষরতি হৈঃ লইব্বিরিয়তোবং ৩০কুতপ্রতিবন্ধবিরহাৎ শশুভিঃ গোমহিবাত্মঃ লং বিদে লংজানে। তান্ প্রাপ্রেমীতার্বঃ। 'লমো গ্রমান্তিং' ইতি আত্মানেশদং। যথা হে দেবা আ্মান্তরঃযে শশাঃ যে শশাঃ তেন রক্ষঃলিশাচালিনা হাসত্তে লিহাত্তান্ত। ওহাক্ ত্যাগে ইত্যাহ লন্। 'ছন্দলি বেতি বক্তবাং' ইতি বচনাৎ লিবিচনাভাবঃ। কর্মণি কর্ত্প্রভার্ভল্পা। শারিতাক্ষ্য পলার্মানাশ্চ (যে) শশবঃ স্বোগ শাকং বেগং কুর্বান্তা। শীলং ধাবন্তি। যে স্পাবো নদীরু পর্বতেরু চ শক্ষরতি যুম্বংগ্রাণাৎ তন্নিরোধকান্ রাক্ষলানীন্ অপহত্য তৈঃ বইব্রং পশ্ততিরহং লং বিদে ইতি শামানাধিকরণেন সম্বালঃ ॥ (৪কা—৮ শ্—৩৬স্—৫ম)॥

#### भक्त भाकेश

ভ পন:। অবি। শিশাচানান। ব্যাদ্র:। গোমভাস্থইব।

া। খানঃ। শিংহণ্হইব। দুইা। তে। ন। বিফত্তো নিংলঞ্দণ্। ৬॥

শিশাচানাং রক্ষনাং অবং তপনঃ মন্ত্রনামর্থ্যন তাপকোন্দি পোমতাং গোলামিনাং ব্যান্ত্র ইব। যথা ব্যান্ত্রো গুবাং হিংলকদ্বেন তৎস্থামিনাং তাপকো ভবতি তথেতার্থ:। বথা দিংহং

মৃষ্টা খানো ভীত্যা নিলীরত্তে তথা তে শিশাচাঃ অসমন্ত্রপ্রভাবং দৃষ্ট্য গ্রঞ্জনং ফুগ্ ভবনহ

অংখাগতিং অসু বিন্ত্তে অসুলক্ষ্য লততে । (৪কা—৮অ – ৩৬ শ — ৬ম )।

## मक्षमी।

। । । ল পিশাবৈঃ সং শক্ষোমি ন কেবৈন বনগুভিঃ।

। শিশাচান্তস্মানশুন্তি যুম্বং গ্রাম্মানিশে॥ १॥

**लप-लार्ठः ।** 

ন। পিশালৈ:। সৃদ্। শক্তেমি। ন। ভেলে:। ন। বনগুছিভি:।

শিশাচাঃ। তথাং। মঞ্জিঃ। যং। অবং। প্রামং। আহিবিশোণঃ

সাহং শিশাকৈ: লং শক্ষেত্রি লংশক্তঃ অভ্নপ্রবিটো ন ভবারি। তথা বেইনখোৱৈ প্রক্রের্কিভিপ্রতিষ্ঠানগীকৈ ন লং শক্ষেত্রি ন লংলতো ভবারি। ম বনগুভিঃ দ বনগুলক শেচারনার। বনগাবিভিংশচারের শি ন লংশক্ষেত্রি। তথা শিলাচা রাক্ষ্যাঃ তত্মাৎ প্রামারিগতা নগুর নটা ভবন্ত। বর্ধীয়া ক্ষ্যাং অহং আবিশে অভ্যতিশ্ব বলাবি। তত্মাৎ মনপিঠতাৎ দেশাৎ প্রায়গ্রহাং ইত্যর্থঃ। ১৯

षम्बी।

। যং গ্ৰাম্মাবিশাভ ইদম্গং সহে। মম।

. . .

পিশাচাত সাম্ভতি ন পাপ্রুণ জানতে।। ৮।।।

#### अम-मार्वेष्ट ।

যৰ,। আমৰ,। আছবিশতে। ইণৰ্ণ উআৰ্। লহঃ। মম।

ি পিৰাচাঃ। ভৰাং। নভজিঃ ম। পাণং! উণা আনতে।৮।

মন মদীরং ইবং উগ্রং জীক্ষং মন্ত্রপ্রভাবজনিতং দহঃ বলং যং গ্রানং আবিশতে অম্প্রবিশ্র বর্জতে তথাং গ্রামাং শিশাচা নশ্রন্তি তত্র ন প্রবিশস্তি। বলি প্রবিক্ষিত্তি মশ্রত্যে-বেতার্থঃ। অতো ন ত্রিবরং পাশং হিংগারূপং উপ আনতে ভত্রতা। জনাঃ। রক্ষঃশিশাচাহি-কৃতং উপদ্রবং নাববুশাক ইতার্থঃ। (৪কা—৮অ—৩৬২—৮ম) এ

## नक्यी ।

। । যে মা ক্রোধয়ন্তি লশিত। হস্তিনং মূশক। ইব।

। ভানহং সভ্যে ছবিভান্ জনে অলপ্র্নিক।। ৯ ॥

भष-भाष्ठः ।

ব। মা। ক্রোধয়ভি। লশিভাঃ। হভিষম। মূলকাঃ ইব।

छान्। चरुन मृत्युः इंश्हिकान्। स्ता स्त्रन्त्रहेत्। अ

বে পিশাচান্তা লিশিতাঃ উপদিয়াঃ সংক্রোন্তাঃ হা মাং ক্রোধরন্তি। সদকাঃ দংশকাঃ ক্রেন্ডারের বিষয়ীক তান্ করিন ভূইতান্ চুইত্ননেন বিষয়ীক তান্ অবং মতে আনাহি। তার নিদর্শনং আহ ক্ষম ইতি। ক্ষমে অমনতের তংগঞানক্রেন্ডান্ অবং মতে আনাহি। তার নিদর্শনং আহ ক্ষম ইতি। ক্ষমে অমনতের তংগঞানক্রেন্ডান্ অবং মতে আনাহি। তার নিদর্শনং আহ ক্ষম ইতি। ক্ষমে অমনতের তংগঞানক্রেন্ডান্ অবাধিনকারেণ হততে তবং অবং অনাহানেন অপুনক্ষত্রং হ্যাভার্থঃ ॥ ৯ ঃ

# पणकी।

অভি তং নিক্তিইতামখনিবাখাভিগালা।

মৰে। যে। নহং ক্ৰাভি স উ পাশাৰ মুচাতে গ ১০ ৮

#### भष-भाष्ठः।

। অভি। তম্। নিঃহৰতিঃ। ধভাম্। অখনহইব। অখহঅভিগাঞা।

प्रदेश वेश वर्षा जर्षाका नः। केरहेकि। भागार। सः प्रहार्छ। ১०६

তং শক্রং নিশ্বি: পাপদেবতা অভি ধড়াং অকীরৈ: পাশৈক্রিছাতু। ভক্ত চুটান্তঃ লখনিবিত। অখং অভিদেশতি বল্লাচানরা ইতি অবাতিধানী রক্ষ্য। করণে লুট্। টিরাদ্ডীপু। তরা যথা ডুটং অখং বল্লাড তহদ্ ইতার্থা। তবা যো মহা শক্রং মহুং ক্রেণ্ড করে।তি। 'কুণক্রংহর্গাস্মার্থানাং-' ইভি মহুং ইভি চতুর্থা। লুট দ এব শক্রং পাশাং নিশ্বিভিন্তব্জিম: ন মুচ্যালে মুজো ম ভবতু। বন্ধ এব বর্জভাং ইচ্যুর্থা। (১র্জা - ৮কা—৬৬ স্—১০ ম) গ্র

#### हेलि बहेरबबूबारक क्षत्रश श्वन्त ।

'ৰয়া পূৰ্কং' ইতি হজেত গণপ্ৰবৃক্তো বিনিয়োগঃ পূৰ্কহক্তেন সহ উক্তঃ। তথা দ্ৰ্কত্তত্ৰংতৈবজাৰ দ্বাপিচ্বিং শ্ৰীক্লমধ্যে ক্লছা অনেন হজেন অভিনয়া আদিইগ্ৰহং প্ৰকৃষ্ণ ভোলয়েং। অলফারেণ লহ ধারয়েং। তথা ব্যাধিতগৃংং পরিকিরেং। হাত্রতং হি। 'ৰয়া পূৰ্কং ইতি কোলেন শ্ৰীচ্ণানি ভজেলভাবে শালাং পরিতনোতি' ইতি (কৌ ৪।৪)। 'গান্ধ্ৰ্কীং অক্ষেথ্য' ইতি (ন ক ১ > ১) বিহিতাহাং গান্ধ্ৰ্য্যাখ্যায়া মহাশাতে) গণপ্ৰবৃজ্জেন নানেন হজেন গুল্কখানিক্ৰব্যহোমোতিহিতঃ। যথা। শিশুং হলা ললং তৈব সন্ধৃশং বিব্যেব চ। শিপ্পনীং ক্লফ্লীং তৈব জুল্লাচ্চাতনেন তু। প্ৰবৃষ্ণ সহমানাং তু প্রিণ্ণীং ভ্রাণিয়াং। অলশ্লীং ন্মক্তিতাং অমন্তং জুল্লাহ্ লকুং। ইতি (ন ক ২ ২ ১)।

#### ভত্ত প্ৰথমা 1

আত্ত লছমানাণীনাং বিনিরোগোজনাং অক্তরণ লখোগতে। তে ওবংগ ছয়া লাগনের সূর্বং পুরা অবর্ধাণঃ মহর্ষঃ রক্ষাংলি অসুঃ হতবক্তঃ। হতেলিটি উদি 'গমহন॰' ইন্তি উপগালোণঃ। তত স্থানিব্যাদ্ বির্ক্তনং। তথা কপ্তপা মহর্ষিঃ ছবৈব লাগনেন তদমন্তরং রক্ষাংলি জ্বান কথো অগভাশ্ত। অতঃ অহমণি ছন্ধারণহোমাদিনা রক্ষাংলি হন্ধীভার্ধঃ।১ ।

# দিভীয়া।

থা। ব্যন্ত্রনো গদ্ধবংশচাভয়ানতে।

আ জ শৃক্যজ রক: সক্রান্ গকেন নাশয়॥ ২॥

পদ-পাঠঃ।

। ভয়া। বর্ণ। ভাপেরসং। গদ্ধকি। চাত্যান্তে।

। । । । আন্তঃশ্কি। অবং। রকং। স্কান্। গ্রেন। নাশয়।২। ----

## তৃতীয়া।

। নদীং যন্ত্রপার সোপাং ভারম বশ্ব মৃ।

গুরুলঃ পীল। নলতো ৩ কণদ্ধঃ প্রনন্দনী

। ভং পরেতাপারণ: প্রতিবৃদ্ধা মভূতন।। ৩।। न्तर- इ-१२। न्युद्धिर्थर- नृकुष्टि हैं भव-भार्ठः। महोत्रा यद्वा अन्तर्वतः। अभात्रा खोदन्। अवस्थनम्।

खन्नू मृः। नीना। मननी। ঔक्रश्निक्षः। প্রথমক্ষনী।

#13

उरा भन्ना हैरा चलानमः। श्री विश्वकाता चल्डन । ७॥ ह्यू वीं ।

। । । যত্ত্রাশপা সহারক্ষা: শিথপ্রিন:। । । ভৎ পরেভাপ্সরস: প্রতিবুকা অভূতন।।৪।।

পদ-পাঠঃ। । † যত্ত্বা অনুখাঃ। ফুডোখাঃ। মহাহ্যক্ষাং। শিখ্ভিনঃ।

। তথা পয়া। ইত । অপ্যৱসং। অতিহ্বুছাঃ। অত্তন্। । -- ---

তৎ পরেভাপ্সরসঃ থতিবৃদ্ধা অভ্তন ॥ *৫* ॥

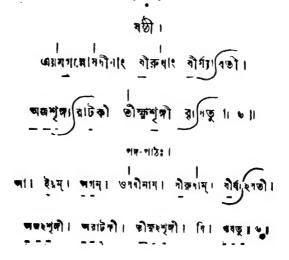
্। ভঙা প্রা। ইভ। অক্ষরণং। প্রতিধ্রুদ্ধা। অভ্রন। ।

**■44-66 (34)** 26-0-02

ভূতীয়া। অপ্সর গক্ষাণং জিয়ঃ অঅদীলাং স্থানাং প্রচ্যাবিতাঃ নদীং নহাপলক্ষিতং বাবাদ্যানং যত গছন্ত। তত্ত্ব (দৃহীতঃ)। নাদেয়ীনাং অপাং তারং তার্য়িতারং স্বসং ( ইব ) অঠু নৌপ্রেরণকুশলং বর্গা তিতীর্ষবো অনা উপগছতি। এতং কেন লাধনেন ইতি তেৎ তত্ত্বাহ তর্মুলুরিতি। তর্মুলাদীনি পঞ্চ হোগদ্রন্যাশি বিনিয়োগশাল্ল প্রশিদ্ধানি। তেয়াং হিবনেন তীতা তবতা ইতার্যঃ। ( ৪কা – ৮ অ – ৩৭ স্ – ৩২ ম) ॥

চতুর্গী। হে অক্সারসং তৎ প্রশিদ্ধং স্থাবাসস্থানং পরেত প্রাগজ্ঞত পরাগুমুখ্যং অস্থান্ আনংক্ষমাণাঃ প্রেপ্ত । গরা চ তত্তিব প্রতিবন্ধাঃ নিরুদ্ধগঞ্জয় অভ্চন তবত। ছান্দ্রো তবতের্প্ত । 'তপ্তনপ্রনপনাশ্চ' ইতি তক্ত তনাদেশঃ। স্থানং নিশেষতে। যার যশিন্ স্থানে অম্বা অপ্রোধা অক্তে চ প্রকাদেশা মহারুক্ষাঃ শিবজিনঃ ময়ুরাশ্চ দন্তি। শিবজিক্তিবেন বিজনতং স্কৃতিং। তৎ স্থানং পাছতেতি প্রস্কাঃ। অম্বাদীনাং তদাবাদস্থানতা তৈতিরীরে শ্যায়াতা। 'নৈয়প্রোধ উত্তর আম্বাঃ প্রাক্ষ ইতি। মহাত্তেতে বৈ গদ্ধরাণ শ্রামাঃ বৃহাঃ' ইতি (তৈও সংক্ষা আছাও)। মহাবৃক্ষা ইতি। মহাত্ত্তে তে বুক্ষা মহাবৃক্ষাঃ। 'আহাহতঃ ও বিভ আরং। (৪কা—১অ – ৩৭স্—৪ম)।

পঞ্চমী। হে অপ্লরসং বং বুমাকং জীত্নার প্রেড্রা দোলা ষত্র যমিন্ ছানে নিবলা বর্তি । হরিডাং ইরিম্বর্ণ অর্জুনাঃ ধবলাশেচতি প্রেড্রানাং বিদেশবং। ফ্রা চরিম্বর্ণা: তামালা মুক্রাঃ অর্জুনাঃ ধবলাশেচতি প্রেড্রানাং বিদেশবং। ফ্রা চরিম্বর্ণা: তামালা মুক্রাং আঙ্গুরাং হত্তেঃ কর্মাণ মুক্রাং হাজবিশেষাঃ লংবল্ভি মুম্মন্তাম্প্রব্যে ল্যামাং ধবনতি তৎ স্থানং গ্রেভেড্যাদি পূর্ববন্ যোজাং ॥ ৫।



ভ্ৰমীনাং। ভবং পাকং আছু ধীয়ত ইতি ওবধয়ঃ। তালাং ওবধীনাং বীরুধাং বিয়োহণক্ষাবানাং অক্সাপাং চ লতানাং মধ্যে বীর্যানতী অভিশয়িত্লামর্ব্যুক্তা ইয়ং অকশৃলী ওবধিঃ
আগন আগমং। অক্ষলপদ্রবং নাশয়িত্যু আগতা। গমেলুডি মায়ে বদং ইতি চেলুক্ ।
'হল্ডাাং' ইত্যাদিলোপে 'মো নো শাডোং' ইতি নহং। লা চ অকশৃলী অরাটকী।
ভারা অলাভারো হিংলকঃ তাল অক্ষাং ছানাং আটয়ডি উচ্চাটয়তীতি অরাটকী। তীক্ষশৃলী
ভীক্ষে উগ্রগম্বে শৃলাক্তী ফলে যতাঃ এবংগুণবিশিষ্টা লা রক্ষংশিশাচানীন ব্যবস্কু
হিনস্ক॥ (৪ক। ৮ ৮—০ণক্—১ম)॥

গপ্ত থী।

|

আন্ত্যতঃ শিশ্ভিলো গদ্ধক তি কারাপতে:।

|

|

ভিনিল্ম মুক্ষাবিপি যামি শেপঃ ॥ ৭ ॥

পদ-পাঠঃ ।

|

আহন্তাতঃ ৷ শিশ্ভিনঃ ৷ গ্রুক্ত ৷ অক্ষাংশতেঃ ।

|

ভিনলি মুক্টে ৷ অণি যামি ৷ শেপঃ । ৭-৪

আনুভাতঃ স্মন্তাৎ মর্ত্রাং কুরিতঃ শিখন্তিনঃ শিখন্তানচূড়াঃ তথতঃ। যথা শিখন্তীঃ মর্বঃ। লুপ্রোণমং এতং। তথং আনুভাতঃ। গন্ধবিত। গীতিরপা বাতো গাঃ ধারম-তীতি গদ্ধা। 'গবি গন ধুক্রো বং' ইতি ধুক্রো বপ্রতায়ে গোশস্বত গন্তাবশ্চ। ঈদুশক্ষণ অপরাগতেঃ। অপ্রক্রমন্ত আকারাত্তো বেলে প্রশিক্ষণ আশ্বরণাচ অদিগতেঃ আমান্তিবাংগতো গদ্ধবিরাজত মুক্তে আতি ভিনাল নিলারয়ানি লক্ষ্ণামি। তমাণাবর্তি শেশাঃ শুপ্রজননং চ অপি ফামি অণিগতং নিরুদ্ধং করোমি। বিষ্কাশে হি সন্ধ্বিয়া তৎশাধনবিক্তেল্বন ভীতা আহাৎ স্থানাৎ প্রায়ম্ভাংইতার্বঃ। (ব্রুমা চল ত্রুম্কার) এটি

জন্মী।

। । । ।

ভীনা ইন্দ্রস্থা হৈত্যঃ শভমুপ্তীররম্মানীঃ।

। । ।

ভীকিবিন্দান্ গদ্ধবিনিককাদান্ ব্রান্ত্যা ৮।১

```
পদ-পাঠা।

। । |
ভীমাঃ ইফ্রেড। হেতরঃ শত্ম ব্লীঃ স্থান্তীঃ।
```

ভাভিঃ। হবিঃহলবাৰ। গৰ্কান্। অবকাহলবান্। বি। ধবড়ু।৮।

ভীনাং বিভাতাভা ইতি ভীনাঃ। তিরং বুথা ( উ- ১।১৪৫ ) ইতি ঔণাদিকো মক্প্রতারং ভীনাদরোপাদানে ইতি অপাদানের্থে তবতি। শতপুলীং শতস্পর্শনাং শতধারাং অরম্মীং অনুমানঃ অরোবিভারাঃ এবভুতাঃ ইপ্রভাবা হেতরঃ হননগাধনানি আযুধানি দন্ধি তাভির্হেডিটি ( অভি ) ইনান্ অভিগভাইলাদান্ প্রাপ্তলাগান্যান্ বা অবকাদান্। অবকা জলোপারিছাঃ শৈবালবিশেবাঃ তান্ অদ্ভি ভক্ষভীতি অবকাদাঃ। তান্ গ্রহ্পান্ হ্যবভূ ইপ্রেটি দ্বভাৱ। ( একা – ৮জ—৩৭ছ—৮ম ) ।

ভাভিঃ। হবিঃহলদান। গরুকান্। ভারতাহভাদান্। বি। খবতু । ১।

ছিরপায়ীঃ ছিরপায়ঃ ছিরপাত বিকারাঃ স্বর্ণনির্দ্মিতাঃ। ইভ্যেতাবানের বিশেষঃ। বার্ত্বপ্রথ বাংব্যেয়ং া- (৪ফা-৮মা-৩৭হ-৯ম)।

मणमी ।

আৰ্কাদানভিশোচানপৰ জ্যোভয় সামকাৰ।

| | | |
পিশাচান সৰ্বানোৰ্ধে প্ৰাম্ণীহি সহস্ব চা। ১০ ।

#### পদ-পাঠঃ ৷

আৰকাং আৰান্। অভিহলোচান্। অপ্হস্। কোভিয়া মামকান্।

- ।

শিশাচান্ঃ প্ৰবিষ্য ওবংগা থাঃ ম্ণীবিঃ সহস্য চঃ ১০॥

আৰকাদান অবকাভক্কান্ অভিশোচান্ অভিতঃ শোচমানান্দীণ্যানান্থোক্স প্ৰাণকান্ বা মামকান্ মংশ্জনো গল্পনি, অণ্যু উদকেয়ু জোতল প্ৰকাশল। ছে ওবংশ অল্পুজি উপদ্ৰকারিশঃ শিশাচান্দ্ধান্প্ৰ মুণীহি প্ৰজাহি দহত্ব ভভিতৰ চ । ১০ ৪

প্রকাণশী।

| | | |

(শবৈক: কপিরিবৈক: কুমার: সর্বাকেশক:।

| | | |

প্রিয় দুশ ইব ভূষা। গদ্ধর্ম্ব: সচতে স্তিঃস্ত্মিতো নাশরাম্সি

ব্ৰহ্মণ। ৰীৰ্য-শিক্তা ॥ >> ॥

পদ-পাঠ:।

प्राप्त । प्राप्त । क्षिष्ट हेवा अकः। क्षात्रः। नर्सक्ट कणकः।

প্রিয়ঃ। দুশেহইব। ভূজা। গ্রুকঃ। নচতে। ত্রিয়ঃ। তেব্। ইতঃ। নাশয়ায়নি ।

। বেশা। বীৰ্ব্য হৰত।। ১১।

এক: পদ্ধ: মারাবিতরা খেব খাক্তিরিব ভবতি। এক: জ্পরো সন্ধ: তৃণিরিব স্ক্টিক্তিউব্ভি। অক্সন্ত গদ্ধ: দ্বেকেক: দক্ষতঃ উৎপল্লা: কেলা যত ভাল্লা: দন্ (কুমার:) কুমারাবছ ইব ভবতি। এবং মালাবলাৎ বিচিন্তাকুতি: লন্তুলে জুইং দর্শনাল্ল থা প্রির ইব ভ্রা (গদ্ধ:) গদ্ধরির আবা এক: ত্রিয়: লচতে লমবৈতি। তং সদ্ধিং ইতঃ ক্ষা প্রাপ্তা বালায় বিদ্যালয় বিদ্যালয়

## छ। मधी।

काशा हेल् दवा अञ्चलरा शक्कक्षाः शहरता स्वम्।

অপুপ ধাবভাষ্ট্য। ম্ট্যান্মা গচধ্রমু ॥ ১২ ॥

शप-शार्कः ।

আলারাঃ। ইং। বঃ। অংপরণঃ। পক্করিঃ। পভয়ঃ। যুযম্।

ું ખુબા ચાયુઢા અમુઈકારા મુદ્દાના મ!ા શક્સવમ્ય >ર ≱

তে গদ্ধনিঃ ব: যুদ্ধাকং অফারণঃ জারা ইৎ জারা এক উপভোগাাঃ জ্রির এব ধরু।
শ্বং চ তাসাং পতরঃ ভর্তারঃ। অতঃ শদ্ধীভূর (অপ ধাবত)। অমর্ত্তাঃ অমরণধর্মাণঃ
দেবলাতীয়া যুগ্ধ মর্ত্তান মরণধর্মণো মহম্যান্ ভিন্নজাতীয়ান্মা লচধ্বং লম্বেত। লক্ষতা
মা ভূতঃ (৪কা—৮ল্—৩৭ক্—১২ম)॥

#### ( हेडि ) विजीयः च्यार 🛭

'উদ্ভিন্দতীং শংক্রন্তীং' ইতি স্কেন দৃতিজয়কর্মণি অকান অভিমন্ত্রা দেবনং কুর্যাং। স্থিতিং হি। 'পূর্কাস্থান্য গর্তং খণতি' ইতি প্রক্রমা 'উদ্ভিন্দতীং শংক্রয়ন্তীং (৪।০৮) বধা বৃক্ষং অপনিং ( গাবং ) ইলং উগ্রায় ( গা১ > ৪ ) ইতি বাসিতান অকান নিবপতি' ইতি (কৌ তাকে )। তধা 'স্থান্য রক্ষান' ইত্যাদিভিং 'কর্ফীন বংলান ইছ রক্ষ বাজিন' ইত্যোন-মন্ত্রাভিন্তিস্ভিন্ধ গৃতিকর্মণি হালপদামাং রক্জ্যং লপাতালোন লংস্ক্র্যাং। 'অয়ং হালং' ইতি পালেন গোভোগ হালং প্রযান্তহে। 'ইহ্ বংসান' ইতি পালেন তত্যাং হালপদামাং রজ্জাং বংশান বন্ধানাং। স্থাতিং হি। 'কর্ফী পালানাং হালপদামাং স্পাত্রত্যাং অরং হাল ইছ্ বংশাং ইতি মন্ত্রোজং' ইতি (কৌ তা৪)। তথা 'স্থান্য রক্ষান' ইতি ভিস্তিঃ কর্ফীলবং দ্ব্রাং। স্থিতাতং হি। 'স্থান্য রক্ষীন্ ইতি কর্ফীং লান্ন্দ্যাং দ্বাতি' ইতি (কৌ চা৭.)।

তত্ত্ব প্রথম।।

উ दिन्म और मः अश्वाखोरत्मतार माधूदनविनी मुन

হৈছে কুতানি কুথানামপ্সরাং তামিছ ত্বে॥১॥

#### পদ পাঠ: ।

উৎহত मङीय। नम्हज त्रश्रीम्। जनताम्। नास्ट्राविमीम्।

গ্লিছে। ফুতানি। কুথানাম্। অংপরাযু। তাম্। ইহা ছবে ৫১॥

উদ্ভিন্দতীং পণবদ্ধেন ধনন্ত উদ্ভেখনং কুৰ্সভীং লংভয়ন্তীং লগাক্ অয়ং প্রাপ্ন শতীং লাধ্কিনিনীং অন্যোপায়পরিজ্ঞানেন অক্ললাকালিভি: শোভনং ক্রীড়ন্তীং এবংগুণবিলিটাং
অপ্যাং দৃতিক্রিলিদেশতাং অপ্লরোজাতীলাং। অহং দ্বৌমীতি শেবঃ। অপি চ মহে।
গৃহতে পণবদ্ধেন করাত ইতি দৃতিক্রিয়াজেরোহর্জে। গ্রহঃ। 'গ্রহুদ্নিশ্চিগ্নশ্চ' ইতি কর্মণি
অপ্। 'অক্সেমু গ্লহঃ' ইতি অক্লনিহরে নিণাতনাং লহং। তামন গ্লহে নিমিতে কুতানি
দৃতিজয়চিহুনি কুত্রেভালিশক্লালানি অয়দংজ্ঞানি কুরানাং কুর্মাণাং। কুতার্লাভো হি
মহান দৃতেজয়ঃ। তাদ উক্রং দৃতিক্রিলং অধিকৃতা আপত্তবেন। 'কুতং মজনানো
বিজিনাতি'ইতি (আণে ৫:২০))। এবস্তুলাং ভাং অপ্লরাং ইহ অমিন্ দৃতেজ্বকর্মণি
অবং হবে আহ্বামি। আগতা লাম্য অসং করোড় ইতার্জঃ ॥ (৪কা—৮ল—০৮

সম্প্র

#### चि शेषा।

। । বিচিম্বভীমাকিরন্তীমপ্সরাং মাধুদেবিনীমু।

্লহে ক্লভানি গৃহ্লানামপেনাং ভামিত ভ্ৰে। ২ ।

79-915: 1

। বিহচিষ্ঠীন্। আংহকিরতীম্। অংসরান্। লাধুছলেবিনীম্।

! সংহো কুডানি। পুহুনোম্। অবস্রাণ। তাণ্। ইহা ক্রেড্য

বিচিঘতীং একতা নির্বাধে কোর্ছে ত্রিচতুরান্ অকান্ বিশেষেণ পৃষ্টেঘতীং দ্রক্তি ইর্মিতীং। পুনস্তানের অন্নর্ধং বছরু কোর্ছের আক্রিডাং সময়ত্বিক্রিপতীং। কু বিক্রিং। জুলান্ত্রং শঃ। 'বুজ ইরাডোঃ' ইতি দ্বং। অন্তল্ ব্যাধ্যাতংঃ ২ ঃ ভূভীয়া।

1 1 शरियः পतिन्छाछ। ननाना क्रष्ठ प्रहार।

া । । । দা ন: কুতানি দীণ্ডী প্রহামাধোতু **মায়**রা।

দা নঃ পর্ফটেচ্যতু মা নো আরেরিদং খনম্ । ● ১

পদ-পাঠঃ।

म। चरेपः। পরিহনুভাতি। चारतनाना। कृष्टम्। प्रदार।

লা। নঃ। কুতানি। সীৰতী। প্ৰংহাৰু। আন্প্ৰোত্। সাল্লা।

লা। নং। পদ্পতী। আনা এতু। মা। মং। জৈবুং। ইণম্। ধনম্। ৩ ॥

চতুর্থী।

1 ৰা ককেবু প্ৰযোগন্তে শুচং কোৰং চ বিজ্ঞী।

चानिक्तीः श्रामिनीयश्चताः एमिह छ्त् ॥ 8 ॥

পদ-পাঠঃ ।

যাঃ। অংকেরু। প্রহমোদতে। ওচন্। কোধন্। চা বিত্রী।

আহমিক্ষীয়া এইমেদিনীয়া অপ্লরাষ্য ভাষ্য ইহা কৰে। এর

# গ্রাপ্ত রশ্মীনসু যাঃ স্থার স্থান্ত স্থানি হা শুস্কর স্থ

ভূতীয়া। যা গদ্ধনি আন কৰে আক্ষাত্ৰসংখাবিলে বৈঃ কুতাদিশক্ৰা হৈ। পরিন্তাতি অভিমত্ত্ৰ প্ৰাপ্তা। পরিত্তী নতানং করে তি। কীদৃশী। মহাৎ গৃহ্যাণাৎ গণবদ্ধাহ কুত্তং এতংশংস্তং অমং আদ্ধানঃ আদ্ধানা কুৰ্বাণা। কুত্ৰমংহাং তত্তা অসাধারণাে গুণঃ। বা ভাদৃশী নঃ আন্ধানং কুতানি কুত্ৰক্ষাতান্ন চতুংশংখাাযুক্তান্ন আ্যান্ শেষ্থী অবশেষ্থী আহান্ প্ৰহ্পুৰ্বান্ অ্যান্ মান্ত্ৰা বাংমাহকশক্তা৷ আপ্রোহু অধিতি ঠতু। এক বিষয় প্ৰকাশ্যান্তা আহান্ প্ৰহ্পুৰ্বান্ অ্যান্ মান্ত্ৰ চতুৰ্বাং কৃতং ইতি শংক্তা। তথা চ তৈত্তি নীয়কং। 'যে বৈ চিবাং প্রেমাঃ কৃতং তথা অব গে পঞ্চ কলিং বাং' ইতি (বৈ ত্বাৎ সাহ সাহ তথা ছবাছ। অত এব দাশত্যাং লক্ষ্ণামাৎ কিত্ৰাছ্ছীতিরাল্লা। 'তিত্রাশ্চন্দ্বন্ধান্থ বিভীয়াৰ আ নিধাতোঃ' ইতি (বি ত্বাৎ সাহ সাহ নিক্ষা চতুরাক্ষান্থ ব্যাহ্মত ইতি তৎ বুণা কিত্ৰাছ বিভীয়াং ইতি (নি তা তা মান্ত্ৰাণ দ্বাহায়ত লাভাবে ব্যাহাণিক্ষেতা প্রস্তুতী দ্বাহাতিন বুলাকিকেবাৰ বিভীয়াৰ ইতি (নি তা তা মান্ত্ৰাণ দ্বাহাণিকেবাৰ প্রস্তুতী দ্বাহাতিন বুলাকিকেবাৰ বিভীয়াৰ কৰিবান ভবতী মান্ত্ৰাণ কুত্ৰিকাৰ প্রস্তুতী বুলাকিকেবাৰ বুলাকিকেবাৰ বুলাকিবেনন ভবতী মান্ত্ৰাণ কুত্ৰিকাৰ প্রাণ্ডিবেনন ভবতী মান্ত্ৰাণ কুত্ৰিকাৰ বুলাকিকেবাৰ বুলাক

व्यक्त - ७१ ( )१ ) १६-७-७३

আশান্ ঐতু আগজতু। নঃ আমাকং ইদং পণিতস্তেম কল্পিতং ধনং অতে কিতবা মা তৈষ্যু মাপভার্ত। লগতেমাঙি লুঙি 'পিচি বৃদ্ধি পরতৈমপদের্'' ইতি বৃদ্ধি। যা গদ্ধবিত্রী

শ্বাভাক্রিরাম্ম উক্তা আকেব্ দৃষ্ডিসাধনেবু প্রমোদতে প্রস্কৃত্তি। মুদ কর্বে। কিং কুর্মভী।

শুচং ইইজয়নিয়োগাৎ লোকং পুনর্জিগীবরা ক্রোণং কোণং চ নিত্রতী গারয়ভী। ছুভ্ঞ্
ধারপপোবপয়োঃ। লটঃ শ্বাদেশঃ। শৃণঃ শ্রো 'ভ্ঞাং ইং' ইতি অভ্যানত ইদ্ধে।

শ্বভাজানং স্থাদিঃ' ইতি উদ্ভেজ্য। (৪কা ৮ল - ৩৮ছ্ ৩ম)।

চতুর্থী। আন ক্ষিনীং দ্বিজনিত হর্ষ্কাং প্রমেদিনীং দ্বালক্ষান্ অন্তান বিধানিক ক্ষিত্রী । যথা আন ক্ষিনীং প্রথাতীং প্রমেদিনীং প্রহেশ্বতীং ক্ষিত্রীং ভাং প্রাপ্ত কারং অপরাং ইছ দ্বিক পরি জার্থিং অহং হবে আহ্বরামি। যা অপারণঃ প্র্যাপ রশীন কিরণান অমু। তাক্ষণে আনোঃ কর্মপ্রবিচনীয়ন্থং। রশারো বত্ত নির্গিছন্তি তামিন্ প্রদেশে পঞ্চরতি বর্তন্তে। অনুনীচীকা মরীচিশকেন প্রভা বিশক্ষিতা। প্রাক্রিণদন্ত্রীঃ মরীচাঃ প্রভা অন্তল্জা যা অপারণঃ দঞ্চরন্তি। যালাং অবভ ইত্তিরম্ভ্রেণ শ্বদ্ধা। 'তম্ব মরীচ্মেপ্রদাং' বিভ শংণ ও ৪৭১১) ইত্যাদি তৈভিরীয়কং অমুণক্ষেয়ং। (৪কা—৮ল—৩৮্স—৪ম্)।

শঞ্মী। যাগাং অক্সরসাং খবতঃ ব্যতঃ সেচনদ্যর্থ পতিঃ দ্বতঃ দ্রে বিপ্ররুটে অন্তরিক্ষণেশ গঞ্বন বাজিনীবান অন্ধ অতাং অতীতি বাংপতা। বাজিনী উষাঃ। ততাে নিজ্যাবাদে মতুশ্। দর্শনা উবলা দম্ম ইত্যুর্থা। ল চ পতঃ নীল্লং দর্শনি লোকান রক্ষন্ পাল্যন্। হেতৌ শত্পত্যুয়া। পালনাম্মেতোঃ প্রেডি প্রতিদ্বনং প্রাণিপ্ততে ল বাজিনীবান ক্র্ডি অন্তরিক্ষেণ্। উপলক্ষণং এতং। অন্তরিক্ষণতাভিন্তাভির্পারে।ভিঃ দ্ব ইবং অস্পান্থ হোমং হ্রানাং হবিঃ স্বাণঃ দেব্যানা নঃ আনান্ এতু আগ্রন্ত । ধ্র

मछी।

ক্ৰীহ ভে মনোজ। •।

পদ-পাঠঃ।

অকরিকেশ। শহা বাজিনীখবন্। ক্কীম্। বংলাদ্। ইত। রক্ষাং বাজিন্

हेत्या (का (खालांका नहनाः) चा हेहि। चर्ताका हेत्रा (का

ক্ৰী। ইহা তে। মনঃ। আছে। ৮।

ছে বাজিন । বাজাং জালং বলং বা। তথন জালুরিকেশে জালুরিক্দেশোপল জিতাপ্নরোগণেন লহ বাজিনীবান (উবলা তথান)। হবিল্কেশং বা জালং বা(জিনী তথা)ন।
ইহ জ্মিন স্থানে ক্রীন্ ক্রেণ্ণান্ গুলান্ বংলান্রক পালর সমৃদ্ধান্ কুরু। তে
স্পীরা ইমে ভোকাঃ ক্রীলোদিবিন্বো ধারাং বছলাঃ দমৃদ্ধা জ্মাকং ভবস্তা। সং চ জ্রাজ্
জ্মাণভিম্পং লন্ এহি জাগছে। ক্রীং ক্রিণ্ণি গুলা ইয়ং গৌঃ তে ভব স্ভূতা ইছঃ
জ্মিন গোর্ভে বিভ্তে। তে ভূতাং নমঃ। জ্মাতিঃ রুতোং নমস্বারং লক্ত বভু॥ ভয়

गलुगौ ।

काशः चारमा काशः खक है स्वर्गाः नि बक्रीमः।

। যথানাম ব ঈশুহে স্বাহা ॥ ৭ ॥

প্দ-পাঠঃ ১

শতরিকেশ। শহ। বাজিনীহবন্। কর্জীন্ট বংশান্ট ইহ। রক্ষা বাজিন্ট

भागरा यागरा भागरा अभारा देखा वरणाम्। ति। वद्रीमरा

ব্যাহ্নাগ । কং। ইন্টাহে। বাবা । ব

পৃর্বোহয়্পান করে। जन्न প্রবাদ নালা । जन्म । जन्म

কুর্ত্রঃ। (বং বুজাকং) যগানাম সেন প্রকারেন পলু ঈশাহে আংনিনো ভবান: তথা হি বয়ীমঃ। ঈশ ঐপর্যো। জ্বালিভাৎ শণোলুচ্। আনতা ইদংহবি: আংত্তং জ্যা ।৭ ॥

#### (ইভি) ভূঙীয়ং হক্তং।

পৃথিব্যাং অর্থে ইভি অন্তেন দর্মনংগৎকাম: মান্ত্রপ্রি: পৃথিব্যাভা বেবতা যজত উপতিঠতে বা। ছিত্রিজ হৈ। কামাকর্মাণ প্রক্রমা 'দমাত্বাথে (২৮৬) অভ্যর্ক্তর (৭৮৬) ইভারিং লংগৎকাম:। পৃথিব্যাং ইভি (৪০৯) মান্ত্রেজে: ইভি (কে) ৭০১০)। তথা লাক্যজ্জভন্তের 'পৃথিব্যাং অর্থাকে ল্লান্ত্রিজ প্রান্তিলেন্ত্রিজ লাক্ষাল্তেরের 'পৃথিব্যাং অর্থানে ল্লান্ত্রিজ লাক্তিলেন্ত্রিজ লাক্ষাল্তেরের কর্মান ক্রেল্ডাং প্রক্তান্ত্রেরের কর্মান বিঃ: ইভি বাভাাং প্রভাতেরামা ক্র্যাং। ছাত্রিভং জ্বাহারি: (৯) ক্রাণ পৃত্তং (১০) পুরস্থাক্ মুক্তঃ (৫২৯১) ব্যক্ত চক্রং (২০০৪০) ইভি জ্বোভি পশ্চাদ্ অর্থান্ত্রিলেন্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলেন্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলান্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলান্ত্রিলেন্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলান্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলান্ত্রিজ লাক্ষাল্তিলান্ত্রিলা

#### ভত্ত প্রথমা !

# পৃথিব্যামগ্রে সমনমন্ত্র আর্থেন্।

য়ণ। পৃথিক্যানগ্রের সমন্মলেব। সহস্থ সংনমঃ সং নমস্ত ॥ ১ ॥

#### **लप-लार्ठः ।**

। পুণিবামি,। অপলয়ে। সম্। অনমন্। **লঃ।** আবারেণি।

ম্পা। পুৰিবয়াম্। কাইছো। ৰণ্ডকান্যন্। এবা মহজ্। স্থহন্যং। লম্। ন্যস্ত ॥ ১ ।

প্রথনাৎ পৃথিবী স্থানি। ভাজাং অণিদেশতাত্ত্বন অবস্থিতার অপ্নয়ে লমনমন্ লকাণি স্তানি লংগতানি উপল্লানি ভণস্তি। ল চ করিঃ আর্থেছি লংগতৈ ভূতকাতিঃ লম্জ্যে ভবতি। যথা খলু পৃথিব্যাং অধারে ভূতানি লমনমন্ এল এবং লংন্মঃ। লম্পু্রাল্নে ভিক্তি ক্পিন্ন অভিল্যিত ফলক লংগত য়ং লক্ষাপ্রয়ং সক্ধান্ধ লম্ভাপু্রস্থা ১।

# विशेश।

# পৃথিবী ধেনুস্তভা। অগ্নিকবিংদ:।

म। খেরিন। বংগেনেবভূজ্জ: কামং ছহাম্।

चा हु: প্রথমং প্রকাং পোষং রিরিং স্বাহা ॥ ২ ॥

**भए-भ**र्छः ।

পুণিবী। শেহুঃ। ভঙ্গাঃ। অরিঃ। বংসঃ।

লা। মে। অংলিনা। বংলেন। ইবস্। উজন্। কামণ। তুহাণ।

শারু। প্রথম্ম তাহজাণ। পোৰ**া ররিম**া ভাছা∎২।

পৃথিবী দেফুং দোগ্ধী গোঁং। তথা ধেষা অগ্নির্মংশং প্রদং প্রদাশন্নিতা। দা পৃথিবী আগ্নিনা বংলেন বংসন্থানীয়েন অগ্নিনা ইবং অরং উর্জ্জং বলকরং অর্থনং কামং কামামানং অভং শর্মং ফলং মে মহাং গুলাং হুলাং। প্রস্থাত ইত্যবং। কামন্দ্রেন লামাজ্যেন্তং ফলং বিশিন্তি। প্রথমং পুত্রপ্রাণীনাং ফলানাং আদিমং প্রথিতং বিত্তীর্ণং বা শতল্বংসরং অশ্বিমিতং আয়ুং জীবনং হুগ্নাং। প্রজাহ প্রভাগতে উৎপক্ত ইক্তি প্রজা পুত্রানিরূপ। উশ্পর্যে ক্রিংলারং ইক্তি উপ্রভায়:। (ভাং) পোবং পৃত্তিং অবিশ্বাং শর্মিত ফলতা অভির্ক্তি রিয়ং গ্রাণিলক্ষণং ধনং চ প্রয়েজ্জু। স্বাহা ইনং তবিং সাত্ত হ অল্প্তঃ ২ ৪

# ভুতীয়।।

। । অন্তরিকে বায়ৰে সমনমন্ত্ব আংগ্ৰিং।

যুণান্তরিকে বায়বে সমন্ধলেব। সহুং সংন্মঃ সং ন্মস্তু। ৩ ॥

পদ-পাঠঃ।

্ বিশ্ব বি

( অন্তরিক্ষে ) অন্তরিক্ষলোকে তদধিপথেন অবস্থিতার বারবে ভত্ততানি ভূজজাভানি কৃষ্ণসংক্ষাণীনি শনমন্ শন্ত প্রকৌভবস্তি। স আর্থেৎ ইত্যাদি পূর্ববং বোজাং। এঃ

চতুৰ্থী।

শন্ত রিক্ষং ধেনুত প্রায় কৰিং লঃ।

সা কো বায়ুনা বহুলেনেসমূর্ত কলিং কুলাম্।

শারুং প্রথমং প্রজাং পোবং রুরিং স্বাহা । ৪ ।

পদ-পাঠঃ।

শারুং বাব্নাঃ বংলেন। ইবম্। উর্জেম্। কামমূঃ হুলাম্।

শারুং প্রথমম্। প্রথমম্। বারুং। বর্মা, ব্রাম্।

অন্তরিকং অন্তরিক্রেলাক এব ইউক্লপ্রন্থাৎ থেছা লোকু পি:। তত গেছছেন রূপিতত অন্তরিকত তদ্বিনাত্তন্তরে সঞ্চরন বাহুর্বংশঃ। দা অন্তরিক্রেপা থেছা (বাহুনা) বাব্।গুনা-অকীরেশ বংগেন ইবং উর্জ্ঞাং ইত্যাদি পুর্বাবং বোজাং॥ (৪কা—৮জ—৩৯ত্—৪ম) ৮

## **शक्ष्यो** ।

निवासिकाञ्च मणनमञ्जूम जारश्रीर।

यथा विवासिकात्र मनम्मात्रवा महार मरनमः मर नमस्त्र । स

পদ-পাঠ: ।

निति। অপ্ৰিড)য়ে। সৃষ্। অনুমন্। সুঃ। আধুহি।

विभा विभि व्यक्ति । नुभर्षासन्। এया सङ्ग्। नग्रन्मः। नम्। सम्बार

দিবি ছালোকে অবস্থিতার ওদবিশতরে আদিত্যার অদিতে: পুতার স্থার ছালোক-বাদিনো জনাঃ শমনমন্ শম্ক প্রহোভবক্তি। তং শেবস্ত ইতার্ব:। শ চ ছালোকস্থ আদিতাঃ আর্থে ইত্যাদি পুরবং বেলাঃ । (৪কা – ৮ন ৩৯৫ – ৫ম)।

मछी।

ভোক্ষেত্তভা আদিভো বংস:।

। শা ম আদিতোন বংগেনেদমুজ্জ; কাৰং সুহাম্।

। আয়ু: প্রথমং প্রজাং পোষং রুয়িং আহা ॥ ৬ ॥

नम-नार्भः ।

ছোঃ। ধেছুঃ। ভখাঃ। আদিতাঃ। বংনঃ।

ना। दमा चाकिरकान। वरत्नन। इवमा किकार्। कामग्। इवाम्।

শাস্থা প্রথমন্। প্রহলাম<sub>্য</sub> পোৰ্মন্য রয়িম্। স্বাহার ৬ র

হালোক এব অভিনতফলপ্রণানেন দোঝুী পেছঃ। তত্ত্ব পঞ্চরন্নাদিতা এব ততা বংলঃ। শাম ইত্যাদি পূর্ববং বোজাং॥ (৪কা—৮অ – ৩৯ক্ – ৬ম) ॥

## गश्चमो ।

किस्कू हस्ताश गर्भनशस्त्र नार्श्वार।

थेथ। निक्कृ हस्साग्न प्रश्नेमश्चिमः नम्स्या भिष्ठाः नमस्य ॥ १॥

भए-भाठैः ।

িকু। চক্তার। সম্। অসমন্। সং। আনার্থি।

। विचा किस्कृ। চজার। শম্হখন্নন্। এব। মহাধ্। সমহন্যঃ। শুনু নুষ্ঠ ॥ ৭॥

দিক্ষু প্রাচ্যাদিয়ু ভদবিদেবতাত্বেন অবস্থিতায় চন্দ্রায় চন্দ্রমণে তন্ত্রভাঃ শর্কে জনাঃ শুমনমন্প্রহ্রীভবজিঃ। (ল) আধুনিং ইভ্যাদি পূ্ক্বিংঃ (৪কা−৮অ,—০৯ফ্—৭ম)ঃ

વ્યક્રમાં !

। पिट्णा (भनवेखानाः हृद्खाः वर्गः।

। ভা মে চত্তেৰে বংশেনেসমূর্জ্জং কামং ছহাম্।

আয়ু: প্রাথনং প্রকাং পোদং রারিং স্বাহা॥ ৮॥

भष-भाठेः।

। । বিশং। শেনবং। তালাশ। চক্রং। ব্ধলং।

জা৷ মে৷ চত্তেশ। বংশেন। ইখম্৷ উত্তন্৷ কামণ৷ লুহাণ৷

পায়ুঃ। প্রাথমণা প্রহণাশা পোষ্য। ররিয়া আংখাচা

দিশঃ প্রাচ্যাতা অভিগ্রহকলপ্রদানাৎ শেনবঃ দেক্ষ্যো গৰাঃ। ভাগান্ অধিপতি দেব লব্লিহিতঃ চক্ত এব বংবঃ। ভামে চফেল বংবেনেভাগি পৃথিবং ঘোজাং ॥ ৮॥

অবৌ লৌকিকে অকারাআকে দেশভারণং অগিঃ গল্পানধোঁন প্রশিষ্টঃ পন্ চরতি বর্ততে।
যথা মণিতঃ অগিঃ আহিংনীয়ে অবৌ প্রশিষ্ট করতি। প বিশেষ্টতে। পানীগাং দ্রষ্ট পাই
চক্ষরাদীনাং পুত্রঃ। তথা।পারেণ মধনাত্মনা আভমাই। 'প্রাণা বা প্রবয়ং' (মৃত আভ নাং ৫) ইতি শালদনেয়কং। যথা ঝানীগাং মন্ত্রাণাং অগ্রিমন্থিনাং পুত্রঃ। অববা অবর্কালিরঃভ প্রভানাং প্রীণাং পুত্রঃ। 'ছাং অস্তে পুদ্ধাং অধ্যধ্বনা নির্মন্থত' ইতি হি নিগ্নঃ (মৃত ৬০১৯০০)। অভিশন্তিপাঃ অভিশন্তেঃ অভিশন্ত্রমানাং আরোপিতাং পাণাং পালবিতা। উপক্রংপ্রবঃ। উল্পায় তে তুভাং ন্যক্ষাবেশ ক্রিবাধা ক্রণানাং প্রহ্মীক্রণেন ছবিবরুং শুম্পিনেন ন্ম্লা। অন্ত্রানৈতিই। ইনিল্কিশ্রেন অন্তেন স্ক্রেনিছা 'তৃতীয়াচ হোশ্ছন্দিণি ক্ষিতি কর্মনি তৃতীয়া। নিষ্কালস্থিতং তৰ্তিজুলোমীতাৰী। তথা চ দেবালাং ছাগ্ধ ভ্ৰিতিবিং সিধুয় মিধানমা কর্মনা কার্মা করেন। ক্লেঞা মাঙি কুডি 'মল্লে ঘস-'ইতি চেুলু ক্ষি নর

#### मभगी।

#### भन गाउँ:।

হল। পৃহণা মনগা জাভংগেদঃ। বিখানি। দেশঃ বয়ুনানি। বিখান্।

1 | ।

শপ্ত। আছোনি। তথা আভেগ্ৰেলঃ। তেভাঃ। জুহোমি।

#### मः। ङ्गक्षा इराम्॥००॥

হারা তাৰয়েন মনসা তাৰ ক্রমিউজানক বর্ণেন পূতং শুদ্ধং হবিশ্বভাং আুরোমি। থে আজবেদং জাতানাং বেদিতঃ তে দেব দানাদিজ্বযুক্ত অয়ে বিখানি লারাণি বয়ুনানি। বয়ুনং ইতি জাননাম। ইহ তুজ তবো বর্জতে । ব্যুনং বেতেঃ ইতি মান্ধঃ (নি ০ ৫০১৪)। লারাণি জাস্তব্যানি বিদ্যান আনন্ ভবিদি! হে জাতবেদ্ধান্তব সপ্ত আগোনি লপ্তদংখাকা কিহ্বাঃ। তাশত উত্তর্গন উপনিবলি আলায়েন্তে। কালা ক্রালী চ মনোজবা হালোহিতা যা চ অধ্যাবণা। ব্যুলিলিনী বিশক্ষ্টাত তৈ তা বেলাগ্যানা ইতি লপ্ত জিহ্বাঃ। ইতি (মৃ০ ১০২ার)। তেতা আভেজ্যঃ। ভাদবোঁ ততুর্থী। ভেবাং উদ্যাটনায় আজাং জুহোমি। প্রাক্ষিণামীতার্থঃ। ল বং হবাং হোতবাং শ্বানীয় হবিঃ জুব্ব বেবস । (৪কা - ৮ল—৩৯ত্ —১০ম)।

#### ( ঐভি ) চতুৰ্বং স্ফোং॥

'বে পুরস্তাৎ' ইন্ডি ক্রেক 'দুয়া। দুৰেরসি (২০১১) যে পুরস্তাৎ (৪৪৪০) ঈশানাং
মা (৪১১৭)' ইত্যালিক্লড্যাঞ্জিতরণসংশ (কৌ॰ ৫৩) পাঠাৎ ক্লড্যাুহির্বশকর্মণী
শাস্তানকাংনী বিনিরোগঃ।

#### তত্র প্রথমা।

ধে পুনস্তাতজ্বতি ভাতবেদঃ প্রাচ্যা দিলে ভিদাণস্তাসান্।

অগ্নিমুখা ভে শনাকে। ব্যথস্থাং প্রভাগেনান্ প্রভিগরেণ হিন্ম। ১ 🛭

भन- शार्ठः ।

্য। প্রভাগে জুহুইতি। জাতধ্বেদঃ। প্রাচ্যাং। দিশঃ। অভিচ্নাশভিঃ অসান্।

অগ্নি। ঝহা। তে। গ্রাঞ্চা বাণভাষ্। প্রভাফ্।

এনান্। প্রতিহ্মরেণ। হরি।১॥

তে লাভবেদঃ ভাতানাং উৎপদ্ধানাং বেদিভরয়ে যে শাজার পুরস্তাৎ পুর্বাছ দিশি।
মহা পূর্বাজা দিশঃ দক্ষালাং। 'পুরাধরাবরাণাং ' ইতি অধিকৃতা পঞ্চয়ারে দপুমার্থে বা
'ভাতারি ৮' ইতি অস্তাতিপ্রতায়ঃ। জুহবতি হোমেন অস্থান্ অভিচরন্ধি তসাং গোমাং
প্রাচ্যা দিশঃ দক্ষালাং অস্থান্ অভিদাশনি উপক্ষণয়ন্তি হিংদন্তি। দপু উপক্ষে। অস্থাই
গায়াং পরকু শালাং ক্ষালাভয়ালা ইতি আর্ক্রিন্ত্র হাং 'বেরনিটি' ইতি গিলোপাঃ। তে
শাজার: চপ্রা দিশঃ অনিপতিং ভারিং দালা গছা অস্থাই নিগতিতাঃ পরাজ্ঞা পরাজ্মীলাঃ
সমদনভিম্পাঃ দন্তো ব্যবস্থাং বাগিতাঃ সম্প্রাঃ প্রদাই ভবস্তা। বাগ ভ্রচলনয়োঃ। এনান্
শাভচরিত্র শাজান প্রতিদরেশ। প্রতিসরাভ প্রতিম্পং নিগর্ততে আভিচারিকং ক্ষা
আনেন্তি প্রভিদরঃ। (প্রতিসর)শাজেন এচং রক্ষাক্ষা বিস্কিতং। তেন প্রতাক্ প্রতিম্পং নির্ত্তেন ভদীংমনৈ কভাচারকর্মনা ভাল্ হুনা হিলমি। হল আভচারকর্মণা উৎপাদিতাং এনাং কুচাাং খনেন প্রতিস্থেশ রক্ষাকরণেন প্রভীচীনং নির্বিভ্রচ

विक्रीशा

বে দক্ষিণতে। জুহ্বতি জাতবেদে। দক্ষিণায়া দিলে। ভিদাণস্থাস্কাৰ।

ৰসমুদ্ধা তে প্রাক্ষে। ব্যুণস্তাং প্রভাগেনান্ প্রতিশরেণ হক্ষি। ২ ৮

#### পদ পাঠঃ ।

(स । किन्ना । क्सिकि । काक्स्रानाः । पिनाः । किनाः । क्सिकानिक्षः । काकान्।

ৰমশ্। আহা। তে। পরাঞ্চা ব্যথভাষ্। প্রভাক্। -

এনান.। এপ্রতিহ্সরেপ। ছলি।২। — - - -

বে শত্রেকা দক্ষিণতঃ ক্ষেদাবাসভানাৎ দক্ষিণতাং দিনি দক্ষিণতা দিলো বা শ্বন্থিতা ছ্বেতিঃ হোমেন আলান অভিচরপি। 'দকিশোতরাখাং অতথচ্'। 'চিভঃ' ইতি আতোলাতখং। জুহবতীতি। 'অভাভানাং আদি:' ইভি আহাদাত:। যগৃতয়োগাদ্ আনিখাতঃ। দক্ষিণায়া দিশ ইভ্যালি পূর্ববিং যোজাং। অগ্নিং ইভ্যুত হানে দক্ষিণদিশঃ च ধিপতিং যমং ইতেঃভাবাৰেব বিশেষः॥ (এক।—৮ খ ৪∙ত্ ২৸)॥

## क बीमा ।

ষে পশ্চাজ্জ্লতি আভবেদঃ প্রতীয়া দিশ্যে ভিদাসস্তাস্থান্।

পদ-পাঠঃ।

(ग। १ म्हार। जूलिहा चाल्ररमनः। श्रिकीह्याः। निमः। चिक्रमामिशा चमानः।

বকুণ্। আহা। ভে। প্রাঞ্ঃ। বাগভাশ। প্রভাক্।

এনান । প্রতিছলরেণ। হান্য ৩ <u>।</u>

পশ্চাৎ প্রতীচ্যাং দিশি যে শক্তজনা অক্ষদভিচারার্বং জুহুবভি। 'উপর্যুগরিষ্টাং' 'পশ্চাং' ইতি শ্রমার্থে নিপাভাতে। অন্তৎ পূর্ববং যোজাং। প্রভাগিদশোধণাভং বরুণং এছা ইভি ष्ट्र विरामवः । ( ४व।-- ५व - ४०४ - ०४ ) ।

```
চতুর্থী।

ব উত্তরতো জুহরতি জাতবেদ উদীচ্যা দিশো ভিদাসপ্ত স্মান্।

বামমুখা তে পরাকো ব্যুক্তাং প্রতারেশনান্ প্রতিসরেশ হন্মি । ৪ ।

পদ-পাঠঃ।

বি। উত্তরতা জুহরতি। আতহবেদঃ। উল্লাচাঃ। দিশঃ। অভিহলদন্তি। অমান্।

কোমম্। প্রা। তে। পরাক্ষঃ। বাল্ডাদ্। প্রতাক্।

এনান্। প্রতিহদরেশ। হন্মি। ০ ।

বে শ্রেণঃ উত্তরতাং দিশি। প্রবিৎ অতমুচ্। অভদ্বাগাতপ্রায়ং।
```

ষে শতাবঃ উত্তরভাং দিশি। পূর্বাৎ অভসূচু। অভক্ষাধ্যাভথা লোমং ভাদ্দেশোশিগভিং ঋষা ইতি খতা বিশেবঃ। (৪ক। — ৮ল — ৪০ফ্ - ৪ম)। \* ু \*

```
ণকমী।
। । ।
।
বে১৭স্ত জ্বৈতি জাতবেদে। প্রবায়া দিশোলিখনিস্থাস্থান্।
---
```

হে শ্রেবঃ অবতাৎ অধরায়াং দিশি। পূর্বনদ্ অগরশকাদ্ অন্তাতি প্রচায়:। অনুধ্ পূর্বনদ্ ব্যাধ্যেং। সৈব অধরা দিক্ পৃথিবাজ্মনা ছিরজাদ্ প্রণেত্াচাতে। অধরায়া দিদ ইত্যর্বঃ। ততা দিশে। ভূমিরেবাশিদেবতেতি তাং আংশ্য ব্যাথতা (ভবজ্বিচাদি পূর্ববিদ্ যোজাং॥ (এক।—৮ অ – ৪০ম ৫ম)॥

यश्री ।

বে ১ শুরিক্ষাজ্পুর্ভি কাভবেলে। বাংলায়। দিশোভিদাশন্তালান্।

ৰায়ুমুখা তে পরাঞ্চে বাণন্তাং প্রভাগেনান্ প্রভিগরেণ হিমা । ।।

। । বো **অৱরিকাং। জুহ্বভি। আ**তহংবদঃ। বিহল্পবায়**ঃ**।

পদ-পাঠঃ ।

। বিশং। অভিহলাদয়িঃ অসান্।

ৰাছুশা কাৰা। তেওঁ প্রাঞ্চা ব্যুপধাশা প্রত্যুদ্ধ

এনাৰ্। প্ৰতিহ্ল'বণ চ্লিয়ঙ।

( অন্তরা প্রাবাপ্থিকার্বী ক্রিন্তং অন্তরা )ক্রান্তং বা যক্ষপদ্ধবি। দিগণলেবিডং অবকাশাস্থাকং আন্তরিকং। সপ্তমাবে পঞ্মী। অস্তারকলোকে যে শত্রবো জুবব হাঙাদি পূর্বব হ যোজাং। ব্যাধ্বাদা দিশ ইতি। বিগতা অধ্বানো যঞাং ইতি বাধ্বা। 'উপদর্গাদ্ অধ্বনঃ' ইতি শচ্ স্মাদ্ভো: ত্র ক্রেন্ব্যাস্থ্যাধিদেবতে কি বাহুং খহা ইতুল্ভেং। ৬ ॥

**শ প্রমী**।

ষ উপরিষ্টাজ্বতি কাতবেদ উল্লায়। দিশোলিদাসভাস্মান্।

সুর্ব্যম্ব। তে পরাঞ্চে ব্যুপস্তাং প্রভাগেনান্ প্রতিসরেণ হলি । १ ।

अम-भात्रेश ।

যে। উপরিটাং। জুহ্বভি। আনভাংনেদঃ। উহ্বলিয়াঃ। দিশঃ। অভিহলা**নস্তি। অসান**্‡

স্থী।ম্ পাহা। তে। প্রাকঃ। সাগত।ম্। এইভাক্।

একান্। অপতিহণরেশা হলি।৭।

গে শরেশ: উপরিষ্ঠাং উর্জারাং দিশি জালোক স্তীন্তাং জুহবতি আমান অভিচরতীত্যাদি পূর্ববং। ক্রানোকম্মের্জিনিশিপতিং স্থাং ঋষা ইতে। চাবানেব বিশেষঃ । ৭॥

भागेशी।

। যে শিশামস্তর্দেশেভ্যে জুক্তি জাতবেদঃ স**র্বাভ্যে**।

> निग्रमः जिनागन्नाम्। - -

। । । । অগার্জ্ব। ডে প্রাক্ষো ক্যথন্তাং প্রকার্তানান্ প্রভিস্তরণ হলিম । ৮॥

भम- भाठे**ः** ।

(या निभाग जलाक्तरपारच छाः। ख्रुवित व्यावकत्त्राः। नर्साचाः।

| এক। ঋষা। তেঃ প্রাকঃ। বাণয়াম্। প্রচাক্। এনান্। প্রতিহ্সবেশ । হয়িয়া৮ । হে জাত্তেবং যে শ্রবং দিশাং প্রাচানিনাং উজানাং জহুর্বেশেতাঃ জন্তরালনেশেতাঃ দিলাশাং জন্তরালনেশেতাঃ দিলাশাং জন্তরালনেশেতাঃ দিলাশাং জন্তরালনেশেতাঃ দিলাশাং জন্তরালনেশেতাঃ দিলাশাং জন্তরালনি ক্রিক্তর্বালন্তরাল করিছে তে লক্ষে প্রাক্তরালন্তরাল করিছে ক্রিক্তর্বালনাশান্তর প্রাক্তরালন্তনালন্তরালন্তরালন্তরালন্তরালন্তনালনল

शक्षमः शक्तिः ।

चाम्हेरमासूत्राकः।

শ্রীমদ্রাজাবিরাজরাজ পরমেশ্বর শ্রী নীরহরিহরমহারাজনাম্রাজ্যধুরস্করেণ দার্গার্য্যেণ বিরচিতে অপ্রকাশতে গুডাডো চতুর্বকাণ্ডে স্মইমেছুগাক: ॥

गमा ७ मह कूर्यः का छः ॥

# অথর্ববেদ-সংহিতা।

----- \*\*\$:• <u>\*</u>•:§\* -----

## পঞ্চমং কাতং।

## প্রথমং সূক্তং।

প্ৰাঞ্চ কাতে বড কুৰাকাঃ। তাৰে প্ৰাপদে কুৰাকে পঞ্চ কুলোনি। তাৰে 'ঋণঙ্মছঃ' 'ভিনিষ্ আনু' ইনি স্কাকাণে ন ক্ৰ'ছে বিকৰণিবলি বা নিহিভায়াং আখ্যাং পাৰোং বিৰুতি গোময়-. প্ৰিচয়ে অ'গং প্ৰাজ্ঞালা আঞাং জুহ্বং শত্ৰিন অভিক্ৰাগতি লংগ্ৰামজন্বকামঃ ■

ভগা তুমিরের কর্মণি ব্রাচগান্তমৃত্তিকাং আনীয় রাজানো বেদিং কুর্বান্ত। ততঃ পুরোগ আজান কুরুল্ডাং আবাং দক্ত্রুশ্চ ভূত্যাৎ শমুরিয়ে তত্ত্বে গমুংস্মিরঃ তৃত্তিয়ে তত্ত্বে ইযুগমিশ্চ আদেশতি। অনি চুল্লুগ্লুত্বং বিমুক্ত অভিমন্ত্রা রাক্তে প্রথক্তি॥

তথা অবিনেত্রণ কর্মাণ যদে একবাণেন মৃতত্ত পুরুষত ইশ্নং উপাদগাণায় উপরি চক্রং ধার্যায়তা দীর্ঘনত্তেন ক্রেণে আজ্যাণ চক্রচিন্ত অধ্যো আজাং জুহোতি। উতিষ্ঠ শন্নত প্রাত্তর মুশাসেত্যাদিকাং প্রোৎসাদনধানং শাস্তা মুদ্ধে যোজ্যেৎ।

'যদি ছিলুড়া', (৫।২৪) ইতি শচং প্রবৈনিকাদ অক্সজোরাং ।

এতেবাং কর্মণাং বিকল্প:। কুঠিচ্চলতাং জারে। ভদতি। রাজা বৈশ্রাশেচদ্ উজ্ঞানি কর্মাণ 'দলি চিল্লু ছা' (৫।২৪) ইতি পচা কার্মাণি ' জালুকানঃ দেনাণতিশেচদ্ উজ্ঞান্তেব কর্মাণি 'ছলা বয়ং' (৫:২৫) ইতোকরা পচা কার্মাণি। যুদ্ধযোগাত্বলীক্ষণকর্মণি 'নি তৎ দ'দবে' (৫।২।৬) ইতি পচা উদ্ধান ক্ষেত্র ভাষণ ছো যোগাত্বলী রাজা অবেক্ষরে । ভারোর্মধ্যে যং যং ন পজেং ভংতং যুগি ন বোজ্ঞাং। 'নি তৎ দণিবে' ইতি পচা নবে রূপে দাবিপিং রাজানং আ্লোগ্রতি॥

ফ্রিকং হি। 'ঝগঙ্গল্পলিবলে লাখখা। পাজা। জিবুভি গোমরপরি চলে হিন্তিপ্তে পুরুব-নির্দি নাহমিজান জুহবদ্ অভিজ্ঞ নিবপতি। বরাচনিহিতাৎ রাজানো বেবিং কুর্বিভি । তথা বালালালামি। একে ছা চভজানতন উপস্যাণার দীর্ঘনণ্ডেন জ্ঞানেপ রুপচক্রজ্ঞ থেন স্মন্ন জুহোভি। বোজনীরাং শ্রুণ বোজনেং। হনি ছিলু ছা (৫।২।৪) সম্মে নেবব্বেভাঃ (৬১০) ইভাযাহ' ইভানি (কৌণ্ডে)।

म्बर्स--- ६२ ( 36 ) २१.७.७३

তথা পুষ্টিকৰ্ম আভাগে স্কোভাগে নৈশ্ৰণাক্তং ভাইপিষ্টং সক্তৰ্ণ আলাবোহিভণিশ্ৰিত। সুস্মিশ্ৰিজং চসম্পাতা অভিমন্তা অধীয়াং।

তথা তেখেব কর্মার আভ্যাং স্ক্রাভ্যাং তিরু উত্নরচমদের প্লক্ষনশের বা বৈশ্রধান্ত। তার ক্ত্রোক্তমটের: প্রাত্রধান্তাবাত্রদানে প্রক্ষাত্রমধ্যাক্ষাবাত্রদানে প্রক্রাভ্যান্তাবাত্রদানে

ভণা তবৈৰ কৰীৰ আভাং কজাভাং গতুমতাঃ দ্বিয়া লোহিতং রসমিশ্রিতং কুল্ শম্পাভাতিমন্ত্র প্রীদেশিনী গ্রামাকুলিভাং প্রামীরাং।

ভদ্ উক্তং কৌশিকেন। 'পাগন্ধ্যন্তভিদিদাসেতি মৈশ্রগাঞ্চং ভ্রণিষ্টং লোহিতালস্বতং রসমিশ্রং অগ্রাতি। অভ্টং প্লক্ষেত্রভোতেরভোরেরির চগদের পূর্ব হুঞ্জে ভেজসাগ্রং অরু প্রাশিবং ইতি পূর্বাতে। মধানিদন ছ তেজসা মধ্যং অরুঞ্জিলা করিং ইতি মধানিদন। অপরাইঞ্জ ভেজসা করিং অরুজ প্রাশিশং ইত্যাপরাতে। কর্মতাঃ প্রিধা অসুলিভাগং লোহিতং' ইতি (কৌণ এং)।

তথা কেত্রং কামর্যানঃ কামা্যানে কেত্রে আছাং স্কাভাং ভক্তং দ্দিন্ধুমিশ্রং লম্পাত্য অভিমন্ত্রা অলীরাং। তৎ উক্তং কৌশিকেন। 'বৎ কেত্রং কাম্যতে ভদ্মিণু কীলালং দ্দিমধুমিশ্রং' (কৌ তার) ইতি।

তথা দপ্ত গ্রামলাভ কর্মণি অভ ফক্ত ভাবিনিধোগং। তৎ উক্তং কৌ শিকেন। 'সংবংশরং ফ্রিয়ং অফুণেতা শুক্তাং রেভ আননীয় তঞ্লমিশ্রং ঠাত (কৌ তাই)। সংবংশরং ব্রহ্ম বিষয়ং ক্রহা ততো 'নৈপুনং ক্রহা রেভত ভূলমিশ্রং ক্রহা দক্ষাতা অভিনত্তা অক্সাতীতি শতাবিং।

ভবা শ্মৃত্ত কর্মাণ বিনির্দ্যতে স্তুব্য় এতং। 'নিশায়াং আগ্রণত গুলান্ উনলাং অধুমিশ্রান্ নিদশতি আ ধ্বানাং পড়ে: এবং ধ্বান্ উভয়ান্ দমোণ্য। ত্রিবি গোময়ণরিচয়ে শৃতং অগ্নাতি' ইতি (কৌ• এ৫)। শর্গন ত্রীহিত গুলান্ মধ্মিশ্রভাংশর্মে ভাঙে নিশায় নিথকাং আ ধ্বণচন্মানাং। তবৈধ ধ্বপচন্তে। ধ্বান্থি ভালুৰ এব ভাঙে ত্রীহিপচনকালপ্যান্তং নিশায় নিথকাং। অনন্তরং উভয়ান্ মিশ্রীকৃত্য ত্রিগুণিতে গোময়ণরিচয়ে শ্রপদ্বি শিক্ষা শুলাভাভিস্কা অগ্নাতীত ভারান্ মিশ্রীকৃত্য ত্রিগুণিতে গোময়ণ

ভণা গর্ভদৃংহণকর্মণি 'ঝগঙ্ময়:' ইতি স্ফলেক প্রথমায়া ঝচো বিনিয়োগং। সূচ 'ব্পেয়ং' পৃথিবী মহী'(৬৮১৭) ইতি স্ফলক প্রভাবনায়াং করুসংদ্ধয়ং ॥

```
>ए─>-७म । ।
 भागकर्भकः। लाखमानः। भारारहेन। जिल्हा धर्ता। माधात्। जीनि । ১ ।-
  লা যে। ধর্মাণি প্রথমঃ সদাদ ততে। বপুংদি কুফুদে পুরুণি।
 । । ।

। ধাল্যুর্যোনিং প্রথম আবা বিবেশা যো বাচমকুদিতাং চিকেত ॥ ২ ॥

— — —
   श्राच्छक्षः। (यानिम्। व्याप्तमः। ज्ञा। तिरुत्तमः। ज्ञा। यः। त्राठ्यः। ः
                 অঞুদিভাষ্। চিকেত। ২।
   যতে শোকার ভন্ত রিবেচ ক্রছিরণ্যং শুচয়েশ্ছ বাঃ।
  । । । । ।
আন্ত্রা দংধতে ভাষ্ডানি নামাধ্যে বস্তানি বিশ এবয়স্তাম্। ৩ 🕼
বং। তে। শোক্ষে। তথুন। রিরেচ। করেৎ। হিরণ্ডন। ওচরং। স্বরুং স্থারে।
— -
```

विनाः। जा। जेतप्रकाम् ॥ ७॥ ----

```
मध्यरितम-गर्शिष्ठ।। (०४)-->मः
      यानाज প্রভারং পূর্বাং তঃ সদঃসদ আভিষ্ঠতো অজুর্যুষ্।
 কবি: শুষক্ত সাতর। রিহাণে জাম্যৈ ধুর্ঘাং পতিসেরন্ধেথাস্ । ৪ ।
 । । । ।
কবিঃ। ভবভা মাতরা। রিহাণে ইভি। জাবৈয়। ধুর্থগণ্।
— – – – –
                 পভিষ্। ज्याः व्येतस्त्रशंभ् ॥ ८ ॥
  छम् वृ ८७ महर शृक्षान् नमः कविः कोरकाना कृत्यामि।
 यर गमाकाविषयुष्ठावि कामखा मही (तामहत्त्व वांतरपट ॥ १ ॥
ছাং। উংইতি। হা। তে। মহং। পৃথুহজান। নমং। কবিঃ। কাব্যেন। কুণোরি।
      यर। সমাকো। অভিহয়তো। অভি। কান্। অত। মহীইভি।
---
          রোণচক্রে ইভি রোণছচক্রে। বর্ধেতে ইভি॥ ৫॥
      । ।
সপ্ত মধ্যাদাঃ ক্ৰয়ন্তভক্ষুভাগামিদেক।মভ্যং ছিরো গাৎ।
```

আংৰোৰ্ছ স্কন্ত উপদত্ত নীড়ে পথাং বিদৰ্শে ধক্লণেয়ু ভংগো । ।

। । । । । উত পুত্রঃ শিতরং ক্রমীডে জোঠং মর্যাদমহব্যস্থস্থয়ে।

। । । । । দর্শন্ সুভা বরুণ বাস্তে বিষ্ঠা আবৰ্ষ ভভঃ ক্লণনো বপুংবি।৮॥

উত। পুত্র:। পিতরম্। ক্রেম্। ইডে। বেচ্ছন্। মর্লাদম্। করেরন্। সভরে।

বৰ্ণন্। হা জাঃ। বরুণায়ঃ। ভো বিহয়াঃ। জাহবর্ণুভভঃ। কুণবঃ। বপুংবি। ৮। ০০০ চন

```
अभन्तिट्रा । (४गो-->भ्र
         শর্ভনরে। পরাণা পৃথক্ষার্কেন শুল্ল বর্জনে অমুর।
     অবিং রুধান শুমিনং স্থানং বরুবং পুত্রম্পিত্যা ই ধিরস্কৃ।
        ক্ৰিশস্তাস্থার বপুংঘ্রোচাস বোদ্দী সভ্যাচা ॥ ৯॥
         चर्दम्। चर्द्धमः। भश्रमाः। পৃথक्तिः। चर्द्धनः। च्युतः।
    ं। । । ।
चनिम्। রথান। শগিঃম্। শগায়দ্। বরু∘ম্। পুতাম্। ভলিতাাঃ ইবিরন্।
    কবিহশতানি। অবৈ। বপুংবি। অবোচায়। রোলণীইভি। লভঃহণাচা॥ ৯:॥
                   ইতি প্রথমেরুগাকে প্রথম। সক্তং।
   ভিনিদ্ আৰ' ইতি স্কুত বিনিয়োগঃ পৃথ্যসক্তেন বহ উক্তঃ। তথা বর্ষককালোছনেন
ম্বজেন ইশ্ৰালী যলতে উপতিষ্ঠতে বা। তৎ উত্তৰ কৌশিকেন। 'তদিলু আৰু (৫২)
दी ভি বা ( ৭।১ ) ইভীক্রামী ইভি ( কৌ• ৭।:• ) ।
        ভিদিদাস ভূবনেষু জ্যেষ্ঠং যতে। জল্প উপ্রস্থেদন্ম্ণঃ।
 সংস্থা জজানে। নি রিণাতি শক্তানকু যদেনং মদস্তি বিশ্ব উথা: ॥ ১ ॥
  অং। ইং: जान। ভ্ৰনেৰু। জোটন্। যভঃ। যভেঃ। উঞাঃ। ভেৰহন্গ্ৰঃ।
```

नकः। जल्लानः। नि। तिर्गाति। लळान्। अन्यः। दराः

अन्तरः। नक्ति । निर्मः। छेनाः॥ > &

```
रुष्ट- र-कमा] निजीतर गुळार i
    । । । । ।
বার্থান: শব্দা ভূর্য্যাজা: শক্রেদি।য় ভিয়দং দ্ধাতি।
   । । ।
ভাৰ্যনচচ বান্চচ সহ্লি সং তে নম্ভ প্ৰভ্তা মদেধু॥ ২॥
     । । ।
বর্খানঃ। শ্বশা। ভূরিহওজাঃ। শক্রং। দানায়। ভিয়ন্যু। দুণাভি।
ে জহুমণি পৃঞ্জি ভূরি দ্বিণেতে ত্রিভাস্না:।
 । ।
স্থাপোঃ সালীয়ঃ স্বাস্থা স্কা সমদঃ ই মধু মধুনাভি গোণীঃ। ৩।।
        । । ।
বেইতি। ক্রঃম্। অপি। পুঞ্জি। ভূরি। বিচা গং।
                এতে। তিঃ। ভণস্তি। উধাঃ।
—
         ा ।
चारनाः। चानोग्नः। चाङ्गा रूपः। नम्। चनः। च्रः।
—
                ।
মধু। মধুনা। অভি। যোধীঃ;৩।
     । । । ।
যদি চিন্নু ছা ধনা জয়ত্তং রণেরণে অনুসদত্তি বিপ্রাঃ।
। । । । ।
ওিজীয়া: শুংসান্ত্রেবোণ: কণোকোঃ ॥ ৪ ॥
 ।
ওজীয়ঃ। গুমিন্। হির্ম। আন তহুজা মা। আন দভন্: গুংহএবাসঃ। কলোকাঃ।৪।
```

व्यक्तितम-गर्हिष्ठा ( [ वना—>भा ett ষয়। বয়ং শাশহাকে রণের প্রপশ্তক্তে। যুদেক্তানি ভূরি। रहानग्रामि छ नाश्मा वरहाकिः मर एक निगमि खन्नना वन्नारित ।। १॥ । । বরষ্। শাশরহে। রংগেছ্। এহণঞ্জঃ। বুবেজানি। ভূরি। ্চোলয়মি। তে। সামুশা বচঃহভিঃ। শৃণ। তে। শিশমি। একাশা বয়াংশি। ৫॥ নি ভদ্ পৰিধেবলৈ পাৰে চ যাত্মমাবিধাৰদা ছবোণে। না দ্বাপয়ত মাতরং জিগ্ডুমত ইয়ত ককলোণি ভূরি।। ৬।। ী । । । | ছি। তং। দণিষে। অপৰে। পৰে। চা যফিন্। আগবিধ। অপৰশা। ছুৱোণে। भा। অহাপরতা মাতরণা জিগজুণা অবতং। ইবতা কৰ্পরাণি। ভূরি॥৬॥ স্ত্র বন্পুরুবজানিং সমৃত্তিমিনতম্মাপ্ত্রানাম্। আ। দশতি শাবসা ভূর্যোলা: প্র সক্ষতি প্রতিমানং প্রিয়াঃ।। ৭।। ছ। বল্ন। পুরুহবর্লিণ। শৃশঃ অত্বাণম্। ইনহত্যশ্। আপ্রাণান্। भा। দশ্ভি। শ্বসা। ভূৱিহওকাঃ। প্রা। স্কভি। প্রতিহ্যান্। প্রিবাাং। १॥ . ইমা জহ্ম রহক্ষিণ: কুণ্ৰদিকোল শ্ৰম্পিন: স্ধা:। মহে। গোত্রত ক্ষতি স্বাজ। ত্রাশ্চদ্ বিশ্বধ্বৎ ভণস্বান্। ৮॥

ইতি প্রথমেমুগকে বিতীয়ং হয়নং॥

प्रश्रंभुनीयान्द्रशः भिष्यनाभारत 'भगादत वर्ष्ठः' ইতি স্ভত বিনিশ্বোগঃ। তৎ উক্তং কৌশিকেন। 'भगादत वर्ष्ठ উতি শ্লিশ কাশাম' ইতি (কৌ- ১١১) ॥

তথা বর্চে প্রকর্মণ অবস্থান ক্ষা কিনিয়োগ:। 'পূর্বিক মমাধ্রে বর্চ হতি বর্চি ক্লাশি ইত্যাশি (কৌ•২০০) ক্রাং। এতাহিস্তঃ: 'যে জিবস্তাঃ' ইতি স্তেড (১০১) জাইবাঃ ।

তথা পৃষ্টিকৰ্মণি অন্ত শৃক্তক বিলিয়েগিং। তল 'মনাগে বৰ্চ ইতি লাজিকান' ইত্যাদি মুন্তং (কৌ এ৫)।

তথা বিভাগক মাণি ক লগাজাকং ইছেন শিতা জনেন মুজেন তৈলিক সাংগ্ৰেছ্ জাতিনছা ধারগতি হজেন। 'ন্যাগ্লে কচি ইডি বিভূঙ্ক মাণং প্রমন্ত গ্ৰেছং ধারগতি' (কৌ ধা২) ইতি ম্লোং। বিভূঙ্ক মাণং বিভাগং কিবিয়ান। প্রমন্ত বজ্ঞ্চাক্তিকাণাং জাবলখনরজ্ঞা।

তপা আছি চারিকে কর্মণি ক্ষেন্ সুহজ্ঞন রহস্পতিশিরণণ্ ওলনং প্রাতকেনোপ্রিঞেং। তৎ উত্তেং কৌশিকেন। 'ম্যামে নর্চ ইতি বৃহস্পতিশিরণং প্রাতকেনোপ্রিচা' ইতি (কৌ - ১০)।

তথা 'কৌবেরীং খনকামক গণকলে চ' ইতি (ন ক ১৭) বিছিতারাং কৌবের্যাং মহাশাতো এতং হক্তং বোজারেং। তৎ উক্তং নকলেকলে। 'সমাধে বর্চ ইতি কৌবের্যাং' ইতি (ন ক ১৮)।

₩4# - 9. ( )b ) 29.0.02

ভথা হস্তাখনীকাণো কর্মণি অনেন সজেন জুত্রাং। তং উক্তং পরিশিট্টে। 'ন্যাষ্টে বৈর্চ: -ইভি ফুল্মাং' ( প• ১৬ ) ইভি। অক্তঞাপি ব্রত্তাহণাদৌ অক্ত স্কুক্ত বিনিম্নোগঃ।

```
। ।
समादश वटकी विहर्षष्ठ वशः (क्क्कानास्त्रवर्) शूरमग।
     নহং নমন্তাং প্রনিশশ্চভত্রস্তরাধ্যকেণ প্রনা করেব।। ১ ॥
यम। भारते। नर्कहा विश्वरतियू । भाषा वस्मा था। हेकाशाः। छप्रां श्रामा
কৈত্ন। নমভাদ। এইদিখা। চতবা। ভরা। জনিহলকোণা পৃতনাঃ। ভারেম।১।
            অংশ শত্যুৎ প্রভিত্মন পরেষাং হং নো
                  গোপা: পরি পাহি বিশ্বত:।
 শপাথে থক্ত নিৰভা ছুরক্তবেগবৈষাং চিত্তং প্রবুধাং বি নেশং ॥ ২ ॥
           व्यक्ति। मञ्जाम्। अधिक्रुकन्। शरतवीम्। वृत्रा नहा
                  সোপাঃ। পরি। পাছি। বিশ্বভঃ।
           व्यापका यक्का सिर्विष्ठा छत्रजनः। व्यागा धवागा
```

क्षित्र। अध्यूषाम्। वि। त्मणरादा

**67-- 0-6**₹ } ভূতীরং-সৃক্তং। শম দেবা বিহবে দস্ত সৰ্বে ইন্তবক্তো মক্লছে। বিষ্ণুর্গ্নিঃ। মনান্তরিক্ষুরুপেক্ষিত্ত মহাং বাভঃ প্রভাং কামায়ালৈয়।। ০।। মন। অভারিকন্। উরুৎলোকন্। অভা মহান্ বাতা। এণতাম। কাষায়। অংশে।০। মহ্যং বজন্তাং মন ঘানীন্ট।কৃতিঃ গভ্যা মনলো মে অস্ত্রন। এট্না মা নি গাং কভম্চচনাহং বিশ্বে লেবা অভি রক্ত মেহ॥.৪.॥ — । মৰং। স্বস্তান্। স্থান। ইয়া আংক্তিঃ। প্তাা মনপঃ। মে। আংক্তিঃ। अनः। सा। नि। शाभा कठमरा छना कर्या विस्ता (सर्वाः। अपि। त्रक्षामा। हेर्। १३ শৈৰ। হোভার: গণিদন্ এতদরিপ্তা: ভাষ ভ্রা অধীরা:। এচ

| | | अन्यः। मश्चि। (११ वर्ष्ट्रक्टः। । देवनाः। কোভারঃ। সনিধন্। নঃ। এতং। অরিটাঃ। ভাষা ভ্রা হিংবীরাঃ।৫। । মানে বিগদভিভা যো অশস্তির্গা নো বিদদ্ বুজিনা ছেয়া যা ৷ ৬ ৷ । देक्बी:। बहे। डेक्बी:। डेक्स मः। कृत्यांडा वित्याः त्वतानः। देव। मानक्ष्यता | | মা। নঃ। বিদং। অভিহ্ভাঃ। যোইতি। অপ্তিঃ। মা। मः। विषदा द्वाचिमा। (वक्या वा ॥६॥ । । । । ডিলো দেশীর্মাই নঃ শর্ম ফছত প্রজারিয় नख्य । यक श्रुक्ता া না হাক্সহি প্রকল্প না ভর্তিকী৷ গণান

```
सः। छत्य यर। ह। शृहेस्।
-- -
ছা। হামহি। এথংকয়া। মা তন্তিঃ। মা। রগম। হিবতে। শোম। রাজনঃ ১৯
 । । ।
উক্লব্যতা নো মহিষঃ শর্ম যচছঃস্মিন্ হবে পুরুতুঃ পুরুজু।
           न नः প्रकारेश इश्चिक मृत्युख मा (ना
              রীরিষোমা পরা দাং।। ৮।।
উরুংবাচাঃ। নঃ। মহিবঃ। শর্মা। বজেতু। অধিন্। হবে। পুরুংতুরঃ। পুরুংকু≱।
-- -- -- -- -- --
          লঃ। নঃ। এইজালৈ। হরিহলখা মৃড়। ইকা মা।
              নঃ। ক্রিবিঃ। মা। পরা। লাঃ ॥ ৮.॥
     ধাত। বিধাত। ভূবনস্থ মস্পৃতিদ্দেব: স্বিত।ভিনাতিমাতঃ।
 আদিভা ক্লডো অভিনোডা দেবাঃ পাস্ত ফলমানং নিধাখাং। ১ ।
  भाडी। विश्वांका। छूनमञ्च। यह। निका। विश्वां निका। विश्वांकिश्नकः ह
```

আদিভার। কুজাঃ। অবিনা। উভা। জেনাঃ। গান্ধা বলধানশ্। নিঃহ্বগাৎ ॥ ৯. ॥

ষে ন: দণত্বা অপঃ তে ভবস্থিদ্রাগ্নিভ্যামৰ বাধামহ এবাক।

আদিভয়া ক্লফ্রা উপরিম্পূরণা ন উঞ্চ চেত্তারমধিরাক্রমক্রভ ॥ ১০॥

ৰে। নঃ। বৃহ্পজাঃ। অংশ। তে। ভণত। ইঞায়িংভাগে। অশ। বাধানতে। এনান্।

আবিভ্যাঃ। রুদ্রাঃ। উপরিহস্পূদঃ। নং। উপ্রবৃ। চেড়ারম্।

অধিহরাজম। সক্রত । ১০॥

**অৰ্কাঞ্নিজনমূতে৷ হৰানহে** যে৷ গোলিফ্ ধনলিদ্য**লি**ফ্ যঃ৷

ইনং নে বজ্ঞ বিহবে শৃংগাহস্মাকমভূহ্য্যখ মেদী। ১১॥

व्यक्तं अप्ताः हेळ्या व्यक्त्रद्वा हराम्टरः। यः। शाहिक्या सम्हेकिया व्यक्तिया सः।

देनवः। सः। स्टब्स्। विश्वत्यः। भृत्याजुः। अञ्चाकवृत

**अन्द्रः।** इतिरूपमा (स्वीतः ১১ ।

हेलि क्षभरमञ्जारक छृत्रीयः स्कृत्यः

'ধেন বিভিত্তভারণাঃ' ইভি প্রেক্তন রাজগলাকুর্তাবিরোগণান্তর্বং কুর্তাবেণীববিত্তিতং ষণনীতং অভিনয় প্রতিলোমং বাাধি চলরীরং প্রতিলেপং। 'কুইলিজাভির্বনী চমিধ্রেরিন खबीरावः व्यक्तिशृति देकि ('(को - बाक ) लखार ।

যে। গিডিয় কারণা বীরুদাং বলবন্ত মই। কুঠেহি হক্ষনাশন ছক্ষণং নাশ্য সি**ভঃ ॥ ১ ॥** ষা গিরিরু। অবজারধাঃ। বীরুধান্। বলবংছতমঃ। কুট। আ। ইটি। তক্ষ্বলাশন। তক্ষান্ধ। নাশয়ন। ইতঃ ১ । রপর্ণারণনে গিনে আছং হিগ্রহস্পরি। ধনৈরভি প্রজ্ঞা যান্ত বিহুহি ওক্সনাশনম্ । ২॥ भूगर्गरम् । जिस्तो । भाडर । विसर्गडः) भृति । । ইনঃ। আন্তা আইড়া যক্তি। বিহং। হি। তক্ষহনাশনৰ্ হ a ा । । । भाषाः (नगमनःष्ठ्रोतः । निव। । ভৰোম্ভত্য চক্ষণং দেবাঃ কুঠ্মনম্ভ। ৩॥ ্। আন্ধান্ধ:। দেবহলনম:। ভ্তীয়ভাষ্। ইতঃ। দিবি। ত্র প্রভা চলণ্। (প্রাঃ। কুঠ্ন। অব্যৱ্ধ । এ । । . वित्रगुशी त्नीन्छतक्तित्रगुरक्तना ५िवि।

> । । । ভ্ৰাম্বভন্ত পুজাং দেব': কুন্তুমৰম্ভ । ৪॥

```
হিরণায়ী। নোঃ। আচবং। হিরণাহ্বক্না। দিবি।
   ভাষা অমুভভা। পুজাধু। বৈবাংশ কুইণা অবৰ্ড ৪৪।
    হিরণ্যো: পাই।ন আাশমরিক্রাণি হিরণ্যা।
 भारवा विज्ञशासीकांगन् यांचिः क्षेर मिकावहन् । € ॥
     । ।
টিরণায়াঃ। পঠানঃ। আংগন্। অবিকাণি। ছিরণায়া।
  দাবঃ। ছির্ণায়ীঃ । আংসন্। যাভিঃ। কুঠ্ব । নিঃহ্লাব্ছন্। ৫ ॥
   हेगर (म कूछ श्रुक्तमर खना वर छर निक्कृत ।
            ভেষু মে অবসদং কুধি ii ভা।
—
ইমণামে। কুঠ। পুরুবৰ্ণ তণা আবা বহা তম্। নিঃ। কুরু।
         ভণ। উংইভি। মে। অগদন। কৃষি। ।।
  পেবেভা। আৰু জাভে নি গোমকানি স্থা হিডা।
্ । । । ।
স প্রাণায় কানায় চকুবে মে করি মৃড়। ৭।।
 দেবেভাঃ। অধি। জাতঃ। অদি। গোমভা অদি। লখা। হিডঃ।
  য়া প্রাণায়। কিংকানার। চকুবো যে। কঠিয়া বৃড়ঃ १।
```

তিলঙ্জাতো হিমৰতঃ স প্রাচ্যাং নীয়সে জনম্।

ভব্র কুষ্ঠক নামাকুতেমানি বি ভেজিরে।।৮।।

উলঙ্ জাতঃ হিমহনতঃ। বঃ। প্রাচ্যাণ্। নীয়বে। জনম্।

তব্ বুষ্ঠক। নামানি। উৎহত্মানি। বি। ভেলিরে।৮।

উত্নো নাম কুষ্ঠাস্থ্যস্তমো নাম তে পিতা।

कूर्छ छ ६ मर्खाः निकतम् देवतः गगइ द्रावाम् ॥ > ॥

ইতি এথনেহবাকে চতুৰ্বং স্কেন। শাস্ত্ৰাত্মভিবাতে 'রাত্রী মাতা' ইতি স্তেজন ছুগ্নে লাকাং কাধ্য়ি**রা অভিনন্ত্র পায়**য়তি। তথা চ স্ত্রং। 'লাকালিকাভিন্ধুয়ে ফাঠান পায়য়তি' (কৌ•৪|৪) ইতি।

ण्यक्त—१) (३४) ७०-०.०२

রাঞী মাতা মৃভঃ শিতার্থানা তে শিতামহ:। निलाही नाम वा अनि ना द्वानामनि अना । > । प्राची। माठा। নতঃ। শিতা। অব্যগা। তে। শিতামহঃ। निजाही। नाम। देव। व्यक्ति। ना। त्यवानाम्। व्यक्ति। वना ১। যন্ত্র। পিবভি জীবভি তায়দে পুরুষং ধৃম। ভত্তী বি শখতাম্যি জনানাং চ ফুকনী। ১। য**়। খা**। পিবতি। জীবতি। আয়েদে। পুরুষং। অণ্। । । । । আমী। হি। শখতামৃ। অনি। জনানামৃ। চা নিংআংগনীঃ২। इक्तरहक्तमा द्वारिन हम्याखीर क्याला। জয়তী প্রত্যাতিষ্ঠতী স্পারণী নাম বা অণি।। ৩।। इक्त्यरक्ष्या चा। ताहिन। द्वर्गछो १हेर। कनाना। । । আরম্ভী। প্রতিহলাতিইস্ভী। স্পর্ণী। নাম। বৈ। অসি।০। यम् मरखन यनिष्ठा यम् वाक्रईतमा कृष्ठम्। ভক্ত অমৃশি নিজ্ঞ: শেমং নিজ্ঞ পুরুষম্ ॥ a ॥

यदा परश्चना यदा देशा यदा वा। चत्रना इत्ता इत्ता জভাবদা অবি। নিঃহরুতিঃ। বা। ইমষ্। নিঃ। কুৰি। প্রেবষ্। ৪০৪৮

ভত্তাৎ প্লকানিভিঠভখথাৎ থানিয়াদ্ধবাং।

\_ভাতেলাথোধাৎ পুণাৎ সা ন এহারুক্তি॥ ৫ ॥

ভজাং। প্রকাং। নিঃ। তিওঁনি। অবখাং। ধনিরাং। ধবাং।

ভলাং। ফ্রোধাং। প্রাং। না। না। আন। ইটি। আক্রন্তি। এচ

हित्रगातर्ग छ छ । मूर्यावर्ग वभू छेरम।

ক্তং গচহাসি নিক্তে নিক্তিনাম বা খাসি ॥ ৩ ॥

। । । হিরণাহবর্ণে। সহভগে। স্থাহবর্ণে। বৃপ্থহতমে।

ক্তম। গ্লেগি। নিংহকুতে। নিংহকুতিঃ। নাম। বৈ। **অনি।১৯**১

হিনগ্ৰেণি হুভগে শুমে লোমশৰকণে।

অপামনি ক্ৰা লাকে বাতো হাজা বভুব তে। বি:১১

। । । । হিরণাহবর্ণে। অংভগো ভারে। লোমশহবক্সংশ

শুণাৰ্চ কৰি। খনা। লাকে। বাতঃ। হা আছো। বছৰ। তে । ১০৯ আনুষ্ঠান

নিল্লি নাম কানীনোজ্বল্ড পিতা তব।

আখো যমস্ত যঃ শ্যাবস্তম্ভ হাস্নাস্থাকিতা ॥ ৮ ॥

গিলাচী। নাম। কানীনঃ। অভহবক্তা পিতা। তব।

গৈল্পা যা প্রাবংগ তক্তা হা অসা। অনি উক্ষিতা । ৮ ॥

বিশ্বা ব্যা প্রাবংগ তক্তা হা অসা। অনি উক্ষিতা । ৮ ॥

আখ্রম্পাস্থ সম্পতিতা সা বুক্ষা অভি নিয়াদে।

সরা প্রবিণী ভূষা সা ন এছ্রম্মতি ॥ ৯ ॥

।

আখ্রম্মতা অসং। সম্হপ্তিতা। সা। বুক্ষা অভি। সিগাদে।

সরা প্রবিণী ভূষা গা। নঃ। আ। ইহি। অর্ক্ষতি ॥ ৯ ॥

সরা প্রবিণী ভূষা গা। নঃ। আ। ইহি। অর্ক্ষতি ॥ ৯ ॥

### প্রথমেকুবাকে পঞ্চমং স্ক্তাং॥ ইতি প্রাধ্যোকুবাকঃ॥

রোগিণ আরোগাবিজ্ঞানকর্মণি 'ব্রহ্ম জ্বজানং' ইতি স্প্রেল ভিল্লঃ সাব্যব্জ বিভিন্ন জ্বাবিষ্ণ নিদ্ধাতি। ধণি অলাব্যান্ত উর্জ্বং গছিছি ততা লীবিষ্ণ তীতি জ্ঞেয়ং। তৎ উত্তং কৌশিকেন। 'ব্রহ্ম জ্বজানং ইতি জীবিতবিজ্ঞানং। ভিল্লঃ সাব্যব্জ্ঞারলারে বিশ্বাবিষ্ণ ক্রেলিং ইতি (কৌণ হাঙ)। তথা লাংগ্রামিকবিজ্ঞানকর্মণি অনেন স্প্রেলিং বিল্লালক্ষ্ণ অনেন স্প্রেলিং বিল্লালক্ষ্ণ অনেন স্প্রেলিং ক্রেলিং ক্রেলিং ক্রেলিং বিল্লালক্ষ্ণ অনাব্যব্ধ নিদ্ধাতি। যালা উপরি মৃত্যুর্গিছিতি তল্যাঃ পর্যাল্যা ভবতি। যা মৃত্যোর্জিগরি পত্তি তল্যা জ্বো ভবতি। যা প্রমুগা যাতি জ্ঞা জাণি জ্বো ভবতি। মৃত্যোর্জিগরি পত্তি তল্যা অব্যাহ্ম অলাবের নিদ্ধাতি। এবং ইবীকাঃ॥ তৎ উত্তং কৌশিকেন। 'লাংগ্রামিকং। এতা ব্যাদিশতি। মধ্যে মৃত্যুর্ভিরে গেনে। পরাজেয়্মাণাং মৃত্যুর্ভিরে গেনে। পরাজেয়্মাণাং মৃত্যুর্ভিরে গেনে। পরাজেয়্মাণাং মৃত্যুর্ভিরে গেনে। ক্রেল্গ্রালাং অবং ইমীকাঃ' ইতি (কৌণ হাঙ)। ললিলগণে লক্ত স্কেন্য পাঠঃ। তৎ 'জাণো হি ষ্ঠা' ইতি ব্রেলি হাঙ্ । অবং ইবীকাঃ তি তং 'জাণো হি ষ্ঠা'

গালাকাদিবিসিংপুরোডালপরউদৌরনপারসণগুরীহিবভিলগানাকরন্তবজুল্যঃ এতানি হবীংকি বিকল্পেন জুত্রাৎ ইত্যর্থঃ। তৎ উক্তং কৌশিকেন। 'বিতীয়েন প্রবংশ্যন ছবিবাং উপান্ধীত'ইতি (কৌণ্ডা>)। ুভগা স্ত্রীপ্রস্বদোষে স্থতিকারোগে চ জনেন স্ক্রেন ভক্তং অভিমন্ত্রা দ্বাতি। তথা পক্ত্যুমন্তং অভিমন্ত্রা পারস্তি। অনেনৈর স্ক্রেন উপস্থানং আদিত্যায়। তৎ উক্তং কৌশিকেন। 'বিস্ক অভ্যানং ইতি স্থিকারিইকো প্রশাদর্থি। মৃত্যুমন্ত্রাক্রানং কুলিবিস্কার্যু ইতি (কৌণ্ডা১)॥

ত্রন্ধ জন্তানং প্রথমং পুরস্তাদ বি সামতঃ স্করে। বেন পারঃ। স বুল্লা উপনা জাফা বিষ্ঠাঃ সভাচ যোনিন্সভাচ বি বঃ ॥ ১॥
- - - - - -রেজা। অবজ্ঞান্য প্রবজাং। বি। দীমতঃ। আহংক্রঃ। বেনঃ। আবেঃ। नः। বুরাজি উপহ্মাং। অবস্তা বিহস্তাং। শতং। চ। । বে।নিষ্। জ্বতঃ। চ। বি। বঃ।১। च्चनाश्चा (य वः श्वथमा यानि कर्मानि ठिकटित । ष्मनाश्चाः। त्या यः। ध्येभगः। यानि। कृषीि।, हिक्तिः।

वीदान्। नः। व्यवा सा पछन्। छर। वः। अकरा शूदः। परि। रा

LIBRARY R

```
च । च ( क्वा – २ वा
   সহত্রধার এব তে সম্পরন্ দিবে। নাকে মধুঞিহব। অস্পচতঃ।
        ওক্ত স্পশো ন নি মিদন্তি ভূর্ণরঃ পদেপকে
             পাশিনঃ সন্তি দেভবে ॥ ৩॥
বহরত খারে। এব। তে। সম্। অবরন্। দিবং। নাকে। স্থুংজিহব'ং। অসম্ভঃ।
প্র্যুর প্র ধর। বাজগাত্যে পরি র্জাণি সক্ষণিঃ।
       । ।
विष्णुनभाभित्यस्य मनिव्यस्य। नामामि जस्यानस्या
              ।
মান ইন্দ্ৰস্থ গৃহ:॥৪॥
—
  ছিবং। তৎ। অধি। অব্বেম। জীয়সে। স্নিঅসং। নাম। অসি।
------
            | |
জেরঃহদশ:। মাদঃ। ইক্সভা। গৃহঃ॥৪॥
----
            বে ১তে নারাৎ দীরদৌ স্বাহ।।
ভিন্মায়ুংগ ভিন্মহেতী হুশোরে সোমারুদ্রাবিহ হ মৃড়ভং ন:। 🗈 🖡
```

```
वर्षर-मृकर।
₩-6.64|]
           । । । ।
তিথাহ পার্থী। তিথাহেতী ইতি তিথাহহেতী। সুহলেবৌ।
           লোমারেজৌ। ইহা আহা মৃড়ঙ্গা নাং । ধা
- --- —
         অবৈতেনারাৎদীরণো স্বাহা। ভিগাণ। ও।
                चारा क्टन । । । ।।
              करेशरकनातांश्मीतरमं याहा।
। ।

আপ। এতেন। অরাংশীঃ। অংশী। স্বাহা।
   । । । । ।
ভিগাহ चाग्नुद्रभे। ভিগাহেতী ইভি ভিগাহে হেতী। অহু শেবৌ। দোমারু জৌ।
              हेह। इत्। भृष्ठम्। तः॥१॥
-----
          মুমুক্তমস্মান্দ্রিতাদবভাজন্মেথাং যজ্ঞমন্ত্রসায় ধ্তম্।। ৮।।
     মুমুক্তন্। অবলান্। জ্ঃইউলং। অবভাং। জুবেপান্। যজাম্।
             অনুত্ৰ। অসাহ। ধতন্।৮।
```

```
ज्ञाश्य (यम-मःहिष्ठा।
 া ।
চক্ষুষো হেতে সনীনো হেতে অক্ষণো হেতে তপ্ৰশ্চ হেতে।
    ্মিকা মেনিরকামেন্য়ন্তে সন্ত বে ৩ সমাঁ আব্দার্থায়ন্তি॥ ৯॥
  মেলাং। মেনিং। অসা অংশনয়ং৷ তে। শত্তা যে। আমান্। অভিহল্লার্ডি হা
   বোল্ফাংশ্চক্ষ্ণা সন্ধা চিন্ত্যাকৃত্যা চ যে। অধ্যায়্বভিদানাং।
         । । ।

ছং ভানগে মেফামেনীন্ কুণু স্বাহা ।। ১•।।
আম্। তান্। অংগে। যেকা। অংমনীন্। রংগু। আংগোঃ>৽ঃ
— - -- --
   ইন্দ্রত গৃহোদি। তং দা প্র পতে তং দা প্র বিশামি দর্শবিও:
    । । । ।
সক্ষপুরুষ: সক্ষিত্র। সক্ষিতনুং সহ যমেতি তেন।। ১১॥
ই-এক। গৃহঃ। অবি। তম্। আ। এছ। পজে। তম্। হা। এছ। বিশামি। শরিংভঃ।
 । : । । । ।
শুক্ষিংপুক্ষাঃ। শুক্ষিংভানুঃ। শৃহ। যথ। মো অভিড। তেন॥১১॥
               ।
ইন্দ্রণ্য শর্মাদি।•॥ ১২॥
```

। ইয়াস । শ্ৰা অসি।•॥১২॥ \*--.

हेसामा वर्षामि। । II 30 H हेसाया वर्षा व्यक्ति । १४७ ।

इस्तना नक्तनमि। घर या क्ष श्राप्त घर या क्ष निर्माम नक्ति :

.1 1 সক্রপুরুষঃ সর্কাত্ম। সংবভনুঃ সহ যশেতি তেন।। ১৪।।

ই শ্রু। ব্রুথম্। অসি। তম্। খা। প্রাণ্ডা তম্। খা। প্রাণ্থা। প্রথং । 

ইতি বিতীরেমুবাকে প্রথমং স্কুং।

নির্বাতিক বুণি 'আন যোভ র' ইভি হছেন শক্রামিশ্রাধানাং দর্কজু হোভি। 'আন নো ভবেতি ধানাঃ' (কৌ তা) ইত্যাদি হৃত্তং। তণা অর্থোপনবিদ্ধন্দকর্মনি অভ প্তেভ বিনিরোগ:। প্রাদিকং 'লয়ং তে বোনিঃ' ইতি স্তে ( এ২০ ) ত্রীবাং । चित्रिश्राम तमोनांद्राम किन्नमारण हेनः प्रकुर यक्षमानः वात्रप्रकि। छर উक्तर देवजारन। 'আ নো ভরেতি বনীবাহনে বাচয়তি' ইতি (বৈ ei) )। বনীবাহনং **প**িৰু**লাং** फ डार्बर यह नर ॥

> । जा त्ना छतं मा शति है। जताहरू मा । । । (न। दुक्तिकिनाः मीत्रमानाम्। नत्या बीरगाता चनमुकतम् नत्या च्या विद्या । >।। wy有-92 (>b)

```
च्यव्यत्वम-गरहिणां ्रिक्न-२५
     च्या। নঃ। ভরন মা। পরি। হো ঘরতে। মা।
            ।
नः। त्रक्रोः। प्रक्रियम्। नीग्नथासम्। .
 া । । ।
নমঃ। বিহঈংস্টির। অবস্হৠক্রে। নমঃ। অবভা ভারাভয়ে॥১॥
      খনরাতে পুরোধংশে পুরুষং পরিরাপি।মৃ।
   নমতে তকৈ কুণো না বনিং ব্যথয়ীৰ্থন ॥ ২॥
     যশ্। ভারাতে। পুর:২ধংশে। পুরুষশ্। পরিহ্র।শিণ্শ্।
লমঃ। ভো তফৈ। কুঞা:। মা। বলিম্। বাগয়ীঃ। মন্।২।
— -- -
  প্র পো বনির্দেশ্ক গা দিব। নকং চ কল্প গাধ্।
   অব্যাতিসমুপ্রেমো বয়ং নমে। অস্ত্রাওয়ে॥ ৩॥
৩ই। নঃ। বনিঃ। দেবংকুভা। দিবা। মঞ্মু। চা ক্লুভাম্।
অরাতিশা অকুহথেমা। বয়ন্। নগা। অভা অরাভয়ে ॥ ৩ ।
      সরস্বভীৰত্মভিং ভগং যত্তে। হ্রামহে।
বাচং জুটাং মধুমতীমবালিষং দেবানাং দেবছুভিয়ু॥৪॥
```

```
१३-- ०-१म।]` गुरुम्- नृत्र-।
           দরঅতীৰ্। জন্মহণতিদ্। তগৰ্। যক্তঃ। হৰামহে।
    কাচম। জুটাম্। মধুংমতীয়। আম্বালিবম্। দেবানাম্। দেবহছুতিবু । ৪ া। ২
           যং যাচাস্ত্রং বাচা সরস্বভ্যা মনোযুদ্ধ।
        শ্রহা তমন্ত বিন্দতু দত্তা শেহাম ব ক্রণ।। ৫।
          যস্। যাচামি। অবহম্। বাচা। পরস্ভায়। মনঃংযুকা।
- --
      শ্রহা। তৃষ্। আনভা বিফাত্। দ্রা। শোমেন। বক্রণা॥৫॥
- ----
मा विनर मा बाहर (न। वोर्शोक्र अविखाक्षी मा अत्रकार (ना वन्नि।
      সংক্র নো অন্ত দিংসংস্তানাতিং প্রতি হঠ্যত । ৬ ॥
— — —
    মা। বনিষ্। মা। বাচণ্। নঃ। বি। ঈংশীঃ। উভো। ইবোলী ইকি।
                 আলা ভরতাষ্। নঃ। বহনি।
     শংকা। নঃ। অভা দিংশভঃ। অরাতিম্। এতি। হবাত ॥ ৬⋅₃⋅
```

পরোপেহাণমুদ্রে বি ভে বেভিং নয়াদি।

Cक्त पांदर निमीवखीर निज्नखीयतारण । १ %:

পরঃ। অপ । ইছি। অসম্হক্ষো বি। তে । ছেডিম্। ন্লাস্সি। । । বিদ। বা। অব্যা নিহ্মীবভীম্। নিহতুপভীম্। অয়তে। ৭। । । উত্ত নগ্ন বোভুৰতী স্বপ্ননা সচসে জনম্। । স্বাতে চিত্তং বীৎসন্ত্যাকৃতিং পুরুষত চ। ৮। ্। আবাতে। চিতৰ। বিহলীংপতি। আহক্তিম্। প্রদেশতা চাচ। যা সহতী মহোন্মানা বিশ্বা আশা ব্যানশে। । ওঠিত ছিরণাকেকৈট নিক্তিয় স্করং নদং॥৯॥ । । মুক্তী। মুক্তিন্যানা। কিবার। কাশারা বিহকান্দেন। । ডেকো হিরণাহকেভো নিঃহণতের। অকরম্। নয়। ৯.৫ হিরণ্যবর্ণ। সুভগ। হিরণ্যকশিপুর্মহী। । । । । ভবৈত হিরণ্যভাপেরেরাভ্যা অকরং নমঃ।১০॥ ভারে। বিরণাহজাপরে। অরাতৈয়। অকরম্। নমঃ । ১০ । देखि विजीतम्बाटक विजीवत प्रस्कृत

```
मखेंगर-मुक्तर
  অভিচারকর্মণি 'বৈক্কতেন' ইতি হজেন ক্লেডি। 'বৈক্কতেতি মস্ত্রোজং' ইতি
( (को । धार ) प्रवाद ।
          े देवककर करनारधन (मरवक्त कानार वर्ग
      चारत कें। हैं ह नानग्न भवर्त छ। यह तम् हर्ग्॥ ১ ॥
           ि | |
टेवककंटलेंन। हेंस्थन। स्मरविष्ठाः। व्याकास्या बका
     আন্তা ভান্। ইহা মালয়। সংক্ৰি। আনা যক্তা মেন হ্ৰম্যা ১৯১১
----
           । । । ।
ইত্রে। যাহি মে হণনিণং করিয়ানি ৬চছুনু।
         । । ।
ইম ঐত্তা অভিনর। আকৃতিং সং নণস্ত কো
— — -
          । । ।
ডেভি: শহক্ষ বীর্যাং> জাতবেদন্তন্শীন্॥ ২ ॥
     ইমে। ঐকলাঃ। অভিখনরাঃ। আইকৃতিম্। নম্। নমভা দে।
         (किंक्षा भटकता वोर्काम् । आवश्हतकः। धन्दविन् । २॥
            ।
যদসাবমুভে। দেবা অদেবঃ সংশ্চিকীৰ্বভি।
 मा ख्यातिह्सार वाक्नीबनर रक्ता बना स्मान खर्यादेनन एनरन्छन । ७ ।।
```

वर। चार्तो। चयुष्ठः। स्वताः। चरवतः। नत्। किनैर्वितः। হা। তত। অংরিঃ। হব্যম্। বাকীং । হব্যু। দেবাঃ। আংজ-। মা। - - --উপ। ৩ঃ। মম। এব। হবম্। জা। ইতন ।৩॥ —---অতি থাণভাতিশরা ইন্দ্রদ্য বচ্স। হত। অবিং ব্রক ইব্ুমণ্লীত দ বোজীবন মা মোচি প্রাণমণ্যাশি নহত॥ ৪॥ জতি। ধাবত। জভিহ্নরাং। ইজেকা। বচনা। হত। যমমী পুরোদধিরে ত্রকা।মপভূত্রে। ৰৈন্দ্ৰ: শ তে অধস্পানং ভং প্ৰভাগ্যামি মুভাবে। ।।।

🌉। নঃ। তো লগঃহপদম্। ভদ্। এভি। লভাবি। মৃত্যুক্। 🚓 🗁

ষৰ। অনীইচি। প্রঃহদবিলে। অক্লাণম্। অপেহভূতলে।

किय्-७-७-४ । विश्व - जू स्टेश -া যদি প্রেয়ুর্দেবপুর। ত্রন্ম বর্মাণি চক্রিনরে। छन्পानर পরিপাণ क्वाना यक्र पाहित गर्दार छन्त्रमः कृषि॥ •॥ । । যদি। প্রহলমুঃ। দেবহপুরাঃ। ব্লা: বর্গাণি। চ্ফিকেরে। ।
ভন্হপানস্। পরিহপানস্। কথানাঃ। যং। উপহউচিলে।
-- --नर्दिम्। ७९। जदनम्। कृषि। ७। यानगारिक नताः भठकात कृपतक यान्। । दः তানিজ র্ত্রহন্ প্রতীচঃ পুনর। কুধি যথামুং তৃণ্ছাং জনম্॥ १॥ যান্। অন্না অতিহ্যরান্। চকার। কুণবং। চ। যান্। । । খন্। তান্। ইজো গুএংহন্। প্রচাঃ সুনঃ। আগ্। কুৰি। া যথা। অবমুখ্। তৃণহান্। জনন্। ৭॥ व्याप्त छवाहनः सक्। हटक व्याप्तर्भागम्।

্ কুৰে • হ্মধনাং গুণামুং ছখ গী ভাঃ সমাভাঃ ।। ৮ ॥ বথা। ইঞা:। উৎহৰাচনম্। লক্ষা চক্ষে। অস্থহণৰশ্ৰ ------জংগা অত্য<sub>া</sub>। অধ্রান্। তথা। অমূন্। শখতীভাগ। শুমাভাগ ৮ ব

करें जन। निख्य युद्ध इत्या कर्यान विश्व। चरेखरेननानींस डिटर्डिय (मक्र) इर छन । বেজ। রভামহে গাাম সুমতে। ভব।। ৯।। दुबार्टन्। छेळाः। मर्यान्। विशाः অভি। ডিঠ। ইজা মেণী। অহণ। তব। আন। রভাষতে। ভাষ। অংহমতৌ। তৰ্যান।

ছতি বিতীয়েলুবাকে তৃতীয়ং স্ক্রং।

'দিবে স্বাহা' ইতি স্কেন দৰ্কারোগতৈবজার্বং আজ্ঞাং হবা সর্বে কেবলে বা উদ্পাত্তে চতুরঃ শৃস্পাতান্ বৌ পুলিবাং আনীয় দৃস্পাতিতমুংশহিতোদকেন স্ক্রাভিমন্তিতেন বাণিকং আপ্লাবরেংর সুত্রিতং ছি। 'বিবে বাহা (৫।১) ইনং যবং (৬।১৯) ইতি চতুর উদপাত্রে লম্পাভান আনমভি। ছৌ পুণিব্যাং। ভৌ প্রভ্যাজভ্যাপ্লাব্যতি লয়বে চ' ইটি ((को॰ शह)॥

•	• •
। দিবে স্বাহা।।১॥ —	। পৃথিবৈয় প্ৰাহাণ ২॥ — –
क्टिन। पासा ३ ३ ।	পৃথিকৈ। স্ক্রেন্থ
। । মন্তরিকার স্বাহা।। ০।।	। অন্তরিকার স্বাহা।। ৪॥
্।     'ক্তরিকার। বাহা।৩।	। । অভারিকার। আহা । ৪ ।

निद्द वाहा । हा पुष्टिंग वाहा ॥ ६ ॥

विद्द वाहा । हा पुष्टिंग वाहा ॥ ६ ॥

विद्द वाहा । हा पुष्टिंग वाहा ॥ ६ ॥

विद्द वाहा । हा पुष्टिंग वाहा । वाहा वाहा । वाहा |

विहास का वाहा । वाहा । वाहा । वाहा | वाहा

कृष्णान्। केदश मनीवात्र। केदश देखित्रन् ।

ं छेर। आहुः। छेर। यमन्। छेर। कृष्ठन्। छेर।

44(-40 (39)

## मध्रिं(११-गः विश् ।

যে। ওব। গোলায়ত্ব। মা।

च्याचारति। त्या छम्। मा। मा। विश्विष्ठम्। ৮ ।

विठी त्रभूवात्क ठलूर्वः प्रकः।

"অশ্যবর্গ মেনি" ইতি সংজ্ঞান পভ্যনগ্রামগৃহস্বত্যরমার্থি বছ অশ্যনঃ সম্পাত্রতঃ করা অভিমন্ত্রা চতুর্ব পভ্যান্বিংকাণের চতুরো মিধমতি একং মধ্যে মিধমতি একং পভ্যান্ত্রাগরি মিধমতি। তৎ উদ্ভেং কৌশিকেন। 'অশ্যবর্গ মেতি যঙ, অশ্যনঃ সম্পাত্রতঃ প্রজিব্পর্যাধন্তারিধমতি' ইতি (কৌ- গাং)। '•যো মা দিশাং' ইতি সপ্তমী অকু পূর্বাদাং বচাং প্রযাত্যকং বিতীয়া কার্যা। এবং বড়্ভি বটু সম্পাতাং কার্যা ইতার্গঃ ।

ভাশাগর্ম মেনি যে সা প্রাচ্যা দিশে। ব্যুবভিদাদাৎ।

अख् म भा**व्हार् ॥ ३ ॥** 

অসমহবর্মা মো অলি। যঃ। মা। প্রাচাঃ দিলঃ। অবহয়ুঃ। অভিহ্লাণাং

अडर। मः। बक्दाद ॥ 5 **॥** 

चिमान्त्र (व्यां ना प्रकिनाश विण: •)•।।-३।।

•्शाः विकासिकाः विकास्य । २ **३** 

। শুসুবর্গ্ম মেনি যো মোদ্ধায়া দিশোগ্রায়: ০০ ॥ ৬ ।১

¦ ৹মা∗। উ(ক্লারাঃ। দিশঃ•।◆ঃভার

| ७,७७९ म ५,७<u>ছ</u>|६|। १|।

्च-चंद्रवर्षा (मः। चनिः। यः। मा। विश्वाम्।

भवः २८(१८भकाः । जनश्रहः। जक्षिश्योगार ।

delic I as

রুহতা নন উপ হর্ম নাতরিখনা প্রাণাপ্রনী।

সূর্ব্যাক্তকুনন্দ্রিক্ষাক্রোক্রং পৃথিবরাং শরীরন্।

সর্বাক্তরা নাতবুপ হ্রমান্ত্রন প্রেক্তনা প্রাণাপ্রনী।

বুক্তা। ননং। উপ। হ্রমে । নাতরিখনা প্রাণাপ্রনী।

পর্বতা। বুক্তা অভ্যাক্তিবাং । প্রেক্তনা প্রাণাপ্রনী।

পর্বতা। বুক্তা অভ্যাক্তিবাং । প্রেক্তনা স্থান্ত্রনা চলা

ক্রিক্তা। বুক্তনা উপ। হ্রমান্ত্রনা সন্তর্কা। চলা

ক্রিক্তায়েক্তবাংক প্রকাশ ক্রক্তন্ত্রনা

ক্টিং ছিনীয়ের প্রকার হস্ত হ।

ক্রাপুশাংকরার 'কবং মহন' ইতি হাজেন নালানককার্যপুতং কীংননিনং গলাতা।
আভনমা অন্নাজি। তথা ভটনক অংশন সংক্রম চাধ্যম সমান্তবালা। হুটে জীব্রবালগার
বৃহ্যিক। মধ্যানিতা সম্পাত্রাভিনমা আলহতি। তং উল্লেখন ক্রেটির্বালিক। 'কবং মচ ইতি
মান্তবিশ্বালাপর্যতি ইতি (কৌ-২০০)। মুক্টির্বা চুলীক্রবাল

কথং মতে অহুনায়।প্রবীরিত কথা শিক্তো করলে তেবলুর্ণ: । পৃশ্লি: বক্লশ সন্মিনা সভাধান পুনর্গন: তং সনসাচিকিৎসী: ।১॥ কথন্য মতে। অহুলান অকুলান: ইব। কথন। শিক্তো বন্ধান: । বিশ্ব বক্লশ চ ক্ষেত্রান চ ক্ষান্ধান পুনুষ্টান্ধান করা চ অভিক্রিকী ১ ১ চ

केश्या र अस ! ो अने केश्यार अस्ति । ম কালেন পুনর্থায়ে ভবাদি সং চক্ষে কং পৃথিদেভামুগালে ১ म। कारमम। भूनःश्यदाः छत्रामि। नमः हरकः कम्। त्रीयम्। <u>अस्ति।</u> डेन**ः नरकः।** (क्रमा चा चम्। जनर्तम्। कार्रामः। क्रमः। क्रमः। क्रमः। क्रमः। क्रमः। ग्रहामर्थ ग्रह्मेतः कार्याम ग्रह्म कार्यमान्त्रः कार्यस्थः। न (य भारता नार्राम महिया छ.७१ मौमात्र संगरः पतिरक्ता का निष्ठाम्। पदम्। भणीतः। कार्यामः। नष्ठाम्। कारकनः। किः। काष्ठरतकारकः मा (मा माना। मा वाका। मिक्का। खडम्। मीशाहा वदा भक्तम्। मतिहस्र १०३ न चनकः कविकत्ता न त्यमकः वीतकत्ता वक्रम व्यमक्तः। पर का विश्वा क्यानि (अया गडिज कव्यत्ता माग्री विकास । a.b

मा परा ज्ञान कविश्वद्धाः सः स्वयत्ताः वीतर्वद्धाः वस्त्र व्यवस्त्र ह

्र अवर्ष्णा विश्वा छूप्यांति। ट्रांचाः नाः । हिर्मः -

्। क्राचरा जनाता नातीः विकास ४ क्रे

বং হাঠুদ ৰক্ষণ স্থাবন বিশ্বা বেপ্ত জনিম। স্থাণীজে।

किर त्रस्तन खना भटता भग्रमट्युनाः किर भटतभावत्रमञ्जता । कः॥

। ।, । শ্বম হি। অকা বক্লশা বশাহবন্। বিশ্বা। বেথা অনিম । পুংঞানীতে।

কিন্। রজনঃ। এন।। পরঃ। আরুং। অবি। এন।।

} কিন্≀ প্রেদ। অবরম্। অমুর । ৫০ জ ———

। । একং রলগ এনা পরে। অস্তরণস্তোনা পর একেন তুর্ণং চিদর্কাক্।

ছৎ তে বিদ্যান বক্লণ প্র প্রতীয়াগোবচন: প্রশক্ষে।

ভবস্তু নীতৈদ্ধিল উপ সর্পন্ত ভূমিম ।। ৩।।

া । একন্। রজনঃ। এমা। পরঃ। অভং। অভি। এমা। পরঃ।

क्रमा हे:इगम्य । हिर्दा **भवीत्**क

। । আ মা বোচলনাগণং জনাসঃ পুনত্তে পৃত্তিং জনিজজনি।

েপ্তাত্তং লে নিশ্বনা হাছি শচীভিরস্তবিবধান্ত নাকুদীর দিক্ষু ॥ ৮ ॥

। । । ।

। । ।

ন্য মা। বোচনা শ্বনেগৰন, শ্বনেগ পুনং। তে। পুলিম্। শ্বিতং। দ্বাবি।

विद्याः (स्वांत्र श्रृष्ट्य विद्याः । विद्याः

ক্লাৰ্থনকৰ্ণি বণাৱাক্ষারি বভানি কুৰা 'ন্যিছে। অভ' ইভি হজেন একং বৰ্ত্ত জুহোতি। 'উদ্ধা অভ' (২০২০) ইভি হজেন বিতীয়ং বৰুং জুহোতি। বুজাভ্যাং হজাভ্যাং ভূতীয়ং বৰুং। অধুনত্তে বাংক্তি চতুৰ্বং বৰুং জুহোতি। তথা চ পুত্ৰং। 'নৃষিদ্ধ উদ্বা

भारति क्रावित वृक्षातार क्रित्रोतार। जाश्रमकोर हरू वेरि ( क्रिं ela) s

मिरिका चाल मेर्न्ट्रमा इट्डाट्न (प्रद्रा (प्रदान सक्ति काल्ट्रात्र ।

चा ह नह मिल्रम्बान्हिक शन् चर मृतः काविति श्रीहिकाः । ॥

गमरुक्तः। च्छा मञ्ज्ञः। हत्वार्ण। (प्रदा। (प्रदान। यक्ति। कात्रश्रवकः।

चा। हः वह। मिल्रम्बाः। हिक्चान्। चम्। मृतः।

चितः। चितः। चितः। शरुरहतः। ।

। তনুনপাং পথ ধাচক বানান্ মধনা সমগ্রেপরা ক্রিকা।

মন্ত্রিক বিজ্ঞান বিশ্বনা চ কুপুত্ধবরং নঃ। ২ ।

444-48 (38)

णवंकिरनम-नार्विष्ठी । [ रहा-०वर्ग छन्दनभाषा भगा बच्छा बालाना सथा। नगरं सञ्जा प्रकृति प्रश्चित् মরানিঃ गोकिः। উক্তঃ ব্যাস্থ আছেন। বেবছলো।চঃকুপুছি। অধ্যরদানঃ।২ঃ ্। । । আভুহান ইড়ো ক্ল্যুশ্চ। বাংসুয়ে ক্লড়ি: সঞ্জোগা:। ৰৰ। দেবানাৰ। আৰি। যহব। হোভা। দঃ। धमाम्। यक्ति। हेविकः। वश्रीकान्। ०॥

প্রাচীনং বৃতিঃ প্রদিশ। পৃথিব্যা বড়োরভা রুক্তে অতো শহাম্।

क्रा अथर७ विकतर वद्रोरता रनरनरका चिनिकरत्र रक्तानम्। ।।

व्यक्तिमम्। वर्षः। व्यव्यक्तिमाः श्रीवनाः। वरकाः।

। । অভাঃ বৃদ্ধাতে। সংগ্রা স্কাব্।

वि । खेर देखि । खेर्या च विश्वतम । मतीश्री । प्रतिकाशः । प्रतिकाशः । प्रतिकाशः । प्रतिकाशः । । ব্যৱস্থা ক্রিয়া বি অনুস্থাৎ পভিডেয়া ন জনয়ঃ শুকুশানাটো

दमनोष रिता त्रव्येक्सिम्भिया (मरगरका। कगक ख्ञामगीका । ।

```
३२<del>१--७-४</del>म । ] व्यक्तिम् ।
   । ।
ব্যচৰতীঃ উৰ্কিয়া বি। শ্ৰহণুম্। পভিহ্নাঃ। মা অনয়ঃ। ভভ্নানাঃ।
  (वनीः: चातः। त्रकोः। विचयरदेवाः। (वर्वणाः ७वठः प्रश्चादमाः। ११
 ना प्रम्थकी बन्दर উপादक छेथागानका मन्छाः नि त्यादनी।
। । । ।
দিবো বোধণে বুহুতী হুক্লক্সে অদি প্রিয়ং শুক্রণিশং দধানে।। ৬।১
     জা। পুণয়ন্তী ইতি। যজতে ইতি। উপাকে ইভি।
               উবলানজনা। লগভাষ্। নি। বোদো।
      খিন্যে ইভি। যোগণে ইভি। বৃহতী ইভি। সকলে ইভি সংক্রো।
           । । । ।
অধি। শ্রিয়ণ্। ওকেংপিশন্। দধানে ইতি। ৬ ।
  देलना दहानाता क्षालमा अवाहा समाना सक्बर मञ्चा यक्टेना।
 ় । । বাধুমা। অংহৰাচা। যিমানা। ব্যৱস্থ সংক্ৰোঃ
थ्रभ्रदावभ्रका। निवरवर्ष्ण काळ हेडिंग खाठीनम्। क्यांडिंग कार्रविमा। विवेदा १९०
  আ লোকজ ভারতী ত্যমেকিড। সমুস্দিৎ চেতরতী।
 िट्या (न ने निहिंद्यनः (महासर अक्षय) स्थापः अवस्थाम् । ।।
```

ি ।
ভিশহস্পন্তক । স্কলা । লগহস্কল । কেশনাধা পাৰা। কতৃহপা[া হলীংবি ।

।

ক্ষেত্ৰ । স্কলা । লগহস্কল । কেশনাধা পাৰা। কতৃহপা[া হলীংবি ।

ক্ষেত্ৰ । স্কলা । ক্ষেত্ৰ । স্কলা । ক্ষেত্ৰ । স্কলা । স্কলে । স্কলে । স্কলে । স্কলে ।

সভো কাতে। ব্যামনীত বজনাগ্রাদেশনাম্ভবৎ পুরোপাঃ।

অক হোড়ু: প্রশিক্ত জ বাচি স্বাহাত্তহং কবিরদন্ত দেবাঃ। ১১৯

নভঃ। ভাতঃ। বিঃ প্রিমীত। বজ্ঞা। অভিঃ। দেশনাম্। অভগং। পুরঃহ্পাঃ।

অক। হোড়ুঃ। প্রহিশিব। প্রজা। লাচি। বাহাহ্রভদ্।

চবিঃ । অসন্ত । (স্বা: ) ১১ »

हेडि खु होरत्र प्रवादक (ब होत्रर कर्किम् ।

'দ্দিহি' ইতি প্ততং বিষ্ঠেত্ৰভাকৰ'ণ বিনিষ্টাতে। ভত্ত 'দ্দিহি' ইতি প্ৰাণঃক্ৰি দ্র্কবিবলৈ ব্যাকর্মণ বিনিয়োগঃ। ভত্ উক্তং কৌলিকেন। 'দ্বিকীতি ভক্ষায়েতাকেং' ইভি (কৌ• str )। দদিহি ইভোভখা বিনিরোগতক্ষকার (কৌ• sts ) ইভি কুল্লে প্রোক্ত हैंडि खन्नार्वः । खबिनियानित्वत्र 'अन्त्रात्मा यरक' हैंडि एएक ( 816 ) क्रुटेनाः । विजीवा-बीनार बहार शाकुाहर विवासकाम अन किमिटबामा। जला ह ल्ख्या। 'विक्रोबबा अवनी। नवार পরিক্রোষতি। বিধাণিতি অধান উদ্পাধ্যতি। ডুকীর্য়া প্রণৰ্কনী। चाराशील बरमा जरेन: शकर्व।विश चिक निवन्निक प्रकार विशेष । विभेषा विभीक विश्व । वक्षाञ्जीकााभारमन । वाकार अध्वाभान भावतंत्त । सन्या वाविरभुवीवर । जिल्लक्रमा बालर প্রাণয়তি। দশম্যালাবুনাচময়তি। একাদশ্রা নাভিং বল্লাভি' ইতি (কৌ । ৪/৫)। সভার্ব:। शहती कहेकवद्धाः। मुत्रामित्वाञ्च श्रामित्व (बनार कर्दाति वद्धाः। एम निवस्त स्वार । निशार करेक नश्च कि कालि विकश्चकार। (थंडनरक नगकाय ना शक्तिर नमूर्ति। विवर উভাতে শ্রীরে ন শর্পতি। তৃতীয়য়। দট্টং শ্বানং পীড়য়ভি। তেন বিষং শন্তরে পছতি । हिष्वीं। আচার্যান্তর: প্রদক্ষিণং প'রক্রাগতি। 'অংপতি' ( ান্ত) ইড়াচং অপিছা ড্ণানি धीकामा कार्यत्विम्बर अकिनिक वृद्देश्वास मा । नवीरमृति गृहकुनारकामितः छेवकः অভিনৱা बहेर পালনতি প্রাক্তি চ। বঠা। আইলিয়াপালং অভিনত্তা বল্লাত। সধ্যাই-মীভাং মধুমক্ষিকাং মধুরক্ষ্যন্তিকাং চাভিমন্তা পারমতি। পুরীবং অভিমন্তা পারমতীতি শেবা ভিত্তক্রধা আনিজ্ঞাপালয়া। মাংদং আনিংনক্তি। অলাবুনা অলাবুলালকং ত্তা অভিনয়া আচনরতি বিষণাধিতং। অলাবুরুতং কম্পাত।তিমলা বল্লাত। ইতি। তথ্য অভিচারিকে কর্মনি ভল্ল স্বক্তত বিনিয়োগঃ। তদ্ উক্তং কৌশিকেন। 'দদিলীতি নারীকে ১ বেশকপটু প্রাক্ষণাতি" ইভি (কৌ- ৬২)। বেশকণটু বর্গছেত্র' লাক্ছভে হ

```
व्यवस्तिद्वन्तः ( वर्षः ।
मिन्दि महार वक्रांता मिनः कवित्वता किक्रांति विगामि एक विभम्।
 খাতমথাতমুত গক্তমপ্রভিমিরের ধহমি জলাগ ভে বিশ্বস্ : ১ ঃ
       स्थितः। दि। सङ्भुतं बङ्गभाः। सिवः। कविः। विःश्रिः।
            क्रेरेग्रः। नि। विभागि। (छ। विथम।
        बाज्या व्यवास्था উछ। मळ्या व्याच्या देत: रहेवा
              स्वमा नि। अञ्चल। (छ। विस्म। ১।
       सर एक बालामकः रिनार छर छ अकास्यास्त्रम
গুছালৈ তে মধাুমমুত্তনং রগমুভাবদং ভিরণা শেশদ ছ তে ॥২॥
    बरा (छ। अनुबहेबक्या निवमा छरा (छ। अछान्ना अञ्चलमा
      গুরুলাখা আছে। মধানশা উৎহতমণা বসম্। উতা অবসক্
            चित्रमा। (अनदः चारा छै। होता (छ । १)
বুষা মে ব্রবো নভগা ন ৬নাতুরুত্রেণ ডে বচগা বাণ শারু <sup>ভে</sup>
बाहर ७२७ मृण्याकान्द तथर ७२१ वन (कार्किकारण पूर्वाः॥०॥
```

```
।
রুবা। খে। রুবঃ। মঙ্গা। ম। তঞ্জুঃ। উত্তাৰঃ তে।
      অবসা তথা অভ ুন্হতিঃ। অঞ্চম্। রদম্।
       जमनः १ ठेव । स्वाहिः । छेव । सङ्ग पृथाः । ० ।
     । ।
চফুমা তে ১ফুছিমি বিষেপ হসিম তে বিষয়।
   শহে। ত্রিরখা মা। জীবীঃ। প্রতাক্। অভি। এতু। খা। বিষয়া৪॥
  ি । । ।
কৈরাত পুর উপতৃণ্য বস্ত্র মা মে স্পুডাসিঙা অলীকাঃ।
 । । । ।
মা মে দধুঃ স্থামানমণি ঠাঙাঞাবয়ক্তো নি বিশে রমধ্বম্। ৫।
মা। যো সধ্যে। আমানন্। পশি। ভাড।
         আহ্পাবর্ত্তঃ। মি। বিবে। রম্পন্। ৫।
```

व्यक्तकम्। पद्धवीनानः भक्तानान्। व्यवन्। विषम्। 🗸 ।

```
३७१-२->>म।] खरत्रान्मर-मृकः। क्वि
           कर्गः भाविर छमखनीम् निरवत्रवहत्रस्थिक।।
      चाः कारम्ठमाः थनिविमाश्वामामतम्बम् विसम्॥ ॥॥
        क्षी। श्राविर। छर। अखरीर। शितः। अवश्वत्रक्षिका।
   খাঃ। কাঃ। চ। ইমাঃ। খনিত্রিমাঃ। ভাৰাণ। অৱৰহভন্ম্। বিবস্∎≽∎
          ভারুবং ন ভারুবং ন ছেৎ ছম্সি ভারুব্যু ।
                 छातूरवनातमः विषय्।। > ।।
     ভাব্ৰদ। ন। ভাব্ৰদ। না ঘা ইং। ভন্। অদি। ভাব্ৰদু।
                । ।
ख्रुखर न ख्रुरः न (घर द्रमनि ख्रुरन्म्।
                 ७ छ(दनांत्रमः विषम् ॥ ১১ ॥
     च्छारम्। मा उच्चरम्। मा था हेरा चना चनि। उछरम्।
                खबर्यम । अत्रमम्। विवर् । >> ॥
```

ইতি তৃতীয়েত্বাকে তৃতীয়ং স্কৃৰ।

944-98 ( ) a)

'পুণণ্ডা' ইকি প্তকত কুত্যাপ্রতিহরণগণে পাঠাত ্যত্ত্ব কত্যাপ্রতিহরণগণে বিনির্ভাতে তত্ত্ত্ত্বাত প্রকাশ বিনির্ভাত। প্রকাশ প্রকাশ বিনির্ভাত তত্ত্ত্বাত প্রকাশ বিনির্ভাত। প্রকাশ কর্ত্ত্বাত ভারতিহরণগণে তাইবাং।

```
।
স্থপর্বস্থার বিদ্যাৎ সূক্যস্তাখনর গা।
         । । ।
দিপোদৰে যং দিপ্সন্তমৰ কুডাক্তিং জৰি॥১॥
      चुरुपर्वः। चा। चन्नः चित्रसरा एकतः। द्या। चर्मसरा नगा।
      ণিকা। ওবংধ। ভৃষ্। দিকারণ। অব। ক্ডাঙকুতৰ্ অহি॥১।
             ব্য কহি যাতুশানান্য ক্লড্যাক্লডং কহি।
       শধো যো অস্মান দিপ্সতি তমু হং ক্সংহাধ্ধে। ২।
         আবে। আহি। যাতৃংগানান্। আবে। কুত্যাংক্তম। আহি।
भर्ता हे छि । यः । भाषान् । विक्रां छ । छ । छ । देखि । यु । स्राहि । ध्वरव । ३ ।
            রিশ্যন্থের পরীশাসং পরিক্বতা পরি ছচ:।
      कुछार कुछाकुछ (नन निक्रमन श्रेष्ठि मुक्छ। ।
           রিশ্রস্থার পরিহশাল্য। পরিহরত। পরি। বচঃ।
```

কুতাব্। কুতাহকুতে। বেবাঃ। নিজ্বুহুইব। প্রতি। মুক্ত॥ ৩।

পুন: কুড়াং কুড়াকেছে হস্তগ্থ পর৷ পয়৷ সমক্ষমত্ম। আ শেহি যথ। কুত্যাকুতং হনং । ৪।। পুনঃ। কুড়াখ। কুড়াহিকতে। হত্তগৃহ। পরা। নর। সম্হলকাৰ। অবী। আনা ধেছি। ঘণা। কুড়াহকুতম্। হনং ৪৪৫ কুভ্যাঃ সম্ভ কুভ্যাকুতে শপ্ৰঃ শপ্ৰীয়তে। সুথে। রথ ইব বর্ত্তিং কুত্যা কুত্যাকুতং পুনং।। ে। রুভাগা। শৃষ্ক। কুভাগিকুতে। শৃপ্থঃ। শৃপ্থিচ্ছতে। — -- -- -শুহখ:। রণঃহইন। বর্ত্তান। কুতা। কুতা।হকুতন। পুনা।৫। ষদি জ্রী ধদি বা পুমান্ কুত্যাং চকার পাপানে। । । । ভাসু তবিল নয়াসভখাননাখাডিগায়া। । । । विश्व औ। यक्ति। चा। পুমান। কুতা।ম্। চকার। পাণ্যুংন। ভাষ। উংইভি। তলৈ। ন্রাম্নি। অথম্হইক। অথংঅভিধান্তা । ৬ 🗩 यिक कार्ति (क्वाकुका यिक वा भूकदेवः कुका।

णोर चा भूगर्वधामगीटखन ममुका वक्रम्॥ १ ॥

व्यवस्थित-मःहिछ।। [ स्का-क्वा ি । । বলি বুলি আৰি। দেবহজুতা বলি বুলু পুকুৰৈং। কুতা। ডাম্। খা। পুনঃ। সয়মদি। ইংরেশ। প্রযুজা। বয়স্॥ ৭ ৪ আরে পৃতনাগাট পৃতনাঃ সহস্ব। भूनः कुछाः कुछाकुछ अधिद्वर्गन इतामनि। । । । | | আংলাঃ পুভনাবাট্। পুতনঃঃ। সহস্ব। |----। । পুনঃ। কুত্যাম্। কুত্যাহকুতে। অধতিহহরণেন। হরামণি। ৮। কৃতব্যধনি বিধা তং যশ্চকার ভনিভন্তি। न चामहत्कृत्व वहार वशास मः णिणीयवि । ৯ । इन्छक्तार्थनि । विशा छन्। यः। हकात्रा छन्। हेदः खहि। ন। ভাষ্। আচতুৰে। বয়স্। বধার। পন্। শিশীমছি।৯॥ পুত্ৰ ইব পিতরং গচ্ছ স্বন্ধ ইণাভিন্তিতে। দশ্। বন্ধবিধাৰক্ৰামী পচ্ছ কুত্যে কুড্যাকুড: পুন: • ১০ 🛊 পুঞ্হইব। পিতর্গ্। পৃক্। বৰংহইব। অভিহ্ছিতঃ। বশ।

वस्प्रहेतः चनरुकायोः। शुरुहा कृष्ठाः कृष्ठाः∤कृष्ठस्। प्रदाये क

4 4 mm

हेलि ज्ञीश्रश्नगारक ठजूर्वर युक्तम्।

ছাহ্খঃ। র্থঃহট্য। বর্তিনামু। কুডাঃ। কুডাঃহকুত্মু। পুনঃ।১৬। -----

প্ৰাং রোগোণশ্মনপৃষ্টিপ্ৰজননকৰ্মক 'একা চ মে' ইতি হজেন অভিমন্তিতং শলবণং কেবলং বা উদ্কং পাঃ পার্যেং। ভদ্ উজেং কৌশিক্যুতো। 'একা চ ম ইতি পা লবণং পার্যুতি' ইত্যাদি (বেলা ৩.২)। তুইবজ্মুখগুজনকৰ্মণি 'একা চ মে' (৫০১৫) 'যজেক-ম্বালি' (৫০১৬) ইতি হজাভ্যাং খলচুলণ্নীং মধুনা লোভিভেরু শজ্জু অজ্পাক্ষা অভিমন্ত্রা গায়য়তি। 'বজেকেরুবোলি' ইত্যভিমন্ত্রা অন্ত ভ্রু তে শাণভৈবজার্থং। ভ্রাভ উত্তে ক্ষিণি ক্ষা ধ্বিভেকু ব্বালি' ইত্যভিমন্ত্রা অভিমন্ত্রা অণিগ্রাভি। তত্তিকং কৌশিকেন। 'মধুন্ধ

স্বালিকাতিঃ খলতুলপৰ্ণীং লংকুন্ত মধুমতে পাৰম্বতি। উক্তরাভিপ্তঙ্কে। স্বারং ক্লেতি ইভি (को · 818)। 'अक ह' (म देखि मधूनामक्त्रछा:। 'व्यक्तक्त्रदानि' देखि हुविन्हाः s

```
।
এক। চ মে দশ চ মেপ্ৰক্তার ওৰংধ।
ঋতকাত ঋতাবরি মধু মে মধুল। কর: । ১ ।
चंडरवाटिं। चंडर्यति। मधुो (सः मधुला। कदः। ১ b
     एक क त्य विश्मिखिक् ।।। २।।
     ছে ইভি। চ। মে। বিংশভিঃ। চ।২।
      ভিত্ৰণ্চ মে ত্ৰিংশচ্চ ।। ।। ।।
     इक्ट्यम्ह (य हचादिःमळ •ा•।। ।।।
    इंडल्डा हा स्मा हचातिः सरा हा • । 8 ₽
      明本 5 (A 对非国际 · | * | 1 @ | |
```

## शक्षणभर मृख्यः i

महे ह दम वश्चिम्ह ा ।। ।।। ষ্টা চামে। কটিঃ। চা•াভা मल ह त्य मल्लांडम्ह ।। १॥ ମଝା ତା ସେ। ମଝାଡି:। ତା • । १ । আৰু চ মেশী। ৩ শচ ০,০ ॥ ৮ ॥ আই। চা মে। অশীভিঃ। চা•॥৮॥ । নব চ মে ন্বভিশ্চ ।। ৯।। া নব। চ। যে। নবভিঃ। চা•।৯। -। দশ চ মে শৃতং চ মেপ্রক্রারঃ লাভ ॥ ১০ ॥ দশা চ। মে। শতম্। চ। মে। অপ্ৰস্তারঃ। । ১০ । শতং চ মে গহস্রং চাপ্যক্তার ওবধে। । । খাভলাভ খাভাবরি মধু মে মধুলা কলঃ।। ১১।। শতম্। চা মে। সহত্রম্। চ। অপপথ্যতণারঃ। ওবংধ। । অভহ্তাতে। অভহ্বরি। মধু। মে। মধুলা। করা।১১॥

> তীয়েসুবাকে পঞ্নং স্কুং। ইতি ভূতীয়োসুবাকঃ।

'ষ্প্রেক্র্বোনি' ইতি স্জত পূর্বস্জেন লহ উল্লে বিনিয়োগ:। হত্তমণি **भूक्षण्टल देवावदः।** 

```
।
যতেকরুমোদি স্কারণোদি। ১॥
- - -
       ী
বলি। একংবৃদঃ। খণি। সূজা শরণঃ। খণি॥১॥
              ।
যদি বিরুষোদিও। ২॥
              |
यनि। विरुद्धभः। व्यक्ति॥•।२॥
   । । । । ।
যদি ত্রের্যোদি৽॥ ৽ । যদি চতুৰ্ব্ধে।দি৽ ॥ ৪ ॥
---
। । । । या प्रश्नेद्वस्थिति। । । । या प्रश्नेद्वस्थिति। । ।
्र्यम् । मश्चर्युतः । जनि॥ • । ९ । यमि । जडेर्युतः । जनि॥ • । ৮ ॥
         । ।
यक्ति नग्दुरमामिक॥ ৯ ॥
```

। यकिः सरस्त्रयः अस्ति।•।२।

यित नभात्वस्याति ज्ञात्वरताति॥ ১०॥

पिता नभर्वस्यः। जनि। ज्ञा ज्ञात्वाः। जनि। ১०॥

पिता नभर्वसः। जनि। ज्ञा ज्ञात्वाः। जनि। ১०॥

पित्रा कानस्भानि (नार्णानरकाति॥ ১১॥

पित्रा ज्ञानभः। जनि। नः। ज्ञारुजेनकः। जनि॥ ১১॥

हिक ह्र्र्वस्थारक श्रथमः ज्ञास्य।

গোহরণেভিচারকর্মণি 'ভেবদন' ইতি হুক্তেন নেভূণাং পদং বৃশ্চতি। তথা লামেন ছফেন চৌরান অঘাহ। তদ্ উক্তং কৌশিকেন। 'তেবদরিতি নেতৃণাং পদং বৃশ্চতি। অঘাহ' ইতি ( ১০০ ৬.২ )।

তে বিদন্ প্রথম। জন্মকি বিষেকুপারঃ সলিলো মাতরিখা।

বীডুহরাস্তপ উপ্রং ময়োডুরাপো দেবী: প্রথমজা খাতস্যা > ।

তে। অবদন্। প্রথমায়ে বলহকি বিবে। শকুপারঃ। দলিলঃ। মাতরিখা।

বীডুহহরাঃ। তপঃ। উপ্রব্য ময়াহহত্য। আপায়া দেবীঃ। প্রথমহলাঃ। অভয়া > ॥

বোমো রাজা প্রথমো জন্ম লারাং পুনঃ প্রায়চছদক্রীয়মানঃ।

অম্বর্তিতা বক্তপো মিত্র আসীদ্যাহিত্তি। হস্তগৃহ্যা নিনার ॥ ২ ॥

স্বর্ধ—২০ (১৯)

```
काथर्यत्वत-गःहिछ। । ( १ का — हेच ।
  रनातः। दावा। क्षेत्रः। तक्षर्वाताग्। भूतः। क्षे। वहक्ष्रा वहनीत्रासः।
        অসুংঅঠিতা। বরুণঃ। মিত্রঃ। আনীং। আরিঃ। হোডা।
                  হত্তহগৃহ। আ। নিনার । ২ ।
      इस्डिटेनव जारा निवत्ना . जन्मनारत्रि (ठमरवाहर।
। । । । ।
ল দৃতায় প্রহেয়া ভক্ত এষা তথা রাষ্ট্রং গুপিতং ক্ষত্রিয়স্ত ।। ০।।
श्वम। अव। आर्थः। चार्थः। चकाः। बक्तरुवात्रा। हेछ। छ। हेरा चरवाहर।
ম। দ্তার। প্রথ্যের। তছে। এবা। তবা। রাষ্ট্র্। গুণিতন্। ক্তিরভাগ।
     । । । । । । ।
যামাত্তারকৈষা বিকেশীতি হুজুনাং গ্রামমবপক্তমানাম ।
 বান্। আহঃ। তারকা। এবা। বিংকেশী।ইতি।
                 कुछ्नाग्। शामग्। व्यवस्थलमानाग्।
```

ना। खन्नश्चाता। वि। इत्माजि। ताड्वेग्। यखा

প্ৰহলপাৰি। লখা। উক্ৰীংমান্ । ৪॥

34ए- e-१म। } नश्चम्भर-मृत्र**्।** विकाशी हत्रिक द्विविष् विषः न त्वानी क्वाकारम् । তেন আয়ামখবিন্দদ্ রহস্পতিঃ সোমেন । नीकाः क्ट्रारं न त्वयाः ॥ १ ॥ ব্দাহ চারী। চরতি। বেবিবং। বিবং। লঃ। দেবানাম্। তবতি। একম্। আমন্। । । ডেন। জারাম্। অসু। অবিকাৎ। রহম্পতিঃ। সোমেন। নীভাগ্। জুহাম্। দ। দেবাং । ৫। — --। । । দেবা বা এভভামবদন্ত পূর্কো সপ্তর্কায়ন্তপণা বে নিষেত্র:। i । । ভীষা জ্ঞায়। ত্রাক্ষাপনীতা হুদ্ধাং দধাতি পরমে ব্যাভা (मनाः। देव । धारुक्षमम् । चनवन्त्रः। प्रश्निमः। स्थर्भनवः। स्थर्भनवः। स्थर्मनिः। दिव । सिर्टन्हः। বে গর্ভ। অবপত্তত্তে জগদ্ যচ্চাপলুপ্যতে। ৰীরা যে তৃহত্তে শিথো ত্রহাণায়া হিনন্তি তান্।। १।। িব। প্রতি। আবহণজন্তে। জগংগ বং। চা আপংলুপাতে । বে। প্রতি।

ৰীরাঃ। যে। তৃহত্তে। মিখঃ। ত্রকাংখারা। বিনক্তি। তাৰ্ঃ 🤊 🕨

्र जन्मा (दन-मःहिन्। (दन-क्रमा উত যৎ পত্রে। দশ জিয়াঃ পুর্বেই অবাক্ষাাঃ। ব্রকা। চেদ্ধস্তমগ্রহীৎ স এব পতিরেক্ধা। ৮। । । । । উত্তঃ যং। পতরঃ। দশ। ফ্রিরাঃ। পুর্বে। স্থ্রাকণাঃ। ব্হা। চা ইং। হতন্। অনুহীং। দঃ। এবা পতিঃ। একংধা।৮। ব্ৰাহ্মণ এব পতিন রাজফোত ন গৈখা। — — — — । । । । ছৎ সুর্য্যঃ প্রক্রণয়েতি পঞ্চো মানবেভাঃ॥ ৯॥ ছে । স্থাঃ। প্রহল্পন্। এতি । পঞ্চছাঃ। মান্বেছাঃ ॥ ৯. ॥ পুনবৈর্ব দেব। অদত্য: পুনর্মসুয়া অদত্য:।

प्राक्षानः मन्त्रः शृङ्गाना खक्तकाग्नाः शूनविद्धः । ১০ ।।
भूनः। देव। द्वारा जनकः। পুনः। सङ्ग्रीः। जनकः।

রালানঃ। শতাম.। গৃহানাঃ। অক্ষংখারাম্। পুনঃ। বহং। ১০ ৪

।
পুনদ্দার অক্ষাঞ্চাং ক্রমা নেইগ্রিকিবিশ্না।

चेर्क्तः शृथिना। ভएक्यांकगायमूशानरह ॥ >> ॥

भूमाश्यात्र । तक्षात्राय । कृषा । त्यरेतः । निश्वित्रय्। উৰ্জন। পৃথিব্যাঃ। ভজনা উকংপারম । উপ। আগতে । ১১ । । নাক্ত জায়া শতবাহী কল্যাণী ভল্লমা শয়ে। यित्रान् त्रार्र्ध्व निक्रभारक खन्नामाहिला। । ১২ ॥ ম। অভা জারা। শতংবাহী। কলাণী। তর্ব। আন্। শরে। । বিৰণ্। রাষ্ট্রে। নিংক্থাতে। একাংআরা। স্কিল্যা। ১২। म विकर्नः পृथुणिताखिष्यन् दिमानि खात्राष्ठ। यित्रान्०।। ১०॥ ম। বিহক্তি। পৃথুহৰিরাঃ। ভৃষিন্। বেখানি। জায়তে।•॥১৩:॥ ^- --নাম্ভ ক্ষতা নিজ্ঞীবঃ সূনানানেত্যগ্ৰতঃ। যশ্মিন্ত।।১৪॥ म। जाजा क्छा। निकर्शीयः। प्रशासन। ७७। जाश्रहः। •॥ ১৪।। नाका ८५७: कुछकरनी धूति यूरलन महीग्ररण। वित्रान्।। ১৫। ম। অবভা খেতং। কৃষ্ণংকৰ্ণং। ধুরি। বৃক্তং। মহীরতে। • । ১৫॥. নাক্ত কেত্রে পুক্রিণী নাতীকং জায়তে বিশম। বশ্যিন্ ॥ ১৬॥ ম। অভা কেলে। পুছরিণী। না আভীক্ষা আরতে। বিশ্বা • ৪১৩ চ ্চত্র

নাকৈ পুনিং বি ছুহন্তি ফেল্যা লোহমুপানতে।

যিত্মিল রাণ্ট্র নিরুধাতে অক্ষালায় চিত্যা। ১৭।

মা ক্ষা প্রিণ। বি। ছহন্তি। যে। অভাঃ। বেহিন্। উপহ্লালতে।

হিমিন। রাষ্ট্রে। নিহরুধাতে। অক্ষহলারা। অভিভাগ ১৭ ৪ শ

নাল্য ধেনুং কল্যাণী নানজ্যন্ত পুনম্।

বিজানিষ্যক্ত আক্ষণো রাজিং ক্লভি পাপরা। ১৮ ৪

মা কভা ধেলুং। কল্যাণী। ন। অনজ্যন্। লহতে। ধুন্দ্।

বিহলানিঃ। যা আন্দাং। রাজিন্। বদ্ভি। পাল্যা। ১৮ ৪

ইতি চতুর্বেহ্বাকে বিভীয়া হুক্তং।

পোহরণমারণবিশ্বনাধিশ্ররণপচনতক্ষণাদির ক্রিয়মাণের অভিচারকামো ক্রেকারী 'নৈতাং তে দেবাঃ' 'অতিমান্তং অবর্দ্ধ ই তি স্কেবরং 'শ্রমেণ তপনা' ইতাছ্বাকং চ (১২০০) শক্রন্থ আবাহ। বেয়ং মননি ক্রমা অণতীত্যর্থা। তন্ উক্তং কৌনিকস্ত্রে। 'রক্ষণবীত্যাং আবাহ। চেটাং। বিচৃত্তি। উবংলা। শানানে। নিরমূন হনস্বেত্যাহ। বিতীর্মাণ শানং উবংগ গুবুলি। বালশরান্তং লর্মার উপশ্রামাতি। বিরুলিতে ভ্রুঃ। আবাগ্রেণ নিবর্ত্তর্মিত' ইতি (কৌণ ভাং)। নৈতাং তে দেবাঃ' 'অতিমান্তং অবর্দ্ধন্ত' ইতি বে স্কেন্তর্মান ক্রিমারণ বিল্লনাল্ভাঃ। বিচৃত্তি উবংগ্য হবিঃক্রভেত্যর্থা। আমুন্ শক্রন্। বিরুলিতে ভ্রুংগ্রামারণবিল্লনাল্ভাঃ। বিচৃত্তি উবংগ্য হবিঃক্রভেত্যর্থা। আমুন্ শক্রন্। বিরুলিতে ভ্রেমারণবিল্লনাল্ভাঃ। বিচৃত্তি উবংগ্য হবিঃক্রভেত্যর্থা। আমুন্ শক্রন্। বিরুলিতে ভ্রেমারণবিল্লনাল্ভাঃ। বিস্কৃতিতে সইঃ শক্রিরিতি জ্বেরং। অবাগ্রেণ দণ্ডেন অস্থানং উবিধ্যেহান্ত্র

থে। ত্রাহ্মণং সম্ভতে অম্মের স বিষ্ণ্য পিবতি তৈমাত্ণ্য। ৪॥

व्यर्थे ( ११ - गः हिन्छ। १ ( १५) -- ३ व । | | | निः। देन। कृद्धम्। नक्ष्रिः। वर्ष्ठः। वर्ष्ठः। वर्ष्ठः। वर्ष्ठः। । আংহরকঃ। বি। ছুনোতি। সর্কাণ। । । । খঃ। বুলিল্বন্। মঞ্চো অলম্। এবং শঃ। বিষয়ে। পিবতি। তৈমাজভা।৪। । । । । য এবং হস্তি মৃত্ৎ মন্তমানে। দেবপীযুদ্ধনকামে। ন চিত্তাৎ। । । । । সং তত্তের। ক্র্লুরেগ্রিমিক্ উত্তে এনং বিষ্টো নভগী চরস্তম্। ৫॥ । শুম্। ভঞ্চ। ইক্রঃ। ফুল্য়ে। অগ্নিশ্। ইক্রে। উক্তেইভি। | | । \_\_\_\_\_\_। विदेः। नजनीहेलि। চরভদ্।৫। । । দ ত্রাহ্মণো হিংশিতব্যোত্য়িং প্রিয়তনোরিব। লোমো ফ্রিন্য দায়াদ ইল্রো অন্যাভিশন্তিপা:।। ৬।। মা আহ্মণঃ। বিংশিত মাঃ। আহিঃ। প্রিয়ত নোঃ ছইব। সোনং। হি। অভা দায়াদঃ। ইবং। অভা অভিশ্বিছপাঃ। ৬। শভাপার্চং নি গিরতি তাং ন শক্ষোতি নিঃখিদন্।

শনং যো ব্ৰহ্মণাং শবঃ স্বাহ্যক্সীতি স্মৃতভাষ ।।

```
कॅम्य-४-४०म।] वर्ष्टीमण्ट-मृक्तर।
     শতংশপার্থা নি। পির্ভি। তাব। ন। শক্লোভি। নিঃছবিদ্ব।
     चत्रम्। यः। একশোৰ্। মৰং। বাহু। चत्रि। ইতি। সভতে । १॥
    ভিহ্বা জ্যা ভবতি কুলালং বাঙ্গাতীকা দন্তান্তপদাভিদিশ্ধা:।
    । । ।
৩০ ভিক্স না বিধাতি দেবপীয়ন হৰলেৰ্ক্সুভিৰ্দেবজ ুভৈঃ।। ৮।।
           । ।
ভিহৰা। ভা। ভবতি। কুল্লন্। বাক্। নাডীকাঃ।
                    । <sup>ব</sup>। ।
দস্তা:। তপলা। অভিহদিয়া:।
।
ভীক্ষেধ্বে। ত্রাহ্মণা হেতিমন্তো ধাম্যান্তি শর্ব্যাংগুন সা মুখা।
     । । । ।
অসুহায় তপ্দ। মসুনে। চোত দুরাদ্ব ভিন্দস্তোনম্।। ৯ ॥
– – –
           ।
তীক্ষংইববঃ। আস্মণাঃ। হেতিহ্মস্তঃ। যাস্। সম্ভতি।
                     भद्रवार्भाना ना ना प्रवाह
  সমুংহায়। তপৰা। মহানা। চা উতা দ্বাং। অব। তিন্দভি। এবৰ্।»।
          যে সহস্রমার। জনাসন্দশতা উভ।
      তে ত্রাক্ষণা বাং জগ্ধা বৈভহবাঃ পরাভবন্।। ১০।।
           व्यवस्त - ११ (२०)
```

ধে। শৃহত্তব্য অরাজন্। আগন্। গুনহুখভাঃ। উত্ত। তো ৰাক্ষণভা পান্। অক্ষা বৈতহহবাং। পরা। অভবন্য ১০॥ গোনেৰ ভান হক্তমানা বৈভত্ব'য়া অবাভিরৎ। प ८क मत शायका शां भठत मा आ । ८०० ।। ८०० ।। ু। তান। হঞ্মানা। বৈতহহব্যান্। অব। অতিরং। रम। (कनत्रस्थावस्ताताः। हत्रमस्थामान्। व्यर्गहितन्। >>॥ একশতং তা জনভা যা ভূমিশ্ব্যিত। । । প্রকাং হিংদিছা ত্র:ক্ষণীমদন্তবাং প্রাভবন্। ১২॥ ু আইংজাষ্। হিংদিৰা। আল্লীৰ্। অসমহত্বাম্। পরা। অভবন্॥১২॥ ————— দেবপীধুশ্চরতি মর্ত্তোরু গরগীর্ণে ভবত্যক্তিত্মান্। খে এক্সণং দেববকুং হিনন্তি ন দ পিতৃ।য়ণ্মপোতি লোকম্।। ১০।। । লেবংপীযুঃ। চরতি। মর্ত্রোয়ু। গ্রহগীর্ণঃ। ভবতি। **অহি**হভূরান্। যঃ। ব্ৰাহ্মণশ্। দেবহ বন্ধুণা হিন্তি। না দঃ। । পিতৃহ্যান্থ। ক্পি। এতি। বোক্ৰ্যু১৩।

শ্বিহিবি ন: পদবায়ঃ গোনো দায়াদ উচ্যতে।

হস্তাভিশত্তেক্সভথা তদ্ বেধসো বিছঃ। ১৪।।

শবিঃ। বৈ। নঃ। পদহবারঃ। দোনঃ। দায়াদঃ। উচ্যতে।

হস্তা। শভিংশতা। ইস্তঃ। তথা। তং। বেধনঃ। বিছঃ॥১৮।

ইমুরিব দিয়া নৃপতে প্লাক্রিব গোপতে।

সা ব্রাহ্মণতেমুর্ঘোরা তয়া বিধ্যতি পীয়তঃ॥১৫॥

ইমুংহব। দিয়া। নুহপতে। প্লাকুংহব। গোহপতে।

শা ব্রাহ্মণতা। ইয়ঃ। বোরা। তয়া। বিধ্যতি। পীয়তঃ॥১৫॥

শা ব্রাহ্মণতা। ইয়ঃ। বোরা। তয়া। বিধ্যতি। পীয়তঃ॥১৫॥

্ষতিমাত্তং অংবর্দ্ধত্ব ইতি স্কুতে পূর্বাস্থাকেন লহ উজেন বিনিগোগং।

ইভি চতুৰ্বেল্নাকে তৃতীয়ং শ্বসং।

অভিমাত্রমার্দ্ধিন্ত নোদিব দিবমস্পৃণন্।

ভূতং বিংশিছা স্থায়া বৈভহব্যা: প্রাভবন্ । ১ ।

ভূতং বিংশিছা স্থায়া বৈভহব্যা: প্রাভবন্ । ১ ॥

ছত্ত্। বিংশিখা। তৃণ্ধলয়াঃ। বৈতহত্বাাঃ। পরা। অভবন্। ১৯

। । । বে রহৎশানানমাঙ্গিরণমার্পয়ন্ আক্ষাণ জনাঃ। े (श्रष्टरक्षमा मूल्यानमनिटलाकाकानग्रर ॥ २ ॥ । বে। মুহৎ≷ণামানম্। আকিবেনম্। আপিঘন্। আকেণম্। জনাঃ ⊪ যে ত্রাহ্মণং প্রভাষ্ঠীশন যে বাস্মিন্ছুক্ষমীধিকে। অসতে মধ্যে কুল্যায়া: কেশান্ থাক্ত আগতে। ০॥ যে। কাকাণম্। প্রতিহ্মজীবন্। যে। বা। ক্রিন্। ভ্রম্। ঈবিরে। खकाश्री भाषा वात्र माछि विजन्नदर। ভেলো রাষ্ট্রশ্য নিহ'ভি ন বীরো জায়তে র্যা॥ ৪॥ ज्ञारंभवी। नागामा। यावराना। अवि। विश्वनहरा তেকঃ। রাষ্ট্রখ়া নিঃ। হয়ি। ন। বীরং। আরতে। হুবা।৪.॥ া । । জুবুৰসভা আশ্সনং তৃষ্টং পিশিত্মভতে।

কীরং যদভা: পীরতে তদ্ গৈ পিতৃর কিন্তিপম্। ৫ k

অনুরশা অকোঃ। আহশেনন্য। তৃত্ব। শিশিতম্য আক্তোঃ मोद्रम्। বং। আন্তাঃ। পীবতে। তং। বৈ। পিতৃষ্দ কিবিবদ্য ৫। উত্তো রাজা সমূমানে। ত্রাহ্মণং যে। বিঘংদতি। পরা তৎ নিচ্যতে রাষ্ট্রং ব্রাহ্মণো যত্ত জীয়তে। ৬॥ । । উঠাঃ রাজা। মতমানঃ। তাক্ষণদ। যঃ। ভিলংশভি। পরা। ৩৭। দিচতে। রাউ্ধ। আক্রণা বলে। জীরতে। । । ভ্ৰমটাপদী চৈত্রকী চতুংগ্রোক্র। চতুর্যু:। ছ্যা প্ৰা বিভিহন। ভূষা সা রাষ্ট্রখন ধুকুতে ব্ৰহ্মজ্যস্থা। ৭।। আ টাহপদী। চতুঃহলকী। চতুঃহশোত্রা। চতুঃহহকুঃ। । বিংশাভা। বিংশিক্ষা। ভূছা। লা। রাউুম্। অব। ধ্ছতে। একাংলাভা। 1% ७ ए दे द्वाञ्चिमा व्यविष्ठ नावः ज्ञिमामिटवानकम्। — — — — ্ৰক্ষাণং যত্ত হিংশন্তি তদ্ রাষ্ট্রং ছন্তি সুচ্ছুন! ॥ ৮ ॥ া । ব্লেশেশ,। যতে। বিংশভি। তং। রাষ্ট্রন্। হভি। ছজুন।৮।

তং ব্ৰহ্মা অপ দেধন্তি ছায়াং নো মোপনা ইভি। ৈখে। ব্ৰাহ্মণতা সদ্ধনমভি নারদ মহাতে। > । ভৰ্। যুক্ষাে অংপ। লেখভিঃ ছালাম্। নঃ। মা। উপ। গাঃ। ইভি 🎚 । । যং। ত্রাআংণভা শং। খনম্। অভি। নারদা মভতে । ৯। — ---विषयान् (प्रकृष्ट त्राष्ट्रा वक्रांविका । ন আহ্মণত গাং অধ্যা রাষ্ট্রে জাগার কশ্চন। ১০ ॥ হিৰ্ম। এতং। দেবংকৃতম্। রাজা। বরুণঃ। ভারুণীং। ৰ। আক্ষণভা গাৰ্। অধ্। রাষ্ট্রে জাগার। কঃ। চন। ১০ । नदेवत छ। नवछ त्या यः अधिकार्ध्य छ। । । । প্রকাং হিংগিছা ত্রাক্ষণীমণস্তব্যং পরা**ভ**ণন্॥ ১১ । । । । । । নৰ। এবা ভাঃ। নবভয়ঃ। বাঃ। ভূমিঃ। বিহলধুক্ত। । এংখাৰ। হিংলিখা। আক্ৰীম। অবস্থত্যম্। প্রা। অত্বন্ধ ১১ ॥ যাং মৃভায়াতুবপ্পতি কৃতিং পদয়োপনীমৃ। ভদ্ বৈ অক্ষা তে দেবা উপস্তরণমক্রণন্। ১২ ।।

যাৰ। মৃতায়। আৰু ২০গতি। কুজুৰ। প্ৰহয়োপনীৰ। তং। বৈ। ব্লহ্লা। তে। দেবাং। উপহত্তরণম্। অব্রেণন্। ১২॥ অশ্রেণ ক্রপমাণদ্য যানি জীতদ্য বার্তু:। তং বৈ অক্ষয় তে দেবা অপাং ভাগমণানয়ন্॥ ১৩॥ । । । । অংশণি কুণমাণভা বানি। জীভভা বর্ডু:। ভষ্। বৈ। এজাংকা। তে। দেবাং। অপান্। ভাগন্। অধারগুন্ঃ ১৩ ॥ মেন মূতং স্নগান্তি শাশ্রাণ যেনোন্দতে। তং বৈ প্রক্ষান্ধ তে দেবা অপাং ভাগমধানয়ন্॥ ১৪।। । । । বেন। মৃত্যু। স্বাগতি । শাক্রণি। বেন। উক্তে। ভন্। বৈ। একংজা। তে। দেবাং। অপান্। ভাগন। অধারয়ন্॥১৪॥ । । ম বর্ষং মৈজাবরুণং ত্রক্ষজামতি বর্ষভি। । । নাবৈত্ব সমিভিঃ কল্পতে ন মিত্রং নগতে বশম্॥ ১৫॥ ন। বৰ্ষন্। মৈতাবক্লণন্। অকাংভান্। আছি। বৰ্টি। ন। অবৈধা লম্ইভিঃ। ক্রতে। না মিঅম্। লয়তে। বৰ্ম, ১ ১৫ 🖡 ইতি চতুর্বেল্বাকে চতুর্বং স্কং। • • •

ভিতৈ ব্যোষ: ইতি ক্তেন আদন পর দেনাবি বেষণ কর্মণি ভের্বাধিব দি আদি প্রকাল্য ভগরোনীরেণ লেপরিষা দম্পাতা ত্রিন্তাড় হিছা বাদকার পুরোধাঃ প্রথাছেই। ক্ষেত্ত হিছা ভিতিত হোৱা (১০২০) উপ খাদর (৬০২০) ইতি দর্মবাদি আদি প্রকাল্য তগরোনীরেণ দ্যাবা দম্পাত্ত ক্ষিত্র ক্রিন্তা প্রথাছতি ইতি (কে ১ ২ ৭)। তথা মহাব্রতে জনেম ক্তেন্ত্র ক্ষিত্র ক্তিং তাড়েরেং। তৎ উত্তং বৈতানে। 'ভ্ষিত্ব ক্ষুভিং উক্লেণা শিম্বং পুছেনামন্ত্রত হৈছে গাল্য উপ খাল মুই ইতি (বৈ ১ ৪৪)।

। । । । উকৈর্বোধে। তুন্দুভিঃ সম্বনায়ন্ বানস্পাত্যঃ শস্তত্ত উপ্রিদ্ধান্তিঃ। । । । । । । বাচং ক্ষুণুবানো দময়ন্ত স্পত্নিত হিব জেখানতি ভংস্তনীহি। ১। উকৈঃংখোবং। তুন্দুভিঃ। ব্যাংগ্রন্। বানস্প্রাঃ। বৃদ্ধভ্রঃ। উলিয়াভিঃ। বাচৰ। কুৰুবান:। দমহুন্। দহপ্ৰান্। সিংহঃহ্ইব। জেৱান্। অভি। তংক্তনীহি ।১। निः है वास्त्राभिष् क्वराम विवदक्षा छिक्क सम्मार्क वानिष्ठासित । ন্ত্রমা হং ব্রান্তে সপত্না ঐক্রতে শুলো অভিমাতিধাহঃ। ২। ি । । । বিংবঃহ্টব। অভানীং। জবয়ঃ। বিহ্বদ্ধঃ। অভিহক্ষণন্। অবভঃ। বাৰিতাৰ্থ্টব। — - - - -বুলা। অনু। ব্রয়া তে। সংপদা। ঐ**র**া। তে। ভয়:। **অ**তিমাতিহ্বহ:। ২॥ श्चर्यय यू.च महंगा विलाटना गरामिक क्रम मःपनािकर। ত। বিধা হৃদয়ং প্রেষাং হিছা আমান্ প্রচাত। যন্ত শ্রবঃ।।।

। । । विश्वास्थित । विश्वास्था া। ভুচা। বিশা হাগয়ম্: পরেবাদ। ছিখা। আমান্। থা•চুভোঃ। যন্ত। শতাবঃ।৩। া । । । সংজয়ন পৃতনা উদ্ধিষয়ুসূহি। গৃহ্নানো বর্ণা বি চক্ষু। লৈবীং বাচং ছল্পুত আ গুরুষ বেশাঃ শক্রিণারুপ ভরস্ব বেদাঃ ॥ 📜 🛙 नमश्चात्रम्। প্তনা:। উদ্ধিনায়:। গৃহান:। বছংধা। বি। চক্ষ। । বৈশীন। বাচন্। জুলুভো আনা গুরস্ব। বেগাঃ। শক্রণাম্। উপ। ভরমা বেদ:।৪। ছুন্দুভেক্ষাচং প্রয়ভাং বদন্তীমাশৃগ্রতী নাথিতা বোষবুদ্ধ।। । । । । । নারী পুত্রং ধাবজু হস্তগৃহামিত্রী ভীতা সমরে বধানাম্॥৫॥ - - - - - -হন্তে:। বাচম্। আহ্যতান্। বদতীম্। আহশ্যতী। নাৰিতা। বোৰহ্বুভা। । মারী। পুরেম। ধাবজু। হভংগৃহ। আমিজী। ভীভা। সম্ংশরে। বধানাম্।৫॥ । । । পুৰেব। ছুম্মুভে থা বদানি বাচং ভূখাং পৃঠে বদ রোচমানঃ। । । । অমিত্রসেনাশভিলঞ্ভানো হ্যুমণ্ু বদ হন্দুভে সূন্ভাবৎ॥ ७॥ भव्क-्र्म (२०)

```
च च थर्क ( १ए - गरहिन्छ। [ ६ क| — ६ च ।
. 635
  পুরঃ। ছুন্তে। এছা বদানি। বাচখ়। ভুষাঃ। পুঠে। বদা রোচমানঃ।
   অমিত্রহলেনাম্। অভিহল্পভানঃ। জ্যুহ্মং। বৰ । জুলুভে । অনুতাহ্বং। ৬॥
             1 1
   অন্তরেমে নভদী ঘোষো অস্ত পৃথক্ তে ধরনয়ে। যন্ত শীল্ম।
     অভি ক্রন্দ স্থনগোৎপিপানঃ প্লে'ক্রুন্মিত্রত্গ্যায় স্বন্ধী। 🖣 ॥
                        भक्षता। हेरम हेलि। मण्नौ हेलि। ঘোষ:। শস্ত। পুণক্। তে।
                    श्दनग्रः। यक्तु। शीछप्।
 আছি। ক্রেন। তেওছিশিশানঃ। শ্লোকহকুৎ। মিত্রহত্গার। সুহকারী। ব।
      ধীছিঃ কুংঃ প্র বলাভি বাচমুদ্ধরি সহনামায়ধানি।
    इस्तरमा महता नि इत्यत्र मिट्रितमिका चन क ध्याने हि॥ ৮॥
  थीखिः। कुखः। श्राः तनाखि। तात्रम्। खेरा दर्शन नचनाम्। च्याह्न्यनि।
   देख १८मपी। मदनः। नि। स्वयमः। गिटेखः। अभिकाम्। अन्। अञ्चनी हि।৮।
  गংক্রন্দনঃ প্রবদো ধ্র্মুংমা: প্রবেশক্বদ্ বছবা আমহোষী।
con(शा बचारना बग्नुनानि विषान् कीर्छिर बङ्ख्या वि इत बिन्नारका ।»।
```

```
१०१-->०->२म। ] विश्मीर मृत्यर ।
   गभ्रकम्बनः। श्रव्याः। धुक्टर्शनः। श्राप्यक्तः। त्रव्याः। श्राप्याः
শ্রেরঃ। বরানঃ। বর্ণানি। বিধান। কীউিম্। বছংখ্যঃ। বি। হর। বিংরাজে।১৯
    শ্রেমাংকেতে। বস্থলিৎ দংগীয়ান্ত শংগ্রামলিৎ দংশিতে। ব্রহ্মণাদি।
  অংশুনিব আ।বাধিধবণে অজিগ¹্যন্ জুন্তু(ভধি নৃত্য বেদঃ॥ > ● ।
 শ্রেষ্ণংকেতঃ। বর্থজেং। দহীয়ান্। সংগ্রাম জিং। দম্হলিতঃ। অক্ষণা। জাদি।
আবংশূন্হইব। এববা। অধিহলননে। অভিনে গ্ৰান্। জুমূভে। আধি। নুভা। বেদঃ।১০১
---
       শক্রশাণ্নীধাড়ভিমাতিষাতো গবেষণঃ সহমান উদ্ভিৎ।
 ৰাখীৰ মন্ত্ৰং প্ৰ ভরস্ব বাচং শাংগ্ৰামজিভাগেনমুদ্ বাদেই । ১১।
    শত্রবাট্। নীবাট্। অভিমাতিহসহঃ। গোহএবণঃ। সহমানঃ। উৎহতিৎ।
         ৰাগীহইব। মন্ত্ৰা তরখা বাচপ্। সাংগ্ৰামহলিত্যার।
---
                     इसम्। छर। वन। हेर ॥ ३३ ॥
     শচ্যতচ্যুৎ সমলে। গ্ৰিষ্ঠে। মুধে। জেতা পুরএতাঘোধাঃ।
वेत्स्य खर्था विषय निविकाक्ष्रिकाश्चरना विषय । वाहि ना छत्। ३२ ॥
```

আচ্যত হ চুবে। ব্যক্ত । প্রাহ্ এত । বিল্লা । নিহ্ চিকার । কংই ভোত নঃ ।

বিশ্বতাম্ । যাহি । শীক্তম্ । ১২ ।

ইতি চ তুর্বে পুরাকে পঞ্চনং মুক্তর ।

'বিহ্নদাং' ইতি হক্তেন প্রদেনাত্তাশনবিধ্বেশকর্মণ দর্মবাদিত্তাণি প্রকাল্য তপরোশীন সংশ লেপরিধা দম্পাতবন্ধি তিরাহত। বাদকার প্রয়তি। তথা অনেন হক্তেন শোমাজুরমণিং মরিশচর্মণা বেষ্টিভং ক্রমা দম্পাত্য অভিমন্ত্রা বরাতি। তথ উস্তং কৌনিকহতে। 'বিহ্নদন্ধ ইত্যুক্তিভারাং হলা ক্রবং উবর্জন শোমাংশু হরিশচর্মবৃথ্নী বা ক্ষত্রিয়ায় বরাতি' ইতি (কৌন্ব্রা)। 'বিহ্নদন্ধ' ইতি হক্তেও শ্রব উক্তেখেরেণ প্রয়োগঃ। উব্রুদ্ধ তির্ধং পরিবর্জন্ন।

বিজ্ঞান্ত বৈদ্যালয় ব্দানিত্ত বৃদ্ধে।

বিজ্ঞান বিষ্ণালয় বিদ্যালয় বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বৃদ্ধে।

বিশ্ব বৃদ্ধি বৃদ্ধি

```
२>ए-७-६५ : ]ः अकवि९भर-मूक्तः ।
        ७९६८र मामा । भनमा । ठक्षा खन (त्रन । छ।
   ধাবস্তা বিভাতঃ। অমিতাঃ। প্রহজাবেন। আব্রো। হতে ॥২॥
       বানস্পাঠাঃ সংভূত উম্ম্যাভিবিশ্বগোত্রাঃ।
       প্রাক্তা বদাক্তোনাভিঘারিতঃ । 👁 🛭 ·
       বানস্পত্যঃ। লগংভ্তঃ। উপ্রেগ্নভিঃ। বিশ্বংগোত্যঃ।
    যথ। মৃগাঃ সংবিজ্ঞ আর্ণায়ঃ পুরুষাদধি।
এবা ঘং ছুন্তুভিমিদ্রানভি ক্রন্দ প্র ত্রাণয়াথো চিন্তানি মোহয় 184
      আলর। অংশেইভি। চিভানি। মোহর।৪।
        1 1
    ষ্থা বুকাদলাবয়ো ধাবন্তি বহু বিভ্যুতীঃ। এবা । ৫ ।।
                   1
        1
```

```
७३२ णश्यित्वन-गःहिछ। ( वका--अनः
। । । । । । ।
এবা ছং ছুন্দুভেমিত্রানভি ক্রন্দ প্র ক্রাণয়াথো চিভানি মোহয়।। ৬।।
     यथा। (श्रमारा भठिवाः। नम्हिकारका व्यवः । निश्वका क्रमर्थाः। यथाः
     এ। খম্। হৃদ্ভে। অমিতান্। অভি। ক্রন্। এই। তালয়।
              অথোইতি। চিতানি। গোলয়।৬।
          । ।
প্রামিত্রান্ ফুন্দুভিনা হরিণস্থাঞ্চিনেন চ।
       । । ।
সংক্রে দেব। অভিতেশন্ যে সংগ্রামভেশতে ॥ ৭ ॥
       | । । ।
খরা। অমিতান্। হল্পভিনা। হরিপক্ত। অধিনেন। চ।
— — — — — —
      শংক। দেবাঃ। অভিনেদ্। যে। শম্হগ্রামভা ঈশতে । ৭ ।
         বৈরিন্দ্র: প্রক্রীড়তে পদেব।বৈশ্ছায়য়। সহ।
         তৈরমিত্তান্ত্রণন্ত নোমী যে যন্তানীকশঃ॥৮॥
       ৈ। ইন্তঃ। প্রহিক্তীড়তো এংহবোবৈঃ। ছায়য়া। প্রা
 জৈঃ। অনিজ্ঞা:। তাৰভা নঃ। আনীইভি। যে। যতি। আনীকংখা।৮ 🌬
```

खारचारा इन्द्र इताछि क्लागस्य या निमाः। । দেনাঃ পরাঞ্জিতা যভীর্মিকাণামনীকশং।। হ্ন।। জ্যাহংখাবাঃ। তুল্পুভয়ঃ। অভি। কোশস্তু। যাঃ। দিশঃ। । শেনাঃ। ণরাহলিতাঃ। যতীঃ। অমিঝাণাম্। অনীকহশঃ।৯। ---। । । । ভাপিতঃ চক্ষুলা দংস্থ মরীচুলোকু ধাবত । প্ৰশিক্ষনীয়া শক্ত বিগতে বাজ্বীর্যো ১০।। আদিত্য। চফু:। আগা দংখা মরীচয়:। আছে। ধাৰত। প্ৰহ্মকিনীঃ। আনা। স্বস্তা বিহ্গতে। বাত্হগীৰ্থা ১০॥ --- ---যুগমুগ্র। মরতঃ পৃশ্লিমাতর ইচ্ছেণ ধুলা প্র মৃণীত শতান্। লোমো রাজা বরুণো রাজা মহাদেব উত মৃত্যুরিক্র:।। ১১।। — — - - -শোমঃ। রাজা। यक्रणः। রাজা। মহাংদেবং। উড়া মৃত্যুঃ। ইফাঃ। ১১॥ এত। (प्रतामनाः भूगी(क्षणः माह्यमः। । অমিত্রান্নো জয়ত্ত স্থাহা॥ ১২॥

এতাঃ। দেবংলেনাঃ। ক্রিংকেতবঃ। সংচেত্রঃ।

। অনিজোন্। নঃ। ভয়স্ক। বহা।১২।

> চতুৰ্বেত্নকাকে বঠং হক্তং। ইতি চতুৰ্বোহ্নাকঃ।

জরতৈরজাকর্মণি 'অগ্নিড্রানং' ইতি অজেন লাজান পার্রতি। তথা তারৈর কর্মণি দাবাগ্নিপ্রদার ক্রমণ জনন অজেন তাত্রকেশে মৃগ্নি লালান লান্নতি। তথা চ আনে শেলিজ্লানং ইতি লাজান্ পায়গতি। দাবে লোহিতপাত্রেণ মৃগ্নি লম্পাতান্ জানরতি ইতি (কে) । লাজাঃ ক্রমণ ত্রীহয়। তান্ অভিনয়া পার্যতি মণ্ডং ক্রমণ ।

5

यः शक्तमः शक्तिराशिक्षरम हेभक्ताः। ७ खानर विषेधावीर्यामवाकः श्रुता इत्या। •।। यः। शक्तवः। शाक्रद्यमः। चवस्यःगः ६६व। चक्रत्रेः। । । ভক্ষনশ্। বিশ্বধাংবীর্ষা। অধ্যবাধণ্য প্রা। ছব । গ। वमनाकः व रितामि नमः क्वा छत्रता भक्छत्र मृष्टिदा प्रनद्तक् मशत्रवान्।। ।।। वा हिताय। मनः। कृषा। अञ्चलन। । শৃক্ষ্করভা মৃটিংহা। পুনঃ। এড়া মহাংর্বান্। ৪ । ওকো অভ মূলণপ্ত ওকো অভ মহার্দাঃ। । । । যাবজ্জাত স্তর্গুড়াবান্দি বল্(হিকেমু জোচুর: । ৫ ॥ चित्रा चन्ना सूनक्तका। चन्ना चन्ना सहाक्त्रवाः। । বাবং। আনতঃ। ভর্ব। ভাবাৰ। অবি। বল্বিকের্। নিহ্ওচরঃ। ১ 🛭 ७ अन् वार्णि वि श्रम वा म प्रति वावज्ञ। मागोर निष्कितीमिक छाः वरक्षण ममर्शन ॥ •॥ व्यक्त-- १३ (२०)

। । তজাৰ। বিহ্বাল। কি। পদা বিহ্বক্ত। ভূৱি। যবর। । দাণীমুঃ নিয়হত ক্ৰীশা ইছে। তাৰ। বজেৰ। পৰা অপবি।৬। ভক্তৰ ভ্ৰবজো গছে বল্বিকান বা পরস্কাম। পূজানিক প্ৰক্ষাংগভাং ভক্তন কীব ধুমুছি। १। তকান্। মুক্সংবভঃ। গছে। বল্হিকান্। বা। পরঃংভ্রান্। শুলান্। ইচ্ছ। প্রথক্তিনি তান্। তরুন্। বিংইব। ধুবহি। । মহারদান মূলবতো বল্পানি পার্মিটা। প্রৈতানি হরনে জন্মে অন্তক্ষেতাণি বা ইমা।৮।। । মহাহরুবান্। মুগহণতঃ। বজু। আবরি। প্রাহইতা। -- --প্রা এতানি। ভল্লে। জন্ম। অভহকেলাণি। গৈ। ইনাচে। ়। অক্তক্তে ন রম্পে বশী গৃনু মৃভ্য়াণি নঃ। া । অভূহ প্রাৰ্ভকা দ প্রিয়তি বল্ছিকান্॥ ৯॥ भग्रस्टक्टको ना उत्थलना यथी। नग्रा मृज्यान्। सा । । । অভুং। উংইতি। প্রথম্বলে ওকা। দঃ। প্ৰিয়তি। বিল্হিকান্। ন।

यर पर भीरकारमा ऋतः गद कागारमधः। । ভীমাতে ভক্ত হেওয়ন্তাভিঃ আনু পার রঙ্কিন না। ১০। । বং। খুন্ শীতঃ। অংশেইভি। রুরঃ। नহ। কালা। অংবেপয়ঃ। मा रेमा छ । यो न् क्रमा बलागः काममूहा गम्। ম। স্মাতে।ব্বাতিঃ পুনন্তং ছ। ভক্ষমুপ ক্রবে।। ১১॥ मा। मा এडाक् नथीन्। क्रूब्धाः। योगानम्। कानम्। उरस्यक्रम्। মা: কা অভঃ। অক্লিড্। আন। এইঃ। পুন্ধা তথা. ু বাণ ভল্লণ্য উপণ উপণে ১৯১॥ ভক্ষন্ জাত্তা বলাবেন কজা কাশিকয়া গ্ৰু পাপ্যা ভ্রাত্রোণ মহ গচছ। মুমরণং জনম্। ১২।। । । । । ভিকান আনা বলাপেন। কলাবিজা। কচ া } । পাণ্ডুশন অণ্ড্রোণা বহাগছে। অনুবা অরশ্য অনম্। ২২-১

ত্তীরকং কিত্তীয়ং সদন্দির্ভ শারদ্র।

ভর্মিন শীভং রারং হৈছের সাশায় বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারং হৈছের সাশায় বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারম। হৈছের মান বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারম। হৈছের মান নালর। বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারম। হৈছের মান নালর। বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারম। হৈছের মান নালর। বার্ষিক লা ১০।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের মান বার্ষিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের মান হার্মিন লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের মান বার্ষিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের মান বার্ষিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের শালরমান বার্ষিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হৈছের মান বার্মিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হামেন হৈছের মান বার্মিক লা ১৪।

ভর্মিন শীভং রারমেন হামেন হামেন

কৃষিতৈ বজাক পানি। 'ওতে সে ভাবাণ বিবী' ইতি সংক্রেম করীর মূলং দলপাতা অভিমন্ত্রণ বন্ধীরাং। ভবা অনুনম স্থান্তেন সৌবালৈঃ করীর দান্তং (বইরিয়া স্ক্রেম শণিয়া পানাণে দুর্লরতি। ভতঃ স্ক্রেমারের প্রতগতি। ভতঃ স্ক্রেমারণাতি। তথা অনেম সক্রেম প্রায়েপাংশুন অভিমন্ত্রা সংবাম হত্তেন বলিলামুখো তৃদ্ধা পাংশুন পরি কির্তি। তথা অনেম স্ক্রেম পাংশুন অভিমন্ত্রা হতেন মবিয়া ক্রমেক্রপরি ক্রিপতি। তথা অনেম স্ক্রেম আভিয়ক্ত্রণ বিধার ক্রমিত ক্রমার ভবা অনেম স্ক্রেম পালাহ আর্মান ক্রমিত ক্রমার ভবা অনেম স্ক্রেম পালাহ আর্মান ক্রমিত ক্রমার ভবা অনেম স্ক্রেমারণার। তথা অনম স্ক্রেমারণার করিবল নবনী চমিশ্রেশ অভিমন্ত্রা পায়াবেশ ক্রমিত ভিমন্ত্রা বাাধিকার অবিশ্বতি ট্রামারণার স্ক্রমার এক বিংশত প্রীরাণি জীতি মন্ত্রা বাাধিকার অর্মারণির ভিমন্ত্রা বাাধিকার অর্মারণির ভার বাাধিকার অর্মারণির ভারিত ভার বাাধিকার অর্মারণির ভার বাাধিকার অর্মারণির ভার বাাধিকার অর্মারণার ভার বাাধিকার অর্মারণার ভার বালাকার ভার বাাধিকার অর্মারণার ভার বাাধিকার অর্মারণার ভার বাাধিকার আর্মারণার ভার বাাধিকার অর্মারণার ভার বাাধিকার বালাধিকার বাাধিকার বাাধিকার বাাধিকার বাাধিকার বাাধিকার বাাধিকার বাবিকার বাাধিকার বাধিকার বাাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বাধিকার বা

বাাবিতং আপ্লাবয়তি। তৎ উক্তং কৌশিকস্ত্রে। 'ওতে স ইতি করীরস্বাং কাওেনৈকদেশং প্রামাৎ পাংশৃন। পাতাৎ অরেশ্যাত্রকাইছে মুদলবৃত্তেদ নধনীভাষ্টক প্রিঃ ঐতিহারং ভাল্নি ভাগরতি। শিশুতির্ননীভাষ্টিশ্রং গ্রেকি। একবিংশতিং উদীরাণি ভিমল্লি (১০) ইতি সংস্লাকং। উদীরাণি প্রথাক্তি। একবিংশকা। দহাপ্লাবছতি ইতি (কৌণ ৪০৫)।

थर् दम छानांभूथियो ७७। (तथी मतस्त्रो। । ওতে স ইন্দ্রাশ্চারিশ্চ ক্রিমিং জন্তরভামিতি।। ১॥ । । । । । ওতে ইতাৰ্উতে। ৰে। ভাষাপুৰিকী ইভি। আৰ্উভা। দেবী। শুরুষ্ঠী। আৰ্উভৌ। মে। ইক্রঃ। চ। অরিঃ। চ। ক্রিমিণ। অভরতাশ। ইভি । ১ ॥ পভেজ কুমারভ জিমীন ধনপতে জহি। क्छ। विश्वा अत्राज्य छेट्यन न्हमा सम्।। ३ ॥ ইজা কুমারভা ক্রিমান্। ধন্হপতে। আহি। হতাং। বিখাঃ। শরাভয়ঃ। উত্তোপ। বছপা। মুদ্দ ২ 🖡 যে। আক্রে) পরিদর্শতে যো নানে পরিদর্শতি। प्रकार (या अनार भिष्किष्ठ ७: क्रियर अख्यामिता। ०।। वश अध्याने। भतिरुम्भीत। वशा मार्ग्स्ति। भतिरुम्भीता। **क्छाग**्। यः। স্থাশ্। প্রতি। তম্। ক্রিশিম্। **অভ**লাশ্লি । ৩.।

व्यवस्थान-गर्वकः। ( दका-क्यः। मक्तरभी द्वी निक्तरभी द्वी कृत्की द्वी त्वाबरकी द्वी। ৰজ্ৰণ্চ হজ্ঞকৰ্ণন গৃঞ্জ: কোক্ষচ তে হড়াঃ । ৪ ॥ बरुक्तानी। (यो। विरुक्तस्मी। (यो। कृत्यो। (यो। (व.वि.छो। (यो। च्छः। ह। चळ्कर्माः। ह। गृथाः। स्कानः। ह। स्का द्रष्ठाः। ८ ॥ বে ক্রিময়: শিভিকক। যে ক্রফা: শিভিবাহন:। । (य (क ह विश्वत्रभाष्ठान् क्रिकोन् मख्यामिता द ॥ | (খা ক্লিম্য়টো শিভিহ্ক কলি। যো ক্লেকা:। শিভিছ্কীট্ৰ:। । যোকোচা বিশিহরূপটো তান্। ক্রিমীনট্ট অভার্যিলি॥৫॥ উৎ পুরস্তাৎ সূর্য্য এতি শিশ্বদৃষ্টে। শদৃষ্টহা ।

कृडे। । प्रमा चल्डे।मा । नर्जीमा हा उद्यश्यम् । किसीन्। क

! বেৰাধাল: কক্ষ্যান একংকা: লিগবিত্ৰুকাঃ। পৃষ্টেশ্চ হলতাং ক্রিমিকভাগৃত্তশ্চ হলতাম্।। ৭।। } । বেবাৰালঃ। কজগালঃ। এলংহকাঃ। শিপ্ৰিজুকাঃ। -- ---পুটা চা হক্সতাম। ক্ৰিমিঃ। উত। অনুটা চা হক্সতাম্। বঁট । । হতে। ধেৰামঃ ক্ৰিমীণাং হতে। নগনিমোও। । । সংকান্নি শহাধাকর: দুগলা খলুঁ ইব ॥ ৮ ॥ । হতঃ। যেবাবঃ। ক্রিমীণাশ্। ইঙ্ঃ। নগনিমা। উত্। । শুক্রিন্। নি। মল্লবান জ্বকরণ। ভূবকা। ভ্লান্হইব॥৮॥ किनीर्वार्थः किक्रूपर किमिर गानकमर्व्यन्। भूगामागा शृष्टीवाल उपनामि यान्द्रतः॥ ॥॥ । । । । ভিছলীধাৰণ। ভিছককুলম্। ভিছমিম্। লারজম্। অবজুনম্। चुना[मा च्यक्ता पृष्टीः। च्यन्ति। द्रम्ठामि। यरा मितः।≽। ः णिखाम् यः जिन्नरम। रुप्ति क्षान्यसमिति ।

। । । । । । । । भगसायः किनोन्। > ।

```
अखिरार। तः। क्रियतः। विश्व। क्षुरत्रः। अपनिष्रिर्यः।
    অপ্রভে বেল্পা। শৃষ্। শিক্ষা অহন্। ক্রিনীন্। ১০ ।
    হতে। রাজ। 'ক্রমীণামুতৈবাং স্থপতিহত:।
    .ছতো হত্যাতা ক্রিমিইতভাতা হত্রণা। ১১॥
  হতঃ। রাজা। ক্রিমীশান্। উত। এবাম্। তুপতিঃ। হতঃ।
   इकः। इक्शाठा। किंगः। इक्श्वाठी। इक्श्वा। ३३।
   ্ত্তানো অন্য নেশনে। ত্তানঃ পরিবেশনঃ।
 ৰাৰে। বে ফুল্ক। ইবু দৰ্বে তে ক্রিনয়ে। হতা: ॥ ১২ ॥
      ।
ছঙাৰঃ। অভা বৈৰবঃ। হঙাৰঃ। গৱিহবেৰৰঃ।
অংশোইতি। বে। কুরকাংংইব। শর্কো তে। জিনয়ঃ। হতাঃ॥১২॥
   भदक्षियाः ह क्रियोगार भक्षामार ह क्रियोगाम्।
     [क्निजाभागा निर्देश प्रश्नाशिना सूर्यम् । >० ।
    । । । ।
नार्यक्रवायः। हा क्रियोगायः। नर्यक्षानायः। हा क्रियोगायः।
   । । । ।
ভিনার। জকানা। শিরঃ। বহামি। স্বিনা। মুধমু॥১৩॥
              इंडि १क्८भक्षतादक विशेषाः प्रक्रम्।
```

শোরোহিত্যং করিয়ন 'দ্বিতা প্রদ্যানাং' ইতি স্তেন শ্রেণাহ্রতা: স্থিদ আদ্বাতীতি কেশবঃ। তথা চ স্তেং। 'দ্বিতা প্রদ্যানাং ইতি পৌরোহিত্যে বংক্তন বৈশ্বাপীঃ দাধি আধার' ইতি (কৌ হাচ)। বিখে৷ লুণাতে চল্লোকাং ইতি বিশ্বাপা আমানাকা। তথা তবা এতাত্বাীঃ দ্বিধা। চল্লম্বা দ্বাপোপ্য আমানাকা বিশ্বাপতি হি দারিলাঃ। তথা অক্তক্ত বিনাহে আজাহোমে বিনিয়োগঃ। তথা চ স্তেং। 'দ্বিতা প্রদ্বানাং ইতি ইতি (কৌ ১০।৪)। তথা চাতুর্বাক্তে বৈশ্বদেশ শ্রেণি দাবিত্রং মাগং 'দ্বিতা প্রদ্বানাং' ইতি ক্রেমা অক্সমন্ত্রনেত। তদ্ উদ্ধেং বৈভাবে। 'দ্বিতা প্রশ্বানাং' ইতি (বৈ হা৪)।

```
সবিতা প্রদ্রানাম্পিপতিঃ স মাব্তু।
    ব্ৰহ্মণ্যশ্মিন্ কর্মাণ্ডাং পুরোধায়ামন্তাং প্রভিষ্ঠায়াম্যাং।
6িজ্ঞানদ্যান!কুভ্যানদ্যানাশিকাণ্যাং দেবত্ভ্যাং স্বাহা ॥ ১॥
     স্বিতা। প্রহ্মশানাৰ। অধিহণ্তিঃ। দঃ। মা। অবতু।
   অবিনা ব্লাণি। অবিন্। কর্মণি। অভাষ্। পুরংহধায়াস্।
               অভাষ। প্রতিহন্তারাণ।
      চিভাাৰ। অভাৰ। আহকুভাাৰ।
              অভাষ্। দেব১হুতাাম্। খাহা॥১॥
      चित्रिर्द्धन्य्यश्चीनामधिशिष्ठः म गावष्ट्र। •।। २।।
  জ্রিঃ। বনস্পতীনাম্। জ্বিছপ্ডিঃ। সং। মা।
444-40 (20)
```

। তেইভি। যা। অবতামা•।৩। — ---

- ---। । । বক্লণোপামধিপ্ৰিচঃ শ মাৰ্কু। • ॥ ৪ ॥

। বিরুণঃ। অপুণি। অধিহণতিঃ। দঃ। মা। অবভূ। ১৪॥ — - --

। । শিক্তাবরুনো স্বাট্যাদিপতী তে সাবভাষ্। ই।। —

'। •। । মিত্রাবয়স্থাে। স্থিপতী ইতাধিংশতী৷ তৌ৷ মা৷ স্বতাম্। •॥৫॥

। । । মরুভঃ পর্বতোনামধিপতয়ত্তে মাণ্ড। ০।। ৬।।

মক্লতঃ। প্ৰতানাৰ। অধিংপতরঃ।তে। মা। অবস্তা • ॥ ৬ ॥ । । । সোমো বীক্লধাম্বিপতিঃ স মাব্জু। • ।। ৭ ॥

া । শোষঃ। বীরুণাৰ্। অধিহণতিঃ। নঃ। যা। অবভু। •। ৭।

ৰায়ুৱন্তরিক্ল্যাধিপতিঃ স্তাত্যা ৮।।

। বারুঃ। সভরিক্ত। স্থিহপ্তিঃ।•।৮।

```
সূর্য্যশচক্ষুদামধিপতিঃ শ ।। ৯ ॥
     । ।
ত্রাঃ। চকুরান্। অধিহণতিঃ। •॥ >॥
     ।
চন্দ্ৰমা নক্ষত্ৰাণাম্বিপতিঃ 'স ০া০ ॥ ১০ ॥
      —

। |

চক্রঝাং। নক্ষরোণাদ্। অধিহপতিঃ। ৽ । ১০ ॥ .
      ্।
ইন্দ্রো দিবোধিপতিঃ স ০।০॥ ১১॥
        |
हेक्कः। नियः। व्यविष्यिकः।•॥>>॥
  । ।
মক্কতাং পিতা পশ্নামধিপতি: স ০। ০। ১২।
- – – –
    ষক্ষতান্। পিডা। পশ্নাস্। অবিহণ্ডিঃ। • । ১২ ।
~ - --
      মুত্য: প্রজানামধিপতিঃ স্বতাত । ১০।
       মৃত্যা। প্রহলানাম। অধিহণতিঃ। •॥ ১৩॥
   ্। । ।
মুনঃ পিভূণামধিণতিঃ স মাবজু। •।। ১৪-॥-
বনঃ। পিতৃণাম্। অধিহণতিঃ। লঃ। মা। আবসু। • । ১৪০%।
      প্তির: পরে তে শাবস্ত। e il ১৫ lb
```

শিতরঃ। প্ররা তো মা। অবভা • । ১৫ । भवरत ८७ ०।० ।। ३७।। क्याः। व्यवस्त्रः (छ।•।३६॥ ७७७७। महार् अवस् অন্মিন্ ব্রহ্মণ্যন্মিন কর্মণ্যন্যাং পুরোধায়।মন্যা প্রতিষ্ঠায়।মন্যাং চিক্ত্যামণ্যামাকুভ্যামণ্যামাশিয়াশ্যাং দেশসুভ্যাং স্থাহা।। ১৭।। অবিনা বক্ষণি। অবিনা ক্ষণি। অভাষ্। পুরঃহধারাম্। অভাস্। আভিংছারাদ্। অভাষ্। ডিভাাম্। অভাষ্। আহক্তাাম্। অভাষ্। व्यार्निय। व्यक्षम्। स्वरह्डायः। वाह्य ॥ ১९॥ ৰ্তি পঞ্মেত্ৰগকে তৃতীয়ং স্ক্ৰৰ।

গর্ভাগানাধ্যে কর্মনি 'পর্বভাদ দিবঃ' ইতি সংক্রেন আগনকুপরং চক্রছনং আপরিন্ধা কল্পান্তঃ অভিমন্ত্রা বিতীরং চক্রং মুগজিংক্রেন দল্পাত্য অভিমন্ত্র। আপরতি। তথা তক্রৈব কর্মনি কেলুমাংশ্চ পল্পাশংগর্কার্যন্তে নিঘ্বা 'পর্বভাদ দিবঃ' ইতি স্ত্তেন অভিমন্ত্রা শিল্পে আখায় তেনো মৈথুনং করোভি। তদ উত্তং কৌশকেন। 'পর্বভাদ দিব ইত্যাগমকুপরং আশেরতি। মুগল্জনা দল্পাত্বস্তং বিতীয়ং। কেলুমাংশ্চ প্রাশংসক্ররিবৃত্তে নিক্র্যাগায়ি শিল্পে গ্রামং প্রবিশ্ভিট ইতি (কৌ 81>২) ॥

```
६६५-३-8म । ]: श्रक्षविश्मर-मृक्तर ।
       भक्त डाम् विट्वा द्यात्मत्रज्ञातत्रादः गमाञ्च्याः।
    यरबार पृथियो मही पृछानार शर्कमानरम ।
     এবা দুধামি তে গৰ্ভং তহৈ আমবদে হুবে॥ ২॥
     ै।
इशा हे। পৃথিবী। মহী। ভূতানাদ। গ∜ৰ্। আহ্দৰে।
  ্রিয়া আনা দ্ধানি। তে। গর্ভণা তেখে। ছবে। ১৮১৮
       गर्छर ८४/इ मिनीवालि गर्छर ८५/इ मतन्त्रिक ।
       ।
গুৰ্ভ: ডে অধিনোভা গড়া: পুকরত্রকা। ০।
        ।
প্রস্থা ধেহি। দিলীবালি। গ্রস্থা ধেহি। দর্মতি।
     ্রা
প্রত্য হত। অধিনা। উভা। আ। ধ্রাম্। পুরর্হস্রকা। ০.১.
      ।
পর্ভং কৈ মিজোবরুণো গর্ভং দেবে। রহস্পতিঃ।
     া । ।
গ্রুং ভ ইন্দ্রদায়িশ্চ গর্ভ: ধাতা দ্ধাতু ভে । ৪ ॥
```

. जनकार विकास ( क्यां — ় । গঠন্। তে১∷ি—মিঅ।বরুণৌ। গর্চ্দ্। দেবং ⊦ বৃহুম্পতিঃ। '। অভিন্ তে। ইজঃ। চা অধিঃ। চা গভৰ্। ধাতা। দধাতু। তে.।৪.১১ । । বিষ্ণুর্য্যোনিং কল্পাড় ছণ্ট। রূপাণি পিংশভু,। । । আন শিক্ত প্রালাপভিদ্ধাতা গর্ভং দধাতু তে। ৫॥ चा। শিক্ত। প্রশাংশতিঃ।, ধাতা। গ্রন্। দ্ধাত্। তে । ৫ ॥ ্ খদ্ শেদ রাজা বরুণো যদ্ বা দেবী শরস্বতী। । । यनिरस्ता द्व**बरा** रयम छम् गर्छकद्रगः পि**र ॥ ७ ॥** यदा हेळा। ब्रज्ञस्हा। त्वना छदा भर्छरकत्रनम्। निवाधाः । গভো অন্যোধধীনাং ীু গভো বনস্পতীনাম্,। গর্ভো বিখন্য ভূতক বে। অংগ্রেগ্রহ ধাঃ। ৭ । । । । গৰ্ডঃ। অনি। ওৰণীনান্। প্ৰভঃ। বনস্পতীনীৰ্। া । । । পুঠঃ। বিশক্ত। ভূতকা নঃ। অংগ্যা প্রজ্মনা<u>ই</u>কা। <u>ই</u>ইহ**া**ুখাঃ । ১ চ

```
१६ए-४-ऽ०४।] शैकविःभार-मृक्टरे
        द्वराति द्वारान् अकार्टत वा नग्रामित । ৮ ॥
        ्।' । । ।
व्यक्षिः। ऋगा योतप्रयः। शर्ङभ्। व्याः। स्थितः। स्वाद्याम्।
      क्षता व्यति। त्रकार्यन्। व्यरकारेन्नः चाः व्याः सन्नामनि॥৮॥
        ।
বি জিহীম বাৰ্হংগামে গভতিত ঘোনিমা শয়ামৃ।
       । । ।
অতুষ্টে দেবাঃ পুত্রং দোমপা উভয়াবিনম্।৯॥.
— — — —
    বি। ভিতীয় । বাইংংলামে। গর্ভঃ। তে। যেনিম্। আনা শরাম্।
      धाङः (व्यर्किन ऋत्भवाष्ट्रा नार्या। भीत्याः।
       भूगाश्यर भूक्रमा (पहि मणास्य माति मृडरव # 1 · #
       ্ব : । । ।
ভুৰাজঃ। আলেঠেন। ক্লেণে। অভাঃ। নাৰ্যাঃ। গ্ৰীভোঃ।
      পুনাংলন্। পুজন্। আনা ধেছি। লখনে। মালি। ব্তবে ॥ ১০ ॥
               अपेः (अर्थन ।।। >>।।
```

পুমাংসং পুত্রমা শেহি দশকে মাসি সৃত্বে দিঁ ১৩ টি । । । । অধাহণতে। অর্ডেন। রিণেখ। অস্তাং নাব্যাং। প্রীভোগে

अथर्केटवम-मर्विछ।।

| পুনাংল্য**্। পুরেম**্। আন্। ধেহি। লশমো মালি। হওবে।১৩।

हैं जि शक्षायात्रात्म हजूर्वः श्खाः।

শ্বলং বি যজে ' ইতি প্ৰেক্তন দৰ্শালারাং পুটিকাৰো যুতং মধুনি প্রান্থ জ্ল্রাং। তথা চ
ক্রেং। 'ষলুংবি যজে (৫।২৬) ইতি নৰ্শালারাং লপির্মুদ্দিশ্রং ক্রেছি। দোবো গার
(৬০১) ইতি বিতীয়াং। যুক্তাভাাং তৃতীয়াং' ইতি (কৌ॰ ৩.৬)। আহতিং ইতি
শেবঃ। জ্যোতিটোমে 'যলুংবি যজে' ইতি প্রেক্তন আল্যাং জুহোতি। 'যলুংবি ইতি চ'
(বৈ৽ ৩৬) ইতি বৈতাদক্রাং।

। আৰু কি যজে সমিধঃ আহাংগীয়া প্ৰবিজ্ঞানিক বৈ। যুনজে শুন্ত । ।

। আৰু বিভাগিত সম্ভ্রিখন আহা আছিল।

```
१७२-१-वेम।] येष्ट्विरभार-मूख्यर |
                                                         685
                                         T T
  যুনজনু দেব: গবিভা প্রজানমস্মিন্ যজে সহিব: স্থাহা ॥ ২॥
 যুদক্তা দেবল পৰিতা। আংকানন্। কমিৰ । বজে। মহিবলে বাহা । ২ ॥
ইন্ত উক্থানদাক্তিন যজে প্রবিধান যুনকে শুযুদঃ স্বাহা।। ও।।
           हेलाः। छक्षरमशीन। अधिन्। याजः। श्रीरावान्।
                  যুনজনু। পুহরুজাঃ। খাহা।৩।
---
 প্ৰৈৰা ৰজ্ঞে নিবিদঃ স্বাহ। শিষ্টাঃ পত্নীভিকাহতেই যুক্তাঃ॥ 8॥
              थ्येरथवाः। यद्याः निरुवितः। वाद्याः निर्देशः।
               এপ্রছাভিঃ। ব্হত। ইয়। বুজাঃ। গ।
ছন্দাংনি ৰজে মরুতঃ খাহ। মাতেব পুত্রং লিপুতেহ বুক্তাঃ।। ৫।।
              ছ-লাংলি। বংকা। সক্ষতঃ। বাহা। মাভাংইব।
                  शूबम्। निशृष्ठ। देव। यूक्ताः॥ ८॥
    अन्नमन् वर्षितः (श्रीकनीष्ठियं) छरः छत्रानामिष्ठिः यादा । ७ ॥
           चा। देवम्। चगन्। वर्षिया। अरुकेमगिण्डिः। यक्षम्।
                    ভৰানা। অদিভিঃ। বাহা। 🖢 ।
           叫き有一トン ( 47 ) 1987
```

ज्ञान्तर्वन-गः हिन्छ। । ( १ का-१ ज । ি বিষ্ণুৰ্যা ুনকৈ বন্ধ। তপাংক আনু যতে হয়ুকঃ স্বাহা । । ি । বিফুল যুনজনু বহুংধা তপাংসি। অবিন্য যজে। সুহসুকল বাহা । ব হুকী। যুনজ্ঞু বত্ধ। সু রূপ। হুস্মিন্ বড়ে হুযুকঃ স্বাহা । ৮। पहें। यूगर्का बहर्गा का ज़ना कविन्। यरका कुर्युका विद्याग ভগোধুনজ্বাশিষো ঘণ্যা অব্যান বজে ্। থাবিদ্বান যুন্তে হুযুক: হাহা। ১।। । । ভগঃ। যুনজনু। আংংশিবঃ। ছং। অংশৈ। অসিন্। যজে। ---প্রহিববান্। ব্নজু। প্রযুক্তঃ। খালা । ৯।

₹8€

। গোলে। যুনক্ত নত্দা পরাংক্তিস্থিন্ যড়ের সুযুক্ত স্বাহা।। ১০।। লোনঃ। বুনস্তেনু। বভংগা। পরাংলি। অবিন্য যজে। ভঙ্যুলঃ। বাহা॥ ১০॥ हेट्या यूनक् व्हमा वीर्गामान्यान् यटक छ्यूकः स्राहा।। >>।। हेस्यः। यूगर्क्ता वहरूना कीर्वतिन व्यक्तिम यद्या प्रस्त्वा वाहा >> ।

পৃষ্টিকায়: 'উর্দ্ধা অন্ত' ইতি স্কেন অংগ) মন্থাকারং ওর্থরং দ্বা আছাং কুহোতি। তথা অনংখ্যাতা আগ্রমজ্পীরধিপ্রিতা অনেন স্থাজেন লপ্ত শক্লীর্গ্নী দ্বা আদ্বাং জুহোতি। শেবাঃ দজুলীঃ করে দ্বাতি। তদ্ উক্তং কৌশিকেন। 'উর্দ্ধা অভেতিঃ বার্দ্ধা ওর্ত্তর মুখ্ অভিন্ত ক্রেলি । অনংখ্যাতা অধিপ্রিতা লপ্তাসমন্ত্রীঃ' ইতিং (কৌ ৩৬)। প্রতিপ্রবোণাভেন দ্রবোণ কুতাঃ দজুলা আগ্রমন্ত্রীঃ। তথা বন্দানন কর্মান অন্ত স্কুতা বিনিধ্নাগ উক্তঃ। স্কাদিকং 'সমিদ্ধো লগ্ন' ইতি স্তেও (বাসং), দ্রাইনাং।

```
णवर्षात्वम-गः विष्ठाः । ( वर्षा – ६ ज ६
88
     ट्रिट्टा ट्रिट्टा ट्रिट्टा श्रद्धा चनिक्क मध्यो चुट्छन ॥ २ ॥
     मध्या यछः नक्ष देश्यभारता नत्राभारता अतिः
            অ্কুদ্ দেবঃ সবিভা বিশ্ববার:॥ ৩॥
        মধ্ব। বজন্। মৃক্তি। বৈশ্বানঃ। মরাশংদা। জরিঃ।
          সুহত্ত্ব। দেবং। স্বিভা৷ বিশ্বহ্বাগ্নঃ । ৩ ।
      আছেরিমেভি শবদা স্থুতা চিলীডানো বহ্নির্মণা।। ৪।।
 Ή

    অরি: ত্রুচে। অধ্বরের প্রথকু স यक्तक महिमानमश्याः ॥ ৫ ॥

         चित्री क्रां चश्रदत्रु । श्रद्भक्ष्मा नः। यक्त्रा
है -— --
               জ্য। মহিমানস্। অংগঃ। e ।
  ভরী মন্ত্রাহ্ প্রয়ক্ষ্ বসব শ্চাতিষ্ঠন্ বন্ধাত রশ্চ।। ।।
                111
  कत्री। मेळादा श्रीरपक्रा वननः। ठा फठिईन्। बङ्ग्रिश्च हा धार्म
इ.स. १८ १० व्या
```

```
२१ए— १-२म । } गश्चविः भर्-मृद्धर ।
       ।' । । । ।
মারো দেবীরস্থ বিখে ত্রহং রক্ষণ্ডি বিখহা॥ १॥
    काद्रः। (गरीः। भङ्कः। मण्चः विष्यं। खष्ठम्। द्रक्षक्रिः। विष्यं।॥१०
                  छक्रवाहमादाक्षीया भवागातन।
আ। হ্রষয়ন্তী যক্তে উপাকে উধাদানক্তেমং যুক্তমবভামধ্ররং নঃ।। ৮।।
              । । । ।
উক্তহব্যচ্না। অংগঃ। ধারা। পভাষানে ইতি।
     আ। সুষয়তী ইভি। বৰতে ইভি। উণাকে ইভি। উন্নালভা। ইনন্।
া । ।
বৈৰা হোভার উধ্ব মধ্বরং নোর্যের্জিহ্বামি গুণত গুণতা নঃ স্থিতিক।
ভিত্রো দেবীকর্ণিরেদং সদস্তামিতা সরস্থ নী মহী ভারতী গুণানা।। ৯।১ '
   देश्यांश (दश्कांत्रः) केथ्य मृ। अथ्यत्रग्। मशा अरक्षः। विद्यत्रां। अवि।
                   श्वा श्वा तथा दश्हेदा .
      खिला (परी:। विद्रा जा। देवम्। वदवाम्। देखा नदपकी।
                      ষহী। ভারতী। গুণানা । ৯ ॥
                                   -
```

ভমন্ত্রীপমত্তং পুরুক্। (एन पछि। त्रांतरम्भागः वि स गालियनः॥ १०॥ ख्या महा खुतीनम्। चररुक्डम्। प्रकरक्रा टब्दा चडेश तातः। त्थायम्। दि। छ। माखिम्। चछ। >० क्रे व्यान्त्राहरू ज्ञा द्रतानः। জুনা দেবেভ্যো অগ্নিহ্বদুং শমিকা স্বদম্ভু ।। ১১ ॥: । ব্যক্তা অব।];ফুকো র্রাণঃ। সুনা। বেবেভাঃ। আহিঃ। হৰ্যম্। শুমিতা। খৰণুত্থ ১৯ ৮ শংগ বাহ। কুণুহি জাভবেনঃ। देखान्न बख्दर विष्यं (प्रवा विवित्तमर क्र्मस्योग्॥ १२ ₺ 1 1; चार्ता पार्च। कृत्वि। चारुश्रमः।

देलाहा यक्तमा विष्या (प्रयाः। इतिः। हेनस्। सूनकान्॥ ১२॥ देखि वार्ककृतात्क क्षापमः च्यानः ।

•.•.

লক্ষ্ণশিংকর্ম পুনব আগান ইতি বুজাত বিনিরোগা। তথা আয়ুডানত বির্গানশিবন্ধনে অত বিনিরোগা। এতত্ত্ববিজ্ঞর বিনার্থন ইতি বজে (১০০) এইবাং। উপসম্মকর্মণাপি আয়ুডানত ব্রহ্মারিণ আলাহোমে এতল বিনিষ্ক্তং অত আয়ুডগণে পাঠার গ
ক্ষান্তর হি। 'মেধাজননায়ুইয়েজ্জ্রারণ ইতি (কৌ০ প৮)। তথা জনেন ক্ষেত্রন উপনম্মন্তর আয়ুডানত মাণবক্ত পুনর্বনতলোহ (ময়ানি) এীণ পকলাতেক্ত্র ক্রথা নবভালাকং মণিং ব্রিবৃত্তং ক্রথা লম্পাত্যাভিমন্ত্রা বয়ালি ইতি কেশনং। তল্ উক্তং কৌশিকেন।
'উপনম্বনং' (কৌ০ গাচ) প্রক্রমা 'নব প্রাণান ইতি মর্ম্বোক্তং' ইতি (কৌ০ গান)। তথা
'বৈজ্ঞাহ অম্বান্য অমুক্রের চ' ইতি (ন০ ক০ ১৭) বিভিত্রিরাই বৈক্রব্যাখ্যায়াং মহাশাতে
বির্ব্রাণিব্রন্থনি অল্লা ক্ষেত্রণ বিনিয়োগং। তল্ উক্তং নক্ষত্রক্ত্রের। 'নব প্রাণান ইতি
নিম্নতং বিষ্কারাং ইতি (ন০ ক০ ১৯)।

নব প্রাণারবভিঃ সং সিমীতে দীর্ঘার শতশারদার।

| হিরতে জীপি রক্তে জীপ্রাসি জীপি তপ্যাবিঠিভানি ঃ ১ ব

| বা প্রাণান্য সংহতিঃ। সম্য নিমীতে। দীর্ঘার্হ্বার। শতংশারদার।

| হিরতে। জীপি। রক্তে। জীপি। অরপি। তপ্যা। আংবিহিতানি ॥ ১ ব

| আর্ত্রি বাত্তিঃ সংবিদানা অনেন মা জ্রিয়তা পারহত্ত ॥ ২ ব

| আর্ত্রি বাত্তিঃ সংবিদানা অনেন মা জ্রিয়তা পারহত্ত ॥ ২ ব

| বা বার্তিঃ। চল্লমাঃ। ভূমিঃ। আগাঃ। তৌঃ। অর্ত্রিক্ষণ। প্রহিশিঃ। বিশঃ। চ।

আর্ত্রিয়া বত্তিঃ। প্রহিবিধ্নাঃ। অনেন মা জির্তা। পারহত্ত ॥ ২ ব

আর্ত্রিয়া বত্তিঃ। প্রহিবিধ্নাঃ। অনেন মা জির্তা। পারহত্ত ॥ ২ ব

ত্তরঃ পোনাজিরতি প্রস্থামনক পুরা পর্না স্থতেন। অসত ভূষা পুক্ষত ভূষা ভূষা পশ্নাং ত ইহ আরতাম্। ০। জয়ঃ। পোৰাঃ। জিংবৃতি। প্ৰয়ন্তাম্। অন্তৰু। পূৰা। প্রশা। ছতেন। অর্ড। ভূষা। পুরুষ্ড। ভূষা। ভূষা। পশ্নাৰ। তেও ইহা শ্রহাৰ । ৩। ইম্মাণিত্যা বহুন। সমুক্তেম্মরে বর্ষা বার্ধানঃ। हैममिख नर प्रक बीर्या निवित् जिद्राष्ट्री । । । हैभन्। चानिकाः। तम्माः नम्। छेक्का हेशम्। चरक्षा वर्षता वार्यपानः। ইম্ম। ইক্রা লম্। ক্রা বীর্ষেপি। অসিন্। তিহর্ব। প্রয়ভান্। পোব্যিঞ্ । ৪। :: 3 ভূমিনী। পাতৃ হরিভেন বিশ্বভ্লিয়া পিপত্নিনা নজোষা:। बीक्षास्ति कर्ष्युनः गःविकानः तकः विधाष्ट्र स्मनकनानम् ॥ ৫ ॥ বীক্রংছিঃ। তে। সর্জ্বন্। বৃদ্ধবিদানন্। দক্ষণ্। বুধাতু। সুহ্মনভ্যানন্। । केन्द्र- ७ केन । ो केन्द्री विश्मेर-मुर्केर । €3\$ ভ্রেধা জাত । দানেদং হিরণানরেরেক: প্রিয়ভদং বভূদ্ । । । সোমকৈকং হিংসিভন্ত প্রাপ্তহ। বভ্ব। লোমভা একব্। হিংসিতভা পরা অপতং। । दित्रगुना र्विक्तेदेशे चल्छा चाह्रस्याधा ा । जाशूबेर अनगरशः कशुभुष जाशूमम्। ত্রেধামৃতত্ত চকণং ত্রীণ্যায়ুংধি ভেকরম্ । १॥ जिस्मार्वम्। **चग९२ म**रक्षः। কলপ্র। जिस्मार्वम्। । । । । देवसा अमृतका इक्तम्। जीनि। आहुःचि। द्वा अर्कतम्।ने॥ । । । তারঃ হুপর্ণান্তিরভা যুগায়ন্দেকাকরমভিগভূর শক্তাঃ । **मध्य-४**२ (२)

वाध्येदियम-मः हिन्छ। । (१४)—५५ १ অয়:। অহণৰাঃ। তিহ্যা। যং। জায়ন। একংককরম্। অভিংশভ্র। শক্তাः। ্রা । প্রন্থ মৃত্যম্। অমৃতেন। পাক্ষ। অভঃহলগানাঃ। ছঃহইতানি। বিখা॥ ৮॥ দিবস্থা পাতু হরিতং মণ্যাৎ ছা পাছর্জুনম্। ভূম্য। ভাষ্মায়ং পাতু প্রাগাদ্ দেবপুর। ভাষ্ম্। ৯।। দিবঃ। च। পাতু। হরিতম্। মধ্যাৎ। ভা। পাতু। কার্ছেন্ন্। ছ্যাাঃ। অরসরম্। পাত্। এই। অবগং। দেবহপুরাঃ। অরস্। ৯। ইমান্তিত্রে। দেবপুরান্তান্তা রক্ষন্ত শর্পত:। ভাস্ত্র বিভ্রদ্ বর্চস্থেরে। হিণ্ডাং ভব।। ১০॥ ইনা:। ভিল্লঃ। দেবংপুরা:। ভাঃ। ছা। রক্ষয়। দর্মত:। ভাঃ। খুম্। বিলং। বর্জনী। উত্রঃ। বিবতাশ্। ভব । ১০ । नुतः त्वनानामग्रुकः हित्रांतः य णात्यत्य श्रेथत्मा त्वत्या णत्या । । ७टेच मरमा मन आहीः कर्षामाञ्च मग्रठार विद्वनावर्ष स्म ॥ >> ॥ शूत्रम्। त्यांनाम्। अञ्चन्। हित्रगुम्। दः। अव्यवस्याः व्यवसः। त्यवः। अर्थाः । । । ভুৱৈৰ। ন্যঃ। দশা প্ৰাচীঃ। কুণোমি। অহু। ম্যুতান্। विश्वरा नाश्वर्या (मा १२)

145

আ ছা চ্ভহগ্যনা পুনা রংকপতিঃ। শহর্জ্জাত অ যমাম তেন ছাতি চ্তামিশি।। ১২।। আনা বা। চৃতজুঃ অধ্যমা। আন। পুৰা। আনা রহম্পতিঃ। । । আন্তঃহলাতকা। বং৷নাম। তেম। বা৷ অতি। চ্তামণি॥১২-॥ । । ঋতুভিষ্ট্ৰাইটোরায়ুমে বর্চদে হা। মন্ত্রক ভেল্প। ভেন শংহতু কুণ্দি।। ১৩।। । । গতুহভি:। ভা। ভাওটবৈঃ। আবুবে। বৰ্চলো ভা। । । । ল্মহ্বংস্রভা তেজ্লা। তেন। ল্ম্ইড্রা রগুলি । ১০ । ঘৃতা হলু প্রং মধুন। সমকং ভূমিদৃং ২ মচুতেং পার মিষ্টু।। । । ভিন্দং স্পত্নান্ধরাংশ্চ কুগুলা না রোহ মহতে সৌত্তপায়।। ১৪-।৮ প্রাং। উৎস্থম্। মধুনা। সম্হলজেম্। ভূমিচলৃংহম্। সচ্যতম্। পারিরিছু-।, चिन्मरा मध्यप्राम्। व्यवतान्। हा कृषराच्याः सा। রোহ। মহতে। গৌভগায়। ১৪-॥

के कि वर्ष्वक्षवाटक विशेष र प्रकर ।

'পুরস্তাৎ যুক্তঃ' ইতি প্রকৃত চাতনগণে পাঠাৎ যত্ত্বত চাতনগণ্ড বিনিয়েশক্তরতভাত্ত প্ৰক্ৰম্ভ বিনিয়োগঃ। বিশ্বগ্ৰ 'শ্বানং অংগ' ইভি ( ১।৭) হজে কভঃ।

भूतछाम् शूरकः। वह कांडरवरमाशः विकि किन्नमानः यरभनम्। ছং ভিষগ্ ভেষজভাসি কর্তা ছয়। গামখং পুরুষং সনেম।। ১।। शूत्रखारा युद्धा वदा चाङरत्यनः। चत्या विद्या किन्नमानम्। यथा। देवम्। चुन्। चित्रकृ। (चत्रकातः। चिन्। कर्छ। प्रश्नो। श्रीन्। चत्रम्। श्रूक्तम्। नरमम्। ১ ६ ख्या छन्ता कूर् साख्ताना वित्यस्तिनः मह मरविनानः। (सा त्ना विराप्त व्यवस्था व्यवस्था यथा त्या व्यक्त शक्तिविष्यकां कि ।। २ ॥ खना खरा चर्य कृत्। बाठररवदः। विस्वितः। स्वरेवः। नद्। नम्रविदासः। यः। सः। विष्युत् यञ्चः। अत्यान्। यथा। नः। अत्याः शतिरुविः। गठाछि । २ ६ ব্ধা শে। অভ্য পরিধিক্সা । তি তথা তদরে কুণু আত্রেদ্ধ।

विष्यान्द्रितः गर् मःविशानः ॥ ० ॥

ষ্ণা। শঃ। কালা। পরিংধিঃ। প্ডাতি। ত্থা। তং। কায়ে। রুবু। আতংবেদ৴।

विद्वं कि:। क्टेनः। सव। नम्हनिश्रामः ॥ जु ॥ = 1 : ::

३>१- १ ६४ । ] (बहक् । निर्मर-भूकः । े चारका)। नि विधा छात्रार नि विधा जिस्सीर ति ज्निक का मरा । বিশাচো অস্য যতমে। কবানারে যবিষ্ঠ প্রতি তং শ্নীহি । ৪ । चटका) मि। विधा कपत्रम्। नि। विधा चिद्यसम्। - - - - -ति। इन्दि। था। अठः। मनीहि। ্। । পিশাচঃ। অভাষতমঃ। জবাদ। অংগাম্বিঠ। প্রতি। তম্। শ্নীহি। ৪. ৪.

। । । । । মুদ্দার জ্বং বিজ্বং বং পরাভ্তমাত্মনো কর্মং বতমং পিণাচৈছে।

। ভ্রম্পের বিভান্ পুনর। ভর হং শরীরে মাংসমস্কেরয়ামঃ ॥ ৫ ॥ यरा च्या क्ठम्। विरुद्ध्वस्। वरा পরাरভ्डम्य

আলুন:। জগ্ন্। যভম্ব । শিশাতৈ:।, ો જીલ્લા ભારતા વિલાન્ ! બૂનકા ભાગ જીતા વર્ષા મંત્રીદના ફ - --मारमध्। आयुग्। आ। वित्रवृत्तिः ॥ ६ ।

আবে হ্পকে শবলে বিপক্ষে যো বা পিশাচো অশনে দক্ত ।

। । । ভূদাপ্সুনা প্রজন্ম পিশাচা বি ্যাতমন্তামগদো•বন্স্তঃ। ৬ ॥ Ē

```
অধ্বংবদ-সংহিতা। [ ১৮।—১৯।
আমে। অংপকে। শবলে। বিহপকো যা। মা। পিশাচা। অশ্নে। গদত।
তং। আমুনা। প্রহলয়। শিশাচাং। বি। যাতয়কাম্। অপদং। অয়ম্। আমু
          कौरत या गरस यखरमा प्रमख क्षेत्र वि
              व्याप्त धारमा० यः। छत्रावः॥ १ ॥
         ক্লীরে। মা। মছে। যতমং। দদভা। অকুটংশচ্যে।
— - - - - - - ---
      1
                जनता भारक । यः । १॥
-
       ঋপাং মা পানে যতথো দদন্ত ক্ৰব্যাদ্ যাত্নাং
               শয়নে শয়ানম্। তলা । । ।
1
 দিশা মা নক্তং যতমে। দদত্ত ক্রণাদ্ যাতুনাং শরনে শরানম্।
  ভদাত্মনা প্রজয়া শিশাচা বি যাতয়ন্তানগলোও যমস্ত।। 🔊 ।।
             1
 দিবা। মা। নতকম্। যভমঃ। দদতঃ। তেকবাং অংবাং আত্নাম্। আর্নে। আরানম্।
ছং। আজুনা। প্রহলর। শিশচোঃ। বি। যাত্যভাষ্। অপদঃ। অরুষ্। আভা ৯৯
```

```
क्षेत्र <del>= १०-१२</del>म। । (अटकानिकिश्मार मूक्टर)
     । । ।
क्वन्त्राप्त्रमञ्जूक्षित्रद्र भिणाहर महान्यस्य करि कांकरविषः।
           ভিনিক্তো বাজী বজেণ হস্ত চিছনতু দোনঃ
                    भिरता चगा द्रुष्टः॥ >०॥
 ক্রবাহ্মন্। অবো ক্রিম্। শিশাচন্। মনঃহহনম্। অবি। জাতহবেদঃ।
       ।
তমু। ইয়াং। বাজী। বজেশ। হ'হ। ছিনতু। পোমং।
                    শিরঃ। আজা ধৃফ্:॥ > ।।
---
   ।
সনাদপ্রে মৃণিদি ঘাতুণানান্ ন ছ। রক্ষাংশি প্রনাহ জিগুটা।
সহমুরাদকু দহ ক্রব্যাদে। মা ভে হেত্যা মৃক্ষত দৈবায়িঃ । ১১ ।
       | | |
অব্যা মুণদি। যাতুহধানান্। ন। ছা। রক্ষাংদি। পৃতনারু। ভিত্যাঃ।
              লহহসুরান্। অনু। দহ। ক্রবাংকদং। মা। তে।
                   হেতা।:। মুক্ত। দৈবায়ো:।১১।
            मभारत कांडरवरना यक्तु इः यर शताञ्च्या।
          গাত্রাণ্যদ্য বর্দ্ধভাষংশুরিবা প্যায়ভাষ্যম্ ॥ ১২ ॥
```

नेगर्भादता बाठररियः। यरा खुठम्। यरा नदार्क्ठम्। भावानि। जा वर्षकाम्। वर्षकाम्। वर्षकारहेव। जा। भाषकाम्। जातन् । >१। সোমশ্যের ভাতবেদো অংশুরা প্যায়তাম্যুষ্। कारतं विज्ञल्लिनः (सथायरेक्को र कुपू की वर्ष्ट्र।। ১०।। গৈৰিভাইব। ভাতইবেদঃ। খংখাঃ। আ। পারিতাম্। অর্ম্। । । আনুষ্যা বিহরপুশিনম্। মেধান্। আবক্ষন্। কুবু। ভীবতু॥১০॥ --। । এভাত্তে অংগ্নে স্থিধঃ পিশাচকস্তনীঃ। ভাত্তং অনুষ্ প্রতি টেনা সূহাণ জাতবেদঃ।। ১৪।। এতাঃ। তে। অংল। গ্রহ্ইখঃ। শিশাচই অন্তনীঃ। ডাঃ। चंग्। জুবৰ। আহি । ট। এনাঃ। গ্রাণ। আনতহবেলঃ। ১৪। ভান্ট বিরিরে শ্রিষঃ প্রতি গৃত্তা ছর্চিশ।। कराष्ट्र क्रिया णाई रूचपीः। चार्या नगरहेगः। श्रात्ति। शृङ्गादि। चिनिता। भराष्ट्रा क्रियार स्था अपना मार्गम्। निरीवित । ১৫ । ্ইতি বঠেনুগাকে ভৃতীয়ং স্থ<del>ক</del>ং ।

'লাবভান্ত' ইতি স্ক্তন্ত অংহোলিলগণে পাঠাৎ তক্ত গণত যাত্র্যত্ত গর্মান নুর্বিনিধান উজ্জ্বত্ত পর্যত্ত প্রান্ত প্রান্ত হাল কর্ত্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত হাল কর্ত্ত প্রান্ত হাল কর্ত্ত প্রান্ত হাল কর্ত্ত লবাং (৪।১০) লাবভান্তে (৫।৩০) ইভ্যান্তি ইভ্যান্ত স্থান্ত লাকণোজনং ইভ্যান্ত (ক্রিক গল) । তথা ধ্রিহণ্ডে মাণবকলরীরাভিনন্ত পোণ এতৎ স্ক্তং। স্ব্রেতং হি। 'উত দেবাং (৪।১০) লাবভান্তে (৫০০) ইভ্যান্তি 'ইভ্যান্ত মন্ত্রহণ (ক্রেতং হি। 'উত দেবাং (৪।১০) লাবভান্তে (৫০০) ইভ্যান্তি 'ইভ্যান্ত মন্ত্রহণ (ক্রেতং হি। 'উত দেবাং (৪।১০) লাবভান্তে (৫০০) ইভ্যান্তি 'ইভ্যান্ত মন্ত্রহণ (ক্রেতং হি। 'উত লেবাং (৪।১০) লাবভান্তে (৫০০) ইভ্যান্তি 'ইভ্যান্ত মন্ত্রহণ (ক্রেতং হি) ভব্যান্ত প্রান্ত প্রান্ত করং প্রান্ত শাল্ত মন্ত্রহণ পরিলিটে। 'লবাঙা শিইরান্তার্যাঃ করং ন্যাব্যান্যান্যং' ইভি প্রাক্রম্য 'নর্যনান্ত লাবভান্ত হিতি লাপন্' ইভি (পাত ৬)।

' আব্তন্ত আব্তঃ প্রবিভক্ত আব্তঃ। हेटेश्य ७व मा ग्रुगा म श्रुव्यानग्रु गाः পিভুনকুং বল্ধ তে দৃত্যু।। ১। আহ্বত:। তে। আহ্বত:। প্রহ্বত:। তে। আহ্বত:। ইহা এব। ভব। মা। হুঃ গাঃ। মা। পুর্বান্। জহু। গাঃ। পিভূন্। অবসুৰ। বগাৰি। তে। দৃদ্ধা১। — — — খৎ ভাভিচেক: পুরুধ: স্থে। যদর্শে। জনঃ। উল্মোচনপ্রমোচনে উভে বাচা বদানি তে।।২॥ यरा छ। अधिक्ष्टक्काः। शूक्रवः। यः। यरः। अप्रनः। अपनः। উत्माहनं अत्याहरन हेळूत्याहनश्याहरन। উत्छ हेकि। वाहा। वनामि।

**呵呵何ーサ**の(そか)

व्यक्तिक (अवस्य (अस्यः क्षतमाष्ट्रः कृष्णाम पाणका। — - -

বং। ডে। মাজা। বং। ডে। পিতা। জামিঃ। প্রাতা। চ। প্রক্রিতা। — — — — —

প্রভাক্। বেবৰ। ভেবজন। জরংহলটিন্। কুণোমি। ছাল ৫ ।

हैरिहिष शुक्रम मर्किंग मनमा मह।

। । । দুভৌ হন্দ্য নাতু গা ভাগি জীবপুরা ইছি।। ৬॥

देश अवि। भूकका नहस्ति। सन्ता। नहाः ি । । ছভৌন যমভা মা। জন্ম গালে জৰি। জীগহপুরালে ইছি। ১৯৮ । । । অসুহূতঃ পুনরেহি বিদ্যাস্থদয়নং পথঃ। । । । ম। বিভেন ধরিকাশি জরদষ্টিং কুণোশি ছা। नित्रत्वाहमहर यक्तमाक्तरका काक्ष्यतर **७३॥ ৮॥** মা। বিভেঃ। না মরিয়ালি। জরংহলটিব। ফুণোমি। স্থা। । । । । । নিঃ। অবোচণ্ড অহণ্। যক্ষণা অংশভাঃ। অকংঅরম্। তব। ৮ ৮

णक्रह्ड(न। चन्नस्ता स्र (७ रुनस्रामसः।

व्याः (मान देव व्याणश्चल् वाहा माहः नवखताम्॥ »।।

वच्या (ध्रमारहेव। ध्राः चनध्या बाह्या नाष्ट्राः नेतारहत्राम् । ५% ।

অধ্যানিদ-শংহিত! ৷ ( এবা : ৬ব ৮ । सभी द्वांस्थाकी द्वांसावस्वद्ध यम्ह कांशृतिः। তে প্ৰাণক্ত গোপ্তারে দিবা নক্তং চ জাগ্ডাম্।। ১০ 1 । বাইতি। বোণ২০প্রতীবোধৌ। অবপ্রঃ। যঃ। চ। আগুবিঃ। ভৌ। ভোট আংশিক । গোপ্তার্। কিবা। নক্তম্। চা আংগ্তাম্। ১০ ॥ । । অন্নমগ্রিরুপগন্ত ইছ সূর্য্য উদ্দেতু তে। । । উপেতি মুভ্যোর্গন্তীরাৎ কুঞ্চাচ্চৎ ভমশুস্পার। ১১ চ चन्नम<sub>ा</sub> च्या छिन्दनच्या हेटा ऽवीः। छेरा अठू। (छ। । উৎহএছি। মৃত্যোঃ। গম্ভীরাৎ। কৃষ্ণাৎ। চিৎ। ভ্রদঃ। পরি।১১৮ ন্ধে। যুখায় ন্মে। অস্ত মুগুৰে ন্মঃ পিতৃভা উভ যে নয়স্তি। উৎপারণক্ত যো বেদ ভ্রমরিং পুরে। দণেক্স। অবিপ্রভাতরে। ১২। । উৎহণারণভাষঃ। বেদা ভাষা অধিম্ প্রঃ। লগে। অবৈ। জরিটংভাতরে ॥ ১২ ১১ केष्रं थान केष्र मन केष्र हक्त्रत्वा दलम्। শ্রীরমত গং বিদাং তথ পদ্ধাং প্রতি তিইছু। ১৩॥

```
আনা এতু। প্রাণাে আনা এতু। সম্বা
                । ।
ृबद्धा हेक्डिं। यमग्राः
 मतीतम्। चकाः, नम्⊪ किसोम्। তং। পংহভাগে। এতি। ভিউত্য>৩ ⊩
  श्रीरंगनरिश हम्भूषा नर म्हर्जनः मधीतम् ७.सा० मर वर्णना।
    বেখামুক্ত মা কু গাম্মা কু ভূমিগৃছে৷ ভূবং ৷ ১৪ ৷
     ्रशास्त्रभा चरक्षा ठक्क्ष्या नना एका देशमा नना चेत्रमा
                 ড বং । স্ব। বলেন।
—
  ি ।
বেখা অমৃতভা মা। হা গাং। মা। হা ভ্ৰিক্গ্ৰহঃ ভ্ৰেৰ । ১৪ ॥
     मा ८७ व्यान देश करात्मा चर्णात्माल साम्र ८७।
        ।
সুগ্যস্তাৰিপতিৰ্ম্ভোকণায়ছতু রশিষ্ঠিঃ । ১৫ ।
 ু । বা আধংগতিঃ। মুক্তেনঃ। উৎহ আনদত্ । রাশংভিনা ১৫ ॥
           ইয়ুমন্তর্কাণতি জিহব: বন্ধ। পনিস্পাদা।
```

ইয়ম্। অভঃ। বছতি। জিহকা। বছা। গণিপাণ। খরা। বক্ষণ। নিঃ। অংবাচণ। শতশ্। রোপী:। চ। ভক্ষণঃ।১৬.৪ শ্বং লোক: প্রিয়ন্তমে। দেবানামপ্রাজিতঃ। यदेशा विश्वह मुख्यार किन्देः श्रुक्रम कक्किटन। স চ ছাত্র হামসি মা পুরা করলো মুধা: । ১৭ । অরম। লোক:। প্রিরহতম:। দেবানাব। অপরাহজিতঃ। । यदेणाः घना हेरा मुख्यादा विदेशा श्रृक्तकः। व्यक्तिस्यः। - -- --প্র। চ। স্থা অস্থ। হ্রধামশি। মা। পুরা। জরণা। মুধাঃ।১৬॥

ইভি ৰঠেমুবাকে চতুৰ্বং হস্তাং ।

'বাং তে চক্রু,' ইতি স্কেক ক্বত্যাপ্রভিহরণগণে পাঠাৎ ব্রব্র ডক্ত গণক্ত বিনিয়োগত্ত वर्षवाच एक विनिद्धारभाष्ट्रमस्कतः। विखयस 'मृद्या पृथितनि' हेलि एरक (२ ১১) क्ठा I

ৰাং তে চকুরামে পাত্তে বাং চকুর্মিল্লগান্তে। আবে মাংগে কৃত্যাং বাং চক্রেঃ পুনঃ প্রতি হরানি ভাষ্ ৮ ১ চ ষাস্। তেও চক্তুঃ পালে। পাকেং। যাম্। চক্তুঃ বিশ্বহণাকেঃ।

আন্ধেৰ। ৰাংৰে। কুতামু। বাণা চকুং। পুনং। আছি। হর্ষি। তাৰ্ঃ১৯

```
७५१-२-६म।] धक्विश्मर-मृक्षर् ।
        যাং ভে চক্ৰণু কুকৰাকাৰজে ৰা যাং কুনীরিশি।
                खनार एक कुछा: या: • । २ ।
     ।
বাৰ্য তে। চকুঃ। কুকৰাকো। আবে। বা বাৰ্য কুৱীরিশি।
                যাং তে চক্রাক্র কশকে পিশ্নাম্ভরাণতি।
                  गर्मिए कुछार याः • । ७ ।
         বাম্। তে। চক্ষ্ণ একংশফে। পশ্নাম্। উভয়াদতি।
                   গদিভে। কুডাাম্। •। ৩।
         । । । ।

साः তে চক্রমূলায়াং বলগং বা নরাচ্যাম্।
                কেত্রে তে কুভ্যাং যাং•॥।।
        ষান্। তে। তকুঃ। অমুলাখান্। বলগন্। বা। নরচি)ানু।
                  কেৰে। তে। কুতাম্। •। ৪।
— -
          ষাং ডে চক্রুর্গার্ছপড়ের পূর্ববারাবৃত জ্ঞান্তঃ।
                 भागात्रार कृष्णार यार • ॥ ৫ ॥
```

সুন্দু(জ) কুজাং যাং ০ ॥ ৭ ॥ -- - |
যান্। জে। চক্রুং। শেনায়াশ্। যান্। চক্রুং। ইরুহ পায়ুংগ।

যাং ভে ক্বভাং কুপেশ্লপু: শ্বশানে বা নিচথ্কু:।

হ্নুভো। কভাগা । । । ।

গলুনি কুভাং যাং চক্রু: পুন: প্র'ভ হরাসি ভাষ্য ৮।

```
७)ए----) ध्वकिति। भर-मूकर ।
     যাস্। তে। কুডাম্। কুণে। আবহনধুঃ। পাশানে। বা। নিহচধুপুরি
      লল্পনি। কুত্যাৰ। বাৰ। চকুং। পুনং। প্ৰতি। হরমি। ভাৰ।৮॥
      যাং তে চক্র: পুরুষাক্তে অপ্রে গংকস্থকে চ বাম।
      ভ্রোকং নির্দ্ধাহং ক্রেবাণিং পুন: প্রতি হয়নি ভাষ্:।। »।।
      বাম। তে। চজ্যে। পুরুবংলছে। অংগী। ব্যুহকস্থাকে। চা বাম্।
      হোকেম্। নিঃহ্ণাহন্। ক্রবাহ্পদম্। পুনঃ। প্রতি। হরামি। ভাগ<sub>্রা</sub>৯।
            अन्यस्ता अखारेत्रनाः छाः न्यायकः व्य दिश्रित ।
            অধীর। মর্য্যাধীরেভাঃ সং জন্তারাচিত্যা।। ১০ ॥
— — —
       অপ্থেন। আন। অভার। এনাম্। তাস্। প্থা। ইতঃ। এই। বিশ্লি।
            অব্বীরঃ। মুর্ব্যাহ্বীরেভাঃ। সৃত্। অভার। অভিজ্যা । ১০ ।
---
            यम्हकात न भनाक कर्जुर भारत शाममञ्जित्रम्।
               চকার ভদ্রশন্মভামভাগে। ভগবন্তাঃ।। ১১।।
```

**जवर्ग--४**८ (२)

। চকার। ভন্তন। আমভান্। অভগাে ভগবৎহভাঃ॥১১॥

কৃত্যাকৃতং বলগিনং মূলিনং শপ্ৰেৰাপ্

रेल्छः रह गरका यरधनाश्चर्तिग्रहस्त्रा॥ ১২॥

† । । ক্তাংক্তম। বলগিনন্। মূলিনন্। শণবেধান্।

रैक्टर। छन्। रहा। नस्छा। रायम। अक्रिः। विश्रष्ट्। अक्रवा। ১२ ৮

बर्छक्वादक शक्षमः मुख्यः।।

ৰপ্তোসুবাক:॥

रेकि शक्यः काखर नमाश्चर ॥



## অথর্ব্ববেদ-সংহিতা।

——×:•:×—— বিতীয়ঃ খঝঃ।

भूगः गाम्।-छायुर ह ग्रामकः।

পুজনীয়-श्रीयुक्त-इगानाम-नाहिड़ी-नार्मना

मण्यामिकः।

३७०३ गामाकाः।

কোলী গুভূষণোপেত উপাধি-লাহিড়ী-যুত:।
লাভিল্যবংশদস্তুতো রামমোহনজো দিজ:॥
বর্জনানাথ্য-জেলায়াং গ্রামে রামচন্দ্রপুরে।
আদীং সুধী: সুধারাম: দর্কেবাং প্রীতিসাধক:॥
সুর্গাদাস: সুতস্তুত্র সাহিত্যগতজীবন:।
বসতি স্বগণৈ: সহ হাবড়া-সহরেহধুনা।
'পৃথিবীর ইতিহাদ' ইতি ধ্যাতো প্রস্থুস্তা।
সুধীনাং তৃত্রিদেশ্য সন্তুতি স্বর্তাহতবং।
ব্যাথ্যায়াং চতুর্কেদেশ্য সন্তুতি স্বর্তাহতবং।
কুপয়া জ্ঞানদেবস্থা সিদ্ধিভ্বতু শাশ্বতী॥
মার্মানুসারিণী-ব্যাথ্যা ভূত্বা অজ্ঞাননাশিনী।
জ্ঞানালোকপ্রদা ভবেং সর্কেবামন্তরে সদা॥

